

License Information

Translation Words (unfoldWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Words, [unfoldWord](#), 2022, which is licensed under a [CC BY-SA 4.0 license](#).

This PDF version is provided under the same license.

Translation Words (unfoldingWord)

अंग

परिभाषा:

“अंग” अर्थात् एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को मसीह की देह का “अंग” कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग हैं जो समुदाय अनेक विश्वासियों का संगठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों के “सदस्य” कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरिन्यियो 6:15](#)
- [1 कुरिन्यियो 12:14-17](#)
- [गिनती 16:2](#)
- [रोमियो 12:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंगूर

परिभाषा:

अंगूर (दाख) एक छोटा चिकना गोल फल होता है जो दाखलता में गुच्छों में उगता है। अंगूर का रस मदिरा बनाने के काम में आता है।

- अंगूर विभिन्न रंग के होते हैं, जैसे हरे, काले और लाल।
- एक अंगूर का आकार एक से तीन सेंटी मीटर का होता है।
- अंगूर के बगीचे लगाए जाते हैं जिन्हें दाख की बारी कहते हैं। दाख की बारी में दाखलताओं की लम्बी कतारें होती हैं।
- बाइबल के युग में अंगूर एक महत्वपूर्ण भोज्य पदार्थ था और दाख की बारी समृद्धि का प्रतीक था।
- अंगूरों को सड़ने से बचाने के लिए उन्हें सुखा लिया जाता है। * सूखे अंगूर किशमिश कहलाते हैं जिन्हें केक बनाने में काम में लिया जाता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देने के लिए दाख की बारी का उदाहरण दिया था।

(यह भी देखें: दाखलता, दाख की बारी, दाखरस)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 23:24](#)
- [होशे 9:10](#)
- [अथूब 15:33](#)
- [लूका 6:43-44](#)
- [मत्ती 7:15-17](#)
- [मत्ती 21:33](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H811, H891, H1154, H1155, H1210, H3196, H5955, H6025, H6528, G288, G4718

अंजीर

परिभाषा:

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है। इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिकियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
- बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए और बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्वपूर्ण स्रोत थे।
- फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
- यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- [हबकूक 3:17](#)
- [याकूब 3:12](#)
- [लूका 13:7](#)
- [मरकुस 11:14](#)
- [मत्ती 7:17](#)
- [मत्ती 21:18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

अकाल

परिभाषा:

“अकाल” शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

- फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
- भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
- बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरुद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
- आमोस 8:11 में “अकाल” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में “अकाल” शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ “महान घटी” या “गंभीर अभाव” हो।

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 21:11-12](#)
- [प्रे.का. 07:11-13](#)
- [उत्पत्ति 12:10-13](#)
- [उत्पत्ति 45:4-6](#)
- [यिर्माह 11:21-23](#)
- [लूका 04:25-27](#)
- [मत्ती 24:6-8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

अक्षिला

तथ्यः

अक्षिला यहूदी मत से आया मसीही विश्वासी था, वह काले सागर के दक्षिण तट पर स्थित पोन्तुस का निवासी था।

- अकिला और प्रिस्किल्ला रोम, इटली में कुछ समय रहे थे तब रोमी सम्राट क्लॉडियस ने सब यहूदियों को रोम से चले जाने का आदेश दिया।
- अतः अकिला और प्रिस्किल्ला कुरिन्थ नगर आ गए जहां उनकी भेंट प्रेरित पौलुस से हुई थी।
- उन्होंने तम्बू बनाने में पौलुस के साथ काम किया था और इस प्रकार प्रचार कार्य में पौलुस के साथी हुए थे।
- अकिला और प्रिस्किल्ला दोनों विश्वासियों को यीशु के सत्य की शिक्षा देते थे, इन विश्वासियों में एक प्रतिभाशाली शिक्षक अप्पुल्लोस भी था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अप्पुलोस, कोरिन्थ, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरिन्थियों 16:19-20](#)
- [2 तीमुथियुस 04:19-22](#)
- [प्रे.का. 18:2](#)
- [प्रे.का. 18:24](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G207

अखमीरी रोटी

परिभाषा:

"अखमीरी रोटी" खमीर रहित या खट्टा करने वाले पदार्थ से रहित रोटी। यह रोटी पतली होती है क्योंकि उसे फूलने के लिए उसमें खमीर नहीं होता है।

- जब परमेश्वर ने इस्त्वाएलियों को मिस के दासत्व से छुड़ाया था तब कहा था कि आठे को खमीर होने की प्रतीक्षा किए बिना वे अतिशीघ्र वहाँ से निकलें। अतः उन्होंने भोजन में अखमीरी रोटी खाई थी। तब से उनके वार्षिक फसह में अखमीरी रोटी का उपयोग किया जाता था कि उन्हें उस समय का स्मरण करवाए।
- कभी-कभी खमीर पाप का घोतक भी कहा गया है, अतः "अखमीरी रोटी" मनुष्य के जीवन से पाप निवारण को दर्शाती है, जिससे कि वे परमेश्वर को सम्मान देनेवाला जीवन जिएँ।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "बिना खमीर की रोटी" या "बिना फूली रोटी."
- सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद आपके द्वारा "खमीर" के अनुवाद से सुसंगत हो।
- कुछ प्रकरणों में "अखमीरी रोटी" का संदर्भ "अखमीरी रोटी के पर्व" से है और इसका अनुवाद वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: रोटी, मिस, उत्सव, फसह, सेवक, पाप, खमीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरिन्थियों 5:6-8](#)
- [2 इतिहास 30:13-15](#)
- [प्रे.का. 12:3](#)
- [निर्गमन 23:14-15](#)
- [एज्ञा 6:21-22](#)
- [उत्पत्ति 19:1-3](#)
- [न्यायियों 6:21](#)
- [लैव्यव्यवस्था 8:1-3](#)
- [लूका 22:1](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H4682, G01060

अच्छा

परिभाषा:

“अच्छा” शब्द सामान्यतः किसी के गुण-लक्षणों के सकारात्मक मूल्यांकन के सन्दर्भ में होता है, जो प्रायः नैतिक या भावनात्मक भाव में होता है। तथापि, बाईबल में प्रकरण के आधार पर इस शब्द के द्वारा अनेक अवांतर भेद व्यक्त किए जाते हैं।

- कोई वस्तु “अच्छी” है तो वह भावनाओं को अभिभूत करती है और नैतिकता में न्यायोचित होती है, सर्वोचित होती है, अनुकूल या लाभकारी होती है।
- बाईबल में, “अच्छा” का सामान्य अर्थ प्रायः “बुरे” की विषमता में दर्शाया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए, यदि उसका सामान्य अर्थ उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अर्थ अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दयालू” या “अति उत्तम” या “परमेश्वर को प्रसन्न करने योग्य” या “न्यायोचित” या “नैतिकता में खरा” या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि”; “अच्छी फसल” का अनुवाद हो सकता है, “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद हो सकता है, किसी “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” या किस के लिए “समृद्धि का कारन होना”
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात् “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई” के अनुवाद हो सकते हैं, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता”

(यह भी देखें: धार्मिकता, समृद्ध होना, बुरा)

बाइबल सन्दर्भः

- [गलातियों 5:22-24](#)
- [उत्पत्ति 1:12](#)
- [उत्पत्ति 2:9](#)
- [उत्पत्ति 2:17](#)
- [याकूब 3:13](#)
- [रोमियो 2:4](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **1:4** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह **अच्छी** है।।
- **1:11** परमेश्वर ने **अच्छे** और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **1:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना **अच्छा** नहीं है।”
- **2:4** “परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और **अच्छे** और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।”
- **8:12** ”आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने **भलाई** के लिए बुराई का इस्तेमाल किया।”
- **14:15** यहोशू एक **अच्छा** अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
 - **18:13** कुछ राजा **अच्छे** भी थे, जिन्होंने उचित शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
 - **28:1** “हे **उत्तम** गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘**उत्तम**’ क्यों कहता है? जो **उत्तम** है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।”

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0117, H0145, H0155, H0202, H0239, H0410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G00140, G00150, G00180, G00190, G05150, G07440, G08650, G09790, G13800, G20950, G20970, G21060, G21070, G21080, G21090, G21140, G21150, G21330, G21400, G21620, G21630, G21740, G22930, G25650, G25670, G25700, G25730, G28870, G29860, G31400, G36170, G37760, G41470, G46320, G46740, G48510, G52230, G52240, G53580, G55420, G55430, G55440

अजर्याह

तथ्यः

पुराने नियम में अजर्याह नामक अनेक पुरुष हुए हैं।

- एक अजर्याह अपने बेबीलोन के नाम से प्रसिद्ध है अबेदनगो। वह यहूदा के उन अनेक इस्माएलियों में था जिन्हें नबूकदनेस्सर की सेना बन्दी बनाकर बेबीलोन ले गई थी। अजर्याह और उसके साथी हनन्याह एवं मीशाएल ने बेबीलोन के राजा की उपासना करने से इन्कार किया। अतः उन्हें धधकते भट्ठे में डाल दिया गया था। परन्तु परमेश्वर ने उन्हें बचा लिया था उनकी कुछ भी हानि नहीं हुई थी।
- यहूदा का राजा उज्जियाह भी "अजर्याह" कहलाता था।
- एक और अजर्याह पुराने नियम में याजक था।
- यिर्मयाह के समय अजर्याह नामक एक पुरुष ने इस्माएलियों को स्वदेश त्यागने का परामर्श देकर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करवाया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बाबेल, दानियेल, हनन्याह, मीशाएल, यिर्मयाह, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 02:36-38](#)
- [1 राजा 04:1-4](#)
- [2 इतिहास 15:1-2](#)
- [दानियेल 01:6-7](#)
- [यिर्मयाह 43:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5838

अतल्याह

तथ्यः

अतल्याह यहूदा के राजा यहोराम की दुष्ट पत्नी थी। वह इस्माएल के दुष्ट राजा ओम्री की पोती थी।

- यहोराम के मरणोपरान्त अतल्याह का पुत्र अहजय्याह राजा बना।
- अपने पुत्र अहजय्याह के मृत्यु के बाद अतल्याह ने राजा के परिवार के सब सदस्यों को घात करने की योजना बनाई थी।
- परन्तु अतल्याह के सबसे छोटे पोते, योआश को उसकी चाची ने छिपाकर मरने से बचा लिया था। अतल्याह ने छह साल तक इस देश पर राज्य करने के बाद, उसे मार दिया गया और योआश राजा बन गया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अहजय्याह, यहोराम, योआश, ओम्री)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 22:1-3](#)
- [2 इतिहास 24:6-7](#)
- [2 राजा 11:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6721

अथाह कुण्ड

परिभाषा:

“अथाह कुण्ड” एक विशाल अथाह गड्ढे का संदर्भ देता है।

- बाइबल में “अथाह कुण्ड” दण्ड का स्थान है।
- उदाहरणार्थ, यीशु ने एक दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य से दुष्टात्माओं को निकाला तो उन्होंने यीशु से विनती की कि उन्हें अथाह गड़हे (कुण्ड) में न डाले।

“अथाह कुण्ड” का अनुवाद “अथाह गड्ढा” या “अगाध खाई” किया जा सकता है।

- इस शब्द का अनुवाद “अधोलोक” या “नरक” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: अधोलोक, नरक, दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 8:30](#)
- [रोमियो 10:7](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G00120 , G54210

अदन

तथ्यः

प्राचीन युग में अदन एक ऐसा स्थान था जहां वाटिका थी जिसमें परमेश्वर ने प्रथम पुरुष और स्त्री को रखा था।

- जिस वाटिका में आदम और हव्वा रहते थे वह अदन क्षेत्र का एक भाग मात्र था।
- अदन का स्थान वास्तव में कहां था निश्चित नहीं है परन्तु हिद्रेकेल और फरात नदियां वहां बहती थीं।
- इब्रानी भाषा में अदन शब्द का अर्थ है, “किसी स्थान में बड़ा आनन्द लेना”।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आदम, फरात नदी, हव्वा)

बाइबल सन्दर्भः

- [यहेजकेल 28:11-13](#)
- [उत्पत्ति 02:7-8](#)
- [उत्पत्ति 02:9-10](#)
- [उत्पत्ति 02:15-17](#)
- [उत्पत्ति 04:16-17](#)
- [योएल 02:3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5729, H5731

अदोनिय्याह

परिभाषा:

अदोनिय्याह राजा दाऊद का चौथा पुत्र था

- अपने भाई अबशालोम और अम्मोन की मृत्यु के बाद अदोनिय्याह ने इस्राएल का राजा बनने का प्रयास किया।
- परन्तु परमेश्वर ने राजा दाऊद का सिंहासन सुलैमान को देने की प्रतिज्ञा की थी, अतः अदोनिय्याह की योजना विफल हुई और सुलैमान राजा बना।
- अदोनिय्याह ने दूसरी बार राजा बनने का प्रयास किया तो सुलैमान ने उसे मरवा दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भः

शब्द तथ्यः

- Strong's: G138

अधर्म

परिभाषा:

“अधर्म” शब्द का अर्थ और “पाप” का अर्थ एक सा ही है परन्तु अत्यधिक विलक्षनता में इसका संदर्भ सोच-विचार कर किए गए अनुचित कार्य से, या महान दुष्टा से है।

- “अधर्म का काम” का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) विकृत करना या अनुचित अर्थ निर्धारण करना। इसका सन्दर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म के वर्णन में कहा जा सकता है, मनुष्यों के विरुद्ध जानबूझ कर किया गया हानिकारक कार्य।
- “अधर्म के काम” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “विकृत आचरण” या “भ्रष्टाचार” इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “अधर्म के कामों” का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टा” या “विकृत कार्य” या “हानिकारक कार्य”।
- “अधर्म के काम” उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें “पाप” और “अपराध” शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध करना)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 9:13](#)
- [निर्गमन 34: 5-7](#)
- [उत्पत्ति 15:14-16](#)
- [उत्पत्ति 44:16](#)
- [हबकूक 02:12](#)
- [मत्ती 13:41](#)
- [मत्ती 23:27-28](#)
- [मीका 03:10](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्मी साक्षी

परिभाषा:

“झूठा साक्षी” या और “अधर्मी साक्षी” उस व्यक्ति के संदर्भ में है जो किसी के बारे में या किसी घटना के बारे में, न्यायालय जैसी सभा में असत्य बातें कहता है।

- “झूठी गवाही” या “अन्यायी साक्षी” वास्तव में उच्चारित झूठ है।
- “झूठी गवाही देना” अर्थात् झूठ कहना या गलत वर्णन करना।
- बाइबल में अनेक उदाहरण हैं जब झूठे गवाहों को भाड़े पर लाया गया कि किसी को दण्ड या मृत्युदण्ड दिलवाने के लिए झूठी गवाही दी जाए।

अनुवाद के सुझावः

- “झूठी गवाही देना” या “झूठी साक्षी देना” इसका अनुवाद किया जा सकता है, “अवैध साक्षी” या “किसी के बारे में मिथ्या वर्णन करना” या “किसी के विरुद्ध झूठा अरोप लगाना” या “झूठ कहना”।
- जब “झूठी गवाही” किसी मनुष्य के संदर्भ में हो तब कहा जा सकता है, “झूठ बोलने वाला मनुष्य” या “झूठी गवाही देने वाला मनुष्य” या “असत्य बातें कहनेवाला मनुष्य”।

(यह भी देखें: साक्षी, सत्य)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 19:19](#)
- [निर्गमन 20:16](#)
- [मत्ती 15:18-20](#)
- [मत्ती 19:18-19](#)
- [नीतिवचन 14:5-6](#)
- [भजन संहिता 27:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5707, H6030, H7650, H8267, G19650, G31440, G55710, G55750, G55760, G55770

अधिकार में लेना

तथ्यः

“अधिकार में लेना” (वारिस होना) और “सम्पत्ति” प्रायः किसी वस्तु के स्वामीत्व को दर्शाते हैं। इनका अर्थ किसी वस्तु पर अधिकार करना या भूमि पर अधिकार करना भी होता है।

- पुराने नियम में यह शब्द “भूमि पर अधिकार” या “अधिकार करने” के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- यहोवा ने इसाएलियों को आज्ञा दी कि वे कनान देश पर “अधिकार” करें तो इसका अर्थ था कि वे उस देश में जाकर वहां रहें। इसमें पहले वहां के निवासियों, कनानियों को जीतना था।
- परमेश्वर ने इसाएलियों से कहा था कि उसने उन्हें वह देश उनकी संपदा होने के लिए दे दिया है। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनका अधिकृत निवास स्थान”।
- इसाएल को यहोवा का “निज धन” भी कहा गया है। इसका अर्थ है कि वे उसके अपने लोग थे जिन्हें उसने विशेष करके अपनी आराधना और सेवा के लिए बुलाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- “अधिकारी होना” का अनुवाद “स्वामी होना” या “रखना” या “अधिकार रखना” भी हो सकता है।
- “पर अधिकार करो” का अनुवाद “वश में करो” या “अधिग्रहण करो” “वहां रहो”- प्रकरण के अनुसार अनुवाद करें।
- मनुष्यों की संपदा के संदर्भ में “संपदा” का अनुवाद “सामान” या “सम्पत्ति” या “अधिकार की वस्तुएं” या “जिन वस्तुओं के वे स्वामी हैं”।
- यहोवा इसाएल को “मेरा निज धन” कहता है जिसका अनुवाद “मेरे विशेष लोग” या “मेरे लोग” या “मेरे लोग जिन से मैं प्रेम करता हूं और जिन पर मैं राज करता हूं”।
- भूमि के संबन्ध में जब कहा गया है, “वह उनका भाग होगा” तो इसका अर्थ है, “वे उस भूमि के अधिकारी होंगे” या “वह देश उनका होगा”।
- “उसके अधिकार में पाया गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसे वह रखे हुए था” या “जो उसके पास था”।
- “तुम्हारा निज भाग” का अनुवाद “जो तुम्हारा है” या “वह स्थान जहां तुम रहोगे”।

- “उसकी संपदा” का अनुवाद “जो उसके अधिकार में था” या “जो उसका था”।

(यह भी देखें: कनान, आराधना, inherit)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 6:70](#)
- [1 राजा 9:17-19](#)
- [प्रे.का. 2:45](#)
- [व्यवस्थाविवरण 4:5-6](#)
- [उत्पत्ति 31:36-37](#)
- [मत्ती 13:44](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H0270, H0272, H0834, H2505, H2631, H3027, H3423, H3424, H3425, H3426, H4180, H4181, H4672, H4735, H4736, H5157, H5159, H5459, H7069, G11390, G21920, G26970, G27220, G29320, G29330, G29350, G40470, G52240, G55640

अधिकारी

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव के पद, उत्तरदायित्व, या प्रशासन के स्थान का द्योतक है।

- राजाओं और प्रशासनिक शासकों का उन लोगों पर वैधानिक अधिकार होता है जिन पर उनका शासन होता है।
- “अधिकारियों” शब्द का सन्दर्भ जनता पर अधिकार रखने वाले लोगों, सरकारों या संगठनों से हो सकता है।
- “अधिकारियों” शब्द का सन्दर्भ उन आत्माओं से भी हो सकता है जिनके पास उन मनुष्यों पर अधिकार है जिन्होंने परमेश्वर की अधीनता स्वीकार नहीं की है।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक्क है।

अनुवाद के सुझावः

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी “अधिकार” शब्द, “शक्ति” के अभिप्राय में भी काम में लिया जाता है।
- जब “अधिकारियों” शब्द लोगों पर शासन करने मनुष्यों लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए काम में लिया जाता है, तो इसका अनुवाद हो सकता है, “अगुओं”, “शासकों” या “सत्ता” के रूप में भी किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- “अधिकार के अधीन”, इस अभिव्यक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “पालन करने के उत्तरदायी” या “अन्यून की आज्ञाओं का पालन करने की अनिवार्यता।”

(यह भी देखें: प्रभुता, राजा, शासक, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [कुलस्सियों 2:10](#)
- [एस्टेर 9:29](#)
- [उत्पत्ति 41: 35](#)
- [योना 3: 6-7](#)
- [लूका 12:5](#)
- [लूका 20:1-2](#)
- [मार्क 01:21-22](#)
- [मत्ती. 8:9](#)
- [मत्ती. 28:19](#)
- [तीतुस 3:1](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H8633, G08310, G14130, G18490, G18500, G20030, G27150, G52470

अधिकारी होना**परिभाषा:**

"विरासत" माता-पिता या किसी से विशेष संबंध के कारण कोई मूल्यवान वस्तु प्राप्त करना। यह शब्द उस व्यक्ति के साथ विशेष संबंध के कारण किसी अन्य व्यक्ति से मूल्यवान वस्तु प्राप्त करने का भी उल्लेख कर सकता है। एक "विरासत" वह चीज है जो प्राप्त की जाती है, और एक "वारिस" वह व्यक्ति होता है जिसे विरासत प्राप्त होती है।

- सांसारिक उत्तराधिकार में पैसा, भूमि, या अन्य सम्पदा प्राप्त होती है।
- परमेश्वर ने अब्राहम और उसके वंशजों से प्रतिज्ञा की थी कि कनान उनका भाग होगा कि वह सदा के लिए उनका होगा।

अनुवाद के सुझावः

- जैसे सदैव किया जाता है, पहले यह देखें कि लक्षित भाषा में "वारिस" या "भाग" (उत्तराधिकार) के लिए शब्द हैं, उनका उपयोग करें।
- प्रकरण पर निर्भर, "भाग" को अनुवाद के अन्य रूप है, "प्राप्त करना" या "अधिकार में लेना" या "अधिकारी होना"।
- "ठहराया हुआ भाग" (रिक्ष) के अनुवाद हो सकते हैं, "प्रतिज्ञात वरदान" या "अधिकार पाना"।
- "वारिस" शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द से किया या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ, "सौभाग्यशाली सन्तान जो पिता की सम्पदा प्राप्त करती है" या "(परमेश्वर की) आध्यात्मिक संपत्ति या आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए।"
- शब्द "विरासत" का अनुवाद "परमेश्वर से आशीर्वाद" या "विरासत में मिली आशीषों" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: वारिस, कनान, प्रतिज्ञा का देश)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियियों 06:9-11](#)
- [1 पतरस 01:3-5](#)
- [2 शमूएल 21:2-3](#)
- [प्रे.का. 07:4-5](#)
- [व्यवस्थाविवरण 20:16-18](#)
- [गलातियों 05:19-21](#)
- [उत्पत्ति 15:6-8](#)
- [इब्रानियों 09:13-15](#)
- [यिर्मियाह 02:7-8](#)
- [लूका 15:11-12](#)
- [मत्ती 19:29-30](#)
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **04:06** जब अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उससे कहा कि, "अपने चारों ओर देख" क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को द्लूँगा।
- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए?"
- **35:03** "किसी व्यक्ति के दो पुत्र थे। उनमें से छोटे पुत्र ने पिता से कहा, 'हे पिता, सम्पत्ति में से जो भाग मेरा है वह मुझे दे दीजिये।' तो पिता ने अपने दोनों बेटों में अपनी सम्पत्ति बाँट दी।"

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2490, H2506, H3423, H3425, H4181, H5157, H5159, G2816, G2817, G2819, G2820

अधीन**तथ्यः**

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के "अधीन" होता है, जब दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। "अधीन रहो" अर्थात्, "आज्ञा" मानो या "किसी के अधिकार के अधीन रहो"

- "के अधीन करना" का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- "किसी को किसी बात के अधीन करना" अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी "अधीन" शब्द का सन्दर्भ किसी विषय का कारण होना या किसी बात का केंद्र होना जैसे, "निन्दा का पात्र होना"
- "के अधीन" का अर्थ भी वही है जैसे "के अधीन रहो" या "की अधीनता स्वीकार करो"

(यह भी देखें: अधीन)

बाइबल के सन्दर्भः

- [1 कुरियियों 2:14-16](#)
- [1 राजा 4:6](#)
- [1 पतरस 2:18-20](#)
- [1 इब्रानियों 2:5](#)
- [नीतिवचन 12:23-24](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G03500, G13790, G13960, G17770, G36630, G52920, G52930

अधीन होना**परिभाषा:**

"अधीन होना" इसका सामान्य अर्थ है स्वैच्छा से किसी मनुष्य के या सरकार के अधिपत्य के अधीन होना।

- बाइबल में यीशु के विश्वासियों को कहा गया है कि वे अपने जीवन में परमेश्वर और अन्य अधिकारियों के अधीन रहें।
- "एक दूसरे के अधीन रहो" इस निर्देश का अर्थ है, दीनतापूर्वक सुधार स्वीकार करें और अपनी अपेक्षा अन्यों की आवश्यकताओं पर अधिक ध्यान दें।
- "अधीनता में रहना" अर्थात् स्वयं को किसी वस्तु या मनुष्य के अधिकाराधीन रखना।

अनुवाद के सुझाव:

- "अधीन रहो" इस आज्ञा का अनुवाद हो सकता है, "अधिकार के नीचे हो जाओ" या "अगुआई का अनुसरण करो" या "दीनतापूर्वक प्रतीषा करो और आदर करो"।
- "अधीनता" का अनुवाद हो सकता है, "आज्ञा पालन" या "अधिकार का अनुपालन करना"
- "अधीनता में रहो" का अनुवाद हो सकता है, "आज्ञापालन करो" या "किसी के अधिकाराधीन रहो"
- "अधीनता में रहो" का अनुवाद हो सकता है, "दीनतापूर्वक अधिकार स्वीकार करो"

(यह भी देखें: प्रजा)

बाइबल संदर्भ:

- [कुरिस्यियों 14:34-36](#)
- [पतरस 3:1](#)
- [इब्रानियों 13:15-17](#)
- [लूका 10:20](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3584, G5226, G5293

अधोलोक

परिभाषा:

"अधोलोक" (यूनानी भाषा का अनुवाद) और "अथाह-कुण्ड" (इब्रानी भाषा का अनुवाद) "अधोलोक" के व्यक्तिवाचक संज्ञा नाम हैं जिनका अर्थ है, भूमिगत निवास स्थान जहाँ

प्राचीन संस्कृति में माना जाता था कि मनुष्य मरणोपरांत वहाँ जाएगा।

- पुराने नियम में "अधोलोक" का इब्रानी शब्द (शिओल) को व्यक्तिवाचक संज्ञा नाम या जातिवाचक संज्ञा नाम स्वरूप काम में लिया जा सकता है जिसका अर्थ है, "भूमिगता"
- नये नियम में यूनानी शब्द "हेडीज़" (अथाह-कुण्ड) यीशु का परित्याग करने वाले मृतकों का स्थान है। नये नियम में लोगों का वर्णन किया गया है कि वे अधोलोक में "नीचे जा रहे हैं।"

अनुवाद के सुझाव

- पुराने नियम के शब्द "शिओल" (अधोलोक) का अनुवाद प्रकरण पर आधारित होता है। कुछ संभावनाएँ हैं: "मृतकों का स्थान" या "मृतक आत्माओं का स्थान", "कुण्ड" या "मृत्यु" कहा गया है।
- नये नियम का शब्द "हेडीज़" का अनुवाद भी प्रकरण पर आधारित नानाविध है। कुछ संभावित अनुवाद हैं: "अविश्वासी मृतकों की आत्माओं का स्थान", "मृतकों की पीड़ा का स्थान" या "अविश्वासी मृतक मनुष्यों की आत्माओं का स्थान"।
- कुछ अनुवादों में "शिओल" और "हेडीज़" व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों को ज्यों का त्यों ही रखा जाता है परन्तु उसके उच्चारण को अनुवाद की भाषा में ध्वनी के अनुरूप व्यक्त किया जाता है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)
- इन शब्दों में से प्रत्येक के साथ वर्णनात्मक वाक्यांश जोड़ा जा सकता है। ऐसा करने के उदाहरण है, "अधोलोक, वह स्थान जहाँ मृत लोग हैं" और "अथाह-कुण्ड, मृत्यु का स्थान"।

(अनुवाद के सुझाव: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मृत्यु, स्वर्ग, नरक, कब्र)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 2:31](#)
- [उत्पत्ति 44:29](#)
- [योना 2:2](#)
- [लूका 10:15](#)
- [लूका 16:23](#)
- [मत्ती 11:23](#)
- [मत्ती 16:18](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:18](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H7585, G0860

अनाक, अनाकवंशी

तथ्यः

अनाक एक व्यक्ति का नाम है जिसका पिता अर्बा था और जिसके वंशजों को "अनाकवंशी" या "अनाकियों" या "अनाक" कहा जाता था।

- अनाकवंशी बहुत लंबे लोग थे।
- अनाकवंशी एक समूह हैं जो उस भूमि में रहते थे जिसे यहोवा ने इसाएलियों को देने का वादा किया था। अंत में इसाएलियों ने उन्हें जीत लिया और बेदखल कर दिया।
- अनाक के तीन पुत्र या वंशज थे जिनका नाम अहिमान, शेशै, और तल्मै था।
- नाम "अनाक" इब्रानी शब्द अनाक का अंग्रेजी लिप्यंतरण है।

(यह भी देखें: हेब्रोन)

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्ग का:

अनादर-वस्तु

परिभाषा:

इस अर्थ में उपयोग शब्द “अनादर” किसी ऐसी चीज़ का वर्णन करता है जिसका प्रयोग विशेष या सम्मानजनक उपयोग के बजाय सामान्य या साधारण उपयोग के लिए किया जाता है।

- इस अर्थ में उपयोग शब्द “अनादर” उन वस्तुओं को संदर्भित करता है जो किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए उपयोगी नहीं हैं।
- संदर्भ के आधार पर, “अपमान” का अनुवाद “सामान्य उपयोग” या “” या “साधारण साधारण उपयोग” या “सांसारिक उपयोग” के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्ग:

अनार

तथ्यः

अनार एक फल है जिसका आवरण मोटा होता है जिसमें लाल रंग का खाने के दाने होते हैं।

बाहरी छिलका लाल रंग का होता है और बीजों का गुदा चमकदार और लाल होता है।

- अनार गर्म और सूखी जलवायु के देशों में बहुतायत से उगते हैं, जैसे मिस्र और इस्राएल।
- परमेश्वर ने इस्राएल से प्रतिज्ञा की थी कि कनान पानी और उपजाऊ भूमि थी जिसके कारण वहाँ भोजन सामग्री और अनार बहुतायत से हैं।
- सुलैमान निर्मित मन्दिर की सजावट में तांबे के अनार बने हुए थे।

(यह भी देखें: तांबा, कनान, मिस्र, सुलैमान, मन्दिर)

बाइबल संदर्भः

- [2 राजा 25:16-17](#)
- [व्यवस्थाविवरण 08:7-8](#)
- [यिर्माह 52:22-23](#)
- [गिनती 13:23-24](#)

मिस्र

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7416

अनुग्रह

परिभाषा:

“अनुग्रह” शब्द का अर्थ सामान्यतः अनुमोदन होता है। मनुष्य किसी पर अनुग्रह करता है तो वह उसको विश्वास का मान प्रदान करता है और उसका अनुमोदन करता है।

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात् परमेश्वर और मनुष्य दोनों ने उसके चरित्र और उसके आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना”, इसका अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन किया जाना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है और उसके पक्ष में आज्ञा दे दी है।
- “अनुग्रह” किसी की और या किसी के लिए लाभ के निमित्त अनिव्यास या कार्य भी हो सकता है।
- “पक्षपात” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा अधिक पक्ष लेने की मनोवृत्ति। इसका अर्थ है, एक व्यक्ति को दुसरे या एक वस्तु को दूसरी से अधिक वरीयता प्रदान करने की मनोवृत्ति क्योंकि वह मनुष्य या वस्तु अधिक मनभावन होती है। पक्षपात को सामान्यतः अनुचित माना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अनुमोदन” या “आशिष” या “लाभ”
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “वह वर्ष (समय) जब यहोवा विपुल आशीष देगा”
- शब्द “पक्षपात” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भेदभाव” या “पूर्वाग्रहित” या “अन्यायपूर्ण व्यवहार” यह शब्द “मन पसंद” से संबंधित है, जिसका अर्थ है, सबसे अधिक वरीयता प्रदान करना।

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 2:25-26](#)
- [2 इतिहास 19:7](#)
- [2 कुरिन्धियों 1:11](#)
- [प्रे.का. 24:27](#)
- [उत्पत्ति 41:16](#)

- उत्पत्ति 47:25
- उत्पत्ति 50:5

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5922, H6213, H6437, H6440, H7521, H7522, H7965, G11840, G36850, G43800, G43820, G54850, G54860

अनुग्रह

परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” उस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" इस अभिव्यक्ति का अर्थ है, परमेश्वर से सहायता और दया प्राप्त करना। इसके अर्थ प्रायः यह होता है, परमेश्वर का किसी पर प्रसन्न होना और उसकी सहायता करना।

अनुवाद के सुझाव:

- "अनुग्रह" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "ईश्वरीय दया" या "परमेश्वर की कृपा" या "पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा" या "दयालु कृपा"।
- "अनुग्रहकारी" का अनुवाद हो सकता है, "कृपापूर्ण" या "दयालु" या "अनुकम्पा पूर्ण" या "कृपापूर्ण दया"
- "परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की" या "परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की" या "परमेश्वर ने उस पर दया की" या "परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की"।

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 4:33](#)
- [प्रे.का. 6:8](#)
- [प्रे.का. 14:4](#)
- [कुलुस्सियों 4:6](#)
- [कुलुस्सियों 4:18](#)
- [उत्पत्ति 43:28-29](#)
- [याकूब 4:7](#)
- [यूहन्ना 1:16](#)
- [फिलिप्पियों 4: 21-23](#)
- [प्रकाशितवाक्य 22:20-21](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G21430, G54850, G55430

अनुवाद करना

तथ्यः

“व्याख्या करना” और “अर्थ बताना” का अर्थ है किसी अस्पष्ट बात का अर्थ समझना और उसकी व्याख्या करना।

- बाइबल में इन शब्दों का संदर्भ प्रायः स्वप्रों एवं दर्शनों के अर्थ बताने से है।
- जब बेबीलोन के राजा ने बड़े ही परेस्थान करने वाले स्वप्न देखे थे, तब परमेश्वर ने दानियेल की सहायता की कि वह उनका अर्थ समझाए और उनका सन्दर्भ स्पष्ट करे।
- स्वप्न का “अर्थ” बताने का तात्पर्य उस स्वप्न की व्याख्या करने से है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर कभी-कभी स्वप्नों द्वारा मनुष्यों को भविष्य की घटनाएं बताता था। अतः उन स्वप्नों का अर्थ भाविश्यद्वानियाँ होता था।
- “व्याख्या” शब्द का सन्दर्भ अन्य बातों के अर्थ का अनुमान लगाना भी हो सकता है, जैसे सर्द या गर्म के आधार पर, वायु प्रवाह के आधार पर, और आकाश को देख कर मौसम का निर्धारण करना।
- “व्याख्या” शब्द के अनुवाद रूप हो सकते हैं: “अर्थ का मान निर्धारण करना या “वर्णन करना” या “अर्थ बताना।”
- “व्याख्या” शब्द का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: “वर्णन करना” या “अर्थ निर्धारण।”

(यह भी देखें: बाबेल, दानियेल, स्वप्न, भविष्यद्वक्ता, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ

- [1 कुरिचियों 12:10](#)
- [दानियेल 4:4-6](#)
- [उत्पत्ति 40:4-5](#)
- [न्यायियों 7:15-16](#)
- [लूका 12:56](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H995, H3887, H6591, H6622, H6623, H7667, H7760, H7922, G1252, G1328, G1329, G1381, G1955, G2058, G3177, G4793

अन्ताकिया

तथ्यः

अन्ताकिया नये नियम में दो नगरों का नाम था। एक नगर भूमध्य सागर के तट पर सीरिया में था। दूसरा नगर रोमी प्रदेश पिसिदिया में कुलुस्से के निकट था।

- सीरिया के अन्ताकिया में स्थानीय कलीसिया के विश्वासियों को पहली बार “मसीही” कहा गया था। वहां की कलीसिया अन्यजातियों में प्रचारकों को भेजने में सक्रिय थी।
- यरूशलेम की कलीसिया के अगुओं ने सीरिया के अन्ताकिया की कलीसिया के विश्वासियों को पत्र लिख कर स्पष्ट किया था कि मसीह के विश्वासी होने के लिए उन्हें यहूदी व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता नहीं है।
- पौलुस, बरनबास और यूहन्ना मरकुस पिसिदिया के अन्ताकिया गए थे कि वहां सुसमाचार सुनाएं। वहां अन्य नगरों से यहूदी आए थे कि समस्या उत्पन्न करें और पौलुस की हत्या करें। परन्तु अनेक लोगों ने, यहूदी और गैर यहूदीयों ने सुसमाचार सुना और यीशु में विश्वास किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बरनबास, कुलुस्से, यूहन्ना मरकुस, पौलुस, प्रदेश, रोम, सूरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 तीमुथियुस 3:10-13](#)
- [प्रे.का. 6:5-6](#)
- [प्रे.का. 11:19-21](#)
- [प्रे.का. 11:26](#)
- [गलातियों 2:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G491

अन्तिम दिन**परिभाषा:**

“अन्तिम दिनों” या “अंत के दिनों” सामान्यतः इस वर्तमान युग के अन्त के समय का संदर्भ देते हैं।

- यह समय अज्ञात अवधि है।
- “अन्तिम दिन” न्याय का समय होगा, परमेश्वर से विमुख होने वालों का न्याय।

अनुवाद के सुझावः

- अन्तिम दिनों का अनुवाद हो सकता है, “समापन दिवसों” या “अंत समय。”
- कुछ संदर्भों में, इसका अनुवाद “दुनिया का अंत” या “जब यह संसार समाप्त होगा” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रभु का दिन, न्याय, फिरे, जगत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पतरस 3:3-4](#)
- [दानियेल 10:14-15](#)
- [इब्रानियों 1:2](#)
- [यशायाह 2:2](#)
- [याकूब 5:3](#)
- [यिर्म्याह 23:19-20](#)
- [यूहन्ना 11:24-26](#)
- [मीका 4:1](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H0319, H3117, G20780 , G22500

अन्द्रियास**तथ्यः**

अन्द्रियास उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने अपने घनिष्ठ शिष्यों में से चुना था। (आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए)

- अन्द्रियास का भाई शमौन पतरस था। दोनों ही मछुवारे थे।
- पतरस और अन्द्रियास गलील सागर में मछलियां पकड़ रहे थे तब यीशु ने उन्हें अपने चेले होने के लिए बुला लिया था।
- यीशु से भेंट करने से पूर्व पतरस और अन्द्रियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के चेले थे।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, चेले, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 1:12-14](#)
- [यूहन्ना 1:40](#)
- [मरकुस 1:17](#)
- [मरकुस 1:29-31](#)
- [मरकुस 3:17-19](#)
- [मत्ती 4:19](#)
- [मत्ती 10:2-4](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G04060

अन्न

परिभाषा:

“अन्न” अर्थात् गेहूं, जौ, मक्का, दाल, चावल जैसे खाद्य संयंत्र के बीज को संदर्भित करता है। इसका अभिप्राय संपूर्ण पौधे से भी हो सकता है।

- बाइबल में मुख्य अन्न हैं गेहूं और जौ।
- बालियां गेहूं के पौधे का वह ऊपरी भाग है जो दाने को पकड़े रहता है।
- कुछ पुराने संस्करणों (अंग्रेजी) में “कार्न” शब्द अर्थात् दाना शब्द का उपयोग किया गया है जो अन्न के सामान्य सदर्भ में है। परन्तु आधुनिक भाषा में “कार्न” का अर्थ केवल मक्का से है।

(यह भी देखें: सिर, गेहूं)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 42:1-4](#)
- [उत्पत्ति 42:26-28](#)
- [उत्पत्ति 43:1-2](#)
- [लूका 06:1-2](#)
- [मरकुस 02:23-24](#)
- [मत्ती 13:7-9](#)
- [रूत 01:22](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1250, H1430, H1715, H2233, H2591, H3759, H3899, H7054, H7383, H7641, H7668, G248, G2590, G3450, G4621, G4719

अन्नबलि

परिभाषा:

अन्नबलि परमेश्वर को चढ़ाई जानेवाली गेहूं या जौ के आटे की भेंट थी जो प्रायः होमबलि के बाद चढ़ाई जाती थी।

- अन्नबलि के लिए काम में लिया गया अन्न बारीक पिसा हुआ होना था। कभी-कभी उसे पका कर भी भेंट चढ़ाई जाती थी और कभी कच्चा भी चढ़ाया जाता था।
- अन्न के आटे में तेल और नमक मिलाया जाता था परन्तु खमीर और शहद वर्जित था।
- अन्नबलि का एक अंश जला दिया जाता था शेष याजक खाता था।

(यह भी देखें: होमबलि, दोषबलि, बलिदान, पाप बलि)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 23:27-29](#)
- [निर्गमन 29:41-42](#)
- [न्यायियों 13:19](#)
- [लैव्यव्यवस्था 2:2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4503, H8641

अन्नबलि**परिभाषा:**

“अन्नबलि” परमेश्वर के लिए अन्न या आटे की रोटी के रूप में बलि थी।

- “अन्न” का अर्थ है अन्न का आटा।
- आटे को पानी या तेल में गुंध कर रोटी बनाई जाती थी। कभी-कभी रोटी पर तेल लगाया जाता था।
- यह बलि प्रायः होमबलि के साथ चढ़ाई जाती थी।

(यह भी देखें: होमबलि, अन्न, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भः

- [यहेजकेल 44:30-31](#)
- [योएल 02:14](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4503, H8641

अन्यजाति**तथ्यः**

“अन्यजाति” का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्लामियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्लामी” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति शब्द का अनुवाद हो सकता है, “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्लामी” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी”
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरम्भिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थीं।

(यह भी देखें: इस्लाम, याकूब, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 9:13-16](#)
- [प्रे.का. 14:5-7](#)
- [गलातियों 2:16](#)
- [लूका 2:32](#)
- [मत्ती 5:47](#)
- [मत्ती 6:5-7](#)
- [रोमियो 11:25](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1471, G14820 , G14840, G16720

अन्यजाति**परिभाषा:**

बाइबल में “अन्यजाति” शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, झूठे देवता, बलि, आराधना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियों 10:20-22](#)
- [1 कुरियों 12:1-3](#)
- [2 राजा 17:14-15](#)
- [2 राजा 21:4-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1471, G14840

अपराध

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को “अतिक्रमण” कहते हैं।

- यह शब्द “संक्रमण” शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरुद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझावः

- सन्दर्भ के अनुसार “तेरा अपराध” का अनुवाद हो सकता है “तेरे विरुद्ध पाप” या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म के काम, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल संदर्भः

- [1 शमूएल 25:27-28](#)
- [2 इतिहास 26:16-18](#)
- [कुलुस्सियों 02:13-15](#)
- [इफिसियों 02:1-3](#)
- [यहेजकेल 15:7-8](#)
- [रोमियो 05:16-17](#)
- [रोमियो 05:20-21](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपुल्लोस**तथ्यः**

अपुल्लोस मिस्र के सिंकदरिया नगर का एक यहूदी था, उसे मनुष्यों को यीशु के बारे में शिक्षा देने का विशेष वरदान प्राप्त था।

- अपुल्लोस इब्रानी धर्मशास्त्र का ज्ञाता था और एक प्रतिभाशाली वक्ता भी था।
- इफिसुस में उसे दो विश्वासियों ने मसीही शिक्षा दी थी जिनके नाम थे: अकिला और प्रिस्किल्ला।
- पौलुस ने जोर दिया कि वह और अप्पुल्लोस तथा अन्य प्रचारकों एवं शिक्षकों का एक ही लक्ष्य है कि वे लोगों को यीशु में विश्वास करने में सहायता करें।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अकिला, इफिसुस, प्रिस्किल्ला, परमेश्वर का वचन)

बाइबल संदर्भः

- [1 कुरिचियों 01:13](#)
- [1 कुरिचियों 16:12](#)
- [प्रे.का. 18:25](#)
- [तीतुस 03:13](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: G625

अबशालोम**तथ्यः**

अबशालोम राजा दाऊद का तीसरा पुत्र था। वह अपनी सुन्दरता और गुस्से के लिए प्रसिद्ध था।

- जब अम्मोन ने अपने सौतेले भाई अबशालोम की बहन तामार का बलाकार किया तो अबशालोम ने अम्मोन की हत्या की योजना बनाई।
- अम्मोन की हत्या के बाद अबशालोम गशूर भाग गया (उसकी माता माका उसी स्थान की थी) और तीन वर्ष तक वहीं रहा। तब राजा दाऊद ने उसे बुलावाया और यरूशलेम लौटने को कहा, परन्तु दो वर्ष तक उसको अपनी उपस्थिति में आने की अनुमती नहीं दी।
- अबशालोम ने प्रजा के कुछ लोगों को अपने साथ लेकर दाऊद के विरुद्ध विद्रोह कर दिया।
- दाऊद की सेना ने उससे युद्ध करके उसे मार डाला। इस घटना से दाऊद को बहुत दुःख हुआ।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गशूर, अम्मोन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 03:1-3](#)
- [1 राजा 01:5-6](#)
- [2 शमूएल 15:1-2](#)
- [2 शमूएल 17:1-4](#)
- [2 शमूएल 18:18](#)
- भजन 003:1-2

शब्द तथ्यः

- Strong's: H53

अबिय्याह

तथ्यः

अबिय्याह यहूदा का राजा था जिसने 915-913 ई.पू. राज किया था। वह राजा रहूबियाम का पुत्र था। पुराने नियम में अबिय्याह नामक अनेक पुरुष हुए हैं।

- शमूएल के पुत्र अबिय्याह और योएल बेर्शेबा में इस्माएलियों के अगुवे थे। अबिय्याह और उसका भाई बेर्झेमान और लालची थे इसलिए प्रजा ने शमूएल से राजा की मांग की।
- अबिय्याह राजा दाऊद के समय का एक याजक था।
- अबिय्याह यारोबाम राजा के एक पुत्र का नाम भी था।
- जरूब्बाबेल के साथ बेबीलोन से यरूशलेम लौटने वालों में अबिय्याह नामक एक महायाजक भी था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 15:3](#)
- [1 शमूएल 8:1-3](#)
- [2 इतिहास 13:2](#)
- [2 इतिहास 13:19](#)
- [लूका 1:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0029, G00070

अबीमेलेक

तथ्यः

अबीमेलेक गरार नगर का एक पलिश्ती राजा था, जब अब्राहम और इसहाक कनान देश में रह रहे थे।

- अब्राहम ने राजा अबीमेलेक को धोखा देकर कहा कि सारा उसकी पत्नी नहीं बहन थी।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने बेर्शेबा के कुएं के संबन्ध में वाचा बांधी।
- अनेक वर्षों बाद इसहाक ने भी अबीमेलेक और गरार के विश्वासियों से झूठ कहा कि उसकी पत्नी रिबका उसकी बहन थी।
- अबीमेलेक ने अब्राहम और बाद में इसहाक को झूठ कहने के लिए शिङ्डका।
- एक और पुरुष जिसका नाम अबीमेलेक था, वह योताम के भाई गिदोन का पुत्र था। कुछ अनुवादों में उनके नामों की वर्तनियों में अन्तर रखा जाता है कि उसमें और राजा अबीमेलेक के नामों में भेद प्रकट हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बेर्शेबा, गरार, गिदोन, योताम, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 11:21](#)
- [उत्पत्ति 20:1-3](#)
- [उत्पत्ति 20:4-5](#)
- [उत्पत्ति 21:22-24](#)
- [उत्पत्ति 26:9-11](#)
- [न्यायियों 09:52-54](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H40

अब्बेर

परिभाषा:

अब्बेर राजा शाऊल का रिश्ते का भाई था- पुराना नियम।

- अब्बेर शाऊल की सेना का प्रधान था, जब दाऊद ने गोलियत को मारा तो अब्बेर दाऊद को लेकर शाऊल के पास गया था।
- राजा शाऊल की मृत्यु के बाद अब्बेर ने शाऊल के पुत्र ईशबोशेत को इसाएल का राजा बनाया था, जबकि दाऊद यहूदा का राजा नियुक्त किया गया था।
- बाद में दाऊद के सेनापति योआब ने अब्बेर को निर्दयता से मार डाला था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल संदर्भः

- [1 इतिहास 26:26-28](#)
- [1 राजा 02:5-6](#)
- [1 राजा 02:32-33](#)
- [1 शमूएल 17:55-56](#)
- [2 शमूएल 03:22-23](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H74

अब्राहम

तथ्यः

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरुष था जिसे परमेश्वर ने इसाएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि उसके वंशज अनेक होंगे, जो एक महान जाति बन जाएंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। कसदियों के देश से चलकर कनान जाने में परमेश्वर ने अब्राहम की अगुआई की।
- कनान में वास करते समय अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 03:8](#)
- [उत्पत्ति 11:29-30](#)
- [उत्पत्ति 21:4](#)
- [उत्पत्ति 22:2](#)
- [याकूब 2:23](#)
- [मत्ती 1:2](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **4:6** जब **अब्राम** कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
- **5:4** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है – “मूलपिता।”
- **5:5** लगभग एक साल बाद, जब **अब्राहम** सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **5:6** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने **अब्राहम** से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, “अपने एकलौते पुत्र इसहाक को मेरे लिए होमबलि करके चढ़ा।”
- **6:1** जब **अब्राहम** वृद्ध हो गया था, तब उसका पुत्र, इसहाक वयस्क हो चुका था, **अब्राहम** ने अपने दासों में से एक को अपने परिजनों के देश में भेजा कि वह उसके पुत्र, इसहाक के लिए एक पत्ती ले आएगा।
- **6:4** एक लंबे समय के बाद **अब्राहम** की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसमें की गई परमेश्वर की सब आशीषें इसहाक को मिलीं।
- **21:2** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमिंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H87, H85, G11

अभिलाषा**परिभाषा:**

प्रायः पाप या अनैतिकता के सन्दर्भ में की गई उल्कट अभिलाषा को लालसा कहते हैं। लालसा करने का अर्थ है, ललकना।

- बाइबल में “लालसा” अपने जीवन साथी के अतिरिक्त किसी और के लिए यैन लालसा को कहा गया है।
- कभी-कभी इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है, मूर्तिपूजा के लिए।
- प्रकरण के अनुसार, “लालसा” का अनुवाद हो सकता है, “अनुचित इच्छा” या “गहरी इच्छा” या “अनुचित यैन वासना” या “प्रबल अनैतिक कामना” या “पाप करने की प्रबल इच्छा”
- “की लालसा करना” का अनुवाद हो सकता है, “अनुचित इच्छा मन में बसाना” या “के बारे में अनैतिक मनोकामना करना” या “अनैतिक अभिलाषा करना”

(यह भी देखें: व्यभिचार, झूठे भगवान)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 यूहन्ना 2:16](#)
- [2 तीमुथियुस 2:22](#)
- [गलातियों 5:16](#)
- [गलातियों 5:19-21](#)
- [उत्पत्ति 39:7-9](#)
- [मत्ती 5:28](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H183, H185, H310, H1730, H2181, H2183, H2530, H5178, H5375, H5689, H5691, H5869, H7843, G766, G1937, G1939, G2237, G3715, G3806

अभिषेक करना**परिभाषा:**

“अभिषेक करना” इस उक्ति का अर्थ है, किसी मनुष्य पर तेल का अभ्यंजन करना या उस पर तेल उंडेलना। कभी-कभी ऐसे

अभिषेक करना

अभिषेक करना

तेल में मसाले मिला दी जाते थे की उसमें मनमोहक, सुगन्धित गंध उठे। बाईबल के युग में, किसी का तेल से अभिषेक करने के अनेक कारण होते थे।

- पुराने नियम में याजकों, राजाओं तथा भविष्यद्वक्ताओं का तेल से अभिषेक किया जाता था कि उन्हें परमेश्वर के लिए एक विशेष सेवा निमित्त अलग किया जाए।
- वेदी तथा मिलापवाले तम्बू का भी तेल से अभिषेक किया जाता था कि प्रकट हो कि वे परमेश्वर की उपासना एवं महिमामय काम लेने के लिए हैं।
- नये नियम में रोगियों की चंगाई के लिए उनका तेल से अभ्यंजन किया जाता था।
- नये नियम में दो बार किसी स्त्री ने उपासना स्वरूप सुगन्धित द्रव्य से यीशु का अभिषेक किया था। एक बार यीशु ने यहाँ तक कह दिया था कि ऐसा करके वह स्त्री उसे भावी अन्तिम संस्कार के लिए तैयार कर रही है।
- यीशु की मृत्यु के बाद उसके मित्रों ने तेल और सुगन्धित द्रव्यों से उसके शव का अभ्यंजन करके दफन के लिए तैयार किया था।
- “मसीह” (इब्रानी भाषा) और “ख्रीस्त” (यूनानी भाषा) का अर्थ है, “अभिषिक्त (जन)”。।
- मसीह यीशु एक ऐसा मनुष्य था जिसे भविष्यद्वक्ता, महायाजक और राजा होने के लिए चुना गया था तथा उसका अभिषेक किया गया था।
- बाईंबल के युग में कुछ स्त्रियाँ इत्र से अपना अभ्यंजन करती थीं कि उनका योन आकर्षण प्रकट हो

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “अभिषेक” शब्द का अनुवाद “ऊपर तेल डालना” या “तेल उण्डेलना” या “सुगन्धित तेल डालकर अभिषेक करना” हो सकता है।
- “अभिषिक्त होना” का अनुवाद “तेल से अभिषिक्त होना” या “नियुक्त होना” या “पवित्र किया जाना” हो सकता है।
- कुछ संदर्भों में “अभिषेक” का अनुवाद “नियुक्त” हो सकता है।

- “अभिषिक्त याजक” का अनुवाद “याजक जिसका अभ्यंजन तेल से किया गया है” या “याजक जो तेल डाल कर अलग किया गया” हो सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अभिषेक करना, महायाजक, यहूदियों का राजा, याजक, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 यूहन्ना 2:20](#)
- [1 यूहन्ना 2:27](#)
- [1 शमूएल 16:2-3](#)
- [प्रे.का. 4:27-28](#)
- [आमोस 6:5-6](#)
- [निर्गमन 29:5-7](#)
- [याकूब 5:13-15](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0047, H0430, H1101, H1878, H3323, H4397, H4398, H4473, H4886, H4888, H4899, H5480, H8136, G00320, G02180, G07430, G14720, G20250, G34620, G55450, G55480

अमस्याह

तथ्यः

अमस्याह यहूदा का राजा बना, क्योंकि उसके पिता राजा योआश की हत्या कर दी गई थी।

- अमस्याह ने यहूदा पर 29 वर्ष राज किया था 796-767 ई.पू।
- वह एक अच्छा राजा था परन्तु उसने ऊंचे स्थानों पर से मूर्तियों को नष्ट नहीं किया था।
- अमस्याह ने अपने पिता के सब हत्यारों को मार डाला था।
- उसने विद्रोही एदोमियों को हराकर यहूदा के अधीन कर दिया था।
- उसने इसाएल के राजा यहोआश से युद्ध किया परन्तु हार गया था। यरूशलेम की शहरपनाह का एक भाग नष्ट किया गया और मन्दिर के सोने चांदी के पात्र लूट लिए गए।
- कुछ वर्षों बाद अमस्याह यहोवा से मुह मोड़ लिया और यरूशलेम के कुछ लोगों ने उसकी हत्या कर दी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: योआश, एदोम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 03:10-12](#)
- [1 इतिहास 04:34-38](#)
- [2 इतिहास 25:9-10](#)
- [2 राजा 14:8-10](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H558

अमालेक

तथ्यः

अमालेकियों यायाकर जाति थे, वे संपूर्ण दक्षिणी कनान में भ्रमण करते रहते थे, नेगेब रेगिस्तान से अरब देश तक। ये लोग एसाव के पोते अमालेक के वंशज थे।

- इसाएल के कनान प्रवेश के समय से ही अमालेकी उनके कट्टर विरोधी थे।
- कभी-कभी "अमालेक" शब्द प्रतीकात्मक रूप में अमालेकियों के लिए भी काम में लिया गया है। (देखें: उपलक्षण)
- अमालेकियों से युद्ध करते समय मूसा ने अपना हाथ उठा रखा था, उस समय इसाएल जीत रहे थे। जब थक कर वह अपना हाथ नीचे कर लेता था तब इसाएली हारने लगते थे। अतः हारून और हूर ने मूसा को हाथ ऊपर रखने में सहायता की थी जब तक कि इसाएलियों ने अमालेकियों को पूर्णतः पराजित नहीं कर दिया।
- राजा शाऊल और दाऊद दोनों ही ने अमालेकियों के विरुद्ध सैनिक अभियान चलाए थे।
- अमालेकियों को एक बार पराजित करके इस्ताएल ने परमेश्वर की आज्ञा न मानकर कुछ लूट का सामान रख लिया था और अमालेकी राजा का वध नहीं किया था जैसी परमेश्वर ने उसे आज्ञा दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अरब, दाऊद, एसाव, नेगेब, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 04:42-43](#)
- [2 शमूएल 01:8-10](#)
- [निर्गमन 17:8-10](#)
- [गिनती 14:23-25](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6002, H6003

अमोरा

तथ्य:

अमोरा सदोम के निकट उपजाऊ घाटी में एक नगर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत ने रहने का चुनाव किया था।

- अमोरा और सदोम का सही स्थान अज्ञात है परन्तु कुछ संकेतों से ज्ञात होता है कि ये दो नगर खारे ताल के निकट दक्षिण में सिद्धिम घाटी में बसे हुए थे।
- सदोम और आमोरा के क्षेत्र में अनेक राजा युद्ध करते थे।

सदोम और अन्य नगरों के मध्य युद्ध में लूत का परिवार भी बन्दी बनाया गया था, परन्तु अब्राहम ने अपने पुरुषों के साथ जाकर उन्हें छुड़ा लिया था। इसके बाद अधिक समय नहीं हुआ था कि परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट कर दिया था क्योंकि वहाँ के निवासी दुराचारी थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, बाबेल, लूत, खारे ताल, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पतरस 2:6](#)
- [उत्पत्ति 10:19](#)
- [उत्पत्ति 14:1-2](#)
- [उत्पत्ति 18:21](#)
- [यशायाह 1:9](#)
- [मत्ती 10:15](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6017

अम्ब्रोन

तथ्य:

अम्ब्रोन दाऊद का सबसे बड़ा पुत्र था। उसकी माता दाऊद की पत्नी अहीनोअम थी।

- अम्ब्रोन ने अपनी आधी बहन तामार, अबशालोम की बहन को भ्रष्ट किया था।
- यही कारण था कि अबशालोम ने साजिश रचकर अम्ब्रोन की हत्या करवा दी थी।

(यह भी देखें: दाऊद, अबशालोम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 03:1-3](#)
- [2 शमूएल 13:1-2](#)
- [2 शमूएल 13:7-9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H550

अम्मोन**तथ्यः**

“अम्मोनवासी” या “अम्मोनी” कनान का एक समुदाय है। वे बेनम्मी के वंशज थे जो लूत द्वारा उसकी छोटी पुत्री का पुत्र था।

- उत्पत्ति की पुस्तक से विदित है कि अम्मोन जाति लूत की छोटी पुत्री से जन्मा पुत्र, बेनम्मी के वंशज थे।
- विशिष्टता में देखा जाए तो “अम्मोनी” शब्द एक अम्मोनी स्त्री के सन्दर्भ में है। इसका अनुवाद हो सकता है, “अम्मोनी स्त्री”।
- ये वही लोग हैं जिन्होंने एक समय बिलाम नामक नबी को खरीद लिया था कि इसाएल को श्राप दे, परन्तु परमेश्वर ने ऐसा नहीं होने दिया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: श्राप, यरदन नदी, लूत)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 19:1-3](#)
- [यहेजकेल 25:2](#)
- [उत्पत्ति 19:38](#)
- [यहोशू 12:1-2](#)
- [न्यायियों 11:27](#)
- [सपन्याह 02:8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5983, H5984, H5985

अय्यूब**तथ्यः**

अय्यूब को बाइबल में परमेश्वर के सम्मुख निर्दोष एवं खरा मनुष्य कहा गया है। वह घोर कष्टों में भी परमेश्वर में विश्वास के लिए प्रसिद्ध है।

- अय्यूब ऊँज़ देश का रहनेवाला था जिसका भौगोलिक स्थान कनान के पूर्व में कहीं था, संभवतः एदोमियों के क्षेत्र के निकट।
- ऐसा माना जाता है कि वह एसाव और याकूब के युग का भी है क्योंकि उसका एक मित्र तेमानी था जो एसाव के पोते के वंशजों की जाति थी।
- पुराने नियम की पुस्तक, अय्यूब में अय्यूब के कष्टों के प्रति उसकी और उसके मित्रों की प्रतिक्रियाओं का वर्णन है। इस पुस्तक में ब्रह्माण्ड के परमप्रधान शासक एवं सृजनहार, परमेश्वर का दृष्टिकोण भी प्रकट किया गया है।
- उसके सर्वनाश के बाद परमेश्वर ने उसे पुनः स्वास्थ्य प्रदान किया और सन्तानों एवं धन सम्पदा से पूर्ण किया।
- अय्यूब की पुस्तक कहती है कि जब वह मरा तब वह बहुत बूढ़ा था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, एसाव, जल-प्रलय, याकूब, नूह, जनजातियां)

बाइबल सन्दर्भः

- [यहेजकेल 14:12-14](#)
- [याकूब 5:9-11](#)
- [अय्यूब 1:1](#)
- [तीतुस 3:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H347, G2492

अरब

तथ्यः

अरब संसार का सबसे बड़ा प्रायद्वीप है लगभग 30,00,000 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र है। इस्माएल के दक्षिण पूर्व में लाल सागर, अरब सागर और फारस की खाड़ी से घिरा हुआ है।

- “अरबी” शब्द अरबवासी के लिए काम में लिया गया शब्द है या अरब से संबन्धित कोई वस्तु के लिए।
- अरब के आदिवासी शेम के वंशज थे। अरब के अन्य निवासी अब्राहम के पुत्र इश्माएल के वंशज तथा एसाव के वंशज थे।
- इस्माएल जिस जंगल में 40 वर्ष भटके थे वह स्थान अरब में ही था।
- मसीह को ग्रहण करने के बाद पौलुस कुछ वर्ष अरब के रेगिस्तान में रहा था।
- गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र में पौलुस ने उल्लेख किया है कि सीनै पर्वत अरब में है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एसाव, गलातिया, इश्माएल, शेम, सीनै)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 10:14-15](#)
- [प्रे.का. 02:8-11](#)
- [गलातियों 01:15-17](#)
- [गलातियों 04:24-25](#)
- [यिर्म्याह 25:24-26](#)
- [नहेम्याह 02:19-20](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6152, H6153, H6163, G688, G690

अराबा

तथ्यः

पुराने नियम का शब्द “अराबा” विशाल रेगिस्तान तथा यरदन नदी के मैदानी क्षेत्र के संदर्भ में है और मृत सागर के उत्तरी सिरे तक जाता है।

- इस्माएली मिस से कनान की यात्रा में इस क्षेत्र से होकर आए थे।
- “अराबा सागर” का अनुवाद हो सकता है, “अराबा रेगिस्तान में उपस्थित सागर”। इस सागर को प्रायः “नमक सागर” या “मृत सागर” कहते हैं।
- “अराबा” शब्द किसी भी रेगिस्तान के संदर्भ में भी हो सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: रेगिस्तान, नड़ सागर, यरदन नदी, कनान, नमक सागर, मिस्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शम्पैल 23:24-25](#)
- [2 राजा 25:4-5](#)
- [2 शम्पैल 02:28-29](#)
- [यिर्म्याह 02:4-6](#)
- [अय्यूब 24:5-7](#)
- [जकर्याह 14:9-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1026, H6160

अराम

परिभाषा:

पुराने नियम में अराम नामक दो पुरुष हुए हैं। यह कनान के उत्तर-पूर्व में एक क्षेत्र का नाम था जहाँ आज का सीरिया है।

- अराम के निवासी "अरामी" कहलाते थे और उनकी भाषा "अरामी" थी। यीशु और उसके युग के यहूदी अरामी भाषा बोलते थे।
- शेम के एक पुत्र का नाम अराम था। * दूसरा पुरुष जिसका नाम अराम था वह रिबका का रिश्ते का भाई था। संभव है कि अराम देश का नाम इन दो में से एक के नाम पर पड़ा।
- बाद में अराम देश का नाम यूनानी में "सीरिया" हुआ।
- "पदन अराम" का अर्थ है, "अराम का मैदान" और यह स्थान अराम का उत्तरी भाग था।
- अब्राहम के कुछ परिजन अराम नगर में रहते थे जो "पदन अराम" का एक नगर था।

पुराने नियम में कभी-कभी "अराम" और "पदन अराम" एक ही स्थान के सूचक हैं।

- "अराम नहेरेम" का अर्थ है "दो नदियों का अराम" यह क्षेत्र मिसोपोतामिया के उत्तरी भाग में और "पदन अराम" के पूर्व में था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिसोपोतामिया, पदन अराम, रिबका, शेम, सूरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 01:17-19](#)
- [2 शमूएल 08:5-6](#)
- [आमोस 01:5](#)
- [यहेजकेल 27:16-18](#)
- [उत्पत्ति 31:19-21](#)
- [होशे 12:11-12](#)
- भजन 060:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H758, H763, G689

अरारात

तथ्य:

बाइबल में "अरारात" नाम एक भूभाग, एक राज्य और एक पर्वतीय शृंखला को दिया गया है।

- "अरारात प्रदेश" संभवतः आज के तुर्किस्तान के उत्तरी पूर्वी भाग में था।
- अरारात नाम इस कारण प्रसिद्ध है कि नूह का जहाज जल प्रलय के उत्तर जाने के बाद उन पर्वतों पर टिक गया था।
- आज जिस पर्वत का नाम "अरारात पर्वत" है उसे सामाच्यतः बाइबल में व्यक्त अरारात पर्वत का स्थान मानते हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: जहाज, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 19:35-37](#)
- [उत्पत्ति 08:4-5](#)
- [यशायाह 37:38](#)
- [यिर्मयाह 51:27-28](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H780

अर्ध

परिभाषा:

अर्ध परमेश्वर के लिए एक चढ़ावा था जिसमें वेदी पर दाखमधु उण्डेला जाता था। यह होमबलि और अन्नबलि के साथ चढ़ाया जाता था।

- पौलुस अपने जीवन के लिए कहता है कि वह अर्ध की भाँति उण्डेला जा रहा है। इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की सेवा में पूर्णतः समर्पित था कि मनुष्यों में सुसमाचार सुनाएँ, जबकी वह जानता था कि वह इस प्रयोजन निमित्त कष्ट उठाएगा वरन् मार डाला भी जाएगा।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु परम अर्ध था क्योंकि हमारे पापों के कारण क्रूस पर उसका लहू उंडेला गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “दाखमधु उण्डेलना”
- पौलुस कहता है कि वह अर्ध के समान उण्डेला जा रहा है तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं मनुष्यों में परमेश्वर का शुभ सन्देश सुनाने के लिए ठीक वैसे ही पूर्णतः समर्पित हूं जैसे दाखमधु को वेदी पर अर्ध करके चढ़ाया जाता है”।

(यह भी देखें: होमबलि, अन्नबलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 25:29](#)
- [यहेजकेल 45:16-17](#)
- [उत्पत्ति 35:14](#)
- [पिर्म्याह 7:16-18](#)
- [गिनती 5:15](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5257, H5261, H5262

अर्तक्षत्र

तथ्य:

राजा अर्तक्षत्र ने फारसी साम्राज्य पर लगभग 464 से 424 ई. पू. तक राज किया था।

- अर्तक्षत्र के राज्यकाल में यहूदा के इस्राएली बेबीलोन में बन्धुआई में थे उस समय बेबीलोन फारस के अधीन था।
- अर्तक्षत्र ने याजक एज्ञा और अन्य यहूदी अगुओं को बेबीलोन से यरूशलेम लौट कर इस्राएलियों को परमेश्वर की व्यवस्था की शिक्षा देने की अनुमति प्रदान कर दी थी।
- इसके बाद अर्तक्षत्र ने अपने पिलानेहारे नहेम्याह को भी यरूशलेम जाने की अनुमति दे दी थी कि वह यहूदिओं को साथ लेकर शहरपनाह का पुनरुद्धार करे।
- बेबीलोन फारस के अधीन था इसलिए अर्तक्षत्र को कभी-कभी “बेबीलोन का राजा” भी कहा गया है।
- ध्यान दें कि अर्तक्षत्र क्ष्यर्ष नहीं था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: क्ष्यर्ष, बाबेल, पिलाने हारा, एज्ञा, नहेम्याह, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- [एज्ञा 4:7-8](#)
- [एज्ञा 7:1-5](#)
- [नहेम्याह 2:1](#)
- [नहेम्याह 13:6-7](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H783

अवतरण

परिभाषा:

“वंशज वह मनुष्य है जो इतिहास में किसी पूर्वकालिक मनुष्य का सगा संबंधि है।

- उदाहरणार्थ, अब्राहम नूह का वंशज था।
- वंशज किसी की सन्तान, पोते, परपोते आदि होते हैं। इसाएल के बारह गोत्र याकूब के वंशज थे।
- "से उत्पन्न" एक और रूप है जो "का वंश" के लिए काम में लिया जाता है जैसे "अब्राहम नूह का वंशज था।" इसका अनुवाद "पारिवारिक वंशावली" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, पूर्वज, याकूब, नूह, इसाएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 09:4-5](#)
- [प्रे.का. 13:23](#)
- [व्यवस्थाविवरण 2:20-22](#)
- [उत्पत्ति 10:1](#)
- [उत्पत्ति 28:12-13](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **02:9** "औरत का वंश तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।"
- **04:9** "मैं तेरे वंश को कनान देश देता हूँ।"
- **5:10** तेरे वंश को आकाश के तारागण के समान अनगिनित करूँगा।
- **17:7** तेरे ही वंश में से एक राजा मेरे लोगों पर हमेशा के लिए शासन करेगा, और मसीह भी तेरे वंश से होगा।"
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के वंश के थे।
- **21:4** परमेश्वर ने राजा दाऊद से प्रतिज्ञा की थी कि मसीह दाऊद के अपने वंश में से एक होगा।
- **48:13** परमेश्वर ने राजा दाऊद से प्रतिज्ञा की थी कि उसका एक वंशज परमेश्वर के लोगों पर सदा राज्य करता रहेगा। यीशु जो मसीह है, वह दाऊद का वही विशेष वंशज है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H1004, H1121, H1323, H1755, H2232, H2233, H3205, H3211, H3318, H3409, H4294, H5220, H6849, H7611, H8435, G1074, G1085, G4690

अविश्वास

परिभाषा:

"अविश्वासी" अर्थात् विश्वास से रहित रहना या विश्वास न करना।

- इस शब्द द्वारा उन लोगों का वर्णन किया गया है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करते। उनके द्वारा विश्वास न करना उनके अनैतिक आचरण द्वारा प्रकट होता है।
- भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह ने इसाएल पर दोष लगाया था कि वे विश्वास से विमुख हो गए हैं और परमेश्वर के अवज्ञाकारी हैं।
- वे मूर्ति-पूजा करते थे और उन जातिओं के सदृश्य परमेश्वर विरोधी रीतियों पर चलते थे जो परमेश्वरकर की उपासना एवं आज्ञाओं का पालन नहीं करती थीं।

"अनिष्ट" शब्द उन लोगों का वर्णन करता है जो परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुरूप जीवन निवाह नहीं करते हैं। अनिष्ट होने की दशा या अभ्यास को "अविश्वास" कहते हैं।

- इसाएलियों को "विश्वास से विमुख" कहा गया था क्योंकि वे मूर्तिपूजा करने लगे थे और नाना प्रकार से परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन कर रहे थे।

विवाहित जीवन में विश्वासघाती उसको कहा जाता है जो अपने जीवन साथी से विश्वासघात करता है।

- परमेश्वर ने "विश्वासघात" शब्द का उपयोग इसलिए किया कि इसाएल के अवज्ञाकारी व्यवहार का वर्णन करे। वे न तो परमेश्वर की आज्ञा मान रहे थे और न ही उसका सम्मान कर रहे थे।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार "अविश्वासी" का अनुवाद "विश्वासघाती" या "विश्वास नहीं करने वाला" या "परमेश्वर का अवज्ञाकारी" या "विश्वास से विमुख" किया जा सकता है।
- "अविश्वास" का अनुवाद "विश्वासहीनता" या "अनिष्टा" या "परमेश्वर से विरोध" किया जा सकता है।
- "विश्वासघाती" शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, "मनुष्य जो (परमेश्वर के) निष्ठावान नहीं है," या "अनिष्ट जन" या "परमेश्वर की अवज्ञा करनेवाले" या "परमेश्वर से विद्रोह करनेवाले।"
- कुछ भाषाओं में, "विश्वास रहित" का अभिप्राय "अविश्वास" होता है।

(यह भी देखें: नाम कैसे अनुवादित करें)

(यह भी देखें: विश्वास करना, निष्ठावान, अवज्ञा, व्यभिचार)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 43:6-8](#)
- [एज्रा 9:1-2](#)
- [यिर्मयाह 2:19](#)
- [नीतिवचन 2:22](#)
- [प्रकाशितवाक्य 21:7-8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G571

अशुद्ध

परिभाषा:

"बिगड़कर" या "सड़ाहट" का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगड़ना अर्थात् उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- “बिगड़ना” अर्थात् “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दुष्ट)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 20:42-44](#)
- [गलातियों 06:6-8](#)
- [उत्पत्ति 06:12](#)
- [मत्ती 12:33-35](#)
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांगस: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला हो जाने से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या संस्कारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इसाएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शब्द या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इसाएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थीं जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “अशुद्ध” का अनुवाद “अशुद्ध होना” या “अधर्मी होना या “संस्कारिक रूप से अस्वीकार्य होना”
- “अशुद्ध होना” का अनुवाद हो सकता है, “अस्वच्छ होना” या “नैतिक रूप से (परमेश्वर को) अस्वीकार्य होना” या “संस्कारिक रूप से अस्वीकार्य होना”।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 23:8](#)
- [निर्गमन 20:24-26](#)
- [उत्पत्ति 34:27](#)
- [उत्पत्ति 49:4](#)
- [यशायाह 43:27-28](#)
- [लैव्यव्यवस्था 11:43-45](#)
- [मरकुस 07:14-16](#)
- [मती 15:10](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, G2839, G2840, G3392, G3435

अशुद्ध करना**परिभाषा:**

"अशुद्ध करना" अर्थात् किसी पवित्र स्थान को या पवित्र वस्तु के नष्ट-भ्रष्ट करना कि वह आराधना में उपयोग के योग्य न रह जाए।

- "अपवित्र करने" में प्रायः उसके प्रति घोर अपमान की भावना होती है।
- उदाहरणार्थ अन्यजाति राजाओं ने परमेश्वर के मन्दिर के पवित्र पात्रों को अपने राजमहल में भोज के समय मदिरा पान के लिए काम में लिए थे।
- इसाएल के शत्रु मृतकों की हड्डियों द्वारा परमेश्वर के मन्दिर को पवित्र करते थे।
- इस शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, "अपवित्र करने का कारण होना" या "अपवित्र करके अनादर करना" या "अपमानजनक अपवित्र" या "अशुद्धता का कारण उत्पन्न करना"।

(यह भी देखें: वेदी, अशुद्ध, अनादर, अशुद्ध करना, शुद्ध, मन्दिर, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 24:4-6](#)
- [यशायाह 30:22](#)
- भजन संहिता 074:7-8
- भजन संहिता 089:38-40

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2490, H2610, H2930, G953

अशुद्ध करना**परिभाषा:**

अशुद्ध करने का अर्थ है: अपवित्र करना, गन्दा करना या पवित्र वस्तु का अपमान करना।

- अशुद्ध मनुष्य वह है जो अपवित्र क्लैयवहार करता है और परमेश्वर का आदर नहीं करता है।
- "अशुद्ध करना" क्रिया शब्द का अनुवाद हो सकता है: "अपवित्रता से व्यवहार करना" या "शृद्धा रहित व्यवहार करना" या "आदर नहीं करना।"
- परमेश्वर ने इसाएलियों से कहा था कि उन्होंने अपने आप को "अशुद्ध" कर लिया है। अर्थात् वे मूर्ति पूजा के पाप से "अपवित्र" या "अपमानजनक" हो गए थे। वे परमेश्वर का निरादर भी कर रहे थे।
- प्रकरण के अनुसार विशेषण शब्द "अशुद्ध" का अनुवाद हो सकता है: 'सम्मान से रहित' या "अभक्त" या "अपवित्र"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, पवित्र, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 तीमुथियुस 02:16-18](#)
- [यहेजकेल 20:09](#)
- [मलाकी 01:10-12](#)
- [मत्ती 12:05](#)
- [गिनती 18:30-32](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2455, H2490, H2491, H5234, H8610, G952, G953

अशेरा**परिभाषा:**

अशेरा कनानियों की देवी का नाम था, पुराने नियम में। "अश्तोरेत" अशेरा का ही दूसरा नाम हो सकता है या यह अन्य देवी थी जो वैसी ही थी।

- "अशेरा की मूर्तियां" अर्थात लकड़ी की मूर्तियां या पेड़ों को काटकर वैसा रूप देना कि उसका प्रतिनिधित्व करें।
- अशेरा की मूर्तियां प्रायः झूठे देवता बाल के वेदी के निकट होती थी क्योंकि उसे अशेरा का पति माना जाता था। कुछ समुदाय बाल की सूर्य देवता और अशेरा या अश्तोरेत को चांद देवी मानकर पूजा करते थे।
- परमेश्वर ने इसाएल को आज्ञा दी थी कि अशेरा की सब मूर्तियां ध्वंस कर दें।
- इसाएल के कुछ अगुओं ने जैसे गिदोन, राजा आसा, राजा योशियाह ने परमेश्वर की आज्ञा मानकर इन मूर्तियों को नष्ट किया था।
- परन्तु कुछ इसाएली राजा जैसे सुलैमान, मनश्शे आहाब ने उनको नष्ट नहीं किया वरन् इसाएल को उनकी पूजा के लिए प्रेरणा दी।

(यह भी देखें: मूरत, बाल, गिदोन, स्वरूप, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 18:4-5](#)
- [2 राजा 21:1-3](#)
- [यशायाह 27:9](#)
- [न्यायियों 03:7-8](#)
- [मीका 05:12-15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H842, H6252, H6253

अश्कलोन**तथ्यः**

बाइबल के युग में अश्केलोन एक प्रमुख पलिश्ती नगर था जो भूमध्यसागर के तट पर स्थित था। यह नगर आज भी इसाएल में है।

- अश्केलोन पांच अति महत्वपूर्ण पलिश्ती नगरों में से एक था, अशदोद, एक्रोन, गत और गाज़ा के साथ।
- इसाएल अश्कलोन को पूर्णतः जीत नहीं पाया था, यद्यपि यहूदा राजा उसके पर्वतीय प्रदेश को ले चुका था।
- अश्कलोन सैंकड़ों वर्ष पलिश्तियों के अधीन ही रहा।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अशदोद, कनान, एक्रोन, गत, गाज़ा, पलिश्ती, भूमध्य सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 06:17-18](#)
- [आमोस 01:8](#)
- [यिर्म्याह 25:19-21](#)
- [यहोशू 13:2-3](#)
- [न्यायियों 01:18-19](#)
- [जकर्याह 09:5-7](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H831

अशदोद**तथ्यः**

अशदोद पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। यह दक्षिण-पश्चिम कनान में भूमध्य-सागर के निकट, गाज़ा और याफा के मध्य स्थित था।

- पलिश्तियों के मिथ्या देवता दागोन का मन्दिर अशदोद में था।
- पलिश्तियों ने परमेश्वर की वाचा का सन्दूक ले जाकर अशदोद के विजातीय मंदिर में रख दिया था, इस कारण परमेश्वर ने अशदोद वासियों को कठोर दण्ड दिया था क्योंकि उसको विधर्मी मन्दिर में रखा गया था।
- इस नगर का यूनानी नाम अज़ोतस था। यह भी उन नगरों में से एक था जहां प्रचारक फिलिप्पुस ने सुसमाचार सुनाया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: एक्रोन, गत, गाज़ा, याफा, फिलिप्पुस, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 5:1-3](#)
- [प्रे.का. 8:40](#)
- [आमोस 1:8](#)
- [यहोशू 15:45-47](#)
- [जकर्याह 9:6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H795, G108

अशशूर**तथ्यः**

अशशूर देश एक इस्राएल के कनान वास के समय अशशूर देश एक शक्तिशाली राज्य था। अशशूर राज्य विभिन्न जातियों का एक समूह था जिस पर अशशूर राजा राज करता था।

- अशशूर देश उस स्थान में था जो आज उत्तरी इराक है।
- इतिहास में अशशूरों ने इस्राएल से अनेक युद्ध किए थे।
- 722 ई.पू में अशशूरों की सेना ने इस्राएल राज्य को पूर्णतः जीत लिया था और इस्राएलियों को बन्दी बनाकर अशशूर देश ले गए थे।
- जो इस्राएली स्वदेश में रह गए थे उन्होंने अशशूरों द्वारा सामरिया से इस्राएल में लाकर बसाए हुए परदेशियों के साथ विवाह कर लिया था। ऐसे अन्तर्जातीय विवाह से उत्पन्न सन्तान को आगे चलकर सामरी कहा गया था।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 10:11](#)
- [उत्पत्ति 25:17-18](#)
- [यशायाह 7:16-17](#)
- [यिर्मायाह 50:17](#)
- [मीका 7:11-13](#)

बाह्यबल कहानियों से उदाहरणः

- **20:02** तब परमेश्वर ने दोनों राज्यों को दण्डित किया और उनके शत्रुओं को यह अनुमति दी कि वह उन राज्यों को नष्ट कर दे। **अश्शूर का राज्य** एक शक्तिशाली, क्रूर राज्य था, जिसने इसाएल के राज्य को नष्ट कर दिया। **अश्शूरियों** ने इसाएल के बहुत से लोगों को मार गिराया, उनकी मूल्यवान वस्तुओं को छीन लिया और देश का बहुत सा हिस्सा जला दिया।
- **20:3** **अश्शूरियों** ने सभी अगुओं को, धनवान मनुष्य और योग्य मनुष्य को एकत्र किया और उन्हें अपने साथ **अश्शूर** ले आए।
- **20:4** तब **अश्शूरियों** ने अन्यजातियों को इस्तेल राज्य की उस भूमि पर रहने के लिए ले आए।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H804, H1121

अस्वीकार करना**परिभाषा:**

“अस्वीकार करना” अर्थात् किसी व्यक्ति या वस्तु को स्वीकार करने से इन्कार करना।

- “अस्वीकार करना” का अर्थ यह भी हो सकता है, किसी बात में “विश्वास नहीं करना।”
- परमेश्वर का त्याग करने का अर्थ है उसकी आज्ञा मानने से इन्कार करना।
- इस्माएलियों ने मूसा की अगुआई को स्वीकार नहीं किया, इसका अर्थ है कि वे उसके अधिकार का विरोध कर रहे थे। वे उसकी आज्ञा मानना नहीं चाहते थे।
- इस्माएलियों द्वारा मूर्तिपूजा करने का अर्थ था कि वे परमेश्वर का त्याग कर रहे हैं।
- इस शब्द का मूल अर्थ है, “धक्का देना”। अन्य भाषाओं में ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका अर्थ हो, किसी वस्तु या मनुष्य में विश्वास करने का त्याग करना या इन्कार करना।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “त्यागना” का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार नहीं करना” या “सहायता करना रोक देना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “आज्ञा मानना छोड़ देना”।
- “राज मिसियों ने जिस पथर को निकम्मा ठहराया था” या “निकम्मा ठहराया” अर्थात् “काम में नहीं लिया” या “स्वीकार नहीं किया” या “फेंक दिया” या “निकम्मा जानकर काम में नहीं लिया”।
- मनुष्यों द्वारा परमेश्वर की आज्ञाओं का परित्याग करने के संदर्भ में, परित्याग “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या इसका अनुवाद हो सकता है, परमेश्वर की व्यवस्था को “हठ करके स्वीकार न करना।”

(यह भी देखें: आज्ञा, अवज्ञा, पालन, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 4:12-14](#)
- [होशे 4:6-7](#)
- [यशायाह 41:9](#)
- [यूहन्ना 12:48-50](#)
- [मरकुस 7:9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0947, H0959, H2186, H2310, H3988, H5006, H5034, H5186, H5203, H5307, H5541, H5800, G01140, G04830, G05500, G05790, G05800, G05930, G06830, G07200, G16090, G38680

अहंकारी**परिभाषा:**

“अहंकारी” अर्थात् घमण्डी, प्रायः प्रकट, बाहरी रूप में।

- अभिमानी मनुष्य अपनी बड़ाई करता है।
- अभिमानी का अभिप्राय प्रायः यह है कि अन्य मनुष्य इतने महत्वपूर्ण या प्रतिभाशाली नहीं हैं जितना की मनुष्य स्वयं है।
- परमेश्वर का अनादर करनेवाले लोग जो उसके विद्रोही हैं, अभिमानी हैं, क्योंकि वे स्वीकार नहीं करते कि परमेश्वर कैसा महान है।

(यह भी देखें: स्वीकार करना, डींग मारना, घमण्डी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरिचियों 4:18](#)
- [2 पतरस 2:18](#)
- [यहेजकेल 16:49](#)
- [नीतिवचन 16:5](#)
- भजन 56:1-2

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1346, H1347, H2102, H2103, H6277, G212, G5450

अहज्याह**तथ्यः**

अहज्याह नाम के दो राजा हुए थे: एक इसाएल का राजा था और दूसरा यहूदा का राजा था।

- यहूदा का राजा अहज्याह राजा यारोबाम का पुत्र था। उसने एक वर्ष(841 ई.पू.) ही राज किया और फिर ये हू ने उसकी हत्या की। अहज्याह के पुत्र योआश ने छोटी आयु में ही राज काज सम्पाला था।
- इसाएल का अहज्याह अहाब राजा का पुत्र था। उसका राज्यकाल दो वर्ष था (850-49 ई.पू.)। वह अपने राजमहल की खिड़की में से गिर जाने के कारण धायल होकर मर गया था और उसके स्थान में उसका भाई योराम राजगद्दी पर बैठा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: ये हू, अहाब, यारोबाम, योआश)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 22:39-40](#)
- [2 इतिहास 22:1-3](#)
- [2 इतिहास 25:23-24](#)
- [2 राजा 11:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H274

अहाज

परिभाषा:

अहाज एक दुष्ट राजा था जिसने यहूदा पर 732 से 716 ई.पू. तक राज किया था। यह समय इस्राएल और यहूदा के अनेक निवासियों को बेबीलोन की बन्धुआई में ले जाने से लगभग 140 वर्ष पूर्व का था।

- जब वह यहूदा में राज कर रहा था उसने अशूरों के देवता के लिए एक वेदी बनवाई थी, परिणामस्वरूप प्रजा एकमात्र सच्चे परमेश्वर यहोवा से विमुख हो गई थी।
- राजा अहाज 20 वर्ष की आयु में यहूदा के सिंहासन पर बैठा था और उसने 16 वर्ष राज किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बेबीलोन)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 08:35-37](#)
- [2 इतिहास 28:1-2](#)
- [2 राजा 16:19-20](#)
- [होशे 01:1-2](#)
- [यशायाह 01:1](#)
- [यशायाह 07:3-4](#)
- [मत्ती 01:9-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H271

अहिय्याह

तथ्यः

पुराने नियम में अनेक पुरुषों के नाम अहिय्याह थे। निम्नलिखित इनमें से कुछ पुरुष हैं।

- शाऊल के राज्यकाल में एक याजक का नाम अहिय्याह था।
- सुलैमान राजा के समय अहिय्याह एक लिपिक था।
- अहिय्याह शीलो का एक भविष्यद्वक्ता भी था जिसने इस्राएल राज्य के विभाजन की भविष्यद्वाणी की थी।
- इस्राएल के राजा बाशा के पिता का नाम भी अहिय्याह था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बाशा, शीलो)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 15:27-28](#)
- [1 राजा 21:21-22](#)
- [1 शमूएल 14:18-19](#)
- [2 इतिहास 10:15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H281

आ पडे

परिभाषा:

“आ पडे” और “धेरना” का संदर्भ किसी मनुष्य या किसी वस्तु को वश में कर लेने से है। इसमें विचार यह है, पीछा करके पहुंचना।

- जब सेना किसी और दुश्मन सेना को घेर लेती है तो इसका अर्थ है कि उन्होंने उस सेना को युद्ध में पराजित कर दिया।
- जब शिकारी शिकार को घेर लेता है तो इसका अर्थ है कि उसने पीछा करके शिकार को पकड़ लिया।
- यदि किसी पर श्राप आ पड़े तो इसका अर्थ है कि श्राप में जो कुछ कहा गया था वह उसके साथ होता है।
- यदि मनुष्यों पर आशिष आती है तो इसका अर्थ है कि वे आशीषों का अनुभव कर रहे हैं।
- प्रकरण के अनुसार “घेरना” का अनुवाद “जीतना” या “बन्दी बनाना” या “पराजित करना” या “पकड़ लेना” या “पूर्णतः प्रभावित करना” हो सकता है।
- पूर्वालिक क्रिया “आ पड़ी” का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “पकड़ लिया” या “साथ आ गया” या “जीत लिया” या “पराजित कर दिया” या “हानि कर दी।”
- जब चेतावनी दी जाए कि अन्धकार या दण्ड या भय मनुष्यों के पापों के कारण आ पड़ेगा तो इसका अर्थ है कि यदि वे पापों से न फिरे तो उन्हें इन नकारात्मक बातों का अनुभव होगा।
- “मेरे वचन तुम्हरे पितरों पर आ पड़े हैं” का अर्थ है कि यहोंवा ने उनके पूर्वजों को जो शिक्षाएं दी थी उनके कारण उन्हें दण्ड मिलेगा क्योंकि वे उन शिक्षाओं का पालन करने में असफल रहे।

(यह भी देखें: आशिष देना, धिक्कारने लगा, शिकार, दण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 25:4-5](#)
- [यूहन्ना 12:35](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0579, H0935, H1692, H4672, H5066, H5381, G26380, G29830

आंशिक

परिभाषा:

“पक्षपात करना” और “पक्षपात”, इनका सन्दर्भ है, कुछ लोगों को अन्यों से अधिक महत्व देना का चुनाव करना।

- यह वैसा ही है जैसा किसी को कृपापात्र बनाना अर्थात्, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा अधिक अनुग्रहीत व्यवहार करना।
- पक्षपात या विशेष अनुग्रह प्रकट करना अधिकतर इसलिए किया जाता है कि मनुष्य अधिक धनवान है या अन्यों से अधिक प्रतिष्ठित है।
- बाइबल अपने लोगों को उपदेश देती है कि वे धनवानों तथा प्रतिष्ठित जनों के प्रति पक्षपाती न हों।
- रोम की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस कहता है कि परमेश्वर पक्षपात नहीं करता है वह निष्पक्ष न्याय करता है।
- याकूब के पत्र में भी यही शिक्षा दी गई है कि धनवानों को अधिक उत्तम स्थान देना या उनके साथ अधिक विनम्र व्यवहार करना उचित नहीं है।

(यह भी देखें: पक्ष धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 1:17](#)
- [मलाकी 2:9](#)
- [मरकुस 12:13-15](#)
- [मत्ती 22:16](#)
- [रोमियो 2:10-12](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5234, H6440, G991, G1519, G2983, G4299, G4382, G4383

आग्रह करना

परिभाषा:

"आग्रह करना" अर्थात् उचित काम करने के लिए प्रबल प्रोत्साहन देना और प्रबोधन करना। ऐसी उत्प्रेरणा को आग्रह करना कहते हैं।

- "उपदेश देने" का उद्देश्य है मनुष्यों को पाप का त्याग करके परमेश्वर की इच्छा पर चलने के लिए प्रेरित करना।
- नये नियम में विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि एक दूसरे को कठोर एवं खड़ी बोली में नहीं वरन् प्रेमपूर्वक समझाएं।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "आग्रह करना" का अनुवाद "प्रबल प्रबोधन" या "कायल करना" या "परामर्श देना" भी हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न लगे कि समझाने वाला क्रोधित है। इस शब्द से शक्ति एवं गंभीरता प्रकट हो परन्तु क्रोधपूर्ण भाषा का संदर्भ न हो।
- अधिकांश प्रकरणों में "आग्रह करने" का अनुवाद "प्रोत्साहन" से भिन्न होना है जिसका अर्थ है प्रेरित करना, विश्वास दिलाना, या शान्ति देना है।
- इस शब्द का अनुवाद "झिड़कना" से भी भिन्न होना है जिसका अर्थ है अनुचित व्यवहार के लिए चेतावनी देना, या सुधारना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 धिस्सलुनीकियों 2:3-4](#)
- [1 धिस्सलुनीकियों 2:12](#)
- [1 तीमुथियुस 5:2](#)
- [लूका 3:18](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G38670, G38700, G38740, G43890

आज्ञा/आदेश

परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या धोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना अनिवार्य है। आज्ञा को "आदेश" भी कहा जा सकता है।

- एक "आज्ञा" एक "नियम" के समान है, लेकिन सामान्यतः लिखित की अपेक्षा उच्चारित शब्दों के सन्दर्भ में होती है।
- शब्द "आज्ञा" का अनुवाद हो सकता है, "नियम देना" या "आदेश देना" या "औपचारिक रूप से अनिवार्यता" या "सार्वजनिक कानून बनाना"
- परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
- मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: आदेश, धोषित करना, व्यवस्था, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 15:13-15](#)
- [1 राजा 8:57-58](#)
- [प्रे.का. 17:5-7](#)
- [दानियेल 2:13](#)
- [एस्त्रेर 1:22](#)
- [लूका 2:1](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0559, H0633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G13780

आत्मा

परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग है जो दिखाई नहीं देता है। मरने के समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द “हवा” का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात्, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

- शब्द "आत्मा" एक ऐसे प्राणी आत्मा के सन्दर्भ में भी हो सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे दुष्टात्मा।
- "आत्मिक" इस शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार की बातें।
- "की आत्मा" इस उक्ति का अर्थ है, "का सा चरित्र" जैसे "बुद्धि की आत्मा" या "एलियाह की आत्मा में"। मनुष्य के स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में "आत्मा" का संदर्भ होगा, "भय की आत्मा" या "ईर्ष्या की आत्मा"
- यीशु ने कहा कि परमेश्वर आत्मा है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "आत्मा" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अलौकिक प्राणी" या "आन्तरिक भाग" या "आन्तरिक मनुष्यत्व"।
- कुछ संदर्भों में "आत्मा" का अनुवाद "दुष्टात्मा" या "दुष्ट आत्मिक प्राणी" हो सकता है।
- कभी-कभी "आत्मा" शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे "मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी"। इसका अनुवाद "मेरी आत्मा दुःखित थी" या "मुझे गहरा दुख" हो सकता है।
- "की आत्मा" का अनुवाद हो सकता है, "का चरित्र" या "का प्रभाव" या "का स्वभाव" या "के द्वारा चरित्र-लक्षण प्रभावित"
- संदर्भ के आधार पर, "आत्मिक" का अनुवाद हो सकता है, "अलौकिक" या "पवित्र आत्मा से" या "परमेश्वर" या "अलौकिक संसार का भाग"
- इस अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक परिपक्तता" का अनुवाद हो सकता है, "ईश्वरीय स्वभाव जो पवित्र आत्मा का आज्ञाकारी है"
- "आध्यात्मिक वरदान" का अनुवाद हो सकता है, "पवित्रात्मा प्रदत्त विशेष योग्यता"
- कभी-कभी इस शब्द का अनुवाद, "हवा" भी हो सकता है, जब हवा चलने का सन्दर्भ हो या "सांस"" हो सकता है जब जीवित प्राणियों द्वारा वायु प्रवाह का संदर्भ हो।

आत्मा

आत्मा

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, पवित्र आत्मा, प्राण, सांस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 कुरियियों 5:5](#)
- [1 यूहन्ना 4:3](#)
- [1 पिस्सलुनीकियों 5:23](#)
- [प्रे.का. 5:9](#)
- [कुलस्सियों 1: 9](#)
- [इफिसियों 4:23](#)
- [उत्पत्ति 7:21-22](#)
- [उत्पत्ति 8:1](#)
- [यशायाह 4: 4](#)
- [मरकुस 1:23-26](#)
- [मत्ती. 26:41](#)
- [फिलिप्पियों 1:27](#)

बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

- **13:3** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को **आत्मिक** रूप से तैयार करे, जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ।
- **40:7** तब यीशु ने पुकार कर कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी **आत्मा** तेरे हाथों में सौंपता हूँ।” तब यीशु का सिर झुक दिया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया।
- **45:5** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी **आत्मा** को ग्रहण कर।”
- **48:7** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास करने लगा और अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक **आत्मिक** वंशज बना।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

आदम

तथ्यः

आदम पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने बनाया था. वह और उसकी पत्नी हव्वा परमेश्वर के रूप में सूजे गए थे।

- परमेश्वर ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें जीवन की सांस फूंकी थी।
- आदम शब्द इब्रानी भाषा में “लाल मिट्टी” या “धरती” शब्दों के जैसा सुनाई देता है।
- “आदम” शब्द वैसा ही है जैसा पुराने नियम में “मानवजाति” या “मनुष्य” के लिए शब्द हैं।
- संपूर्ण मानवजाति आदम और हव्वा के वंशज हैं।
- आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी। इस कारण वे परमेश्वर से अलग किए गए और संसार में पाप और मृत्यु के आने का कारण हुए।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मृत्यु, वंशज, हव्वा, परमेश्वर का रूप, जीवन)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 तीमुथियुस 2:14](#)
- [उत्पत्ति 3:17](#)
- [उत्पत्ति 5:01](#)
- [उत्पत्ति 11:5](#)
- [लूका 3:38](#)
- [रोमियो 5:15](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **1:9** फिर परमेश्वर ने कहा, “हम मनुष्य को अपने स्वरूप में हमारे जैसा बनायेंगे।”
- **1:10** इस आदमी का नाम **आदम** था। परमेश्वर ने **आदम** के रहने के लिये एक वाटिका बनाई, और वाटिका की देखभाल करने के लिये उसे वहाँ रख दिया।
 - **1:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।” परन्तु जानवरों में से कोई भी **आदमी** का सहायक नहीं बन सकता था।
- **2:11** और परमेश्वर ने जानवर की खाल से **आदम** और हव्वा को वस्त्र पहनाए।
- **2:12** और परमेश्वर ने **आदम** और हव्वा को उस सुंदर वाटिका से बाहर भेज दिया।
- **49:8** जब **आदम** और हव्वा ने पाप किया तो उनके वंशज सब प्रभावित हुए।
- **50:16** क्योंकि **आदम** और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0120, G00760

आदर

परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

- आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
- परमेश्वर ने मसीहियों को निर्देश दिया कि दूसरों का आदर करें।
- सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
- “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
- परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

अनुवाद के सुझाव:

- “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
- “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: अपमान, महिमा, स्तुति करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 2:8](#)
- [प्रे.का. 19:17](#)
- [यूहन्ना 4:44](#)
- [यूहन्ना 12:26](#)
- [मरकुस 6:4](#)
- [मत्ती 15:6](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G08200, G13910, G13920, G17840, G21510, G25700, G31700, G44110, G45860, G50910, G50920, G50930, G53990

आनन्द

परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात् बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

- “मैं आनन्द लेना” अर्थात् “मैं सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से “आनंदित” होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
- किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
- “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
- “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
- “प्रसन्न रहता है” अर्थात् “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है।”
- शब्द “प्रसन्न” उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है।”

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [नीतिवचन 08:30](#)
- भजन संहिता 001:02
- भजन संहिता 119:69-70
- [श्रेष्ठगीत 01:03](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

आनन्द

परिभाषा:

आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द "आनंदित" एक ऐसी व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

- मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
- परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
- आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
- कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहाँ रहने वाले लोग आनंदित हैं।

आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

- यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
- इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
- जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"
-

अनुवाद के सुझाव:

- "आनंद" शब्द का अनुवाद "हर्ष" या "प्रसन्नता" या "महान प्रसन्नता" भी हो सकता है।
- "आनंदित रहो" का अनुवाद हो सकता है, "आनंद करना" या "अत्यधिक प्रसन्न होना" या "परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना" जैसी अभिव्यक्ति।
- एक आनंदित मनुष्य को "अत्यधिक प्रसन्न" या "हर्षित" या "बहुत खुश" कह सकते हैं।
- "जय जयकार करो" का अनुवाद हो सकता है, "इस प्रकार चिल्लाओं कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।"
- "आनंदित नगर" या "आनंदित घर" का अनुवाद हो सकता है "वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं" या "आनंदित लोगों से भरा घर" या "जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।" (देखें: लक्षणालंकार)

(यह भी देखें: आनन्द करना)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 पिस्सलुनीकियों 01:6-7](#)
- [3 यूहन्ना 01:1-4](#)
- [गलातियों 05:22-24](#)
- [यशायाह 56:6-7](#)
- [याकूब 01:1-3](#)
- [यिर्मायाह 15:15-16](#)
- [मत्ती 02:9-10](#)
- [नहेम्याह 08:9-10](#)
- [फिलेमोन 01:4-7](#)
- भजन संहिता 048:1-3
- [रोमियो 15:30-32](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते हैं, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते हैं।”
- **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत आनन्द से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े आनन्द से भर गईं। वे चेलों को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गईं।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

आमीन**परिभाषा:**

“आमीन” शब्द किसी की बात पर बल देना या ध्यान आकर्षित करना दर्शाता है। इसका उपयोग प्रायः प्रार्थना के अन्त में होता है। कभी-कभी इसका अनुवाद “सच में” किया जाता है।

- प्रार्थना के अन्त में “आमीन” शब्द प्रार्थना के साथ सहमति या प्रार्थना पूरी होने की इच्छा प्रकट करता है।
- अपनी शिक्षाओं में यीशु ने “आमीन” शब्द के उपयोग द्वारा अपनी बात के सत्य पर बल दिया था। इस शब्द के बाद उसने सदैव कहा, “और मैं तुमसे कहता हूँ” कि वह पहले की बात से संबंधित एक और बात कहे।
- जब यीशु “आमीन” शब्द का उपयोग इस प्रकार करता है तो कुछ अंग्रेजी बाइबल (यू. एल. बी. भी) इसका अनुवाद “वास्तव में” या “सच कहता हूँ” करती हैं।
- एक और शब्द “सच-सच” का अनुवाद “निश्चय” या “यथा-तथ्य” किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझावः

- देखें कि लक्षित भाषा में से कोई विशेष शब्द या कोई वाक्य है जो किसी कही गई बात पर बल देने के काम में ली जाती है।
- प्रार्थना के अन्त में या किसी बात के समर्थन में, “आमीन” अनुवाद किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब यीशु कहता है, “मैं तुमसे सच सच कहता हूँ” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “हाँ, मैं सच कहता हूँ” या “यह सच है और मैं कहता हूँ”।
- “मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ” का अनुवाद हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूँ” या “मैं सच्ची भावना से तुमसे कहता हूँ” या “मैं जो तुमसे कहता हूँ वह सच है”

(यह भी देखें: पूरा करना, सत्य)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 27:15](#)
- [यूहन्ना 05:19-20](#)
- [यहूदा 01:24-25](#)
- [मत्ती 26:33-35](#)
- [फिलेमोन 01:23-25](#)
- [प्रकाशितवाक्य 22:20-21](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H543, G281

आमोस**तथ्यः**

आमोस परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जो यहूदा के राजा उज्जियाह के राज्य काल में था।

- भविष्यद्वाणी के लिए परमेश्वर द्वारा बुलाए जाने से पहले आमोस यहूदा में एक चरवाहा और अंजीर की खेती करनेवाला था।
- आमोस ने समृद्ध उत्तरी राज्य के लिए भविष्यद्वाणी की थी जो मनुष्यों के साथ उनके अनुचित व्यवहार के विरुद्ध थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अंजीर, यहूदा, इस्ताएल राज्य, चरवाहा, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भः

- [आमोस 01:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5986

आमोस**तथ्यः**

आमोस भविष्यद्वक्ता यशायाह के पिता का नाम था।

- एकमात्र स्थान जहां उसके नाम का उल्लेख किया गया है वह यशायाह की पहचान के लिए है कि वह “अमोस का पुत्र” था।
- यह नाम भविष्यद्वक्ता आमोस से भिन्न है जिसका स्पष्टीकरण अनिवार्य है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आमोस, यशायाह)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 19:1-2](#)
- [यशायाह 37:1-2](#)
- [यशायाह 37:21-23](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H531

आयु**परिभाषा:**

“आयु” अर्थात् मनुष्य का जीवनकाल। इसका उपयोग सामान्य तौर पर समय की अवधि के संदर्भ में भी होता है।

- विस्तारित अवधि को व्यक्त करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले दूसरे शब्दों में "काल" और "ऋतु" शामिल हैं।
- यीशु ने वर्तमान समय को जब पृथ्वी पर पाप, बुराई और अवश्या बहुत अधिक हो जाएगी, "यह युग" कहा था।
- एक भावी युग भी होगा जब नए आकाश और नई पृथ्वी पर धार्मिकता का राज होगा।

अनुवाद सुझावः

- प्रकरण के अनुसार "युग" शब्द का अनुवाद, "काल" या "इतने वर्ष की आयु" या "समय सीमा" या "समय" हो सकता है।
- "बहुत अधिक आयु" इस उक्ति का अनुवाद, "कई वर्ष का होकर" या "जब वह बहुत वृद्ध हो गया" या "जब वह बहुत समय जी चुका" हो सकता है।
- "यह वर्तमान बुरा युग" अर्थात् "वर्तमान में इस समय के दौरान जब लोग बहुत बुरे हैं।"

बाइबल संदर्भः

- [1 इतिहास 29:28](#)
- [1 कुरियियों 2:7](#)
- [इब्रानियों 6:5](#)
- [अथूब 5:26-27](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G01650, G10740

आराधनालय

परिभाषा:

"आराधनालय" वह स्थान था जहां यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना हेतु एकत्र होते थे।

- प्राचीन काल से ही, इन आराधनालयों की आराधनाओं में प्रार्थनाओं, धर्मशास्त्र पढ़ना, और शास्त्रों के बारे में शिक्षण का समय होता था।
- यहूदियों ने परमेश्वर से प्रार्थना करने और उसकी उपासना करने के लिए अपने-अपने नगरों में आराधनालयों का निर्माण करना आरम्भ कर दिया था क्योंकि अनेक यहूदी यरूशलेम के मंदिर से बहुत दूर रहते थे।
- यीशु प्रायः आराधनालयों में शिक्षा देता था और लोगों को चंगा करता था।
- "आराधनालय" शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में भी किया गया है जिसका सन्दर्भ वहाँ एकत्र होने वालर आराधकों से है।

(यह भी देखें: चंगा करना, यरूशलेम, यहूदी, प्रार्थना करना, मन्दिर, परमेश्वर का वचन, आराधना)

बाइबल संदर्भः

- [प्रे.का. 6:9](#)
- [प्रे.का. 14:1-2](#)
- [प्रे.का. 15:21](#)
- [प्रे.का. 24:10-13](#)
- [यूहन्ना 6:59](#)
- [लूका 4:14](#)
- [मत्ती 6:1-2](#)
- [मत्ती 9:35-36](#)
- [मत्ती 13:54](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H4150, G06560, G07520, G48640

आशा

परिभाषा:

आशा का अर्थ है, किसी बात के होने की उल्कट अभिलाषा। आशा में निहित अभिप्राय हो सकता है, किसी भावी घटना की निश्चितता या अनिश्चितता।

- बाइबल में, "आशा" शब्द का एक भावाथ "भरोसा" भी है, जैसा कि "मेरी आशा प्रभु में है।" इसका सन्दर्भ परमेश्वर की प्रतिज्ञा की प्राप्ति की निश्चित प्रत्याशा से है जो उसने अपने लोगों से की है।
- कभी-कभी ULT में इस शब्द का शब्दानुवाद मूल भाषा में, "आत्मविश्वास" किया गया है। ऐसा अधिकतर नए नियम में उन परिस्थितियों में होता है, जहां लोग यीशु में उद्धारकर्ता होने का विश्वास करते हैं, उनमें पूर्ण विश्वास (आत्मविश्वास या भरोसा) है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसको वे निश्चय ही प्राप्त करेंगे।
- "कोई आशा नहीं" अर्थात् किसी अच्छी बात के होने का विश्वास नहीं। इसका अर्थ है कि यह वास्तव में पूर्ण निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, "इच्छा करना" या "मनोकामना" या "अपेक्षा करना।"
- "आशा करने के लिए कुछ नहीं", इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "किसी भी अच्छी बात की प्रत्याशा नहीं है"
- "आशा ही नहीं" का अनुवाद हो सकता है, "किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना" या "सुरक्षा नहीं होना" या "निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।"
- "की आशा की है" का अनुवाद हो सकता है, "मैं विश्वास रखा हूँ" या "पर भरोसा रखे हुए है"
- "मुझे आपकी बात से आशा है" इसका अनुवाद हो सकता है, "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपकी बात मुझे आप पर भरोसा करने में सहायता करती है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे धन्य होने का निश्चय हो जाता है"

- परमेश्वर "में आशा" ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर पर भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की हैउसको वह पूरी करेगा" या "निश्चय हो जाना कि परमेश्वर विश्वासयोग्य है"

(यह भी देखें: आशीष देना, भरोसा, अच्छा, आज्ञा पालन, भरोसा, परमेश्वर का वचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 29:14-15](#)
- [1 थिसलुनीकियों 2:19](#)
- [प्रे.का. 24:14-16](#)
- [प्रे.का. 26:6](#)
- [प्रे.का. 27:20](#)
- [कुलस्सियों 1:5](#)
- [अयू.ब 11:20](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0982, H0983, H0986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G00910, G05600, G16790, G16800, G20700

आशीष देना

परिभाषा:

किसी को "आशीष" देना अर्थात् किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात की कामना करना।

- किसी को आशीष देने का अर्थ यह भी हो सकता है, मनुष्य विशेष के लिए अच्छी एवं लाभकारी बात की मनोकामना व्यक्त करना।
- बाइबल के युग में पिता प्रायः अपनी सन्तान को विधिवत आशीष देते थे।
- परन्तु मनुष्य जब परमेश्वर को "धन्य" कहते हैं या इच्छा प्रकट करते हैं किप्रमेश्वर धन्य हो, तो इसका अर्थ है कि वे उसकी स्तुति करते हैं। तब इस शब्द का अभिप्राय है, वे उसका गुणगान कर रहे हैं।
- कभी-कभी "आशीष" शब्द भोजन को खाने से पहले उसे पवित्र करने की प्रक्रिया के लिए या भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करने एवं स्तुति करने के लिए भी काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझावः

- "आशीष देना" का अनुवाद "उदारता से प्रदान करना" या किसी "पर अत्यधिक दया एवं कृपा प्रकट करना" भी हो सकता है।
- "परमेश्वर ने बहुत आशीष दी" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर ने बहुत भली वस्तुएँ दी" या "परमेश्वर ने बहुतायत से दिया" या "परमेश्वर समृद्धि प्रदान करेगा"।
- "वह आशीषित है" इसका अनुवाद हो सकता है, "वह बहुत लाभ उठाएगा" या "वह अच्छी-अच्छी वस्तुएँ प्राप्त करेगा" या "परमेश्वर उसे समृद्धि प्रदान करेगा"।
- "धन्य है वह पुरुष जो" इसका अनुवाद हो सकता है, "उस मनुष्य के लिए कैसा भला है जो"
- "धन्य है प्रभु परमेश्वर" ऐसी अभिव्यक्तियों का अनुवाद हो सकता है, "प्रभु की स्तुति हो" या "यहोवा की स्तुति करो" या "मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूँ"।
- भोजन को आशीष देने के संदर्भ में इसका अनुवाद किया जा सकता है, "भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया" या "भोजन के लिए परमेश्वर का गुणगान किया" या "परमेश्वर की स्तुति करके भोजन को पवित्र किया"।

(यह भी देखें: स्तुति करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियियो 10:16](#)
- [प्रे.का. 13:34](#)
- [इफिसियो 1:3](#)
- [उत्पत्ति 14:20](#)
- [यशायाह 44: 3](#)
- [याकूब 1:25](#)
- [लूका 6:20](#)
- [मत्ती. 26:26](#)
- [नहेम्याह 9:5](#)
- [रोमियो 4:9](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **1:7** परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है और उसने उन्हें **आशीर्वाद दिया।**
- **1:15** परमेश्वर ने अपने स्वरूप में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें **आशीष दी** और उन से कहा, “अनेक संतान और पोतों को जन्म देकर पृथ्वी में भर जाओ!”
- **1:16** इसलिये परमेश्वर जो कुछ वह कर रहा था उन सब से उसने विश्राम लिया। उस ने सातवें दिन को **आशीष दी** और उसे पवित्र किया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम किया था।
- **4:4** “मैं तेरा नाम महान करूँगा। जो तुझे आशीष दे, उसको मैं आशीष दूँगा और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा। तेरे कारण पृथ्वी के सब कुल आशीष पाएंगे।”
- **4:7** मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीष दी और कहा, “परमप्रधान परमेश्वर जो स्वर्ग और पृथ्वी का स्वामी है, अब्राम को आशीष दे।”
- **7:3** इसहाक एसाव को **आशीष** देना चाहता था।
- **8:5** यहां तक कि जेल में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहा, और परमेश्वर ने उसे **आशीष दी**

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0833, H0835, H1288, H1289, H1293, G17570, G21270, G21280, G21290, G31060, G31070, G31080, G60500

आशेर

तथ्यः

आशेर याकूब का आठवां पुत्र था। उसके वंशज इसाएल के बारह गोत्रों में से एक थे, गोत्र का नाम भी "आशेर" था।

- आशेर की माता का नाम जिल्पा था, वह लिआः की दासी थी।
- उसके नाम का अर्थ उन इब्रानी शब्दों का सहार्थक है जिनका अर्थ है, "आनन्दित" या "आशिषित"
- आशेर का गोत्र भूमध्य सागर पर कनान के उत्तरीपश्चिमी कोर्ने में बस गया था। जब देश के एक भूभाग के नाम के लिए इस शब्द को काम में लिया जाता है, तब "आशेर" शब्द आशेर गोत्र को दिए गए भूभाग का सन्दर्भ देता है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इसाएल के बारह गोत्र, याकूब, जिल्पा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 2:1-2](#)
- [1 राजा 4:16](#)
- [यहेजकेल 48:1-3](#)
- [उत्पत्ति 30:13](#)
- [लूका 2:36-38](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0836

आसा

तथ्यः

राजा आसा ने यहूदा पर चालीस वर्ष राज किया था 913-873 ई.पू।

- आसा एक अच्छा राजा था जिसने देवताओं की मूर्तियों को नष्ट किया और इसाएलियों को यहोवा की उपासना के लिए प्रेरित किया।
- यहोवा ने आसा को अयजातियों के साथ युद्ध में विजय प्रदान की थी।
- बाद में अपने शासनकाल में आसा ने यहोवा पर भरोसा करना बंद कर दिया और रोगग्रस्त होकर अन्ततः मर गया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 09:14-16](#)
- [1 राजा 15:7-8](#)
- [2 इतिहास 14:1-4](#)
- [यिर्म्याह 41:8-9](#)
- [मत्ती 01:7-8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H609

आसाप

तथ्यः

आसाप एक लेवीय याजक था साथ ही वह एक प्रतिभाशाली संगीतज्ञ था, उसने राजा दाऊद के भजनों को संगीत से संवारा था। उसने स्वयं भी भजन लिखे थे।

- राजा दाऊद ने आसाप को और दो संगीतज्ञों के साथ मन्दिर की आराधना के लिए भजन तैयार करने का उत्तरदायित्व सौंपा था। इनमें से कुछ भजन भविष्यद्वाणियां थीं।
- आसाप ने अपने पुत्रों को भी प्रशिक्षण दिया था कि इस दायित्व को निभाएं, मन्दिर में संगीत वाद्य बजाना तथा भविष्यद्वाणी करना।
- उनके संगीत वाद्य थे, सारंगी, बीणा, नरसींगा और झाँझ।
- भजन 50, 73-83 आसाप के भजन माने जाते हैं। संभव है कि इनमें से कुछ भजन उसके परिवार के सदस्यों ने लिखे थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: वंशज, वीणा, वीणा, भविष्यद्वक्ता, भजन, तुरही)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 6:39-43](#)
- [2 इतिहास 35:15](#)
- [नहेम्याह 2:8](#)
- भजन 50:1-2

शब्द तथ्यः

- Strong's: H623

आसिया

तथ्यः

बाइबल के युग में “आसिया” रोमी साम्राज्य के एक क्षेत्र का नाम था। यह स्थान आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी भाग में था।

- पौलुस ने आसिया के अनेक स्थानों में यात्रा की और वहाँ अनेक नगरों में सुसमाचार सुनाया था। इन स्थानों में इफिसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के भ्रम से बचने के लिए आवश्यक है कि इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जाए, “प्राचीन रोमी प्रान्त आसिया” या “आसिया प्रदेश।”
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया प्रदेश में थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफिसुस)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरिञ्चियों 16:19-20](#)
- [1 पतरस 1:1-2](#)
- [2 तीमुथियुस 1:15-18](#)
- [प्रे.का. 06:8-9](#)
- [प्रे.का. 16:7](#)
- [प्रे.का. 27:1-2](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:4-6](#)
- [रोमियो 16:5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G773

आहाब

तथ्यः

अहाब एक अत्यधिक दुष्ट राजा था जिसने उत्तरी राज्य, इस्राएल पर 875-854 ई.पू. तक राज किया था।

- राजा अहाब ने इस्राएल के लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करने के लिए प्रभावित किया।
- भविष्यद्वक्ता एलियाह ने अहाब का सामना किया और उसे बताया कि अहाब ने इस्राएल से जो पाप करवाए हैं उनके पापों की सजा के रूप में साढ़े तीन साल तक घोर सूखा पड़ा रहेगा।
- अहाब और उसकी पत्नी इज़ेबेल ने और भी बहुत से बुरे काम किए, जिनमें निर्दोष लोगों को मारने के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना शामिल था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाल, एलियाह, ईज़ेबेल, इस्राएल का राज्य, यहोवा)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 राजा 18:1-2](#)
- [1 राजा 20:1-3](#)
- [2 इतिहास 21:6](#)
- [2 राजा 9:8](#)

बाह्यबल कहानियों से उदाहरणः

- **19:02** एलियाह भविष्यद्वक्ता था, जब अहाब इसाएली राज्य का राजा था। अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, बाल नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
- **19:03** अहाब और उसके सैनिक एलियाह की ताक में थे, परन्तु वह उसे खोज न सके।
- **_19:05_** साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन एलियाह के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मैं ह बरसा दूँगा

शब्द तथ्यः

- Strong's: H0256

आहेर**परिभाषा:**

शब्द "आहेर" प्रायः भोजन हेतु किसी पशु का शिकार करना।

- प्रतीकात्मक अर्थ में "शिकार" शब्द उस मनुष्य के लिए भी काम में लिया जा सकता है जिसका लाभ उठाया जाए, दुरुपयोग किया जाए या अधिक सामर्थी मनुष्य द्वारा उस पर अत्याचार किया जाए।
- मनुष्यों का "शोषण" करना अर्थात् उन पर अत्याचार करके लाभ उठाना या उनकी चोरी करना।
- "आहेर" का अनुवाद "शिकार किया गया पशु" या "जिसका शिकार किया गया है" या "शिकार"

(यह भी देखें: सताना)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [यिर्मयाह 12:7-9](#)
- भजन संहिता 104:21-22

शब्द तथ्यः

- Strong's: H400, H957, H961, H962, H2863, H2963, H2964, H4455, H5706, H5861, H7997, H7998

आहान के लिए कॉल**परिभाषा:**

इस अर्थ में, "बुलाना" शब्द का अर्थ किसी व्यक्ति या प्राणी को बुलावा देना है।

- बाइबल में अक्सर “बुलाना” का मतलब “बुलावाना” या “आने की आज्ञा” या “आने का अनुरोध” होता है।
- संदर्भ के आधार पर वाक्यांश “बुलाना” का अनुवाद “बुलावाना” या “मदद का अनुरोध करना” या “आने का अनुरोध” के रूप में किया जा सकता है।
- परमेश्वर लोगों को अपने पास आने और उनके लोग बनने के लिए बुलाता है। यह उनकी “बुलाहट” है।
- जब परमेश्वर लोगों को “बुलाते” हैं, तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने लोगों को अपनी संतान, अपना सेवक और यीशु के द्वारा उद्धार के अपने संदेश कि घोषणा करने वाले होने के लिए नियुक्त या चुना है।
- अभिव्यक्ति, “मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है” इस कथन का अर्थ है कि परमेश्वर ने उस व्यक्ति को विशेष रूप से चुना है।

अनुवाद सुझावः

- शब्द “बुलाना” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ “बुलावाना” होता है, जिसमें जानबूझकर या उद्देश्यपूर्ण ढंग से बुलाने का विचार शामिल होता है।
- जब बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने हमें अपने सेवक होने के लिए “बुलाया” है, तो इसका अनुवाद “हमें खास तौर पर चुना” या “हमें अपने सेवक होने के लिए नियुक्त किया” के तौर पर किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “आपकी बुलाहट” का अनुवाद “आपका उद्देश्य” या “आपके लिए परमेश्वर का उद्देश्य” या “आपके लिए परमेश्वर का विशेष कार्य” के रूप में किया जा सकता है।
- जब परमेश्वर कहते हैं, “मैंने तुम्हे नाम लेकर बुलाया है,” तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं तुम्हे जानता हूँ और तुम्हे चुना है।”

(यह भी देखें: जोर से बोलने के लिए बुलाना, नाम पुकारना)

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्गः :

इकुनियुम

तथ्यः

इकुनियुम आज के तुर्किस्तान के दक्षिणी मध्य भाग में एक नगर था।

- पौलुस पहली प्रचार यात्रा में बरनबास के साथ इकुनियुम नगर गया था क्योंकि यहूदियों ने अन्ताकिया में उसका विरोध किया था।
- इकुनियुम में भी विश्वास नहीं करने वाले यहूदियों और अन्यजातियों ने पौलुस और उसके साथियों को पत्थरवाह करने की योजना बनाई थी परन्तु पौलुस पास के नगर लुस्ता चला गया था
- उसके बाद अन्ताकिया और इकुनियुम से अनेक पुरुषों ने आकर लुस्ता में भी लोगों को पौलुस पर पत्थरवाह करने के लिए भड़काया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बरनबास, लुस्ता, पत्थर)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 तीमुथियुस 3:10-13](#)
- [प्रे.का. 14:1](#)
- [प्रे.का. 14:19-20](#)
- [प्रे.का. 16:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G2430

इतिहास

परिभाषा:

“इतिहास” अर्थात् समय के किसी युग की लिखित घटनाओं का अभिलेख।

- पुराने नियम की दो पुस्तकें, “पहला इतिहास” और “दूसरा इतिहास” कहलाती हैं।
- “इतिहास” की इन पुस्तकों में इसाएल के इतिहास का एक भाग व्यक्त करती हैं जिनका आरंभ आदम से लेकर प्रत्येक पीढ़ी के लोगों की सूची से है।
- “पहला इतिहास” इस पुस्तक में राजा शाऊल के जीवन का अन्त और राजा दाऊद के राज्य का अभिलेखा है।
- “दूसरा इतिहास” राजा सुलैमान और अन्य राजाओं के राज्यकाल का वर्णन है, मन्दिर निर्माण तथा उत्तरी राज्य इसाएल और दक्षिणी राज्य यहूदा का विभाजन भी।
- दूसरा इतिहास की पुस्तक के अन्त में बैबीलोन की बन्धुआई के आरंभ होने की चर्चा की गई है।

(यह भी देखें: बाबेल, दाऊद, बन्धुआई, इसाएल का राज्य, यहूदा, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 27:23-24](#)
- [2 इतिहास 33:18-20](#)
- [एस्तेर 10:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1697

इफिसुस

तथ्यः

इफिसुस आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी तट पर एक प्राचीन यूनानी नगर था।

- आरंभिक विश्वासियों के समय में इफिसुस एशिया की राजधानी थी जो उस समय एक छोटा सा रोमी प्रान्त था।
- अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह नगर व्यापार और परिवहन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था।
- वहां अरतिमिस(डायना) का एक प्रसिद्ध मन्दिर था।
- पौलुस इफिसुस में दो वर्ष से अधिक रहा और कार्य भी किया और वहां के नवविश्वासियों के मार्गदर्शन के लिए तीमुथियुस को नियुक्त कर दिया।
- नये नियम में इफिसुस की पत्री इन विश्वासियों को लिखा पौलुस का पत्र है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आसिया, पौलुस, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियियों 15:31-32](#)
- [1 तीमुथियुस 01:3-4](#)
- [2 तीमुथियुस 04:11-13](#)
- [प्रे.का. 19:1-2](#)
- [इफिसियों 01:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G2179, G2180, G2181

इब्रानी

तथ्यः

“इब्रानियों” लोग इसहाक और याकूब के द्वारा अब्राहम के वंशज थे। बाइबल में अब्राहम पहला मनुष्य था जिसे “इब्रानी” कहा गया था।

- “इब्रानी” शब्द लोगों के समूह में किसी व्यक्ति के लिए या उस समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा के लिए संदर्भित कर सकता है।
- पुराना नियम मूल रूप से इब्रानी भाषा में लिखा गया था। हालाँकि, नए नियम के अधिकांश पदों में, विशिष्ट शब्द “इब्रानी” संभवतः इब्रानी भाषा के बजाय अरामी भाषा को संदर्भित करता है।
- बाइबल में विभिन्न संदर्भों में इब्रानियों को “यहूदी” या “इसाएली” भी कहा गया है। उचित होगा कि इन सब शब्दों को उनके मूल रूप में ही रखा जाए, परन्तु सुनिश्चित किया जाए कि ये शब्द एक ही जाति का बोध कराते हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इसाएल, यहूदी, यहूदी अगुवे)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 26:12-14](#)
- [उत्पत्ति 39:13-15](#)
- [उत्पत्ति 40:14-15](#)
- [उत्पत्ति 41:12-13](#)
- [यूहन्ना 05:1-4](#)
- [यूहन्ना 19:12-13](#)
- [योना 01:8-10](#)
- [फिलिप्पियों 03:4-5](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5680, G1444, G1445, G1446, G1447

इश्माएल

तथ्य:

इश्माएल अब्राहम और मिस्री दासी हाजिरा का पुत्र था। पुराने नियम में इश्माएल नामक और पुरुष भी हुए हैं।

- इश्माएल का अर्थ है, “परमेश्वर सुनता है”
- परमेश्वर ने अब्राहम के पुत्र इश्माएल को आशीष देने की प्रतिज्ञा की, परन्तु वह वो पुत्र नहीं था जिसके साथ परमेश्वर ने अपनी वाचा स्थापित करने की प्रतिज्ञा की थी।
- परमेश्वर ने हाजिरा और इश्माएल की रक्षा रेगिस्तान में की जब उन्हें वहां भेजा गया।
- जब इश्माएल पारान के रेगिस्तान में रह रहा था, तब उसने मिस्र की एक स्त्री से विवाह किया।
- नतन्याह का पुत्र इश्माएल यहूदा का एक सेनापति था, जिसने बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर द्वारा नियुक्त एक राज्यपाल को मारने के लिए पुरुषों के एक समूह का नेतृत्व किया था।
- पुराने नियम में इश्माएल नाम के चार अन्य व्यक्ति भी थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, बाबेल, वाचा, रेगिस्तान, मिस्र, हाजिरा, इसहाक, नबूकदनेस्सर, पारान, सारा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 01:28-31](#)
- [2 इतिहास 23:1-3](#)
- [उत्पत्ति 16:11-12](#)
- [उत्पत्ति 25:9-11](#)
- [उत्पत्ति 25:13-16](#)
- [उत्पत्ति 37:25-26](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 05:02 तो अब्राम ने हाजिरा से विवाह किया। हाजिरा को अब्राम के द्वारा एक पुत्र हुआ, अब्राम ने उसका नाम इश्माएल रखा।
- 05:04 “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक के साथ होगी।”

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3458, H3459

इसहाक

तथ्यः

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिशा की थी।

- “इसहाक” का अर्थ है, “वह हँसता है” परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिशा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
- परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बांधी रहेगी।
- जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
- इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, वंशज, सदाकालीन, पूर्ति, याकूब, सारा, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 4:28-29](#)
- [उत्पत्ति 25:9-11](#)
- [उत्पत्ति 25:19](#)
- [उत्पत्ति 26:1](#)
- [उत्पत्ति 26:8](#)
- [उत्पत्ति 28:1-2](#)
- [उत्पत्ति 31:18](#)
- [मत्ती 8:11-13](#)
- [मत्ती 22:32](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **5:4** “तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।”
- **5:6** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, “अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।”
- **5:9** अतः अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया।
- **6:1** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र **इसहाक** व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र **इसहाक** के लिये एक पत्नी ले आएगा।
- **6:5** **इसहाक** ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
- **7:10** **इसहाक** की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से **इसहाक** और **इसहाक** से याकूब को दी।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3327, H3446, G2464

इस्माएल

तथ्यः

“इस्माएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था।
इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

- याकूब के वंशज “इस्माएल की प्रजा”,
“इस्माएल जाति” या “इस्माएली” कहलाए।
- परमेश्वर ने इस्माएल की प्रजा से वाचा बांधी
थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्माएल जाति बारह गोत्रों की थी।
- राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्माएल दो
राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो
“यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य
“इस्माएल”।
- इस्माएल का अनुवाद “इस्माएली प्रजा” या
“इस्माएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण
पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: याकूब, इस्माएल का राज्य, यहूदा, राष्ट्र, इस्माएल
के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 10:1-3](#)
- [1 राजा 08:1-2](#)
- [प्रे.का. 02:34-36](#)
- [प्रे.का. 07:22-25](#)
- [प्रे.का. 13:23-25](#)
- [यूहन्ना 01:49-51](#)
- [लूका 24:21](#)
- [मरकुस 12:28-31](#)
- [मत्ती 02:4-6](#)
- [मत्ती 27:9-10](#)
- [फिलिप्पियों 03:4-5](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से **इस्माएल** के बारह गोत्र बन गए।
- **09:03** मिसियो ने **इस्माएलियों** से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारतेव पूरे नगर का निर्माण करवाया।
- **09:05** एक इस्माएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्माएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, **इस्माएली** परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहे।
- **15:09** परमेश्वर उस दिन **इस्माएल** के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
- **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने **इस्माएलियों** को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमें बस गए। तब परमेश्वर ने **इस्माएलियों** को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की।

- 16:16 तो परमेश्वर ने इस्माएलियों को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
- 43:06 “हे इस्माएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्वर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

इस्माएल के बारह गोत्र

परिभाषा:

“इस्माएल के बारह गोत्र” का सन्दर्भ याकूब के बारह पुत्रों और उनके वंशजों से है।

- याकूब के पुत्रों के नाम हैं: रूबेन, शमौन, लेवी, यहूदा, दान, नप्ताली, गाद, अशोर, इस्साकार, ज़बूलून, यूसुफ, बिन्यामीन।
- बाईबल में अनेक स्थान ऐसे हैं जहां इन बारह गोत्रों की सूची में भिन्नता है। कहीं-कहीं सूची में लेवी, यूसुफ या दान को छोड़ दिया गया है और कहीं-कहीं यूसुफ के दो पुत्रों, एप्रैम तथा मनश्शे को सूची में जोड़ दिया है।

(यह भी देखें: रूबेन, शमौन, लेवी, यहूदा, दान, नाप्ताली, गाद, अशोर, इस्साकार, ज़बूलून, यूसुफ, बिन्यामीन, एप्रैम, मनश्शे, इस्माएल, याकूब, गोत्र)

बाईबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 26:7](#)
- [उत्पत्ति 49:28](#)
- [लूका 22:28-30](#)
- [मत्ती 19:28](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3478, H7626, H8147, G1427, G2474, G5443

इस्माएल के राज्य

तथ्यः

जो इस्माएल देश का उत्तरी भाग था वह इस्माएल का राज्य बन गया जब इस्माएल के बारह गोत्र सुलैमान के मरने के बाद दो राज्यों में विभाजित हो गए

- इस्माएल का राज्य उत्तरी राज्य हो गया जिसमें दस गोत्र और दक्षिण में यहूदा राज्य जिसमें दो गोत्र थे।
- इस्माएल राज्य की राजधानी सामरिया थी। यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम से वह नगर 50 कि.मी. दूर था।
- इस्माएल राज्य के सभी राजा दुष्ट थे। उन्होंने प्रजा को झूठे देवता की मूर्तिपूजा के लिए प्रभावित किया था।
- परमेश्वर ने अश्शूरों को भेजकर इस्माएल पर आक्रमण करवाया। अनेक इस्माएलियों को बन्दी बनाकर अश्शूर देश ले जाया गया था।
- अश्शूरों में परदेशियों को इस्माएल राज्य में बसा दिया था। इन परदेशियों ने इस्माएलियों से विवाह कर लिया था। उनकी सन्तान सामरी कहलाई।

(यह भी देखें: अश्शूर, इस्माएल, यहूदा, यरूशलेम, राज्य, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 35:18](#)
- [यिर्म्याह 5:11](#)
- [यिर्म्याह 9:26](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **18:08** अन्य दस इस्साएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने राज्य की स्थापना की और उसे **इस्साएल का राज्य** कहा गया।
- **18:10** यहूदा और **इस्साएली राज्य** शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:11** नए **इस्साएली राज्य** में, जितने भी राजा हुए वह सब दुष्ट थे।
- **20:01** इस्साएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था।
- **20:02** अश्शूर का राज्य एक शक्तिशाली, क्रूर राज्य था, जिसने **इस्साएल के राज्य** को नष्ट कर दिया। अश्शूरियों ने **इस्साएल के बहुत से लोगों** को मार गिराया, उनकी मूल्यवान वस्तुओं को छीन लिया और देश का बहुत सा हिस्सा जला दिया।
- **20:04** तब अश्शूरियों ने अन्यजातियों को उस भूमि पर रहने को कहा जहाँ पर **इस्साएली राज्य** था। अन्यजातियों ने उस विनष्ट शहर का पुनर्निर्माण किया, और वहाँ शेष बचे इस्साएलियों से विवाह किया। इस्साएलियों के वह वंशज जिन्होंने अन्यजातियों से विवाह किया वह सामरी कहलाए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3478, H4410, H4467, H4468

इस्साकार**तथ्य:**

इस्साकार याकूब का पांचवां पुत्र था। उसकी माता का नाम लीआः

- इस्साकार का गोत्र इस्साएल के बारह गोत्रों में से एक था।
- इस्साकार का भूभाग नप्ताली, जुबूलिन, मनश्शे और गाद से घिरा हुआ था।
- उसका भौगोलिक स्थान गलील सागर के दक्षिण में था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गाद, मनश्शे, नप्ताली, इस्साएल के बारह गोत्र, जबूलून)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 01:1-5](#)
- [यहेजकेल 48:23-26](#)
- [उत्पत्ति 30:16-18](#)
- [यहोशू 17:9-10](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3485, G2466

ईजेबेल**तथ्य:**

ईजेबेल, इस्साएल के राजा आहाब की दुष्ट रानी थी।

- ईजेबेल ने आहाब और इस्माएल की प्रजा को मूर्ति-पूजा के लिए प्रेरित किया था।
- उसने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं में से अनेकों की हत्या करवाई थी।
- उसने एक निर्दोष पुरुष नाबोत की हत्या करवायी थी कि आहाब उसकी दाख की बारी को लूट पाए।
- अन्ततः वह अपने कुकर्मों के परिणाम स्वरूप मारी गई। एलियाह ने उसकी मृत्यु की भविष्यद्वाणी की थी और ठीक वैसे ही उसकी हत्या की गई थी।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, एलियाह, मूरत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 16:31-33](#)
- [1 राजा 19:1-3](#)
- [2 राजा 09:7-8](#)
- [2 राजा 09:30-32](#)
- [प्रकाशितवाक्य 02:20-21](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H348, G2403

ईर्षालु

परिभाषा:

“ईर्षालु” और “ईर्षा” का संदर्भ, संबन्ध की शुद्धता को सुरक्षित रखने की प्रबल इच्छा से है। इन शब्दों का सन्दर्भ उस उल्ट अभिलाषा से भी हो सकता है जिसमें कोई किसी वस्तु या मनुष्य पर अपना अधिकार समझता है।

- इन शब्दों द्वारा मनुष्य के क्रोध को भी व्यक्त किया जाता है जो विश्वासघाती जीवन साथी के प्रति उभरता है।
- इस शब्द को जब बाइबल में काम में लिया जाता है तब इनके द्वारा परमेश्वर की प्रजा को शुद्ध और पाप से निष्कलंक रहने की परमेश्वर की प्रबल इच्छा को भी दर्शाया गया है।
- परमेश्वर अपने नाम के लिए भी ईर्षालु है, उसकी इच्छा है कि उसके नाम का सम्मान हो और एवं श्रद्धा अर्पित की जाए।
- ईर्षा का एक और अर्थ भी है, कोई सफल और अधिक प्रसिद्ध हो तो क्रोधित होना। किसी की सफलता और ख्याति पर क्रोध को भी ईर्षा कहते हैं। * यह “डाह” शब्द का सहार्थी है।

अनुवाद के सुझाव:

- “ईर्षालु” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सुरक्षा की प्रबल इच्छा रखने वाला” या “अपनेपन की इच्छा रखने वाला”
- “ईर्षा” का अनुवाद “सुरक्षा की प्रबल भावना” या “अपनेपन की भावना”
- परमेश्वर के लिए जब इस शब्द का अनुवाद करें नकारात्मक भाव प्रकट न हो, ऐसा प्रकट न हो कि परमेश्वर किसी से जलन रखता है।
- मनुष्यों के प्रति, जब कोई सफल होता है तब मनुष्यों की आवेशी भावनाओं के संदर्भ में “ईर्षालु” या “ईर्षा” शब्दों का प्रयोग किया जा सकता है। परन्तु इन शब्दों का उपयोग परमेश्वर के लिए न करें।

(यह भी देखें: ईर्षा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 कुरियों 12:20](#)
- [व्यवस्थाविवरण 5:9](#)
- [निर्गमन 20:5](#)
- [यहेजकेल 36:5](#)
- [यहोश 24:19](#)
- [नहम 01:2-3](#)
- [रोमियो 13:13](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H7065, H7067, H7068, H7072, G22050, G38630

ईश्वरीय**परिभाषा:**

“ईश्वरीय” अर्थात् परमेश्वर से संबन्धित सब बातें।

- इस शब्द का कुछ उपयोग इस प्रकार है, “दिव्य अधिकार,” “परमेश्वर का न्याय,” “ईश्वरीय स्वभाव,” “ईश्वरीय सामर्थ्य” और “परमेश्वर की महिमा”।
- बाइबल के एक गद्यांश में “ईश्वरीय” शब्द झूठे देवता के संबन्ध में भी किसी बात का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझावः

- “ईश्वरीय” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का” या “परमेश्वर से” या “परमेश्वर से संबन्धित” या “परमेश्वर के गुणों से अभिभूत”
- उदाहरणार्थ, “ईश्वरीय अधिकार” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का अधिकार” या “परमेश्वर प्रदत्त अधिकार”।
- “ईश्वरीय महिमा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महिमा” या “परमेश्वर में निहित महिमा” या “परमेश्वर से प्रकट महिमा”।
- कुछ अनुवादों में मूर्तियों से संबन्धित किसी बात को व्यक्त करने के लिए भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: अधिकार, झूठे देवता, महिमा, परमेश्वर, न्याय, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 कुरियों 10:3-4](#)
- [2 पतरस 1:4](#)
- [रोमियो 1:20](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G23040, G29990

उकाब**परिभाषा:**

उकाब एक विशाल पक्षी होता है जो मछली, चूहा, सांप और मुर्गी के बच्चे जैसे छोटे जीव जंतु खाता है।

- बाइबल में सेना की गति और बल की तुलना शिकार पर उकाब के झपटने की फुर्ती से की गई है।
- यशायाह कहता है कि परमेश्वर का भय माननेवाले उकाब के समान हवा से बातें करेंगे। यह एक रूपक है जिसका अर्थ है परमेश्वर में विश्वास करने और उसकी आज्ञाओं को मानने से स्वतंत्रता और शक्ति प्राप्त होती है।
- दानियेल की पुस्तक में राजा नबूकदनेस्सर के बालों की लम्बाई की तुलना उकाब के परों से की गई है, उकाब का पर 50 सेन्टी मीटर से भी अधिक लम्बा होता है।

(यह भी देखें: दानियेल, स्वतंत्र, नबूकदनेस्सर, सामर्थ्य)

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 1:23](#)
- [दानियेल 7:4](#)
- [यिर्मायाह 4:13-15](#)
- [लैव्यव्यवस्था 11:13-16](#)
- [प्रका. 4:7](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5403, H5404, H7360, G105

- मनुष्य के संदर्भ में “उजड़ा” शब्द का अर्थ है, विनाश, अकेलापन और दुःख।
- उजड़ने की दशा को उजड़ा हुआ कहते हैं।
- खेती उजड़ने का अर्थ है खेती किसी कारण नष्ट हो गई जैसे टिड्डियों या आक्रमणकारी सेना द्वारा।
- “उजड़ा स्थान” अर्थात् कम फसल एवं साग-पात के कारण बहुत ही कम लोग वहां रहते हैं।
- “निर्जन प्रदेश” या “जंगल” वे स्थान थे जहां समाज से बहिष्कृत जन (कोढ़ी) और भयानक वनपशु रहते थे।
- नगर का “उजाड़” होने का अर्थ है, उसके भवन और वस्तुएं नष्ट की गई या “चोरी की गई” और उसकी जनता मार डाली गई या बन्दी बना ली गई। वह नगर, “खाली” एवं “खण्डहर” हो गया। इसका अर्थ “उजाड़ करना” या “उजाड़” जैसा ही है परन्तु खाली होना मुख्य भाव है।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “विनाश” या “ध्वंस” या “निर्जन करना” या “अकेला और बहिष्कृत” या “सुनसान” हो सकता है।

(यह भी देखें: रेगिस्तान, नाश, खण्डहर, निर्जन)

उजड़ा

परिभाषा:

“उजड़ा” और “उजाड़” अर्थात् किसी बसे हुए स्थान को ऐसा नष्ट करना कि वह निर्जन स्थान हो जाए।

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 22:19](#)
- [प्रे.का. 1:20](#)
- [दानियेल 9:17-19](#)
- [विलापगीत 3:11](#)
- [लूका 11:17](#)
- [मत्ती 12:25](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0490, H0816, H0910, H1565, H2717, H2720, H2721, H2723, H3173, H3341, H3456, H3582, H4875, H4923, H5352, H5800, H7582, H7701, H7722, H8047, H8074, H8076, H8077, G20480, G20490, G20500, G34430

उजाड़**परिभाषा:**

“उजाड़” अर्थात् अनुपजाऊ या निष्फल।

- बंजर भूमि में पेड़ पौधे नहीं उगते हैं।
- स्त्री जो सन्तान उत्पन्न नहीं कर पाती है उसे बांझ कहते हैं।

अनुवाद के सुझावः

- भूमि के संदर्भ में कहा जा सकता है, “अनुपजाऊ” या “निष्फल” या “पेड़-पौधों से रहित”
- स्त्री के संबन्ध में कहा जा सकता है, “निःसन्तान” या “संतान उत्पत्ति में अक्षम”।

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 02:5](#)
- [गलातियों 04:26-27](#)
- [उत्पत्ति 11:29-30](#)
- [अय्यूब 03:6-7](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4420, H6115, H6135, H6723, H7921, G06920, G47230

उज्जियाह**तथ्यः**

उज्जियाह 16 वर्ष की आयु में यहूदा का राजा बना था और यरूशलेम में 52 वर्ष राज किया जो एक असाधारण दीर्घकालीन राजा था। उज्जियाह को अजर्याह नाम से भी जाना जाता था।

- उज्जिय्याह राजा अपनी सेना व्यवस्था और दक्षता के लिए जाना जाता था। अपने नगर की सुरक्षा के लिए गुम्मट बनवाए थे, उसने युद्ध के हथियारों को विशेष रूप से बनाया था जिनसे वह तीर चला सकता था और बड़े-बड़े पत्थर फेंक सकता था।
- वह जब तक परमेश्वर की सेवा में रहा समृद्ध होता गया। तथापि अपने राज्यकाल के अन्त समय में उसे घमण्ड हो गया था और मन्दिर में धूप जलाकर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया क्योंकि धूप जलाना केवल याजकों का काम था।
- इस पाप के कारण उज्जिय्याह को कोढ़ हो गया था और अन्त तक सबसे अलग रहना पड़ा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: यहूदा, राजा, कोढ़, राज करना, गुम्मट)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 14:20-22](#)
- [आमोस 01:1-2](#)
- [होशे 01:1-2](#)
- [यशायाह 06:1-2](#)
- [मत्ती 01:7-8](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5814, H5818, H5838, H5839

उठा लिया गया

परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

- “साथ हो लिया” शीघ्रता करके किसी के निकट पहुंचना इसी का समानार्थक शब्द है, “आगे निकलना”
- प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
- पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
- यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूँ” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूँ” या “मेरा पाप मुझे कष्ट दे रहा है।”

(देखें: आश्वर्यकर्म, घेरना, दुःख उठाना, समस्या)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 कुरिच्यियों 12:1-2](#)
- [प्रे.का. 8:39-40](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1692, G0726

उत्तराधिकारी

परिभाषा:

“उत्तराधिकारी” वह व्यक्ति है जो मृतक की धन सम्पदा को वैधानिक रूप से प्राप्त करता है।

- बाइबल के युग में पहिलौठा मुख्य उत्तराधिकारी होता है जिसे पिता की सम्पदा और धन का अधिकांश भाग मिलता है।
- बाइबल में “उत्तराधिकारी” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है, विश्वासी परमेश्वर पिता से आत्मिक लाभ पाते हैं।
- परमेश्वर की सन्तान होने के नाते विश्वासी मसीह यीशु के “संगी वारिस” कहलाते हैं। इसका अनुवाद हो सकता है, “सह उत्तराधिकारी” या “संगी उत्तराधिकारी” या “के साथ उत्तराधिकारी”।
- “उत्तराधिकारी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “लाभ प्राप्त करनेवाला मनुष्य” या अपने माता पिता या रिश्तेदार के मरने पर धन सम्पदा प्राप्त करने वाले के लिए भाषा में जो भी अभिव्यक्ति का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: पहिलौठा, उत्तराधिकार में पाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 4:1-2](#)
- [गलातियों 4:7](#)
- [उत्पत्ति 15:1](#)
- [उत्पत्ति 21:10-11](#)
- [लूका 20:14](#)
- [मरकुस 12:7](#)
- [मत्ती 21:38-39](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स : H1121, H3423, G2816, G2818, G2820, G4789

उत्पन्न करना

परिभाषा:

शब्द “उत्पन्न करना” का अर्थ है किसी का पिता बनना।

अनुवाद सुझावः

- आप वाक्यांश “उत्पन्न करना” का अनुवाद “जन्म देना” के रूप में कर सकते हैं और शब्द “उत्पन्न किया” का अनुवाद “जीवन देना” के रूप में कर सकते हैं।
- शब्द “उत्पन्न किया गया” “उत्पन्न करना” का निष्क्रिय रूप है और इसका अर्थ है “जन्म लेना।”

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

-

उद्धारकर्ता

तथ्यः

“बचाने वाला” अर्थात् किसी को संकट से उबारने वाला इसका संदर्भ मनुष्यों को साहस बन्धानेवाले या उनके लिए प्रबन्ध करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर को इस्साएल का उद्धारकर्ता कहा गया है, क्योंकि उसने अधिकतर उन्हें शत्रुओं के हाथों से छुड़ाया था और उन्हें बल प्रदान किया था और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की थी।
- नये नियम में “उद्धारकर्ता” शब्द यीशु मसीह के लिए एक पदनाम या व्याख्या स्वरूप काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्यों को उनके पापों के अनन्त दण्ड से बचाता है। वह उन्हें पाप के वश से भी छुड़ाता है।

अनुवाद के सुझावः

- संभव हो तो “उद्धारकर्ता” का अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाना आवश्यक है जो “उद्धार करने” और “उद्धार” से ही संबंधित हो।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “उद्धार करनेवाला” या “उद्धार करनेवाला परमेश्वर” या “संकट से बचानेवाला” या “शत्रुओं से बचानेवाला” या यीशु पापों से बचानेवाला (लोगों को)।

(यह भी देखें: छुटकारा देना, यीशु, उद्धार, बचाना)

बाइबल संदर्भः

- [1 तीमुथियुस 04:9-10](#)
- [2 पतरस 02:20-22](#)
- [प्रे.का. 05:29-32](#)
- [यशा. 60:15-16](#)
- [लूका 01:46-47](#)
- भजन संहिता 106:19-21

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3467, G4990

उपवास**परिभाषा:**

उपवास करना अर्थात् कुछ समय भोजन नहीं करना जैसे एक दिन या अधिक समय। कभी-कभी उपवास में पानी भी नहीं पिया जाता है।

- उपवास मनुष्यों की सहायता करता है कि परमेश्वर में ध्यान केन्द्रित करें और भोजन पकाने और खाने की चिन्ता किए बिना प्रार्थना कर पाएं।
- यीशु ने यहूदी धर्म गुरुओं द्वारा अनुचित कारणों से उपवास करने की आलोचना की थी। उपवास रखने में उनका उद्देश्य था कि लोग उन्हें धर्मी समझें।
- मनुष्य कभी-कभी दुःख या शोक के कारण भी उपवास रखता है।
- “उपवास करना” इस क्रिया का अनुवाद हो सकता है, “खाने का त्याग करना” या “खाना नहीं खाना”
- “उपवास” संज्ञा शब्द का अनुवाद हो सकता है, “खाना नहीं, खाने का समय” या “खाना खाने के त्याग का समय”

(यह भी देखें: यहूदी अगुवे)

बाइबल संदर्भः

- [1 राजा 21:8-10](#)
- [2 इतिहास 20:3-4](#)
- [प्रे.का. 13:1-3](#)
- [योना 03:4-5](#)
- [लूका 05:33-35](#)
- [मरकुस 02:18-19](#)
- [मत्ती 06:16-18](#)
- [मत्ती 09:14-15](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **25:01** तुरन्त ही यीशु के बपतिस्मा लेने के बाद, आत्मा ने यीशु को जंगल की ओर भेजा जहाँ उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात **उपवास किया**।
- **34:08** “उदाहरण के लिये, मैं सप्ताह में दो बार उपवास रखता हूँ; मैं अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।”
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही **उपवास** सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, “मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।”

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2908, H5144, H6684, H6685, G777, G3521, G3522, G3523

उम्र-अवधि**परिभाषा:**

इस अर्थ में उपयोग “युग” शब्द एक समय अवधि को संदर्भित करता है।

- अन्य शब्द जो एक विस्तारित अवधि को व्यक्त करने के लिए उपयोग किए जाते हैं उनमें "युग" और "ऋतु" शामिल हैं।
- यीशु "इस युग" को वर्तमान समय के रूप में संदर्भित करते हैं जब बुराई, पाप और परमेश्वर के प्रति अनाज्ञाकारिता पृथ्वी पर भरी हुई थी।
- भविष्य में एक ऐसा युग आएगा जब नये स्वर्ग और नयी पृथ्वी पर धार्मिकता का राज होगा।

अनुवाद सुझावः

- संदर्भ के आधार पर, "युग" शब्द का अनुवाद "काल" या "समय अवधि" या "समय" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "इस वर्तमान बुरे युग" का अर्थ है "इस समय के दौरान जब लोग बहुत बुरे हैं।"
- वाक्यांश "युग के अंत" (मत्ती 28:20 में यीशु के शब्दों में उपयोग किया गया) का अर्थ है "जगत के अंत तक" या "इस वर्तमान युग का अंत" और यह यीशु के दूसरे आगमन पर इस वर्तमान युग के अंत को संदर्भित करता है।

बाह्यबल संदर्भः**शब्द विवरणः**

- स्ट्रॉन्ग का:

उल्लंघन करना**परिभाषा:**

शब्द "अपराध" का अर्थ है, रेखा पार करना या सीमा का उल्लंघन करना। यह शब्द अधिकतर रूपक स्वरूप काम में लिया जाता है कि आज्ञा, नियम या सदाचार का नियम तोड़ना दर्शाया जाए।

- यह शब्द "अधर्म" शब्द का अत्यधिक समानार्थक शब्द है परन्तु सामान्यतः इसका उपयोग अधिकतर मनुष्यों की अपेक्षा परमेश्वर के विरुद्ध अपराध के लिए किया जाता है।
- "अपराध करना," इसका वर्णन "रेखा लांघने" जैसा भी किया जाता है अर्थात् सीमा या हद पार करना जो किसी मनुष्य और अन्य जनों के लिए निर्धारित की गयी है।

अनुवाद के सुझावः

- "उल्लंघन करना" का अनुवाद, "पाप करना" या "अवज्ञा" या "विद्रोह करना" हो सकता है।
- यदि किसी पद में या गद्यांश में दो अलग अलग शब्दों का उपयोग किया गया है जिनका अर्थ "पाप", "अपराध" या "अधर्म" है तो यह महत्वपूर्ण है कि यथासंभव इन शब्दों के अनुवाद में अलग-अलग रूप काम में लें। बाइबल यदि एक ही अभिप्राय के निमित्त दो या अधिक शब्दों का उपयोग करती है तो उसका उद्देश्य है कि बात पर बल दिया जाए या उसका महत्व प्रकट किया जाए।

(देखें: समानता)

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अपराध करना, अधर्म के काम)

बाह्यबल संदर्भः

- [1 पिस्सलुनीकियों 4:6](#)
- [दानियेल 9:24-25](#)
- [गलातियों 3:19-20](#)
- [गलातियों 6:1-2](#)
- [गिनती 14:17-19](#)
- भजन संहिता 32:1

शब्द तथ्यः

- स्ट्रॉन्ग्स: H898, H4603, H4604, H6586, H6588, G458, G459, G3845, G3847, G3848, G3928

ऊँचा करना

परिभाषा:

ऊँचा करने का अर्थ है, किसी की बहुत अधिक प्रशंसा करना और उसको सम्मान देना। इसका अर्थ किसी को ऊँचे स्थान पर स्थापित करना भी है।

- बाइबल में "ऊँचा करने" का अर्थ है, परमेश्वर को प्रतिष्ठित करना है।
- जब मनुष्य अपने आप को ऊँचा करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में दम्भी और अभिमानी है।

अनुवाद के सुझाव:

- "ऊँचा करने" के अनुवाद रूप हो सकते हैं "बहुत अधिक प्रशंसा" या "अत्यधिक सम्मान देना" या "गुणगान करना" या "किसी के बारे में ऊँचे विचार प्रकट करना"।
- कुछ संदर्भों में इसका अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा हो सकता है जिन का अर्थ हो, "ऊँचे स्थान पर रखना" या "अधिक सम्मान देना" या "के बारे में गर्व से कहना"
- "अपनी बढ़ाई मत कर" का अनुवाद हो सकता है, "अपने को बहुत बड़ा मत समझ" या "अपने मुँह मियां मिट्ठू मत बन"।
- "वे जो अपने आपको बड़ा समझते हैं" इसका अनुवाद हो सकता है, "जो अपने पर घमण्ड करते हैं" या "जो अपने बारे में बड़ी बड़ी बातें करते हैं"

(यह भी देखें: स्तुति, उपासना, महिमा करना, घमण्ड करना, घमण्डी)

बाइबल संदर्भ:

- [1 पतरस 5:5-7](#)
- [2 शमूएल 22:47](#)
- [प्रे.का. 5:31](#)
- [फिलिप्पियों 2:9-11](#)
- भजन संहिता 18:46

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G18690, G52290, G52510, G53110, G53120

ऊँचे स्थान

परिभाषा:

"ऊँचे स्थान" का संदर्भ वेदियों और पवित्र स्थानों से है जहाँ मूर्ति पूजा की जाती थी। वे ऊँचे स्थानों पर बनाई जाती थी जैसे पहाड़ी पर या पर्वत की चोटियों पर।

- इसाएल के अनेक राजाओं ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया उन्होंने ॐ स्थानों में देवी-देवताओं के लिए वेदियां बनवाई थी। जिसके कारण प्रजा मूर्ति-पूजा में मग्न हो गई थी।
- जब इसाएल या यहूदा राज्य में परमेश्वर का भय माननेवाला कोई राजा राज्य करने आया तब उसने ॐ स्थानों या इन वेदियों को नष्ट किया कि मूर्ति-पूजा को रोके।
- तथापि इन अच्छे राजाओं में से कुछ निश्चित रहे और उन्होंने इन वेदियों को ध्वंस नहीं किया जिसके परिणामस्वरूप संपूर्ण इसाएल देश मूर्ति-पूजा करता रहा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस उक्ति के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मूर्ति-पूजा के ॐ स्थान” या “पर्वतीय शिखर पर मूर्तियों के पवित्र स्थान” या “मूर्तियों की वेदी के टीले”।
- सुनिश्चित करें कि इन शब्दों से मूर्तियों की वेदियों का स्पष्ट बोध हो न कि उन वेदियों के ॐ स्थान मात्र का जहाँ वे थी।

(यह भी देखें: वेदी, मूरत, आराधना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 09:12-13](#)
- [2 राजा 16:3-4](#)
- [आमोस 04:12-13](#)
- [व्यवस्थाविवरण 33:29](#)
- [यहेजकेल 06:1-3](#)
- [हबकूक 03:18-19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1116, H1181, H1354, H2073, H4791, H7311, H7413

ॐ स्थान पर

परिभाषा:

“ॐ स्थान पर” या “आकाश में” का अर्थ है “स्वर्ग में”

- “आकाश में” का अर्थ “सर्वाधिक आदरयोग्य” भी हो सकता है।
- इसका उपयोग शब्दशः भी होता है जैसे “सबसे ॐ स्थान वृक्ष में”।
- “ॐ पर” का संदर्भ आकाश में ॐ चाई पर भी हो सकता है जैसे पक्षी का घोंसला जो ॐ चाई पर है। इस संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “आकाश में ॐ” या “ॐ स्थान वृक्ष की चोटी पर”।
- “ॐ” शब्द उठा हुआ स्थान या मनुष्य या वस्तु का महत्व दर्शाता है।
- “ऊपर से” का अनुवाद “स्वर्ग से” से हो सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [विलापगीत 1:13](#)
- भजन संहिता 69:29

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1361, H4605, H4791, H7682, G17220, G53080, G53100, G53110

ॐ

परिभाषा:

ॐ एक बड़ा चौपाया पशु होता है जिसकी पीठ पर एक या दो उभार होते हैं। (यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

- बाइबल के समय में, ऊंट इसाएल और आसपास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले सबसे बड़े जानवर थे।
- ऊंट लोग और बोझ भी ले जाने के लिए मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जाता था।
- कुछ जन समुदायों ऊंटों को भोजन के लिए इस्तेमाल करते थे परन्तु इसाएल में नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने कहा कि ऊंट अशुद्ध है इसलिए उसका मांस खाना नहीं है।
- ऊंट मूल्यवान थे क्योंकि वे तेजी से रेत में आसानी से भाग सकते हैं और कई सप्ताह भोजन और पानी के बिना रह सकते थे।

(यह भी देखें: बोझ, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 5:21](#)
- [2 इतिहास 9:1-2](#)
- [निर्गमन 9:1-4](#)
- [मरकुस 10:25](#)
- [मत्ती 3:4](#)
- [मत्ती 19:23-24](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1581, G2574

ऊर

तथ्य:

ऊर फरात नदी के पास, प्राचीन कसदी प्रदेश का एक महत्वपूर्ण नगर था, जो मेसोपोटामिया का एक भाग था। यह स्थान आज के इराक में स्थित था।

- अब्राहम ऊर नगर का रहने वाला था, वहाँ से परमेश्वर ने उसे बुला लिया था कि उसे कनान ले जाएं।
- लूत का पिता, अब्राहम का भाई हारान ऊर में ही मर गया था। लूत का अब्राहम के साथ ऊर छोड़ने का शायद यह भी एक कारण था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, कसदी, फरात नदी, हारान, लूत, मेसोपोटामिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 11:27-28](#)
- [उत्पत्ति 11:31-32](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H218

ऊरिय्याह

तथ्य:

ऊरिय्याह एक धर्मी जन था और दाऊद के उत्तम सैनिकों में से एक था। उसे अक्सर “हिती ऊरिय्याह” से संदर्भित किया जाता था।

- ऊरिय्याह की पत्नी बहुत सुन्दर थी, उसका नाम बतशेबा था।
- दाऊद ने उसके साथ व्यभिचार किया और वह दाऊद से गर्भवती हो गई थी।
- दाऊद ने अपना पाप छिपाने के लिए ऊरिय्याह को युद्ध में आगे भेजकर मरवा दिया। फिर दाऊद ने बतशेबा से विवाह किया।
- ऊरिय्याह नाम का एक और आदमी एक था जो राजा आहाज के समय याजक था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आहाज, बतशेबा, दाऊद, हिती)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 15:4-6](#)
- [2 शमूएल 11:2-3](#)
- [2 शमूएल 11:26-27](#)
- [नहेम्याह 03:3-5](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **17:12** बतशेबा का पति, जिसका नाम **ऊरिय्याह** था, वह दाऊद का एक वीर सैनिक था। दाऊद ने **ऊरिय्याह** को युद्ध से वापस बुला लिया और उससे कहा अपनी पत्नी के पास जा। परन्तु **ऊरिय्याह** अपने घर वापस न गया क्योंकि बाकी सैनिक युद्ध लड़ रहे थे। तब दाऊद ने **ऊरिय्याह** को वापस युद्ध में भेज दिया और योआब से कहा 'सब से घोर युद्ध के सामने ऊरिय्याह को रखना, तब उसे छोड़कर लौट आओ, कि वह घायल होकर मर जाए।'
- **17:13** **ऊरिय्याह** के मरने के बाद, दाऊद ने बतशेबा से विवाह कर लिया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H223, G3774

एक्रोन**तथ्यः**

एक्रोन पलिश्तियों का एक प्रमुख नगर था, भूमध्य सागर से नौ मील भीतर भूमि पर।

- एक्रोन में झूठे देवता बालजबूल का मन्दिर था।
- युद्ध में इसाएलियों से वाचा का सन्दूक छीन लेने के बाद पलिश्ती इसे अशदोद में ले गए तदोपरान्त वे उसे गत और एक्रोन में ले गए क्योंकि जिस नगर में भी वे वाचा का सन्दूक ले गए वहां परमेश्वर ने उन्हें रोगप्रस्त किया और मार डाला था। अन्त में पलिश्तियों ने वाचा का सन्दूक इसाएल भेज दिया।
- जब अहज्याह छत पर से गिर कर घायल हो गया था तो उसने एक्रोन के बालजबूल देवता से पूछा था कि वह जीवित बचेगा या नहीं। उसके इस पाप के कारण परमेश्वर ने उससे कह दिया था कि वह मर जाएगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहज्याह, वाचा का सन्दूक, अशदोद, शैतान, झूठे देवता, गत, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 05:10](#)
- [यहोशू 13:2-3](#)
- [न्यायियों 01:18-19](#)
- [जकर्याह 09:5-7](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6138, H6139

एज्ञा**तथ्यः**

एज्ञा एक यहूदी याजक एवं व्यवस्था विशेषज्ञ था, उसने बेबीलोन से यरूशलेम लौटने वाले इसाएलियों का इतिहास लिखा था। इसाएल 70 वर्ष बेबीलोन की बन्धुआई में था।

- एज्ञा ने यह इतिहास बाइबल की एज्ञा नामक पुस्तक में लिखा है। नहेम्याह नामक पुस्तक भी उसी ने लिखी होगी क्योंकि मूल में ये दोनों पुस्तकें एक ही थीं।
- यरूशलेम लौटकर उसने व्यवस्था को पुनः लागू किया था, क्योंकि उन्होंने सब्ल के नियमों का पालन करना छोड़ दिया था और अन्यजाति स्त्रियों से जो मूर्तिपूजक थी, विवाह कर लिया था।
- एज्ञा ने मन्दिर के पुनः निर्माण में भी सहायता की थी जिसे बेबीलौन की सेना ने यरूशलेम पर कब्जा करते समय ध्वंस कर दिया था।
- पुराने नियम में एज्ञा नामक दो और पुरुष हुए हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, बस्युआई, यरूशलेम, व्यवस्था, नहेम्याह, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [एज्ञा 7:6](#)
- [नहेम्याह 8:1-3](#)
- [नहेम्याह 12:1](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H250, H5830, H5831

एदोम

तथ्यः

एदोम एसाव का दूसरा नाम था। जिस स्थान में वह बस गया उस स्थान का नाम “एदोम” पड़ गया जो आगे चल कर “इट्टमिया” हो गया। “एदोमियों” उसके वंशज थे।

- एदोम क्षेत्र समय के साथ-साथ स्थान बदलता रहा। वह इस्राएल के दक्षिण में था और विस्तार करते करते अन्त में दक्षिण में यहूदा तक फैल गया।
- नये नियम के युग में एदोम यहूदा राज्य का दक्षिणी अर्धभाग हो गया था। यूनानियों ने उसे “इट्टमिया” कहा।
- एदोम शब्द का अर्थ है “लाल” जो इस तथ्य के संदर्भ में है कि जब एसाव का जन्म हुआ था तब उसके शरीर पर लाल बाल थे। या इसका संदर्भ लाल रंग की उस दाल से भी हो सकता है जिसके बदले में एसाव ने अपने पहिलौठे होने का अधिकार बेच दिया था।
- पुराने नियम में एदोम देश को सदैव ही इस्राएल का शत्रु कहा गया है।
- ओबद्याह की संपूर्ण पुस्तक में एदोम के विनाश की भविष्यद्वाणी की गई है। पुराने नियम के अन्य भविष्यद्वक्ताओं ने भी एदोम के विरुद्ध भविष्यद्वाणियां की थीं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैरी, पहिलौठे का अधिकार, एसाव, ओबद्याह, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 25:30](#)
- [उत्पत्ति 32:3](#)
- [उत्पत्ति 36:1](#)
- [यशायाह 11:14-15](#)
- [यहोशू 11:16-17](#)
- [ओबद्याह 01:2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H123, H130, H8165, G2401

एनगदी

परिभाषा:

एनगदी नामक जंगल में यरूशलेम के दक्षिण पूर्व में एक नगर था।

एनगदी मृत सागर के पश्चिमी तट पर स्थित था।

- इसके नाम का आधा अर्थ है "सोता" जो उस नगर से बह कर सागर में गिरता है।
- एनगदी दाख की बारियों और उपजाऊ भूमि के लिए प्रसिद्ध स्थान था जिसका कारण था उस सोते का सदाबहार जल प्रवाह।
- एनगदी में अनेक गढ़ थे जहाँ दाऊद शाऊल राजा से बचने के लिए भाग गया था।

(यह भी देखें: दाऊद, रेगिस्तान, सोता, यहूदा, विश्राम, खरेताल, शाऊल (पुराना नियम), गढ़, दाख की बारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 20:1-2](#)
- [श्रेष्ठगीत 01:12-14](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5872

एपोद

परिभाषा:

"एपोद" एक प्रकार का परिधान होता था जिसे इसाएलियों के याजक धारण करते थे। इसके दो भाग थे, आगे का और पीछे का, कंधों पर जुड़ा और कमर पर कपड़े के पटुका से बांधा जाता था।

- एक और एपोद था जो साधारण मलमल का होता था और साधारण याजकों द्वारा धारण किया जाता था।
- महायाजक का एपोद सोने और नीले, बैंगनी एवं लाल धागे से सुसज्जित किया जाता था।
- महायाजक का चपरास एपोद के सामने के भाग से जुड़ा होता था। याजक के सीनाबन्द में परमेश्वर की इच्छा जानने के लिए ऊरीम और तुम्मीम रहते थे।
- न्यायी गिदोन ने मूर्खता करके सोने का एक एपोद बनवाया था जो इसाएलियों के लिए मूर्तिपूजा हो गया था।

(यह भी देखें: याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 02:18-19](#)
- [निर्गमन 28:4-5](#)
- [होशे 03:4-5](#)
- [न्यायियों 08:27-28](#)
- [लैव्यव्यवस्था 08:6-7](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H641, H642, H646

एप्रात

तथ्य:

"एप्रात" और "एप्राती" शब्द शायद "एप्रैम" नाम से प्राप्त हुए हैं, जो यूसुफ के पुत्रों में से एक थे और इसाएल की 12 जनजातियों में से एक के कुलपति बन गए। विभिन्न

- "एप्रात" उस क्षेत्र का नाम है जहाँ बेथेल शहर के पास, राहेल की मृत्यु हो गई।
- पुराने नियम में "एप्रात" नाम की एक स्त्री है, जो कालेब की पत्नी थी।
- बेथलहम और किरजथ-जियरिम दोनों शहरों को "एप्राती" भी कहा जाता है, भले ही दोनों शहर ऊपर (बेथेल के पास) की तुलना में एक अलग क्षेत्र में हैं।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज, कालेब, दाऊद, इसाएल)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H672, H673

एप्रैम

तथ्य:

एप्रैम यूसुफ का दूसरा पुत्र था। उसके वंशज इसाएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।

- एप्रैम नाम उच्चारण में इब्रानी शब्द, के अर्थ, "फलवन्त बनाना" जैसा लगता है।
- एप्रैम का गोत्र इस्माएल के उत्तरी भाग में स्थित दस गोत्रों में से एक था।
- बाइबल में कभी-कभी एप्रैम शब्द संपूर्ण उत्तरी राज्य इस्माएल के लिए काम में लिया जाता था। ठीक वैसे ही जैसे इस्माएल के दक्षिणी राज्य के लिए कभी-कभी यहूदा शब्द काम में लिया जाता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: यूंसुफ़, मनश्शे, इस्माएल का राज्य, इस्माएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 6:66-69](#)
- [2 इतिहास 13:4-5](#)
- [यहेजकेल 37:16](#)
- [उत्पत्ति 41:52](#)
- [उत्पत्ति 48:1-2](#)
- [यूहन्ना 11:54](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H669, H673, G2187

एव्यातार

परिभाषा:

एव्यातारन दाऊद के राज्यकाल में इस्माएल का महायाजक था।

- शाऊल जब याजकों का संहार कर रहा था तब एव्यातार भाग कर जंगल में दाऊद की शरण में पहुंचा था।
- एव्यातार और दूसरा महायाजक सादोक दाऊद के संपूर्ण राज्यकाल में उसके विश्वासयोग्य रहे थे।
- दाऊद के मृत्यु के बाद एव्यातार ने सुलैमान के स्थान में अदोनियाह को राजा बनाने में सहायता की थी।
- इस कारण राजा सुलैमान ने एव्यातार को याजकीय पद से हटा दिया था।

(यह भी देखें: सादोक, शाऊल (पुराना नियम), दाऊद, सुलैमान, अदोनियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 27:32-34](#)
- [1 राजा 1:7](#)
- [1 राजा 2:22-23](#)
- [2 शमएल 17:15](#)
- [मरकुस 2:25-26](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H0054, G00080

एमोरी

तथ्य:

एमोरी एक सामर्थी जाति थी जो कनान में, यारदन नदी के दोनों ओर निवास करती थी।

- उनके नाम का अर्थ है, “ऊंचे लोग” जो संभवतः उनके स्थान के पर्वतों के कारण या उनके लबे कद के कारण पड़ा था।
- उत्पत्ति की पुस्तक से विदित होता है कि एमोरी नूह के पोते, कनान के वंशज थे।
- ऐ नगर में एमोरी बसे हुए थे।
- परमेश्वर “एमोरियों का पाप” के विषय चर्चा करता है- उनकी मूर्तपूजा और उससे जुड़े पापी अभ्यास।
- परमेश्वर ने जैसी आज्ञा दी उसी के अनुसार यहोशू ने एमोरियों का सर्वनाश करने के लिए इस्साएलियों की अगुआई की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- [आमोस 2:9](#)
- [यहेजकेल 16:3](#)
- [उत्पत्ति 10:16](#)
- [उत्पत्ति 15:14-16](#)
- [यहोशू 09:10](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:7** कुछ समय बाद, कनान में एक अन्य जाति, एमोरियों के राजा ने जब यह सुना कि गिब्रोन के निवासियों ने इस्साएलियों से मेल कर लिया है, तब उसने सब के साथ मिलकर एक विशाल सेना तैयार की और गिब्रोनियों पर आक्रमण कार दिया।
- **15:08** प्रातःकाल उन्होंने एमोरियों की सेना को चकित कर दिया व उन पर हमला कर दिया।
- **15:9** उस दिन परमेश्वर इस्साएल के लिए लड़ा। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और आकाश से पथर गिरा कर अनेक एमोरियों को घात किया।
- **15:10** उस दिन परमेश्वर ने सूर्य को आकाशमण्डल के बीचोंबीच ठहरा दिया, ताकि इस्साएलियों के पास एमोरियों का सर्वनाश करने के लिए पर्याप्त समय हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H567,

एलयाकीम

तथ्यः

एलयाकीम नामक दो पुरुष पुराने नियम में हुए थे।

- एलयाकीम नामक एक पुरुष हिजकियाह राजा का भण्डारी था।
- दूसरा एलयाकीम राजा योशियाह का पुत्र था। उसे मिस के फिरौन नको ने यहूदा का राजा बनाया था।
- नको ने उसका नाम बदल कर यहोयाकीम रखा था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: हिजकियाह, यहोयाकीम, योशियाह, फिरौन)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 18:118](#)
- [2 राजा 18:26](#)
- [2 राजा 18:37](#)
- [2 राजा 12:34-35](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0471, G16620

एलाम

तथ्यः

एलाम शेम का पुत्र और नूह का पोता था।

- एलाम के वंशज एलामी कहलाते थे और वे एलाम क्षेत्र के निवासी थे।
- एलाम क्षेत्र आज के पश्चमी ईरान में हिद्देकेल नदी के दक्षिण पूर्व में था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: नूह, शेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 01:17-19](#)
- [प्रे.का. 02:8-11](#)
- [एज्रा 08:4-7](#)
- [यशायाह 22:5-7](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5867, H5962, G1639

एलिय्याह

तथ्यः

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ताओं में से एक था। एलिय्याह ने इसाएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

- परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्वर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
- एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिङ्का था।
- उसने बाल के पूजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमलकारी रूप से जीवित ही स्वर्ग में उठा लिया था।
- सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होंने यरूशलाम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आश्वर्यकर्म, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 17:1](#)
- [2 राजा 1:3-4](#)
- [याकूब 5:16-18](#)
- [यूहन्ना 1:19-21](#)
- [यूहन्ना 1:24-25](#)
- [मरकुस 9:5](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **19:2** _एलियाह_ इस्राएल के राजा आहाब के राज्यकाल में एक भविष्यद्वक्ता था।
- **19:2** एलियाह ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मैंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
- **19:3** परमेश्वर ने एलियाह से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
- **19:4** परन्तु तब उन्होंने एलियाह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनकी **कुप्पी** का तेल घटने दिया।
- **_19:5_** साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन एलियाह के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मैंह बरसा दूँगा।
- **_19:7_** और एलियाह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलियाह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;

- ३६:३ तब मूसा और एलियाह नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H452, G2243

एलीआजार

तथ्यः

बाइबल में एलीआजार नामक अनेक पुरुष हुए थे।

- एलीआजार मूसा के भाई हारून का तीसरा पुत्र था। हारून के मरणोपरान्त एलियाजार को इस्साएल का महायाजक बनाया गया।
- एलियाजार दाऊद के शूरवीरों में से भी एक था।
- यीशु के पूर्वजों में भी एलियाजार नामक एक पुरुष था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हारून, महा-याजक, दाऊद, सामर्थी)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 24:1-3](#)
- [न्यायियों 20:27-28](#)
- [गिनती 26:1-2](#)
- [गिनती 34:16-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H499, G1648

एलीशा

तथ्यः

एलीशा इस्साएल में अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की सेवा करता था: अहाब, अहज्याह, यहोराम, येहू, यहोआहाज तथा यहोआश

- परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता एलियाह को आदेश दिया था कि वह एलीशा का भविष्यद्वक्ता होने के लिए अभिषेक करे।
- जब एलियाह को अग्नि रथ में स्वर्ग में उठा लिया गया था तब एलीशा इस्साएल के राजाओं के लिए परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता हुआ।
- एलीशा ने अनेक आश्वर्यकर्म किए जिनमें सीरिया के सेनानायक को कोढ़ से चंगा करना तथा एक शून्यमी स्त्री के पुत्र को मृतकों में से जिलाना भी था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एलियाह, नामान, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 19:15-16](#)
- [2 राजा 3:15](#)
- [2 राजा 5:8](#)
- [लूका 4:25](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0477

एलीशिबा

तथ्यः

इलीशिबा यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की माता का नाम था। उसके पति का नाम जकर्याह था।

- जकर्याह और इलीशिबा के पास कोई सन्तान नहीं थी परन्तु उनकी वृद्धावस्था में परमेश्वर ने जकर्याह से प्रतिज्ञा की कि एलीशिबा उसके लिए एक पुत्र को जन्म देगी।
- परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और शीघ्र ही एलीशिबा गर्भवती हुई और एक पुत्र को जन्म दिया। उन्होंने उस बालक का नाम यूहन्ना रखा।
- इलीशिबा यीशु की माता मरियम की संबन्धी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 1:5](#)
- [लूका 1:24-25](#)
- [लूका 1:41](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G166500

एसाव

तथ्यः

एसाव इसहाक और रिबका के जुड़वा पुत्रों में से एक था। वह पहिलौठा था। याकूब उसका जुड़वा भाई था।

- एसाव ने दाल के एक कटोरे के लिए याकूब को अपना पहिलौठे का अधिकार बेच दिया था।
- एसाव पहिलौठा था, इसलिए इसहाक को उसे विशेष आशिषें देनी थी। परन्तु याकूब ने धोखे से वे आशिषें ले लीं। आरंभ में तो एसाव क्रोध के कारण याकूब की हत्या करना चाहता था परन्तु बाद में उसने याकूब को क्षमा कर दिया।
- एसाव की अनेक सन्तान तथा नाती-पोते हुए थे जो कनान में एक जाति होकर बस गए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एदोम, इसहाक, याकूब, रिबका)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 25:24-26](#)
- [उत्पत्ति 25:29-30](#)
- [उत्पत्ति 26:34-35](#)
- [उत्पत्ति 27:11-12](#)
- [उत्पत्ति 32:3-5](#)
- [इब्रानियों 12:14-17](#)
- [रोमियो 09:10-13](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 6:7 जब रिबका के प्रसव का समय आया, पहला जो उत्पन्न हुआ वह लाल निकला, और उसका सारा शरीर कम्बल के समान रोममय था; इसलिये उसका नाम एसाव रखा गया।
- 7:2 तो एसाव ने अपने पहिलौठे का अधिकार याकूब के हाथ बेच दिया।
- 7:4 जब इसहाक ने उसे टटोलकर देखा और उसके वस्त्रों की सुगन्ध पाकर समझा कि वह एसाव है, तो उसे जी से आशीर्वाद दिया।
- 7:5 एसाव ने याकूब से बैर रखा क्योंकि उसने उसके पहिलौठे होने का अधिकार और आशिषों को छीन लिया था।
- 7:10 परन्तु एसाव याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वे एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6215, G2269

एस्ट्रेर

तथ्यः

एस्ट्रेर एक यहूदी स्त्री थी, यहूदी जब बेबीलोन की बन्धुआई में ही थे तब वह फारस साम्राज्य की रानी बनी थी। एस्ट्रेर उसका फारसी नाम था जबकि उसका इब्रानी नाम हदस्सा था।

- एस्टर की पुस्तक में एस्टर का फारसी राजा क्षयर्ष की पत्नी बनना और उसके माध्यम से परमेश्वर द्वारा यहूदियों की सुरक्षा का वृत्तान्त लिखा है।

एस्टर एक अनाथ बालिका थी जिसे उसके रिश्ते के भाई मोर्दकै ने पाल पोस कर बड़ा किया था।

- अपने इस अभिभावक की आज्ञा मानने से उसे परमेश्वर की आज्ञा मानने में सहायता मिली थी।
- एस्टर ने परमेश्वर की आज्ञा मानी और अपने लोगों को अर्थात् यहूदियों को बचाने के लिए जान की जोखिम उठाई थी।
- एस्टर की कहानी इतिहास की घटनाओं पर परमेश्वर के सर्वोच्च नियंत्रण का वरन विशेष करके उसकी प्रजा की सुरक्षा और उसकी आज्ञा माननेवालों के माध्यम से उसके कार्यों का उद्धारण है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: क्षयर्ष, बाबेल, मोर्दकै, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- [एस्टर 02:7](#)
- [एस्टर 02:15](#)
- [एस्टर 07:01](#)
- [एस्टर 08:02](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H635

ऐ

तथ्य:

पुराने नियम के युग में ऐ एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्माएलियों को लेकर ऐ नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्माएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
- आकान नामक एक इस्माएली पुरुष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने ऐ नगर को पराजित करने में इस्माएल की सहायता की थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहो)

बाइबल सन्दर्भ:

- [एज्या 2:27-30](#)
- [उत्पत्ति 12:8-9](#)
- [उत्पत्ति 13:3-4](#)
- [यहोशू 7:3](#)
- [यहोशू 08:12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5857

ओग

तथ्य:

ओग एक ऐसे व्यक्ति का नाम है जो एमोरी राजा था और जिसने बाशान देश पर शासन किया था।

- इस्माएलियों ने ओग और उसके लोगों और भूमि पर विजय प्राप्त की।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एमोरियों, बाशान)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रोंग्स :

ओबद्याह

तथ्यः

ओबद्याह पुराने नियम का एक भविष्यद्वक्ता था जिसने एदोमियों (एसाव वंशियों) के विरुद्ध भविष्यद्वाणी की थी। पुराने नियम में ओबद्याह नामक अनेक अन्य पुरुष हुए हैं।

- ओबद्याह की पुस्तक पुराने नियम की सबसे छोटी पुस्तक है जिसमें ओबद्याह की भविष्यद्वाणी है जो उसने परमेश्वर प्रदत्त दर्शन में पाई थी।
- ओबद्याह के जीवन काल और भविष्यद्वाणी की सेवा का समय ज्ञात नहीं है। संभव है कि वह समय यहूदा के राजा और यहोराम, अहजय्याह, योआश और रानी अतल्याह के राज्यकाल का है। दानियेल, यहेजकेल और यिर्मयाह भी इसी युग में कभी भविष्यद्वाणी कर रहे होंगे।
- संभव है कि ओबद्याह उत्तरकालीन समय का था, सिदकियाह के राज्यकाल या बेबीलोन की बन्धुवाई के समय का।
- ओबद्याह नाम के अन्य पुरुषों में थे, शाऊल का वंशज, एक गादवासी जो दाऊद का सेवक हो गया था, राजा आहाब के महल का भण्डारी, राजा यहोशापात का एक अधिकारी, राजा योशियाह के समय मन्दिर के सुधार कार्य में सहायक एक पुरुष और नहेम्याह के समय में एक लेवी पुरुष जो द्वारपाल था।
- संभव है कि ओबद्याह की पुस्तक का लेखक इन पुरुषों में से एक हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, बाबेल, दाऊद, एदोम, एसाव, यहेजकेल, दानियेल, गाद, यहोशापात, योशियाह, लेवी, शाऊल (पुराना नियम), सिदकियाह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 3:21](#)
- [1 इतिहास 8:38-40](#)
- [एज्रा 8:8-11](#)
- [ओबद्याह 1:2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5662

ओम्ब्री

तथ्यः

ओम्ब्री एक सेना प्रधान था जो इस्माइल का छठवां राजा हुआ था।

- राजा ओम्ब्री ने तिर्सा नगर में 12 वर्ष राज किया था।
- इस्माइल के सब राजा और ओम्ब्री भी एक दुष्ट राजा था, उसने इस्माइल की प्रजा को और भी अधिक मूर्तिपूजा में गिराया था।
- ओम्ब्री राजा आहाब का पिता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अहाब, इस्माइल, यारोबाम, तिर्सा)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 22:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6018

ओलों

तथ्यः

ओले आकाश से बरसने वाले बर्फ के टुकड़ों को कहते हैं। “हेल” शब्द अंग्रेजी भाषा में अभिवादन का शब्द है जिसका अर्थ “हेलो” या “तुम्हें शुभकामनाएं” है।

- ओले बरसना अर्थात् आकाश से बर्फ के टुकड़े बरसना जिसे “ओला-वृष्टि” कहते हैं।
- ओले सामान्यतः छोटे-छोटे बर्फ के टुकड़े होते हैं (कुछ ही सें.मी. के) परन्तु कभी-कभी वे 20 सेंटीमीटर चौड़ा और एक किलोग्राम तक के होते हैं।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में 50 किलोग्राम तक के ओले बरसने की चर्चा की गई है जब परमेश्वर अन्त समय में मनुष्यों को उनके पाप का दण्ड देगा।
- पुरानी अंग्रेजी भाषा में “हेल” शब्द का अर्थ है “आनन्द मनाना” जिसका अनुवाद “अभिवादन” हो सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

बाइबल सन्दर्भ:

- [मत्ती 27:27-29](#)
- [मत्ती 28:8-10](#)
- भजन संहिता 078:47-49
- भजन संहिता 148:7-8
- [प्रकाशितवाक्य 08:6-7](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H68, H417, H1258, H1259, G5463, G5464

ओसाई

परिभाषा:

“ओसाई” और “फटकना” का अर्थ है, गेहूं के दाने को निकम्मे पदार्थों से अलग करना। बाइबल में इन दोनों शब्दों का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है, मनुष्यों को पृथक करने या उनका विभाजन करने में।

- “ओसाई” भी अनावश्यक भूसी को अन्न से अलग करना है अन्न मिश्रित भूसी को हवा में उड़ाया जाता था कि हवा भूसी को उड़ाकर अन्न से अलग कर दे।
- “फटकना” गेहूँ को जो हवा में उड़ाकर भूसी से अलग किया जाता है तदोपरांत एक छलनी में फटका जाता था कि उसमें से मिट्टी और कंकड़ जैसे अनावश्यक पदार्थ अलग हो जाएं।
- पुराने नियम में फटकना और ओसाई शब्दों का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका संदर्भ कठिनाइयों से है जो धर्मियों को अधर्मियों से अलग करती हैं।
- एक बार यीशु ने भी “फटकना” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जब वह शमोन पतरस से कह रहा था कि वह और अन्य शिष्य अपने विश्वास में कैसे परखे जायेंगे।
- इन शब्दों का अनुवाद करने के लिए, लक्षित भाषा में उन शब्दों या वाक्यांशों का उपयोग करें जो इन गतिविधियों के संदर्भ में काम आते हैं। इसके संभावित अनुवाद हो सकते हैं, “हिलाना” या “हवा करना।” यदि लक्षित भाषा में ओसाई या फटकना समझ से परे हो तो इनका अनुवाद उन शब्दों के द्वारा किया जा सकता है जो गेहूं को भूसी या अनावश्य पदार्थों से पृथक करने के लिए काम में लिए जाते हैं या इस प्रक्रिया का वर्णन किया जा सकता है।
-

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: भूसी, अन्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यशायाह 21:10](#)
- [लूका 22:31](#)
- [मत्ती 3:12](#)
- [नीतिवचन 20:8](#)
- [रुत 3:2](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2219, H5128, H5130, G44250, G46170

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 पत्रस 1:13](#)
- [2 इतिहास 6:9](#)
- [व्यवस्थाविवरण 33:11](#)
- [उत्पत्ति 37:34](#)
- [अथूब 15:27](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2504, H3409, H3689, H4975, G3751

कटी**परिभाषा:**

“कमर” मनुष्य या पशु के शरीर का वह भाग है जो अंतिम पसली और कूल्हे की हड्डी के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

- “कमर कस लो” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कटिबन्ध में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के संदर्भ में लिया जाता था।
- बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक एवं शिष्ठोक्ति रूप में मनुष्य के संतानोत्पत्ति के स्रोत, गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है। (देखें: शिष्ठोक्ति).
- “तुझ से उत्पन्न होगा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है: “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।” (देखें: शिष्ठोक्ति).
- शरीर के किसी अंग के संदर्भ में इसका अनुवाद, प्रकरण के अनुसार हो सकता है: “उदर” या “कूल्हा” या “कमर।”

(यह भी देखें: वंशज, कमर कसना, सन्तान)

कठोर

परिभाषा:

- “कठोर” शब्द के अर्थ प्रायः कठिन, असाध्य या हठीला के सन्दर्भ में काम में लिया जाता है।
- “कठोर हृदय” “हठीला” उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।
- जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे “कठोर परिश्रम” या “कठोर प्रयास” तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्र से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

अनुवाद के सुझाव

- “कठोर” शब्द का अनुवाद “कठिन” या “हठीला” या “चुनौतीपूर्ण” किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
- “कठोरता” शब्द या “हृदय की कठोरता” या “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है, “हठीलापन” या “निरन्तर विद्रोह” या “विद्रोही स्वभाव” या “हठीली अवज्ञा” या “हठ करके मन फिराव न करना।”
- “कठोर हो गया” का अनुवाद हो सकता है, “मन न फिराने का हठ” या “आज्ञा मानने से इन्कार।”
- “अपने हृदयों को कठोर मत करो” का अनुवाद “मन फिराव से इन्कार मत करो” या “हठ करके अवज्ञा मत करो।”
- “हठीले” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “हठीली अवज्ञा” या “निरन्तर अवज्ञा करना” या “मन फिराव का इन्कार” या “सदैव विद्रोह करना”
- “कठोर परिश्रम करना” या “कठोर प्रयास करना” इसे में “कठोर” का अनुवाद “यत्र के साथ” या “लगन के साथ” किया जा सकता है।
- “दौड़ा चला जाता हूँ” का अनुवाद ‘बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ’ या “दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ”।

- “मनुष्यों को कठोर परिश्रम का दुःख देना” (अत्याचार करना) इसका अनुवाद “मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों” या “मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दुःख देना”।
- एक और अभिव्यक्ति है, प्रसव पीड़ा जो संतान को जन्म देते समय स्त्री का अनुभव है। (यह भी देखें: अवज्ञा, दुष्ट, हृदय, प्रसव पीड़ा, हठी)

बाह्यबल संदर्भ:

- [2 कुरिन्यियों 11:23](#)
- [व्यवस्थाविवरण 15:7](#)
- [निर्गमन 14:4](#)
- [इब्रानियों 4:7](#)
- [यूहन्ना 12:40](#)
- [मत्ती 19:8](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G09170, G14190, G14210, G14220, G14230, G22050, G25320, G25530, G28720, G28730, G34250, G34330, G40530, G41830, G44560, G44570, G46410, G46420, G46430, G46450, G49120

कठोर-अडिंग

परिभाषा:

शब्द “कठिन” आमतौर पर किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करता है जो दृढ़ या अडिंग होती है।

- “कठोर” (विभिन्न रूपों में) का उपयोग “हृदय” के साथ उन लोगों को संदर्भित करता है जो हठपूर्वक पश्चाताप नहीं करते या (आमतौर पर) परमेश्वर के प्रति अनाज्ञाकारी होते हैं।

अनुवाद सुझाव

- शब्द “कठिन” का अनुवाद संदर्भ के आधार पर “विद्रोही” या “जिद्दी” या “हठी” या “अडिंग” भी किया जा सकता है।
- “कठोरता” या “हृदय की कठोरता” या “कठोर हृदय” शब्दों का अनुवाद “हठ” या “लगातार विद्रोह” या “विद्रोही रवैया” या “हठपूर्वक आज्ञा का उल्लंघन” या “हठपूर्वक पश्चाताप न करना” के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश “कठोर गर्दन” का अनुवाद “हठी” या “विद्रोही” के रूप में भी किया जा सकता है।
- शब्द “कठोर बनना” का अनुवाद “हठीली और पश्चातापहीन” या “आज्ञा मानने से इनकार करना” भी किया जा सकता है।
- “अपना हृदय कठोर मत करो” का अनुवाद “पश्चाताप करने से इनकार मत करो” या “हठपूर्वक अनाज्ञाकारीता मत करो” के रूप में किया जा सकता है।
- “ढीठ” या “कठोर मन” का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में “हठपूर्वक अनाज्ञाकारीता” या “निरंतर अवज्ञा करना” या “पश्चाताप करने से इनकार करना” या “हमेशा विद्रोह करना” शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: अवज्ञा, बुराई, हठी)

बाह्यबल संदर्भ:

शब्द विवरणः

कनान

तथ्यः

कनान हाम का पुत्र था और हाम नूह का पुत्र था। कनानी लोग कनान के वंशज थे।

- “कनान” या “कनान देश” वह क्षेत्र था जो यरदन नदी और भूमध्यसागर के बीच का था। दक्षिण में वह मिस्र की सीमा तक था और उत्तर में सीरिया की सीमा तक।
- इस देश के निवासी कनानी और अन्यजातियां थे।
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह कनान देश उसे और उसके वंशज, इस्लाएलियों को देगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हाम, प्रतिज्ञा का देश)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 13:19-20](#)
- [निर्गमन 3:7-8](#)
- [उत्पत्ति 9:18](#)
- [उत्पत्ति 10:19-20](#)
- [उत्पत्ति 13:7](#)
- [उत्पत्ति 47:2](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 4:5 इस प्रकार अब्राम अपनी पत्नी सारै, और जो धन उन्होंने इकट्ठा किया था, और जो प्राणी उन्होंने हारान में प्राप्त किये थे, सब को लेकर कनान देश में जो परमेश्वर ने उसे दिखाया था जाने को निकल चला;
- 4:6 जब अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उससे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा।”
- 4:9 “मैं_कनान_ देश तेरे वंश को दूँगा।”
- 5:3 ” मैं तुझको, और तेरे पश्चात् तेरे वंश को भी, यह सारा कनान देश दूँगा कि वह उनकी निज भूमि रहेगी, और मैं उनका परमेश्वर रहूँगा।”
- 7:8 बीस वर्ष तक अपने घर से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3667, H3669, G2581, G5478

कपटी

परिभाषा:

“कपटी” शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो धर्मी होने का दिखावा करता है परन्तु गृह्यता में बुरे काम करता “कपट” शब्द ऐसे व्यवहार के सन्दर्भ में है जो मनुष्यों को धोखा दे कि वह धर्मी जन है।

- कपटी मनुष्य अच्छे काम करते हुए दिखना चाहते हैं कि मनुष्य उन्हें अच्छे मनुष्य समझें।
- कपटी मनुष्य प्रायः दूसरों की तो आलोचना करते हैं परन्तु स्वयं वैसे ही पापी काम करते हैं।
- यीशु फरीसियों को कपटी कहता था क्योंकि वे धर्म का दिखावा करते थे जैसे विशेष वस्तु धारण करना, विशेष भोजन करना परन्तु वे मनुष्यों के साथ दया या निष्पक्षता का व्यवहार नहीं करते थे।
- कपटी मनुष्य दूसरों के दोष देखता है परन्तु अपने दोष स्वीकार नहीं करता है

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोमुखी” शब्द काम में लिया जाता जो कपटियों और कपटियों के कार्यों के सन्दर्भ में होता है।
- “कपटी” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “झूठा” या “ढोंगी” या “दम्भी मक्कार मनुष्य。”
- “कपट” का अनुवाद “धोखा” या “झूठे कार्य” या “दिखावा” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 2:13](#)
- [लूका 6:41-42](#)
- [लूका 12:54-56](#)
- [लूका 13:15](#)
- [मरकुस 7:6-7](#)
- [मत्ती 6:1-2](#)
- [रोमियो 12:9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0120, H2611, H2612, G05050, G52720, G52730

कफरनहूम

तथ्यः

कफरनहूम गलील सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर मछआरों का एक गांव था।

- यीशु जब गलील में शिक्षा देता था तब वह कफरनहूम में ठहरता था।
- उसके अनेक शिष्य कफरनहूम से थे।
- यीशु ने इस गांव में अनेक आश्वर्यकर्म किए थे, जिनमें मृतक बालिका को फिर जीवित करना भी था।
- कफरनहूम उन तीन नगरों में से एक था जिन पर यीशु ने सार्वजनिक हाय की थी क्योंकि वहां के लोगों ने उसका इन्कार किया और उसकी शिक्षाओं में विश्वास नहीं किया था। यीशु ने उन्हें चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उन्हें अविश्वास का दण्ड देगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गलील, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भः

- [यहन्ता 2:12](#)
- [लूका 4:31](#)
- [लूका 7:1](#)
- [मरकुस 1:21](#)
- [मरकुस 2:2](#)
- [मत्ती 4:12-13](#)
- [मत्ती 17:24-25](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G25840

कब्र

परिभाषा:

- “कब्र” वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। “कब्रिस्तान” एक अधिक सामान्य शब्द है जो इसके ही सन्दर्भ में काम में आता है।
- यहूदी कभी-कभी प्राकृतिक गुफाओं को कब्रों के लिए काम में लेते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों की चट्टानों में गुफा खोदते थे।
- नये नियम के युग में, ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पथर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।
- यदि लक्षित भाषा में कब्र के लिए प्रयुक्त शब्द केवल शव को गाड़ने के लिए धरती में बनाया गया एक छेद के सन्दर्भ में हो तो इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं: “गुफा” या पहाड़ में किया गया छेद”।
- प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर “कब्र” शब्द मृतक अवस्था को दर्शाने या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: दफन करना, मृत्यु)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 2:29-31](#)
- [उत्पत्ति 23:5-6](#)
- [उत्पत्ति 50:5](#)
- [यूहन्ना 19:41](#)
- [लूका 23:53](#)
- [मरकुस 5:1-2](#)
- [मत्ती 27:53](#)
- [रोमियो 3:13](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **32:4** वह **कब्रों** में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था।
- **37:6** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाजर को कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, “**कब्र** में, आओ और देख लो।” तब यीशु रोया।
- **37:7** वो **कब्र** एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पथर लुढ़का दिया गया था।
- **40:9** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा। उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई **कब्र** में रख दिया। तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पथर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया।
- **41:4** उसने कब्र के पथर को जो **कब्र** के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, **कब्र** की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए।
- **41:5** जब महिलाएँ **कब्र** पर पहुँची, तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा, “मत डरो। यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है।” आओ, यह स्थान देखो।” तब उन स्त्रियों ने **कब्र** में देखा और जहा यीशु का शरीर रखा गया था वहाँ देखा। उसका शरीर वहा नहीं था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G3418, G3419, G5028

कमर कसना

परिभाषा:

“बाँधना” अर्थात् किसी वस्तु पर कुछ बांधना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बांधना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

- “कमर कसना” अर्थात् वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का अर्थ है “काम करने के लिए तैयार होना” या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कस लो” के अनुवाद में लक्षित भाषा की समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका लाक्षणिक अनुवाद भी किया जासकता है, “कार्य करने के लिए तैयार हो जाओ” या “तैयार हो जाओ।”
- “लिपटा हुआ” अर्थात् “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

बाह्य सन्दर्भ:

- [1 पतरस 1:13](#)
- [अथ्युब 38:3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H640, H247, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

कर

परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात् उन पर सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना। कर संग्राहक एक सरकारी कर्मचारी होता है जिसका उत्तरदायित्व है कि सरकार को दी जाने वाली धनराशी जनता से वसूल करे।

- कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
- यीशु और प्रेरितों के युग में, रोमी सरकार रोमी साम्राज्य में रहने वाले हर एक जन से कर वसूलती थी, यहूदियों से भी।
- यदि कर नहीं चुकाया तब तो सरकार दोषी पर वैधानिक कार्यवाही करके देय राशि की वसूली कर लेती है।
- यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए, जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य थी।
- संदर्भ के आधार पर “कर” शब्द का अनुवाद “आवश्यक भुगतान” या “सरकारी धन” या “मंदिर धन” के रूप में भी किया जा सकता है।
- “करों का भुगतान” करने का अनुवाद “सरकार को पैसा” या “सरकार के लिए धन संग्रह करना” या “आवश्यक भुगतान करना” के रूप में भी किया जा सकता है। “करों को एकत्र करने” का अनुवाद “सरकार के लिए धन प्राप्त करना” किया जा सकता है।
- “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।
- र्पि सरकार के लिए कर वसूली करने वाले प्रायः सरकार द्वारा निर्दिष्ट धनराशी से अधिक वसूली किया करते थे और अतिरिक्त धनराशी अपने पास रख लेते थे।
- क्योंकि कर संग्राहक इस प्रकार जनता को ठगते थे इसलिए यहूदी उनको महा पापी मानते थे।
- यहूदी कर संग्राहकों को देशद्रोही भी मानते थे क्योंकि वे रोमी सरकार के लिए काम करते थे जो यहूदियों पर अत्याचार करती थी।
- “चुंगी लेने वाले और पापी” यह उक्ति नए नियम के युग में एक सामान्य अभिव्यक्ति थी जिससे प्रकट होता था कि यहूदी कर संग्रहकों से कैसी घृणा करते थे

(यह भी देखें: यहूदी, रोम, पाप)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 20:21-22](#)
- [मरकुस 2:13-14](#)
- [मत्ती 9:7-9](#)
- [गिनती 31:28-29](#)
- [रोमियो 13:6-7](#)
- [लूका 3:12-13](#)
- लूका 5:27-28
- [मत्ती 5:46-48](#)
- [मत्ती 9:10-11](#)
- मत्ती 11:18-19
- [मत्ती 17:26-27](#)
- [मत्ती 18:17](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण

34:6 उसने कहा, "दो मनुष्य मंदिर में प्रार्थना करने के लिए गए; एक धर्म गुरु (फरीसी) था अनुर दूसरा चुंगी लेने वाला।" 34:7 "धर्म गुरु (फरीसी) ने इस प्रकार प्रार्थना की, 'हे परमेश्वर, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के सदृश्य पापी नहीं हूँ जैसे डाकू, अंधेर करने वाले, व्यभिचारी, और नहीं इस चुंगी लेने वाले के सामान हूँ।'" 34:9 "परन्तु चुंगी लेने वाले ने दूर खड़े होकर स्वर्ग के और आँख उठाना भी न चाहा, वरन् अपनी छाती पीट पीट कर कहा, 'हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर।'" 34:10 तब यीशु ने कहा, "मैं तुमसे सच कहता हूँ कि परमेश्वर ने उस चुंगी लेने वाले कि प्रार्थना सुन ली और उसको धर्मी घोषित कर दिया।" 35:1 एक दिन यीशु अनेक चुंगी लेने वालों और पापियों के समूह को शिक्षा दे रहा था।

शब्द तथ्यः

- कर: Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G1323, G2778, G5055, G5411 G583, G5411
- कर संग्राहक: Strong's: H5065, H5674, G5057, G5058

कर

परिभाषा:

"कर", एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

- कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है, जैसे कि टोल या कर।
- बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थीं।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार, "कर" का अनुवाद किया जा सकता है, "सरकारी भेंट" या "विशेष भुगतान" या "अनिवार्य भुगतान"।

(यह भी देखें: सोना, राजा, शासक, कर)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 18:1-2](#)
- [2 इतिहास 09:22-24](#)
- [2 राजा 17:03](#)
- [लूका 23:02](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

करकट

परिभाषा:

किसी वस्तु को गवाना अर्थात उसे लापरवाही से फेंक देना या उसका निर्बुद्धि उपयोग करना। "उजाड़" या "करकट" का सन्दर्भ उस भूमि या शहर से है जिसे नष्ट कर दिया गया है और उसमें अब कुछ भी नहीं रह गया है।

- "उजाड़ हो जाएँगे" यह एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है, कि अधिक से अधिक बीमार या बर्बाद हो जाएंगे। जो व्यक्ति निर्बल हो रहा है वह बीमारी या भोजन की कमी के कारण बहुत दुबला-पतला हो रहा है।
- किसी नगर या स्थान को "उजाड़ छोड़ देना" अर्थात् उसे नष्ट कर देना।
- "उजाड़ स्थान" के लिए एक और शब्द हो सकता है, "रेगिस्तान" या "जंगल", परन्तु निर्जन भूमि का अभिप्राय हो सकता है, वहाँ कभी मनुष्यों का वास था और फलदायी पेड़-पौधे वहाँ थे।

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 6:6](#)
- [लैव्यव्यवस्था 26:39](#)
- [मत्ती 26:8](#)
- [प्रकाशितवाक्य 18:15-17](#)
- [जकर्या 7:13-14](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0535, H1086, H1104, H1326, H2100, H2490, H2522, H2717, H2721, H2723, H3615, H3856, H4127, H4198, H4592, H4743, H5307, H5327, H7334, H7582, H7703, H7736, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, G06840, G12870, G20490, G26730

करना

परिभाषा:

"समर्पण करना" और "समर्पण" का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है।

- कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है।
- किसी व्यक्ति को "काम सौंपना" अर्थात् उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना। उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या "दे दी है") है परमेश्वर से मेल रखो।
- इसी से संबन्धित शब्द है "करना" और "किया है" जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे "पाप करना" या "व्यभिचार करना" या "हत्या करना।"
- "उसे वह सेवा सौंप दी" इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "उसे काम सौंपा" या "उस पर एक काम के लिए विश्वास किया" या "उसे एक काम दिया" या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया।"
- "सौंपना" का अनुवाद हो सकता है, "कार्य जो दिया गया" या "प्रतिज्ञा जो की गई।"

(यह भी देखें: व्यभिचार, विश्वायोग्य, प्रतिज्ञा, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 28:7](#)
- [1 पतरस 2:21-23](#)
- [यिर्म्याह 2:12-13](#)
- [मत्ती 13:41](#)
- भजन 58:2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0539, H0817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G02640, G20380, G27160, G34290, G34310, G38600, G38720, G39080, G41020, G41600, G42030

करूब

परिभाषा:

"करूब" और इसके बहुवचन रूप "करूबों" इसका सन्दर्भ परमेश्वर द्वारा सृजित विशेष प्राणी से है। बाइबल के वर्णन के अनुसार करूबों के पंख होते हैं और आग निकलती है।

- करूबों परमेश्वर की महिमा एवं सामर्थ्य को दर्शाते हैं और पवित्र वस्तुओं की रक्षा का प्रतीक होते हैं।
- आदम और हव्वा के पाप के बाद परमेश्वर ने अदन की वाटिका के पूर्व में करूबों को आग की तलावार के साथ नियुक्त कर दिया था कि जीवन के वृक्ष के निकट कोई न जा पाए।
- परमेश्वर ने इसाएलियों को आज्ञा दी थी कि वे करूबों को इस प्रकार बनाएं कि वे एक दूसरे के आमने सामने हों और उनके पंख एक दूसरे को छूते हुए वाचा के सन्दूक के प्रायश्चित्त के ढकने के ऊपर आच्छादित हों।
- परमेश्वर ने उनसे यह भी कहा था कि मिलापवाले तम्बू के परदों पर कढ़ाई करके करूब बनाएं।
- कुछ गद्यांशों में इन प्राणियों के चार मुंह बनाए गए हैं, मनुष्य, शेर, बैल और उकाब के मुंह।
- करूबों को स्वर्गदूत भी समझा जाता है परन्तु बाइबल में ऐसा स्पष्ट नहीं कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- "करूबों" शब्द का अनुवाद "पंखवाले प्राणी" या "पंखोंवाले रक्षक" या "पंखों वाली रक्षक आत्माएं" या "पवित्र, पंखों वाले रक्षक"।
- "करूब" का अनुवाद करूबों के एकवचन के रूप में अनुवाद करना चाहिए उदाहरणार्थ "पंख वाला प्राणी" या "पंखवाली रक्षक आत्मा"।
- स्पष्ट करें कि इन शब्दों का अनुवाद "स्वर्गदूतों" से भिन्न हो।
- यह भी ध्यान रखें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इन शब्दों का अनुवाद क्या किया गया है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: स्वर्गदूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 13:5-6](#)
- [1 राजा 06:23-26](#)
- [निर्गमन 25:15-18](#)
- [यहेजकेल 09:3-4](#)
- [उत्पत्ति 03:22-24](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3742, G5502

करेतियों**तथ्यः**

"करेतियों" एक जाति थी जो संभवतः पलिश्तियों में से थी। कुछ संस्करणों इस नाम को "करेतियों" के रूप में लिखते हैं।

- "करेतियों और पलेतियों" राजा दाऊद की सेना में सैनिकों का विशेष समूह थे जो उसके अंगरक्षक स्वरूप उसके विशेष स्वामी-भक्त थे।
- यहोयादा का पुत्र बनायाह, दाऊद के प्रबन्धक दल का एक सदस्य, करेतियों और पलेतियों का अगुआ था।
- करेतियों दाऊद के साथ थे जब वह अबशालोम के विद्रोह करने पर यरूशलेम छोड़कर गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अबशालोम, बनायाह, दाऊद, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भः

- [सपन्याह 02:4-5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3774

कर्मेल**तथ्यः**

"कर्मेल पहाड़" भूमध्यसागर के तट पर स्थित पर्वतीय श्रृंखला-शारोन के मैदान के निकट उत्तर में। उसकी सबसे ऊँची चोटी 546 मीटर ऊँची है।

- कर्मेल नामक एक नगर भी था जो नमक सागर के दक्षिण में यहूदा राज्य में था।
- नाबाल एक धनवान किसान था, उसकी पत्नी का नाम अबीगैल था। वे कर्मेल नगर के निकट रहते थे। दाऊद और उसके साथी नाबाल के चरवाहों की रक्षा करते थे।
- कर्मेल पहाड़ पर एलियाह ने बाल पुजारियों के साथ स्पर्धा करके सिद्ध किया था कि केवल यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- यह स्पष्ट करने के लिए कि कर्मेल एक ही पहाड़ नहीं था, "कर्मेल पहाड़" का अनुवाद "कर्मेल पर्वतीय श्रृंखला के एक पहाड़ पर" या "कर्मेल पर्वतीय श्रृंखला"।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाल, एलियाह, यहूदा, खारा ताल)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 18:18-19](#)
- [1 शापूएल 15:12-13](#)
- [यिर्मयाह 46:18-19](#)
- [मीका 07:14-15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3760, H3761, H3762

कलह**परिभाषा:**

"कलह" शब्द का अर्थ है मनुष्यों में शारीरिक एवं मानसिक टकराव।

- एक व्यक्ति जो झगड़े का कारण बनता है, लोगों के बीच मजबूत असहमति और भावनाओं को चोट पहुंचाते हैं।
- कभी-कभी “झगड़े” शब्द का उपयोग करने से तापर्य होता है क्रोध या कड़वाहट जैसे मजबूत भावनाएं शामिल होना।
- इस शब्द का अनुवाद अन्य तरीकों में, “असहमति” या “झगड़ा” या “लड़ाई” हो सकते हैं।

बाइबल संदर्भ:

- [1 कुरिन्यियो 03:3-5](#)
- [हबकूक 01:3](#)
- [फिलिप्पियो 01:17](#)
- [नीतिवचन 17:01](#)
- भजन संहिता 055:8-9
- [रोमियो 13:13](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग्स: H1777, H1779, H4066, H4090, H4683, H4808, H7379, H7701, G485, G2052, G2054, G3055, G3163, G5379

कलीसिया

परिभाषा:

नये नियम में “कलीसिया” का संदर्भ मसीह के विश्वासियों के एक स्थानीय समुदाय से है जो प्रार्थना करने और परमेश्वर का वचन सुनने के लिए नियमित सभा करते थे। “कलीसिया” शब्द प्रायः सब विश्वासियों के संदर्भ में है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है, “बहार बुलाए गए” मनुष्यों का समुदाय या सभा जिसके समागम का उद्देश्य विशिष्ट होता है।
- जब यह शब्द मसीह की व्यापक देह के सब विश्वासियों के सन्दर्भ में होता है तब कुछ बाईबल अनुवादक प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं जिससे कि इसका परिप्रेक्ष्य स्थानीय कलीसिया से भिन्न हो।
- किसी नगर विशेष के विश्वासी प्रायः किसी सदस्य के घर में एकत्र होते थे। इन स्थानीय कलीसियों को उस स्थान का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- बाइबल में “कलीसिया” का संदर्भ भवन से नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कलीसिया” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “एक साथ एकत्र होना” या “सभा” या “मण्डली” या “एकत्र होने वाले”
- इस शब्द के अनुवाद में काम में लिए गए शब्द या उक्ति के अभिप्राय में किसी एक समूह का नहीं वरन् सब विश्वासियों का भाव प्रकट होना आवश्यक है।
- सुनिश्चित करें कि “कलीसिया” का अनुवाद किसी भवन का अर्थ प्रकट न करे।
- पुराने नियम में “सभा” का जिस शब्द से अनुवाद किया गया है उस शब्द का भी यहां उपयोग किया जा सकता है।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाईबल अनुवाद को भी देखें। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: सभा, विश्वास करना, मसीही विश्वासी)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियों 5:12](#)
- [1 थिसलुनीकियों 2:14](#)
- [1 तीमुथियुस 3:5](#)
- [प्रे.का. 9:31](#)
- [प्रे.का. 14:23](#)
- [प्रे.का. 15:41](#)
- [कुलुसियों 4:15](#)
- [इफिसियों 5:23](#)
- [मत्ती 16:18](#)
- [फिलिप्पियों 1:15](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलेम की **कलीसिया** का हिस्सा बन गए।
- **46:9** परन्तु अन्ताकिया में अधिकतर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग विश्वास करके प्रभु की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को शिक्षा देने, यीशु के बारे में बताने और **कलीसिया** को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की **कलीसिया** ने शाऊल और बरनबास के लिए प्रार्थना की और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** वे यीशु के सुसमाचार का प्रचार करते गए और **कलीसिया** विकास करती गई।
- **50:1** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं। **कलीसिया** बढ़ रही है।

शब्द तथ्यः

- Strong's: G15770

कसदी

तथ्यः

कसदी मेसोपोटामिया या बेबीलोन के दक्षिण का भू भाग था। इस क्षेत्र के निवासी कसदियों कहलाते थे।

- ऊर नगर जो अब्राहम का जन्मस्थान था, वह कसदियों का ही देश था। इसे प्रायः “कसदियों का ऊर” कहा जाता है।
- नबूकदनेस्सर अनेक कसदियों में से एक था जो बेबीलोन पर राजा हुए थे।
- अनेक वर्षों बाद लगभग 600 ई.पू. में कसदी देश “बेबीलोन” कहलाया।
- दानियेल की पुस्तक में “कसदी” शब्द एक विशेष मानवीय वर्ग का संदर्भ देता है जो ऊंची शिक्षा प्राप्त मनुष्य थे और नक्षत्रों का अध्ययन करते थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, बाबेल, शिनार, ऊर)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 7:4-5](#)
- [यहेजकेल 1:1](#)
- [उत्पत्ति 11:27-28](#)
- [उत्पत्ति 11:31-32](#)
- [उत्पत्ति 15:6-8](#)
- [यशायाह 13:19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3679, H3778, H3779, G5466

काँटा

तथ्यः

कंटीली झाड़ियां या ऊंटकटार वे पौधे होते हैं जिनकी शाखाओं में कांटे या फूल होते हैं। इन पौधों में फल या काम की कोई वस्तु नहीं उगती है।

- “कांटा” वृक्ष की शाखा पर एक कठोर नुकीला उभार होता है। “कंटीली झाड़ी” एक छोटा वृक्ष या झाड़ी है जिसकी टहनियों पर कांटे होते हैं।
- “ऊंटकटार” वह पौधा है जिसकी टहनियां और पत्तों पर कांटे होते हैं। उसके फूल प्रायः बैगंनी रंग के होते हैं।
- कंटीली झाड़ियां अति शीघ्र बढ़ती हैं और अच्छे पौधों को बढ़ने से रोकते हैं। यह पाप द्वारा मनुष्य की आत्मिक उन्नति को रोकने का एक उत्तम चित्रण है।
- यीशु के क्रूसीकरण से पहले उसके सिर पर गुंथे हुए कांटों का मुकुट रखा गया है।
- यदि संभव हो तो, इन शब्दों का अनुवाद दो अलग-अलग पौधों या झाड़ियों के नाम से किया जाए जो लक्षित भाषा के क्षेत्र में जाने जाते हैं।

(यह भी देखें: मुकुट, फल, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भः

- [इब्रानियों 6:7-8](#)
- [मत्ती 13:7](#)
- [मत्ती 13:22](#)
- [गिनती 33:55](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H0329, H1863, H2312, H2336, H4534, H5285, H5518, H5544, H6791, H6796, H6975, H7063, H7898, G01730, G01740, G46470, G51460

कांपना

परिभाषा:

“कांपना” (थरथराना) अर्थात् भय या घोर निराशा के कारण कंपकंपाना या लगातार कुछ-कुछ हिलना। इस शब्द को लाक्षणिक भाषा में भी काम में लिया जाता है जिसका अर्थ है, “अस्त्रधिक भयभीत होना।”

- कभी-कभी जब जमीन हिलती है, तो इसे "कम्पन" कहा जाता है। ऐसा भूकंप के समय या भयानक विस्फोट के समय होता है।
- बाइबल में लिखा है कि परमेश्वर की उपस्थिति में पृथ्वी कांप उठेगी। इसका अर्थ है कि पृथ्वी के लोग परमेश्वर के भय से कांप उठेंगे या पृथ्वी ही कांप उठेगी।
- इस शब्द का अनुवाद प्रकार के अनुसार हो सकता है, "भय माने" या "परमेश्वर से डरो" या "कांप उठो" या प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: पृथ्वी, भय, प्रभु)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 कुरिच्यियो 7:15](#)
- [2 शमूएल 22:44-46](#)
- [प्रे.का. 16:29-31](#)
- [यिर्माह 5:22](#)
- [लूका 8:47](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1674, H2111, H2112, H2151, H2342, H2648, H2729, H2730, H2731, H5128, H5568, H6342, H6426, H6427, H7264, H7268, H7269, H7322, H7460, H7461, H7481, H7493, H7578, H8078, H8653, G1790, G5141, G5156, G5425

कादेश

तथ्य:

कादेश, कादेशबर्ने और मरीबा का देश आदि सब नाम इस्माएल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण नगर के नाम हैं। जो इस्माएल के दक्षिण में स्थित था, एदोम के निकट।

- कादेश नगर एक मरुद्यान था, रेगिस्तान के मध्य पानी और हरियाली का स्थान, इस रेगिस्तान का नाम सीन था।
- मूसा ने कादेशबर्ने से बारह भेदिए कनान में भेजे थे।
- जंगल में भटकते समय इस्माएल ने कादेश में छावनी डाली थी।
- कादेशबर्ने वह स्थान था जहां मिर्याम की मृत्यु हुई थी।
- मरीबा कादेश में मूसा ने चट्टान को मारकर इस्माएल के लिए पानी निकाला था, अपेक्षा उससे कहने के जैसा परमेश्वर का आदेश था।
- "कादेश" शब्द इब्रानी भाषा का है जिसका अर्थ है "पवित्र" या "पृथक हुआ"

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: रेगिस्तान, एदोम, पवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 48:27-29](#)
- [उत्पत्ति 14:7-9](#)
- [उत्पत्ति 16:13-14](#)
- [उत्पत्ति 20:1-3](#)
- [यहोशू 10:40-41](#)
- [गिनती 20:1](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4809, H6946, H6947

काना

परिभाषा:

काना गलील क्षेत्र में एक गांव या नगर था जो नासरत से लगभग नौ मील उत्तर में बसा हुआ था।

- काना नगर बारहों में से एक नतनएल का जन्म स्थान था।
- यीशु काना नगर में एक विवाहोत्सव में गया था जहां उसने पानी को मदिरा में परिणत करके अपना पहला आश्वर्यकर्म किया था।
- कुछ समय बाद यीशु काना में पुनः आया था जहां उसकी भेंट कफरनहूम के एक अधिकारी से हुई थी जिसने अपने पुत्र की चंगाई के लिए उससे विनती की थी।

(यह भी देखें: कफरनहूम, गलील, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यूहन्ना 2:1-2](#)
- [यूहन्ना 4:46-47](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G25800

कानाफूसी

परिभाषा:

“कानाफूसी” किसी की व्यक्तिगत बातों के बारे में लोगों में चर्चा करना और वह भी प्रतिकूल एवम् निरर्थक! अधिकतर जो बातें की जाती हैं उनकी सत्यता की पुष्टी नहीं की गई होती है।

- बाइबल में किसी के बारे में अनुचित बातें करना गलत है। अफवाह फैलाना और निन्दा करना ऐसी प्रतिकूल बातों के उदाहरण है।
- जिसके बारे में अनुचित बातें की जा रही है, उसकी हानि ही होती है, क्योंकि ऐसा करने से मनुष्यों के साथ उस व्यक्ति के संबन्धों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

(यह भी देखें: झूठा दोष लगाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियुस 05:13](#)
- [2 कुरिच्चियों 12:20](#)
- [लैब्यव्यवस्था 19:15-16](#)
- [नीतिवचन 16:28](#)
- [रोमियो 01:29-31](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5372, G2636, G5397

कालेब

तथ्य:

कालेब उन बारह इस्राएली भेदियों में से एक था जिन्हें मूसा ने कनान की जानकारी लेने के लिए भेजा था।

- उसने और यहोशू ने लोगों से कनानियों को हराने में मदद करने के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखने को कहा।
- यहोशू और कालेब उनकी पीढ़ी के एकमात्र पुरुष थे जिन्हें कनान की प्रतिज्ञा की गई भूमि में प्रवेश करने की अनुमति दी गई थी।
- कालेब ने विनती की कि हेब्रोन की भूमि उसे और उसके परिवार को दी जाए। वह जानता था कि परमेश्वर वहाँ रहने वाले लोगों को हराने में उसकी मदद करेगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हेब्रोन, यहोशू)

बाइबल सन्दर्भ:

- [इतिहास 4:13](#)
- [यहोशू 14:6-7](#)
- [न्यायियों 01:12](#)
- [गिनती 32:10-12](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **14:04** जब इसाएली कनान की सीमा पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह पुरषों को चुना इसाएल के हर गोत्र में से उसने उन पुरषों को आदेश दिया कि जाओ और भूमि का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है।
- **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लाग लम्बे और तेजस्वी है, पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा!"
- **14:08** "यहोशू और कालिब को छोड़कर, जितने बीस वर्ष या उससे अधिक के हैं, वे वहीं मरेंगे और प्रतिज्ञा किए हुए देश में कभी प्रवेश नहीं करेंगे।"

ताकि वे उस देश में शांति से जी सकें।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3612, H3614

किंद्रोन नाला**तथ्यः**

किंद्रोन नाला यरूशलेम के ठीक बाहर अर्थात् पूर्वी दीवार और जैतून पर्वत के मध्य एक गहरी घाटी है।

- यह घाटी 1,000 मीटर से अधिक गहरी और लगभग 32 किलोमीटर लम्बी है।
- जब राजा दाऊद अपने पुत्र, अबशालोम से बचकर भाग रहा था तब वह किंद्रोन नाले से होकर जैतून पर्वत पर चढ़ा था।
- यहूदा के राजा आसा और योशिय्याह ने आज्ञा दी थी कि सब ऊंचे स्थान और झूठे देवताओं की वेदियां जला कर ध्वंस कर दी जाएं तब उनकी राख किंद्रोन नाले में डाल दी गई थी।
- राजा हिजकिय्याह के राज्यकाल में याजक मन्दिर से निकाली गई किसी भी अशुद्ध वस्तु को किंद्रोन घाटी में फेंक देते थे।
- दुष्ट रानी अतल्याह इसी घाटी में घात की गई थी क्योंकि उसने बहुत दुष्टता के काम किए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अबशालोम, आसा, अतल्याह, दाऊद, झूठे देवता, हिजकिय्याह, ऊंचे स्थान, योशिय्याह, यहूदा, जैतून पर्वत)

बाइबल सन्दर्भः

- [यहन्ता 18:1](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5674, H6939, G27480, G54930

किलिकिया**तथ्यः**

किलिकिया एक छोटा रोमी ग्रान्त था जो आज के तुर्किस्तान में दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में था। वह एजीयन सागर के सिरे पर था

- प्रेरित पौलुस किलिकिया के तरसुस नगर का नागरिक था।
- दमिश्क के मार्ग पर यीशु से आमना-सामना करने के बाद पौलुस ने अनेक वर्ष किलिकिया में व्यतीत किए थे।
- किलिकिया के कुछ यहूदियों ने स्तिफनुस का सामना किया था और लोगों को उसे पथराव करने के लिए भड़काया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: पौलुस, स्तिफनुस, तरसुस)

बाइबल संदर्भ:

- [प्रे.का. 06:8-9](#)
- [प्रे.का. 15:39-41](#)
- [प्रे.का. 27:3-6](#)
- [गलातियों 01:21-24](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2791

कीर्ति

परिभाषा:

"कीर्ति" शब्द का अर्थ अच्छी तरह से ज्ञात होने के साथ जुड़ी महानता को दर्शाता है और प्रशंसनीय प्रतिष्ठा प्राप्त करना है। कुछ या कोई "कीर्तिमान" है अगर वह कीर्ति है

- कीर्तिमान मनुष्य जनमान्य एवं प्रतिष्ठित होता है।
- "कीर्ति" शब्द विशेष करके दीर्घकालीन ख्याति का संदर्भ देता है।
- एक शहर जिसे "कीर्तिमान" कहा जाता है वह अक्सर उसके धन और समृद्धि के लिए जाना जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "कीर्ति" का अनुवाद "ख्याति" या "सम्मानित प्रतिष्ठा" या "मनुष्यों में चिर-परिचित महानता" भी हो सकता है।
- "कीर्तिमान" शब्द का अनुवाद "चिरपरिचित एवं सर्वोच्च प्रतिष्ठा" या "उत्कृष्ट प्रतिष्ठा" भी हो सकता है।
- "यहोवा का नाम इसाएल में कीर्तिमान हो" इस उक्ति का अनुवाद "यहोवा का नाम इसाएल द्वारा जाना जाए और आदर के योग्य ठहरे" हो सकता है।
- वाक्यांश "कीर्ति के पुरुषों" का अनुवाद "पुरुष जो आपने साहस के लिए जाने जाते हैं" या "प्रसिद्ध योद्धा" या "अत्यधिक सम्मानित पुरुष" के रूप में किया जा सकता है।
- "तेरी कीर्ति पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहेगी" का अनुवाद "युगानुयुग तक हर एक पीढ़ी तेरी महानता को जानेगी" या "तेरी महानता प्रत्येक पीढ़ी में देखी एवं सुनी जायेगी"।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

- [उत्पत्ति 06:4](#)
- [भजन संहिता 135:12-14](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1984, H7121, H8034

कुँवारी

परिभाषा:

कुँवारी, वह स्त्री होती है जिसने किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबन्ध नहीं बनाए हैं।

- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से जन्म लेगा।
- मरियम यीशु को गर्भ में धारण करके भी कुँवारी थी। उसका सांसारिक पिता नहीं था।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है। (देखें: व्यंजना)।

(यह भी देखें: मसीह, यशायाह, यीशु, मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 24:15-16](#)
- [लूका 1:27](#)
- [लूका 1:35](#)
- [मत्ती 1:23](#)
- [मत्ती 25:2](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 21:9** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी, कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- 22:4** वह (मरियम) एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी।
- 22:5** मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, “यह कैसे होगा, मैं तो एक कुँवारी हूँ?”
- 49:1** एक दूत ने मरियम नाम की एक कुँवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी। अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1330, H1331, G39320, G39330

कुंडली ग्रन्थ

परिभाषा:

प्राचीन युग में, पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चटाई होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे ढंडों पर लपेट दिया जाता था।
- वैध अभिलेखों और धर्म-शास्त्रों के लिए वे पुस्तक स्वरूप काम में लिए जाते थे।
- सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन कुंडली ग्रन्थों पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम ज्यों का त्यों रहता था, तो प्राप्तिकर्ता को विश्वास हो जाता था कि उसे किसी ने खोल कर नहीं पड़ा है या उसमें कुछ और लिख दिया है क्योंकि उसकी मोहर अच्छी है।
- इब्रानी धर्म-शास्त्र की पुस्तक (कुंडली ग्रन्थ) आराधनालयों में ऊंची आवाज़ में पढ़ी जाती थी।

(यह भी देखें: मुहर, आराधनालय, परमेश्वर का वचन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [यिर्म्याह 29:3](#)
- [लूका 4:17](#)
- [गिनती 21:14-15](#)
- [प्रकाशितवाक्य 5:2](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4039, H4040, H5612, G09740, G09750

कुटुम्ब

परिभाषा:

“कुटुम्ब” उन सब सदस्यों के संदर्भ में है जो एक घर में रहते हैं, अर्थात् परिवार के सदस्य और उनके सभी दास।

- एक घर के प्रबंधन में नौकरों को निर्देश देने और संपत्ति की देखभाल भी शामिल है।
- कभी-कभी घराना शब्द का प्रतीकात्मक अर्थ परिवारिक वंशावली भी होता था, विशेष करके वंशज।

(यह भी देखें: घराना)

बाइबल संदर्भः

- [प्रेरि. 07:10](#)
- [गलातियों 06:10](#)
- [उत्पत्ति 07:01](#)
- [उत्पत्ति 34:19](#)
- [यूहन्ना 04:53](#)
- [मत्ती 10:25](#)
- [मत्ती 10:36](#)
- [फिलिप्पियों 04:22](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग्स: H1004, H5657, G2322, G3609, G3614, G3615, G3616, G3623, G3624

कुटम्बी

परिभाषा:

“कुटम्बी” शब्द मनुष्यों के रक्त के रिश्तेदारों को संदर्भित करता है, जिसे समूह के रूप में माना जाता है। “कुटम्बी” अर्थात् पुरुष संबंधी।

- “कुटम्बी” शब्द निकट संबंधी के संदर्भ में ही हैं जैसे माता-पिता या भाई या चाचा-चाची या चचेरे भाई-बहन।
- प्राचीन इसाएल में यदि कोई पुरुष मरता था तो उसके निकट संबंधी को उसकी विधवा से विवाह करना होता था कि वह उसकी संपदा को संभाले और उसके परिवार का नाम छलाए। ऐसे निकट संबंधी को “छुड़ाने वाला कुटुंबी” कहा जाता था।
- इस उक्ति, “कुटम्बी” का अनुवाद हो सकता है, “संबंधी” या “कुटुंब का सदस्य।”

बाइबल सन्दर्भः

- [रोमियो 16:9-11](#)
- [रूत 2:20](#)
- [रूत 3:9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0251, H1350, H4129, H4130, H7138, H7607, G47730

कृष्ण

परिभाषा:

“कुओँ” और “हौद” बाइबल के युग में पानी के दो स्रोत थे।

- कुओँ भूमि में खोदकर बनाया जाता था कि भूगर्भ का पानी वहाँ एकत्र हो जाए।
- हौद भी भूमि में चट्टान खोदकर बनाया जाता था परन्तु वह वर्षा का पानी एकत्र करने के लिए था।
- हौद अधिकतर चट्टानों को काटकर बनाए जाते थे और लेप लगाकर जलरोधक बनाए जाते थे कि उनमें पानी सुरक्षित रहे। “टूटा हुआ हौद” में लेप फट जाता था और उसमें एकत्र पानी बह जाता था।
- हौद अक्सर लोगों के घरों के आंगन में स्थित होते हैं जहाँ छत से बहा हुआ बारिश का पानी संग्रहित होता था।
- कुएँ ऐसी जगह स्थित होते थे जहाँ से अनेक परिवारों या पूरे समुदाय द्वारा पहुंचा जा सके।
- पानी मनुष्यों और पशुओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है इसलिए कुएँ के उपयोग का अधिकार कलह और झगड़ों का कारण होता था।
- कुओँ और हौद दोनों ही को बड़े पत्थर से ढांक दिया जाता था कि उसमें कुछ न गिरे। कुएँ से पानी खींचने के लिए बाल्टी में रस्सी बांधकर पानी निकाला जाता था।
- कभी-कभी सूखा हौद किसी को बन्दी बनाने के लिए काम में आता था जैसा यूसुफ और यिर्माह के साथ किया गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- कुएँ का अनुवाद हो सकता है, “गहरा जल कूप” “पानी के स्रोत का गहरा गड्ढा” या “पानी निकालने का गहरा गड्ढा।”
- “हौद” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पत्थर का जलाशय” या “पानी के लिए गहरा संकीर्ण छिद्र” या “पानी एकत्र करने का भूमिगत जलाशय”
- ये शब्द अर्थ में समान हैं। इन दोनों में जो अन्तर है वह है कि कुएँ में पानी भूगर्भ से निकलता है और हौद में पानी वर्षा का होता है।

(यह भी देखें: यिर्माह, बन्दीगृह, कलह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 11:17](#)
- [2 शमूएल 17:17-18](#)
- [उत्पत्ति 16:14](#)
- [लूका 14:4-6](#)
- [गिनती 20:17](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0875, H0883, H0953, H1360, H4599, H4726, H4841, G40770, G54210

कुरनेलियुस

तथ्य:

कुरनेलियुस, एक अन्यजाति पुरुष था, वह रोमी सेना में एक अधिकारी था।

- वह परमेश्वर से नियमित प्रार्थना करता था और गरीबों को उदारता से दान देता था।
- प्रेरित पतरस से सुसमाचार सुनकर कुरनेलियुस और उसका परिवार यीशु का विश्वासी हो गया।
- कुरनेलियुस और उसका परिवार प्रथम गैर यहूदी थे, जिन्होंने यीशु में विश्वास किया था।
- इससे यीशु के शिष्यों को समझ में आया कि यीशु सबका उद्धार करने आया था, जिनमें अन्यजातियां भी थीं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, अन्य-जाति, शुभ सन्देश, यूनानी, सूबेदार)

बाइबल सन्दर्भः

- प्रे.का. 10:1-2
- प्रे.का. 10:7-8
- प्रे.का. 10:17-18
- प्रे.का. 10:22-23
- प्रे.का. 10:24
- प्रे.का. 10:25-26
- प्रे.का. 10:30-33

शब्द तथ्यः

- Strong's: G2883

कुरिन्युस

तथ्यः

कुरिन्युस नगर यूनान देश का एक नगर था, ऐथेन्स से लगभग 50 मील पश्चिम में। कुरिन्यवासी कुरिन्य नगर के निवासी थे।

- कुरिन्य नगर आरंभिक कलीसियाओं में से एक का स्थान था।
- नये नियम में 1कुरिन्यियों और 2कुरिन्यियों पौलुस द्वारा कुरिन्य की कलीसिया को लिखे पत्र थे।
- पहली प्रचार यात्रा में पौलुस लगभग 18 महीने कुरिन्य नगर में ठहरा था।
- कुरिन्य नगर में पौलुस की भेट दो विश्वासियों, अकिला और प्रिस्किल्ला से हुई थी।
- कुरिन्य की कलीसिया से संबन्धित आरंभिक कलीसियाई अगुवों में थे तीमुथियुस, तीतुस, अप्पुलोस और सीलास।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अप्पुलोस, तीमुथियुस, तीतुस)

बाइबल सन्दर्भः

- 1कुरिन्यियों 1:3
- 2कुरिन्यियों 1:23-24
- 2तीमुथियुस 4:19-22
- प्रे.का. 18:1

शब्द तथ्यः

- Strong's: G2881, G2882

कुरेन

तथ्यः

कुरेन एक यूनानी नगर था, भूमध्य सागर के उत्तरी तट पर अफ्रीका में क्रेते द्वीप समूह के सीधे दक्षिण में।

- नये नियम के युग में विश्वासी और यहूदी दोनों ही कुरेन में रहते थे।
- बाइबल में कुरेन नगर संभवतः यीशु का कूस उठाने वाले शमैन का निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: क्रेते)

बाइबल सन्दर्भः

- प्रे.का. 11:19-21
- मत्ती 27:32-34

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G29560, G29570

कुर्ता

परिभाषा:

बाइबल में, "कुर्ता" शब्द का सन्दर्भ उन वस्त्रों से है जो अन्य वस्त्रों के नीचे त्वचा के स्पर्श में पहने जाते थे।

- “अंगरखा” कंधे से कमर या घृटनों तक पहुंचने वाला वस्त्र था जिसको कमरबन्द से बांधा जाता था। धनवान मनुष्यों द्वारा पहने जाने वाले कुरते में कभी-कभी आस्तीन होती थी और टखनों तक कसा होता था।
- अंगरखे चमड़ा, टाट, ऊन, या सन से बने थे, और पुरुषों और महिलाओं दोनों के द्वारा पहने जाते थे।
- अंगरखा लम्बे बागे के नीचे पहना जाता था, जैसे चौगा या बाहरी वस्त्र। गर्म मौसम में अंगरखेके साथ कभी-कभी बाहरी परिधान नहीं पहना जाता था।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है,, “लंबी कमीज” या “लंबा अधोवस्त्र” या ”कमीज जैसा परिधान।” यह एक तरह से ”अंगरखा” के समान लिखा जा सकता है, और इसको समझाने के लिए कि यह कैसा कपड़े था, टिप्पणी दी जा सकती है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बागा)

बाह्यकल सन्दर्भ:

- [दानियेल 3:21-23](#)
- [यशायाह 22:21](#)
- [लैव्यव्यवस्था 8:12-13](#)
- [लूका 3:11](#)
- [मरकुस 6:7-9](#)
- [मत्ती 10:10](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2243, H3801, H6361, G55090

कुल

परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

- पुराने नियम में इसाएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
- कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
- कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: परिवार, यित्रो, गोत्र)

बाह्यकल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 06:33-35](#)
- [उत्पत्ति 10:2-5](#)
- [उत्पत्ति 36:15-16](#)
- [उत्पत्ति 36:29-30](#)
- [उत्पत्ति 36:40-43](#)
- [यहोशू 15:20](#)
- [गिनती 03:38-39](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

कुलपति

परिभाषा:

“कुलपति” शब्द पुराने नियम में यहूदियों के मूल पिताओं का संदर्भ देता है, विशेष करके अब्राहम, इसहाक और याकूब।

- यह शब्द याकूब के बारह पुत्रों के संदर्भ में भी काम में लिया गया है जो इसाएल के बारह गोत्रों के कुलपति हुए थे।
- “कुलपति” शब्द का अर्थ “पूर्वज” ही है परन्तु इसका विशेष संदर्भ जाति के सर्वाधिक जनमान्य पुरुष पूर्वज से है।

(यह भी देखें: पूर्वज, पिता, पुरखा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 02:29-31](#)
- [प्रे.का. 07:6-8](#)
- [प्रे.का. 07:9-10](#)
- [एज्ञा 03:12-13](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1, H7218, G3966

कुलुस्से**तथ्यः**

नये नियम के युग में कुलुस्से रोमी प्रदेश फ्रूगिया का एक नगर था। आज यह स्थान दक्षिण पश्चिमी तुर्किस्तान है। कुलुस्सेवासी कुलुस्से के निवासी थे।

- भू-मध्यसागर से 100 मील भीतर कुलुस्से इफिसुस और फरात नदी के मध्य एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग था।
- रोम के कारावास में पौलुस ने कुलुस्से के विश्वासियों को पत्र लिखकर झूठी शिक्षाओं का सुधार किया था।
- पत्र लिखते समय पौलुस ने कुलुस्से की कलीसिया से भेंट नहीं की थी। उसने अपने मित्र इपफ्रुदीतुस से उस कलीसिया के बारे में सुना था।
- इपफ्रुदीतुस एक मसीही प्रचारक था जिसने कुलुस्से में कलीसिया संगठित की थी।
- फिलेमोन की पत्री कुलुस्से में ही दासों के एक स्वामी को लिखा पौलुस का पत्र था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इफिसुस, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भः

- [कुलुस्सियों 1:3](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G28570

कुल्हाड़ा**परिभाषा:**

कुल्हाड़ी वृक्ष या लकड़ी काटने का साधन है।

- कुल्हाड़ी में एक लकड़ी का डंडा और लोहा लगा होता है।
- यदि आप की भाषा में लकड़ी काटने का एक साधन है तो "कुल्हाड़ी" के स्थान में उस शब्द का प्रयोग करें।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "पेड़ काटने का साधन", "लकड़ी में लगा हुआ लोहे का उपकरण", या "लकड़ी काटने का लंबे डंडे का साधन"
- पुराने नियम की एक घटना है कि कुल्हाड़ी डंडे में से निकल कर पानी में गिर गई थी, अतः उसके अनुवाद से प्रकट है कि कुल्हाड़ी डंडे से निकल कर गिर सकती है।

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 6:7-8](#)
- [2 राजा 6:5](#)
- [न्यायियों 9:48-49](#)
- [लूका 3:9](#)
- [मत्ती 3:10](#)
- भजन संहिता 35:3

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1631, H4621, H7134, G05130

कुसू**तथ्यः**

कुसू एक फारसी राजा था जिसने सैनिक अभियान द्वारा 550 ई.पू. में फारसी साम्राज्य की स्थापना की थी। इतिहास में वह कुसू महान के नाम से भी जाना जाता है।

- कुसू ने बेबीलोन को जीत लिया था, और तब ही से बन्धुआ इस्माएलियों की मुक्ति का आरंभ हुआ।
- कुसू जीती हुई जातियों के प्रति अपने सहनशील स्वभाव के लिए प्रसिद्ध था। यहूदियों के साथ उसकी उदारता के व्यवहार के कारण ही बन्धुआई के बाद यरूशलेम मन्दिर का पुनः निर्माण हुआ था।
- कुसू के राज्यकाल में दानियेल, एज्रा और नहेम्याह जीवित थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: दानियेल, दारा, एज्रा, नहेम्याह, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 36:23](#)
- [दानियेल 01:21](#)
- [एज्रा 05:13](#)
- [यशायाह 44:28](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3566

कूश

तथ्य:

कूश नहू के पुत्र, हाम का बड़ा पुत्र था। वह निम्रोद का पूर्वज था। उसके दो भाइयों के नाम मिस्र और कनान थे।

- पुराने नियम के युग में इस्माएल के दक्षिण में एक विशाल क्षेत्र का नाम कूश था। संभव है कि उस स्थान का नाम हाम के पुत्र कूश के नाम पर पड़ा था।
- कूश का प्राचीन क्षेत्र अलग-अलग समयों में आज के सूडान, मिस्र, इथोपिया और संभवतः सऊदी अरब का देश थे।
- एक और पुरुष का नाम कूश हुआ है जिसका उल्लेख भजनों में किया गया है। वह एक बिन्यामीनी था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अरब, कनान, मिस्र, इथोपिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 01:8-10](#)
- [यहेजकेल 29:8-10](#)
- [उत्पत्ति 02:13-14](#)
- [उत्पत्ति 10:6-7](#)
- [यिर्म्याह 13:22-24](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3568, H3569, H3570

कूश

तथ्य:

कूश अफ्रीका का एक देश है जो मिस्र के ठीक दक्षिण में है जिसके पश्चिम में नील नदी और पूर्व में लाल सागर है। कूश का निवासी “कूशी” कहलाता है।

- प्राचीन कूश मिस्र के दक्षिण में था और उसकी सीमाओं में आज के अनेक अफ्रीकी देशों को जैसे सूडान, वर्तमान कूश, सोमालिया, केन्या, यूगांडा, केन्ड्रिय अफ्रीका गणराज्य तथा चाड हैं।
- बाइबल में कूश को “कूश” देश या “नूबिया” भी कहा गया है।
- इथोपिया (कूश) और मिस्र देशों का उल्लेख बाइबल में प्रायः एक साथ किया गया है, संभवतः इसलिए कि वे पड़ोसी देश थे और उनके पूर्वज संभवतः एक ही थे।
- परमेश्वर ने प्रचारक फिलिप्पुस को रेगिस्तान में भेजा कि वह इथोपिया के खोजे को यीशु का शुभ सन्देश सुनाए।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कूश, मिस्र, खोजा, फिलिप्पुस)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 08:27](#)
- [प्रे.का. 08:30](#)
- [प्रे.का. 08:32-33](#)
- [प्रे.का. 08:36-38](#)
- [यशायाह 18:1-2](#)
- [नहूम 03:8-09](#)
- [सपन्याह 03:9-11](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G128

के समान

परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का सन्दर्भ ऐसी वस्तु से है जो किसी दूसरी वस्तु के जैसी हो या समरूप हो।

- “समान” शब्द का उपयोग प्रायः लाक्षणिक भाषा की अभिव्यक्ति, “उपमा” में किया जाता है जिसमें एक वस्तु की तुलना किसी और से की जाती है जो प्रायः सामान गुणों को उजागर करती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी” (देखें: उपमा)
- “के सदृश्य होना” या “के सामान सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उस वस्तु या मनुष्य के लक्षण/गुण उसमें होना।
- मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात् उसके “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की “समानता” या “सादृश्य में” है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
- किसी वस्तु या मनुष्य की “समानता में होना” अर्थात् उस वस्तु या मनुष्य के गुण उसमें होना।

अनुवाद के सुझाव

- कुछ संदर्भों में यह उक्ति, “की समानता” का अनुवाद हो सकता है, “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
- “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसकी मृत्यु के अनुभव साझेदारी” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
- “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
- “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।

- “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: पशु, मांस, परमेश्वर का प्रतिरूप, छवि, नाश होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 1:5](#)
- [मरकुस 8:24](#)
- [मत्ती 17:2](#)
- [मत्ती 18:3](#)
- भजन संहिता 73:5
- [प्रकाशितवाक्य 1:12-13](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

केदार

तथ्यः

केदार इश्माएल के दूसरे पुत्र का नाम था। केदार नाम का एक महत्वपूर्ण नगर भी था, संभवतः इसी पुरुष के नाम पर।

- केदार नगर अरब के उत्तरी भाग में पलिश्तीन की दक्षिणी सीमा पर स्थित था। बाइबल के युग में यह नगर अपने वैभव और सौदर्य के लिए प्रसिद्ध था।
- केदार के वंशज एक बड़ी जाति हुए जिन्हें “केदार” के नाम से ही जाना जाता था।
- “केदार के काले तम्बू” इसलिए कहा गया है कि केदार जाति बकरी के काले बालों से बने तम्बूओं में रहते थे।
- यह जाति भेड़ बकरियां पालती थी। वे ऊंट को भी सामान लाने ले जाने में उपयोग करते थे।
- बाइबल में “केदार का वैभव” उस नगर एवं वहाँ के लोगों के बढ़प्पन के संदर्भ में है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अरब, बकरी, इश्माएल, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [श्रेष्ठगीत 01:5-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6938

केदेश

तथ्यः

केदेश एक कनानी नगर था जिसे कनान प्रवेश के समय इस्माएलियों ने जीत लिया था।

- ये शहर इस्माएल के उत्तरी क्षेत्र में स्थापित था, उस भू भाग में जो नप्ताली के गोत्र को दिया गया था।
- केदेश शहर उन चुनिन्दा जगहों में से एक था जहाँ लेवीय याजक रहे थे, क्योंकि उनके पास उनकी अपनी कोई भूमि नहीं थी।
- इस जगह को “शरण का शहर” के रूप में अलग रखा गया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: कनान, हेब्रोन, लेवी, नप्ताली, याजक, शरण, शेकेम, इस्माएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 06:71-73](#)
- [यहोशू 19:35-37](#)
- [न्यायियों 04:10](#)

शब्द तथ्यः**कैन****तथ्यः**

कैन और उसका छोटा भाई हाबिल आदम और हव्वा के प्रथम पुत्र थे जिनका उल्लेख बाइबल में किया गया है।

- कैन एक किसान था और हाबिल पशुपालक था।
- कैन ने ईर्ष्या के कारण क्रोध में आकर अपने भाई हाबिल की हत्या कर दी थी, उसके क्रोधित होने का कारण था कि परमेश्वर ने हाबिल की भेंट स्वीकार की और कैन की भेंट को स्वीकार नहीं किया था।
- दण्डस्वरूप परमेश्वर ने उसे अदन से बाहर निकाल दिया और उसे श्राप दिया कि भूमि उसके लिए फसल उत्पन्न नहीं करेगी।
- परमेश्वर ने कैन के माथे पर एक चिन्ह अंकित कर दिया था कि परमेश्वर उसकी रक्षा करेगा यदि किसी ने उसके प्राण लेने का प्रयास किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आदम, बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 3:12](#)
- [उत्पत्ति 4:2](#)
- [उत्पत्ति 4:9](#)
- [उत्पत्ति 4:15](#)
- [इब्रानियों 11:4](#)
- [यहूदा 1:11](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H7014, G2535

कैफा**तथ्यः**

कैफा यीशु और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में इसाएल का महायाजक था।

- यीशु के अभियोग और दण्ड में कैफा ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- महायाजक हन्ना और कैफा पतरस और यूहन्ना के अभियोग में उपस्थित थे जब उन्हें एक लंगड़े मनुष्य को चंगा करने के लिए बन्दी बनाया गया था।
- कैफा ही था जिसने कहा था कि संपूर्ण देश के विनाश की अपेक्षा, उसके स्थान में एक मनुष्य का मरना उचित है। परमेश्वर ने उससे यह भविष्यद्वाणी करवाई थी कि यीशु अपनी प्रजा के उद्धार के निमित्त जान देगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हन्ना, महा-याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 4:7](#)
- [यूहन्ना 18:12](#)
- [लूका 3:2](#)
- [मत्ती 26:3-5](#)
- [मत्ती 26:57-58](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G25330

कैसर**तथ्यः**

“कैसर” रोमी साम्राज्य के शासकों का पदनाम था। बाइबल में यह नाम तीन रोमी सम्राटों के संदर्भ में आया है।

- पहला, कैसर “औगुस्तस कैसर” था, वह यीशु के जन्म के समय सिंहासन पर था।
- लगभग तीस वर्ष पश्चात जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार कर रहा था तब रोमी साम्राज्य का शासक तिबिरियास कैसर था।
- जब यीशु ने लोगों से कहा था कि जो कैसर का है वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो तब कैसर तिबिरियास ही सिंहासन पर था।
- पौलुस ने कैसर की दोहाई दी थी तब कैसर नीरो सिंहासन पर था।
- “कैसर” शब्द का जब पदनाम स्वरूप उपयोग किया गया है तब इसका अनुवाद “सम्राट्” या “रोमी शासक” किया जा सकता है।
- कैसर औगुस्तस या कैसर तिबिरियास आदि के उल्लेख में “कैसर” शब्द की वर्तनी राष्ट्रीय भाषा में उसके उच्चारण के निकटतम हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: राजा, पौलुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 25:6](#)
- [लूका 2:1](#)
- [लूका 20:23-24](#)
- [लूका 23:2](#)
- [मरकुस 12:13-15](#)
- [मत्ती 22:17](#)
- [फिलिप्पियों 4: 22](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G25410

कैसरिया**तथ्यः**

कैसरिया भूमध्य सागर के तट पर, कर्मेल पर्वत से 39 कि.मी. दक्षिण की ओर, एक महत्वपूर्ण नगर था। कैसरिया फिलिप्पी इसाएल के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हेर्मोन पर्वत के निकट एक नगर था।

- इन नगरों का नाम रोमी सम्राट कैसर के नाम पर पड़ा था।
- यीशु के जन्म के समय तटीय कैसरिया यहुदिया के रोमी प्रांत की राजधानी बन गया।
- प्रेरित पौलुस ने अन्य जातियों में सर्वप्रथम कैसरिया में ही प्रचार किया था।
- पौलुस ने तरसुस के लिए कैसरिया से ही प्रस्थान किया था और अपनी दो प्रचार यात्राओं में वह कैसरिया होकर गया था।
- यीशु और उसके शिष्यों ने कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्रों में सीरिया का ध्रमण किया था। इन दोनों नगरों का नाम हेरोदेस फिलिप्प के नाम पर पड़ा था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कैसर, अन्य-जाति, झील, कर्मेल, पर्वत हेर्मोन, रोम, तरसुस)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 9:30](#)
- [प्रे.का. 10:1-2](#)
- [प्रे.का. 25:1](#)
- [प्रे.का. 25:14](#)
- [मरकुस 08:27](#)
- [मत्ती 16:13-16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G25420, G53760

कोने का पत्थर

परिभाषा:

“कोने का पत्थर” एक बड़ा पत्थर होता है जो विशेष करके तराशा हुआ होता है और भवन की नींव में रखा जाता है।

- भवन के अन्य सब पत्थर इस कोने के पत्थर के संयोजन में रखे जाते हैं।
- यह पत्थर संपूर्ण रचना की दृढ़ता एवं स्थिरता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है।
- नये नियम में विश्वासियों की सभा को उपमा रूप में एक मन्दिर कहा गया है जिसका कोने का पत्थर मसीह यीशु है।
- जिस प्रकार भवन के कोने का पत्थर संपूर्ण भवन की स्थिति को संभालता है और सहारा देता है ठीक उसी प्रकार मसीह यीशु विश्वासियों की सभा का कोने का पत्थर है जिसके द्वारा वह संभाली हुई एवं स्थिर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “कोने के पत्थर” का अनुवाद “भवन का मुख्य पत्थर” या “नींव का पत्थर” किया जा सकता है।
- यहां ध्यान दें कि लक्षित भाषा में भवन की नींव के किसी भाग के लिए कोई शब्द है जो मुख्य आधार है। यदि ऐसा शब्द है तो उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है।
- इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “भवन के कोने के लिए काम में लिया गया नींव का पत्थर”
- यह महत्वपूर्ण है कि इस पत्थर के बड़े होने का तथ्य निहित हो जो भवन के लिए एक ठोस एवं सुरक्षित सामग्री स्वरूप काम में लिया जाता है। यदि भवन निर्माण में पत्थर काम में नहीं लिए जाते हैं तो कोई और शब्द होगा जिसका उपयोग किया जा सकता है और उसका अर्थ, “बड़ा पत्थर” हो (जैसे “चट्टान”) परन्तु उसमें विचार यह हो कि उसको उचित आकार दिया गया है कि वह यथास्थान बैठे।

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 4:11](#)
- [इफिसियों 2:20](#)
- [मत्ती 21:42](#)
- भजन संहिता 118:22

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0068, H6438, H7218, G02040, G11370, G27760, G30370

कोरह

परिभाषा:

कोरह नामक तीन पुरुष पुराने नियम में हुए थे।

- एसाव के पुत्रों में से एक का नाम कोरह था। वह अपने समुदाय का अगुआ था।
- एक लेवी वंशी भी कोरह नाम का था जो मिलापवाला तम्बू(मण्डप) में याजकीय सेवा करता था। उसने मूसा और हारून से ईर्ष्या करके कुछ लोगों के साथ उनके विरुद्ध विद्रोह किया था।
- कोरह नामक तीसरा पुरुष यहूदा की वंशावली में नामांकित है।

(यह भी देखें: हारून, अधिकार, कालेब, वंशज, एसाव, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 1:34-37](#)
- [गिनती 16:1-3](#)
- [गिनती 16:25-27](#)
- भजन संहिता 42:1-2

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स H7141

क्रूस

परिभाषा:

बाइबल के युग में क्रूस एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे भूमि में गाढ़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी भाग में एक आड़ा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी साम्राज्य के समय में, रोमी प्रशासन अपराधियों को क्रूस पर बांध कर या कीलों से ठोक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- यीशु पर अपराध का झूठा दोष लगाकर रोमियों ने उसे क्रूस की मृत्यु दी थी।
- ध्यान दें कि यह क्रिया "पार करना" एक अलग शब्द है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

अनुवाद के सुझावः

- इसका अनुवाद लक्षित भाषा में क्रूस का आकार व्यक्त करने वाले शब्द से किया जा सकता है।
- क्रूस की व्याख्या इस प्रकार करें कि स्पष्ट हो कि उस पर मनुष्यों को मृत्युदण्ड दिया जाता था जैसे "मृत्यु दण्ड स्तंभ" या "मृत्यु वृक्ष"।
- स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ाना, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियों 1:17](#)
- [कुलस्सियों 2:15](#)
- [गलातियों 6:12](#)
- [यूहन्ना 19:18](#)
- [लूका 9:23](#)
- [लूका 23:26](#)
- [मत्ती 10:38](#)
- [फिलिप्पियों 2:8](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **40:1** सैनिकों द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो **क्रूस** उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:2** सैनिक यीशु को उस स्थान पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी का स्थान कहलाता है, वहाँ पहुँचकर **क्रूस** पर उसके हाथों और पाँवों को कीलों से ठोक दिया।
- **40:5** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का मजाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो **क्रूस** पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”
- **49:10** जब यीशु **क्रूस** पर मरा, तब उसको तुम्हारा दण्ड भोगना पड़ा था।
- **49:12** तुम्हें विश्वास करना होगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, कि वह तुम्हारी जगह **क्रूस** पर बलिदान हुआ, और यह कि परमेश्वर ने उसे फिर मुर्दँ में से जीवित कर दिया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G47160

क्रूस पर चढ़ाना**परिभाषा:**

“क्रूस पर चढ़ाना” इस उक्ति का अर्थ है, किसी को क्रूस पर लटका कर छोड़ देना कि वह घोर पीड़ा में मर जाए।

- अपराधी को क्रूस पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोक कर लटकाया जाता था। क्रूस पर लटकाया हुआ व्यक्ति रक्त की कमी से या सांस लेने में कठिनाई के कारण मर जाता था।
- प्राचीन रोमी साम्राज्य में मृत्यु-दण्ड की यह विधि प्रायः काम में ली जाती थी, विशेष करके भयानक अपराधियों के लिए या सरकार के विद्रोहियों के लिए।
- यहूदियों के अगुओं ने रोमी अधिपति को विवश किया कि वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को आज्ञा दे। सैनिकों ने यीशु को कीलों से क्रूस पर ठोका था। यीशु ने मरने से पूर्व छः घंटे दुःख उठाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्रूस पर चढ़ाने का अनुवाद किया जा सकता है, “क्रूस पर मृत्यु” या “क्रूस पर कीलों से ठोक कर मृत्यु-दण्ड देना”।

(यह भी देखें: क्रूस, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 02:23](#)
- [गलतियों 2: 20-21](#)
- [लूका 23:20-22](#)
- [लूका 23:34](#)
- [मत्ती 20:17-19](#)
- [मत्ती 27:23-24](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:11** लेकिन यहूदी अगुवों और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, ‘उसे क्रूस पर चढ़ाओं।’
- **39:12** परन्तु पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को **क्रूस पर चढ़ाए** जाने के लिए सैनिकों को सौंप दिया। यीशु के **क्रूसीकरण** में उसने प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- **40:1** सैनिकों द्वारा यीशु का मजाक उड़ाने के बाद, वह यीशु को **क्रूस पर चढ़ाने** के लिये ले गए। उन्होंने यीशु से वो क्रूस उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:4** यीशु को दो डाकुओं के बीच **क्रूस पर चढ़ाया** गया।
- **43:6** “हे इस्साएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर के सामर्थ्य से कई आश्वर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने अधर्मियों के हाथ उसे **क्रूस पर चढ़ावाकर मार डाला।**”
- **43:9** “उसी यीशु को जिसे तुमने **क्रूस पर चढ़ाया।**”
- **44:8** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने यीशु को **क्रूस पर चढ़ाया,** परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G03880, G43620, G47170, G49570

क्रेते

तथ्यः

क्रेते एक द्वीप है यूनान के दक्षिणी तट पर स्थित है। "क्रेती" वह है जो क्रेते द्वीप पर रहता है।

- प्रेरित पौलुस अपनी सेवकाई की यात्रा में क्रेते द्वीप पर गया था।
- पौलुस ने अपने सहकर्मी तीतुस को क्रेते पर छोड़ दिया था कि वह वहां मसीहियों को सिखाएं और कलीसिया के अगुओं को नियुक्त करे।

(अनुवाद संबंधित सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल संदर्भः

- [प्रेरि. 02:8-11](#)
- [प्रेरि. 27:8](#)
- [आमोस 09:7-8](#)
- [तीतुस 01:12](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: G2912, G2914

क्रोध

तथ्यः

"क्रोध" अर्थात् नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कृपित मनुष्य का संदर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

- क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
- क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: क्रोध, संयम)

बाइबल संदर्भः

- [प्रे.का. 04:25](#)
- [दानियेल 03:13](#)
- [लूका 04:28](#)
- [गिनती 25:11](#)
- [नीतिवचन 19:03](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

क्रोध

परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

- बाइबल में "प्रकोप" शब्द प्रायः परमेश्वर के विरुद्ध पाप करनेवालों के विरुद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
- "परमेश्वर का क्रोध" उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
- परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

अनुवाद के सुझावः

- अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "भयानक क्रोध" या "धर्मनिष्ठ न्याय" या "क्रोध"
- परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: न्याय, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 थिसलुनीकियो 1:8-10](#)
- [1 तीमुथियुस 2:8-10](#)
- [लूका 3:7](#)
- [लूका 21:23](#)
- [मत्ती 3:7](#)
- [प्रकाशितवाक्य 14:10](#)
- [रोमियो 1:18](#)
- रोमियो 5:9

शब्द तथ्यः

- स्तरोंग: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

क्षमा करना**परिभाषा:**

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उससे बैर नहीं रखना चाहे उसने पीड़ादायक व्यवहार किया हो। "क्षमा" किसी को दोषमुक्त करने का कार्य है।

- किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए उसको दण्ड न देना।
- लाक्षणिक भाषा में इस शब्द के उपयोग का अर्थ है, "निरस्त करना" जैसा इस अभिव्यक्ति में है, "ऋण क्षमा करना"
- मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर कूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज्जा न देना।

- इस शब्द का अर्थ वही है जो "क्षमा करने" का है परन्तु इसमें दोषी को दंड न देने के औपचारिक निर्णय का भाव भी समाहित हो सकता है।
- न्यायालय में, न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
- यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु मसीह ने हमें कूस पर उसकी मृत्यु के आधार पर हमारे नरक के दंड को क्षमा कर देता है।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार, "क्षमा करना" के अनुवाद हो सकते हैं, "दोष मार्जन" या "निरस्त करना" या "मुक्त करना" या "(किसी के) विरुद्ध मन में कुछ न रखना।"
- शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, "न पछताने का अभ्यास" या "(किसी को) निर्दोष घोषित करना" या "क्षमादान का कार्य"।
- यदि भाषा में क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए कोई शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमादान" के अनुवाद में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 50:17](#)
- [गिनती 14:17-19](#)
- [व्यवस्थाविवरण 29:20-21](#)
- [यहोशू 24:19-20](#)
- [2 राजाओं 5:17-19](#)
- भजन संहिता 25:11
- भजन संहिता 25:17-19
- [यशायाह 55:6-7](#)
- [यशायाह 40:2](#)
- [लूका 5:21](#)
- [प्रे.का. 8:22](#)
- [इफिसियों 4:31-32](#)
- [कुलस्मियों 3:12-14](#)
- [1 यूहन्ना 2:12](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **7:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही **क्षमा** कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
- **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को **क्षमा** कर दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें **क्षमा किया**।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे **क्षमा किया**।
- **21:5** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समग्रज़ँगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग होंगे, और परमेश्वर उनका अधर्म **क्षमा करेगा**।

- 29:1 एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा, “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ?”
- 29:8_ तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।
- 38:5 फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओ। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिये बहाया जाता है।

शब्द तथ्यः

- H5546, H5547, H3722, H5375, H5545, H5547, H7521, G859, G863, G5483

क्षयर्ष

तथ्यः

क्षयर्ष एक राजा था जिसने फारस के प्राचीन साम्राज्य पर 20 वर्ष राज किया था वाला।

- यह वह समय था जब बन्धुआ यहूदी बेबीलोन में थे और बेबीलोन फारसी राजा के अधीन हो गया था।
- हो सकता है कि इस राजा का दूसरा नाम क्षयर्ष रहा हो।
- क्रोध में आकर अपनी रानी को पदच्युत करके क्षयर्ष ने एक यहूदी स्त्री, एस्तेर को अपनी पत्नी और रानी बनाया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बेबीलोन, एस्तेर, इथोपिया, बन्धुआई, फारस)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 09:01](#)
- [एस्तेर 10:1-2](#)
- [एज्ञा 04:7-8](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H325

खजूर

परिभाषा:

“खजूर” एक लम्बा वृक्ष होता है जिसके पत्ते और डालियां तन्मयशील होती हैं और ऊपर ही ऊपर पल्लवित होती हैं तथा पंखे के सदृश्य दिखाई देती हैं।

- बाइबल में जिस खजूर वृक्ष का उल्लेख किया गया है उसके फलों को “खजूर” कहते हैं। उसकी पत्तियां पक्षी के पंख जैसी होती हैं।
- खजूर का वृक्ष गर्म नम जलवायु में उगता है। उसकी पत्तियां पुरे वर्ष हरी रहती हैं।
- जब यीशु गधे पर सवार होकर यरूशलेम प्रवेश कर रहा था तब लोगों ने उनके सामने मार्ग में खजूर की डालियां बिछा दी थीं।
- खजूर की डालियां शान्ति और विजय के उत्सव का प्रतीक हैं।

(यह भी देखें: गदहे, यरूशलेम, शान्ति)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 6:29-30](#)
- [यहेजकेल 40:14-16](#)
- [यूहन्ना 12:12-13](#)
- [गिनती 33:9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3712, H8558, H8560, H8561, G54040

खतना करना

परिभाषा:

खतना करने का अर्थ है पुरुष या बालक का शिश्वाग्रच्छद विच्छेदित कर देना। इसके साथ खतना अनुष्ठान भी किया जा सकता था।

- परमेश्वर ने अब्राहम को आज्ञा दी थी कि उनके साथ बांधी परमेश्वर की वाचा के चिन्ह स्वरूप वह अपने परिवार के सब पुरुषों का खतना करे जिनमें सेवक भी सम्मिलित हों।
- परमेश्वर ने अब्राहम के वंशजों को भी यही आज्ञा दी थी कि वे अपने घरों में जन्मे हर एक लड़के के साथ ऐसा ही करते रहें।
- “हृदय का खतना” अर्थात् मनुष्य में से पाप का “विच्छेदन” या पाप का उन्मूलन।
- आत्मिक परिप्रेक्ष्य में, “खतना” उन लोगों को संदर्भित करता है जिन्हें परमेश्वर ने यीशु के लहू द्वारा पाप से शुद्ध किया और जो उसके अपने लोग हैं।
- “खतनारहित” का अर्थ है जिनका शारीरिक खतना नहीं हुआ है। इसका प्रतीकात्मक संदर्भ उन लोगों से भी है जिनका आत्मिक खतना नहीं हुआ है अर्थात् जिनका संबन्ध परमेश्वर से नहीं है।
- “खतनारहित” और “खतनाविहीनता” शब्दों का सन्दर्भ उन पुरुषों से है जिनका शारीरिक खतना नहीं हुआ है। इन शब्दों का उपयोग लाक्षणिक भाषा में भी किया जाता है।
- मिस्रियों में भी खतना का प्रचलन था। अतः जब परमेश्वर मिस्र की हार खतनारहित लोगों के हाथों होने की चर्चा करता है तब इसका अर्थ है, परमेश्वर उन लोगों के सन्दर्भ में कह रहा है जिनसे मिस्री घृणा करते थे क्योंकि उनका खतना नहीं हुआ था।
- बाईंबल में उन लोगों की चर्चा की गई है जिनका “हृदय खतनारहित” है या जो “हृदय में खतनारहित है।” लाक्षणिक भाषा में इसका अर्थ है, वे लोग जो परमेश्वर के अपने नहीं हैं और हाथ करके वे परमेश्वर के अवज्ञाकारी हैं।
- यदि आपकी भाषा में खतना काम में लिया जाता है या परिचित शब्द है तो “खतनारहित” का अनुवाद हो सकता है, “खतना नहीं किया गया”
- इस अभिव्यक्ति, “खतनाविहीनता” का अनुवाद, प्रकरण के अनुसार हो सकता है, “वे मनुष्य जिनका खतना नहीं हुआ है” या “मनुष्य जो परमेश्वर के अपने नहीं हैं”

- लाक्षणिक भाषा में इस शब्द के उपयोग का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के लोग नहीं" या "उन लोगों के सदृश्य विद्रोही जो परमेश्वर के अपने लोग नहीं हैं" या "वे लोग जिनमें परमेश्वर के होने के लक्षण नहीं हैं"
- हृदय के खतनारहित" इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "हठीले विद्रोही" या विश्वास का इनकार करने वाले।" तथापि, यदि संभव हो तो इस अभिव्यक्ति को ही रखना या सहार्थी अभिव्यक्ति को रखना ही सर्वोत्तम है क्योंकि आत्मिक खतना एक अत्यधिक महत्वपूर्ण धारणा है।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में पुरुषों का खतना किया जाता है तो यहां इसी शब्द का उपयोग किया जाए।
- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "चारों ओर से काटना", "गोलाई में काटना" या "अग्र त्वचा काटना"।
- जिन संस्कृतियों में खतना नहीं जाना जाता है वहां पाद टिप्पणी या शब्दावली में इसकी व्याख्या करना आवश्यक है।
- सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद स्त्रियों के संदर्भ में न हो। आवश्यक है कि इसका अनुवाद एक ऐसे शब्द के साथ किया जाए जिससे पुरुषों का संदर्भ व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें) (यह भी देखें: अब्राहम, वाचा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 17:11](#)
- [उत्पत्ति 17:14](#)
- [निर्गमन 12:48](#)
- [लैव्यव्यवस्था 26:41](#)
- [यहोशू 5:3](#)
- [न्यायियों 15:18](#)
- [2 शमूएल 1:20](#)
- [यिर्मयाह 9:26](#)
- [यहेजकेल 32:25](#)
- [प्रे.का. 10:44-45](#)
- [प्रे.का. 11:3](#)
- [प्रे.का. 15:1](#)
- [प्रे.का. 11:3](#)
- [रोमियों 2:27](#)
- [गलातियों 5:3](#)
- [इफिसियों 2:11](#)
- [फिलिप्पियों 3:3](#)
- [कुलुसियों 2:11](#)
- [कुलुसियों 2:13](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 5:3 "तू अपने परिवार में हर एक पुरुष का खतना अवश्य करो।"
- 5:5 उस दिन अब्राहम ने उसके घर में सभी पुरुषों का खतना किया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H4135, H4139, H5243, H6188, H6189, H6190, G02030, G05640, G19860, G40590, G40610

खमीर

परिभाषा:

"खमीर" एक पदार्थ का सामान्य शब्द है जिसके कारण रोटी का आटा फूल कर उठ जाता है। "खमीर" एक विशिष्ट प्रकार का किणवीकरण है।

अंग्रेजी अनुवादों में खमीर का अनुवाद "पीस्ट" किया गया है। यह आधुनिक खमीर का कारक है जिससे आटे में झाग उठते हैं इससे पकाने के पूर्व आटा फूल जाता है। आटा गूंधते समय उसमें खमीर मिलाया जाता है कि वह पूरे आटे में मिश्रित हो जाए।

- पुराने नियम के युग में खमीर उत्पन्न करने के लिए आटे को कुछ समय गूंधकर रख दिया जाता था * खमीर किए हुए आटे का एक अंश रख दिया जाता था कि नये आटे को खमीर करने के काम में आए।
- मिस से निकलते समय इसाएलियों के पास समय नहीं था कि आटे को खमीर होने की प्रतीक्षा करें। अतः उन्होंने मार्ग के लिए अखमीरी रेटियाँ बनाई थी। इस बात की स्मृति में यहूदी प्रति वर्ष फसह के पर्व में अखमीरी खाया करते थे।
- बाइबल में खमीर को पाप के लिए प्रतीकात्मक रूप में उपयोग किया गया है कि वह मनुष्य के संपूर्ण जीवन में फैल जाता है और अन्य मनुष्यों को भी प्रभावित करता है।
- यह झूठी शिक्षा के सन्दर्भ में भी उपयोग किया गया है जो प्रायः लोगों में शीघ्र व्याप्त हो जाती है और उन्हें प्रभावित करती है।
- "खमीर" को सकारात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है कि परमेश्वर का राज्य कैसे मनुष्य से मनुष्य में फैल जाता है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद हो सकता है, "खमीर" या "वह वस्तु जो आटे को फुला देती है" या "फुलानेवाला पदार्थ।" * "फुलाना" का अनुवाद हो सकता है, "फैलना" या "बड़ा होना" या "मोटा हो जाना।"
- यदि आटे को खमीर करने के लिए कोई और स्थानीय वस्तु काम में ली जाती है तो अनुवाद में उसका उपयोग करें। यदि लक्षित भाषा में इसके लिए कोई चिरपरिचित वस्तु है जिसका अर्थ है, "खमीर करना," वह शब्द प्रयोग करने के लिए उत्तम शब्द होगा।

(यह भी देखें: मिस, फसह, अखमीरी रोटी)

बाइबल संदर्भ:

- [निर्गमन 12:8](#)
- [गलातियों 5:9-10](#)
- [लूका 12:1](#)
- [लूका 13:21](#)
- [मत्ती 13:33](#)
- [मत्ती 16:8](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2556, H2557, H4682, H7603, G01060, G22190, G22200

खराई**परिभाषा:**

“मन की खराई” का संदर्भ सत्यनिष्ठा और दृढ़ नैतिक सिद्धान्तों एवं आचरण से है।

- खराई का अर्थ यह भी है कि जब कोई देख न रहा हो तब भी सच्चाई और उचित काम करना।
- बाइबल के कुछ पात्र जैसे यूसुफ एवं दानियेल ने मन की खराई का प्रदर्शन किया था जब उन्होंने बुराई करने का परित्याग और परमेश्वर की आज्ञा मानने का निर्णय लिया था।
- नीतिवचन की पुस्तक में लिखा है कि धनवान और भ्रष्ट या अनिष्ट होने की अपेक्षा खरा एवं दरिद्र होना उत्तम है।

अनुवाद सुझाव

- “खराई” का अनुवाद, “सत्यनिष्ठा” या “नैतिक औचित्य” या “सत्यवादी व्यवहार” या “विश्वासयोग्य, ईमानदारी से काम करना” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दानियेल, यूसुफ (पुराना नियम))

बाइबल संदर्भः

- [1 राजा 09:4-5](#)
- [अथूब 02:3](#)
- [अथूब 04:4-6](#)
- [नीतिवचन 10:8-9](#)
- भजन संहिता 026:1-3

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3476, H6664, H6666, H8535, H8537, H8538, H8549, G4587

खारा ताल**तथ्यः**

खारा ताल (जिसे मृत सागर भी कहा जाता है) पश्चिम में दक्षिणी इसाएल और पूर्व में मोआब के मध्य था।

- यरदन नदी दक्षिण की ओर बहकर मृत-सागर में गिरती है।
- क्योंकि यह समुद्र से छोटा है, इसे "नमक की झील" कह सकते हैं।
- इस सागर में लवणों की मात्र बहुत अधिक है जिसका अर्थ है कि इसमें जीवन पनप नहीं सकता है। पौधों और जानवरों की कमी "मृत सागर" नाम का कारण है।
- पुराने नियम में इस सागर को "अराबा का सागर" भी कहा गया है या "नेगेव का सागर" क्योंकि इसका भौगोलिक स्थान अराबा और नेगेव के क्षेत्रों के निकट है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अम्मोन, अराबा, , यरदन नदी, मोआब, नेगेव)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 20:1-2](#)
- [व्यवस्थाविवरण 03:17](#)
- [यहोशू 03:14-16](#)
- [गिन 34:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3220, H4417

खोजे**परिभाषा:**

“खोजे” शब्द उस पुरुष के संदर्भ में है जिसका बधियाकरण किया गया हो। उत्तरकाल में यह शब्द सब सरकारी अधिकारियों के लिए काम में आने लगा चाहे वे सर्वांग थे।

- यीशु ने कहा कि कुछ नपुंसक स्वाभाविक रूप से जन्म लेते हैं संभवतः क्षतिग्रस्त अंग के कारण या यौन-शक्ति न होने के कारण। कुछ नपुंसकों के समान अविवाहित जीवन जीते हैं।
- प्राचीन युग में नपुंसक व्यक्ति राजा के सेवक होते थे जिन्हें स्त्रियों की रक्षा के लिए रखा जाता था।
- कुछ नपुंसक मनुष्य महत्वपूर्ण राजकीय अधिकारी होते थे जैसे कूश देश के खोजे जिससे फिलिप्पुस ने रेगिस्तान में भेट की थी।

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 08:26-28](#)
- [प्रे.का. 08:36-38](#)
- [प्रे.का. 08:39-40](#)
- [यशायाह 39:7-8](#)
- [यिर्मायाह 34:17-19](#)
- [मत्ती 19:10-12](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5631, G2134, G2135

खीस्त**तथ्यः**

“मसीह” या “खीस्त” का अर्थ है, “अभिषिक्त-जन” और परमेश्वर के पुत्र यीशु के संदर्भ में है।

- “मसीह” और “ख्रिस्त” दोनों शब्द नये नियम में परमेश्वर के पुत्र के संदर्भ में हैं जिसे पिता परमेश्वर ने अपने लोगों पर राज करने और पाप एवं मृत्यु से उनका उद्धार करने के लिए नियुक्त किया है।
- पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने मसीह के विषय भाविश्यद्वाणियाँ लिखी थीं जो पृथ्वी पर उसके आगमन से सैकड़ों वर्ष पूर्व की थी।
- पुराने नियम में एक शब्द का प्रायः उपयोग किया गया है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त(जन)” जिसका सन्दर्भ मसीह से है जिसके आने की प्रतीक्षा की जा रही थी।
- यीशु ने इन भविष्यवाणियों में से कई को पूरा किया और कई चमत्कार किए जो सिद्ध करते हैं कि वह मसीह है; शेष भविष्यद्वाणियाँ यीशु के पुनः आने पर पूरी होगी।
- “मसीह” शब्द को अधिकतर “मसीह” और “मसीह यीशु” जैसे पदनामों में प्रयोग किया जाता है।
- “ख्रीस्त” शब्द भी उसके नाम के साथ काम में लिया जाता है जैसे, “ख्रीस्त यीशु”

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद इसके अर्थ के साथ किया जा सकता है, “अभिषिक्त जन” या “परमेश्वर का अभिषिक्त उद्धारकर्ता”।
- अनेक भाषाओं में इन शब्दों का लिप्यान्तरण किया गया है जो “ख्रीस्त” या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)
- लिप्यान्तरित शब्द का अनुवाद इस शब्द की परिभाषा के अनुसार किया जा सकता है, जैसा “मसीह, अभिषिक्त जन” में।
- इसका अनुवाद सम्पूर्ण बाइबल में अपरिवर्तनीय हो जिससे कि स्पष्ट हो कि एक ही निश्चित शब्द का सन्दर्भ दिया जा रहा है।
- सुनिश्चित करें कि “मसीहा” और “ख्रीस्त” शब्दों के अनुवाद उन संदर्भों में अर्थवान हों जहां एक ही पद में इन दोनों शब्दों का प्रयोग किया गया है (जैसे यूहन्ना 1:41)

(यह भी देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर का पुत्र, दाउद, यीशु, अभिषेक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 5:1-3](#)
- [प्रे.का. 2:35](#)
- [प्रे.का. 5:40-42](#)
- [यूहन्ना 1:40-42](#)
- [यूहन्ना 3:27-28](#)
- [यूहन्ना 4:25](#)
- [लूका 2:10-12](#)
- [मत्ती 1:16](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **17:7** मसीह परमेश्वर का चुना हुआ है जो संसार को पाप से छुड़ाएगा।
- **17:8** लेकिन वास्तव में, **मसीह** के आने से पहले इसाएलियों को एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 वर्षों तक।
- **21:1** आरम्भ से ही, परमेश्वर ने **मसीह** को भेजने की योजना बनाई थी।
- **21:4** परमेश्वर ने राजा दाऊद से प्रतिज्ञा की थी कि **मसीह** दाऊद के अपने वंश में से होगा।
- **21:5** मसीह नई वाचा का आरम्भ करेगा।
- **21:6** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ओ ने यह भी कहा कि, **मसीह** भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होगा।
- **21:9** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी, कि एक कुँवारी से **मसीह** का जन्म होगा।
- **43:7** "परन्तु परमेश्वर ने उस भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए उसको जीवित खड़ा किया, जिसमें लिखा है, तू अपने _ पवित्र जन_ को कब्र में सङ्घर्षने नहीं देगा।"
- **43:9** "परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और **मसीह** भी!"
- **43:11** पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करे और यीशु_ मसीह_ के नाम में बपतिस्मा ले कि परमेश्वर तुम्हारे पाप क्षमा करे।"

- ४६:६ शाऊल यहूदियों से विवाद करता था, और सिद्ध करता था कि यीशु ही मसीह है।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4899, G33230, G55470

गङ्गा

परिभाषा:

गङ्गा भूमि में खोदा गया गङ्गा होता है।

- "कुण्ड" जल संग्रह के लिए खोदा गया गङ्गा होता था।
- भूमि में गङ्गा खोदने के दो कारण मुख्य थे, पशुओं को फंसाना या पानी निकालना।
- गङ्गा बन्दी को रखने का अस्थाई स्थान भी होता है।
- कभी-कभी "गङ्गा" शब्द कब्र या नरक के लिए भी काम में लिया गया है। कभी-कभी इसका संदर्भ "अथाह-कुण्ड" से भी है।
- "गङ्गा" शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में भी किया गया है, जैसे, "विनाश का गर्त" जिसका अर्थ है विनाशकारी परिस्थिति में फंसना या पापी विनाशक अभ्यासों में पड़ जाना।

(यह भी देखें: अथाह कुण्ड, नरक, बन्दीगृह)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 37:21-22](#)
- [अयूब 33:18](#)
- [लूका 6:39](#)
- [नीतिवचन 1:12](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0875, H0953, H1356, H1475, H2352, H4087, H4113, H4379, H6354, H7585, H7745, H7816, H7825, H7845, H7882, G00120, G09990, G54210

गत

तथ्यः

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अशदोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

- पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
- शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इसाएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अशदोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहाँ के निवासियों को रोगप्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इसाएल भेज दिया था।
- राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहाँ रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अशदोद, अश्कलोन, एक्रोन, गाज़ा, गोलियत, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 02:39-40](#)
- [1 शमूएल 05:8-9](#)
- [2 इतिहास 26:6-8](#)
- [यहोशू 11:21-22](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1661, H1663

गतसमनी

तथ्यः

गतसमनी किद्रोन घाटी के पार, यरूशलेम के पूर्व में जैतून पर्वत के निकट जैतून के वृक्षों की एक वाटिका थी।

- गतसमनी का बाग एक ऐसा स्थान था जहाँ यीशु और उसके चेले भीड़ से दूर अकेले रहने और विश्राम करने जाते थे।
- गतसमनी में ही यहूदी अगुवों द्वारा गिरफ्तार किए जाने से पहले यीशु ने गहरे दुख में प्रार्थना की थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: यहूदा इस्करियोति, किद्रोन घाटी, जैतून पर्वत)

बाइबल सन्दर्भः

- [मरकुस 14:32](#)
- [मत्ती 26:36](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G10680

गदहा

परिभाषा:

गदहा एक घोड़े जैसा चौपाया है जिसका कद घोड़े से कम होता है और कान अधिक लंबे होते हैं।

- खच्चर घोड़ी और गदहे का बच्चा होता है वह नपुंसक होता है।
- खच्चर शक्तिशाली पशु है इसलिए उसे अधिक काम का माना जाता है।
- खच्चर और गदहा, दोनों बोझ उठाने तथा मनुष्य की सवारी में काम में आते हैं।
- बाइबल के युग में राजा शान्ति के समय गदहे की सवारी करते थे, न कि घोड़े की क्योंकि घोड़ा युद्ध में काम आता था।
- यीशु अपने क्रूसीकरण से एक सप्ताह पूर्व युवा गदहे पर बैठकर यस्तलेम में आया था।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 1:32-34](#)
- [1 शमूएल 9:4](#)
- [2 राजा 4:21-22](#)
- [व्यवस्थाविवरण 5:12-14](#)
- [लूका 13:15](#)
- [मत्ती. 21:2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H860, H2543, H3222, H5895, H6167, H6501, H6505, H6506, G3678, G3688, G5268

गन्धक

परिभाषा:

“गन्धक” एक पीले रंग का पदार्थ होता है जो आग में डालने के बाद जलने वाला तरल पदार्थ हो जाता है।

- गन्धक की गंध तीव्र होती है जो सड़े हुए अंडे की गंध की तरह है।
- बाइबल में जलता हुआ गंधक अभक्त एवं विद्रोही मनुष्यों के लिए दण्ड का प्रतीक है।
- लूत के समय मैं परमेश्वर ने सदोम और अमोरा के दुष्ट नगरों पर आग और गन्धक बरसाया था।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में गन्धक को “ज्वलनशील पत्थर” कहा गया है जिसका शाब्दिक अर्थ है “जलता हुआ पत्थर।”

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द का संभावित अनुवाद हो सकता है, “पीला पत्थर जो आग पकड़ता है” या “जलनेवाला पीला पत्थर”।

(यह भी देखें: आमोरा, न्याय करना, लूत, बलवा करना, सदोम, अभक्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 19:24](#)
- [यशायाह 34:9](#)
- [लूका 17:29](#)
- [प्रकाशितवाक्य 20:10](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1614, G23030

गन्धरस**परिभाषा:**

“गन्धरस” एक तेल या मसाला होता था जो मूर के पेड़ से निकाले हुआ गोंद से तैयार किया जाता था, यह वृक्ष अफ्रीका और एशिया में उगता है और लोबान की प्रजाति का है।

गन्धरस धूप, इत्र, और औषधी बनाने तथा कब्र में रखने के लिए शर्वों का अभ्यंजन करने के भी काम में लिया जाता था।

- गन्धरस यीशु के जन्म पर ज्योतिषियों द्वारा चढ़ाई गई भेंटों में से एक था।
- यीशु जब कूस पर लटका हुआ था तब गन्धरस मिश्रित मदिरा उसे दी गई थी कि उसकी पीड़ा कम जो जाए।

(यह भी देखें: लोबान, ज्योतिषियों)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 30:22-25](#)
- [उत्पत्ति 37:25-26](#)
- [यूहन्ना 11:1-2](#)
- [मरकूस 15:23](#)
- [मत्ती 2:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3910, H4753, G34640, G46660, G46690

गरार**तथ्यः**

गरार कनान में एक नगर और प्रदेश था, हेब्रोन के दक्षिण पूर्व में और बेर्शेबा के उत्तर पश्चिम में।

- राजा अबीमेलेक गरार में अब्राहम और सारा के आप्रवास के समय गरार का राजा था।
- जब इसाएली कनान में रह रहे थे तब गरार पर पलिश्तियों का अधिकार था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एबी मेलेक, बेर्शेबा, हेब्रोन, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 14:12-13](#)
- [उत्पत्ति 20:1-3](#)
- [उत्पत्ति 26:1](#)
- [उत्पत्ति 26:6-8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1642

गर्भ**परिभाषा:**

“गर्भ” अर्थात् स्त्री के शरीर में भूण विकास का अंग।

- यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टाचार सीधी भाषा के लिए किया गया है। (देखें: व्यंजना)।
- “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भशय”।
- कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
- लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करें।

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 25:23](#)
- [उत्पत्ति 25:24-26](#)
- [उत्पत्ति 38:27-28](#)
- [उत्पत्ति 49:25](#)
- [लूका 2:21](#)
- [लूका 11:27](#)
- [लूका 23:29](#)
- [मत्ती 19:12](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोगः H0990, H4578, H7356, H7358, G10640, G28360, G33880

गर्भवती होना

परिभाषा:

“गर्भधारण” या “गर्भवती होना” का अर्थ है “सन्तान को गर्भ में धारण करना” यह शब्द पशुओं के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

- “गर्भवती होना” का अनुवाद “गर्भधारण करना” या इसके तुल्य कोई अन्य स्वीकार्य शब्द हो तो उसका उपयोग करें।
- इससे संबंधित शब्द “गर्भवती होना” का अनुवाद “गर्भधारण का आरंभ” या “गर्भधारण का पल”।
- इसका संदर्भ किसी बात की रचना या विचार करना जैसे धारणा, योजना या कार्य से भी हो सकता है। इसके अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विचारना” या “योजना बनाना” या “रचना करना” जो प्रकरण के अनुरूप हो।
- कभी-कभी यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है” अर्थात् “जब पाप का पहला विचार आता है” या “पाप का आरंभिक पल” या “जब पाप का आरंभ होता है”।

(यह भी देखें: उत्पन्न करना, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 21:1-4](#)
- [होशे 02:4-5](#)
- [अथूब 15:34-35](#)
- [लूका 01:24-25](#)
- [लूका 02:21](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H2029, H2030, H2032, H2232, H2254, H2803, H3179, G10800, G17220, G28450, G48150

गर्व-सकारात्मक भावना

परिभाषा:

इस अर्थ में “गर्व” शब्द का अर्थ किसी व्यक्ति या चीज़ के प्रति अत्यधिक संतुष्टि या प्रसन्नता की भावना से है। शब्द “घर्मड़” का जब इस अर्थ में प्रयोग किया जाता है, तो इसका अर्थ होता है किसी चीज़ या व्यक्ति की बहुत प्रशंसा करना और उसके बारे में ऐसी बातें कहना जो प्रशंसनीय हों।

- शब्द “गर्व” का प्रयोग जब सकारात्मक अर्थ में किया जाता है, तो इसका अर्थ होता है कि किसी चीज़ से बहुत प्रसन्न होना या किसी की उपलब्धि या उसके सराहनीय गुणों या योग्यताओं से बहुत प्रसन्नता या संतुष्टि की भावना होना।
- अभिव्यक्ति "अपने काम पर गर्व करें" का मतलब है अपने काम को अच्छी तरह से करने में आनंद पाना।
- कोई व्यक्ति जो उसने किया है उस पर गर्व कर सकता है बिना इसके बारे में घमंड किए। कुछ भाषाओं में “गर्व” के सकारात्मक अर्थ और “गर्व” के नकारात्मक अर्थ के लिए अलग-अलग शब्द होते हैं।
- एक विनम्र व्यक्ति अपने बारे में डींग नहीं मारता या अपने आप पर गर्व नहीं करता, बल्कि परमेश्वर के बारे में और जो परमेश्वर ने किया है और कर रहा है उसके बारे में डींग मारता है।
- परमेश्वर ने इसाएलियों से आग्रह किया कि वे अपनी दौलत, अपनी ताकत, अपने उपजाऊ खेतों या अपने नियमों के बारे में घमंड न करें, बल्कि इस बात पर “घमंड” या गर्व करें कि वे उसे जानते हैं।

अनुवाद सुझाव:

- “गर्व” का सकारात्मक अर्थ “खुशी” या “संतुष्टि” या “आनंद” के रूप में अनुवादित किया जा सकता है।
- “गर्व करना” का अनुवाद “खुश होना” या “संतुष्ट होना” या “[उपलब्धियों के बारे में] हर्षित होना” के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश “अपने काम पर गर्व करें” का अनुवाद “अपना काम अच्छी तरह से करने में संतुष्ट पाएं” के रूप में किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति “यहोवा पर गर्व करो” का अनुवाद “यहोवा ने जो अद्भुत काम किए हैं, उनके कारण प्रसन्न हो जाओ” या “यहोवा कितना अद्भुत है, इस बात पर खुश हो जाओ” के तौर पर भी किया जा सकता है।

- “घमंड करना” का सकारात्मक अर्थ “महिमा करना” या “आनन्दित होना” के रूप में अनुवादित किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विनम्र, आनंद, गर्व नकारात्मक अर्थ)

बाइबल संदर्भः

-

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 4:2 वे बहुत गर्वित थे, और उन्होंने परमेश्वर की बातों की परवाह नहीं की।
- 34:10 तब यीशु ने कहा, “मैं तुमसे सच कहता हूँ, परमेश्वर ने चुंगी लेनेवाले की प्रार्थना सुनी और उसे धर्मी ठहराया। परन्तु उसने धर्मगुरु की प्रार्थना को पसन्द नहीं किया। परमेश्वर हर उस व्यक्ति को नम्र करेगा जो घमंडी है, और जो स्वयं को नम्र करता है, उसे ऊँचा करेगा।”

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्गः

गलातिया

तथ्यः

नए नियम के समय में, गलातिया एक बड़ा रोमी प्रांत था जो आज के तुर्किस्तान के मध्य भाग में स्थित है।

- गलातिया के एक भाग सीमा, उत्तर में काला सागर के तट पर थी। उसकी सीमाओं पर एशिया, बिथुनिया, कप्पदोकिया, किलकिया और पंफूलिया थे।
- प्रेरित पौलुस ने गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र लिखा था। यह पत्र नये नियम में “गलातियों के नाम पौलुस की पत्री” के नाम से है।
- गलातिया के विश्वासियों को यह पत्र लिखने में पौलुस का एक उद्देश्य था कि वे कर्मी द्वारा नहीं अनुग्रह द्वारा उद्धार पर बल दें।
- गलातिया प्रदेश में जो अन्य जाति से आनेवाले विश्वासी थे उन्हें यहूदी मत से आनेवाले विश्वासी शिक्षा दे रहे थे कि विश्वासियों को यहूदी नियमों में से कुछ का पालन करना अनिवार्य था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आसिया, विश्वास, किलिकिया, सुसमाचार, पौलुस, कर्म)

बाइबल संदर्भः

- [1 कुरियियों 16:1-2](#)
- [1 पतरस 1:1-2](#)
- [2 तीमुथियुस 4:9-10](#)
- [प्रे.का. 16:6-8](#)
- [गलातियों 1:1](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G1053, G1054

गलील

तथ्यः

गलील इस्राएल की उत्तरी चरम सीमा पर था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलील का रहनेवाला मनुष्य गलीली कहलाता था।

- नये नियम के युग में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राएल के तीन प्रमुख क्षेत्र थे।
- गलील के पूर्व में एक विशाल झील, गलील सागर थी।
- यीशु गलील के नासरत नगर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

यीशु के अधिकांश आश्वर्यकर्म और शिक्षाएं गलील क्षेत्र में ही हुई थी।

(यह भी देखें: नासरत, सामरिया, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 9:32](#)
- [प्रे.का. 13:31](#)
- [यूहन्ना 2:1-2](#)
- [यूहन्ना 4:3](#)
- [लूका 13:3](#)
- [मरकुर 3:7](#)
- [मत्ती 2:22-23](#)
- [मत्ती 3:13-15](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- 26:1** शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु पवित्र आत्मा से भरा हुआ अपने अधिवास, गलील क्षेत्र लौट आया।
- 39:6** अंत में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, “हम जानते हैं कि तू भी यीशु के साथ था क्योंकि तुम दोनों गलील से हो।”
- 41:6** तब स्वर्गद्वारा ने उन स्त्रियों से कहा, “जाओ और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो कि यीशु मृतकों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले गलील को जाता है।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1551, G10560, G10570

गलील सागर

तथ्य:

“गलील सागर” पूर्वी इस्राएल में एक झील का नाम है। पुराने नियम में इस झील को “किन्नरेत की झील” कहते थे

- इस झील का जल प्रवाह दक्षिण की ओर यरदन नदी में होकर मृतसागर में जाता था।
- कफरनहूम, बेतसैदा, गन्नेरत और तिबरियास कुछ नगर हैं जो नये नियम के युग में गलील सागर के परिवेश में स्थित थे।
- यीशु के जीवन की अनेक घटनाएं गलील सागर पर या उसके निकट घटी थीं।
- गलील सागर को "तिबरियास सागर और गन्नेरत की झील भी कहते हैं।"
- इस शब्द का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "गलील क्षेत्र की झील" या "गलील झील" या "तिबरियास (गन्नेरत) के निकट झील"

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: कफरनहूम, गलील, यरदन नदी, खारे ताल)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [यूहन्ना 6:1-3](#)
- [लूका 5:1](#)
- [मरकुस 1:16-18](#)
- [मत्ती 4:12-13](#)
- [मत्ती 4:18-20](#)
- [मत्ती 8:18-20](#)
- [मत्ती 13:1-2](#)
- [मत्ती 15:29-31](#)

शब्द तथ्यः

- स्टोंग्स: H3220, H3672, G10560, G10820, G22810, G30410, G50850

गवाही

परिभाषा:

जब कोई व्यक्ति "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। "गवाही" का अर्थ "गवाही देने" से है।

- मनुष्य प्रायः उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे व्यक्तिगत अनुभव है।
- “झूठी गवाही” देने वाला मनुष्य किसी घटना के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी “गवाही” किसी भविष्यद्वक्ता की भविष्यद्वाणी के संदर्भ में भी होती है।
- नये नियम में यह शब्द प्रायः यीशु के अनुयायियों के संदर्भ में है कि उन्होंने यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान की गवाही दी।

अनुवाद के सुझावः

- “साक्षी देना” या “गवाही देना” का अनुवाद “सत्यों को कहना” या “जो देखा और सुना उसे बताना” या “व्यक्तिगत अनुभव से कहना” या “प्रमाण देना” या “जो हुआ उसका वर्णन करना”।
- “गवाही” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “जो हुआ उसका व्योरा सुनाना” या “सत्य का कथन सुनाना” या “प्रमाण देना” या “जो कहा गया” या “भविष्यद्वाणी”।
- “उनके लिए गवाही ठहरे” का अनुवाद “उन्हें दिखाए कि सच क्या है” या “उन पर सिद्ध करे कि सच क्या है”।
- “उनके विरुद्ध गवाही ठहरे” का अनुवाद “जिससे उन पर उनके पाप प्रकट हों” या “उनका पाखण्ड प्रकट हो” या “जो सिद्ध करे कि वे गलत हैं”।
- “झूठी गवाही देना” इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में झूठी बातें कहना” या “ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं”।
- “साक्ष्य” या “प्रत्यक्ष गवाह” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा हो सकता है जिनका अर्थ हो, “जिस मनुष्य ने देखा” या “जिन्होंने (उन बातों को) देखा और सूना”
- कोई बात जो “गवाह” हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, “विश्वास” या “प्रतिज्ञा का चिन्ह” या “कोई बात जो किसी बात की सत्यता को प्रकट करती है”

- "तुम मेरे गवाह होगे", इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, "तुम मेरे बारे में मनुष्यों को बताओगे" या "तुम अनुशों में मेरी शिक्षाओं का प्रचार करोगे" या "तुम मनुष्यों में मेरे द्वारा किए गए कामों और मेरे द्वारा दी गई शिक्षाओं का प्रसारण करो"
- "की गवाही होना" इसका अनुवाद हो सकता है, "जो देखा वह सुनाना" या "गवाही देना" या "जो हुआ उसका वर्णन करना"
- किसी बात का "गवाह होना", इसका अनुवाद हो सकता है, "किसी घटना को देखना" या "किसी घटना का अनुभव करना"

(यह भी देखें: वाचा का संदूक, अपराध बोध, न्याय करना, भविष्यद्वक्ता, गवाह)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 31:28](#)
- [मिका 6:3](#)
- [मत्ती 26:60](#)
- [मरकुस 1:44](#)
- [यूहन्ना 1:7](#)
- [यूहन्ना 3:33](#)
- [प्रे.का. 4:32-33](#)
- [प्रे.का. 7:44](#)
- [प्रे.का. 13:31](#)
- [रोमियो 1:9](#)
- [1 पिस्लुनिकियो 2:10-12](#)
- [1 तीमुथियुस 5:19-20](#)
- [2 तीमुथियुस 1:8](#)
- [2 पतरस 1:16-18](#)
- [1 यूहन्ना 5:6-8](#)
- [3 यूहन्ना 1:12](#)
- [प्रका. 12:11](#)

बाइबल की कहानोंयों के उदाहरण

- **39:2** उसके आवास में यहूदी अगुओं ने यीशु पर अभियोग चलाया। वे अनेक झूठे गवाह ले जिन्होंने उसके बारे में झूठ कहा।
- **39:4** महायाजक ने क्रोध में आकर अपने वस्त्र फाड़े और चिल्लाकर कहा, "हमें अब और गवाहों की आवश्यकता नहीं है। तुमने स्वयं सुन लिया है, यह कहता है कि यह परमेश्वर का पुत्र है। तुम्हारा निर्णय क्या है?"
- **42:8** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा है कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक मनुष्य को मन फिराना हैकी उनके पापों की उनको क्षमा मिल जाए। ऐसा प्रचार वे यरूशलेम से आरम्भ करके सर्वत्र सब जातियों में पहुंचेंगे। तुम इन बातों के गवाह हो।"
- **43:7** "परमेश्वर ने यीशु को फिर से जीवित कर दिया। इस सत्य के हम गवाह हैं!"

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

गवाही देना_साक्षी होना**तथ्यः**

इस अर्थ में उपयोग, वाक्यांश “गवाही देना” का अर्थ है कि किसी चीज़ के बारे में साक्षी देना या किसी चीज़ के बारे में बयान देना।

- अभिव्यक्ति “गवाही देना” का अर्थ है “साक्षी होना” या “जो देखा या अनुभव किया है उसका बयान करना है।”
- अभिव्यक्ति “झूठी गवाही देना” का अर्थ है “झूठी साक्षी होना” या “जो देखा या अनुभव किया है, उसका झूठा बयान देना।”
- संदर्भ के आधार पर, वाक्यांश “गवाही देना” का अनुवाद “साक्षी होना” या “बयान देना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बयान, गवाही)

बाइबिल संदर्भः**शब्द विवरणः**

- स्ट्रॉन्ग का:

गशूर**परिभाषा:**

राजा दाऊद के युग में गशूर गलील सागर के पूर्व में एक छोटा सा राज्य था, जो इस्राएल और अराम राज्यों के मध्य था।

- राजा दाऊद ने गशूर के राजा की पुत्री माका से विवाह किया था जिससे अबशालोम उत्पन्न हुआ था।
- अपने आधे भाई अम्मोन की हत्या करने के बाद अबशालोम यरूशलेम से उत्तर पूर्व में गशूर की ओर भाग गया था जो 140 मील दूर था। वहाँ वह तीन वर्ष तक रहा।

(यह भी देखें: अबशालोम, अम्मोन, अराम, गलील सागर)

बाइबल संदर्भः

- [1 इतिहास 02:23-24](#)
- [2 शमूएल 03:2-3](#)
- [व्यवस्थाविवरण 03:14](#)
- [यहोशू 12:3-5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1650

गाज़ा**तथ्यः**

बाइबल के युग में गाज़ा एक समृद्ध पलिश्ती नगर था, भूमध्यसागर के तट पर, अश्दोद से लगभग 38 किलोमीटर दक्षिण में। यह नगर पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था।

- भौगोलिक स्थिति के कारण गाज़ा एक मुख्य बन्दरगाह था, जहाँ अनेक जातियों एवं देशों के मध्य व्यापार किया जाता था।
- आज भी गाज़ा नगर गाज़ा पट्टी का एक महत्वपूर्ण बन्दरगाह है वह भूमध्यसागर के तट पर और उत्तर तथा पूर्व में इस्राएल की सीमा तथा दक्षिण में मिस्र से घिरा हुआ है।
- पलिश्ती शिमशोन को बन्दी बनाने के बाद गाज़ा ले गए थे।
- प्रचारक फिलिप्पस गाज़ा जाने वाले रेगिस्तानी मार्ग पर चल रहा था जब उसकी भेंट कूश के खोजे से हुई थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्दोद, फिलिप्पस, पलिश्ती, कूश, गत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 04:24-25](#)
- [प्रे.का. 08:26-28](#)
- [उत्पत्ति 10:19-20](#)
- [यहोशू 10:40-41](#)
- [न्यायियों 06:3-4](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5804, H5841, G1048

गाद**तथ्यः**

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में से एक था। याकूब को इस्राएल का नाम भी दिया गया था।

- गाद का परिवार इस्राएल के 12 गोत्रों में से एक बना था।
- बाइबल में एक और पुरुष जिसका नाम गाद था वह एक भविष्यद्वक्ता था जिसने इस्राएलियों की जनगणना के लिए दाऊद को फटकारा था।
- “बालगाद” और “मिगदल गाद” मूल भाषा में दो शब्द हैं और कभी-कभी उन्हें “बाल गाद” और मिगदल गाद” लिखा भी गया है।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: जनगणना, भविष्यद्वक्ता, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 05:18-19](#)
- [निर्गमन 01:1-5](#)
- [उत्पत्ति 30:9-11](#)
- [यहोशू 01:12-13](#)
- [यहोशू 21:36-38](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1410, H1425, G1045

गाय**परिभाषा:**

“गाय,” “बैल,” कलोर,” और “मवेशी” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले गोजातीय पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं।

- ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं।
- बाइबल में, मवेशी “शुद्ध” पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था। वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
- “कलोर” वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो।
- “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। इस शब्द का बहुवचन है “बैलों。” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है।
- संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं।
- जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया।
- सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: जूआ)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 15:9-11](#)
- [निर्गमन 24:5-6](#)
- [गिनती 19:1-2](#)
- [व्यवस्थाविवरण 21:3-4](#)
- [1 शमूएल 1:24-25](#)
- [1 शमूएल 15:3](#)
- [1 शमूएल 16:2-3](#)
- [1 राजा 1:9](#)
- [2 इतिहास 11:15](#)
- [2 इतिहास 15:10-11](#)
- [मत्ती 22:4](#)
- [लूका 13:15](#)
- [लूका 14:5](#)
- [इब्रानियों 9:13](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0047, H0441, H0504, H0929, H1165, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H6499, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7921, H8377, H8450, G10160, G11510, G23530, G29340, G34470, G34480, G41650, G50220

गिडगिडाना

तथ्यः

“गिडगिडाकर विनती करना” और “विनती” का अर्थ है कि किसी से कुछ करने की आपातकालीन याचना। “गिडगिडाना” एक अत्यावश्यक निवेदन है।

- विनती का अर्थ प्रायः यह होता है कि मनुष्य को सहायता की घोर आवश्यकता या उसमे सहायता पाने की प्रबल इच्छा है।
- मनुष्य परमेश्वर से दया की विनती कर सकते हैं या स्वयं के लिए या किसी और के लिए उससे कुछ देने का निवेदन कर सकते हैं।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “मांगना”, “अनुनय विनय करना” या “आपातकालीन याचना”
- “प्रार्थना” का अनुवाद हो सकता है, “साग्रह निवेदन” या “प्रबल याचना”।
- स्पष्ट करें कि प्रकरण में इसका अर्थ पैसा मांगना नहीं है।

बाइबल सन्दर्भः

- [2 कुरिशियों 08:3-5](#)
- [न्यायियों 06:31](#)
- [लूका 04:39](#)
- [नीतिवचन 18:17](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1777, H2603, H3198, H4941, H4994, H6279, H6293, H6664, H6419, H7378, H7379, H7775, H8199, H8467, H8469, G1189, G1793, G2065, G3870

गिदोन

तथ्यः

गिदोन एक इस्खाएली पुरुष था, परमेश्वर ने उसे इस्खाएल के शन्त्रों से बचाने के लिए खड़ा किया था।

- गिदोन के समय में, मिद्यानी नामक लोगों का एक समूह इस्साएलियों पर आक्रमण करता रहा और उनकी फसलों को नष्ट करता रहा।
- हालाँकि गिदोन डरता था, फिर भी परमेश्वर ने उसका इस्तेमाल इस्साएलियों को मिद्यानियों से लड़ने और उन्हें हराने के लिए किया।
- गिदोन ने भी झूठे देवताओं बाल और अशोरा की वेदियाँ गिराकर परमेश्वर की आज्ञा मानी।
- उसने न केवल लोगों को उनके शत्रुओं को पराजित करने में अगुवाई की बल्कि उन्हें एक सच्चे परमेश्वर यहोवा की आज्ञा मानने और उसकी आराधना करने के लिए प्रोत्साहित किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाल, अशोरा, छुड़ाएगा, मध्य, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [इब्रानियों 11:32-34](#)
- [न्यायियों 06:11](#)
- [न्यायियों 06:23](#)
- [न्यायियों 08:17](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **16:5** यहोवा का दूत **गिदोन** के पास आया और कहा, “परमेश्वर तेरे संग है, शक्ति शाली योद्धा। इस्साएलियों को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ा।”
- **16:6** **गिदोन** के पिता के पास मूर्ति को समर्पित एक वेदी थी। परमेश्वर ने **गिदोन** से उस वेदी को नीचे गिराने के लिए कहा।
- **16:8** वहाँ पर वह (मिद्यानी) बहुत थे, उन्हें गिना नहीं जा सकता था। **गिदोन** ने उन सब इस्साएलियों को एकत्र किया उनसे लड़ने के लिए।
- **16:8** **गिदोन** ने परमेश्वर से दो चिह्न मांगे ताकि वह आश्वस्त हो सके कि परमेश्वर उसका उपयोग इस्साएल को बचाने के लिए करेगा।
- **16:10** 32,000 इस्साएली सैनिक **गिदोन** के पास आए, परन्तु परमेश्वर ने उनसे कहा कि यह बहुत अधिक है।
- **16:12** तब **गिदोन** ने इस्साएलियों की छावनी में लौटकर एक एक पुरुष के हाथ में एक नरसिंगा और खाली घड़ा दिया, और घड़ों के भीतर एक मशाल थी।
- **16:15** लोग **गिदोन** को अपना राजा बनाना चाहते थे।
- **16:16** तब **गिदोन**ने सोने का उपयोग एक विशेष वस्त्र बनाने के लिए किया जैसा कि महायाजक पहनते थे। लेकिन लोग उसे मूर्ति की तरह पूजने लगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1439, H1441

गिबा

तथ्यः

गिबा यरूशलेम के उत्तर में और बेतेल के दक्षिण में एक नगर का नाम था।

- गिबा नगर बिन्यामीन गोत्र के क्षेत्र में था।
- बिन्यामीन और इस्माएल के मध्य यह एक युद्ध क्षेत्र भी रहा है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बिन्यामीन, बेतेल, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 10:26-27](#)
- [2 शमूएल 21:5-6](#)
- [होशे 09:8-9](#)
- [न्यायियों 19:12-13](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1387, H1389, H1390, H1394

गिबोन

तथ्यः

गिबोन एक नगर था जो यरूशलेम के उत्तर-पश्चिम में 13 किलोमीटर दूर था। गिबोन के निवासी गिबोनी कहलाते थे।

- गिबोनियों ने सुना कि इस्माएलियों ने यरीहो और ऐ नगर का विनाश कर दिया है तो वे डर गए थे।
- अतः गिबोनी इस्माएलियों के अगुओं के पास गिलगाल आए और ऐसा स्वांग रचा कि वे दूर देश के हैं।
- इस्माएल के अगुओं ने धोखा खाकर गिबोनियों के साथ समझौता कर लिया था कि वे उनकी रक्षा करेंगे और उन्हें नष्ट नहीं करेंगे।

(यह भी देखें: गिलगाल, यरीहो, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 8:29](#)
- [1 राजा 3:4-5](#)
- [2 शमूएल 2:12-13](#)
- [यहोशू 9:3-5](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **15:6** परन्तु कनान निवासियों का एक समूह, जो **गिबोनी** कहलाता है, उन्होंने यहोशू के साथ छल किया और कहा, हम कनान से दूर एक देश से आए हैं।
- **15:7** कुछ समय बाद, कनान में एक अन्य जाति, एमोरियों के राजा, ने जब यह सुना कि **गिबोन के निवासियों** ने इस्माएलियों से मेल किया और उनके बीच रहने लगे हैं, तब सब ने अपनी अपनी सेना इकट्ठी करके एक विशाल सेना तैयार की और **गिबोन** के सामने डेरे डालकर उस से युद्ध छेड़ दिया।
- **15:8** तब यहोशू सारे योद्धाओं और शुरवीरों को संग लेकर रातों रात **गिबोनियों** तक पहुँचने के लिए चल पड़े।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1391, H1393

गिर्गाशियों

तथ्यः

कनान देश में गलील सागर के तट पर रहनेवाली एक जाति को गिर्गाशी कहते थे।

- वे हाम के पुत्र कनान के वंशज थे, अतः वे कनानी कहलानेवाली अनेक जातियों में से एक थे।
- परमेश्वर ने इसाएलियों से प्रतिज्ञा की थी कि वह गिराशियों तथा अन्य सब कनानी जातियों को हराने में उनकी सहायता करेगा।
- अन्य कनानियों के समान गिराशी भी मूर्तिपूजक थे और मूर्तिपूजा के भाग के रूप में अनैतिक काम करते थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, हाम, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 1:14](#)
- [व्यवस्थाविवरण 7:1](#)
- [उत्पत्ति 10:16](#)
- [यहोशू 3:9-11](#)
- [यहोशू 24:11-12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1622

गिलगाल

तथ्य:

गिलगाल यरीहो के उत्तर में एक नगर था जहां इसाएलियों ने यरदन नदी पार करने के बाद सबसे पहली छावनी डाली थी, कनान में।

- गिलगाल में यहोशू ने यरदन नदी के सूखे तल से, जहां से उन्होंने चलकर नदी पार की थी, बारह पत्थर लेकर खड़े किए थे।
- गिलगाल नगर से एलियाह और एलीशा ने प्रस्थान किया था, जब यरदन नदी पार करने के बाद एलियाह को उठा लिया गया था।
- पुराने नियम में “गिलगाल” नाम के अनेक अन्य स्थान भी थे।
- “गिलगाल” शब्द का अर्थ है, “पत्थरों का गोला” संभवतः यह नाम उस स्थान के संदर्भ में है जहां गोल वेदी बनाई गई थी।
- पुराने नियम में यह नाम लगभग सदैव ही “गिलगाल” कहलाया है। इससे यह संकेत मिलता है कि यह एक निश्चित स्थान का नाम नहीं था वरन् एक स्थान का वर्णन था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: एलियाह, , एलीशा, यरीहो, यरदन नदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 07:15-17](#)
- [2 राजा 02:1-2](#)
- [होशे 04:15-16](#)
- [न्यायियों 02:1-2](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1537

गिलाद

परिभाषा:

- गिलाद यरदन नदी के पूर्व में एक पर्वतीय प्रदेश है जहाँ इसाएली गोत्र गाद, रूबेन, मनश्शे वास करने लगे थे।
- इस क्षेत्र को “गिलाद का पहाड़ी प्रदेश” या “गिलाद पर्वत” भी कहा गया है।
- “गिलाद” पुराने नियम में अनेक पुरुषों का नाम भी था। उनमें से एक मनश्शे का पोता भी था। एक और पुरुष जिसका नाम गिलाद था, वह यिप्तह का पिता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गाद, यिप्तह, मनश्शे, रूबेन, इसाएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 2:22](#)
- [1 शमूएल 11:1](#)
- [आमोस 1:3](#)
- [व्यवस्थाविवरण 2:36-37](#)
- [उत्पत्ति 31:21](#)
- [उत्पत्ति 37:25-26](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1568, H1569

गुम्ट

परिभाषा:

“गुम्ट” एक ऊँची रचना जहाँ से सुरक्षाकर्मी किसी आने वाले संकट पर दृष्टि रख सकते थे। ये गुम्ट अधिकतर पथरों के बने होते थे।

- जर्मीदार भी कभी-कभी गुम्ट बनाते थे कि वहाँ से अपनी फसल की चौकीदारी करें और चोरी होने से उसे बचाएं।
- गुम्टों में कमरे भी होते थे कि चौकीदार या उसका परिवार वहाँ रहे जिससे कि दिन रात फसल की चौकसी की जा सके।
- नगर के गुम्ट शहरपनाह से ऊँचे बनाए जाते थे कि पहर्स्त जिससे कि दिन रात फसल की चौकसी की जा सके।
- “गुम्ट” शब्द का उपयोग शत्रु से रक्षा के प्रतीक स्वरूप भी काम में लिया जाता है। (देखें: उपमा)

(यह भी देखें: बैरी, पहरा देना)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 27:25-27](#)
- [यहेजकेल 26:3-4](#)
- [मरकुस 12:1-3](#)
- [मत्ती 21:33-34](#)
- भजन संहिता 62:2

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0803, H0971, H0975, H1785, H2918, H4026, H4029, H4692, H4707, H4869, H6076, H6438, H6836, G44440

गुरु

परिभाषा:

गुरु वह मनुष्य है जो मनुष्यों को नई जानकारी देता है। शिक्षक मनुष्यों को ज्ञान एवं प्रवीणता प्राप्त करने में सहायक होता है।

- बाइबल में "उपदेशक" शब्द एक विशेष अर्थ में काम में लिया गया है जो परमेश्वर के बारे में शिक्षा देनेवाले के संदर्भ में है।
- शिक्षक से ज्ञान प्राप्त करनेवाले को "विद्यार्थी" या "चेला" कहते हैं।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा गया है यदि वह यीशु के संदर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में सामान्य शब्द शिक्षक का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि शब्द केवल एक स्कूल शिक्षक के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
- कुछ संस्कृतियों की भाषा में धर्म-गुरुओं के लिए विशेष पदनाम होता है जैसे "श्री-श्री" या "रब्बी" या "प्रचारक"।

(यह भी देखें: चेले, प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [सभोपदेशक 1:12-15](#)
- [इफिसियों 4:11-13](#)
- [गलातियों 6:6-8](#)
- [हबकूक 2:18](#)
- [याकूब 3:2](#)
- [यूहन्ना 1:37-39](#)
- [लूका 6:40](#)
- [मत्ती 12:38-40](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 27:1** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, "हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मैं क्या करूँ?"
- 28:1** एक दिन, एक धनवान युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छे शिक्षक, अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?"
- 37:2** दो दिन बीतने के बाद, यीशु ने अपने चेलों से कहा, "आओ हम फिर यहूदिया को चलें।" चेलों ने उससे कहा "हे रब्बी, कुछ समय पहले तो लोग तुझे मरना चाहते थे।"
- 38:14** यहूदा यीशु के पास आया और कहा, "नमस्कार, गुरु," और उसे चूमा।
- 49:3** यीशु एक महान शिक्षक भी था, और वह अधिकार के साथ बोलता था क्योंकि वह परमेश्वर का पुत्र है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3384, H3925, G1320, G2567, G3547, G5572

गुलगुता

तथ्यः

“गुलगुता” उस स्थान का नाम है जहां यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था। इस शब्द का मूल अरामी भाषा में है जिसका अर्थ है, “खोपड़ी” या “खोपड़ी का स्थान”।

- गुलगुता स्थान यरूशलेम की शहरपनाह के बाहर कहीं निकटवर्ती स्थान था। संभवतः जैतून पर्वत के ढलान पर।
- बाइबल के कुछ प्राचीन अंग्रेजी अनुवादों में गुलगुता का अनुवाद “कलवरी” किया गया है जिसका मूल लातीनी भाषा में है जो “खोपड़ी” शब्द से आता है।
- अनेक बाइबल संस्करणों में ऐसे शब्द का उपयोग किया गया है जो “गुलगुता” के सदृश्य दिखता हैं या सुनाई देता है क्योंकि इस शब्द का अनुवाद बाइबल अभिलेख में किया जा चुका है।

(अनुवाद के सुझावः नाम का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, जैतून पर्वत)

बाइबल सन्दर्भः

- [यूहन्ना 19:17](#)
- [मरकूस 15:22](#)
- [मत्ती 27:33](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G11150

गेहूँ

परिभाषा:

गेहूँ एक प्रकार का अन्न है जो मनुष्य भोजन के लिए उगाते हैं। जब बाइबल “अनाज” या “बीज” का उल्लेख करती है, तो यह अक्सर गेहूँ के दाने या बीज के बारे में बात करती है।

- गेहूँ के दाने या बीज पौधे के ऊपर के भाग में लगते हैं।
- कटनी के बाद गेहूँ के दाने को मार कर कटे हुए सूखे पौधों से निकाला जाता है। * गेहूँ के सूखे पौधों को धरती पर रखा जाता था कि उस पर मवेशी सोएं। गेहूं के सूखे हुए पौधों को “पुआल” कहा जाता है।
- दंवनी के बाद, गेहूं के दानों को हवा में उछल कर भूसी से अलग किया जाता था। भूसी फेंक दी जाती थी।
- गेहूँ को पीस कर आटा तैयार किया जाता है जिससे रोटियाँ बनाई जाती हैं।

(यह भी देखें: जौ, भूसा, अन्न, बीज, दांवना, हवा में उड़ाना)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 27:36-38](#)
- [निर्गमन 34:21-22](#)
- [यूहन्ना 12:24](#)
- [लूका 3:17](#)
- [मत्ती 3:12](#)
- [मत्ती 13:26](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1250, H2406, G46210

गोत्र

परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

- एक ही गोत्र के लोग एक ही भाषा एवं संस्कृति को साझा करते हैं।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्माएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के किसी एक पुत्र या पोते का वंश था।
- गोत्र जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: कुल, जाति, समुदाय, इस्माएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 10:19](#)
- [2 राजा 17:16-18](#)
- [उत्पत्ति 25:16](#)
- [उत्पत्ति 49:17](#)
- [लूका 2:36-38](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

गोबर

परिभाषा:

“गोबर” मनुष्य और पशुओं का मल होता है जिसे विष्णा कहते हैं। जब इसका उपयोग भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए किया जाता है तो इसे खाद कहते हैं।

- इन शब्दों को प्रतीकात्मक रूप में किसी निकम्मी या महत्वहीन वस्तु के लिए काम में लिया गया है।
- पशुओं का सूखा हुआ गोबर ईधन के लिए काम में लिया जाता था।
- “भूमि के ऊपर खाद के समान पड़ी रहेंगी” का अनुवाद हो सकता है, “निकम्मे गोबर के समान पृथकी पर विसर्जित किए गए।”
- “कूड़ा फाटक” यरूशलेम की दक्षिणी दीवार में था जो संभवतः नगर का कूड़ा बाहर ले जाने के लिए काम में आता था।

(यह भी देखें: फाटक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 14:9-10](#)
- [2 राजा 06:24-26](#)
- [यशायाह 25:9-10](#)
- [यिर्मयाह 08:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H830, H1119, H1557, H1561, H1686, H1828, H6569, H6675, G906, G4657

गोलियत

तथ्यः

“गोलियत” पलिश्तियों की सेना में एक लम्बा चौड़ा योद्धा था जिसे दाऊद ने मार गिराया था।

- गोलियत की ऊंचाई 2-3 मीटर की थी। अपने शारीरिक डील-डॉल के कारण उसे दानव कहा जाता था।
- यद्यपि गोलियत के पास अधिक अच्छे हथियार थे और शरीर में वह दाऊद से बहुत बड़ा था, परमेश्वर ने दाऊद को शक्ति और योग्यता प्रदान की कि उसे हरा दे।
- गोलियत पर दाऊद की विजय के परिणाम स्वरूप इस्राएलियों को पलिश्तियों पर विजय प्राप्त हुई।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 20:4-5](#)
- [1 शमूएल 17:4-5](#)
- [1 शमूएल 21:8-9](#)
- [1 शमूएल 22:9-10](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1555

गोशेन

परिभाषा:

गोशेन मिस्र के उत्तरी भाग में नील नदी के परिवेश में बसा एक उपजाऊ प्रदेश था।

जब यूसुफ मिस्र का प्रधान था तब उसका पिता और उसके भाई अपने परिवारों के साथ आकर गोशेन में बस गए थे क्योंकि कनान में अकाल पड़ गया था।

- वे और उनके वंशज 400 वर्ष तक गोशेन में शान्तिपूर्वक रहे उसके बाद मिस्र के फ़िरौन ने उन्हें दास बना लिया।
- अन्त में परमेश्वर ने मूसा को भेजा कि गोशेन से निकल कर दासत्व से मुक्त होने में इसाएलियों की सहायता करे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, अकाल, मूसा, नील नदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 08:22-24](#)
- [उत्पत्ति 45: 9-11](#)
- [उत्पत्ति 47:1-2](#)
- [उत्पत्ति 50:7-9](#)
- [यहोशू 10:40-41](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1657

ग्रहण करना

परिभाषा:

"ग्रहण करना" का सामान्य अर्थ है, किसी दी गई या प्रस्तुत की गई या उपहार की गई वस्तु स्वीकार करना।

- "ग्रहण करना" का अर्थ कष्ट सहना या किसी बात का अनुभव करना भी हो सकता है जैसे "उसे अपने कर्मों का दण्ड मिला"
- एक विशेष अर्थ भी है जिसमें हम किसी व्यक्ति को "ग्रहण" करते हैं। उदाहरणार्थ अतिथियों या आगन्तुकों का स्वागत करना अर्थात उन्हें ग्रहण करके उनका सम्मान करना, जिससे उनके साथ संबन्ध बनाया जाए।
- "पवित्र-आत्मा का दान ग्रहण करना" का अर्थ है हमें पवित्र आत्मा दिया गया है और हम अपने जीवन में और अपने जीवन के द्वारा उसको काम करने देने के लिए उसका स्वागत करते हैं।
- "यीशु को ग्रहण करना" का अर्थ है मसीह यीशु के द्वारा परमेश्वर के उद्घार का दान स्वीकार करना।
- जब अन्धा मनुष्य "दृष्टि का दान ग्रहण करता है" तो इसका अर्थ है परमेश्वर ने उसे चंगा कर दिया है और उसे देखने की क्षमता प्रदान की है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "ग्रहण करना" का अनुवाद हो सकता है, "स्वीकारना" या "स्वागत करना" या "अनुभव करना" या "दिया गया"
- "तुम सामर्थ्य पाओगे" इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "तुम्हें सामर्थ्य दिया जाएगा" या "परमेश्वर तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा" या "तुम्हें सामर्थ्य दिया जाएगा (परमेश्वर द्वारा)" या "परमेश्वर तुम में सामर्थ के कामों हेतु पवित्र आत्मा को सक्रीय करेगा"
- "उसने दृष्टि प्राप्त की" वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, "देखने में सक्षम हुआ" या "फिर से देखने योग्य हो गया" या "परमेश्वर द्वारा चंगा किया गया कि देख सके"

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, यीशु, प्रभु, उद्घार)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 5:9](#)
- [1 थिस्सलुनीकियों 1:6](#)
- [1 थिस्सलुनीकियों 4:1](#)
- [प्रे.का. 8:15](#)
- [यिर्म्याह 32:33](#)
- [लूका 9:5](#)
- [मला. 3:10-12](#)
- भजन संहिता 49:14-15

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह निपुण होगा जिसने कोई पाप न किया होगा। वह अन्य लोगों के पापों का दंड भोगने के लिए के मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **45:5** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, "हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर।"
- **49:6** यीशु ने कहा कि कुछ लोग उसे ग्रहण करेंगे और उद्धार पाएँगे, लेकिन बहुत से लोग ऐसा नहीं करेंगे।
- **49:10** जब यीशु क्रूस पर मरा, उसने तुम्हारा दण्ड अपने ऊपर ले लिया।
- **49:13** जो कोई यीशु पर विश्वास करता और उसे प्रभु के रूप में स्वीकार करता है परमेश्वर उसे बचाएगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3557, H3947, H6901, H6902, H8254, G308, G324, G353, G354, G568, G588, G618, G1183, G1209, G1523, G1653, G1926, G2865, G2983, G3028, G3335, G3336, G3549, G3858, G3880, G4327, G4355, G4356, G4687, G5264, G5562

घड़ी**परिभाषा:**

किसी बात को होने के समय या अवधी के अतिरिक्त "घड़ी" शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

- कभी-कभी "घड़ी" का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे "प्रार्थना का समय।"
- जब अभिलेख में लिखा होता है, "वह घड़ी आ पहुंची है" जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
- "घड़ी" शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, "उस पल" या "उसी समय।"
- जब अभिलेख में लिखा हो, विलम्ब की "घड़ी" तो इसका अर्थ होगा, दिन के उत्तरार्ध में विलम्ब का समय जब शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला हो।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द "घड़ी" का अनुवाद "समय" या "पल" या "नियुक्त समय"
- "उस घड़ी में" या "उसी समय" का अनुवाद हो सकता है, "उस समय" या "उस पल" या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
- अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद हो सकता है, "दिन में देर हो गई" या "जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था।"

(यह भी देखें: घड़ी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरिच्चियों 15:30](#)
- [प्रे.का. 10:30](#)
- [मरकुस 14:35](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G56100

घमंडी

परिभाषा:

“घमण्ड” और “घमण्ड भरी” शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में हैं जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है और विशेष करके सोचता है कि वह अन्यों से कहीं अधिक उत्तम है।

- घमण्डी मनुष्य प्रायः अपनी गलतियां स्वीकार नहीं करता है। वह दीन मनुष्य नहीं है।
- घमण्ड अन्य बातों में परमेश्वर की अवज्ञा की ओर ले जाता है।
- “घमण्ड” और “बड़ाई” को सकारात्मक अर्थ में भी काम में लिया जाता है जैसे किसी की उपलब्धि पर घमण्ड करना या बच्चों पर घमण्ड करना। “अपने काम पर घमण्ड करना” इस अभिव्यक्तिता का अर्थ है अपना काम करने में आनन्द का अनुभव करना।
- कोई घमण्ड से भरे बिना अपने किए हुए काम पर घमण्ड कर सकता है। कुछ भाषाओं में “घमण्ड” के इन दोनों शब्दों के भाव अलग-अलग शब्दों में व्यक्त किए जा सकते हैं।
- “घमण्ड से भर जाना” सदैव नकारात्मक होता है अर्थात् “अभिमानी” या “अहंमन्य” या “अपने आपको बहुत बड़ा समझनेवाला”।

अनुवाद के लिए सुझावः

- संज्ञा “घमंड” का अनुवाद “अहंकार” या “अभिमान” या “आत्म-महत्व” के रूप में किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में, “घमंड” का अनुवाद “आनन्द” या “संतोष” या “सुख” के रूप में किया जा सकता है।
- “पर गर्व” का अनुवाद “के साथ खुश” या “से संतुष्ट” या “या “आनंदित”(उपलब्धियों पर) ” के रूप में किया जा सकता है।
- “अपने काम पर घमण्ड कर” इस वाक्यांश का अर्थ है अपना काम करने में आनन्द का अनुभव करना।
- “यहोवा पर गर्व करना ” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “यहोवा ने जो कुछ अद्भुत काम किया है, उसके बारे में प्रसन्न होना” या “खुश होना कि यहोवा कितना अद्भुत है।”

(यह भी देखें: हठीले, दीन, आनन्द)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियुस 03:6-7](#)
- [2 कुरिचियों 01:12](#)
- [गलातियों 06:3-5](#)
- [यशायाह 13:19](#)
- [लूका 01:51](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:02** उन्हें बहुत घमंड था, और परमेश्वर ने जो कहा था उन्होंने उसकी परवाह नहीं की।
- **34:10** तब यीशु ने कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ कि, परमेश्वर ने चुंगी लेनेवाले की प्रार्थना सुनी और उसे धर्मी घोषित कर दिया। लेकिन उसे धर्म गुरु की प्रार्थना पसंद नहीं आई। “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, उसे परमेश्वर छोटा कर देगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1341, H1343, H1344, H1346, H1347, H1348, H1349, H1361, H1362, H1363, H1364, H1396, H1466, H1467, H1984, H2086, H2087, H3093, H3238, H3513, H4062, H1431, H4791, H5965, H7295, H7312, H7342, H7311, H7830, H8597, G1391, G1392, G2744, G2745, G2746, G3173, G5187, G5229, G5243, G5244, G5308, G5309, G5426

घमण्ड

परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरुद्ध पाप करने से नहीं रुकता है।
- अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
- इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
- “घमण्डी आंखे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: बड़ाई, घमण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 तीमुथियुस 03:1-4](#)
- [यशायाह 02:17-19](#)
- [नीतिवचन 16:17-18](#)
- [नीतिवचन 21:23-24](#)
- भजन संहिता 131:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

घर

परिभाषा:

शब्द “घर” एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है। आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

- कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात् एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
- “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात् राजा दाऊद के सब वंशज।
- “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात् मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
- इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबंधित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
- “इसाएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इसाएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इसाएल के गोत्रों के लिए है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद, “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान” हो सकता है।
- “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबंधित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
- “इसाएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इसाएल की प्रजा” या “इसाएल के वंशज” या “इसाएली”
- “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते हैं” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, वंशज, परमेश्वर का भवन, घराना, इसाएल राज्य, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ

- [प्रे.का. 07:41-42](#)
- [प्रे.का. 07:47-50](#)
- [उत्पत्ति 39:3-4](#)
- [उत्पत्ति 41:39-41](#)
- [लूका 08:38-39](#)
- [मत्ती. 10:5-7](#)
- [मत्ती 15:24-26](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

घराना-वंशज_राष्ट्र

परिभाषा:

इस संदर्भ में “घराना” शब्द का अर्थ “वंशज” है।

- इस संदर्भ में "घराना" शब्द का अर्थ "परिवार" या "वंशज" है, और यह किसी विशेष व्यक्ति से संबंधित या उसके वंश के सभी लोगों को संदर्भित करता है। उदाहरण के लिए, "दाऊद का घराना" वाक्यांश राजा दाऊद के सभी वंशजों को संदर्भित करता है।
- वाक्यांश "इस्राएल का घराना" सामान्यतः पूरे इस्राएल देश या अधिक विशिष्ट रूप से इस्राएल के उत्तरी राज्य के गोत्रों को संदर्भित कर सकता है।

अनुवाद सुझाव

- संदर्भ के आधार पर, "घराना" का अनुवाद "कुटुम्ब" या "लोग" या "परिवार" या "वंशज" के रूप में किया जा सकता है।
- "दाऊद का घराना" वाक्यांश का अनुवाद "दाऊद का कुल" या "दाऊद का परिवार" या "दाऊद के वंशज" के तौर पर किया जा सकता है। इससे संबंधित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी तरह किया जा सकता है।
- "इस्राएल के घराने" का अनुवाद करने के विभिन्न तरीकों में "इस्राएल के लोग" या "इस्राएल के वंशज" या "इस्राएली" शामिल हो सकते हैं।

(देखें: वंशज, दाऊद का घराना, इस्राएल का राज्य)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग:

घात करना

परिभाषा:

"घात करना" अर्थात् किसी पशु या मनुष्य की हत्या करना इसका अभिप्राय है, बलपूर्वक या निर्दयता से मार डालना। अगर किसी व्यक्ति ने एक जानवर को मार डाला है तो उसने "घात किया"

- पशु या किसी जनसमूह के संदर्भ में "संहार" शब्द काम में लिया जाता है।
- संहार का एक कार्य भी "संहार" कहा जाता है।
- "घात किए गए" का अनुवाद हो सकता है, "मारे गए लोग" या "जिन लोगों की हत्या की गई"।

(यह भी देखें: संहार)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 28:23-24](#)
- [यशायाह 26:20-21](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2026, H2076, H2490, H2491, H2717, H2763, H2873, H2874, H4191, H4194, H5221, H6991, H6992, H7523, H7819, G337, G615, G1315, G2380, G2695, G4968, G4969, G5407

घुड़सवार

परिभाषा:

बाइबल के युग में "घुड़सवारों" का अर्थ था युद्ध में घोड़े की सवारी करनेवाला।

- रथों पर सवारी करनेवाले योद्धाओं को भी "घुड़सवार" कहते थे। जबकि घुड़सवार वास्तव में घोड़े की सवारी करनेवाला होता है।
- इस्राएलियों का मानना था कि युद्ध में घोड़े काम में लेना यहोवा की अपेक्षा अपनी शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक घुड़सवारों को नहीं रखते थे।
- इसका अनुवाद "घोड़े के सवार" या "घोड़े पर सवार मनुष्य" हो सकता है।

(यह भी देखें: रथ, घोड़ा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 1:5](#)
- [दानियेल 11:40-41](#)
- [निर्गमन 14:23-25](#)
- [उत्पत्ति 50:7-9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6571, H7395, G2460

घूस**परिभाषा:**

“घूस”, किसी से गलत काम करवाने के लिए मूल्यवान भेट जैसे पैसा देना।

- यीशु की कब्र की चौकसी करनेवाले सैनिकों को झूठ बोलने के लिए घूस दी गई थी।
- कभी-कभी सरकारी अधिकारी को अपराध को अनदेखा करने या कोई निर्णय लेने के लिए भी घूस दी जाती है।
- बाइबल में घूस लेना या घूस देना मना है।
- “घूस” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बेइमानी का पैसा” या “झूठ बोलने के लिए दिया गया पैसा” या “नियम तोड़ने की कीमत।”
- “घूस देना” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “प्रभाव डालने के लिए पैसा देना” या “बेइमानी से पक्षपात करने की कीमत देना” या “पक्ष लेने के लिए पैसा देना।”

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 08:1-3](#)
- [सभोपदेशक 07:7](#)
- [यशायाह 01:23](#)
- [मीका 03:9-11](#)
- [नीतिवचन 15:27-28](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3724, H4979, H7809, H7810, H7936, H7966, H8641, G5260

घृणा**परिभाषा:**

“घृणा” शब्द उस वस्तु के सन्दर्भ में काम में लिया जाता है जिससे घृणा उत्पान हो या असीम वैमनस्य उपजे।

- मिस्री लोग इब्रानियों को "घृणित" मानते थे। इसका अर्थ है कि मिस्री लोग इब्रानियों को पसन्द नहीं करते थे और उनके साथ संबन्ध नहीं रखना चाहते थे वरन् उनके निकट भी नहीं आना चाहते थे।
- बाइबल में कुछ बातें "यहोवा के लिए घृणित" हैं, जैसे झूठ, घमण्ड, नरबलि, मूर्तिपूजा, हत्या, यौनाचार के पाप जैसे व्यभिचार और समलैंगिक संबन्ध।
- अपने शिष्यों को अन्त समय की शिक्षा देते समय यीशु ने भविष्यद्वक्ता दानियेल की भविष्यद्वाणी का संदर्भ दिया था और जिसमें "उजाड़ने वाली घृणित वस्तु" की चर्चा की गई थी जिसे परमेश्वर से विद्रोह स्वरूप स्थापित करके उसके आराधना स्थल को अशुद्ध किया जाएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- "घृणित वस्तु" का अनुवाद हो सकता है: "जिस वस्तु से परमेश्वर घृणा करता है", या "वैमनस्य उत्पादक वस्तु" या "घृणित अभ्यास" या "बहुत बुरा काम"।
- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति, "के लिए घृणित है" के अनुवाद रूप हो सकते हैं: "के लिए अत्यधिक घृणित" या "के लिए वैमनस्यकारी है" या "को पूर्णतः अस्वीकार्य" या "गहरी घृणा उत्पन्न करनेवाली"।
- "उजाड़नेवाली घृणित वस्तु" का अनुवाद हो सकता है: "अशुद्ध करनेवाली वस्तु जिससे मनुष्यों की घोर हानि होती है" या "वैमनस्यकारी वस्तु जिसके कारण गहरा दुःख होता है"।

(यह भी देखें: व्यभिचार, अशुद्ध करना, उजाड़, मूरत, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [एज्रा 9:1-2](#)
- [उत्पत्ति 46:34](#)
- [यशायाह 1:13](#)
- [मत्ती 24:15](#)
- [नीतिवचन 26:25](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0887, H6292, H8251, H8262, H8263, H8441, G0946

घृणा

तथ्य:

"घृणित" शब्द कुछ ऐसी वस्तुओं का वर्णन करता है जिन्हें नापसंद और अस्वीकार करना चाहिए। किसी वस्तु से घृणा करने का अर्थ है उसे दृढ़ता से नापसंद करना।

- बाइबल प्रायः बुराई से घृणा की चर्चा करती है। इसका अर्थ है बुराई से घृणा करना और उसका त्याग करना।
- परमेश्वर ने "घृणित" शब्द का प्रयोग उन लोगों के बुरे कामों का वर्णन करने के लिए किया, जो इूठे देवताओं की पूजा करते थे।
- इसाएलियों को आज्ञा दी गई थी कि वे पड़ोसी जातियों के पापी अनैतिक अभ्यासों से "घृणा" करें।
- परमेश्वर ने सब अनुचित यौनाचार को "घृणित" कहा है।
- भविष्य कहना, भूत सिद्धि करना तथा शिशु-बलि, सब परमेश्वर के लिए "घृणित" थे।
- "घृणा" शब्द का अनुवाद "दृढ़ता से अस्वीकार" या "नफरत" या "बहुत बुरा मानते हैं" के रूप में किया जा सकता है।
- "घृणित" शब्द का अनुवाद "भयानक बुराई" या "घृणा योग्य" या "परित्याग के योग्य" किया जा सकता है।
- जब दुष्ट को धर्मी "घृणित" करने के लिए आवेदन किया जाता है, तो इसे "बहुत अवांछनीय माना जाता है" या "अयोग्य" या "अस्वीकार कर दिया" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- परमेश्वर ने कुछ प्रकार के जानवरों को "घृणा" करने के लिए इसाएलियों से कहा था कि परमेश्वर ने उन्हें "अशुद्ध" और भोजन के लिए उपयुक्त नहीं घोषित किया था। * इसका अनुवाद "प्रबल नापसंदगी" या "परित्याग" या "अस्वीकार्य मानना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: भविष्य कहना, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ

- [उत्पत्ति 43:32](#)
- [यिर्मयाह 07:30](#)
- [लैव्यव्यवस्था 11:10](#)
- [लूका 16:15](#)
- [प्रकाशितवाक्य 17:3-5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H1602, H6973, H8130, H8251, H8262, H8263, H8441, H8581, G946, G947, G948, G4767, G3404

घेर

परिभाषा:

"घेराव" शब्द की सेना द्वारा नगर को घेर कर भोजन-पानी का आना रोक देना। किसी शहर को "घेर" करने या इसे "घेराबंदी" के नीचे रखने के लिए इसका अर्थ है घेराबंदी के माध्यम से हमला करना।

- जब बाबेल ने इसाएल पर हमला किया, तो उन्होंने शहर के अंदर लोगों को कमजोर करने के लिए यरूशलेम के खिलाफ घेराबंदी की रणनीति का इस्तेमाल किया।
- घेराव के समय धूल मिट्टी के ढेले बनाए जाते थे कि शत्रु की सेना शहरपनाह को पार करके नगर पर आक्रमण कर पाए।
- एक शहर को "घेर" करने के लिए इसे "घेराबंदी" के रूप में व्यक्त किया जा सकता है या उस पर "घेराबंदी" करने के लिए कहा जा सकता है।
- "घेराव कर दिया" का अर्थ "घेराव" ही है। इन दोनों अभिव्यक्तियों द्वारा किसी नगर का शत्रुओं द्वारा घेराव दर्शाता है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 20:1](#)
- [1 राजा 20:1-3](#)
- [1 शमूएल 11:1-2](#)
- [यिर्मायाह 33:4-5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4692, H4693, H5341, H5437, H5564, H6693, H6696, H6887

घोड़ा

परिभाषा:

घोड़ा चार टांगों का एक बड़ा पशु होता है जिसको बाइबल के युग में अधिकतर खेती के काम में या सवारी धोने के काम में लिया जाता था।

- कुछ घोड़े गाड़ी और रथ खींचने के लिए भी काम में लिए जाते थे, उन पर सवारी भी की जाती थी।
- घोड़ों को लगाम लगाई जाती थी कि इच्छा के अनुसार चलाया जाए।
- बाइबल युग में घोड़े एक मूल्यवान सम्पदा थे, उन्हें पशु धन माना जाता था क्योंकि वेमुख्यातः युद्ध में काम आते थे। उदाहरणार्थ, सुलैमान के असीम वैभव का एक भाग उसके हजारों घोड़ें और रथ थे।
- गधे और खच्चर भी घोड़े जैसे ही चौपाए हैं।

(यह भी देखें: रथ, , गधा, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 18:04](#)
- [2 राजा 02:11](#)
- [निर्गमन 14:23-25](#)
- [यहेजकेल 23:5-7](#)
- [जकर्या 06:08](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H47, H5483, H5484, H6571, H7409, G2462

घोषणा करना

परिभाषा:

"घोषणा करना" और "घोषणा" अर्थात् "औपचारिक या सार्वजनिक कथन", प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। इसके सहार्थी शब्द हैं, "उद्घोषित करना", "उद्घोषणा", "प्रकाशित करना", "विज्ञाप्ति।"

- एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान आकर्षित करती है।
- उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, "यहोवा यों कहता है" या "यहोवा का यह वचन" उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "घोषणा करने" का अनुवाद हो सकता है, "विज्ञप्ति प्रकाशित करना" या "सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना" या "बलपूर्वक कहना" या "बल देकर कहना"।
- "घोषणा" शब्द का अनुवाद "कथन" या "उद्घोषण" भी हो सकता है।
- "यहोवा यों कहता है" इस उक्ती का अनुवाद हो सकता है, "यहोवा घोषणा करता है" या "यहोवा का कहना है कि।"

(यह भी देखें: प्रचार करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 16:24](#)
- [1 कुरियियों 15:31-32](#)
- [1 शमूएल 24:17-18](#)
- [आमोस 2:16](#)
- [यहेजकेल 5:11-12](#)
- [मत्ती 7:21-23](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0262, H0559, H0816, H0874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G03120, G05180, G06690, G12290, G13440, G15550, G17180, G18340, G20970, G25110, G26050, G26070, G31400, G36700, G37240, G38220, G38700, G39550, G42960

चमत्कार

परिभाषा:

"चमत्कार" एक ऐसा अद्भुत कार्य है जो परमेश्वर के किए बिना मनुष्य के लिए संभव नहीं है।

- यीशु के आश्वर्यकर्मों में आंधी को शान्त करना, अंधे मनुष्य को दृष्टिदान।
- आश्वर्यकर्मों को "अद्भुत काम" भी कहा गया है क्योंकि उन्हें देखकर मनुष्य आश्र्य एवं विस्मय से अभिभूत हो जाता है।
- "अद्भुत काम" का संदर्भ सामान्यतः परमेश्वर के सामर्थ्य के आश्र्यजनक प्रदर्शन से भी है जैसे, जब उसने आकाश और पृथ्वी की रचना की।
- आश्वर्यकर्मों को "चिन्ह" भी कहा गया है क्योंकि वे संकेत या प्रमाण हैं कि परमेश्वर ही सर्वशक्तिमान हैं जिसका अधिकार सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- कुछ आश्वर्यकर्म परमेश्वर के मुक्ति कार्य हैं जैसे, जब उसने इस्त्राएलियों को मिस्र के दासत्व में से निकाला था और दानियेल को शेरों की हानि से सुरक्षित रखा था।
- अन्य आश्वर्यकर्म हैं, परमेश्वर का दण्ड जैसे नूह के युग में उसने जलप्रलय भेजा या मूसा के युग में मिस्र पर विपत्तियां डालीं।
- परमेश्वर के अन्य अनेक आश्वर्यकर्मों में रोगियों को चंगा करना और मृतकों को जिलाना था।
- यीशु द्वारा रोगियों की चंगाई, आंधी शान्त करना, पानी पर चलना, मृतकों को जिलाना परमेश्वर के सामर्थ्य का प्रदर्शन था। यह सब आश्वर्यकर्म थे।
- परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों को भी सामर्थ्य दिया कि वे आश्वर्यकर्म करें जैसे रोग निवारण तथा अन्य सामर्थ्य के कार्य जो केवल परमेश्वर के सामर्थ्य से ही संभव थे।

अनुवाद के सुझाव:

- "आश्वर्यकर्म" और "अद्भुत कामों" के अनुवाद हो सकते हैं, "परमेश्वर कृत असंभव कार्य" या "परमेश्वर के सामर्थी कार्य" या "परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य"

- “चिन्ह एवं चमत्कार” एक ऐसी अभिव्यक्ति है जिसका बार-बार उपयोग किया गया है, इसका अनुवाद हो सकता है, “प्रमाण एवं आश्वर्यकर्म” या “परमेश्वर के सामर्थ्य को सिद्ध करने वाले आश्वर्य के काम” या “विस्मयकारी चमत्कार जिनसे परमेश्वर की महानता प्रकट होती है”
- ध्यान दें कि चमत्कारी चिन्ह का अर्थ किसी बात के प्रमाण को सिद्ध करने के चिन्ह से भिन्न है। इन दोनों का अर्थ समान हो सकता है।

(यह भी देखें: सामर्थ्य, भविष्यद्वक्ता, प्रेरित, चिन्ह)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [2 पिस्सलुनीकियों 2:8-10](#)
- [प्रे.का. 04:17](#)
- [प्रे.का. 4:22](#)
- [दानियेल 4:1-3](#)
- [व्यवस्थाविवरण 13:1](#)
- [निर्गमन 3:19-22](#)
- [यूहन्ना 2:11](#)
- [मत्ती 13:58](#)

बाह्यबल कहानियों से उदाहरणः

- **16:8** परमेश्वर इस्साएलियों को बचाने के लिए गिदोन ने परमेश्वर से दो **चिह्न** मांगे थे कि उसको विश्वास हो जाए कि परमेश्वर उसके द्वारा इस्साएल को मुक्ति दिलाएगा।
- **19:14** परमेश्वर ने एलीशा के द्वारा बहुत से **चमत्कार** किए।
- **37:10** अनेक यहूदीयों ने इस **काम** को देखकर, यीशु पर विश्वास किया।
- **43:6** “हे इस्साएलियो ये बातें सुनोः यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर के सामर्थ्य से कई **आश्वर्य के कामों** और **चिन्हों** को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो।”
- **49:2** यीशु ने बहुत से **आश्वर्यकर्म** किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, आँधी को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों से अधिक के लिए पर्याप्त हो।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H5953, H6381, H6382, H6383, H6395, H6725, H7560, H7583, H8047, H8074, H8539, H8540, G880, G1213, G1229, G1411, G1569, G1718, G1770, G1839, G2285, G2296, G2297, G3167, G3902, G4591, G4592, G5059,

चरवाहा

परिभाषा:

चरवाहा वह मनुष्य है जो भेड़ों की रखवाली करता है। पुराने नियम में, इस शब्द का सन्दर्भ "रखवाले" से भी है जो अन्य घरेलु मवेशियों के देखभाल करता है जैसे, बकरियां और चौपाए।

- इसके क्रिया रूप, "चरवाही" का अर्थ है, भेड़ों (या अन्य मवेशियों) को उत्तम भोजन और जल के पास ले जाना, वन्पशुओं से उनकी रक्षा करना, उनको खो जाने से बचाना तथा पशुओं को जीवित और सुरक्षित रखने के लिए अन्य सब उत्तरदायित्वों की पूर्ती करना।
- बाईबल में, इस शब्द का उपयोग प्रायः लाक्षणिक भाषा में किया गया है जिसका अर्थ है, (पशुओं की ही नहीं) मनुष्यों की शारीरिक एवं आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेना।
- पुराने नियम में, परमेश्वर को उसके लोगों का चरवाहा कहा गया है क्योंकि उसने उनकी रखवाली की थी। नये नियम में, यीशु स्वयं को "अच्छा चरवाहा" कहता है और अन्य स्थानों में यीशु को कलीसिया का "महान चरवाहा" कहा गया है।
- नये नियम में, "रखवाला" शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो अन्य विश्वासियों पर आत्मिक अगुआ है। जिस शब्द का अनुवाद "पास्टर" किया गया है वह "चरवाहा" शब्द का अनुवाद ही है। प्राचीन और बिशप भी चरवाहे कहलाए थे।

अनुवाद के सुझाव

- इस स्नाग्या शब्द, "चरवाहा" का अनुवाद हो सकता है, "भेड़ों की देखरेख करने वाला मनुष्य" या भेदून का रखवाला" या भेड़ों की सुध रखने वाला"
- जब भीड़ों से अन्य मवेशियों की देखरेख करने वाले मनुष्य का सन्दर्भ हो तो इस शब्द का अनुइवाद हो सकता है, "वृन्द परिचारक" या "मवेशी कर्मी" या "मवेशियों की सेवा करने वाला मनुष्य।"
- क्रिया रूप में "चरवाही" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "भीड़ों की सुध रखना" या "भेड़ों की रक्षा करना।"
- कुछ परिप्रेक्ष्यों में, "चरवाहा" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "अगुआ" या "मार्गदर्शक" या "पर्यवेक्षक"

- उपमा स्वरूप उपयोग करने में इस संज्ञा शब्द, "चरवाहा" के अनुवाद भिन्न-भिन्न होते हैं, जैसे, "आत्मिक चरवाहा" या "आत्मिक अगुआ" या "चरवाहे के समान मनुष्य" या "भेड़ों की रखवाली करने वाले चरवाहे के जैसा अपने लोगों की सुधि लेनेवाला जन" या "चरवाहा जैसे अपनी भेड़ों की अगुआई करता है वैसे अपने लोगों की अगुआई करनेवाला जन" या "परमेश्वर की भेड़ों की सुधि लेनेवाला"।
- इसके क्रिया रूप को लाक्षणिक भाषा में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, "सुध रखना" या "आत्मिक पोषण देना" या "अगुआई करना और शिक्षा देना" या "अगुआई करना और संभालना (जैसे चरवाहा अपनी भेड़ों को संभालता है)"
- इसी संदर्भ में "चरवाहे" का अनुवाद "अगुआ" या "पथ प्रदर्शक" या "सुधि लेनेवाला" हो सकता है।

(यह भी देखें: पासबान, भेड़, मवेशी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 13:7](#)
- [उत्पत्ति 49:24](#)
- [लूका 2:9](#)
- [मरकुश 6:34](#)
- [मरकुस 14:26-27](#)
- [मत्ती 2:6](#)
- [मत्ती 9:36](#)
- [मत्ती 25:32](#)
- [मत्ती 26:31](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 9:11 मूसा मिस्र से बहुत दूर जंगल में एक चरवाहा बन गया। के प्रति
- 17:2 दाऊद बेथलेहेम के शहर से एक चरवाहा था। जब वह अपने पिता के भेड़ों की निगरानी कर रहा था, तब दाऊद ने एक बार एक शेर को और एक बार एक भालू को मार दिया था क्योंकि उन्होंने उसकी भेड़ों पर चढ़ाई की थी।
- 23:6 उस रात, वहाँ कुछ चरवाहे थे जो पास के मैदान में अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे।
- 23:8 चरवाहे तुरंत ही उस स्थान पर पहुंचे जहां यीशु था और उन्होंने उसे चरनी में लेटा हुआ पाया, जैसा स्वर्गदूत ने उन्हें बताया था।
- 30:3 यीशु के लिए, ये लोग किसी चरवाहे के बिना भेड़ों के समान थे।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6629, H7462, H7469, H7473, G07500, G41650, G41660

चर्मरोग

परिभाषा:

"कोढ़" का उल्लेख बाइबल में आया है। वह विभिन्न त्वचा रोगों का संदर्भ देता है। "कोढ़ी" वह मनुष्य है जो कोढ़ से ग्रस्त है,

“कोढ़” मनुष्य या मनुष्य की देह के उस अंग का संदर्भ देता है जहाँ कोढ़ का लक्षण प्रकट होता है।

- एक प्रकार के कोढ़ में त्वचा का रंग उड़ जाता है और वहाँ सफेद दाग हो जाते हैं जैसे मिरयम और नामान को था।
- आज के युग में कोढ़ के कारण हाथ, पांव और देह के अन्य अंग क्षतिग्रस्त होकर विकृत हो जाते हैं।
- परमेश्वर ने इसाएलियों को जो आदेश दिए थे उनके अनुसार यदि किसी मनुष्य को कोढ़ हो जाता था तो उसे “अशुद्ध” माना जाता था और उसे अन्य मनुष्यों से अलग रहना होता था कि उन्हें इस रोग का संक्रमण न हो।
- कोढ़ी को “अशुद्ध” चिल्लाना पड़ता था कि मनुष्यों को उससे दूर रहने की चेतावनी मिले।
- यीशु ने अनेक कोढ़ियों को और त्वचा रोगियों को चंगा किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- बाइबल में जो “कोढ़” शब्द है उसका अनुवाद “त्वचा रोग” या “भयानक त्वचा रोग” किया जा सकता है।
- “कोढ़” का अनुवाद “कोढ़ग्रस्त” या “त्वचा रोग ग्रस्त” या “त्वचा के घावों से भरा” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मिरयम, नामान, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 5:13](#)
- [लूका 17:12](#)
- [मरकुस 1:40](#)
- [मरकुस 14:3](#)
- [मत्ती 8:3](#)
- [मत्ती 10:8-10](#)
- [मत्ती 11:5](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6879, H6883, G30140, G30150

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोंसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शोकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शोकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी। नए नियम के युग में शोकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शोकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: मिलापवाला तम्बू मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 18:9-11](#)
- [1 शम्पूल 02:36](#)
- [2 राजा 25:13-15](#)
- [प्रे.का. 03:06](#)
- [मत्ती. 26:15](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चिट्ठियाँ

परिभाषा:

“चिट्ठियाँ” पर्चियों पर नाम लिखे जाते हैं और निर्णय लेने के लिए उनमें से एक उठाई जाती है। “चिट्ठियाँ डालना” अर्थात् चिन्ह डालकर पर्चियों को भूमि पर या अन्य स्थान में डालकर एक उठाना।

- कुछ संस्कृतियों में चिट्ठियां डालने में तिनकों का गट्ठा काम में लिया जाता था। एक मनुष्य उन तिनकों को पकड़ कर रखता था कि कोई देख न पाए कि वे कितने लम्बे हैं। प्रत्येक मनुष्य एक तिनका खींचता था और जिसके पास सबसे लम्बा तिनका आता था (या सबसे छोटा) वही चुना हुआ माना जाता था।
- बाइबिल के समय में, प्रकरण के अनुसार “चिट्ठी” का अनुवाद “अकित पत्थर” या “मिट्टी के पात्रों के टुकड़ों” या “लकड़ियां” या “तिनके” भी किए जा सकते हैं।
- “चिट्ठियां डालना” का अनुवाद, “पर्चियां डालना” या “पर्ची खींचना” या पर्ची गिराना” भी हो सकता है। “डालना” का अनुवाद ऐसा प्रकट न करे कि चिट्ठियां बहुत दूर तक फेंकी जाती थीं।
- यदि “चिट्ठियों” द्वारा निर्णय लिया गया तो उसका अनुवाद “चिट्ठियां डालकर” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: इलीशिबा, याजक, जकर्याह (पुराना नियम), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- [योना 01:6-7](#)
- [लूका 01:8-10](#)
- [लूका 23:33-34](#)
- [मरकुस 15:22-24](#)
- [मत्ती 27:35-37](#)
- भजन संहिता 022:18-19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1486, H2256, H5307, G2624, G2819, G2975, G3091

चिताना

परिभाषा:

“चिताना” अर्थात् किसी को दृढ़ चेतावनी देना या समझाना।

- “चिताना” का सामान्यतः अर्थ है कि किसी को कोई काम न करने के लिए समझाना।
- “मसीह की देह में, विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि वे आपस में समझाएं कि पाप से बचना है और पवित्र जीवन जीना है।”
- “चिताना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पाप नहीं करने के लिए उत्साहित करना” या “किसी को पाप नहीं करने का आग्रह करना”

बाइबल सन्दर्भ:

- [नहेम्याह 09:32-34](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2094, H5749, G3560, G3867, G5537

चिन्ह

परिभाषा:

“चिन्ह” प्रायः उस वस्तु घटना या कार्य के सन्दर्भ में है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- :बाईंबल में "चिन्ह" कभी कभी परमेश्वर द्वारा की गई प्रतिज्ञा या स्थापित वाचा के लिए दिए जाते थे:
- उत्पत्ति के पुस्तक में परमेश्वर द्वारा आकाश में स्थापित मेघधनुष परमेश्वर को स्मरण कराने के लिए एक चिन्ह (स्मारक) है कि उसने प्रतिज्ञा की है कि वह विश्वव्यापी जलप्रलय से जीवन को फिर कभी नष्ट नहीं करेगा।
- उत्पत्ति की पुस्तक में, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे अपने पुत्रों का खतना करें जो उस तथ्य का एक चिन्ह होगा जो उनके साथ बंधी गई परमेश्वर की वाचा का चिन्ह होगा।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते हैं:
- लूका के वृतांत में, स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा उनको सहायता मिलेगी कि वे बैतलहम में पहचान पाएं कि कौन सा शिशु नवजात मसीह है।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि यही यीशु है जिसको उन्हें पकड़ना है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते हैं:
- निर्गमन की पुस्तक में, विपत्तियों ने मिस्र में विनाश ढां दिया था जो एक चिन्ह था कि यहोवा कौन है और उनसे सिद्ध हुआ कि वह फिरैन से और उसके मिस्री देवताओं से अधिक महान है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में, भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्वर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे हैं।
- यूहन्ना रचित सुसमाचार में कहा गया है कि यीशु ने जो चमत्कार किए, वे चिन्ह जिनसे सिद्ध होता है कि वह वास्तव में मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- बार-बार आने वाली अभिव्यक्ति, "चिन्ह और चमत्कार" का अनुवाद हो सकता है: "प्रमाण एवं चमत्कार" या "परमेश्वर के सामर्थ्य को सिद्ध करने वाले चमत्कारी कार्य" या "विस्मयकारी आश्वर्यकर्म जिनसे प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा महान है"।
- "हाथों से संकेत करना" का अनुवाद हो सकता है: "हाथों की गतिविधि" या "हाथों से इंगित करना" या "भाव दर्शना"।
- कुछ भाषाओं में किसी बात को सिद्ध करने के लिए "चिन्ह" शब्द का एक अनुवादित रूप होता है और आश्वर्यकर्म के लिए "चिन्ह" का दूसरा अनुवादित शब्द होता है।

(यह भी देखें: आश्वर्यकर्म, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 2:18-19](#)
- [निर्गमन 4:8-9](#)
- [निर्गमन 31:12-15](#)
- [उत्पत्ति 1: 14-15](#)
- [उत्पत्ति 9: 12](#)
- [यूह. 2:18](#)
- [लूका 2:12](#)
- [मरकुस 18:12](#)
- भजन-संहिता 89:5-6

शब्द तथ्यः

- Strong's: H0226, H0852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G0364, G0880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चीता

तथ्यः

चीता, बिल्ली जैसा एक बड़ा पशु है जिसका रंग भूरा होता है और उस पर काले धब्बे होते हैं।

- चीता अन्य पशुओं को मार कर खाता है।
- बाइबल में आकस्मिक दुर्घटना की तुलना चीते से की जाती है क्योंकि चीता अपने शिकार पर आकस्मिक हमला करता है।
- भविष्यद्वक्ता दानियेल और प्रेरित यूहन्ना ने दर्शन में चीते जैसा एक पशु देखा था।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: पशु, दानियेल, शिकार, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 07:6-7](#)
- [होशे 13:7-8](#)
- [प्रकाशितवाक्य 13:1-2](#)
- [श्रेष्ठगीत 04:8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5245, H5246

चुना हुआ

परिभाषा:

"चुने हुए" का वास्तविक अर्थ है "चयनित जन" या "चुनी हुई प्रजा" यह उन लोगों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया या पृथक किया है। "चुना हुआ" या "परमेश्वर का चुना हुआ", ये उपनाम यीशु को दर्शते हैं जो चुना हुआ मसीह है।

- “चुनना” शब्द का अर्थ है किसी वस्तु को या किसी मनुष्य को अलग कर लेना या किसी बात पर निर्णय लेना। यह शब्द अधिकतर परमेश्वर द्वारा मनुष्यों को अपने लिए अलग कर लेने के लिए प्रयोग होता था कि वे अब उसके हैं और उसकी सेवा के लिए हैं।
- “चुने हुए” का अर्थ है “चयनित” या “नियुक्त”- कुछ होने के लिए या कुछ करने के लिए।
- परमेश्वर ने मनुष्यों को पवित्र होने के लिए चुना कि उत्तम आत्मिक फल लाने के लिए परमेश्वर द्वारा अलग किए जाएं। यही कारण है कि उन्हें “चुने हुए लोग” या “चुने हुए” कहते हैं।
- बाइबल में कभी-कभी इस उक्ति “चुने हुओं” का उपयोग कुछ विशेष मनुष्यों लिए किया गया है जैसे मूसा, राजा दाऊद जिन्हें परमेश्वर ने अपनी प्रजा के अगुवे नियुक्त किया था। इसका उपयोग, इस्लाम को संदर्भित करने के लिए भी किया गया है क्योंकि वे परमेश्वर के चुने हुए लोग थे।
- “चुना हुआ” एक प्राचीन शब्द है जिसका अर्थ है “अलग किया गया” या “अलग किए हुए लोग” मूल भाषा में यह शब्द जब मसीही विश्वासियों के लिए प्रयोग किया गया तो यह बहुवचन में काम में लिया गया था।
- अंग्रेजी बाइबल के पुराने संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द नये नियम और पुराने नियम दोनों में “अलग किए हुओं” के लिए प्रयोग किया गया है जो “अलग किए हुए” लोगों के लिए काम में लिए गए शब्द का अनुवादित शब्द है। अधिक आधुनिक संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द केवल उन लोगों के लिए प्रयोग किया गया है, जिसका उद्धार परमेश्वर ने मसीह यीशु के द्वारा किया है। बाइबल में अन्य स्थानों में इस शब्द का अनुवाद यथावत “चुना हुआ” ही किया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित तो यह होगा कि इस शब्द, "चयनित" का अनुवाद, "चुने हुए जन" या "चुनी हुई जाति" किया जाए। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मनुष्य जिनको परमेश्वर ने चुन लिया है" या "वे जिनको परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त कर दिया है"
- "जो चुने गए" का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "जिन्हें नियुक्त किया" या "जो अलग किए गए" या "जिन्हें परमेश्वर ने चुना"।
- "मैंने तुझे चुन लिया है" इसका अनुवाद किया जा सकता है, "मैंने तुम्हें नियुक्त किया है" या "मैंने तुम्हें अलग किया है"।
- यीशु के संदर्भ में, इस उक्ति "चुना हुआ" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का चयनित" या "परमेश्वर का विशेष नियुक्त मसीह" या "जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया है"

(यह भी देखें: नियुक्त, मसीह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 यूहन्ना 1:1](#)
- [कुलुसियों 3:12](#)
- [इफिसियों 1:3-4](#)
- [यशायाह 65:22-23](#)
- [लूका 18:7](#)
- [मत्ती 24:19-22](#)
- [रोमियो 8:33](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0970, H0972, H0977, H1262, H1305, H4005, H6901, G01380, G01400, G15860, G15880, G15890, G19510, G37240, G44000, G44010, G47580, G48990, G55000

चुम्बन

परिभाषा:

चुम्बन में एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के होठों पर या चेहरे पर अपने होंठ रखता है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया गया है।

- कुछ संस्कृतियों में गालों को चूमा जाता है कि अभिवादन या अलविदा को व्यक्त किया जाए।
- चुम्बन दो व्यक्तियों के मध्य गहरे प्रेम को प्रकट करता है जैसे पति-पत्नी।
- "किसी को विदा का चुम्बन देना" अर्थात् किसी को चूमकर विदा करना।
- कभी-कभी "चूमना" शब्द का अर्थ है किसी को "विदा करना"। जब एलीशा ने एलियाह से कहा था, "पहले मुझे जाकर अपने माता-पिता को चूमने दे" तो उसके कहने का अर्थ था कि एलियाह का अनुसरण करने के लिए उनसे अलग होने के लिए विदाई लेना।

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 थिस्सलुनीकियों 5:25-28](#)
- [उत्पत्ति 27:26-27](#)
- [उत्पत्ति 29:11](#)
- [उत्पत्ति 31:28](#)
- [उत्पत्ति 45:15](#)
- [उत्पत्ति 48:10](#)
- [लूका 22:48](#)
- [मरकुस 14:45](#)
- [मत्ती 26:48](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5390, H5401, G27050, G53680, G53700

चेला

परिभाषा:

“चेला” शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो गुरु के साथ बहुत समय व्यतीत करता है और गुरु के चरित्र और शिक्षाओं से सीखता है।

- जो लोग यीशु के पीछे चलते थे और उसकी शिक्षाओं को सुनकर उनका पालन करते थे, वे उसके “चेले” कहलाते थे।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी चेले थे।
- यीशु के सांसारिक सेवाकाल में उसके अनेक चेले थे और जो उसका अनुसरण करते और उसकी शिक्षाओं को सुनते थे।
- यीशु ने बारह मनुष्यों को चुना कि उसके घनिष्ठ अनुयायी हों, ये पुरुष उसके “प्रेरित” कहलाए।
- यीशु के बारह प्रेरित उसके “शिष्य” या “बारहों” कहलाए।
- अपने स्वगरीहण से पूर्व यीशु ने अपने शिष्यों को आज्ञा दी कि उन्हें भी यीशु के शिष्य बनना सिखाएं।
- यीशु में विश्वास करने और उसकी शिक्षाओं का पालन करनेवालों को यीशु के चेले कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “चेला” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ हो, “अनुयायी” या “विद्यार्थी” या “शिष्य” या “शिक्षार्थी”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद कक्षा में विद्योपार्जन करने वाले विद्यार्थी के जैसा नहीं।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “प्रेरित” शब्द के अनुवाद से भिन्न शब्द हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास करना, यीशु, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 6:1](#)
- [प्रे.का. 9:26-27](#)
- [प्रे.का. 11:26](#)
- [प्रे.का. 14:22](#)
- [यूहन्ना 13:23](#)
- [लूका 6:40](#)
- [मत्ती 11:3](#)
- [मत्ती 26:33-35](#)
- [मत्ती 27:64](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **30:8** यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर चेलों को दी कि वे लोगों को परोसे। चेलों ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:1** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का उत्सव मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसमनी नामक एक जगह में अपने चेलों के साथ आया। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो।
- **42:10** यीशु ने अपने चेलों से कहा, “स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3928, G31000, G31010, G31020

चोर

तथ्यः

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। “चोर” का बहुवचन है “चोरों।” “डाकू” शब्द अधिकतर एक ऐसे चोर का सन्दर्भ देता है जो लुटने वालों को शारीरिक हानि पहुंचाता है या भयभीत करता है।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का खाल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते हैं, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो वह लोगों से उन अच्छी बातों को चुरा जिनकी योजना परमेश्वर ने उनके लिए बनाई है।
- यीशु ने अपने आकस्मिक पुनरागमन की तुलना चोर के अकस्मात् आ जाने से की थी जो की चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात् ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशिष देना, अपराध, क्रूस पर चढ़ाना, अन्धकार, विनाशक, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भः

- [2 पत्रस 03:10](#)
- [लूका 12:33](#)
- [मरकूस 14:48](#)
- [नीतिवचन 6:30](#)
- [प्रकाशितवाक्य 3:3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H7703, G727, G2417, G2812, G3027

चौकस

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक “पहरुआ” ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई खतरा या अनर्थ तो नहीं है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात् संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- "पहरा देना" या "चौकसी करना" अर्थात् किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, "ध्यान देना" या "यत्कशील होना" या "अत्यधिक सावधान रहना" या "सतर्क रहना"।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भः

- [1 पिस्सलुनीकियों 05:06](#)
- [इब्रानियों 13:17](#)
- [यिर्मायाह 31:4-6](#)
- [मरकुस 08:15](#)
- [मरकुस 13:33-34](#)
- [मत्ती 25:10-13](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौखट

परिभाषा:

चौखट का सीधा खड़ा भाग है जिस पर द्वार टिका होता है।

- जब परमेश्वर इस्पाएलियों को मिस्र से निकालने की तैयारी में था तब उसने उनसे कहा था कि वे एक मेम्ने का वध करके उसका लहू चौखट पर लगाएं।
- पुराने नियम के युग में यदि कोई दास अपने स्वामी की आजीवन सेवा करना चाहता था तो उसका कान एक कील से द्वार की चौखट में ठोक दिया जाता था।
- इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "द्वार के दोनों पक्षों की लकड़ी का खंभा" या "द्वार की लकड़ी की चौखट" या "द्वार के पक्षों की लकड़ी की शहतीर"।

(यह भी देखें: मिस्र, फसह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 06:31-32](#)
- [व्यवस्थाविवरण 11:20-21](#)
- [निर्गमन 12:5-8](#)
- [यशायाह 57:7-8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H352, H4201

चौथाई देश के राजा

परिभाषा:

"चौथाई देश के राजा" शब्द का अर्थ है एक सरकारी प्रशासक जो रोमी साम्राज्य के एक भाग पर शासन करता था। प्रत्येक चौथाई देश का राजा रोमी सम्राट् के अधिकाराधीन था।

- शीर्षक "चौथाई देश के राजा" का अर्थ है, "चार संयुक्त शासकों में से एक है।"
- सम्राट डाइक्लेशियन के समय से रोमी साम्राज्य के चार प्रमुख विभाजन थे और प्रत्येक चौथाई देश का राजा एक विभाजन पर शासन करता था।
- हेरोदेस "महान" जो यीशु के जन्म के समय राजा था, उसकी मृत्यु के बाद उसका राज्य चार वर्गों में विभाजित किया गया था, और उसके पुत्रों ने "चौथाई देश के राजा" या "चौथे के शासकों" के रूप में शासन किया।
- प्रत्येक चौथाई देश में एक या उससे अधिक क्षेत्र थे जिन्हें "प्रांत" कहा जाता था, जैसे गलील या सामरिया।
- "हेरोदेस जो चौथाई देश का राजा था" उसका उल्लेख कई बार नए नियम किया गया है. वह "हेरोदेस अन्तिपास" नाम से भी जाना जाता था।
- "चौथाई देश के राजा," शब्द का अनुवाद, "क्षेत्रीय शासक" या "प्रांतीय शासक" या "शासक" या "अधिपति" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: राज्यपाल, हेरोदेस अन्तिपास, प्रांत, रोम, शासक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 3:1-2](#)
- [लूका 9:7](#)
- [मत्ती 14:1-2](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G50750, G50760

छितरा

परिभाषा:

- "छितरा" और "तितर-बितर होकर" मनुष्यों या वस्तुओं का विभिन्न दिशाओं में बिखर जाना।
- पुराने नियम में परमेश्वर लोगों को "तितर-बितर" करने की बात कहता है। उन्हें अलग-अलग करके एक दूसरे से दूर अलग अलग स्थानों में कर देगा। उन्हें पाप का दण्ड देने के लिए परमेश्वर ने ऐसा किया था। संभव था कि तितर-बितर होने के कारण वे मन फिराएं और पुनः परमेश्वर की उपासना करने लगें।
- नये नियम में "तितर-बितर" होना, सताव के कारण विश्वासियों को अपना घर त्याग कर विभिन्न स्थानों में जाना पड़ा था।
- "तितर-बितर" का अनुवाद हो सकता है, "विभिन्न स्थानों में विश्वासी" या "विभिन्न देशों में जाकर रहने वाले लोग"।
- "तितर-बितर करना" का अनुवाद "अनेक विभिन्न स्थानों में भेजना" या "परदेश में विस्थापित करना" या "विभिन्न देशों में वास करने के लिए विवश करना"।

(यह भी देखें: विश्वास, सताना), बंदी, exile

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 पतरस 1:1](#)
- [यहेजकेल 12:15](#)
- [यहेजकेल 30:23](#)
- भजन संहिता 18:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2219, H5310, H6327, H6340, H6504, H8600, G1287, G1290, G4650

छुटकारे का मूल्य

परिभाषा:

- क्रिया शब्द "छुटकारे का मूल्य", किसी बन्दी, दास या कारावास में रखे हुए मनुष्य के लिए धनराशि देना या बचाने के लिए किसी काम को आत्म-त्याग के साथ करना। "पुनः खरीद लेना" "मुक्ति कराने" जैसा ही है।
- एक क्रिया के रूप में, "छुटकारे का मूल्य" का अर्थ भुगतान करना या किसी ऐसे व्यक्ति को, जिसे पकड़ा गया है, गुलाम बनाया गया है या कैद किया गया है, छुड़ाने के लिए आत्म-बलिदान करना है। "वापस खरीदें" का यह अर्थ "छुड़ाने" के अर्थ के समान है।
- यीशु ने पापी लोगों को पाप की गुलामी से छुड़ाने के लिए फिरौती के तौर पर खुद को मारे जाने के लिए दिया। परमेश्वर के अपने लोगों को उनके पाप का दंड चुकाकर वापस खरीदने के इस कार्य को बाइबल में "उद्धार" भी कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- शब्द "छुटकारे का मूल्य" का अनुवाद "मुक्ति के लिए भुगतान" या "मुफ्त में कीमत चुकाने" या "पुनः खरीदने" के रूप में भी किया जा सकता है।।
- वाक्यांश "छुटकारे का मूल्य देना" का अनुवाद "(स्वतंत्रता की) कीमत का भुगतान" या "(लोगों को मुक्त करने के लिए) दंड का भुगतान" या "आवश्यक भुगतान करने" के रूप में किया जा सकता है।
- नाम "छुटकारे" का अनुवाद "वापस खरीदना" या "एक जुर्माने का भुगतान" या "भुगतान किया गया मूल्य" (लोगों या जमीन को मुक्त या पुनः खरीदने के लिए) के रूप में किया जा सकता है।
- एक "छुटकारे का मूल्य" और "छुटकारा" शब्द का अंग्रेजी में एक ही अर्थ है लेकिन कभी-कभी इसे थोड़ा अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। अन्य भाषाओं में इस अवधारणा के लिए केवल एक शब्द हो सकता है।

- सुनिश्चित करें कि यह अनुवाद “प्रायश्चित” के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, छुटकारा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियुस 2:6](#)
- [यशायाह 43:3](#)
- [अथूब 6:23](#)
- [लैव्यव्यवस्था 19:20](#)
- [मत्ती 20:28](#)
- भजन-संहिता 49:7

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1350, H3724, H6299, H6306, G04870, G30830

छुड़ा ले

परिभाषा:

“छुड़ा ले” या “छुटकारा” इसका अर्थ है जो व्यक्ति या वस्तु पहले किसी और के अधिकाराधीन या स्वामीत्व में थी उसे पैसा देकर छुड़ा लेना। इसे करने की कार्य को “छुटकारा” कहते हैं। मुक्तिदाता (छुड़ानेवाला) वह मनुष्य है जो किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ा लेता है।

- परमेश्वर ने इसाएल को किसी वस्तु या मनुष्य को छुड़ाने के नियम दिए थे।
- उदाहरणार्थ, किसी दास को मूल्य चुका कर कोई मनुष्य छुड़ा सकता था कि वह स्वतंत्र हो जाए। “मुक्ति धन” भी इसी अभ्यास के संदर्भ में है।
- यदि किसी की भूमि बेची जा चुकी है तो उसका कोई परिजन उस भूमि को छुड़ा सकता है या “पुनः खरीद” सकता है कि वह पारिवारिक सम्पदा बनी रहे।
- इन अभ्यासों से प्रकट है कि परमेश्वर पाप के दासत्व में रहनेवालों को कैसे छुड़ाता है, जब यीशु कूस पर मर गया था तब उसने मनुष्यों के पापों का पूरा मूल्य चुका दिया और उन सबको छुड़ा लिया जो मुक्ति के लिए उसमें विश्वास करते हैं। जो मनुष्य परमेश्वर द्वारा छुड़ाए गए हैं वे पाप और पाप के दण्ड से मुक्त हो गए हैं।

अनुवाद के सुझावः

- सन्दर्भ के अनुसार, “छुड़ाना” का अनुवाद हो सकता है, “पुनः खरीद लेना” या “स्वतंत्र होने की कीमत चुकाना(कोई)” या “मुक्ति धन”।
- शब्द “छुटकारा” का अनुवाद “मुक्ति धन” या “स्वतंत्र होने की कीमत” या “पुनः खरीद लेना” के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द “मुक्ति धन” और “छुटकारा” मूल रूप से एक ही अर्थ है, इसलिए कुछ भाषाओं में इन दोनों शब्दों का अनुवाद करने के लिए केवल एक शब्द हो सकता है। शब्द “मुक्ति धन”, तथापि, इसका अर्थ भी आवश्यक भुगतान हो सकता है।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, छुटकारे का मूल्य)

बाइबल संदर्भ:

- [कुलस्थियों 01:13-14](#)
- [इफिसियों 01:7-8](#)
- [इफिसियों 05:15-17](#)
- [गलातियों 03:15-16](#)
- [गलातियों 04:3-5](#)
- [लूका 02:36-38](#)
- [रूट 02:19-20](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G59, G629, G1805, G3084, G3085, H1350, H1353, H6299, H6302, H6304, H6306, H6561, H7069

छुड़ाना**परिभाषा:**

“छुड़ाना” अर्थात् किसी को बचाना। “छुटकारा दिलाने वाला” का अर्थ है, मनुष्यों को दासत्व, अत्याचार, या अन्य खतरों से बचानेवाला। “छुटकारा” शब्द मनुष्यों का दासत्व, अत्याचार और अन्य संकटों से निकाल लेने के बाद की स्थिति को दर्शाता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्ताएल के लिए छुटकारा दिलाने वाले नियुक्त किए थे कि अन्यजाति जब उन पर आक्रमण करें तो उनके विरुद्ध युद्ध में उनकी अगुआई करें।
- इन छुटकारा दिलाने वालों को “न्यायी” कहा जाता था और पुराने नियम में न्यायियों की पुस्तक में इस्ताएल पर इन न्यायियों का इतिहास है।
- परमेश्वर को भी “छुटकारा दिलाने वाला” कहा गया है। इस्ताएल के संपूर्ण इतिहास में परमेश्वर ने अपनी प्रजा को उनके शत्रुओं से छुड़ाया था।
- “पकड़वाना” या “सौंपा जाना” का अर्थ सर्वथा भिन्न है, अर्थात् बैरी के हाथों में दे देना जैसे यहूदा ने यीशु को यहूदी अगुओं के हाथों में पकड़वा दिया था।

अनुवाद के सुझावः

- मनुष्य को शत्रुओं से बचने में सहायता के संदर्भ में “छुटकारा” का अनुवाद हो सकता है, “बचाना” या “मुक्ति दिलाना” या “उद्धार करना”।
- जब अभिप्राय बैरी के हाथों पकड़वाना हो तो इसका अनुवाद होगा “विश्वासघात करके” या “पकड़वाना” या “सौंप देना”।
- “छुटकारा दिलाने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “बचानेवाला” या “उद्धारक”।
- जब “छुटकारा दिलाने वाला” शब्द इस्ताएल के न्यायियों के संदर्भ में हो तो उसका अनुवाद हो सकता है, “प्रशासक”, या “न्यायी” या “अगुआ”।

(यह भी देखें: न्याय करना, बचाना)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 कुरिस्थियों 01:8-10](#)
- [प्रे.का. 07:35-37](#)
- [गलतियों 01: 3-5](#)
- [न्या. 10:10-12](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **16:03** फिर परमेश्वर ने एक छुटकारा दिलाने वाला प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने दुश्मनों से बचाया और देश में शांति लाए।
- **16:16** उन्होंने (इस्माएल) परमेश्वर से एक बार फिर सहायता माँगी और परमेश्वर ने एक अन्य **उद्धारक** को उनके लिए भेजा।
- **16:17** कई वर्षों में परमेश्वर ने बहुत से **उद्धारक** को भेजा जिन्होंने इस्माएलियों को शत्रुओं से बचाया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H579, H1350, H2020, H2502, H3052, H3205, H3444, H3467, H4042, H4422, H4560, H4672, H5337, H5338, H5414, H5462, H6299, H6308, H6403, H6405, H6413, H6475, H6487, H6561, H7725, H7804, H8000, H8199, H8668, G325, G525, G629, G859, G1080, G1325, G1560, G1659, G1807, G1929, G2673, G3086, G3860, G4506, G4991, G5088, G5483

जंगल**परिभाषा:**

रेगिस्टान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्टान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
- कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्टान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
- “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
- इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 13:16-18](#)
- [प्रे.का. 21:37-38](#)
- [निर्गमन 04:27-28](#)
- [उत्पत्ति 37:21-22](#)
- [यूहन्ना 03:14-15](#)
- [लूका 01:80](#)
- [लूका 09:12-14](#)
- [मरकुस 01:1-3](#)
- [मत्ती 04:1-4](#)
- [मत्ती 11:7-8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

जकर्याह (नया नियम)**तथ्यः**

जकर्याह एक यहूदी याजक था जो यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का पिता हुआ।

- जकर्याह परमेश्वर से प्रेम करता था और उसकी आज्ञा मानता था।
- जकर्याह और उसकी पत्नी इलीशिबा ने वर्षों सन्तान प्राप्ति की प्रार्थना की थी परन्तु उन्हें पुत्र प्राप्त नहीं हुआ था। जब वे वृद्धावस्था को प्राप्त हुए तब परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना सुनकर उन्हें पुत्र दिया।
- जकर्याह ने भविष्यद्वाणी की थी कि उसका पुत्र यूहन्ना एक भविष्यद्वक्ता होगा जो मसीह के लिए मार्ग तैयार करेगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, इलीशिबा, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 1:5-7](#)
- [लूका 1:21-23](#)
- [लूका 1:39-41](#)
- [लूका 3:1-2](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **22:1** अकस्मात् ही एक स्वर्गद्वारा जकर्याह नामक वृद्ध याजक के पास परमेश्वर का संदेश लेकर आया। जकर्याह और उसकी पत्नी इलीशिबा वे दोनों परमेश्वर के सामने धर्मी थे, परन्तु उसके पास संतान नहीं थी।
- **22:2** स्वर्गद्वारा ने जकर्याह से कहा, ‘तेरी पत्नी इलीशिबा तेरे लिए एक पुत्र को जन्म देगी। और तू उसका नाम यूहन्ना रखना।’
- **22:3** तुरन्त ही, जकर्याह गूँगा हो गया।
- **22:7** तब परमेश्वर ने जकर्याह को बोलने में सक्षम किया और वह फिर से बोलने लगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G21970

जकर्याह (पुराना नियम)

तथ्य:

जकर्याह फारसी राजा, दारा प्रथम के युग में भविष्यद्वाणी करनेवाला एक भविष्यद्वक्ता था। पुराने नियम में जकर्याह नाम की पुस्तक में उसकी भविष्यद्वाणियां हैं जिनमें लौटने वाले निर्वासितों से मंदिर के पुनः निर्माण के लिए आग्रह किया।

- भविष्यद्वक्ता जकर्याह, एज्रा, नहेम्याह, जरूब्बाबेल तथा भविष्यद्वक्ता हागै का समकालीन था। यीशु द्वारा उसका उल्लेख यीशु ने उन अंतिम भविष्यवक्ताओं में क्या है जिनको पुराने नियम के समय घात किया गया था।
- जकर्याह नाम का एक और पुरुष था जो राजा दाऊद के समय मिलाप वाले मंदिर का प्रमुख द्वारपाल था।
- राजा यहोशापात के पुत्रों में से एक का नाम जकर्याह था जिसकी हत्या उसी के भाई यहोराम ने की थी।
- जकर्याह नाम का एक याजक भी था जिसने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए फटकारा था और लोगों ने उसे पत्थरवाह कर दिया था।
- राजा जकर्याह यारोबाम का पुत्र था, उसने मात्र छः महीने राज किया था और उसकी हत्या कर दी गई थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: दारा, एज्रा, यहोशापात, यारोबाम, नहेम्याह, जरूब्बाबेल)

बाइबल सन्दर्भ:

- [एज्रा 5:1-2](#)
- [मत्ती 23:34-36](#)
- [जकर्याह 1:1-3](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2148

जककई

तथ्यः

जककई यरीहो में चुंगी लेनेवाला अधिकारी था, वह यीशु को देखने के लिए पेड़ पर चढ़ गया था।

- यीशु में विश्वास करके जककई पूर्णतः बदल गया था।
- उसने लोगों को धोका देने के पाप का पश्चाताप किया और अपनी आधी सम्पत्ति गरीबों में बांटने की प्रतिज्ञा की थी।
- उसने यह प्रतिज्ञा भी की थी कि जिनसे उसने अवैध कर वसूल किया है उन्हें वह चारगुणा लौटा देगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: विश्वास, प्रतिज्ञा, मन फिराव, पाप, कर, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 19:2](#)
- [लूका 19:6](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G21950

जबूलून

तथ्यः

जबूलून याकूब और लिआः का आखरी पुत्र था और इसाएल के बारह गोत्रों में से एक गोत्र का नाम था।

- जबूलून के गोत्र को खारे ताल के पश्चिम में भूमि दी गई थी।
- कभी-कभी इस गोत्र के निवास स्थान को भी "जबूलून" कह कर पुकारा जाता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब, लिआः, खारे ताल, इसाएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [निर्गमन 01:1-5](#)
- [उत्पत्ति 30:19-21](#)
- [यशायाह 09:1-2](#)
- [न्यायियों 04:10](#)
- [मत्ती 04:12-13](#)
- [मत्ती 04:14-16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2074, H2075, G2194

जब्दी

तथ्यः

जब्दी गलील से एक मछुआरा था जो अपने बेटों, याकूब और यूहन्ना, जो यीशु के चेले थे, के कारण जाना जाता है। वे अक्सर नए नियम में "जब्दी के पुत्र" के रूप में पहचाने जाते हैं।

- जब्दी के पुत्र भी मछुआरे थे और उसके साथ मछली पकड़ने का काम किया करते थे।
- याकूब और यूहन्ना ने अपने पिता जब्दी के साथ मछली पकड़ने का काम छोड़ दिया और यीशु के पीछे हो लिए।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: चेले, मछुवारे, याकूब (जब्दी का पुत्र), यूहन्ना (प्रेरित))

बाइबल सन्दर्भः

- [यूहन्ना 21:1-3](#)
- [लूका 5:8-11](#)
- [मरकुस 1:19-20](#)
- [मत्ती 4:21-22](#)
- [मत्ती 20:20](#)
- [मत्ती 26:36-38](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G21990

जरूब्बाबेल

तथ्यः

पुराने नियम के युग में जरूब्बाबेल नामक दो पुरुष इसाएल में हुए थे।

- इनमें से एक यहोयाकीम और सिदकियाह का वंशज था।
- एक और जरूब्बाबेल, शेलतीएल का पुत्र, एज्ञा और नहेम्याह के समय यहूदा के गोत्र का प्रधान था जब फारस के राजा कुसूने इसाएलियों को बेबीलोन की बन्धुआई से मुक्त किया था।
- जरूब्बाबेल और महायाजक येशू उन लोगों में से थे जिन्होंने परमेश्वर के मन्दिर और वेदी के पुनः निर्माण में हाथ बंटाया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, बन्दी, कुसून, एज्ञा, महा-याजक, यहोयाकीम, यहोशू, यहूदा, नहेम्याह, फारस, सिदकियाह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 3:19-21](#)
- [एज्ञा 2:1-2](#)
- [एज्ञा 3:8-9](#)
- [लूका 3:27-29](#)
- [मत्ती 1:12](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2216, H2217, G2216

जल-प्रलय/बाढ़

परिभाषा:

“जल प्रलय” अर्थात् भूमि को जल-मग्न करने वाला बहुत पानी।

- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जिसका संदर्भ किसी पूर्णतः अभिभूत करनेवाली बात से होता है, विशेष करके अक्समात ही होनेवाली घटना से।
- नूह के युग में मनुष्य ऐसा दुराचारी हो गया था कि परमेश्वर ने पृथ्वी को जल-मग्न करके सर्वनाश कर दिया था, यहां तक कि पहाड़ भी पानी में डूब गए थे। नूह के जहाज में जितने प्राणी थे उन सबको छोड़ पृथ्वी पर से जीवन समाप्त हो गया था। अन्य सब बाढ़ यदा-कदा ही भूमि को जल-मग्न करती है।
- यह शब्द क्रिया भी हो सकता है, जैसे, “भूमि नदी के जल में मग्न हो गई”।

अनुवाद के सुझावः

- “जल-प्रलय” के वास्तविक अर्थ का अनुवाद हो सकता है, “जल आप्लापित होना” या “बहुत अधिक पानी”
- रूपात्मक तुलना “जल-प्रलय जैसा” को ज्यों का त्यों भी रहने दिया जा सकता है। या इसका वैकल्पिक शब्द/उक्ति काम में ली जाए जिसका अभिप्राय जल प्रवाह हो जैसे नदी का जल।
- यह अभिव्यक्ति “जल-प्रलय के सदृश्य” जिसमें जल की चर्चा हो चुकी है, अतः “प्रलय” का अनुवाद हो सकता है, ‘बहुत अधिक मात्रा में’ या “उमड़ना”
- इस शब्द को रूपक स्वरूप भी काम में लिया जा सकता है, जैसे “मुझ पर बाढ़ न आने दो” अर्थात् आपदाएं मुझे कुचल न डालें। या “मुझे आपदाओं के विनाश में न पड़ने दो” या “तुम्हारा क्रोध मुझे भस्म न करे”। (देखें: उपमा)
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “मैंने ऑसुओं से अपना बिस्तर भिगाया” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “मेरे ऑसु बाढ़ की तरह मेरे बिस्तर पर बह रहे हैं।”

(यह भी देखें: जहाज़, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानियेल 11:10](#)
- [उत्पत्ति 7:6-7](#)
- [लूका 6:46-48](#)
- [मत्ती 7:24-25](#)
- [मत्ती 7:26-27](#)
- [मत्ती 24:37-39](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3999, G26270

जहाज़**परिभाषा:**

यथार्थ में देखें तो यहाँ “जहाज़”, शब्द का अभिप्राय लकड़ी का एक चौकोर डब्बा है जिसमें कोई वस्तु रखी जाती है या सुरक्षित की जाती है। जहाज़ बड़ा या छोटा हो सकता है जो निर्भर करता है कि वह किस काम में लिया जा रहा है।

- अंग्रेजी की बाइबल में “जहाज़” शब्द सबसे पहले एक लकड़ी की चौकोर नाव के लिए काम में लिया गया शब्द है जिसे नूह ने विश्वव्यापी जल प्रवाह से बचने के लिए बनाया था। इस जहाज़ का तल समतल था और एक छत थी तथा दीवारें थी।
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “एक विशाल नाव” या “बजरा” या “मालवाहक पोत” या “बड़ी सन्दूकनुमा नाव”।
- इस विशाल नाव के लिए जो इब्रानी शब्द काम में लिया गया है वह शब्द वही है जिसे मूसा की माता ने शिशु मूसा को नील नदी में रखने के लिए जो टोकरी बनाई थी, उसका था। इसका अनुवाद प्रायः टोकरी किया जाता है।
- “वाचा का सन्दूक” में “सन्दूक” के लिए एक भिन्न इब्रानी शब्द का काम में लिया गया है। इसका अनुवाद “डब्बा” या “सन्दूक” या “बर्तन” किया जा सकता है।
- “सन्दूक” का अनुवाद करते समय प्रत्येक संदर्भ में देखें कि उसकी लम्बाई-चौड़ाई कितनी है और वह किस काम में लिया गया है, यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, टोकरी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 पतरस 3:20](#)
- [निर्गमन 16:33-36](#)
- [निर्गमन 30:6](#)
- [उत्पत्ति 8:4-5](#)
- [लूका 17:27](#)
- [मत्ती 24:37-39](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0727, H8392, G27870

जाति

परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

- किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
- बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।
- बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
- कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
- जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहुदा स्पष्ट हो जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
- यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
- बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अश्शूर, बाबेल, कनान, अन्य-जाति, यूनानी, जन समुदाय, पलिश्ती, रोम)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 14:15-17](#)
- [2 इतिहास 15:06](#)
- [2 राजा 17:11-12](#)
- [प्रे.का. 02:05](#)
- [प्रे.का. 13:19](#)
- [प्रे.का. 17:26](#)
- [प्रे.का. 26:04](#)
- [दानियेल 03:04](#)
- [उत्पत्ति 10:2-5](#)
- [उत्पत्ति 27:29](#)
- [उत्पत्ति 35:11](#)
- [उत्पत्ति 49:10](#)
- [लूका 07:05](#)
- [मरकुस 13:7-8](#)
- [मत्ती 21:43](#)
- [रोमियो 04:16-17](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

जाति

परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात् एक ही भाषा और संस्कृति के लोग।
“लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर
मनुष्यों का एकत्र होना।

- जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
- बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
- प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगों के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्माएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

अनुवाद के सुझाव:

- “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
- “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्माएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
- “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूँगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूँगा”।
- “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
- “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
- “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

जाति

जाति

(यह भी देखें: वंशज, जाति, गोत्र, संसार)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 08:51-53](#)
- [1 शमूएल 08:6-7](#)
- [व्यवस्थाविवरण 28:9-10](#)
- [उत्पत्ति 49:16-18](#)
- [रूत 01:16-18](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम,
इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह
वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु
अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं।
- **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि
भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे
। यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह
भविष्य में आयेगा। यह अनुग्रह आने वाला
मसीह है जो एक दिन हर समूह के लोगों के
लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा।
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि
मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की
क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना
चाहिए। वे यस्तलेम से इसकी शुरुआत
करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे,
तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के
लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और
पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा
दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी
है, मानना सिखाओ। ”
- **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी
भी जाती का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने
हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा
शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे
जनसमूह के लोगों को चेला बनाओ!” और,
“खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!”

शब्द तथ्यः

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

जादू

परिभाषा:

"जादू" शब्द अलौकिक शक्ति को काम में लेना है जो परमेश्वर से नहीं आती है। "तांत्रिक" वह मनुष्य है जो जादू करता है।

- मिस्र देश में परमेश्वर ने मूसा के माध्यम से जब अद्भुत कार्य किए थे तब मिस्र के राजा फिरैन के जादूगरों ने भी वैसे ही कुछ जादू किए परन्तु वे परमेश्वर के सामर्थ्य से नहीं थे।
- जादू में मंत्रोच्चारण और जादू-टोना होता है ताकि अलौकिक घटना घटे।
- परमेश्वर ने अपनी प्रजा को ऐसा जादू-टोना करना वर्जित किया था।
- जादू-टोना करने वाला एक प्रकार का जादूगर है जो अक्सर जादू के द्वारा दूसरों को नुकसान पहुंचाता है।

(यह भी देखें: भूत-सिद्धी, मिस्र, फिरैन, सामर्थ्य, टोना)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 41:7-8](#)
- [उत्पत्ति 41:22-24](#)
- [उत्पत्ति 44:3-5](#)
- [उत्पत्ति 44:14-15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2748, H2749, H3049, G3097

जादूगर

परिभाषा:

"जादू-टोना" या "भूत-सिद्धी" का संदर्भ जादू से है जिसमें दुष्टता की सहायता से सामर्थी कार्य किए जाते हैं। एक "जादूगर" ऐसा कोई है जो इन शक्तिशाली, जादुई चीजों को करता है।

- जादू-टोना और भूत-सिद्धी द्वारा अच्छे और बुरे दोनों काम किए जा सकते हैं जैसे रोग निवारण या किसी की हानि। जादू टोना किसी भी प्रकार का हो गलत ही है क्योंकि इसमें दुष्टतामाओं का कार्य होता है।
- बाइबल में जादू टोना को अन्य किसी भी प्रकार के गंभीर पाप जैसा माना गया है (जैसे व्यभिचार, मूर्तियों की पूजा, और बाल बलिदान)।
- "जादू टोना" और "भूत-सिद्धी" का अनुवाद "दुष्टता की शक्ति" या "सम्मोहन करना" किया जा सकता है।
- "टोन्हों" का सम्भावित अनुवाद होगा "जादू करनेवाले" या "सम्मोहन करनेवाले" या "दुष्टता की शक्ति से चमत्कार दिखानेवाले"।
- ध्यान दें कि "जादूगर" का अर्थ "भविष्यवाणी" से भिन्न है, जो कि आत्मिक संसार से संपर्क करने का प्रयास करता है।

(यह भी देखें: परस्तीगमन, दुष्टता, भविष्य-कथन, मूर्ति, जादू, बलिदान, आराधना)

बाह्यबल के सन्दर्भः

- [प्रे.का. 08:9-11](#)
- [निर्गमन 07:11-13](#)
- [गलातियों 05:19-21](#)
- [प्रकाशितवाक्य 09:20-21](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3784, H3785, H3786, H6049, G3095, G3096, G3097, G5331, G5332, G5333

जानना

परिभाषा:

"जानना" और "ज्ञान" का अर्थ सामान्यतः किसी बात को या किसी व्यक्ति को समझने के लिए होता है। इसका अर्थ किसी तथ्य का जानकार होना या किसी व्यक्ति से परिचित होना भी हो सकता है। "ज्ञात करना" एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है जानकारी देना।

- “ज्ञान” शब्द का संदर्भ में है जो मनुष्य जानकारी रखते हैं। इसका अभिप्राय लौकिक और अलौकिक संसार दोनों की जानकारी हो सकता है।
- परमेश्वर के “बारे में जानना” अर्थात् उसके बारे में तथ्यों को अन्तर्ग्रहण करना उसने हम पर जो प्रकट किया है।
- परमेश्वर को “जानना” अर्थात् उसके साथ घनिष्ठ संबन्ध बनाना। यह मनुष्यों को जानने के लिए भी काम में लिया जाता है।
- परमेश्वर की इच्छा जानना अर्थात् उसकी आज्ञा के प्रति सचेत रहना या मनुष्य से जो चाहता है उसे समझना।
- “व्यवस्था को जानना” अर्थात् परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति सचेत रहना या परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था में जो निर्देश दिए उन्हें समझना।
- कभी-कभी “ज्ञान” “बुद्धि” के पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है जिसमें परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन शामिल है।
- “परमेश्वर का ज्ञान” को कभी-कभी “यहोवा का भय” का पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण पर आधारित “जानना” के अनुवाद हो सकते हैं, “समझना” या “परिचित होना” या “सचेत होना” या “जानकार होना” या “के संबन्ध” में होना।
- दो चीजों के बीच अंतर को समझने के संदर्भ में, इस शब्द का आमतौर पर “भेद” के रूप में अनुवाद किया जाता है। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो इस शब्द का अक्सर प्रस्तावना के बाद “बीच में” होता है।
- “जानना” शब्द के लिए कुछ भाषाओं के पास दो शब्द अलग-अलग हैं, एक तथ्य जानने के लिए और दूसरा एक व्यक्ति को जानने के लिए और उसके साथ संबंध होने के लिए।

- “प्रकट करना” का अनुवाद “मनुष्यों को जानने योग्य बनाना” या “अनावृत करना” या “बारे में बताना” या “वर्णन करना” हो सकता है।
- “किसी के बारे में बताना” का अनुवाद “सचेत होना” या “परिचित होना हो सकता है।”
- “जानना कैसे” अर्थात् कुछ करने की प्रक्रिया या विधि समझना। इसका अनुवाद हो सकता है, “सक्षम होना” था या “करने में निपुण होना”।
- “ज्ञान” शब्द का अनुवाद “जो ज्ञात है” या “बुद्धि” या “समझ” प्रकरण के अनुसार हो सकता है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, प्रकट, समझना, बुद्धिमान)

बाइबल संदर्भः

- [1 कुरिन्यियों 02:12-13](#)
- [1 शमूएल 17:46](#)
- [2 कुरिन्यियों 02:15](#)
- [2 पतरस 01:3-4](#)
- [व्यव. 04:39-40](#)
- [उत्पत्ति 19:05](#)
- [लूका 01:77](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग्स: H1843, H1844, H1847, H1875, H3045, H3046, H4093, H4486, H5046, H5234, H5475, H5869, G50, G56, G1097, G1107, G1108, G1492, G1921, G1922, G1987, G2467, G2589, G4267, G4894

जिब्राईल

तथ्यः

परमेश्वर के एक प्रधान स्वर्गदूत का नाम जिब्राईल था। पुराने नियम और नये नियम में उसका नाम अनेक बार आया है।

- परमेश्वर ने जिब्राईल को भविष्यद्वक्ता दानिय्येल के पास भेजा था कि उसके दर्शन का अर्थ समझाए।
- एक बार और, जब दानिय्येल प्रार्थना कर रहा था तब स्वर्गदूत जिब्राईल उड़ कर उसके पास आया और उसे भावी घटनाओं की भविष्यद्वाणी सुनाई। दानिय्येल उसे एक “पुरुष” की संज्ञा दी थी।
- नये नियम में जिब्राईल जकर्याह के पास आया था कि उसकी वृद्ध पत्नी इलीशिबा द्वारा पुत्र प्राप्ति का भविष्यद्वाणी करे।
- उसके छः महीने बाद जिब्राईल को मरियम के पास भेजा गया कि उसे परमेश्वर के चमल्कार द्वारा पुत्र प्राप्ति का संदेश सुनाए, वह पुत्र “परमेश्वर का पुत्र” होगा। जिब्राईल ने

मरियम से कहा था कि वह अपने पुत्र का नाम यीशु रखें। (अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दानिय्येल, इलीशिबा, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मरियम, भविष्यद्वक्ता, परमेश्वर का पुत्र, जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भः

- [दानिय्येल 8:15-17](#)
- [दानिय्येल 9:21](#)
- [लूका 1:19](#)
- [लूका 1:26](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1403, G10430

जिल्पा

तथ्यः

जिल्पा याकूब की पत्नियों में से एक थी। वह याकूब के दो बेटों गाद और अशेर की माँ थी।

- जब लिआ ने याकूब से विवाह किया, तो लाबान ने जिल्पा को लिआ को एक सेविका के रूप में दिया।
- जब लिआ के बच्चे होने बंद हो गए, तो उसने जिल्पा को याकूब को पत्नी के रूप में दे दिया ताकि वह उसके लिए और बच्चे पैदा करे।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब, लिआ, गाद, अशेर)

बाइबल संदर्भः

- [उत्पत्ति 29:23](#)
- [उत्पत्ति 30:9](#)

शब्द सूचीः

- मजबूत का: H2153

जीभ

परिभाषा:

“जीभ” शब्द का सन्दर्भ मनुष्य के मुंह के भीतर के उस अंग से है जो शब्दोच्चारण के काम में आता है। यह शब्द “भाषा” या “बोलने” के लिए प्रायः लाक्षणिक रूप में काम में लिया जाता है। इसके अन्य अनेक लाक्षणिक अर्थ भी हैं।

- बाइबल में इस शब्द का सबसे अधिक सामान्य प्रतीकात्मक अर्थ है, “भाषा” या “बोलना”।
- कभी-कभी “जीभ” एक निश्चित मानव समूह द्वारा बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करती है।
- यह एक अलौकिक भाषा को भी संदर्भित करता है जिसे पवित्र आत्मा मसीह के विश्वासियों को “आत्मा के वरदान” के एक रूप में देता है।
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक अध्यक्षित है, “जीभ के समान आग की लपटें” अर्थात् आग की “लौ” जिनका आकार संभवतः जीभों जैसा था।

अनुवाद सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “जीभ” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “भाषा” या “आत्मिक भाषा” * यदि अर्थ स्पष्ट न हो रहा हो तो इसका अनुवाद “भाषा” ही करें।
- आग के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी जीभ आनन्द करती है” इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं आनन्द करता हूँ और परमेश्वर की स्तुति करता हूँ या “मैं आनन्द के साथ परमेश्वर की स्तुति करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली जीभ” का अनुवाद हो सकता है, “व्यक्ति जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी जीभों से” ऐसी उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “उनके कथनों से” या “उनके शब्दों से”।

(यह भी देखें: वरदान, पवित्र आत्मा, हर्ष, स्तुति, आनन्द करना, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियों 12:10](#)
- [1 यूहन्ना 03:18](#)
- [2 शमूएल 23:02](#)
- [प्रे.का. 02:26](#)
- [यहेजकेल 36:03](#)
- [फिलिप्पियों 02:11](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3956, G1100, G1258, G2084

जीवन की पुस्तक**परिभाषा:**

“जीवन की पुस्तक” का संदर्भ उस अभिलेख से है जिसमें परमेश्वर ने उन सब मनुष्यों के नाम लिखे हैं जिनका उसने उद्धार करके अनन्त जीवन दे दिया है।

- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में इस पुस्तक को “मेरे के जीवन की पुस्तक” कहा गया है। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर के मेरे यीशु की जीवन की पुस्तक”। कूस पर यीशु की बलि ने मनुष्यों के पाप का दण्ड उठा लिया कि वे उसमें विश्वास के द्वारा अनन्त जीवन पाएं।
- “पुस्तक” शब्द का अर्थ है “कुंडली-ग्रन्थ” या “पत्र” या “लेख” या “वैध अभिलेख।” यह शब्दिक या प्रतीकात्मक हो सकता है।

(यह भी देखें: अनन्त, मेरा, जीवन, बलिदान, पुस्तक (कुंडली-ग्रन्थ))

बाइबल सन्दर्भ:

- [फिलिप्पियों 4:3](#)
- भजन संहिता 69:28-29
- [प्रकाशितवाक्य 3:5-6](#)
- [प्रकाशितवाक्य 20:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2416, H5612, G09760, G22220

जूआ**परिभाषा:**

जूआ लकड़ी या लोहे का होता है जिसमें दो या अधिक पश्चिमी जाते जाते हैं कि हल चलाएं या गाड़ी खीचें। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ हैं।

- शब्द “जूआ” का प्रयोग प्रतीकात्मक रूप से उस बात के लिए किया जाता है, जो मनुष्य को एक साथ काम करने के उद्देश्य से सहकारी करती है जैसे कि यीशु की सेवा करने के लिए।
- पौलुस ने किसी ऐसे व्यक्ति का उल्लेख करने के लिए “सहकर्मी” शब्द का इस्तेमाल किया जो मसीह की सेवा कर रहा था। इसका अनुवाद “साथी कार्यकर्ता” या “साथी सेवक” या “सहकर्मी” भी हो सकता है।
- शब्द “जूआ” का प्रयोग अक्सर एक भारी बोझ का उल्लेख करने के लिए किया जाता है, जिसे किसी को उठा कर ले जाना पड़ता है, जैसे दासत्व या उत्पीड़न के समय शोषण किया जाता है।
- अधिकाँश प्रकरणों में इसका अनुवाद ज्यों का त्यों ही हो तो अच्छा होगा, लक्षित भाषा में खेती के लिए जो जूआ काम में आता है वही शब्द काम में लिया जाए।
- इस शब्द के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद सन्दर्भ के आधार पर हो सकता है, “दमनकारी बोझ” या “भारी बोझ” या “बंधन”।

(यह भी देखें: बांधना, बोझ, अत्याचार करना, सताना, सेवक)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 15:10](#)
- [गलातियों 05:01](#)
- [उत्पत्ति 27:40](#)
- [यशायाह 09:04](#)
- [यिर्म्याह 27:04](#)
- [मत्ती 11:30](#)
- [फिलिप्पियों 04:03](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3627, H4132, H4133, H5674, H5923, H6776, G2086 G2218,

जूता**परिभाषा:**

"जूते" वास्तव में समतल तले की पादुका होती थी जिसे पांवों और टखने पर चमड़े की पट्टी से बांधी जाती थी। स्त्री-पुरुष दोनों ही इन पादुकाओं को पहनते थे।

- कभी-कभी पादुकाएं किसी वैधानिक विनियम की पुष्टि हेतु भी काम में ली जाती थी जैसे कोई अपनी सम्पदा बेचता हो तो वह अपनी पादुका उतार कर खरीदार को दे देगा। एक जन एक पादुका उतार कर दूसरे को दे देगा कि प्रकट हो कि वह विनियम अटूट है।
- अपनी पादुकाएं उतारना सामने वाले के लिए सम्मान एवं श्रद्धा का प्रतीक था, विशेष करके परमेश्वर की उपस्थिति में।
- यूहन्ना ने कहा था कि वह यीशु की पादुकाओं (जूतों) के बन्ध खोलने के योग्य भी नहीं है, ऐसा कार्य सामान्यतः निष्प स्तर के मनुष्य या दास का होता था।

बाइबल के सन्दर्भः

- [प्रे.का. 7:33](#)
- [व्यवस्था विवरण 25:10](#)
- [यूह. 1:27](#)
- [यहोशू.5:15](#)
- [मरकुस 6:7-9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5274, H5275, H8288, G45470, G52660

जैतून**परिभाषा:**

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है जो जैतून के वृक्ष में फलता है। यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

- जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते हैं, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और बहुत कम पानी में भी जीवित रह सकते हैं।
- जैतून के वृक्ष का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होते हैं।
- जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
- बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां कभी-कभी मनुष्ठों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं।

(यह भी देखें: दीया, समुद्र, जैतून पर्वत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [इतिहास 27:28–29](#)
- [व्यवस्थाविवरण 6:10–12](#)
- [निर्गमन 23:10–11](#)
- [उत्पत्ति 8:11](#)
- [याकूब 3:12](#)
- [लूका 16:6](#)
- भजन संहिता 52:8

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

जैतून पर्वत

परिभाषा:

जैतून पर्वत यरूशलेम के पूर्व में एक ऊंची पहाड़ी है। उसकी ऊंचाई 787 मीटर है।

- पुराने नियम में इस पर्वत को कभी-कभी "यरूशलेम के पूर्व का पर्वत" कहा गया है।
- नये नियम में अनेक अवसरों का उल्लेख है जब यीशु अपने शिष्यों के साथ जैतून पर्वत पर प्रार्थना करने और विश्राम करने गया था।
- यीशु को गतसमनी की वाटिका में बन्दी बनाया गया था, यह भी जैतून के पहाड़ पर है।
- इसका अनुवाद "जैतून का पहाड़" या "जैतून के पेड़ों का पर्वत" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: गतसमनी, जैतून)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 19:29](#)
- [लूका 19:37](#)
- [मरकुस 13:3](#)
- [मत्ती 21:1–3](#)
- [मत्ती 24:3–5](#)
- [मत्ती 26:30](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2022, H2132, G37350, G16360

जौ

परिभाषा:

"जौ" एक प्रकार का अन्न होता है जिससे वे रोटी बनाते थे।

- जौ का पौधा लम्बा होता है जिसके ऊपरी सिरे पर अन्न की बाली होती है।
- जौ ग्रीष्म ऋतु में फलती है अतः इसकी कटनी बसन्त ऋतु या ग्रीष्म ऋतु में होती है।
- जौ को भूसे से अलग करने के लिए जौ को दांवा जाता है।
- जौ को पीसकर आटा बनाते हैं तब पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती है।
- यदि जौ लक्षित भाषा में जानी नहीं जाती है तो इसका अनुवाद "जौ कहलाने वाला अन्न" या "जौ के दाने" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अन्न, दांवना, गेहूं)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 11:12-14](#)
- [अय्यूब 31:38-40](#)
- [नायियों 07:13-14](#)
- [गिनती 05:15](#)
- [प्रकाशितवाक्य 06:5-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8184, G2915, G2916

ज्यों का त्यों करना

परिभाषा:

"ज्यों का त्यों करना" और "पूर्णोद्वार" का अर्थ है, पहले जैसी स्थिति वरन अधिक अच्छा कर देना।

- रोगी के दैहिक अंग को ज्यों का त्यों करने का अर्थ है, पूर्ण "चंगा" करना।
- टूटे संबन्धों को सुधारने का अर्थ है, "मेल करना" परमेश्वर पापियों को फेर लाता है और उन्हें अपने पास ले आता है।
- यदि लोगों को उनके गृह देश में बहाल किया गया है तो इसका अर्थ है, "लौटा लाया जाना" या "स्वदेश लौटना"।

अनुवाद के लिए सुझावः

- प्रकरण के अनुसार, "ज्यों का त्यों करना" का अनुवाद "नवीकरण करना" या "चुकाना" या "लौटा आना" या "चंगा करना" या "वापस लाना" हो सकता है।
- इस शब्द की अन्य वाक्शैली, "नया करना" या "नया सा कर देना" हो सकता है।
- जब संपत्ति "पुनः स्थापन" होती है, तो उसकी "मरम्मत" या "प्रतिस्थापित" या "उसके मालिक को वापस" दिया गया है।
- संदर्भ के आधार पर, "पुनः स्थापनचंगा करने" का अनुवाद "नवीनीकरण" या "चंगाई" या "सामंजस्य" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 05:8-10](#)
- [प्रे.का. 03:21-23](#)
- [प्रे.का. 15:15-18](#)
- [यशायाह 49:5-6](#)
- [यिर्म्याह 15:19-21](#)
- [विलापगीत 05:19-22](#)
- [लैव्यव्यवस्था 06:5-7](#)
- [लूका 19:8-10](#)
- [मत्ती 12:13-14](#)
- [भजन 080:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7725, H7999, H8421, G600, G2675

ज्योतिषी

परिभाषा:

मत्ती रचित सुसमाचार में मसीह के जन्म के वृत्तान्त में ज्योतिष "ज्ञानी" या "शिक्षित" पुरुष थे, जो यीशु के जन्म के कुछ समय बाद, उसके लिए भेट लेकर बैतलहम आए थे। * वे संभवतः भावी बतानेवालें थे जो सितारों का अध्ययन करते थे।

- वे इस्माएल के पूर्व में एक दूरस्थ देश से आये थे। वे कौन थे और कहां से आये थे अज्ञात है। परन्तु वे स्पष्ट रूप से विद्वान् थे जिन्होंने सितारों का अध्ययन किया था।
- संभव है कि वे दानिय्येल के युग में बेबीलोन के राजा औं के ज्ञानियों के वंशज थे जो अनेक विषयों में प्रशिक्षित थे जैसे सितारों का ज्ञान एवं स्वप्नों का अर्थ बताना।
- परम्परा के अनुसार तीन ज्ञानी आए थे क्योंकि उन्होंने यीशु को तीन भेट चढ़ाई थी। परन्तु बाइबल में उनकी संख्या व्यक्त नहीं है।

(यह भी देखें: बाबेल, बैतलहम, दानिय्येल)

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानिय्येल 02:27-28](#)
- [दानिय्येल 05:7](#)
- [मत्ती 02:1-3](#)
- [मत्ती 02:7-8](#)
- [मत्ती 02:16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1505, G3097

झाड़ना

तथ्यः

"झाड़ना" सामान्यतः झाड़ या ब्रश के माध्यम से व्यापक, त्वरित गति द्वारा गंदगी की दूर करना होता है। "झाड़ना" का भूतकाल "झाड़ा" है। इन शब्दों का उपयोग लाक्षणिक भी है।

- "झाड़ना" का प्रतीकात्मक अर्थ है सेना द्वारा शीघ्रगामी, निर्णयिक, व्यापक कदम उठाना।
- उदाहरणार्थ, यशायाह ने भविष्यवाणी की थी कि अश्शूरों की सेना यहूदा राज्य का सफाया कर देगी। इसका अर्थ है कि वे यहूदा राज्य को नष्ट करके प्रजा को बन्दी बनाकर ले जायेंगे।
- "झाड़ना" शब्द का प्रयोग तीव्रगामी जल प्रवाह द्वारा वस्तुओं को बल पूर्वक बहा कर ले जाने के लिए भी किया जा सकता है का वर्णन करने के लिए भी किया जा सकता है।
- जब मनुष्य के लिए वशवर्ती कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न हों तो कहा जा सकता है कि वे उस पर "अतिव्यापक हो रही हैं"

(यह भी देखें: अश्शूर, यशायाह, यहूदा, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 16:3](#)
- [दानिय्येल 11:40-41](#)
- [उत्पत्ति 18:24](#)
- [नीतिवचन 21:7-8](#)
- [भजन-संहिता 90:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0622, H0857, H1640, H2498, H2894, H3261, H5500, H5595, H7857, G42160, G45630, G49510

झिड़कना

परिभाषा:

झिड़कना मौखिक रूप से किसी को सुधारने के लिए शब्दों के प्रयोग के सन्दर्भ में होता है जिसमें प्रायः कठोरता और बल का प्रयोग किया जाता है।

- नये नियम में विश्वासियों को आज्ञा दी गई है कि वे साथ के विश्वासियों को परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करने पर डाँटें।
- नीतिवचन नामक पुस्तक में माता-पिता को निर्देश है कि वे अपनी सन्तान द्वारा आज्ञा न मानने पर उनकी ताड़ना करें।
- झिलकी विशेष करके गलती करनेवालों को दी जाती है कि वे आगे को पाप में न पड़ें।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "कठोरता से सुधार करना" या "प्रताड़ित करना।"
- "एक झिलकी" का अनुवाद, "कठोर सुधार" या "दृढ़ आलोचना" के रूप में हो सकता है।
- "बिना झिलके" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "बिना समझाए" या "आलोचना किए बिना।"

(यह भी देखें चिताना, अवज्ञा)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [उत्प. 21:25](#)
- [मरकुस 1:23-26](#)
- [मरकुस 16:14](#)
- [मत्ती 8:26-27](#)
- [मत्ती 17:17-18](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1605, H1606, H2778, H2781, H3198, H4045, H4148, H8156, H8433, G16490, G16510, G19690, G20080, G36790

झिलम

परिभाषा:

"झिलम" हथियारों का एक भाग होता था जो छाती पर बांधा जाता था कि युद्ध में सैनिक की रक्षा करे। शब्द "चपरास" का अर्थ कपड़े के एक विशेष टुकड़े को दर्शाता है जो इसाएली महायाजक अपनी छाती के सामने के हिस्से पर पहनते थे।

- सैनिकों द्वारा पहने जाने वाली "झिलम" लकड़ी, धातु या पश्चु के चमड़े की होती थी। उनको पहनने का उद्देश्य था कि सैनिक का सीना भाले, तीर और तलवार से सुरक्षित रहे।
- इसाएली प्रधान पुरोहित के वस्त्र की "झिलम" कपड़े की होती थी जिससे बहुमूल्य पत्थर जड़े होते थे। याजक मन्दिर में परमेश्वर की सेवा करते समय इसे पहनता था।
- शब्द "झिलम" का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "धातु सुरक्षात्मक छाती कवर" या "छाती की रक्षा करने के लिए कवच टुकड़ा" शामिल हो सकते हैं।
- शब्द "चपरास" का एक शब्द के साथ अनुवाद किया जा सकता है जिसका अर्थ है "याजकीय कपड़ा, जिससे छाती का आवरण होता है।" या "याजकीय परिधान के टुकड़े" या "याजकों के कपड़ों के सामने का टुकड़ा।"

(यह भी देखें: हथियार, महा-याजक, छेदना, याजक, मन्दिर, योद्धा)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [1 पिस्सलतनीकियों 05:8-11](#)
- [निर्गमन 39:14-16](#)
- [यशायाह 59:17-18](#)
- [प्रकाशितवाक्य 09:7-9](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2833, H8302, G2382

झूठा भविष्यद्वक्ता

परिभाषा:

झूठा भविष्यद्वक्ता वह व्यक्ति था जो झूठा दावा करता था कि उसका सन्देश परमेश्वर से प्राप्त है।

- झूठे भविष्यद्वक्ताओं की भविष्यद्वाणियां अधिकतर पूरी नहीं होती थी। अर्थात् सत्य सिद्ध नहीं होती थीं।
- झूठे भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश बाइबल से पूर्णरूपेण या आंशिक रूप में विपरीत थे।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "वह व्यक्ति जो परमेश्वर का वक्ता होने का झूठा दावा करता है" या "परमेश्वर के वचन का झूठा दावा करने वाला मनुष्य।"
- नये नियम की शिक्षा के अनुसार अन्त समय में अनेक झूठे भविष्यद्वक्ता होंगे जो मनुष्यों को इस भ्रम में डालेंगे कि वे परमेश्वर की ओर से हैं।

(यह भी देखें: पूर्ति, भविष्यद्वक्ता, सत्य)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 यहूना 4:1-3](#)
- [2 पतरस 2:1](#)
- [प्रे.का. 13:6-8](#)
- [लूका 6:26](#)
- [मत्ती 7:16](#)
- [मत्ती 24:23-25](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G55780

टाट

परिभाषा:

टाट बकरी के या ऊंट के बालों से बना एक चुभनेवाला कठोर वस्त्र होता था।

- जो व्यक्ति इससे बने हुए कपड़े पहने ते थे वह असहज होगा। उसे विलाप, दुःख और दीनता-पूर्वक पश्चाताप प्रकट करने के लिए टाट पहना जाता था।
- "टाट और राख" एक सामान्य उक्ति थी जो विलाप और पश्चाताप के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति थी।

अनुवाद के लिए सुझावः

- इस शब्द का अनुवाद इसे प्रकार से भी किया जा सकता है जैसे "पशुओं के बालों से बना मोटा वस्त्र" या "बकरी के बालों से बना वस्त्र" या "मोटा चुभने वाला वस्त्र।"
- इस प्रकार से भी इस शब्द का अनुवाद हो सकता है "रुखा, लापरवाह शोक कपड़ों।"
- "टाट ओढ़कर राख में बैठना" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है जैसे "खुरचने वाला वस्त्र पहनकर राख में बैठने के द्वारा दुःख एवं दीनता प्रकट करना।"

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: राख, ऊंट, बकरी, विनम्र, शोक, पश्चाताप, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 शमूएल 03:31-32](#)
- [उत्पत्ति 37:34-36](#)
- [योएल 01:8-10](#)
- [योना 03:4-5](#)
- [लूका 10:13-15](#)
- [मत्ती 11:20-22](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8242, G4526

टिड्डी

तथ्यः

"टिड्डी" एक प्रकार का उड़नेवाला टिड्डा स्वरूप बड़ा कीट होता है जो कभी कभी अपने समान अन्य टिड्डियों के साथ एक

बहुत ही विनाशकारी झुंड बनकर उड़ते हैं जो सभी वनस्पति खा जाते हैं।

- टिड्डियां या साधारण टिड्डे बड़े और सीधे पर काले लम्बे पैरों वाले कीट होते हैं। इनके जुड़े हुए पिछले पैरों के कारण ये बहुत दूर तक कूद सकते हैं।
- पुराने नियम में टिड्डियों के झाण्ड प्रतीकात्मक रूप से विनाश का प्रतीक होते थे जो इसाएल की अवज्ञा का भावी परिणाम था।
- परमेश्वर ने मिस्त्रियों पर जो दस विपत्तियां भेजी थी उनमें टिड्डियां भी एक विपत्ति थी।
- नया नियम कहता है कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भोजन का मुख्य स्रोत टिड्डियाँ थीं जब वह उजाड़ में रह रहा था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बंदी, मिस, इसाएल, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), महामारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 6:28](#)
- [व्यवस्थाविवरण 28:38-39](#)
- [निर्गमन 10:3-4](#)
- [मरकुस 1:6](#)
- [नीतिवचन 30:27-28](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H0697, H1357, H1462, H1501, H2284, H3218, H5556, H6767, G02000

ठोकर खाना

परिभाषा:

"ठोकर" खाना अर्थात्, चलते या भागते समय किसी वस्तु के पाँव में आ जाने के कारण "लगभग गिर जाना"

- लाक्षणिक भाषा में "ठोकर खाना" का अर्थ होगा, "पाप करना" या विश्वास में "डावांडोल होना"
- यह शब्द युद्ध में लड़ते समय स्ताव के समय या दंड के समय अस्थिर होना या दुर्बलता दिखाना।

अनुवाद के सुझाव

- उन संदर्भों में जहां "ठोकर" शब्द का अर्थ शारीरिक रूप से किसी वस्तु से उलझ कर गिर जाना हो तो इसका अनुवाद एक शब्द के साथ किया जाना चाहिए जिसका अर्थ हो, "लगभग गिर ही गया" या "लड़खड़ाना।"
- इस शब्दिक अर्थ का उपयोग लाक्षणिक भाषा में भी किया जा सकता है, यदि उस प्रसंग मनें इसका अर्थ उचित हो।
- लक्षित भाषा में यदि लाक्षणिक उपयोग का शब्दिक अर्थ भाव प्रकट न करे तो "ठोकर खाना" का अनुवाद किया जा सकता है, "पाप" या "डावांडोल होना" या "विश्वास का त्याग करना" या "दुर्बल हो जाना" परन्तु प्रकरण के आधार पर।
- इस शब्द का अनुवाद करने की एक और युक्ति हो सकती है, "दुर्बल बनाने की क्रिया" या "लड़खड़ा देने की क्रिया"

(यह भी देखें: विश्वास, सताना, पाप, ठोकर का कारण)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 पत्रस 2:8](#)
- [होशे 4:5](#)
- [यशायाह 31:3](#)
- [मत्ती 11:4-6](#)
- [मत्ती 18:8](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1762, H3782, H4383, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

डर

परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "भय मानना" का अनुवाद हो सकता है, "डरना" या "गहरा सम्मान करना" या "आदर करना" या "श्रद्धा से पूर्ण होना"
- "डरना" का अनुवाद "भयभीत" या "डरा हुआ" या "भयातुर" भी हो सकता है।
- "सब पर परमेश्वर का भय छा गया" इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई" या "सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए" या "उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए"।

(यह भी देखें: अचम्पा, यहोवा, प्रभु, चमल्कार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यहूना 04:17-18](#)
- [प्रे.का. 02:43-45](#)
- [प्रे.का. 19:15-17](#)
- [उत्पत्ति 50:18-21](#)
- [यशायाह 11:3-5](#)
- [अथूब 06:14-17](#)
- [योना 01:8-10](#)
- [लूका 12:4-5](#)
- [मत्ती 10:28-31](#)
- [नीतिवचन 10:24-25](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

डर

परिभाषा:

- “भय” शब्द अत्यंत भयभीत होने या गहन आतंक के सन्दर्भ में है। किसी को “भयभीत करना” अर्थात् उसे बहुत अधिक दारा देना है।
- “आतंक” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न महान भय या संत्रास भी होता है। डर का एक उदाहरण है, क्षत्रु की आक्रमणकारी सेना या महामारी या सर्वव्यापी बीमारी जिससे असंक्य लोगों की मृत्यु हो रही है।
- इन भयावह घटनाओं को कह सकते हैं, “आतंकित करने वाली।” इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भयोत्पादक” या “आतंक-उत्पादक।”
- परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों को आतंकित कर देगा क्योंकि उन्होंने उसके अनुग्रह को अस्वीकार किया है।
- “यहोवा का भय” का अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।”
- ‘आतंक’ के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अत्यधिक भय” या “आतंक से अभिभूत।”

(यह भी देखें: बैरी, भय, न्याय, महामारी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ

- [व्यवस्थाविवरण 2:25](#)
- [निर्गमन 14:10](#)
- [लूका 21:9](#)
- [मरकुर 6:48-50](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H0367, H0926, H0928, H1091, H1161, H1204, H1205, H1763, H2111, H2113, H2189, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, G16290, G16300, G22580, G44220, G44260, G54010

डाह

परिभाषा:

“डाह” शब्द का अर्थ है किसी की सम्पदा या प्रशंसनीय गुणों के कारण उससे जलना। “लालच” का अर्थ है किसी वस्तु को प्राप्त करने की प्रबल अभिलाषा करना।

- डाह सामान्यतः किसी मनुष्य की सफलता, सौभाग्य या सम्पदा के कारण कुट्ठने की नकारात्मक भावना।
- लालच किसी की सम्पदा या किसी के जीवन साथी को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होती है।

(यह भी देखें: ईर्ष्या)

बाइबल संदर्भ:

- [1 कुरियों 13:4-7](#)
- [1 पतरस 2:1](#)
- [निर्गमन 20:17](#)
- [मरकूस 7:20-23](#)
- [नीतिवचन 3:31-32](#)
- [रोमियों 1:29](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

डेवढी

परिभाषा:

"डेवढी" का सन्दर्भ द्वार के निचले भाग से है या "डेवढी" भवन का वह भाग भी होता है जो प्रवेश द्वार के भीतर का भाग है।

- कभी-कभी डेवढी लकड़ी या पत्थर की एक पट्टी होती है, जिस पर पाँव रख कर कमरे या भवन में प्रवेश किया जाता था।
- फाटक और तम्बू के द्वार दोनों के लिए डेवढी हो सकती है।
- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द में किया जाना चाहिए जो एक घर के प्रवेश द्वार पर स्थान को संदर्भित करता है जहाँ से एक व्यक्ति घर में प्रवेश करता है।
- यदि "डेवढी" लिए कोई शब्द नहीं है, तो इसका अनुवाद "द्वार" या "खोलने" या "प्रवेश द्वार" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फाटक, तम्बू)

बाइबल संदर्भ

- [1 इतिहास 09:17-19](#)
- [यहेजकेल 09:03](#)
- [यशायाह 06:04](#)
- [नीतिवचन 17:19](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H624, H4670, H5592

ढाल

परिभाषा:

ढाल, सैनिक द्वारा हाथ में पकड़ने का अस्त्र जिससे वह शत्रु के वार से बचता है। "किसी की ढाल होना" अर्थात् उसे हानि से बचाना।

- ढाल, आकार में गोल या अण्डाकार होती थी और चमड़े, लकड़ी या धातु की बनी होती थी और तलवार का वार और तीर आदि को रोकने के लिए अत्यधिक कठोर होती थी।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लेते हुए, बाइबल परमेश्वर को उसके लोगों की सुरक्षात्मक कवच कहा गया है। (देखें: उपमा)
- पौलुस "विश्वास की ढाल" उक्ति का उपयोग करता है, यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, यीशु में विश्वास करना और परमेश्वर की आज्ञा मानकर उस विश्वास का जीवन जीना, विश्वासियों को शैतान के वार से बचाता था।

(यह भी देखें: विश्वास, आज्ञापालन, शैतान, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 राजा 14:25-26](#)
- [2 इतिहास 23:8-9](#)
- [2 शमूएल 22:36-37](#)
- [व्यवस्थाविवरण 33:29](#)
- भजन-संहिता 018:35-36

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2653, H3591, H4043, H5437, H5526, H6793, H7982, G2375

ढालना**परिभाषा:**

ढालना लकड़ी, मिट्टी या धातु का खोखला उपकरण होता है जिसमें मूर्तियाँ या अन्य वस्तुएं बनाने के लिए सोना, चाँदी या अन्य धातुएं तथा प्लास्टिक को पिघला कर डाला जाता है।

- आभूषण, बर्तन तथा अन्य वस्तुएं सांचों में डाल कर बनाई जाती थी।
- बाइबल में सांचा मुख्यतः मूर्तियाँ बनाने के संबन्ध में काम में लिया गया है।
- धातुओं को उच्च ताप पर पिघलाया जाता है कि वे सांचे में उण्डेली जाएं।
- ढालने का अर्थ है सांचे द्वारा या हाथों द्वारा किसी वस्तु को आकार देना।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद, “रूप देना” या “आकार देना” या “बनाना” हो सकता है।
- “ढालना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आकार देना” या “बनाना”।
- “सांचा” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आकार गर्भित बर्तन” या “तराशी हुई वस्तु”

(यह भी देखें: झूठे देवता, सोना, मूरत, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 32:3-4](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4541, H4165, G4110, G4111

द्वृढ़े**परिभाषा:**

“खोजना” अर्थात् किसी वस्तु या मनुष्य की तलाश करना। इस क्रिया शब्द का भूतकाल है “खोजा।” इस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग भी किया गया है जिसका अर्थ है, किसी काम को करने का या किसी वस्तु को मांगने का “प्रयास करना” या “परिश्रम करना।”

- “खोज करना” या “प्रतीक्षा करना” अर्थात् किसी विशेष काम को करने के अवसर का अर्थ हो सकता है, किसी काम को करने के लिए “समय निकालने का प्रयास” करना।
- “यहोवा की खोज करना” अर्थात् “यहोवा को जानने और उसकी आज्ञा मानने के प्रेरणाशिक्षण में समय और ऊर्जा लगाना।”
- “सुरक्षा खोजना” अर्थात् “किसी मनुष्य या स्थान को ढूँढ़ने का प्रयास करना कि संकट से बचाए जाएं।”
- “न्याय खोजना” अर्थात् “मनुष्य के साथ न्याय और निष्पक्षता के व्यवहार को देखने का प्रयास करना।”
- “सत्य की खोज करना” अर्थात् “सत्य क्या है जानने का प्रयास करना।”
- “अनुग्रह की खोज करना” अर्थात् “कृपा पात्र बनने का अविलम्ब निवेदन करना” या “ऐसे काम करना कि किसी से सहायता मिले।”

(यह भी देखें: न्यायी, सच)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 10:14](#)
- [प्रे.का. 17:26-27](#)
- [इब्रानियों 11:06](#)
- [लूका 11:09](#)
- भजन संहिता 027:08

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H579, H1156, H1239, H1243, H1245, H1556, H1875, H2470, H2603, H2658, H2664, H2713, H3289, H7125, H7592, H7836, H8446, G327, G1567, G1934, G2052, G2212

तम्बू**परिभाषा:**

एक तम्बू मजबूत कपड़े से बना एक चलायमान शरण स्थान है जो खंभे की संरचना पर लपेटा जाता है और उनसे जुड़ा होता है।

- तंबू छोटे हो सकते हैं, जिनमें कुछ लोगों के सोने के लिए पर्याप्त जगह हो, या वे बहुत बड़े हो सकते हैं, जिसमें पूरे परिवार के सोने, खाना पकाने और रहने के लिए जगह हो।
- कुछ लोगों के लिए तम्बू स्थाई निवास स्थान है। उदाहरण के लिए, ज़्यादातर समय में अब्राहम का परिवार कनान देश में रहता था, उस समय के अधिकांश समय में वे बकरी के बालों से बने मजबूत कपड़े से बने बड़े तंबूओं में रहते थे।
- सीनै के जंगल में चालीस वर्ष विचरण करते समय इसाएली तम्बूओं में रहते थे।
- परमेश्वर के निवास का मण्डप एक बड़ा तम्बू था जिसकी मोटी-मोटी दीवारें कपड़े के पर्दे से बनी थीं।
- जब प्रेरित पौलुस ने सुसमाचार साझा करने के लिए विभिन्न शहरों की यात्रा की, तो उन्होंने तंबू बनाकर स्वयं का समर्थन किया।
- शब्द "तम्बू" का प्रयोग कभी-कभी आलंकारिक रूप से आम तौर पर यह बताने के लिए किया जाता है कि लोग कहाँ रहते हैं। इसका अनुवाद "घर" या "निवास" या "आवास" के रूप में भी किया जा सकता है। (देखें: synecdoche)

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, परदा, पौलुस, सीनै, मिलापवाला तम्बू, मिलापवाला तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 5:10](#)
- [दानियेल 11:45](#)
- [निर्गमन 16:18](#)
- [उत्पत्ति 12:9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H0167, H0168, H2583, H3407, H6898

तरस

परिभाषा:

“तरस” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के प्रति चिन्ता की भावना से है। विशेष करके पीड़ित लोगों के प्रति। “तरस खाने वाला” मनुष्य अन्य मनुष्यों की चिन्ता करके उनकी सहायता करता है।

- “तरस” शब्द का अभिप्राय है अवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सुधि लेना तथा उनकी सहायता के लिए क्रियाशील हो जाना।
- बाइबल में परमेश्वर को तरस खानेवाला कहा गया है, अर्थात् वह प्रेम एवं दया भण्डार है।

अनुवाद के सुझाव:

- “तरस” (करूणा) के अनुवाद के अन्यरूप हैं, “हृदय की गहराई से सुधि लेना” या “अनुकम्पा दर्शाना” या “सहायक दया”
- “तरस खाने वाला” (दयावान) का अनुवाद हो सकता है, “सुधि लेने वाला और सहायता करने वाला” या “गहरा प्रेम एवं दया करने वाला”

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानियेल 1:8-10](#)
- [होशे 13:14](#)
- [याकूब 5:9-11](#)
- [योना 4:1-3](#)
- [मरकुस 1:41](#)
- [रोमियो 9:14-16](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G16530, G33560, G36270, G46970, G48340 G4835

तरसुस

तथ्य:

तरसुस, रोमी साम्राज्य किलिकिया में एक प्राचीन एवं समृद्ध नगर था, यह स्थान आज दक्षिणी मध्य तुर्किस्तान है।

- एक मुख्य नदी और भूमध्य-सागर के तट पर स्थित होने के कारण वह स्थान एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग का भाग था।
- एक समय में यह किलिकिया की राजधानी थी।
- नए नियम में, तरसुस को प्रेरित पौलुस के गृह नगर के रूप में जाना जाता था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: किलिकिया, पौलुस, प्रदेश, समुद्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 09:10-12](#)
- [प्रे.का. 09:28-30](#)
- [प्रे.का. 11:25-26](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5018, G5019

तर्शीश

तथ्य:

बाइबिल के समय में, तर्शीश भूमध्य सागर पर स्थित एक बंदरगाह शहर था। शहर का विशिष्ट स्थान अज्ञात है। साथ ही, पुराने नियम में तर्शीश नाम के दो अलग-अलग पुरुषों का उल्लेख है।

- तर्शीश शहर एक बहुत समृद्ध बंदरगाह शहर था, जिनके जहाजों ने बहुमूल्य उत्पादों को खरीदने, बेचने या व्यापार करने के लिए किया था। बाइबल बताती है कि राजा सुलेमान ने तर्शीश में तैनात जहाजों का एक बेड़ा रखा था।
- पुराने नियम योना भविष्यद्वक्ता निवेद में प्रचार करने के लिए परमेश्वर के आदेश का पालन करने के बजाय एक जहाज पर तर्शीश के शहर के लिए निकला।
- येपेत के पौत्रों में से एक का नाम तर्शीश था।
- राजा क्ष्यर्ष के बुद्धिमान लोगों में से एक का नाम तार्शीश था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एस्टेर, येपेत, योना, नीनवे, फीनीके, ज्योतिष)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 10:2-5](#)
- [यशायाह 02:14-16](#)
- [यिर्मायाह 10:8-10](#)
- [योना 01:1-3](#)
- भजन संहिता 048:7-8

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8659

तलवार

परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती हैं जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे। पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बप्तिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है। बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है। (देखें: रूपक)

- इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, "परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है"।
- इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को धायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से धायल कर सकती है।"
- अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद "धारवाला हथियार" या "लम्बी छुरी" भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब (यीशु का भाई), युहन्ना (बप्तिस्मा देनेवाला), जीभ, परमेश्वर का बचन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 12:1-2](#)
- [उत्पत्ति 27:39-40](#)
- [उत्पत्ति 34:24-26](#)
- [लूका 02:33-35](#)
- [लूका 21:23-24](#)
- [मत्ती 10:34-36](#)
- [मत्ती. 26:55-56](#)
- [प्रकाशितवाक्य 01:14-16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

तामार

तथ्यः

तामार पुराने नियम में अनेक स्त्रियों का नाम हुआ है। यह पुराने नियम में कई शहरों या स्थानों का भी नाम था।

- तामार यहूदा की बहू का नाम था। उससे पेरेज उत्पन्न हुआ जो यीशु का पूर्वज था।
- राजा दाऊद की पुत्रियों में से एक का नाम भी तामार था, वह अबशालोम की बहन थी। उसके आधे भाई अम्मोन ने उसके साथ बलात्कार करके उसे उजाड़ दिया था।
- अबशालोम की पुत्री का नाम भी तामार।
- 'हज्जोन तामार' नामक शहर खारे सागर के पश्चिमी तट पर एनगदी शहर के समान था। एक "बाल तामार" भी है, और सामान्य संदर्भ "तामार" नामक जगह जो शहरों से अलग हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अबशालोम, पूर्वजों, अम्मोन, दाऊद, पूर्वजों, यहूदा, खारे ताल)

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल संदर्भः

- [1 इतिहास 02:3-4](#)
- [2 शमूएल 13:1-2](#)
- [2 शमूएल 14:25-27](#)
- [उत्पत्ति 38:6-7](#)
- [उत्पत्ति 38:24-26](#)
- [मत्ती 01:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1193, H2688, H8412, H8559

तिसा

तथ्यः

तिसा एक महत्वपूर्ण कनानी नगर था जिसे इस्राएल ने जीत लिया था। यह गिलाद की बेटी का नाम भी था, जो मनश्शे के वंशज थे।

- तिसा नगर मनश्शे के गोत्र के भू-भाग में था। माना जाता है कि यह नगर शकेम के उत्तर में लगभग 10 मील दूर था।
- साल बाद, इस्राएल के चार राजाओं के शासनकाल के दौरान, तिसा, इस्राएल के उत्तरी राज्य का एक अस्थायी राजधानी बन गया।
- तिसा मनश्शे की पोतियों में से एक का नाम था। उनके पिता की मृत्यु के बाद से जमीन का एक हिस्सा देने के लिए कहा और क्योंकि उनके पिता का कोई बेटा नहीं था जैसा सामान्य रिवाज था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, अधिकारी होना, इस्राएल का राज्य, मनश्शे, शकेम)

बाइबल संदर्भः

- [गिनती 27:1](#)
- [गिनती 36:10-12](#)
- [श्रेष्ठगीत 06:4](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8656

तीतुस

तथ्यः

तीतुस एक अन्यजाति था। उसे पौलुस द्वारा प्रारंभिक कलीसियों में अगुआई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

- पौलुस द्वारा तीतुस को लिखा गया एक पत्र नया नियम की पुस्तकों में से एक है।
- इस पत्र में पौलुस ने तीतुस को क्रेते के द्वीप पर कलीसियाओं में प्राचीनों को नियुक्त करने का निर्देश दिया था।
- मसीहियों को लिखे अपने कुछ पत्रों में, पौलुस ने तीतुस को ऐसे किसी व्यक्ति के रूप में बताया, जिसने उसे प्रोत्साहित किया और उसे खुशी दी।

(अनुवाद के संबन्ध में सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: नियुक्त, विश्वासी, कलीसिया, खतना, क्रेते, प्राचीन, प्रोत्साहन, निर्देश, अगुआ)

बाइबल संदर्भः

- [2 तीमू. 04:10](#)
- [गलातियों 02:1-2](#)
- [गलातियों 02:3-5](#)
- [तीतुस 01:4](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: G5103

तीमुथियुस

तथ्यः

तीमुथियुस लुस्ता निवासी एक युवक था. बाद में वह पौलुस के साथ अनेक प्रचार यात्राओं पर गया और विश्वासियों के नए समुदायों का मार्गदर्शन किया.

- उसकी नानी लोइस और माता यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह यीशु के विश्वासी थे परन्तु उसका पिता यूनानी था.
- धर्मवृद्धों और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना की और उसे मसीही सेवा में नियुक्त किया था.
- नये नियम में दो पुस्तकें, (1 और 2 तीमुथियुस) पौलुस द्वारा तीमुथियुस को लिखे पौलुस के दो पत्र हैं जिनमें तीमुथियुस को स्थानीय कलीसिया के युवा अगुआ होने के कारण, मार्गदर्शन प्रदान किया गया है.

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: नियुक्त करना, विश्वास, कलीसिया, यूनानी, सेवक)

बाइबल संदर्भः

- [1 थिसलुनीकियों 03:02](#)
- [1 तीमुथियुस 01:02](#)
- [प्रे.का. 16:03](#)
- [कुलुसियों 01:01](#)
- [फिलेमोन 01:01](#)
- [फिलिप्पियों 01:01](#)
- [फिलिप्पियों 02:19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G5095

तुखिकुस

तथ्यः

तुखिकुस सुसमाचार प्रचार में पौलुस का साथी सेवक था।

- तुखिकुस पौलुस की एशिया प्रचार सेवा में कम से कम एक बार गया था।
- पौलुस उसे “प्रिय” और “विश्वासयोग्य” कहता था।
- तुखिकुस इफिसुस और कुलुस्से में पौलुस के पत्र लेकर गया था।

(अनुवाद संबंधित सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: असिया, प्रिय, कुलुस्से, इफिसुस, विश्वासयोग्य, शुभ सन्देश, अगुआ)

बाइबल संदर्भः

- [2 तीमू. 04:11-13](#)
- [कुलुसियों 04:7-9](#)
- [तीतुस 03:12-13](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: G5190

तुच्छ जाने

तथ्यः

“तुच्छ जानने” का संदर्भ गहन अपमान और अनादर से है जो किसी वस्तु या मनुष्य के लिए है। जो बात गहन निरादर की हो उसे “घृणित” (धिनौनी) कहते हैं।

- परमेश्वर के लिए तिरस्कार प्रकट करने वाला मनुष्य या व्यवहार “तुच्छ” कहलाता है। इसका अनुवाद “घोर निरादर” या “पूर्णतः अपमानजनक” या “निन्दायोग्य” हो सकता है।
- “तुच्छ जानना” अर्थात् किसी को अपने से कम महत्व का या कम योग्यता का समझना।
- निम्नलिखित अभिव्यक्तियों का अर्थ यही हो सकता है, कर्म या शब्दों द्वारा किसी वास्तु या मनुष्य का “तिरस्कार करना” या उसको “धिनौना समझना” या उससे “घृणा करना” या उसको “तुच्छ समझना”। इन सबका अर्थ है, “अत्युक्त निरादर” या “घोर अपमान” करना।
- जब राजा दाऊद ने व्यभिचार और हत्या की तब परमेश्वर ने कहा, “तूने यहोवा की आज्ञा को तुच्छ जानकर....” इसका अर्थ है कि उसने अपने इस कुर्कर्म द्वारा परमेश्वर का घोर अपमान एवं निरादर किया था।

(यह भी देखें: अपमान)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [दानियेल 12:1-2](#)
- [नीतिवचन 15:5-6](#)
- भजन संहिता 031:18

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H936, H937, H959, H963, H1860, H7043, H7589, H5006, G1848

तुरही

परिभाषा:

“तुरही” संगीत के लिए या लोगों को घोषणा या सभा के लिए एकत्र करने के लिए वाद्ययन्त्र था।

- तुरही सामान्यतः धातु, शंख या पशु के सींग से बनाई जाती थी।

- तुरही सामान्यतः युद्ध के लिए आक्षान या/और इसाएल की सार्वजनिक सभा के लिए फूंकी जाती थी।

- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के दृश्य का वर्णन किया गया है जब स्वर्गद्वार तुरही फूंकेंगे जो पृथ्वी पर परमेश्वर के प्रकोप को उण्डेले का आरम्भ होने का संकेत होगा।

(यह भी देखें: स्वर्गद्वार, सभा, पृथ्वी, सींग, इसाएल, प्रकोप)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 13:7-8](#)
- [2 राजा 09:13](#)
- [निर्गमन 19:12-13](#)
- [इब्रानियों 12:19](#)
- [मत्ती 6:2](#)
- [मत्ती 24:31](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2689, H2690, H3104, H7782, H8619, H8643, G4536, G4537, G4538

तूबल

तथ्यः

पुराने नियम में तूबल नामक अनेक पुरुष हुए थे।

- येपेत के पुत्रों में से एक का नाम तूबल था।
- “तूबल-कैन” लेमेक का पुत्र था और कैन का वंशज।
- यशायाह और यहेजकेल भविष्यद्वक्ताओं ने भी एक जाति तूबल की चर्चा की है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कैन, वंशज, यहेजकेल, यशायाह, येपेत, लेमेक, जाति, भविष्यद्वक्ता)

228

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 01:5-7](#)
- [यहेजकेल 27:12-13](#)
- [उत्पत्ति 10:2-5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8422, H8423

तेरह

तथ्यः

तेरह नूह के पुत्र शेम का वंशज था। वह अब्राम, नाहोर और हारान का पिता था।

- तेरह ने अपने पुत्र अब्राम के साथ कनान जाने के लिए ऊर से कूच किया, साथ में उसका भतीजा लूत और अब्राम की पत्नी सारै भी थे।
- कनान के मार्ग में वे कुछ समय मेसोपोटामिया के हारान नगर में ठहरे। तेरह हारान में मर गया, उसकी आयु 205 वर्ष की थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, कनान, हारान, लूत, मेसोपोटामिया, नाहोर, सारा, शेम, ऊर)

बाइबल सन्दर्भ:

उत्पत्ति 11:31-32

- [1 इतिहास 1:24-27](#)
- [लूका 3:33-35](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H8646, G22910

तेल

परिभाषा:

तेल एक मोटा तरल पदार्थ है जो पौधों से निकाला जाता है। बाइबल के युग में जैतून का तेल अधिकतर काम में लिया जाता था।

- जैतून का तेल पकाने, अभिषेक करने, बलि चढ़ाने, दीपक जलाने और औषधियों के निर्माण में काम में लिया जाता था।
- प्राचीन युग में जैतून का तेल बहुमूल्य था और तेल का संग्रह धन का मापक माना जाता था।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद पकाने के तेल का अभिप्राय प्रकट करेन कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ भाषाओं अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग शब्द हैं।

(यह भी देखें: जैतून, बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 1:21](#)
- [निर्गमन 29:2](#)
- [लैव्यव्यवस्था 5:11](#)
- [लैव्यव्यवस्था 8:1-3](#)
- [मरकुस 6:12-13](#)
- [मत्ती 25:7-9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

त्याग

Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

- जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
- जब परमेश्वर "लोगों" का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
- इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
- "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

Translation Suggestions:

- इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
- "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद "परित्याग" या "हार मानने" या "उसकी आज्ञा मानने से रोकने" के रूप में भी किया जा सकता है।
- वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
- इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

Bible References:

- [1 Kings 06:11-13](#)
- [Daniel 11:29-30](#)
- [Genesis 24:27](#)
- [Joshua 24:16-18](#)

- [Matthew 27:45-47](#)
- [Proverbs 27:9-10](#)
- [Psalms 071:18](#)

Word Data:

- Strong's: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

त्रोआस

तथ्यः

त्रोआस नगर एक बंदरगाह था जो प्राचीन रोम के एशिया प्रांत के पश्चिमी तट पर बसा था।

- पौलुस सुसमाचार का प्रचार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के दौरे के दौरान त्रोआस में कम से कम तीन बार गया था।
- उसी नगर की एक घटना है कि पौलुस देर रात तक प्रचार कर रहा था और एक युवक यूतुखुस को नींद आ गई। वह बहुत ऊंचे पर खिड़की में बैठा था इसलिए वह बाहर गिर गया और मर गया। परमेश्वर के सामर्थ्य से पौलुस ने उसे पुनः जीवित किया।
- जब पौलुस रोम के बन्दीगृह में था तब उस ने तीमुथिमुस को पत्र लिखा था कि वह त्रोआस से उसके कुंडली ग्रन्थ और बागा ले आए, जिन्हें वह वहां छोड़ आया था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एशिया, प्रचार करना, प्रदेश, खड़ा करना, रोम, कुंडली-ग्रन्थ, तीमुथिमुस)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 कुरिचियों 2:13](#)
- [2 तीमुथियुस 04:11-13](#)
- [प्रे.का. 16:8](#)
- [प्रे.का. 20:5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G5174

थिस्सलुनिके

तथ्यः

नये नियम के युग में थिस्सलुनिके प्राचीन रोमी राज्य के मकिदुनिया की राजधानी थी। उस नगर के लोग “थिस्सलोनिकेवासी” कहलाते थे।

- थिस्सलुनिके नगर एक महत्वपूर्ण बंदरगाह था और एक प्रमुख मुख्य मार्ग पर स्थित था जिसके द्वारा रोम पूर्वी क्षेत्र से जुड़ता था।
- सिलास और तीमुथियुस के साथ पौलुस अपनी दूसरी प्रचार यात्रा में इस नगर में गया और वहां एक फलवन्त कलीसिया तैयार की। पौलुस ने अपनी तीसरी प्रचार यात्रा में भी इस नगर की कलीसिया से भेट की थी।
- पौलुस ने थिस्सलुनिके की कलीसिया को दो पत्र लिखे थे। ये दोनों पत्र (पहला थिस्सलुनीकियों और दूसरा थिस्सलुनीकियों) नये नियम में संग्रहित हैं।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मकिदुनिया, पौलुस, रोम)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 1:1
- 2 थिस्सलुनीकियों 1:1
- 2 तीमू. 4:9
- प्रे.का. 17:1
- फिलिप्पियों 4:14-17

शब्द तथ्यः

- Strong's: G2331, G2332

थोमा**तथ्यः**

थोमा यीशु के बारह चेलों में से एक था जो आगे चलकर प्रेरित कहलाए। उसे "दिदुमुस" भी कहा गया था, जिसका अर्थ है "जुङवा।"

- यीशु की मृत्यु से पहले, उसने अपने शिष्यों से कहा कि वह पिता के साथ रहने जा रहा था और उनके साथ रहने के लिए एक जगह तैयार करेगा। थोमा ने यीशु से पूछा कि वे कैसे वहां पहुंचने का तरीका जान सकते हैं जब उन्हें पता भी नहीं कि वह कहाँ जा रहा है।
- यीशु के मृत्यु और जी उठने के बाद, थोमा ने कहाँ जब तक वह यीशु के घावों को छूकर न देखें तब तक विश्वास नहीं करेगा की यीशु वास्तव में जी उठा है।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, चेले, परमेश्वर पिता, बारहों)

बाइबल सन्दर्भः

- प्रे.का. 1:12-14
- यूहन्ना 11:15-16
- लूका 6:14-16
- मरकुर 3:17-19
- मत्ती 10:2-4

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G23810

दंडवत करना**परिभाषा:**

"दंडवत करना" अर्थात् मुङ्ह के बल भूमि पर गिरना, सामान्यतः किसी अधिकार संपन्न मनुष्य के अधीन में जैसे राजा या किसी सामर्थी मनुष्य के अधीन। इसी शब्द का अर्थ "आराधना" करना भी होता है जिसका सन्दर्भ परमेश्वर के सम्मान, स्तुति और आज्ञापालन से है।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है, “झुकना” या “दण्डवत् करना” कि किसी का दीनतापूर्वक सम्मान करें।
- जब हम परमेश्वर की स्तुति और आज्ञापालन के द्वारा उसकी सेवा और उसका सम्मान करते हैं तब हम उसकी आराधना करते हैं।
- इस्त्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में अधिकतर वेदी पर पशु की बलि चढ़ाई जाती थी।
- यह शब्द उन दोनों प्रकार के लोगों के लिए काम में लिया जा सकता है एक सच्चे परमेश्वर यहोवा की उपासना करते हैं और उन लोगों के लिए भी जो झूठे देवताओं की उपासना करते हैं।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “उपासना” शब्द का अनुवाद हो सकता है “दण्डवत् करना” या “आदर करना और सेवा करना” या “सम्मान करना एवं आज्ञापालन करना”।
- कुछ प्रकरणों में इसका अनुवाद हो सकता है, “दीनतापूर्वक स्तुति करना” या “सम्मान और स्तुति करें।”

(यह भी देखें: बलिदान, स्तुति, आदर)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [कुलस्मियों 02:18-19](#)
- [व्यवस्थाविवरण 29:18](#)
- [निर्गमन 03:11-12](#)
- [लूका 04:07](#)
- [मत्ती 02:02](#)
- [मत्ती 02:08](#)

बाह्यबल कहानियों से उदाहरणः

- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, "मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न_ मानना_|"
- **14:02** कनानियो ने न तो परमेश्वर की _ आराधना_ की और न ही आज्ञा का पालन किया। उन्होंने इूठे देवताओं की _ उपासना_ की, और बहुत से दुष्टा के कार्य किए।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करे जिसमें सभी इसाएली परमेश्वर की **उपासना** करें और बलिदान चढ़ाएँ।
- **18:12** इस्माएल राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की **उपासना** करते थे।
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, "हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की 'उपासना' कर।'"
- **26:02** सब्त के दिन वह(यीशु) **आराधना** करने के स्थान पर गया।
- **47:01** वहाँ वह लुटिया नामक एक भक्त स्त्री से मिले जो कि व्यापारी थी। वह बहुत प्रेम के साथ प्रभु की **आराधना** करती थी।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी _ आराधना_ करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H5457, H5647, H6087, H7812, G1391, G1479, G2151, G2318, G2323, G2356, G3000, G3511, G4352, G4353, G4573, G4574, G4576

दक्षिण देश**तथ्यः**

नेगेव इस्राएल के दक्षिणी भाग में एक रेगिस्तानी क्षेत्र था जो खारे ताल के दक्षिणपूर्व में था।

- मूल शब्द, नेगेव का अर्थ है "दक्षिण" कुछ अंग्रेजी अनुवादों में यही अनुवाद किया गया है।
- हो सकता है कि जहां आज नेगेव रेगिस्तान है वह "दक्षिण" नहीं है।
- कादेश में वास करते समय अब्राहम नेगेव या दक्षिणी क्षेत्र में था।
- इसहाक नेगेव में ही रहता था जब रिबका यात्रा करके उससे विवाह करने आई थी।
- यहूदियों के गोत्र का यूहदा और शमैन इस दक्षिणी भाग में रहते थे।
- नेगेव क्षेत्र का सबसे बड़ा नगर बर्शेबा था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, बर्शेबा, इस्राएल, यहूदा, कादेश, खारे ताल, शमैन)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 12:9](#)
- [उत्पत्ति 20:1-3](#)
- [उत्पत्ति 24:62](#)
- [यहोशू 03:14-16](#)
- [गिनती 13:17-20](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5045, H6160

दण्ड**परिभाषा:**

"दण्ड" शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्लाएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, "हम पर विनाश आ पड़ा है"।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "आपदा" या "दण्ड" या "आशारहित विनाश"।

बाइबल सन्दर्भः

- [यहेजकेल 07:5-7](#)
- [यहेजकेल 30:8-9](#)
- [यशायाह 06:4-5](#)
- भजन संहिता 092:6-7

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड देना**परिभाषा:**

"दण्ड देना" शब्द का अर्थ है किसी को उसके गलत काम के नकारात्मक परिणाम भोगना। "दण्ड" का सन्दर्भ उस परिणाम से है जो मनुष्य के अनुचित कार्य के लिए उसे भोगना पड़ता है।

- दण्ड का उद्देश्य होता है कि मनुष्य पाप करना छोड़ दे।
- परमेश्वर इसाएलियों को अवज्ञा का दण्ड देता था, विशेष करके झूठे देवता की उपासना का। उनके पापों के कारण परमेश्वर उनके शत्रुओं को अनुमति देता था कि वे उन पर आक्रमण करके उन्हें बन्दी बना लें।
- परमेश्वर न्यायी एवं धर्मनिष्ठ है इसलिए उसे पाप का दण्ड देना पड़ता है। प्रत्येक मनुष्य ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया है और दण्ड के योग्य है।
- यीशु को प्रत्येक मनुष्य के सब बुरे कामों का दण्ड मिला। उसने प्रत्येक मनुष्य का दण्ड अपने ऊपर ले लिया जबकि उसने तो कोई भी गलत काम नहीं किया था कि दण्ड भेगे।
- “दंडमुक्त रहना” या “निर्दोष ठहराना” अर्थात् मनुष्य को अनुचित कार्य का दण्ड न देने का निर्णय। परमेश्वर प्रायः पाप का दण्ड विलम्बित करता है क्योंकि वह मनुष्यों द्वारा मन फिराव की प्रतीक्षा करता है।

(यह भी देखें: न्यायोचित, पश्चाताप, धर्मी, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 4:18](#)
- [2 थिसलुनीकियों 1:9](#)
- [प्रे.का. 4:21](#)
- [प्रे.का. 7:59-60](#)
- [उत्पत्ति 4:15](#)
- [लूका 23:16](#)
- [मत्ती 25:46](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **13:7** परमेश्वर ने पालन करने हेतु उनको और भी बहुत से नियम और अध्यादेश दिए। अगर लोग इन नियमों का पालन करते थे, तो परमेश्वर ने वादा किया था कि वह उन्हें आशीर्वाद और उनकी रक्षा करेगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह **दण्ड** के पात्र बनेंगे।
- **16:2** क्योंकि इसाएल परमेश्वर की अवज्ञा करते रहे, इसलिए उसने उनके दुश्मनों को उन्हें पराजित करने की अनुमति देकर **दण्ड** दिया।
- **19:16** भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी दी कि, यदि उन्होंने दुष्टता के काम करना बंद नहीं किए, और परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना आरंभ नहीं किया, तो परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें **दण्ड** देगा।
- **48:6** यीशु सबसे उत्तम महान पुरोहित है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का **दण्ड**, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किए हैं, अपने ऊपर ले लिया।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का **दण्ड** उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।
- **49:9** लौकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का **दण्ड** नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।

- 49:11 यीशु ने कभी कोई पाप नहीं किया था, लेकिन फिर भी उसने **दण्ड** उठाने और मारे जाने को चुना ताकि एक सिद्ध बलिदान के रूप में आपके तथा संसार के हर मनुष्य के पापों को उठा ले जा सके।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3027, H3256, H4148, H4941, H5221, H5414, H6031, H6064, H6213, H6485, H7999, H8011, H8199, G13490, G15560, G15570, G28490, G38110, G50970

दण्डवत्

परिभाषा:

“दण्डवत्” करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। “दण्डवत् करना” का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में “घुटने भूमि पर टिकाना” और “सिर झुकाना” (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- “दण्डवत् करना” निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने “घुटने टेके” वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊँचे पद या ऊँचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजा और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्वर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है “आगे को झुकना” या “सिर झुकाना” या “घुटने टेकना”।
- “घुटने टेकने” का अनुवाद “घुटनों पर गिरना” या “दण्डवत् करना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, आराधना)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 05:17-19](#)
- [निर्गमन 20:4-6](#)
- [उत्पत्ति 24:26-27](#)
- [उत्पत्ति 44:14-15](#)
- [यशायाह 44:19](#)
- [लूका 24:4-5](#)
- [मत्ती 02:11-12](#)
- [प्रकाशितवाक्य 03:9-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दण्डवत् करना**परिभाषा:**

“दण्डवत्” का अर्थ है मुंह के बल भूमि पर सीधा गिरना।

- किसी को “दण्डवत् करना” या “मुंह के बल भूमि पर गिरना” का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या किसी के समक्ष झुकना।
- दण्डवत् करने की यह मुद्रा प्रायः विस्मय, आश्र्य और भय की प्रतिक्रिया है, किसी अलौकिक घटना के कारण। इसमें जिसको दण्डवत् किया जा रहा है उसके प्रति सम्मान और आदर का प्रदर्शन भी है।
- दण्डवत् करना परमेश्वर की आराधना विधि भी थी। मनुष्य यीशु के चमत्कार या गुरु रूप में उसके आदर हेतु धन्यवाद के साथ ऐसी प्रतिक्रिया दिखाते थे।
- प्रकरण के अनुसार “दण्डवत्” का अनुवाद हो सकता है, “भूमि पर चेहरा करके झुकना” या “उसके सामने मुंह के बल गिरकर आराधना करना” या “विस्मय के कारण भूमि पर मुंह के बल गिरना” या “आराधना करना”।
- “हम दण्डवत् नहीं करेंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “आराधना नहीं करेंगे” या “आराधना में मुंह के बल नहीं गिरेंगे” या “हम आराधना में नहीं झुकेंगे”।
- “को दण्डवत् करना” का अनुवाद हो सकता है, “आराधना करना” या “सामने झुकना”

(यह भी देखें: आह, दण्डवत् करना)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 17:36-38](#)
- [उत्पत्ति 43:28-29](#)
- [प्रकाशितवाक्य 19:3-4](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5307, H5457, H6440, H6915, H7812, G4098

दमिश्क**तथ्यः**

दमिश्क सीरिया की राजधानी है। यह नगर आज भी वहीं है जहां वह बाइबल युग में था।

- दमिश्क दुनिया के सबसे पुराने, लगातार आबाद शहरों में से एक है।
- अब्राहम के युग में दमिश्क अराम राज्य (अराम राज्य आज के सीरिया में था) की राजधानी था।
- संपूर्ण पुराने नियम में दमिश्क के निवासियों और इस्माएली प्रजा के मध्य पारस्परिक क्रिया के अनेक संदर्भ हैं।
- बाइबल की कई भविष्यद्वाणियां दमिश्क के विनाश की भविष्यवाणी करती हैं। हो सकता है कि ये भविष्यद्वाणियां तब पूरी हुई हों जब अश्शूर ने पुराने नियम के समय में शहर को नष्ट कर दिया था, या भविष्य में इस शहर का और अधिक पूर्ण विनाश भी हो सकता है।
- नए नियम में, फरीसी शाऊल (बाद में पौलुस के नाम से जाना गया) दमिश्क शहर में मसीहीयों को बन्दी बनाने के लिए जा रहा था जब यीशु ने उसका सामना किया और उसे विश्वासी बना दिया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, अश्शूर, विश्वास, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 24:23-24](#)
- [प्रे.का. 9:1-2](#)
- [प्रे.का. 9:3](#)
- [प्रे.का. 26:12](#)
- [गलातियों 1:15-17](#)
- [उत्पत्ति 14:15-16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1834, G11540

दया

परिभाषा:

"दया" और "दयालु" शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- "दया" का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को "दयालु" कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ सहारद्र व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते हैं।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार "दया" का अनुवाद "करूणा" या "अनुकंपा" या "सहानुभूति" भी किया जा सकता है।
- "दयालु" का अनुवाद "दया दिखाना" या "किसी पर कृपालु होना" या "क्षमाशील" होना।
- "दया दिखाना" या "दया करना" का अनुवाद "कृपालु व्यवहार करना" या "अनुकंपा दर्शाना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा)

बाइबल संदर्भ:

- [1 पत्रस 1:3-5](#)
- [1 तीमुथियुस 1:13](#)
- [दानियेल 9:17](#)
- [निर्गमन 34:6](#)
- [उत्पत्ति 19: 16](#)
- [इब्रानियों 10:28-29](#)
- [याकूब 2:13](#)
- [लूका 6:35-36](#)
- [मत्ती 9:27](#)
- [फिलिप्पियों 2:25-27](#)
- भजन संहिता 41:4-6
- [रोमियो 12:1](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने (भविष्यद्वक्ताओं ने) लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और दया के काम करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मायाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मायाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर **दया** की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति **दयालू** था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यक्षापक से पूछा, “तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “वही जिसने उस पर **दया** की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, “नहीं, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर **दया** करके तेरे लिए कैसे बढ़े बढ़े काम किए हैं।

- 34:9 पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन् अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, 'हे परमेश्वर मुझ पर **दया** कर क्योंकि मैं पापी हूँ।'

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G16530, G16550, G16560, G24330, G24360, G36280, G36290, G37410, G46980

दर्शन

तथ्य:

"दर्शन" का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक विषय से है जो परमेश्वर मनुष्यों को अपना सन्देश देने के लिए दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि सोते समय भी मनुष्य को स्वप्न में दर्शन दिखाई देते हैं।
- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- "एक दर्शन देखा" इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, "परमेश्वर की और से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ विशेष बात दिखाई।"
- कुछ भाषाओं में "दर्शन" और "स्वप्न" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। अतः "दानियेल के मन में सपने और दर्शन थे" इस वाक्यांश का अनुवाद कुछ इस प्रकार हो सकता है, "दानियेल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य बातों को देखने योग्य किया।"

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 9:10-12](#)
- [प्रे.का. 10:3-6](#)
- [प्रे.का. 10:11](#)
- [प्रे.का. 12:9-10](#)
- [लूका 1:22](#)
- [लूका 24:23](#)
- [मत्ती 17:9-10](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G37010, G37050, G37060

दलीला

तथ्यः

दलीला एक पलिश्ती स्त्री थी जिससे शिमशोन प्रेम करने लगा था परन्तु वह उसकी पत्नी नहीं थी।

- दलीला शिमशोन से अधिक पैसो से प्रेम करती थी।
- पलिश्तियों ने दलीला को घूस देकर शिमशोन की शक्तियों को विमुख करने का भेद जानने के लिए कहा। उसकी शक्ति समाप्त हो जाने पर पलिश्तियों ने उसे बन्दी बना लिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: घूस, पलिश्ती, शिमशोन)

बाइबल सन्दर्भः

- [न्यायियों 16:4-5](#)
- [न्यायियों 16:6-7](#)
- [न्यायियों 16:10-12](#)
- [न्यायियों 16:18-19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1807

दस आज्ञाएँ

तथ्यः

"दस आज्ञाएँ" वे आज्ञाएँ थीं जो परमेश्वर ने सीनै पर्वत पर मूसा को दी थीं, जब इसाएली कनान देश की ओर जाते हुए उजाड़ में रह रहे थे। परमेश्वर ने इन आज्ञाओं को पत्थर की दो बड़ी पटियाओं पर लिखा।

- परमेश्वर ने इसाएलियों को आज्ञा मानने के लिए कई आज्ञाएँ दी थीं, लेकिन दस आज्ञाएँ इसाएलियों को परमेश्वर से प्रेम करने और उसकी आराधना करने और अन्य लोगों से प्रेम करने में मदद करने के लिए विशेष आज्ञाएँ थीं।
- ये आज्ञाएँ अपने लोगों के साथ परमेश्वर की वाचा का भी हिस्सा थीं। परमेश्वर ने उन्हें जो करने की आज्ञा दी थी उसका पालन करने से, इसाएल के लोग दिखाएंगे कि वे परमेश्वर से प्रेम करते हैं और उसके हैं।
- पत्थर की पटियाएँ जिन पर आज्ञाएँ लिखी हुई थीं, उन्हें वाचा के संदूक में रखा गया था, जो मिलापवाले तम्बू के सबसे पवित्र स्थान और बाद में भवन में स्थित था।

(यह भी देखें: वाचा का संदूक, आज्ञा, वाचा, रेगिस्तान, व्यवस्था, पालन, सीनै, आराधना)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 4:13-14](#)
- [व्यवस्थाविवरण 10:3-4](#)
- [निर्गमन 34:27-28](#)
- [लूका 18:18-21](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **13:07** तब परमेश्वर ने इन **दस आज्ञाओं** को पत्थर की दो पटियाओं पर लिखकर मूसा को दिया।
- **13:13** जब मूसा पहाड़ से नीचे आया और उसने मूर्ति को देखा, तो वह इतना क्रोधित हुआ कि उसने उन पत्थरों को तोड़ डाला जिन पर परमेश्वर ने **दस आज्ञाएँ** लिखी थीं।
- **13:15** तब मूसा ने पहली तख्तियों के समान दो और तख्तियाँ गढ़ी; क्योंकि पहली उसने तोड़ डाली थी।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1697, H6235

दसवां

परिभाषा:

“दसवां” या “दशमांश” का उस पैसे, फसल, मवेशियों या अन्य संपदा के दस प्रतिशत या दस में से एक भाग के सन्दर्भ में है जो परमेश्वर को दिया जाना है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने इसाएल को आज्ञा दी थी कि वे अपने सब कुछ का दसवां अंश परमेश्वर के लिए धन्यवाद की भेंट स्वरूप पृथक कर दें।
- यह भेंट इसाएलियों के लेवी गोत्र के संभरण के लिए थी क्योंकि वे इसाएलियों के लिए याजकों की सेवा करते थे और निवास तथा मंदिर की देखरेख करते थे।
- नये नियम में परमेश्वर के लिए दशमांश पृथक करने की आज्ञा तो नहीं है परन्तु उदारता तथा सहर्ष देने का विचार है कि मसीही सेवा में सहयोग तथा गरीबों को सहायता प्राप्त हो।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “दसवां अंश” या “दस में से एक भाग।”

(यह भी देखें: विश्वास, इसाएल, लेवी, मवेशी, मेलिकिसिदक, सेवक, बलि, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 14:19-20](#)
- [उत्पत्ति 28:20-22](#)
- [इब्रानियों 7:4-6](#)
- [यशायाह 6:13](#)
- [लूका 11:42](#)
- [लूका 18:11-12](#)
- [मत्ती 23:23-24](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4643, H6237, H6241, G5860, G11810, G11830

दाँवना

परिभाषा:

“दाँवना” और “दाँवने” गेहूं से गेहूं का दाना अलग करने के काम को कहते हैं।

- गेहूं के पौधे को दाँवना से पुआल और भुसा से अनाज को ढीला करता है। बाद में अनाज को “फटका जाता है” ताकि अवांछित सामग्रियों से अनाज को पूरी तरह से अलग किया जा सके, केवल उस भाग को छोड़कर जो खाया जा सकता है।
- बाइबल के युग में खलिहान एक समतल बड़ी चट्टान होती थी या मलबा दबा कर कठोर बनाया हुआ फर्श होता था जिस पर गेहूं की दाँवनी की जाती थी कि गेहूं के दाने अलग किए जाएं।
- “दंवनी छकड़ा” या “दंवनी चर्खी” गेहूं को रौदने और दानों को भूसी से अलग करने के काम में लिया जाता था।
- “दंवनी हथौड़ा” या “दंवनी पटल” गेहूं के दानों की अलग करने के लिए काम में लिया जाता था। यह लकड़ी का एक तख्ता होता था जिसमें कीले लगी होती थी।

(यह भी देखें: भूसी, अन्न, हवा में उड़ाना)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 03:1-3](#)
- [2 राजा 13:6-7](#)
- [2 शमूएल 24:15-16](#)
- [दानियेल 02:34-35](#)
- [लूका 03:17](#)
- [मत्ती 03:10-12](#)
- [रूत 03:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H212, H4173, H1637, H1758, H1786, H1869, H2251, G248

दाऊद

तथ्यः

दाऊद इस्साएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्साएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरुद्ध अनेक युद्धों में इस्साएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित्त किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्ती, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 17:12-13](#)
- [1 शमूएल 20:32-34](#)
- [2 शमूएल 05:1-2](#)
- [2 तीमुथियुस 02:8-10](#)
- [प्रे.का. 02:25-26](#)
- [प्रे.का. 13:21-22](#)
- [लूका 01:30-33](#)
- [मरकुस 02:25-26](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इसाएली को चुना जिसका नाम **दाऊद** था। बैतलहम नगर में **दाऊद** एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** **दाऊद** एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब **दाऊद** एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग **दाऊद** को प्रेम करते हैं उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने **दाऊद** को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण **दाऊद** शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने **दाऊद** को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। **दाऊद** ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इसाएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** **दाऊद** चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इसाएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढ़ाएँ।
- **17:09** **दाऊद** ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।

- 17:13 दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे हैं। दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद का घराना

तथ्यः

"दाऊद के घराने" का अर्थ है राजा दाऊद के वंशज या उसका परिवार।

- इसका अनुवाद "दाऊद के वंशज" या "दाऊद का परिवार" या "राजा दाऊद का कुल" हो सकता है
- क्योंकि यीशु दाऊद का वंशज था वह "दाऊद के घराने" का था।
- कभी-कभी "दाऊद का घराना" या "दाऊद का वंश" दाऊद के जीवित वंशजों के संदर्भ में भी है।
- अन्यथा यह उक्ति सामान्यतः उसके सब वंशजों के संदर्भ में है, जो मर गए उनके भी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, वंशज, घराना, यीशु, राजा)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 10:19](#)
- [2 शमूएल 3:6](#)
- [लूका 1:69-71](#)
- भजन संहिता 122:5
- [जकर्या 12:7](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1004, H1732, G11380, G36240

दाऊद का नगर

तथ्यः

"दाऊद का नगर" यरूशलेम और बैतलहम दोनों का दूसरा नाम है।

- यरूशलेम वह नगर है जिसमें दाऊद इस्माएल पर राज करते समय रहता था।
- बैतलहम वह नगर था जहां दाऊद का जन्म हुआ था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, बैतलहम, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 08:1-2](#)
- [2 शमूएल 05:6-7](#)
- [यशायाह 22:8-9](#)
- [लूका 02:4-5](#)
- [नहेम्याह 03:14-15](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1732, H5892, G11380, G41720

दाख

परिभाषा:

"लता" शब्द ऐसे पौधे को संदर्भित करता है जो भूमि पर फैलता है या पेड़ों और अन्य संरचनाओं पर चढ़ने से बढ़ता है।

बाइबल में “दाखलता” शब्द केवल फल लानेवाली लता के लिए काम में लिया गया है और अधिकतर दाखलता के लिए काम में लिया गया है।

- बाइबल में “दाखलता” लगभग सदैव ही “अंगूर की बेल” के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- अंगूर की शाखाएं मुख्य तने से जुड़ी होती हैं जो उन्हें पानी और अन्य पोषक तत्व देती हैं ताकि वे बढ़ सकें।
- यीशु ने स्वयं को “दाखलता” और विश्वसियों को “डालियाँ” कहा है। यहाँ “दाखलता” का अनुवाद हो सकता है “दाखलता की डाली” या “दाख की शाखा”। (देखें: उपमा)

(यह भी देखें: दाख, दाख की बारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 40:9](#)
- [उत्पत्ति 49:11](#)
- [यूहन्ना 15:1](#)
- [लूका 22:18](#)
- [मरकुस 12:3](#)
- [मत्ती 21:35-37](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5139, H1612, H8321, G288, G290, G1009, G1092

दाख की बारी

परिभाषा:

दाख की बारी एक बड़ा बागवानी क्षेत्र है जहाँ अंगूर उगाए जाते हैं और अंगूर की खेती होती है।

- दाख की बारी प्रायः दीवारों से घिरी होती है कि चोरों और जानवरों से दाख की रक्षा की जाए।
- परमेश्वर ने इसाएल की तुलना उस दाख की बारी से की थी जिसमें अच्छे फल नहीं लगे। (देखें: उपमा)
- दाख की बारी का अनुवाद किया जा सकता है, “अंगूरों का बगीचा” या “अंगूर की खेती” (यह भी देखें: अंगूर, इसाएल, दाखलता)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 9:20-21](#)
- [लूका 13:6](#)
- [लूका 20:15](#)
- [मत्ती 20:2](#)
- [मत्ती 21:40-41](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1612, H3754, H3755, H8284, G289, G290

दाखमधु

परिभाषा:

“दाखमधु” शब्द उन पेय पदार्थों के लिए काम में लिया गया है जिनका किण्वन किया गया है और उनमें अल्कोहल की मात्रा है।

- मदिरा अन्न से या फल से बनाई जाती थी जो किण्वन की प्रक्रिया से निकाली जाती थी।
- "मदिरा" के प्रकार में दाखरस, ताड़ की मदिरा, बीयर और सेब का सिरका आता है। बाइबिल में, दाखरस सबसे अधिक बार उल्लेख की जाने वाली मदिरा थी।
- याजक या विशिष्ट शपथ खाने वाले जैसे नाजीर मनुष्य को किसी भी प्रकार का खमीर किया गया पेय वर्जित था।
- इस शब्द को "किण्वित पेय" या "अल्कोहलयुक्त पेय" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अंगूर, नाजीर, मन्त्र, दाखरस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [यशायाह 5:11-12](#)
- [लैव्यव्यवस्था 10:9](#)
- [लूका 1:14-15](#)
- [गिनती 6:3](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5435, H7941, G46080

दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वन पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- "नया दाखरस" अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात् वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद "किण्वन किया हुआ अंगूर का रस" कह सकते हैं या "अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस" या "किण्वन किया हुआ फलों का रस" (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)
- "मशक" का अनुवाद "मदिरा की थैली" या "पशु की खाल मदिरा का थैला" या "पशु की खाल मदिरा का पात्र"।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- [1 तीमुथियुस 05:23](#)
- [उत्पत्ति 09:21](#)
- [उत्पत्ति 49:12](#)
- [यूहन्ना 02:3-5](#)
- [यूहन्ना 02:10](#)
- [मत्ती 09:17](#)
- [मत्ती 11:18](#)

नष्ट करना

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस के कुण्ड**परिभाषा:**

बाइबल के युग में दाखरस के कुण्ड वे वृहत कुंड या खुले स्थान थे जहाँ दाख का रस निकाला जाता था कि दाखरस तैयार किया जाए।

- इस्लाम में दाखरस के ये कुण्ड बहुत बड़े होते थे जिनको कठोर चट्टानों में खोद कर बनाया जाता था। दाख के गुच्छे इन गड्ढों के समतल तल पर डाल कर मनुष्यों द्वारा पांवों से रौंदा जाता था कि दाख रस बहकर बाहर निकले।
- आमतौर पर एक दाखरस के कुंड का दो स्तर होता है, शीर्ष स्तर पर अंगूरों को कुचल दिया जाता है, जिससे कि रस निचले स्तर पर चला जाएगा जहाँ वह एकत्र होगा।
- "दाखरस का कुंड" बाइबल में लाक्षणिक रूप में परमेश्वर के प्रकोप के लिए काम में लिया गया है जो दुष्टों पर उंडेला जाएगा।

(देखें: रूपक)

(यह भी देखें: अंगूर, प्रकोप)

बाइबल संदर्भ:

- [यशायाह 63:2](#)
- [मरकुस 12:1](#)
- [मत्ती 21:33](#)
- [प्रकाशितवाक्य 14:20](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1660, H3342, H6333, G3025, G5276

दान**परिभाषा:**

"दान" अर्थात् गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद "पैसा" या "गरीबों को देना" या "गरीबों की सहायता" हो सकता है।

बाइबल संदर्भ:

- [प्रे.का. 3:1-3](#)
- [मत्ती 6:1](#)
- [मत्ती 6:3](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G16540

दान**तथ्यः**

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्लाम के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहाँ यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्माएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्माएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 12:34-35](#)
- [1 राजा 04:24-25](#)
- [निर्गमन 01:1-5](#)
- [उत्पत्ति 14:13-14](#)
- [उत्पत्ति 30:5-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1835, H1839, H2051

रापा, रपाइयों, रापाइम,

तथ्यः

शब्द “रापा” उन निवासियों के समूह का नाम है जो यर्दन नदी के पूर्वी किनारे पर एक स्थान पर रहते थे। “रापा” को “रापाई” या “रापाइम” कहा जाता है।

- इस जन समूह के नाम पर एक घाटी का नाम रखा गया, “रपाइम की तराई”, जिसका उल्लेख पुराने नियम में छह बार किया गया है।
- “रापा” एक इब्रानी शब्द का अंग्रेजी लिप्तंतरण है। यह निश्चित रूप से निर्धारित करना कठिन है कि “रापा” शब्द का क्या अर्थ है और इसके परिणामस्वरूप “रापा” शब्द किस प्रकार के प्राणियों को संदर्भित करता है। “रापा” शब्द जीवित लोगों, आत्माओं, या अर्ध-दिव्य प्राणियों के समूह को संदर्भित कर सकता है। इस कारण से कई अंग्रेजी अनुवादों ने मूल भाषा (इब्रानी) शब्द को “रपाइयों” या “रापाइम” के रूप में लिप्तंतरित करना चुना है। हो सकता है कि आप अपने अनुवाद में भी ऐसा ही करना चाहें।
- अम्मोनियों के समूह ने रपाइयों को “जमजुम्मी” नाम से बुलाया (देखें व्यवस्थाविवरण 2:20)।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें, शब्दों की नकल या उधार लें)

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्ग :

दानिय्येल

तथ्यः

दानिय्येल एक इस्राएली भविष्यद्वक्ता था जिसे 600 ई.पू. में नबूकदनेस्सर द्वारा बन्दी बनाकर बेबीलोन ले जाया गया था, उस समय वह युवावस्था में ही था।

यह वह समय था जब यहूदा से अनेक इस्राएली बेबीलोन में 70 वर्ष के लिए बन्दुआई में थे।

- दानिय्येल को कसदी नाम, बेलतशस्सर रखा गया।
- दानिय्येल एक सम्मानित एवं धर्मी मनुष्य था, वह परमेश्वर की आज्ञाओं को मानता था।
- परमेश्वर ने दानिय्येल को योग्यता प्रदान की थी कि वह बेबीलोन के राजाओं के अनेक स्वप्न एवं दर्शनों का अर्थ उन्हें समझाएं।
- उसकी योग्यता और सम्मानित चरित्र के कारण दानिय्येल को बेबीलोन साम्राज्य में अगुआई का ऊंचा स्थान दिया गया था।
- अनेक वर्ष बाद दानिय्येल के बैरियों ने राजा दारा के साथ चतुराई करके आज्ञा निकलवाई कि प्रजा राजा की अपेक्षा अन्य किसी ईश्वर की उपासना न करे। दानिय्येल ने परमेश्वर से प्रार्थना करना नहीं छोड़ा, परिणामस्वरूप उसे शेरों के गुफा में डाल दिया गया। परन्तु परमेश्वर ने उसकी रक्षा की और शेरों ने उसे किसी प्रकार की हानि नहीं पहुंचाई।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, नबूकदनेस्सर)

बाइबल संदर्भः

- [दानिय्येल 01:6-7](#)
- [दानिय्येल 05:29-31](#)
- [दानिय्येल 07:27-28](#)
- [यहेजकेल 14:12-14](#)
- [मत्ती 24:15-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1840, H1841, G1158

दारा

तथ्यः

दारा नाम फारस के अनेक राजाओं का था। संभव है कि “दारा” नाम की अपेक्षा एक उपाधि थी।

- “मादी दारा” को जाल में फँसा कर दानियेल विरोधियों ने दानियेल को यहोवा की उपासना के कारण सिंहों की मान्द में डलवा दिया था।
- “फारसी दारा” ने एज्रा और नहेम्याह के समय यरूशलेम के मन्दिर के पुनः निर्माण हेतु प्रबन्ध किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: फारस, बाबेल, दानियेल, एज्रा, नहेम्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [एज्रा 4:4-6](#)
- [हागै 1:1](#)
- [नहेम्याह 12:22](#)
- [जकर्या 1:1](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1867, H1868

दिन

परिभाषा:

“दिन” शब्द का सन्दर्भ सामान्यतः प्रकाश और अन्धकार के बारी-बारी से आकाश में आने के समय से है जो एक चक्र पूरा करते हैं (अर्थात् 24 घंटे) तथापि, बाइबल में, इसी शब्द का उपयोग अधिकतर समय के एक लघुकाल के लिए किया गया है (जैसे सूर्योदय से सूर्यास्त के मध्य का समय) या दीर्घकालीन समय के लिए जिसकी निश्चित अवधि नहीं बताई गई है।

- “दिन” का उपयोग कभी-कभी “रात” के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द समय के किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि “आज।”
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाता हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक के रूप में नहीं किया जाता हैं।

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द का अनुवाद “दिन” या “दिन के समय” के रूप में करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करें जो दिन के उस समय को दर्शाए जब प्रकाश होता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दिन का समय”, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” आदि प्रकरण पर आधारित।

(यह भी देखें: समय, दण्ड का दिन, अन्तिम दिन)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 20:6](#)
- [दानियेल 10:4](#)
- [एज्रा 6:15](#)
- [एज्रा 6:19](#)
- [मत्ती 9:15](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3117, H3118, H6242, G2250

दीन

परिभाषा:

"दीन" शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- "दीन बनो" का अनुवाद, "निरभिमान होना" हो सकता है।
- "परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो"।

(यह भी देखें: घमंड)

बाइबल संदर्भ:

- [याकूब 1:21](#)
- [याकूब 3:13](#)
- [याकूब 4:10](#)
- [लूका 14:11](#)
- [लूका 18:14](#)
- [मत्ती 18:4](#)
- [मत्ती 23:12](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **17:2** दाऊद एक बहुत ही _नम्र_ व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** "जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह _छोटा_ किया जाएगा, और जो अपने आप को _छोटा_ बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G08580, G42360, G42390, G42400, G50110, G50120, G50130, G53910

दीन

परिभाषा:

"दीन" और "नम्रता", इन शब्दों का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमानी होने का विलोम है।
- “दीनता” के अनुवाद रूप है “विनग्र” या “दीन दशा” या “महत्वहीन”।
- “दीन दशा” का अनुवाद “दीनता” या “बहुत कम महत्व” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमण्डी)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 20:19](#)
- [यहेजकेल 17:14](#)
- [लूका 1:48-49](#)
- [रोमियो 12:16](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीया

परिभाषा:

“दीपक” शब्द प्रकाश उत्पन्न करने का माध्यम होता है। बाइबल में जिन दीपकों की चर्चा की गई है वे तेल से जलते थे, बाईबल के युग में जिस दीपक को काम में लिया जाता था वह एक छोटा सा पात्र होता था जिसमें ईंधन डाला जाता था-सामान्यतः तेल, जलाने पर वह प्रकाश देता था।

- साधारण दीया मिट्टी का बनता था जिसमें जैतून का तेल भरा जाता था, उसमें एक बत्ती रखकर जलाई जाती थी।
- कुछ दीए अण्डाकार होते थे जिनकी एक भुजा दबी होती थी जहां बत्ती रखी जाती थी।
- तेल की दीपक को लेकर चला जा सकता है या एक ऊँचे स्थान पर रखा जाता था कि उसका प्रकाश सम्पूर्ण कमरे को या घर को प्रकाशित कर सके।
- धर्म-शास्त्र में दीपक प्रतीकात्मक रूप में जीवन और ज्योति का प्रतीक है।

(यह भी देखें: दीवट, जीवन, ज्योति)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 11:34-36](#)
- [निर्गमन 25:3-7](#)
- [लूका 08:16-18](#)
- [मत्ती 05:15-16](#)
- [मत्ती 06:22-24](#)
- [मत्ती 25:1-4](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3940, H3974, H4501, H5215, H5216, G29850, G30880

दीवट/दीवटों

परिभाषा:

बाइबल में “दीवट” शब्द उस रचना का संदर्भ देता है जिस पर दीपक रखा जाता था कि कमरे में प्रकाश व्याप्त हो।

- एक साधारण दीवट मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
- यरूशलेम के मन्दिर में एक विशेष दीवट (दीपदान) था जिसमें सात दीपकों के लिए सात शाखाएं थीं और वह सोने का था।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “दीपक चौकी” या “दीपक रखने की रचना” या “दीपदा।”
- मन्दिर के दीपदान का अनुवाद हो सकता है, “सप्तदीपक पीठिका” या “सात दीपकों की सोने की चौकी।”
- अनुवाद के साथ दीवट का चित्र और बाइबल के संदर्भ में सप्तभुजा दीपदान के चित्र देना की सहायता होगा।

(यह भी देखें: तांबा, सोना, दीया, प्रकाश, चांदी, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानियेल 5:5-6](#)
- [निर्गमन 37:17](#)
- [मरकुस 4:21-23](#)
- [मत्ती 5:15-16](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:12-13](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:20](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4501, G30870

दुःख

परिभाषा:

“दुःख” जीवन का अनुभव है अर्थात् कठिन और निराशा का। किसी को “क्लेश” पहुंचाना अर्थात् उस मनुष्य को “परेशान” करना या “कष्ट” देना। “परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

- कष्ट, शरीरिक, मानसिक या आत्मिक हो सकता है जिससे मनुष्य आहत होता है।
- बाइबल में, कष्ट परिक्षा के समय होते हैं जिनके द्वारा परमेश्वर विश्वासियों को विश्वास में परिपक्ष एवं विकसित होने में सहायता करता है।
- पुराने नियम में “कष्ट” अनैतिक जीवनशैली और परमेश्वर का त्याग करनेवाली जातियों के दण्ड के सन्दर्भ में आया है।

अनुवाद के सुझाव

- “कष्ट” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं” या “उत्तीड़न” या “दुखद अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
- “घबराना” का ऐसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
- “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
- “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाएं”।
- “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: क्लेश देना, सताना)

ਬਾਹਿਬਲ ਸਨਦਮਿ:

- [1 ਰਾਜਾ 18:18-19](#)
- [2 ਇਤਿਹਾਸ 25:19](#)
- [ਲੂਕਾ 24:38](#)
- [ਸੰਤੀ 24:6](#)
- [ਸੰਤੀ 26:36-38](#)

ਸਾਡਾ ਤਰ੍ਥਾ:

- Strong's: H205, H926, H927, H1204, H1607, H1644, H1804, H2000, H4103, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7489, H8513, G387, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5182

ਦੁਃਖ ਤਠਾਨਾ**ਪਰਿਮਾਣ:**

“ਦੁਖ ਤਠਾਨਾ” ਔਰ “ਕਈ ਭੋਗਨਾ” ਕਾ ਸਨਦਰ्भ ਅਨਥਕਾਰੀ ਅਨੁਭਵ ਸੇ ਹੈ, ਜੈਂਸੇ ਰੋਗ, ਪੀਡਾ ਯਾ ਅਨ੍ਯ ਕਲੇਸ਼ਾਂ ਸੇ ਹੈ।

- जब मनुष्यों को सताया जाता है या जब वे रोगी होते हैं तब उन्हें कष्ट होता है।
- कभी-कभी मनुष्य अपने गलत कामों के कारण भी दुख उठाता है, कभी-कभी संसार में पाप और रोग के कारण मनुष्य दुख उठाता है।
- दुख शारीरिक भी होता है जैसे पीड़ा और रोग। मानसिक दुख भी होता है जैसे भय, उदासी या अकेलापन।
- “मुझे सह लो” अर्थात् “मेरे साथ सहनशील रहो” या “मेरी बात सुनो” या “धीरज धरकर सुनो”।

अनुवाद के सुझाव:

- “दुख उठाना” का अनुवाद हो सकता है, “पीड़ा का अनुभव करना” या “कठिनाइयों का सामना करना” या “क्लेश और कष्टदायक अनुभव होना”।
- प्रकरण के आधार पर, “पीड़ा” का अनुवाद हो सकता है, “अत्यंत कठिन परिस्थितियों” या “गंभीर कठिनाइयों” या “क्लेशों का अनुभव” या “दर्दनाक अनुभवों का समय”
- “प्यास लगना” का अनुवाद हो सकता है, “प्यासा होना” या “प्यास के कारण व्याकुल होना”
- “हिंसा सहना” का अनुवाद हो सकता है, “हिंसा का शिकार होना” या “हिंसक कामों से हानि उठाना”

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यिसलुनीकियों 2:14-16](#)
- [2 यिसलुनीकियों 1:3-5](#)
- [2 तीमुथियुस 1:8](#)
- [प्रे.का. 7:11-13](#)
- [यशायाह 53:11](#)
- [यिर्मयाह 6:6-8](#)
- [मत्ती. 16:21](#)
- भजन-संहिता 22:24
- [प्रकाशितवाक्य 1:9](#)

- रोमियो 5:3-5

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 9:13 परमेश्वर ने कहा, “मैंने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में हैं उनके दुःख को निश्चय देखा है।”
- 38:12 यीशु ने तीन बार प्रार्थना की, “हे मेरे पिता, यदि हो सके तो यह दुःख का कटोरा मुझे पीना न पड़े।”
- 42:3 उसने(यीशु) उन्हें भविष्यद्वक्ताओं के वचन स्मरण कराए कि मसीह दुःख उठाएगा और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा।
- 42:7 उसने(यीशु) कहा, “लिखा है कि मसीह दुःख उठाएगा, मारा जायेगा और तीसरे दिन मेरे हुओं में से जी उठेगा।”
- 44:5 यथपि तुम जानते नहीं थे कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामों द्वारा ही भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।
- 46:4 प्रभु ने कहा, “तू चला जा क्योंकि वह तो अन्यजातियों और राजाओं के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है। और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा दुःख उठाना पड़ेगा।”
- 50:17 वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H943, H1741, H1934, H4531, H5142, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G2552, G2553, G2561, G3804, G3958, G4310, G4778, G4777, G4841, G5004

दुःखित

परिभाषा:

“क्लेश देना” अर्थात् किसी को कष्ट या दुःख देना “दुःख” रोग, मानसिक विषाद या इनसे उत्पन्न अन्य विनाश।

- कभी कभी परमेश्वर अपनी प्रजा को रोगों और कठिन परिस्थितियों से क्लेश देता था कि वे अपने पापों से विमुख होकर उसके पास लौट आएं।
- परमेश्वर ने मिस्र पर क्लेश या विपत्तियां डाली थी क्योंकि उनके राजा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी थी।
- किसी बात से “दबना” रोग, सताव या मानसिक विषाद के कारण क्लेश भोगना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी को क्लेश देना का अनुवाद, “किसी को संकट का अनुभव करवाना” या “किसी को दुःख देना” या “किसी के लिए कष्ट का कारण होना”
- कुछ प्रकरणों में “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “होना” या “पहुंचाना” या “कष्ट लाना” “कोढ़ से पीड़ित” का अनुवाद “कोढ़ का रोगी होना” हो सकता है।
- मनुष्यों का पशुओं को दुःख देने के लिए जब रोग या मुसीबत भेजी जाती है तो इसका अनुवाद हो सकता है, “दुख देना”
- प्रकरण के अनुसार “दुःख” का अनुवाद हो सकता है, “मुसीबत” या “रोग” या “कष्ट” या “महाक्लेश”।
- “क्लेश पाते हैं” इस वाक्यांश के अनुवाद हो सकते हैं: “से पीड़ित” या “रोगप्रस्त”

(यह भी देखें: कोढ़, महामारी, दुख उठाना)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 पिस्सलुनीकियों 01:6-8](#)
- [आमोस 05:12-13](#)
- [कुलुस्सियों 01:24-27](#)
- [निर्गमन 22:22-24](#)
- [उत्पत्ति 12:17-20](#)
- [उत्पत्ति 15:12-13](#)
- [उत्पत्ति 29:31-32](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H205, H3013, H3905, H3906, H6031, H6039, H6040, H6041, H6862, H6869, H6887, H7451, H7489, G2346, G2347, G3804

दुल्हन**परिभाषा:**

दुल्हन वह स्त्री होती है जो विवाह के संस्कार में पुरुष से अर्थात् दुल्हें से विवाह करती है।

- “दुल्हन” शब्द यीशु के विश्वासियों अर्थात् कलीसिया के लिए भी रूपक स्वरूप काम में लिया गया है।
- यीशु को प्रतीकात्मक रूप में कलीसिया का दुल्हा कहा गया है। (देखें: उपमा)

(यह भी देखें: दुल्हा, आराधनालय)

बाइबल सन्दर्भः

- [निर्गमन 22:16](#)
- [यशायाह 62:5](#)
- [योएल 2:15-16](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3618, G35650

दुल्हा**परिभाषा:**

विवाह में दुल्हा पुरुष होता है जो दुल्हन (स्त्री) से विवाह करता है।

- बाइबल के युग में यहूदी संस्कृति में विवाह संस्कार का केंद्र था, जब दुल्हा अपनी दुल्हन को लेने आता है।
- बाइबल में यीशु को “दुल्हें” की उपमा दी गई है जो एक दिन अपनी “दुल्हन”, कलीसिया को लेने आएगा।
- यीशु ने अपने शिष्यों की तुलना दुल्हें के मित्रों से की थी। जो दुल्हें के साथ रहते समय उत्सव मनाते हैं परन्तु दुल्हे के चले जाने के बाद दुःखी होते हैं।

(यह भी देखें: दुल्हन)

बाइबल सन्दर्भः

- [यशायाह 62:5](#)
- [योएल 2:15-16](#)
- [यूहन्ना 3:30](#)
- [लूका 5:35](#)
- [मरकुस 2:19](#)
- [मरकुस 2:20](#)
- [मत्ती 9:15](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2860, G35660

दुष्टात्मा**परिभाषा:**

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्मिक प्राणी हैं।

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था। शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए थे। ऐसा माना जाता है कि ये “पतित स्वर्गदूत” ही दुष्टात्मा थे।
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी “अशुद्ध आत्मा थे” भी कहा गया है। “अशुद्ध” अर्थात् “अपवित्र” या “दुष्ट” या “अपवित्र”
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं। कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवैश करके उनको अपने वश में कर लेती हैं।
- दुष्टात्मा अनुष्यों से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है “बुरी आत्मा”
- “अशुद्ध आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “मलीन आत्मा” या “भ्रष्ट आत्मा” या “बुरी आत्मा。”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए।
- ध्यान दें कि “दुष्टात्मा” शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दुष्टात्माग्रस्त, शैतान, मूरत, झूठे देवता, स्वर्गदूत, दुष्ट, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- [याकूब 2:19](#)
- [याकूब 3:15](#)
- [लूका 4:36](#)
- [मरकुस 3:22](#)
- [मत्ती. 4:24](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 26:09** बहुत से लोग जिनमें **दुष्टात्मा** थीं, उन्हें यीशु के पास लाया गया। यीशु की आज्ञा पर **दुष्टात्मा** प्रायः यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, “तू परमेश्वर का पुत्र है!”
- 32:08 दुष्टात्मा** उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गई।
- 47:05** अतः एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस **आत्मा** से जो उसमें थी कहा, “यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा।” उसी घड़ी वह **दुष्टात्मा** उसमें से निकल गई।
- 49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, **दुष्टात्मा** को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया।

शब्द तथ्यः

- सिरोंसः H2932, H7307, H7451, H7700, G01690, G11390, G11400, G11410, G11420, G41900, G41510, G41520, G41890

दुष्टात्मा थे

परिभाषा:

दुष्टात्माग्रस्त का अर्थ है किसी के कार्य एवं विचार शैतान या दुष्टात्मा के वश में हैं।

- दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य स्वयं को या अन्य किसी को हानि पहुँचाता है क्योंकि दुष्टात्मा उससे ऐसा करवाती है।
- यीशु ने दुश्तात्माग्रस्त लोगों को चंगा किया; दुष्टात्माओं को आज्ञा देकर कि उनमें से निकल जाएं। इसे प्रायः दुष्टात्मा "निकालना" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "दुष्टात्मा नियंत्रित" या "दुष्टात्मा द्वारा वशीभूत" या "दुष्टात्मा के अन्तर्वास में"

(यह भी देखें: दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [मरकुस 1:32](#)
- [मत्ती 4:24](#)
- [मत्ती 8:16](#)
- [मत्ती 8:33](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **26:9** बहुत से लोग जिनमें दुष्टात्माएं थीं, उन्हें यीशु के पास लाया गया।
- **32:2** जब वह झील की दूसरी तरफ पहुँचे तो तुरन्त एक व्यक्ति जिसमें अशुद्ध आत्मा_थी, यीशु के पास दौड़कर आया।
- **32:6 दुष्टात्माग्रस्त** व्यक्ति ने ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा "हे यीशु परम प्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुझ से क्या काम है? कृपया मुझे पीड़ा न देए!"
- **32:9** लोगों ने आकर उसको जिसमें दुष्टात्माएं थीं, कपड़े पहने और सचेत बैठे देखा और एक सामान्य व्यक्ति का सा व्यवहार करते पाया।
- **47:3** हर दिन जब वे (पौलुस और सीलास) प्रार्थना करने की जगह जाते थे, तो एक दासी उनका पीछा करती थी जिसमें भावी कहने वाली दुष्टात्मा_थी।

शब्द तथ्य:

- स्टोंग्स: G11390

दूत

तथ्य:

"दूत" शब्द का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जिसे मनुष्यों को सुनाने के लिए कोई सन्देश दिया जाता है।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक को युद्ध क्षेत्र से नगर में भेजा जाता था कि नगर की प्रजा को युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “सन्देश वाहक” भी किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी दूत कहलाता था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- यीशु के प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 19:1-3](#)
- [1 शमूएल 6:21](#)
- [2 राजा 1:1-2](#)
- [लूका 7:27](#)
- [मत्ती 11:10](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दृढ़ करने

परिभाषा:

“दृढ़ करने” (निश्चित करना) और “प्रमाण देना” कि कोई बात सच है, पक्की है और विश्वासयोग्य है।

- जब किसी राजा को “पक्का” किया जाता है तो इसका अर्थ है कि प्रजा सहमत है और पुष्टि करती है।
- किसी की लिखित बात को निश्चित करने का अर्थ है कि लिखी हुई बात सच है।
- सुसमाचार का “प्रमाण” अर्थात् यीशु के बारे में सुसमाचार इस प्रकार सुनाना कि वह सच सिद्ध हो।
- शपथ को “पक्का करना” अर्थात् गंभीरता से कहना या वचनबद्ध होना कि वह बात सच है।
- इन शब्दों के अनुवाद “सच कहना” या “विश्वासयोग्य सिद्ध करना” या “सहमत होना” या “विश्वास दिलाना” या “प्रतिज्ञा करना” हो सकते हैं परन्तु उन्हें प्रकरण के अनुसार होना है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 16:15-18](#)
- [2 कुरियियों 01:21-22](#)
- [2 राजा 23:3](#)
- [इब्रानियों 06:16-18](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H553, H559, H1396, H3045, H3559, H4390, H4672, H5414, H5975, H6213, H6965, G950, G951, G1991, G2964, G3315, G4300, G4972

दृढगढ़

परिभाषा:

“दृढगढ़” या “गढ़” दोनों ही शब्द उन स्थानों के सन्दर्भ में हैं जो बैरियों की सेना के आक्रमण में सुरक्षित होते हैं। “दुर्ग” शहर के भीतर स्थित गढ़ है। “सुदृढीकृत” उस नगर या स्थान के सन्दर्भ में है जिसे हमले से सुरक्षित बनाया गया है।

- अक्सर, गढ़ों और किले रक्षात्मक दीवारों के साथ मानव निर्मित संरचनाएं थीं। वे प्राकृतिक सुरक्षात्मक अवरोधों के साथ भी हो सकते थे जैसे चट्टानों या उच्च पहाड़ों से।
- लोगों ने दृढ़गढ़ों को मोटी दीवारों या अन्य संरचनाओं के निर्माण से ऐसा बनाया था कि शत्रु के लिए उसे भेद कर प्रवेश करना कठिन हो।
- “गढ़” या “दृढ़गढ़” का अनुवाद हो सकता है “सुरक्षित दृढ़ स्थान” या “दृढ़ सुरक्षा का स्थान”।
- शब्द “गढ़वाले शहर” का अनुवाद “सुरक्षित रूप से संरक्षित शहर” या “दृढ़ता से निर्मित शहर” के रूप में किया जा सकता है।
- “दृढ़गढ़” का एक और लाक्षणिक अर्थ है, ऐसी वस्तु जिस पर मनुष्य ने सुरक्षा के लिए झूठा भरोसा रखा है, जैसे झूठे देवी-देवता या यहोवा के स्थान में किसी अन्य वस्तु की उपासना करना। इसका अनुवाद हो सकता है, “झूठे दृढ़गढ़।”
- इस शब्द का अनुवाद “शरणस्थान” से भिन्न होना आवश्यक है जिसका भावार्थ दृढ़ता की अपेक्षा सुरक्षा से है

(यह भी देखें: झूठे देवता, मूर्ति, शरण, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [2 कुरियियों 10:04](#)
- [2 राजा 08:10-12](#)
- [2 शमूएल 05:8-10](#)
- [प्रे.का. 21:35](#)
- [हबकूक 01:10-11](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H490, H553, H759, H1001, H1002, H1003, H1219, H1225, H2388, H4013, H4026, H4581, H4526, H4679, H4685, H4686, H4692, H4693, H4694, H4869, H5794, H5797, H5800, H6438, H6877, H7682, G3794, G3925

दृष्टान्त

परिभाषा:

“दृष्टान्त” अर्थात् छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ वह अधिकतर नहीं समझाता था।
- उसके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका भयंकर पाप प्रकट करने के लिए एक दृष्टान्त सुनाया था।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है।

यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 5:36](#)
- [लूका 6:39-40](#)
- [लूका 8:4](#)
- [लूका 8:9-10](#)
- [मरकुस 4:1](#)
- [मत्ती 13:3](#)
- [मत्ती 13:10](#)
- [मत्ती 13:13](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G38500, G39420

देखरेख

परिभाषा:

"अध्यक्ष" शब्द उस व्यक्ति के संदर्भ में है जो मनुष्यों के कामों और कल्याण का प्रभारी है। बाइबल में, अक्सर "रखवाला" शब्द का अर्थ "अध्यक्ष" है।"

- पुराने नियम में अध्यक्ष का कार्य था कि अपने कर्मचारियों से अच्छा काम करवाए।
- नये नियम में यह शब्द आरंभिक कलीसिया के अगुवों के संदर्भ में था। उनका कार्य था कि कलीसिया की आत्मिक आवश्यकताओं को पूरा करें और सुनिश्चित करें कि विश्वासियों को उचित बाइबल की शिक्षा दी जाए।
- पौलुस अध्यक्ष को चरवाहा कहता है जो स्थानीय कलीसिया में विश्वासियों की सुधि लेता है क्योंकि कलीसिया उसकी "भेड़ें" हैं।
- एक चरवाहे के सदृश्य अध्यक्ष अपनी भेड़ों की रक्षा करता है। वह झूठी आत्मिक शिक्षा तथा अन्य बुरे प्रभावों से अपनी कलीसिया की रक्षा करता है।
- नये नियम में "अध्यक्ष", "प्राचीनों" तथा "रखवाले/चरवाहे" आत्मिक अगुओं का बोध कराने के लिए विभिन्न शब्द हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "पर्यवेक्षक" या "प्रभारी" या "प्रबन्धक"
- परमेश्वर के लोगों के स्थानीय समुदाय के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, "आत्मिक पर्यवेक्षक" या "विश्वासी समुदाय की आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेनेवाला" या "कलीसिया की आत्मिक आवश्यकताओं का पर्यवेक्षक करनेवाला मनुष्य"

(यह भी देखें: कलीसिया, प्राचीन, पासवान, चरवाहा)

बाइबल संदर्भ:

- [1 इतिहास 26:31-32](#)
- [1 तीमुथियुस 03:02](#)
- [प्रेरि. 20:28-30](#)
- [उत्पत्ति 41: 33-34](#)
- [फिलिप्पियों 01:01](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5329, H6485, H6496, H7860, H8104, G1983, G1984, G1985

देवता

परिभाषा:

झूठा ईश्वर वह है जिसकी उपासना मनुष्य एकमात्र सच्चे परमेश्वर के स्थान में करते हैं। "देवी" अर्थात् झूठी देवी-देवता का स्त्री रूप।

- झूठे देवी-देवता अस्तित्वान नहीं हैं। यहोवा ही एकमात्र परमेश्वर है।
- मनुष्य कभी-कभी वस्तुओं की मूर्तियाँ बना कर अपने झूठे देवी देवताओं का प्रतिरूप तैयार कर लेता है।
- बाइबल में परमेश्वर के लोग बार-बार उसकी अवज्ञा करके इन झूठे देवी-देवताओं की पूजा करने लगे थे।
- दुष्टात्माएं मनुष्यों को धोखा देती हैं कि वे विश्वास करें कि जिन झूठे ईश्वरों और मूर्तियों की वे पूजा करते हैं उनमें शक्ति है।
- बाल, दगोन, मोलेक, ये तीन उन अनेक झूठे ईश्वरों में थे जिनकी पूजा बाइबल युग में की जाती थी।
- अशोरा और अरतिमिस (डायना) दो देवियां थीं जिनकी पूजा प्राचीन काल में की जाती थीं।

मूर्ति एक वस्तु है जिसे लोग बनाते हैं कि वे उसकी पूजा कर सकें। "मूर्तिपूजक" उस किसी को भी कहा जाता है जो एकमात्र सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान दे।

- लोग उन झूठे देवताओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए मूर्तियाँ बनाते हैं जिनकी वे पूजा करते हैं।
- ये झूठे देवता कुछ नहीं हैं; यहोवा के अलावा कोई परमेश्वर नहीं है।
- कभी-कभी दुष्टात्मा मूर्ति के माध्यम से काम करते हैं जिससे यह प्रतीत होता है कि उसमें शक्ति है, भले ही न हो।
- मूर्तियों को अक्सर सोने, चांदी, कांस्य या महंगी लकड़ी जैसी मूल्यवान सामग्रियों से बनाया जाता है।
- एक "मूर्तिपूजक राज्य" का अर्थ है, "उन लोगों का राज्य जो मूर्तियों की पूजा करते हैं" या "उन लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की पूजा करते हैं।"
- शब्द "मूर्तिमान आकृति" एक "नक्काशीदार छवि" या "मूर्ति" का दूसरा शब्द है।

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा या आसपास की भाषा में "ईश्वर" या "झूठे ईश्वर" के लिए कोई शब्द होगा।
- "मूर्ति" शब्द झूठे ईश्वरों के संदर्भ में काम में लिया जा सकता है।
- झूठे ईश्वर के लिए ईश्वर शब्द का आरम्भ छोटे अक्षर 'g' से और एकमात्र सच्चे परमेश्वर के लिए परमेश्वर शब्द का आरम्भ बड़े 'G' से किया जाता है। अन्य भाषाओं में भी ऐसा हो सकता है।
- एक विकल्प यह भी है कि झूठे ईश्वरों के लिए एक पूर्णतः भिन्न शब्द का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में झूठे ईश्वर के लिंग भेद हेतु एक अतिरिक्त शब्द का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, अशोरा, बाल, मोलेक, दुष्ट आत्मा, मूर्ती, राज्य, पूजा)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 35:2](#)
- [निर्गमन 32:1](#)
- भजन. 31:6
- भजन. 81:8-10
- [यशायाह 44:20](#)
- [प्रे.का. 7:41](#)
- [प्रे.का. 7:43](#)
- [प्रे.का. 15:20](#)
- [प्रे.का. 19:27](#)
- [रोमियो 2:22](#)
- [गलातियों 4:8-9](#)
- [गलातियों 5:19-21](#)
- [कुलस्सियों 3:5](#)
- [1 पिस्सलुनीकियों 1:9](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **10:2** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरैन व मिस्र के _ देवताओं _ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **13:4** परमेश्वर ने उन्हें बाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अर्थात् मिस्र देश से निकाल लाया है। ”तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।
- **14:2** उन्होंने(कनानियो) झूठे _ देवताओं_ की उपासना की, और बहुत से दुष्ट कार्य किए।
- **_16:1_** इस्साएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **18:13** परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे। कुछ राजा झूठे देवताओं के लिए अपने बच्चों का भी बलिदान चढ़ाने लगे।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5236, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8267, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2299, G2712

देवदारू

परिभाषा:

“देवदारू” एक बड़ा पेड़ होता है जिसकी लकड़ी लाल-भूरे रंग की होती है। अन्य देवदार प्रजाति के वृक्षों के समान इसके नुकीले पत्ते होते हैं और शंकु जैसे फल होते हैं।

- पुराने नियम में लबानोन के संबन्ध में देवदारू वृक्षों की चर्चा की गई है, वहां ये वृक्ष बहुतायत से पाए जाते थे।
- यरूशलेम के मन्दिर के निर्माण में देवदारू की लकड़ी काम में ली गई थी।
- इसका उपयोग बलि चढ़ाने और शुद्धिकरण के चढ़ावों में किया जाता था।

(यह भी देखें: सनौबर, शुद्ध, बलि, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 14:1-2](#)
- [1 राजा 7:1-2](#)
- [यशायाह 2:13](#)
- [जकर्या 11:2](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H730

दोष

तथ्य

“दोष” अर्थात् पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष या विकलांगता। इसका संदर्भ मनुष्यों में आमिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु की निष्पाप एवं सिद्ध बलि का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप”।

(यह भी देखें: विश्वास, शुद्ध, बलिदान, पाप)

बाइबल सन्दर्भ

- [1 पतरस 1:19](#)
- [2 पतरस 2:13](#)
- [व्यवस्थाविवरण 15:19-21](#)
- [गिनती 6:13-15](#)
- [श्रेष्ठगीत 4:7](#)

शब्द तथ्य

- स्ट्रोंग्स: H3971, H8400, H8549, G34700

दोष

परिभाषा:

“दोष” शब्द का संदर्भ पाप करने या अपराध से है।

- “दोषी होना” अर्थात् नैतिकता के क्षेत्र में अनुचित काम करना अर्थात् परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ़” या “पाप का गिनना” किया गया है।
- “दोषी होने” के अनुवाद स्वप्नों में ऐसा शब्द या उक्ति हो सकते हैं जिनके अर्थ हों, “अपराधग्रस्त होना” या “नैतिकता के क्षेत्र में गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म के काम, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 28:36-38](#)
- [यशायाह 6:7](#)
- [याकूब 2:10-11](#)
- [यहूना 19:4](#)
- [योना 1:14](#)

बाइबल की कहानियों से उदाहरण:

- **39:2** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। परन्तु उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी अगुवे यीशु को **दोषी** सिद्ध नहीं कर पाए।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ के सामने आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई **दोष** नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे कूस पर चढ़ा।” पिलातुस ने कहा, ‘‘मैं इसमें कोई **दोष** नहीं पाता।’’ परन्तु वे और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा “यह **दोषी** नहीं है।”
- **40:4** यीशु को दो डाकुओं के बीच कूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो, दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम **अपराधी** हैं पर, यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम **दोषी** हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0816, H0817, H0818, H5352, H5355, H7563, G03380, G17770, G37840, G52670

दोष लगाना**परिभाषा:**

“दोष लगाना” और “दण्ड की आज्ञा” अर्थात् अनुचित काम के लिए किसी का न्याय करना।

- “दोष लगाना” में प्रायः किसी मनुष्य को उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड देना शामिल होता है।
- कभी-कभी “दोष लगाना” का अर्थ किसी पर झूठा आरोप लगाना या किसी का निर्दयता से न्याय करना भी होता है।
- “दण्ड की आज्ञा” का संदर्भ किसी को दण्डित करने या किसी पर आरोप लगाने से होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “कठोरता से न्याय करना” या “झूठी आलोचना करना।”
- “उस पर दोष लगाना” का अनुवाद हो सकता है, “न्याय करना कि वह दोषी है” या “आदेश देना कि उसे पाप का दण्ड दिया जाए”
- “दण्ड की आज्ञा” का अनुवाद हो सकता है, “कठोरता से न्याय करना” या “दोषी ठहराना” या “अपराध का दण्ड”

(यह भी देखें: न्याय, दण्ड देना)

बाइबल संदर्भ:

- [1 यहूना 3:20](#)
- [अय्यूब 9:29](#)
- [यहूना 5:24](#)
- [लूका 6:37](#)
- [मत्ती 12:7](#)
- [नीतिवचन 17:15-16](#)
- भजन संहिता 34:22
- [रोमियो 5:16](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6064, H7034, H7561, H8199, G01760, G08430, G26070, G26130, G26310, G26320, G26330, G29170, G29190, G29200, G52720, G60480

दोषबलि

परिभाषा:

दोषबलि, एक ऐसी बली या भेंट थी जो परमेश्वर ने इसाएल के लिए निर्धारित किया था जब अनजाने में वे परमेश्वर के अपमान या किसी की सम्पदा की हानि जैसा अनर्थ कर बैठें।

- इस बलि में पशु चढ़ाया जाता था और सोने या चांदी की मुद्रा में भुगतान किया जाता था।
- इसके अतिरिक्त दोषी मनुष्य की क्षतिपूर्ति करनी होती थी।

(यह भी देखें: होमबलि, अन्नबलि, बलिदान, पाप बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 06:3-4](#)
- [2 राजा 12:15-16](#)
- [लैव्यव्यवस्था 05:5-6](#)
- [गिनती 06:12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817

धनुधरी

परिभाषा:

“धनुधरी” धनुष और तीर को हथियार स्वरूप काम में लेने में सक्षम व्यक्ति।

- बाइबल में धनुधरी एक सिपाही है जो सेना में धनुष और तीर का उपयोग करता है।
- धनुधरी अश्शूरों के सेना का महत्वपूर्ण भाग थे।
- कुछ भाषाओं में इसके लिए अपना शब्द होगा जैसे “धनुधर”

(यह भी देखें: अश्शूर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 31:1-3](#)
- [2 इतिहास 35:23-24](#)
- [उत्पत्ति 21:19-21](#)
- [यशायाह 21:16-17](#)
- [अथूब 16:13-14](#)
- [नीतिवचन 26:9-10](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1167, H1869, H2671, H2686, H3384, H7198, H7199, H7228

धनुष और तीर

परिभाषा:

यह एक धनुषाकार हथियार से तीर चलानेवाला शस्त्र है। बाइबल के युग में इसका उपयोग बैरी की सेना से लड़ने में किया जाता था और खाने के लिए पशुओं को मारने में भी किया जाता था।

- धनुष लकड़ी, हड्डी, धातु या अन्य कठोर वस्तु से जैसे हिरण मृगशृङ्ग से बनाया जाता था। वह रस्सी या तांत या लता के द्वारा बान्ध कर धनुषाकार बनाया जाता था।
- तीर एक पतली डंडी होता है जिसका एक सिरा नुकीला होता था। प्राचीन युग में तीर विभिन्न वस्तुओं से बनाये जाते थे जैसे लकड़ी, हड्डी, पत्थर या धातु से। धनुष और तीर सामान्यतः शिकारियों तथा योद्धाओं द्वारा काम में लिए जाते थे।
- बाइबल में "तीर" का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में शत्रु के आक्रमण या परमेश्वर के दण्ड के लिए भी किया गया है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 21:16](#)
- [हबकूक 3:9-10](#)
- [अय्यूब 29:20-22](#)
- [विलापगीत 2:4](#)
- भजन संहिता 58:6-8

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2671, H7198, G5115

धर्मी

परिभाषा:

"धर्मी" शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

अनुवाद के सुझाव

- "ईश्वर-भक्त" का अनुवाद "परमेश्वर परायण लोग" या "परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग" (देखें: नाममात्र)
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: सम्मान, आज्ञा पालन, धर्मी, भक्तिहीन.)

बाइबल संदर्भ:

- [अथूब 27:10](#)
- [नीतिवचन 11:09](#)
- [प्रे.का. 03:12](#)
- [1 तीमुथियुस 01:9-11](#)
- [1 तीमुथियुस 04:07](#)
- [2 तीमुथियुस 03:12](#)
- [इब्रानियों 12:14-17](#)
- [इब्रानियों 11:7](#)
- [1 पतरस 04:18](#)
- [यहूदा 01:16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

धर्म**परिभाषा:**

"धार्मिकता" परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्यता और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अथूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।
- "अधर्मी" शब्द का अर्थ है, पापी और नैतिकता में भ्रष्ट। "अधर्म" का सन्दर्भ पाप या पापी होने की दशा से है।
- इन शब्दों का सन्दर्भ विशेष करके ऐसे जीवन से है जिसमें परमेश्वर की शिक्षाओं और आज्ञाओं की अवज्ञा की जाती है।
- अधर्मी जन अपने विचारों और कर्मों में नैतिकता का पालन नहीं करते हैं।
- कभी-कभी "अधर्मी" शब्द का सन्दर्भ उन लोगों से होता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते हैं।
- "खरा" और "खराई", इन शब्दों का सन्दर्भ परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करने से है।
- इन शब्दों के अर्थ में समाहित विचार है, सीधे खड़े होना और सीधा आगे देखना।
- "खरा" मनुष्य वह है जो परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई काम नहीं करता है।
- "खरा" और "धर्मी" के अर्थ सहार्थी हैं और कभी-कभी एक साथ काम में लिए जाते हैं जैसे, "एकनिष्ठा और खराई"

(देखें: सावश्यता)

अनुवाद के सुझाव:

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब "धर्म" का अनुवाद होगा, "पूर्णतः भला और न्यायोचित" या "सदा सर्वदा धर्मनिष्ठा निभानेवाला" हो सकता है।
- परमेश्वर की "धार्मिकता" का अनुवाद "सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई" हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में "धर्म" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिकता में उचित" या "न्यायोचित" या "परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले"
- "धर्म" का अनुवाद हो सकता है, "धर्म लोग" या "परमेश्वर का भय मानने वाले लोग"
- प्रकरण के अनुसार "धार्मिकता" का अनुवाद हो सकता है, एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, "अच्छाई" या "परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना" या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना" या "पूर्णतः सिद्धता के काम करना"
- "अधर्म" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "धर्म नहीं"
- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के एनी अनुवाद रूप भी हो सकते हैं जैसे, "दुष्ट" या "अनैतिक" या "परमेश्वर के विद्रोही जन" या "पापी"
- "अधर्म" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "पाप" या "बे विचार एवाम्कर्म" या "दुष्टता"
- यदि संभव हो तो इसका सर्वोत्तम अनुवाद वह होगा जिसमें इसका सम्बन्ध "धर्म, धार्मिकता" से दर्शाया जाए।
- "खरा" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "खरा व्यवहार" या "परमेश्वर की विधियों का पालन करना" या "परमेश्वर का आज्ञाकारी होना" या "ऐसा व्यवहार करना जो उचित हो"
- "खराई" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिक शुद्धता" या "उत्तम सदाचार" या "औचित्य प्रदर्शन"

- "खरे मनुष्य" का अनुवाद हो सकता है,
"मनुष्य जो खरे हैं" या "खरे मनुष्य"

(यह भी देखें: बुरा, विश्वासयोग्य, भला, पवित्र, खराई, धर्मी, विधियाँ, व्यवस्था, आज्ञापालन, शुद्ध, धर्मी, पाप, व्यवस्था विरोधी)

बाईबल संदर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 19:16](#)
- [अयूब 1:8](#)
- भजन. 37:30
- ध्माजन. 49:14
- भजन. 107:42
- [सभोपदेशक 12:10-11](#)
- [यशायाह 48:1-2](#)
- [यहेजकेल 33:13](#)
- [मलाकी 2:6](#)
- [मत्ती 6:1](#)
- [प्रे.का. 3:13-14](#)
- [रोमियो 1:29-31](#)
- [1 कुरिन्दियों 6:9](#)
- [गलातियों 3:7](#)
- [कुलुस्सियों 3:25](#)
- [2 पिस्सलुनीकियों 2:10](#)
- [2 तीमुथियुस 3:16](#)
- [1 पतरस 3:18-20](#)
- [1 यूहन्ना 1:9](#)
- [1 यूहन्ना 5:16-17](#)

बाईबल की कहानियों के उदाहरण

- **3:2** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की वृष्टि नूह पर बनी रही। नूह **धर्मी** पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **4:8** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम **धर्मी** है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:2** दाऊद एक विनम्र और **धर्मी** व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23:1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक **धर्मी** पुरुष से हुई।

- ५०:१० तब धर्मी लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

धर्मोपदेश

परिभाषा:

"धर्मोपदेश" का अर्थ है "शिक्षा देना"। यह प्रायः धार्मिक शिक्षा के संदर्भ में है।

- मसीही शिक्षा के संदर्भ में "धर्मोपदेश" के विषय हैं, पिता, पुत्र, और पवित्र-आत्मा, उसका व्यक्तित्व गुण और सब कार्य।
- इसका अर्थ यह भी है कि परमेश्वर द्वारा विश्वासियों को पवित्र जीवन जीने की शिक्षा देना कि परमेश्वर का महिमान्वन हो।
- शब्द "धर्मोपदेश" कभी-कभी झूठी या सांसारिक धार्मिक शिक्षाओं का उल्लेख करने के लिए भी प्रयोग किया जाता है जो मनुष्यों से आते हैं। प्रकरण से इसका अर्थ स्पष्ट होता है।
- इस शब्द का अनुवाद "शिक्षा" हो सकता है।

(यह भी देखें: शिक्षा देना)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 तीमुथियुस 01:3](#)
- [2 तीमुथियुस 03:16-17](#)
- [मरकुस 07:6-7](#)
- [मत्ती 15:7-9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग्स: H3948, G1319, G1322, G2085

धीरज धरना

परिभाषा:

"धीरज धरना" अर्थात् "लम्बा समय बिताना या किसी कठिनाई को सहबं शक्ति की पराकाशा तक सहन करना।"

- इसका अर्थ यह भी है कि परीक्षा के समय हिम्मत न हारना वरन् दृढ़ रहना।
- "धीरज" शब्द का अर्थ "सहनशीलता" या "परीक्षा में सहनशील बने रहना" या "सताव में सहनशीलता दिखाना।"
- विश्वासियों को प्रोत्साहित किया गया है कि "अन्त तक धीरज धरे रहें" अर्थात् उनसे कहा गया है कि यीशु का आज्ञापालन करें चाहे इसके कारण उन्हें दुख भी उठाना पड़े।
- "क्लेश सहने" का अर्थ, "दुख उठाना" भी हो सकता है।

अनुवाद के सुझावः

- "धीरज से सहते रहना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "डटा रहना" या "विश्वास करते रहना" या "परमेश्वर जो चाहता है वह करते रहना" या "दृढ़ खड़े रहना।"
- कुछ संदर्भों में "धीरज से सहने" का अनुवाद हो सकता है, "अनुभव करना" या "भोगना।"
- दीर्घकालीन अभिप्राय में "सहन" का अनुवाद हो सकता है, "लम्बे समय रहना" या "होते रहना।" "सहन नहीं करे" का अनुवाद हो सकता है "सदैव नहीं रहेगा" या "अस्तित्व में नहीं रहेगा।"
- "धीरज" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "दृढ़ता" या "विश्वास करते रहना" या "विश्वासयोग्य बने रहना।"

(यह भी देखें: धीरज)

बाइबल संदर्भ:

- [2 तीमुथियुस 2:11-13](#)
- [याकूब 1:3](#)
- [याकूब 1:12](#)
- [लूका 21:19](#)
- [मत्ती 13:21](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:9](#)
- [रोमियो 5:3-5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H386, H3201, H3557, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2594, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

धीरज धरना**परिभाषा:**

“धीरज धरना” और “धीरज” का अर्थ है किसी काम को करते रहना चाहे वह बहुत कठिन या लम्बा समय क्यों न लेनेवाला हो।

- धीरज धरने का अर्थ यह भी हो सकता है कि मसीह के जैसा व्यवहार करना चाहे कठिन परीक्षाओं या परिस्थितियों में हो।
- “धीरज धरने वाला” मनुष्य वह है जो अपने अनिवार्य काम को करता रहता है जो उसे करना चाहिए चाहे वह कष्टकारी या दुःखदायी ही क्यों न हो।
- परमेश्वर की शिक्षाओं पर चलते रहने में धीरज धरने की आवश्यकता होती है, विशेष करके तब जब झूठी शिक्षाओं का बोलबाला हो।
- यहां सावधान रहें कि “हठ” शब्द का उपयोग न करें क्योंकि इसका अर्थ नकारात्मक है।

(यह भी देखें: धीरज धरना, परीक्षा)

बाइबल संदर्भः

- [कुलुसियो 1:11](#)
- [इफिसियो 6:18](#)
- [याकूब 5:9-11](#)
- [लूका 8:14-15](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G31150, G43430, G52810

धीरजवन्त**परिभाषा:**

“धीरजवन्त” और “सहनशीलता” शब्द कठिन परिस्थितियों में दृढ़ खड़े रहने के संदर्भ में है। “धीरज धरना” में प्रायः प्रतीक्षा करना होता है।

- किसी के साथ धीरजवन्त होने का अर्थ है उससे प्रेम करना और उसकी गलतियों को क्षमा कर देना।
- बाइबल में परमेश्वर के लोगों को शिक्षा दी गई है कि वे कठिनाइयों में धीरज धरें वरन् एक दूसरे के साथ सहनशील व्यवहार करें।
- अपनी दया के कारण परमेश्वर मनुष्यों के साथ धीरजवन्त है जबकि वे दण्ड के योग्य पापी हैं।

(यह भी देखें: सहन करना, क्षमा करना, धीरज धरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 पत्रस 3:20](#)
- [2 पत्रस 3:9](#)
- [इब्रानियों 6:11-12](#)
- [मत्ती 18:28-29](#)
- भजन संहिता 37:7
- [प्रकाशितवाक्य 2:2](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H750, H753, H2342, H3811, H6960, H7114, G420, G463, G1933, G3114, G3115, G3116, G5278, G5281

धुन

परिभाषा:

“धुन” और “जोशीला” का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होने से है।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम को आगे बढ़ाने के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- जोशीला होने का अर्थ है, किसी काम को करने में अथक प्रयास करना वरन् उस प्रयास में यत्नशील बने रहना।
- “प्रभु की जलन” या “यहोवा की जलन” का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय सुनिश्चित हो।

अनुवाद के लिए सुझावः

“जोश से भरा” का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल यत्न करने वाला” या “अथक प्रयास करना”

- “धुन” का अनुवाद हो सकता है, “कर्मठ-भक्ति” या “अधीर संकल्प” या “धर्मी जोश”
- “तेरे भवन की धुन” का अनुवाद “तेरे मन्दिर के प्रबल सम्मान की लालसा” या “तेरे भवन की निगरानी की जोशीली मनोकामना”

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियियों 12:31](#)
- [1 राजा 19:9-10](#)
- [प्रे.का. 22:3](#)
- [गलातियों 4:17](#)
- [यशायाह 63:15](#)
- [यूहन्ना 2:17-19](#)
- [फिलिप्पियों 3:6](#)
- [रोमियो 10:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H7065, H7068, G22050, G22060, G22070, G60410

धूप

परिभाषा:

“धूप” का सन्दर्भ उस सुगन्धित मिश्रण से है जिसे जलाने पर मनमोहक सुगंध उठती है।

- परमेश्वर ने इसाएलियों को आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए भेट स्वरूप धूप जलाया करें।
- यह विशेष धूप परमेश्वर के निर्देश अनुसार पाँच विशिष्ट सुगन्धित द्रव्यों को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता था। यह धूप पवित्र होता था इस कारण इसे अन्य किसी भी उद्देश्य के निमित्त काम में लेना वर्जित था।
- "धूप की वेदी" यह एक विशेष वेदी थी जो केवल धूप जलाने के लिए थी।
- दिन में चार बार, जब मन्दिर में प्रार्थना की जाती थी तब धूप जलाना अनिवार्य था। जब-जब होमबली चढ़ाई जाती थी तब-तब धूप भी जलाई जाती थी।
- धूप जलाने का अभिप्राय था, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थना और उपासना उसके धुए के द्वारा परमेश्वर तक जाती है।
- "धूप" का अनुवाद हो सकता है: "सुगन्धित द्रव्य" या "सुगन्धित पौधे"

(यह भी देखें: धूप जलाने की वेदी, होमबलि, लोबान)

बाह्यल सन्दर्भः

- [1 राजा 3:1-3](#)
- [2 इतिहास 13:10-11](#)
- [2 राजा 14:4](#)
- [निर्गमन 25:3-7](#)
- [लूका 1:10](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G23680, G23690, G23700, G23790, G30310

धूप जलाने की वेदी

तथ्यः

धूप जलाने की वेदी वह स्थान था जहां याजक परमेश्वर को भेट चढ़ाने के लिए धूप जलाता था। उसे सोने की वेदी भी कहते थे।

धूप जलाने की वेदी लकड़ी की बनी हुई थी और उस पर सोना चढ़ा हुआ था। उसकी लम्बाई और चौड़ाई आधा-आधा मीटर की थी तथा ऊंचाई एक मीटर की थी।

- पहले वह मिलापवाले तम्बू के भीतर थी। उसके बाद उसे मन्दिर में लाया गया था।
- याजक प्रतिदिन सुबह-शाम उस पर धूप जलाता था।
- इसका अनुवाद "धूप जलाने की वेदी" या सोने की वेदी या "धूप जलाने वाली" या "धूप की मेज" किया जा सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: धूप)

बाह्यल सन्दर्भः

- [लूका 1:11-13](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4196, H7004, G23680, G23790

धूर्त

परिभाषा:

शब्द "धूर्त" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बुद्धिमान और चालाक है, खासकर व्यावहारिक मामलों में।

- इस शब्द का अर्थ प्रायः नकारात्मक होता है क्योंकि इसमें स्वार्थ छिपा होता है।
- धूर्त मनुष्य अन्यों की अपेक्षा स्वयं का लाभ खोजता है।
- इस शब्द का अनुवाद "चालाक" या "चतुर" या "कुशल व्यवहार" या "प्रवीण" हो सकता है प्रकरण के अनुसार।

बाह्यल के सन्दर्भः

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2450, H6175, G5429

धोखा

परिभाषा:

“धोखा” अर्थात् असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

- एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टत्वाएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे “धोखा देनेवाला” कहते हैं।
- “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

अनुवाद के सुझावः

- “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
- “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
- “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला” हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
- “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्ची)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 01:8](#)
- [1 तीमुथियुस 02:14](#)
- [2 थिसलुनीकियों 02:3-4](#)
- [उत्पत्ति 03:12-13](#)
- [उत्पत्ति 31:26-28](#)
- [लेवीय 19:11-12](#)
- [मत्ती. 27:64](#)
- [मीका 06:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग्स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

ध्यान**परिभाषा:**

“बिचर्वई” अर्थात् किसी बात पर सावधानी-पूर्वक और गहन चिन्तन करना।

- बाइबल में इस शब्द का उपयोग प्रायः परमेश्वर और उसकी शिक्षाओं पर विचार करने के लिए काम में किया गया है।
- भजन 1 में लिखा है कि वह मनुष्य जो “दिन रात” परमेश्वर की व्यवस्था पर मनन करता है, धन्य है।

अनुवाद के सुझावः

- “बिचर्वई” का अनुवाद हो सकता है, “सावधानी-पूर्वक गहन चिन्तन करना” या “ध्यान-मग्न होकर गहन विचार करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसका संज्ञा रूप है, “ध्यान” और इसका अनुवाद “गहन विचार” हो सकता है। “मेरे मन के विचार” का अनुवाद हो सकता है, “मैं जिसका गहन चिन्तन करता हूँ” या “मैं अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 24:63-65](#)
- [यहोशू 01:8-9](#)
- भजन संहिता 001:1-2
- भजन संहिता 119:15-16

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

नए सिरे से जन्म लेना**परिभाषा:**

“नए सिरे से जन्म लेना” इस उक्ति का प्रयोग पहली बार यीशु ने किया था कि वर्णन करे कि परमेश्वर द्वारा मनुष्य को आत्मिक मृत्यु से आत्मिक जीवन में बदल दी जाने का अर्थ क्या है। :परमेश्वर से जन्मा” और “आत्मा से जन्मा” का सन्दर्भ भी मनुष्य को आत्मिक नवजीवन प्रदान किए जाने से है।

- सब मनुष्य जन्म से आत्मिक रूप से मृत होते हैं परन्तु मसीह यीशु को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण करने पर वे “नया जन्म” लेते हैं।
- आत्मिक नव जीवन के पल से ही पवित्र आत्मा नव विश्वासी में अन्तर्वास करने लगता है और उसे सामर्थ देता है कि वह आत्मिक फल उत्पन्न करे।
- मनुष्य को नवजीवन प्रदान करना और परमेश्वर की सन्तान बनाना परमेश्वर ही का काम है।

अनुवाद के सुझाव:

- “नया जन्म” के अनुवाद के अन्य रूप हैं, “नवजीवन पाना” या “आत्मिक जन्म होना”
- उचित होगा कि इसका शब्दशः अनुवाद किया जाए और लक्षित भाषा में सामान्य शब्दों का उपयोग करें जिसका अर्थ जन्म लेना हो।
- “नए जन्म” का अनुवाद “आत्मिक जन्म” किया जा सकता है।
- “परमेश्वर से जन्मा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर द्वारा नवजात शिशु जैसा नया जन्म पाना” या “परमेश्वर के द्वारा नया जीवन दिया जाना”।
- इसी प्रकार “आत्मा से जन्मा” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा द्वारा नया जीवन दिया जाना” या “परमेश्वर की सन्तान होने के लिए पवित्र आत्मा द्वारा सामर्थ्य दिया जाना” या “पवित्र आत्मा द्वारा नवजात शिशु जैसा नया जीवन दिया जाना”

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूह. 3:9](#)
- [1 पतरस 1:3](#)
- [1 पतरस 1:23](#)
- [यूह. 3:4](#)
- [यूह. 3:7](#)
- [तीतुस 3:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G313, G509, G1080, G3824

नप्ताली

तथ्यः

नप्ताली याकूब का छठवां पुत्र था। उसके वंशज नप्ताली के गोत्र कहलाए जो इसाएल के 12 गोत्रों में से एक था।

- कभी-कभी नाम नप्ताली उनके निवास स्थान के लिए भी काम में लिया गया है। (देखें: उपलक्षण)
- नप्ताली का भूभाग इसाएल के उत्तर में था, दान और आशेर के साथ। इसकी पूर्वी सीमा किन्नरेत सागर के पश्चिमी किनारे पर थी।
- इस गोत्र की चर्चा पुराने नियम और नये नियम दोनों में की गई है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आशेर, दान, याकूब, गलील सागर, इसाएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 04:15-17](#)
- [व्यवस्थाविवरण 27:13-14](#)
- [यहेजकेल 48:1-3](#)
- [उत्पत्ति 30:7-8](#)
- [न्यायियों 01:33](#)
- [मत्ती 04:12-13](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5321, G3508

नबूकदनेस्सर**तथ्यः**

नबूकदनेस्सर बेबीलोन साम्राज्य का राजा था जिसकी शर्कितशाली सेना ने अनेक जातियों और देशों को जीता था।

- नबूकदनेस्सर की अगुआई में बेबीलोन की सेना ने यहूदा राज्य को जीत कर अधिकांश यहूदियों को बन्दी बनाया और बेबीलोन ले गए। बंदियों को 70 साल की अवधि के लिए वहां रहने के लिए मजबूर किया गया था जिसे "बेबीलोन का निर्वासन" कहा जाता था।

इन बन्धुआ लोगों में एक था दानियेल, जिसने नबूकदनेस्सर के स्वप्नों का अर्थ बताया था।

- इस्माएली बन्धुआ लोगों में तीन पुरुष और भी थे, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह, जिनको नबूकदनेस्सर ने आग में डलवाया था क्योंकि उन्होंने उसकी सोने की विशाल मूरत को दण्डवत् करने से इन्कार कर दिया था।
- राजा नबूकदनेस्सर अभिमानी था और देवताओं की पूजा करता था। यहूदा को जीतने पर उसने यरूशलेम के मन्दिर में से सोने चांदी के पात्र लूट लिए थे।
- नबूकदनेस्सर घमण्डी था और झूठे देवताओं की पूजा से विमुख नहीं होता था इसलिए परमेश्वर ने उसे सात वर्ष तक निराश्रय रख कर पशु के समान जीवन दिया था। सात वर्ष बाद जब वह नम्र बना और एकमात्र सच्चे परमेश्वर यहोवा की स्तुति की तब परमेश्वर ने उसको पुनः स्थापित किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अभिमानी, अजर्याह, बाबेल, हनन्याह, मीशाएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 06:15](#)
- [2 राजा 25:1-3](#)
- [दानियेल 01:02](#)
- [दानियेल 04:04](#)
- [यहेजकेल 26:08](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:06** अश्शूरों द्वारा इस्राएल राज्य को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, यहूदा पर आक्रमण करे।
- **20:06** बेबीलोन एक शक्तिशाली साम्राज्य था। यहूदा का राजा, नबूकदनेस्सर का सेवक बनकर उसे हर वर्ष बहुत सा धन देने के लिए राजी हो गया।
- **20:08** विद्रोह करने के लिए यहूदा के राजा को दंडित किया गया और नबूकदनेस्सर के सैनिकों ने उसके पुत्र को उसी के सामने मार डाला और उसके बाद उसे नेत्रहीन बना दिया।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया कि वे वहाँ खेती करें।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5019, H5020

नम्र

परिभाषा:

“नम्र” शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद “उदार” या “विनीत” या “मृदुस्वभाव” किया जा सकता है।
- “नम्रता” का अनुवाद “सौम्यता” या “विनम्रता” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 पतरस 3:15-17](#)
- [2 कुरियियों 10:1-2](#)
- [2 तीमुथियुस 2:25](#)
- [मत्ती 5:5](#)
- [मत्ती 11:29](#)
- भजन संहिता 37:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6035, H6037, G4235, G4236, G4239, G4240

नया चाँद

परिभाषा:

“नया चाँद” शब्द का सन्दर्भ चाँद की उस स्थिति से है जब वह अर्धचंद्र-आकार सा प्रकाश की चमक प्रकट करता। यह सूर्यस्त से आरम्भ होकर पृथ्वी की परिक्रमा में चाँद की प्रथम कला है। इसका सन्दर्भ कुछ दिन की अंधेरी रात के बाद चाँद के प्रकट होने के पहले दिन से है।

- प्राचीन युग में नया चाँद निश्चित समयों के आरंभ का घोतक था, जैसे महीनों के आरंभ का।
- इस्राएली नये चाँद का पर्व मनाते थे जिसकी पहचान नरसिंगा फूंकने से होती थी।
- बाइबल में इस समय को “महीने का आरंभ” माना गया है।

(यह भी देखें: महीने, पृथ्वी, पर्व, सींग, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 23:31](#)
- [1 शमूएल 20:5](#)
- [2 राजा 4:23-24](#)
- [यहेजकेल 45:16-17](#)
- [यशायाह 1:12-13](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2320, G3376, G3561

नरक

परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहाँ परमेश्वर उसके सब द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे “आग की झील” भी कहा गया है।

- नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के दण्ड के लिए नरक में डाला जाएगा।

अनुवाद के लिए सुझावः

- इन शब्दों का अनुवाद संभवतः अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
- कुछ भाषाओं में “आग की झील” का “झील” शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
- “नरक” शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “पीड़ा का स्थान” या “अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान”
- “आग की झील” का अनुवाद “आग का समुद्र” या “[कष्टों की] विशाल अग्नि” या “आग का क्षेत्र” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, मृत्यु, अधोलोक, अथाह कुण्ड)

बाइबल सन्दर्भः

- [याकूब 3:6](#)
- [लूका 12:5](#)
- [मरकुस 9:42-44](#)
- [मत्ती 5:21-22](#)
- [मत्ती 5:29](#)
- [मत्ती 10:28-31](#)
- [मत्ती 23:33](#)
- [मत्ती 25:41-43](#)
- [प्रकाशितवाक्य 20:15](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें **नरक** में डालेगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नहीं बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को **नरक** में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H7585, G00860, G04390, G04400, G10670, G30410, G44420, G44430, G44470, G44480, G50200, G53940, G54570

नरकट**तथ्यः**

“नरकट” पानी में उगनेवाली एक लम्बी डंडी की घास होती है। जो प्रायः नदी या झरने के तट पर पाई जाती है।

- नील नदी के तट पर उगनेवाले नरकट जिनमें शिशु मूसा को छिपाया गया था, उन्हें “कांसे” भी कहा गया है। वह नदी के पानी में घने उगते थे। इनके डंडे लम्बे और खोखले होते थे।
- प्राचीन मिस्त्र में इस घास से कागज, टोकरियां और छोटी नावें बनाई जाती थी।
- नरकट के डंडे नरम होने के कारण हवा में झुक जाते थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: मिस्र, मूसा, नील नदी)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 14:15](#)
- [लूका 7:24](#)
- [मत्ती 11:7](#)
- [मत्ती 12:20](#)
- भजन संहिता 68:30

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0098, H0100, H0260, H5488, H6169, H7070, G25630

नष्ट करना**परिभाषा:**

“नष्ट करना” अर्थात् लूटना, विनाश करना, या निकम्मा कर देना। “खण्डहर” या “खण्डहरों” नष्ट किए गए मलबे या नष्ट किए गए अवशेषों के सन्दर्भ में हैं।

- भविष्यद्वक्ता सपन्याह ने परमेश्वर के प्रकोप के दिन को “विनाश का दिन” कहा था, जब संसार का न्याय किया जाएगा और दण्ड दिया जाएगा।
- नीतिवचन की पुस्तक में लिखा है कि अभक्तों का प्रत्याशित प्रतिफल विनाश एवं मृत्यु है।
- प्रकरण के अनुसार, “नष्ट करना” का अनुवाद “ध्वंस करना” या “खण्डहर कर देना” या “निकम्मा कर देना” या “तोड़ देना” किया जा सकता है।
- “खण्डहर” या “खण्डहरों” का अनुवाद प्रकरण के अनुसार “मलबा” या “ध्वंस ईमारतें” या “नष्ट किया गया नगर” या “विनाश” या “तोड़फोड़” या “सर्वनाश” हो सकता है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 12:7-8](#)
- [2 राजा 19:25-26](#)
- [प्रे.का. 15:16](#)
- [यशायाह 23:13-14](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0006, H1197, H1530, H1820, H1942, H2034, H2040, H2717, H2719, H2720, H2723, H2930, H3510, H3765, H3782, H3832, H4072, H4288, H4384, H4654, H4876, H4889, H5221, H5327, H5557, H5754, H5856, H7451, H7489, H7582, H7591, H7612, H7701, H7703, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, H8510, G26790, G26920, G36390, G44850

नहूम

तथ्य:

नहूम एक भविष्यद्वक्ता था जो प्रचार करता था उस समय में जब दुष्ट राजा मनश्शे यहूदा पर राज करता था।

- नहूम यरूशलेम से 20 मील दूर एल्कोश नामक एक नगर का निवासी था।
- पुराने नियम में नहूम की पुस्तक में अश्शूरों के नगर नीनवे की विनाश की भविष्यद्वाणियाँ हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्शूर, मनश्शे, भविष्यद्वक्ता, नीनवे)

बाइबल सन्दर्भ:

- [नहूम 01:1](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5151, G3486

नहेम्याह

तथ्य:

नहेम्याह एक इसाएली था जिसे विवश होकर बेबीलोन साम्राज्य में आना पड़ा जब इसाएलियों और यहूदियों को बेबीलोन की सेना ने बन्दी बना कर ले गई थी।

- वह फरसी राजा, अर्तक्षत्र का पिलानेहारा था, उसने यरूशलेम लौट जाने के लिए राजा से अनुमति मांगी थी।
- नहेम्याह ने यरूशलेम की शहरपनाह का पुनः निर्माण करने में इसाएलियों की अगुवाई की थी क्योंकि बेबीलोन के सैनिकों ने उस शहरपनाह को ढा दिया था।
- राजा के महल में लौट आने से पूर्व बारह वर्ष तक नहेम्याह यरूशलेम का अधिपति था।
- पुराने नियम में नहेम्याह की पुस्तक में नहेम्याह द्वारा शहरपनाह के पुनः निर्माण कार्य तथा यरूशलेम के लोगों पर प्रशासन का वर्णन किया गया है।
- पुराने नियम में नहेम्याह नामक अन्य पुरुष भी हैं। यदि किसी नहेम्याह की चर्चा की जाती है तो स्पष्टीकरण हेतु उसके पिता का नाम जोड़ा जाता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अर्तक्षत्र, बाबेल, यरूशलेम, पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्या 2:1-2
- नहेम्याह 1:2
- नहेम्याह 10:3
- नहेम्याह 12:46

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5166

नागरिक**परिभाषा:**

नागरिक उस मनुष्य को कहते हैं जो किसी नगर, देश या राज्य में रहता है। अर्थात् जो उस स्थान का अधिकृत निवासी माना जाता है।

- सन्दर्भ के अनुसार, इसका अनुवाद, “निवासियों” या “आधिकारिक निवासी” भी किया जा सकता है।
- निवासी एक क्षेत्र में रहता है जो किसी राज्य का एक भाग हो सकता है जिस पर राजा या सम्राट् या शासक राज करता है। उदाहरणार्थ, पौलुस रोमी नागरिक था, रोम के अनेक प्रान्त थे, पौलुस इनमें से एक प्रान्त में रहता था।
- प्रतीकात्मक रूप में यीशु के विश्वासी स्वर्ग के नागरिक कहलाते हैं, अर्थात् वे एक दिन वहां होंगे। किसी देश के नागरिकों के समान विश्वासी परमेश्वर के राज्य के नागरिक हैं।

(देखें: राज्य, पौलुस, प्रान्त, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 21:39-40
- यशायाह 03:1-3
- लूका 15:15-16
- लूका 19:13-15

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H6440, G4175, G41770, G48470

नाज़ीर**तथ्यः**

“नाज़ीर” वह मनुष्य था जो नाज़ीर होने की शपथ लेता था। अधिकतर पुरुष यह शपथ लेते थे परन्तु स्त्रियां भी इस शपथ को लेती थीं।

- नाज़ीर मनुष्य निश्चित दिनों सप्ताहों या महीनों तक अंगूर का या अंगूर के रस का कोई व्यंजन या मदिरा या रस नहीं खाता-पीता था। इस अवधि के दौरान वह अपने बाल काट नहीं सकते और मृत शरीर के पास नहीं जा सकते थे।

जब समय पूरा हो जाता था और शपथ पूरी हो जाती थी तब नाज़ीर याजक के पास जाकर बलि चढ़ाता था। इसमें उसके बालों को काटकर जलाया जाता था। और अन्य सब वर्जित बातों का अन्त हो जाता था।

- शमशोन बाइबल में एक प्रसिद्ध व्यक्ति है जो नाज़ीर था।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को जन्म की भविष्यवाणी करते समय स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था कि उसका यह पुत्र मदिरा पान नहीं करेगा, जिसका अर्थ है कि वह एक नाज़ीर था।
- प्रेरित पौलुस ने भी एक समय यह शपथ ली थी जो प्रेरितों के काम की पुस्तक के एक अंश से प्रकट है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बलि, शिमशोन, शपथ, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 18:18-19
- आमोस 02:11-12
- न्यायियों 13:3-5
- गिनती 06:1-4

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5139

नातान

तथ्यः

नातान परमेश्वर का एक विश्वासयोग्य भविष्यद्वक्ता था, और दाऊद के राज्यकाल में सेवा कर रहा था।

- उरिय्याह के विरुद्ध दाऊद के गंभीर पाप का पर्दाफाश करने के लिए परमेश्वर ने नातान को भेजा था।
- नातान ने दाऊद को झिझका था, यद्यपि दाऊद राजा था।
- नातान के आगमन के बाद दाऊद ने अपने पाप का प्रायश्चित्त किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वासयोग्य, भविष्यद्वक्ता, उरिय्याह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 17:1-2](#)
- [2 इतिहास 9:29](#)
- [2 शमूएल 12:1-3](#)
- भजन संहिता 51:1

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 17:7 परन्तु परमेश्वर ने **नातान** भविष्यद्वक्ता के द्वारा दाऊद को संदेश भेजा, “क्योंकि तू एक योद्धा है, तू मेरे लिए वह भवन नहीं बनाएगा।
- 17:13 दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने **नातान** भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसका पाप कितना बुरा है।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H5416, G34810

नाम लिखाई

परिभाषा:

“नाम लिखाई (जनगणना)” किसी देश या साम्राज्य में नागरिकों की औपचारिक गणना करना।

- पुराने नियम के अभिलेखों में उन समयों का उल्लेख किया गया है जब परमेश्वर ने इसाएल के पुरुषों की गिनती करने का आदेश दिया था जैसे जब इसाएलियों ने मिस्र से पलायन किया था और दूसरी बार जब वे कनान में प्रवेश करने पर थे।
- जनगणना का उद्देश्य प्रायः यह होता था कि कर भुगतान करने के लिए मनुष्यों की संख्या ज्ञात हो।
- उदाहरणार्थ, निर्गमन की पुस्तक में एक बार पुरुषों की गिनती की गई थी कि प्रत्येक पुरुष मन्दिर के रखरखाव के लिए आधा शेकेल कर दे।
- जब यीशु शिशु ही था तब रोमी प्रशासन ने जनगणना करवाई थी कि अपने संपूर्ण साम्राज्य की जनसंख्या ज्ञात करके कर अनिवार्य किया जाए।

अनुवाद के सुझाव

- इस उक्ति का संभावित अनुवाद हो सकता है, “नाम गिनना” या “नामों की सूचि” या “पंजीकरण”।
- “नाम लिखाई करवाना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जनता के नाम पंजीकृत करना” या “मनुष्यों का पंजीकरण करना” या “मनुष्यों के नाम लिखकर रखना”।

(यह भी देखें: जाति, रोम)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 05:35-37](#)
- [निर्गमन 30:11-14](#)
- [निर्गमन 38:24-26](#)
- [लूका 02:1-3](#)
- [गिनती 04:1-4](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3789, H5674, H5921, H6485, H7218, G582, G583

नामधराई

परिभाषा:

“लज्जा” शब्द नीचा दिखलाना या अपमानित होने की दर्दनाक भावना को संदर्भित करता है जो एक व्यक्ति को लगता है जब वे कुछ ऐसा करते हैं जो दूसरों को अपमानपूर्ण या अनुचित मानते हैं।

- कुछ ऐसा काम जो “लज्जाजनक बात” अर्थात् “अनुचित” या “अपमानजनक” हो।
- “लज्जित” शब्द का अर्थ है किसी लज्जाजनक या अनुचित कार्य को करने पर मनुष्य के मन में उत्पन्न भावना है।
- शब्द “अपमानित” का अर्थ है किसी को शर्मिदा या अपमानित महसूस कराना, आमतौर पर सार्वजनिक रूप से। किसी को शर्मसार करने के कार्य को “अपमान” कहा जाता है।
- “लज्जित करना” अर्थात् किसी को हरा देना या उसके पापों को प्रकट करना कि उसे अपने पर लज्जा आए।
- किसी की “निंदा करना” का अर्थ है कि उस व्यक्ति के चरित्र या व्यवहार की आलोचना या अस्वीकृति है।
- वाक्यांश “शर्मिदा किया” का अर्थ है लोगों को हराना या उनके कार्यों को उजागर करना ताकि वे खुद को शर्मिदा महसूस करें। भविष्यद्वक्ता यशायाह यह कहता है कि जो मूर्तियां बनाते हैं और मूर्तिपूजा करते हैं वे लज्जित किए जाएंगे।
- “लज्जाजनक” शब्द का इस्तेमाल किसी पापी कृत्य या उसे करने वाले व्यक्ति का वर्णन करने के लिए किया जा सकता है। जब कोई व्यक्ति कुछ पाप करता है, तो यह उसके अपमान या अपमान की स्थिति में हो सकता है।
- कभी-कभी अच्छा काम करने वाले व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे उसे अपमान या लज्जा का कारण बनता है। उदाहरण के लिए, जब यीशु को एक कूस पर मार दिया गया था, तो यह मरने का एक अपमानजनक तरीका था। यीशु ने इस अपमान के लायक कुछ भी गलत नहीं किया था।

- जब परमेश्वर किसी को नम्र करता है, तो इसका मतलब है कि वह एक घमंडी व्यक्ति को असफलता का अनुभव करा रहा है, जिससे वह उसके घमंड को दूर करने में मदद कर सके। यह किसी को अपमानित करने से अलग है, जो अक्सर उस व्यक्ति को चोट पहुंचाने के लिए किया जाता है।
- यह कहना कि यह व्यक्ति "तिरस्कार के ऊपर" या "तिरस्कार से परे" या "तिरस्कार के बिना" है, जिसका अर्थ है कि यह व्यक्ति परमेश्वर का सम्मान अपने व्यवहार से करता है और उसकी आलोचना में बहुत कम या कुछ भी नहीं कहा जा सकता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "अपमान" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जा" या "अनादर" शामिल हो सकता है।
- "अपमानजनक" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जाजनक" या "अनादर करना" शामिल हो सकता है।
- "अपमानित" करने के लिए भी "लज्जा" या "शर्म महसूस करने का कारण" या "शर्मिदा" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "निरादर" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जा" या "अपमानजनक" या "अपमान" शामिल हो सकता है।
- "निन्दा करना" शब्द का अनुवाद "दोषरोपण" या "लज्जा" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करना" का अनुवाद "डाँटना" या "आरोप लगाना" या "आलोचना करना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अनादर, दोष लगाना, डाँटना, झूठे ईश्वर, दीन, यशायाह, आराधना)

बाइबल संदर्भ:

- [1 पतरस 03:15-17](#)
- [2 राजा. 02:17](#)
- [2 शमूएल 13:13](#)
- [लूका 20:11](#)
- [मरकुस 08:38](#)
- [मरकुस 12:4-5](#)
- [1 तीमुथियुस 03:07](#)
- [उत्पत्ति 34:07](#)
- [इब्रानियों 11:26](#)
- [विलापगीत 02:1-2](#)
- भजन संहिता 022:06
- [व्यवस्थाविवरण 21:14](#)
- [एज़ा 09:05](#)
- [नीतिवचन 25:7-8](#)
- भजन संहिता 006:8-10
- भजन संहिता 123:03
- [1 तीमुथियुस 05:7-8](#)
- [1 तीमुथियुस 06:13-14](#)
- [यिर्मयाह 15:15-16](#)
- [अय्यूब 16:9-10](#)
- [नीतिवचन 18:03](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H937, H954, H955, H1317, H1322, H1421, H1442, H1984, H2490, H2616, H2617, H2659, H2778, H2781, H2865, H3001, H3637, H3639, H3640, H3971, H5007, H5034, H5039, H6030, H6031, H6172, H6256, H7022, H7034, H7036, H7043, H7511, H7817, H8103, H8213, H8216, H8217, H8589, G149, G152, G153, G410, G422, G423, G808, G818, G819, G821, G1788, G1791, G1870, G2617, G3059, G3679, G3680, G3681, G3856, G5014, G5195, G5196, G5484

नामान

तथ्यः

पुराने नियम में, नामान अरामी सेना का सेनापति था।

- नामान को एक असाध्य त्वचा रोग, कोढ़ था जो ठीक नहीं हो सकता था।
- नामान के घर में एक यहूदी दासी थी जिसने उसे सुझाव दिया कि वह रोग-मुक्ति के लिए भविष्यद्वक्ता एलीशा के पास जाकर निवेदन करें।
- एलीशा ने नामान के पास सन्देश भेज दिया कि वह सात बार यरदन नदी में डुबकी लगाए। नामान ने आज्ञा का पालन किया तो परमेश्वर ने उसे संपूर्ण चंगाई दे दी।
- इसका परिणाम यह हुआ कि नामान एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा में विश्वास करने लगा।
- नामान नाम के दो और पुरुष भी हुए हैं जो याकूब के पुत्र बिन्यामीन के वंशज थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, यरदन नदी, कोढ़, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 8:6-7](#)
- [2 राजा 5:1](#)
- [लूका 4:27](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **19:14** जिनमे से एक चमकार **नामान** नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था।
- **19:15** पहले तो **नामान** क्रोधित हुआ, और वह ऐसा नहीं करना चाहता था, क्योंकि उसे यह मूर्खता पूर्ण कार्य लग रहा था। परन्तु शीघ्र ही उसने अपना विचार बदल लिया और यरदन को जाकर उसमे सात बार डुबकी मारी।
- **26:6** लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इसाएल के दुश्मनों के एक सेनापति, **नामान** के त्वचा रोग को चंगा किया।"

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5283, G34970

नाश करना

परिभाषा:

"नष्ट करना," इस उक्ति का अर्थ है, किसी वास्तु को पूर्णतः ध्वनि कर देना कि उसका अस्तित्व ही मिट जाए। "नाश करनेवाला" अर्थात् "विनाश ढाने वाला मनुष्य"।

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्यों का नाश करनेवालों के लिए काम में लिया गया है, जैसे आक्रमण करने वाली सेना।
- जब परमेश्वर ने मिस के एक पहिलौठों को मार डालने के लिए स्वर्गदूत भेजा था तब उस स्वर्गदूत को “पहिलौठे का नाश करनेवाला कहा गया है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह स्वर्गदूत जिसने पहिलौठे पुत्रों का नाश किया”।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के संबन्ध में शैतान या किसी दुष्टात्मा को “नाश करनेवाला” कहा गया है। वही “नाश करने वाला” है क्योंकि उसका उद्देश्य परमेश्वर द्वारा सृजित सब वस्तुओं का नाश करना है।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, मिस, पहिलौठा, फसह)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 12:23](#)
- [इब्रानियों 11:28](#)
- [यिर्म्याह 06:26](#)
- [नायियों 16:24](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6, H7, h622, H398, H1104, H1197, H1820, H1826, H1942, H2000, H2015, H2026, H2040, H2254, H2255, H2717, H2718, H2763, H2764, H3238, H3341, H3381, H3423, H3582, H3615, H3617, H3772, H3807, H4191, H4229, H4591, H4658, H4889, H5218, H5221, H5307, H5362, H5420, H5422, H5428, H5595, H5642, H6365, H6789, H6979, H7665, H7667, H7703, H7722, H7760, H7843, H7921, H8045, H8074, H8077, H8316, H8552, G355, G396, G622, G853, G1311, G1842, G2049, G2506, G2507, G2647, G2673, G2704, G3089, G3645, G4199, G5351, G5356

नाश किया

परिभाषा:

“काट दिया जाए” एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
- परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को “नाश किया” या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इसाएल के शत्रु थे।
- “रोक दिया” परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “काट दिया जाए” का अनुवाद हो सकता है, “देश से निकाल दिया जाए”, या “दूर भेज दिया जाए” या “विच्छेदित कर दिया जाए” या “मार डाला जाए” या “नष्ट कर दिया जाए”।
- प्रकरण के अनुसार “काट देना” का अनुवाद किया जा सकता है, “नष्ट करना” या “दूर कर देना” या “विच्छेदित करना” या “नाश करना”।
- प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, “रोक देना” या “जल प्रवाह रोक देना” या “जल विभाजित कर देना”।
- चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 17:14](#)
- [यायियों 21:6](#)
- [नीतिवचन 23:18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1214, H1219, H1438, H1494, H1504, H1629, H1820, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6789, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113, G609, G851, G1581

नाश होगा

परिभाषा:

“उजाड़ दिया” या “उजाड़” अर्थात् किसी सम्पदा या भूमि का सर्वनाश कर देना। इसके अर्थ में उस देश के निवासियों को उजाड़ देना और बन्दी बनाना भी है।

- इसका संदर्भ घोर एवं पूर्ण विनाश से है।
- उदाहरणार्थ सदोम नगर के निवासियों के पाप के दण्ड में परमेश्वर ने उस नगर को नष्ट कर दिया था।
- “उजड़ने” का अभिप्राय दण्ड या विनाश के कारण महान भावनात्मक विशाद से भी है।

अनुवाद के सुझाव

- “उजड़ना” का अनुवाद “सर्वनाश” या “पूर्णतः नष्ट भ्रष्ट कर देना” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “उजाड़” का अनुवाद “सर्वनाश” या “नष्ट भ्रष्ट होना” या “विशादग्रस्त होना” या “आपदाग्रस्त होना” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 08:24-25](#)
- [यिर्मायाह 04:13-15](#)
- [गिनती 21:29-30](#)
- [सपन्याह 01:12-13](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1110, H1238, H2721, H1826, H3615, H3772, H7701, H7703, H7722, H7843, H8074, H8077

नाश होना

परिभाषा:

“नाश होना” का अर्थ है मरना या नष्ट हो जाना, प्रायः हिंसा के द्वारा या आपदा के द्वारा। नए नियम में, यह प्रायः मनुष्यों के भटक जाने के लिए आमिक अर्थ में प्रयोग किया जाता है या परमेश्वर के लोगों से अलग हो जाने के लिए काम में लिया जाता है।

"नाश होने" का आत्मिक अभिप्राय

- “नाश होने वाले” मनुष्य वे हैं जिन्होंने अपने उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करने से इन्कार किया है।
- जो “नाश” हो चुके हैं, वे स्वर्ग में परमेश्वर के साथ अनंत काल तक नहीं रहेंगे। इसकी अपेक्षा, उनके लिए परमेश्वरका दंड है कि वे अनंत काल तक नरक में जीवित रहें।
- शारीरिक से तो हर एक जन मरेगा परन्तु वे जो अपने उद्धार के लिए यीशु में विश्वास नहीं करते हैं, उनका अनंत नाश हो जाएगा।
- जब “नाश होना” आत्मिक परिप्रेक्ष्य में उपयोग किया जाता है, तो सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद शारीरिक मृत्यु से सर्वथा भिन्न प्रकट करे।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित इसके अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के लोगों में से बहिष्कृत हो जाना” “अनन्त मृत्यु” या “नरक का दण्ड भोगना” या “नष्ट होना”।
- ऐसा शब्द या अभिव्यक्ति काम में लें जिसका अर्थ केवल “शारीरिक मृत्यु” या “अस्तित्व का अंत” ही नहीं हो।

(यह भी देखें: मृत्यु, अनन्त)

बाइबल संदर्भः

- [1 पतरस 1:23](#)
- [2 कुरियियों 2:16-17](#)
- [2 थिस्सलुनीकियों 2:10](#)
- [यिर्मयाह 18:18](#)
- भजन संहिता 49:18-20
- [जकर्याह 9:5-7](#)
- [जकर्याह 13:8](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0006, H0007, H0008, H1478, H1820, H1826, H5486, H5595, H6544, H8045, G0599, G0622, G0684, G0853, G1311, G2704, G4881, G5356

नासरत

तथ्यः

नासरत उत्तरी इस्लाम के गलील क्षेत्र में एक नगर है। * वह यरूशलेम के उत्तर में लगभग 100 किलोमीटर दूर है। इसकी पद-यात्रा में तीन से पांच दिन लगते हैं।

- यूसुफ और मरियम नासरतवासी थे और यीशु का पालन-पोषण वहीं हुआ था। यही कारण है कि यीशु को “नासरी” कहते थे।
- नासरत के अनेक यहूदी यीशु की शिक्षाओं को स्वीकार नहीं करते थे क्योंकि वह उनके साथ पला-बड़ा था इसलिए वे उसे एक साधारण मनुष्य मानते थे।
- एक बार यीशु नासरत के आराधनालय में शिक्षा दे रहा था तब वहाँ के यहूदियों ने उसे मार डालना चाहा क्योंकि उसने मसीह होने का दावा किया और उनके द्वारा उसके परित्याग के लिए उन्हें झिड़का था।
- जब नतनएल ने सुना कि यीशु नासरत से है तब उसकी टिप्पणी से प्रकट होता है कि उस नगर की प्रतिष्ठा नहीं थी।

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यूसुफ (नया नियम), मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 26:9-11](#)
- [यूहन्ना 1:43-45](#)
- [लूका 1:26-29](#)
- [मरकुस 16:5-7](#)
- [मत्ती 2:23](#)
- [मत्ती 21:9-11](#)
- [मत्ती 26:71-72](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **23:4** अतः यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।
- **26:2** यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था।
- **26:7** नासरत के लोगों ने आराधना के स्थान से यीशु को बाहर घसीटा और उसे मारने की मनशा से चट्टान के किनारे ले आए, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें और वह मर जाए।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G34780, G34790, G34800

नाहोर**तथ्य:**

नाहोर अब्राहम के दो परिजनों का नाम था, उसका दादा और उसका भाई।

- अब्राहम का भाई नाहोर इसहाक की पत्नी रिबका का दादा था।
- “नाहोर नगर” अर्थात् “नाहोर नामक नगर” या “वह नगर जहाँ नाहोर रहता था” या “नाहोर का नगर”

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, रिबका)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 01:24-27](#)
- [उत्पत्ति 31:51-53](#)
- [यहोशू 24:1-2](#)
- [लूका 03:33-35](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5152, G34930

निंदा**परिभाषा:**

बाइबल में “निन्दा” शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान के शब्दों का प्रयोग करना। किसी की “निन्दा” करने का अर्थ है किसी के विरुद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता है कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उस पर कलंक लगाना या उसका अपमान करना या अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या दावा करे कि एकमात्र सच्चे परमेश्वर के अतिरिक्त भी कोई परमेश्वर है तो यह निंदा करना है।
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में “कलंक” शब्द का उपयोग किया गया है जब मनुष्यों के विरुद्ध कुछ कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरुद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
- “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरुद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: निरादर, झूठा दोष लगाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियुस 1:12-14](#)
- [प्रे.का. 6:11](#)
- [प्रे.का. 26:9-11](#)
- [याकूब 02:5-7](#)
- [यूहन्ना 10:32-33](#)
- [लूका 12:10](#)
- [मरकुस 14:64](#)
- [मत्ती 12:31](#)
- [मत्ती 26:65](#)
- भजन संहिता 74:10

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स : H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G09870, G09880, G09890

निन्दा

परिभाषा:

“ठट्ठा करना”, “निन्दा करना”, “उपहास करना,” इन सब उक्तियों का सन्दर्भ किसी का ठट्ठा करने से है और वह भी निर्दयता से करने से है।

- ठट्ठा करने में किसी को लज्जित करने या उसके प्रति घृणा प्रकट करने की मंशा से उसके शब्दों या अंग-विन्यास की नकल करना।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था या उसकी निन्दा की थी जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ राजा का सा व्यवहार किया था।
- युवकों के एक दल ने एलीशा का भी ठट्ठा या उपहास किया था, जब उन्होंने उसके गंजे सिर को नाम देकर हँसी की थी।
- "ठट्ठा करना" का सन्दर्भ किसी ऐसे विचार का उपहास करना भी होता है जिसको विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न समझा जाए।
- "ठट्ठा करनेवाला" वह मनुष्य है जो लगातार ठट्ठा करता और उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पत्रस 3:3](#)
- [प्रे.का. 2:12-13](#)
- [गलातियों 6:6-8](#)
- [उत्पत्ति 39:13-15](#)
- [लूका 22:63-65](#)
- [मरकुस 10:34](#)
- [मत्ती 9:23-24](#)
- [मत्ती 20:19](#)
- [मत्ती 27:29](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी अगुवों ने महा याजक को उत्तर दिया, "यह मरने के योग्य है!" तब उन्होंने यीशु की आँखें ढांककर, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका ठट्ठा उड़ाया।

- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और राजसी बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा। तब उन्होंने यह कहकर यीशु का **मज़ाक उड़ाया** देखो, “यहूदियों का राजा!”
- **40:4** यीशु को दो डाकुओं के बीच कूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक ने यीशु का **ठड़ा उड़ाया** परन्तु दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:5** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वे यीशु का **ठड़ा करके** कहते थे, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो कूस पर से उतर आ, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे।”

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

नियुक्त

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम बनाना या आदेश देना भी हो सकता है।

- “अभिषेक” का संदर्भ प्रायः याजक, सेवक या रब्बि नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों का अभिषेक याजक होने के लिए किया था।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है “कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आदेश, नियम, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भः

- [1 राजा 12:31-32](#)
- [2 शमूएल 17:13-14](#)
- [निर्गमन 28:40-41](#)
- [गिनती 3:3](#)
- भजन संहिता 111:7-9

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G12990, G25250, G42700, G42820

नियुक्त करना

परिभाषा:

“नियुक्त करना” और “नियुक्त किया” अर्थात् किसी को किसी विशेष कार्य को करने या भूमिका को निभाने के लिए चुनना।

- “नियुक्त होना” का संदर्भ “ठहराया हुआ” से भी होता है कि कुछ प्राप्त करे, जैसे “अनन्त जीवन के लिए ठहराया गया।” मनुष्य “अनन्त जीवन के लिए ठहराए गए” अर्थात् वे अनन्त जीवन के लिए चुने गए थे।
- “नियुक्त समय” अर्थात् किसी घटना के होने के लिए परमेश्वर का “चुना हुआ समय” या “योजनाबद्ध समय。”
- “ठहराए” शब्द का अर्थ “आज्ञा देना” या किसी को किसी काम के लिए “उत्तरदायित्व सौपना。” भी हो सकता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “ठहराए” शब्द के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनना” या “सौपना” या “विधिवत् चुन लेना” या “अधिकार देना.”
- “नियुक्त किया” का अनुवाद हो सकता है, “सौपा” या “योजनाबद्ध किया” या “विशेष रूप से चुना।”
- “नियुक्त किया जाए” का अनुवाद “चुना हुआ हो” हो सकता है।

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 8:11](#)
- [प्रे.का. 3:20](#)
- [प्रे.का. 6:02](#)
- [प्रे.का. 13:48](#)
- [उत्पत्ति 41: 33-34](#)
- [गिनती 3:9-10](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0561, H0977, H2163, H2296, H2706, H2708, H2710, H3198, H3245, H3259, H3677, H3983, H4150, H4151, H4152, H4483, H4487, H4662, H5324, H5344, H5414, H5567, H5975, H6310, H6485, H6565, H6635, H6680, H6923, H6942, H6966, H7760, H7896, G03220, G06060, G12990, G13030, G19350, G25250, G27490, G42870, G42960, G43840, G49290, G50210, G50870

नियुक्त करना

तथ्यः

“नियुक्त करना” या “नियुक्त किया” किसी को कोई विशेष काम करने के लिए नियुक्त करना या एक या अधिक लोगों को किसी कार्य को निर्दिष्ट करना

- भविष्यद्वक्ता शमूएल ने भविष्यद्वाणी की थी कि राजा शाऊल इसाएल के सर्वोत्तम युवकों को सेना में नियुक्त करेगा।
- मूसा ने इसाएल के प्रत्येक गोत्र को उनके निवास हेतु कनान देश की भूमि बांट दी थी।
- पुराने नियम की व्यवस्था के अनुसार कुछ गोत्रों को याजक की सेवा, हस्तकारों की सेवा, गीतकारों की सेवा और निर्माण करताओं की सेवा बांट दी गई थी।
- प्रकरण के अनुसार “नियुक्त करना” का अनुवाद “बांटना” या “काम देना” “कार्य के लिए चुनें” किया जा सकता है।
- “बांटना” का अनुवाद “नियुक्त करना” या “काम सौंपना” हो सकता है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: नियुक्त करना, शमूएल, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 6:48](#)
- [दानियेल 12:13](#)
- [यिर्म्याह 43:11](#)
- [यहोशू 18:2](#)
- [गिनती 4:27-28](#)
- भजन संहिता 78:55

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2506, H3335, H4487, H4941, H5157, H5307, H5414, H5596, H5975, H6485, H7760, G33070

निरादर

परिभाषा:

“निरादर” का अर्थ है कि किसी की मानहानि का काम करना। इससे उस व्यक्ति के लिए लज्जा और अपयश का कारण उत्पन्न होता है।

- “निंदनीय” शब्द का अर्थ है, लज्जाजनक कार्य या किसी का अपमान करने का कार्य।
- कभी-कभी निरादर शब्द ऐसी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी महत्व की नहीं है।
- सन्तानों के लिए आज्ञा है कि वे अपने-अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी आज्ञा मानें। बच्चे अवज्ञा करते हैं तो वे अपने माता-पिता का अनादर करते हैं। वे अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जिससे उनको सम्मान प्राप्त नहीं होता है।
- मूर्तिपूजा और अनैतिक आचरण द्वारा इसाएली यहोवा का अपमान करते थे।
- यहूदी यीशु को दुष्टात्मग्रस्त कहकर उसका अपमान करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “सम्मान नहीं करना” या “सम्मानरहित व्यवहार करना।”
- “निरादर” संज्ञा शब्द का अनुवाद “अपमान” या “मानहानि” किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “निरादर” का अनुवाद “आदर योग्य नहीं” या “लज्जाजनक” या “माननीय नहीं” या “महत्वहीन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर)

बाह्यकल सन्दर्भ:

- [1 कुरियियों 4:10](#)
- [1 शमूएल 20:34](#)
- [2 कुरियियों 6:8-10](#)
- [यहेजकेल 22:7](#)
- [यूहन्ना 08:48](#)
- [लैव्यव्यवस्था 18:8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7043, H7043, G818, G819, G820, G2617

निर्देश देना

तथ्यः

“निर्देश देना” और “आदेश” शब्दों के संदर्भ किसी काम को करने के स्पष्ट निर्देशनों से है।

- “निर्देश” देने से तात्पर्य किसी को निश्चित रूप से बताना कि उसे क्या करना आवश्यक है।
- जब यीशु ने अपने शिष्यों को रोटी और मछलियां दी कि लोगों में बांट दें तब उसने उन्हें विशेष निर्देश दिए कि कैसे करना है।
- प्रकरण के अनुसार “निर्देश” शब्द का अनुवाद “कहना” या “निर्देश देना” या “शिक्षा देना” या “आदेश देना” भी किया जा सकता है।
- “निर्देश” देने का अनुवाद “निर्देशन” या “समझाना” या “उसने जो कहा है उसे करना” किया जा सकता है।
- जब परमेश्वर निर्देश देता है तब उसका अनुवाद “आज्ञा” या “आदेश” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आदेश, शिक्षा/सिखाना)

बाह्यकल सन्दर्भः

- [निर्गमन 14:04](#)
- [उत्पत्ति 26:05](#)
- [इब्रानियों 11:22](#)
- [मत्ती 10:05](#)
- [मत्ती 11:1](#)
- [नीतिवचन 01:30](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H241, H376, H559, H631, H1004, H1696, H1697, H3256, H3289, H3384, H4148, H4156, H4687, H4931, H4941, H6098, H6310, H6490, H6680, H7919, H8451, G1256, G1299, G1319, G1321, G1378, G1781, G1785, G2727, G2753, G3559, G3560, G3811, G3852, G3853, G4264, G4367, G4822

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की वृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को “निर्दोष” माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।
- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।
- अनुवाद के सुझावः
- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

बाइबल संदर्भः

- [1 ध्येयसलुनीकियों 2:10](#)
- [1 ध्येयसलुनीकियों 3:11-13](#)
- [2 पत्रस 3:14](#)
- [क्रुलुस्सियों 1: 22](#)
- [उत्पत्ति 17: 1-2](#)
- [फिलिप्पियों 2:15](#)
- [फिलिप्पियों 3:6](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5352, H5355, H8535, G02730, G02740, G02980, G02990, G03380, G04100, G04230

निर्दोष

परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

अनुवाद के सुझावः

- अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: “निरपराध” या “उत्तरदायी नहीं” या “दोषी नहीं”
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
- “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियो 04:3-4](#)
- [1 शमूएल 19:4-5](#)
- [प्रे.का. 20:25-27](#)
- [निर्गमन 23:6-9](#)
- [यिर्म्याह 22:17-19](#)
- [अय्यूब 09:21-24](#)
- [रोमियो 16:17-18](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, **निर्दोष होने** के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो, दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी हैं पर, यह तो **बेगुनाह है।**”
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य धर्मी था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निवासस्थान**परिभाषा:**

“परमेश्वर का डेरा” (निवास स्थान) एक विशेष मण्डप था जिसमें इस्माएली जंगल के 40 वर्षों में परमेश्वर की आराधना करते थे।

- परमेश्वर ने इस विशाल मण्डप को बनाने के लिए इस्माएलियों को सविस्तार निर्देशन प्रदान किए थे। इसके दो कक्ष थे और यह एक बन्द अंगन से घिरा हुआ था।
- इस्माएली जब भी जंगल में एक स्थान से दूसरे स्थान को जाते थे तब याजक इस मण्डप को उखाड़कर नये स्थान में ले जाते थे। और अपनी छावनी के केन्द्र में उसे खड़ा करते थे।
- यह मण्डप लकड़ी के ढांचे पर कपड़े, बकरी के बाल तथा पशुओं की खाल से बना हुआ था। उसके चारों ओर का प्रांगण परदों द्वारा घिरा हुआ था।
- मण्डप के दो कक्ष, पवित्र स्थान (जिसमें धूप जलाने की वेदी थी) और परम-पवित्र स्थान (जिसमें वाचा का सन्दूक रखा था) थे।
- मण्डप के प्रांगण में एक वेदी थी जिस पर पशु-बलि जलाई जाती थी और एक हौदा था जिसमें शोधन अनुष्ठान का पानी रहता था।
- इस्माएलियों ने इस मण्डप का उपयोग समाप्त हो गया था जब सुलैमान ने यरूशलेम में मन्दिर बना दिया।

अनुवाद के सुझाव:

- “मण्डप” का अर्थ है “रहने का स्थान”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र मण्डप” या “मण्डप जिसमें परमेश्वर था” या “परमेश्वर का मण्डप”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “मन्दिर” शब्द के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: वेदी, धूप जलाने की वेदी, वाचा का सन्दूक, मन्दिर, मिलापवाला तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 21:28-30](#)
- [2 इतिहास 01:2-5](#)
- [प्रे.का. 07:43](#)
- [प्रे.का. 07:44-46](#)
- [निर्गमन 38:21-23](#)
- [यहोशू 22:19-20](#)
- [लैव्यव्यवस्था 10:16-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H168, H4908, H5520, H5521, H5522, H7900, G4633, G4634, G4636, G4638

नींव डाली**परिभाषा:**

क्रिया शब्द “स्थापित करना” का अर्थ है, निर्माण करना, बनाना या आधार रखना। इस वाक्यांश, “पर स्थापित” का अर्थ है, समर्थित या आधार पर। “नींव” वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है या रचना की जाती है।

- घर या भवन की नींव दढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- “नींव” का संदर्भ किसी बात के आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पथर मसीह स्वयं है।
- “नींव का पथर” नींव में रखा गया पथर होता है। इन पथरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझावः

- “जगत की उत्पत्ति से पूर्व” का अनुवाद किया जा सकता है, “ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व”, या “ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व” या “संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व”।
- “नींव... दढ़ करके रखी” का अनुवाद हो सकता है, “सुरक्षित बनाया” या “दढ़ता से आधारित”।
- प्रकरण के अनुसार “नींव” का अनुवाद हो सकता है, “दढ़ आधार” या “ठोस आधार” या “आरंभ” या “सृष्टि”।

(यह भी देखें: कोने का पथर, रचना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 6:37-38](#)
- [2 इतिहास 3:1-3](#)
- [यहेजकेल 13:13-14](#)
- [लूका 14:29](#)
- [मत्ती 13:35](#)
- [मत्ती 25:34](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0134, H0787, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H8356, G23100, G23110, G26020

नीतिवचन

परिभाषा:

नीतिवचन एक छोटी उक्ति है जो बुद्धि की बात या सत्य प्रकट करती है।

- नीतिवचन प्रभावशाली होते हैं क्योंकि उन्हें स्मरण रखना और दोहराना आसान होता है।
- नीतिवचन में अधिकतर दैनिक जीवन के व्यावहारिक उदाहरण होते हैं।
- कुछ नीतिवचन स्पष्ट एवं सीधे होते हैं जबकि कुछ नीतिवचन समझने में कठिन होते हैं।
- राजा सुलैमान अपनी बुद्धि के लिए प्रसिद्ध था, उसने 1,000 से अधिक नीतिवचन लिखे थे।
- यीशु मनुष्यों को शिक्षा देने के लिए प्रायः नीतिवचनों एवं दृष्टान्तों का उपयोग करता था।
- “नीतिवचन” का अनुवाद हो सकता है, “बुद्धि की बातें” या “सत्य वचन”

(यह भी देखें: सुलैमान, सत्य, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 4:32-34](#)
- [1 शमूएल 24:12-13](#)
- [2 पतरस 2:22](#)
- [लूका 4:24](#)
- [नीतिवचन 1:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2420, H4911, H4912, G38500, G39420

नीनवे

तथ्यः

नीनवे अश्शूरों के साम्राज्य की राजधानी थी। “नीनवेवासी” वह था जो नीनवे में रहता था।

- परमेश्वर ने योना को भेजा था कि नीनवे के लोगों को दुष्टा से फिरने की चेतावनी दे। उन्होंने मन फिराया और परमेश्वर ने उन्हें नष्ट नहीं किया।
- नहूम और सपन्याह नामक दो भविष्यद्वक्ताओं ने भाविश्यद्वानी की थी कि परमेश्वर नीनवे को उनके पापों के दंड स्वरूप नष्ट कर देगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्शूर, योना, मन फिराना, बदलना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 10:11-14](#)
- [योना 1:3](#)
- [योना 3:3](#)
- [लूका 11:32](#)
- [मत्ती 12:41](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5210, G35350, G35360

नील नदी

तथ्यः

उत्तरी पश्चिम अफ्रीका में नील नदी एक लम्बी चौड़ी नदी है। यह मिस्र का एक प्रसिद्ध नदी है।

- नील नदी मिस्र में से बहती हुई उत्तर में भूमध्य सागर में गिरती है।
- नील नदी के दोनों ओर उपजाऊ भूमि में अच्छी फसल उगती है।
- अधिकांश मिस्र-वासी नील नदी के निकट रहा करते हैं क्योंकि यह जल एवं भोजन की वस्तुओं का एक महत्वपूर्ण साधन है।
- इस्लाएली गोशेन में रहते थे क्योंकि नील नदी के निकट होने के कारण वह एक उपजाऊ प्रदेश था।
- मूसा जब शिशु था तब उसके माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी की लम्बी घासों में छिपा दिया था कि फिरैन के लोग उसे देख न पाएं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, गोशेन, मूसा)

बाइबल सन्दर्भः

- [आमोस 08:7-8](#)
- [उत्पत्ति 41:1-3](#)
- [यिर्म्याह 46:7-9](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **08:04** मिस्र **नील नदी** के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
- **09:04** जब फिरैन ने देखा कि इसाएलियों की संताने बहुत अधिक बढ़ती जा रही है, तब फिरैन ने आपनी सारी प्रजा के लोगों को आज्ञा दी, इब्रियों के जितने बेटे उत्पन्न हो उन सभी को तुम **नील नदी** में डाल देना।
- **09:06** जब लड़के के माता-पिता उसे और छिपा नहीं सकते थे, तो उन्होंने उसे मारे जाने से बचाने के लिए **नील नदी** के किनारे सरकंडों के बीच तैरती टोकरी में डाल दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने **नील नदी** को लहू से भर दिया, तब भी फिरैन का मन हठीला रहा और उसने इसाएलियों को नहीं जाने दिया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2975, H4714, H5104

नूह

तथ्यः

नूह लगभग 4000 वर्ष पूर्व था जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर से सब पापियों को नष्ट करने के लिए जलप्रलय किया था। परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी कि वह एक विशाल नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी पृथ्वी पर फैलने के समय उसका परिवार सुरक्षित रहे।

- नूह एक धर्मी पुरुष था जो हर एक बात में परमेश्वर की आज्ञा मानता था।
- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा परमेश्वर ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका परिवार सुरक्षित रहे और बाद में पृथ्वी पर फैल गए।
- तब के बाद सब मनुष्य नूह के वंशज हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वंशज, जहाज)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 5:30-31](#)
- [उत्पत्ति 5:32](#)
- [उत्पत्ति 6:8](#)
- [उत्पत्ति 8:1](#)
- [इब्रानियों 11:7](#)
- [मत्ती 24:37](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 3:2 परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की वृष्टि नूह पर बनी रही।
- 3:4 नूह और उसके तीन बेटों ने नाव की रचना वैसे ही की जैसे परमेश्वर ने उनसे कहा था।
- 3:13 दो महीने बाद परमेश्वर ने नूह से कहा कि तू अपने पुत्रों, पत्नी और बहुओं समेत जहाज में से निकल आ। परमेश्वर ने नूह को आशीष दी “फलों-फूलों, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ। तब नूह और उसका परिवार जहाज में से निकल आए।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5146, G35750

नोप

परिभाषा:

नोप नील नदी के किनारे मिस्र की प्राचीन राजधानी थी।

- नोप निचले मिस्र में नील नदी के मुहाने पर दक्षिण में था जहाँ भूमि बहुत उपजाऊ थी और फसलें विपुलता में उगती थी।
- उसकी उपजाऊ भूमि तथा ऊपरी और निचले मिस्र के मध्य उसकी स्थिति के कारण यह नगर व्यापार एवं वाणिज्य के लिए एक अत्यधिक महत्वपूर्ण नगर हो गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: मिस्र, नील नदी)

बाइबल सन्दर्भः

- [होशे 09:5-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4644, H5297

न्याय का दिन

परिभाषा:

“न्याय का दिन” उस भावी समय के संदर्भ में है जब परमेश्वर हर एक मनुष्य का न्याय करेगा।

- परमेश्वर ने अपने पुत्र मसीह यीशु को सब मनुष्यों का न्यायी ठहराया है।
- न्याय के दिन मसीह अपने धर्मनिष्ठ चरित्र के आधार पर मनुष्यों का न्याय करेगा।

अनुवाद के सुझावः

- इसका अनुवाद “न्याय करने का समय” हो सकता है क्योंकि यह एक दिन से अधिक समय का होगा।
- इस उक्ति के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “अन्त समय जब परमेश्वर सब मनुष्यों का न्याय करेगा।”
- कुछ अनुवादों में इस उक्ति को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है कि इसे विशेष दिन या समय दर्शाया जाए: “न्याय का दिन” या “न्याय का समय”

(यह भी देखें: न्यायी, यीशु, स्वर्ग, नरक)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 10:12](#)
- [लूका 11:31](#)
- [लूका 11:32](#)
- [मत्ती 10:14-15](#)
- [मत्ती 12:36-37](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2962, H3117, H4941, G22500, G29200, G29620

न्यायाधीश

परिभाषा:

हाकिम नियुक्त अधिकारी होता है जो न्यायाधीश का काम करता है और न्याय के विषयों पर निर्णय देता है।

- बाइबल के युग में हाकिम मनुष्यों में उत्पन्न मतभेदों का निर्णयिक मत देता था।
- प्रकरण पर आधारित इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “प्रशासनिक न्यायाधीश” या “वैधानिक अधिकारी” या “नगर का अगुआ”।

(यह भी देखें: न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 16:20](#)
- [प्रे.का. 16:35](#)
- [दानियेल 3:1-2](#)
- [लूका 12:58](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8200, H8614, G758, G4755

न्यायालय-कानूनी

परिभाषा:

शब्द "न्यायालय" का तात्पर्य उस स्थान से है जहाँ न्यायाधीश कानूनी और आपराधिक मामलों का फैसला करते हैं।

- अक्सर, जब बाइबल "न्यायालय" (इस कानूनी अर्थ में) शब्द का उपयोग करती है, तो यह मानवीय न्यायालयों को संदर्भित करती है लेकिन इसे स्वर्गीय न्यायालय के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है जैसे कि दानियेल 7:10 और दानियेल 7:26 में।

अनुवाद सुझावः

- शब्द "न्यायालय" का अनुवाद "न्यायाधिकरण" के रूप में किया जा सकता है या जब मानव न्यायालय का उल्लेख किया जाता है तो इसका अनुवाद "कानूनी न्यायालय" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: न्यायाधीश

बाइबल सन्दर्भः**शब्द विवरणः**

न्यायी

परिभाषा:

“न्यायी” और “न्याय” शब्दों का सन्दर्भ प्रायः निर्णय लेने से है कि कोई बात अच्छी, बुद्धिमानी की, या नयोचित है या नहीं। इन शब्दों का संदर्भ किसी मनुष्य द्वारा निर्णय के परिणाम स्वरूप किए गए कामों से भी हो सकता है- प्रायः किसी बात के विषय निर्णय लेने लेने के परिप्रेक्ष्य में कि वह बुरी, अनुचित या दुष्टता की तो नहीं है।

- "न्यायी" और "न्याय" इन शब्दों का अर्थ यह भी हो सकता है, किसी को "हानि पहुंचाना" (अधिकतर तब जब परमेश्वर ने निर्णय ले लिया है कि किसी मनुष्य या देश के काम दुष्टा के हैं।)
- "परमेश्वर का न्याय" इस उक्ति का सन्दर्भ प्रायः किसी मनुष्य या वस्तु को पाप का दोषी ठहराने के लिए परमेश्वर के निर्णय के सन्दर्भ में भी होता है।
- परमेश्वर का न्याय प्रायः मनुष्यों को पाप का दण्ड देना होता है।
- "न्याय करना" इसका अर्थ हो सकता है, "दोषी ठहराना।" परमेश्वर अपने लोगों से कहता है कि वे एक दूसरे का ऐसा न्याय नहीं करें।
- इसका एक और अर्थ है "के बीच मध्यस्थता" या "दो मनुष्यों का न्याय करना" कि मतभेद में कौन सही है।
- कुछ प्रकरणों में परमेश्वर के "न्याय" का अर्थ है परमेश्वर ने किस बात को उचित एवं न्याय सम्मत ठहराया है। यह उसके आदेश, नियमों या अध्यादेशों के अनुरूप है।
- "न्याय" का संदर्भ बुद्धिमानी का निर्णय लेने की क्षमता। जिस मनुष्य में "न्याय" की कमी है उसमें बुद्धिमानी के निर्णय लेने की योग्यता नहीं है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "न्याय करना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "निर्णय लेना" या "दोषी ठहराना" या "दण्ड देना" या "आज्ञा देना"
- "न्याय" का अनुवाद "दण्ड" या "निर्णय" या "आदेश" या "आज्ञा" या "दोष देने" के रूप में किया जा सकता है।
- कुछ प्रकरणों में "न्याय में" का अनुवाद हो सकता है, "न्याय के दिन" या "परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के न्याय का समय।"

(यह भी देखें: आदेश, न्यायी, न्याय का दिन, उचित, नियम, व्यवस्था)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 यूहन्ता 4:17](#)
- [1 राजा 3:9](#)
- [प्रे.का. 10:42-43](#)
- [यशायाह 3:14](#)
- [याकूब 2:4](#)
- [लूका 6:37](#)
- [मीका 3:9-11](#)
- भजन संहिता 54:1

बाह्यबल की कहानियों के उदाहरणः

- **19:16** उन भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी देना आरंभ किया कि, यदि उन्होंने दुष्ट कार्य करना बंद न किया, और परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करना आरंभ न किया, तो परमेश्वर उन्हें **दोषी ठहराएगा** और उन्हें दण्डित करेंगा।
- **_21:08_** राजा वह होता है जो राज्य पर शासन करता है और लोगों का **न्याय** करता है। मसीह एक सिद्ध राजा होगा जो की दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। वह हमेशा के लिए संसार पर राज्य करेगा, और सदैव सच्चाई से **न्याय** करेगा और उचित निर्णय लेगा।
- **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या जरूरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या **न्याय** है?”
- **50:14** परन्तु जो यीशु पर विश्वास नहीं करेंगे परमेश्वर उनमें से हर एक का **न्याय करेंगे**। वह उन्हें नरक में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0148, H0430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G01440, G03500, G09680, G11060, G12520, G13410, G13450, G13480, G13490, G29170, G29190, G29200, G29220, G29230, G42320

न्यायी

परिभाषा:

न्यायी वह व्यक्ति है जो सही और गलत का निर्णय लेता है, विशेष करके विधि संबंधित विषयों में जब लोगों में मतभेद हो।

- बाइबल में परमेश्वर को अधिकतर एक न्यायी कहा गया है क्योंकि वही एकमात्र सिद्ध न्यायी है जो सही या गलत का अन्तिम निर्णय देता है।
- इसाएल जब कनान में प्रवेश कर गया और उनके राजाओं से पूर्व परमेश्वर उनके लिए अगुवे नियुक्त करता था कि संकट के समय उनकी अगुआई करे इन अगुओं को न्यायी कहा गया है। ये न्यायी अधिकतर सैनिक अगुवे थे जिन्होंने शत्रु को पराजित करके इसाएलियों का उद्धार किया था।
- “न्यायी” को “निर्णय लेने वाला” या “अगुआ” या “मुक्तिदाता” या “अधिपति” कह सकते हैं परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: हाकिम, न्यायी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ

- [2 तीमुथियुस 4:8](#)
- [प्रे.का. 7:27](#)
- [लूका 11:19](#)
- [लूका 12:14](#)
- [लूका 18:1-2](#)
- [मत्ती 05:25](#)
- [रूत 1:1](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H6414, H6416, H6419, H8199, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

न्यायोचित

परिभाषा:

“न्यायोचित” और “न्याय” इन शब्दों का सन्दर्भ मनुष्यों के साथ परमेश्वर की व्यवस्था के अनुकूल निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो उचित व्यवहार के परमेश्वर के मानकों को प्रकट करते हैं, वे भी न्यायोचित होते हैं।

- “न्यायसंगत” होने का अर्थ है, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष और उचित व्यवहार करना। इसमें परमेश्वर की दृष्टि में नैतीता में उचित काम करने की सत्यनिष्ठा और एकनिष्ठा।
- “न्यायोचित” व्यवहार करना अर्थात् मनुष्यों के साथ परमेश्वर की व्यवस्था के अनुकूल न्याय, भला और उचित व्यवहार करना।
- “न्याय” पाना अर्थात् विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों द्वारा सुरक्षा या नियमों के उल्लंघन का दंड।
- कभी-कभी “न्यायोचित” शब्द का अर्थ अधिक व्यापक होता है, जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

“अन्याय” और “अन्याय से” इन शब्दों का सन्दर्भ मनुष्यों के साथ पक्षपात और हानिकारक व्यवहार से है।

- "अन्याय" का अर्थ है, किसी के साथ बुरा करना जिसके योग्य वह नहीं है। इसका सन्दर्भ मनुष्यों में पक्षपात करने से है।
- "अन्याय" का अर्थ यह भी होता है कि कुछ लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है जबकि दूसरों के साथ अछा व्यवहार किया जाता है।
- जो मनुष्य अन्याय का व्यवहार करता है, वह "पक्षपाती" या "अपकारी" कहते हैं क्योंकि वह सबके साथ समता का व्यवहार नहीं करता है।

"न्याय करना" और "न्यायसंगत ठहराना", इन शब्दों का सन्दर्भ एक दोषी मनुष्य को न्यायोचित ठहराने से है। केवल परमेश्वर मनुष्य को वास्तव में न्यायोचित ठहराता है।

- जब परमेश्वर मनुष्य को न्यायोचित कह देता है तब वह ऐसा कर देता है कि जैसे उनमें कोई पाप नहीं है। वह मन फिराने वाले पापियों को जो अपने पापों से उद्धार पाने के लिए यीशु में विश्वास करते हैं, उनको न्यायोचित ठहराता है।
- "न्यायोचित" शब्द का सन्दर्भ मनुष्यों के पापों की क्षमा और उसकी दृष्टि में धर्मी ठहराए जाने के परमेश्वर के काम के सन्दर्भ में है।

(यह भी देखें: न्यायी, धर्मजन, सीधा, क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

- प्रकरण के अनुसार, "न्यायोचित" का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं "नैतिकता में उचित" या "निष्पक्ष"।
- "न्याय" का अनुवाद हो सकता है, "निष्पक्ष व्यवहार" या "योग्य परिणाम"।
- "न्यायसंगत काम" का अनुवाद हो सकता है, "निष्पक्ष व्यवहार" या "न्यायोचित व्यवहार"
- कुछ प्रकरणों में "न्यायोचित" शब्द का अनुवाद "धर्मी" या "खरा" भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, "अन्याय" का अनुवाद "पक्षपात" या "अपकार" या "अधर्म" भी हो सकता है।
- "अधर्मी लोग" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "अन्यायी लोग" या "अपकारी लोग" या "मनुष्यों के साथ पक्षपात करने वाले लोग" या "धर्म विरोधी लोग" या "परमेश्वर के अवशाकारी लोग"
- "अन्यायपूर्ण" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "पक्षपाती व्यवहार मनें" या "अनुचित रूप से" या "अपकार में"
- "अन्याय का अनुवाद हो सकता है, "अनुचित व्यवहार" या "पक्षपात का काम"

(देखें: abstractnouns)

- "न्यायोचित ठहराना" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, किसी को "धर्मी ठहराना" या "किसी के लिए "धर्मी होने का कारण बनना"
- "औचित्य" का अनुवाद हो सकता है, "धर्मी घोषित किया जाना" या "धर्मी हो जाना" या "मनुष्यों के धर्मी होने का कारण होना"
- "औचित्य का परिणाम होना", इसका अनुवाद हो सकता है, "जिससे कि परमेश्वर ने अनेक मनुष्यों को धर्मी ठहराया है" या "जिसका परिणाम हुआ कि परमेश्वर अनेक मनुष्यों के लिए धर्मी होने का कारण बना"

"हमें धर्मी ठहराने के लिए", इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, "जिससे कि हम परमेश्वर के द्वारा धर्मी ठहराए जाएं"

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 17:9 दाऊद ने कई वर्षों तक **न्याय** व निषा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
- 18:13 कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
- 19:16 उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए **न्याय** और उन पर दया करना आरंभ करें।
- 50:17 यीशु अपने राज्य में शान्ति व **न्याय** का शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।
- उत्पत्ति 44:16
- 1 इतिहास 18:14
- यशायाह 04:3-4
- यिर्मायाह 22:03
- यहेजकेल 18:16-17
- मिका 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:19
- मत्ती 23:23-24
- लूका 18:03
- लूका 18:08
- लूका 18:13-14
- लूका 21:20-22
- लूका 23:41
- प्रे.का. 13:38-39
- प्रे.का. 28:04
- रोमियों 04:1-3
- गलातियों 03:6-9
- गलातियों 03:11
- गलातियों 05:3-4
- तीतुस 03:6-7

- [इब्रानियों 06:10](#)
- [याकूब 02:24](#)
- [प्रका. 15:3-4](#)

शब्द तथ्य

- स्ट्रोंग्स: H0205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G00910, G00930, G00940, G13420, G13440, G13450, G13460, G13470, G17380

पकड़वाना

परिभाषा:

“पकड़वाना” (धोखा देना) का अर्थ है, ऐसा व्यवहार करना जिससे किसी के साथ धोखा हो और उसकी हानि हो।

- यहूदा “पकड़वाने वाला” था क्योंकि उसने यहूदी अगुओं को युक्ति सुझाई थी कि यीशु को कैसे पकड़ें।
- यहूदा द्वारा विश्वासघात विशेष पाप था, क्योंकि वह यीशु का चेला था और उसने पैसों के बदले में यहूदी अगुओं को जानकारी दी थी जिसका परिणाम यीशु की अन्यायी मृत्यु से हुआ।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “पकड़वाना” का अनुवाद “धोखा देना और हानि पहुंचाना” या “बैरियों के हाथों में कर देना” या “निर्दयता का व्यवहार करना” हो सकता है।
- “पकड़वानेवाला” शब्द का अनुवाद “धोखा देने वाला मनुष्य” या “दुचित्ता व्यवहारी” या “द्रोही” हो सकता है।

(यह भी देखें: यहूद इस्करियोती, यहूदी अगुवे, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:52](#)
- [यूहन्ना 6:64](#)
- [यूहन्ना 13:22](#)
- [मत्ती 10:4](#)
- [मत्ती 26:22](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **21:11** भविष्यद्वक्ता ओं ने पहले से भविष्यवाणी की थी, कि मसीह को मारने वाले उसके कपड़ों के लिए चिट्ठियां डालेंगे और उसका परम मित्र उसे **धोखा देगा**। जकर्याह भविष्यवक्ता ने पहले से ही भविष्यवाणी की थी, कि मसीह का ही एक चेला उसे तीस चाँदी के सिक्कों के लिए **धोखा देगा**।
- **38:2** यीशु और चेलों द्वारा यरूशलेम पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओं के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ **विश्वासघात** करने का प्रस्ताव रखा।
- **38:3** यहूदी गुरुओं ने महायाजक के नेतृत्व में यीशु को **पकड़वाने** के लिए के लिये यहूदा को तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:6** फिर यीशु ने अपने चेलों से कहा, “तुम में से एक मुझे **पकड़वाएगा**।” यीशु ने कहा कि, “जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा दूँगा वही मेरा **पकड़वाने वाला होगा**।”
- **38:13** जब यीशु तीसरी बार प्रार्थना करके आया तो उसने अपने चेलों से कहा कि, “उठो, मेरे **पकड़ने वाले** आ गए हैं।”
- **38:14** यीशु ने यहूदा से कहा कि, “**तूने मुझे पकड़वाने** के लिए चूमा है।”
- **39:8** **विश्वासघाती** यहूदा, ने देखा कि यहूदी अगुओं ने यीशु को मृत्यु दंड का दोषी ठहराया है, तो वह शोकातुर हो गया और उसने जाकर आत्महत्या कर ली।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H7411, G38600, G42730

पड़ोसी

परिभाषा:

"पड़ोसी" शब्द प्रायः उस मनुष्य के सन्दर्भ में काम में आता है जो किसी के निकट रहता है। अधिक सर्वनिष्ठ अर्थ में देखा जाए तो इसका सन्दर्भ एक ही समुदाय या जाति के मनुष्य से हो सकता है।

- "पड़ोसी" वह मनुष्य होता है जो सुरक्षा और दया का पात्र होता है क्योंकि वह एक ही समुदाय का सदस्य है।
- नये नियम में नेक सामरी के दृष्टान्त में यीशु ने "पड़ोसी" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए, जिस शब्द का अर्थ हो, "निकट रहनेवाला व्यक्ति"।

(यह भी देखें: बैरी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:26-28](#)
- [इफिसियो 4:25-27](#)
- [गलातियों 5:14](#)
- [याकूब 2:8](#)
- [यूहन्ना 9:8-9](#)
- [लूका 1:58](#)
- [मत्ती 5:43](#)
- [मत्ती 19:19](#)
- [मत्ती 22:39](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पण्डुकी

परिभाषा:

पण्डुकी और कबूतर दो छोटे भूरे रंग के पक्षी हैं जो एक से दिखते हैं। पण्डुकी की रंग में हल्की होती है, लगभग सफेद।

- कुछ भाषाओं में इन दोनों पक्षियों के नाम अलग-अलग हैं और कुछ भाषाएं दोनों पक्षियों के लिए एक ही नाम काम में लेते हैं।
- पण्डुकी और कबूतर दोनों परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने के काम में आते थे, विशेष करके उन मनुष्यों द्वारा जो बड़ा पशु खरीदने की क्षमता नहीं रखते थे।
- जब जल प्रलय का पानी घट रहा था तब पण्डुकी जैतून का पत्ता लेकर नूह के पास लौट आई थी।
- पण्डुकी कभी-कभी पवित्रता, निर्दोषिता और शान्ति का प्रतीक भी है।
- यदि अनुवाद की भाषा में पण्डुकी और कबूतर नहीं हैं तो इसका अनुवाद किया जा सकता है, "एक छोटा भूरा पक्षी जो पण्डुकी कहलाता है" या "एक छोटा भूरे रंग का पक्षी जो (किसी स्थानीय पक्षी का नाम) के समान दिखता है।"
- यदि पण्डुकी और कबूतर दोनों का उल्लेख एक ही पद में है तो उचित होगा कि यथासंभव दो अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: जैतून, निर्दोष, शुद्ध करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 8:9](#)
- [लूका 2:22-24](#)
- [मरकुस 1:10](#)
- [मत्ती 3:16](#)
- [मत्ती 21:12-14](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1469, H1686, H3123, H8449, G40580

पतरस**तथ्यः**

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमैन था।
- बाद में यीशु ने उसे “कैफा” नाम दिया जिसका अर्थ है “पत्थर या चट्टान” अरामी भाषा में। पतरस का अर्थ यनानी भाषा में “पत्थर” या “चट्टान” होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: चेले, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 8:25](#)
- [गलातियों 2:6-8](#)
- [गलातियों 2:12](#)
- [लूका 22:58](#)
- [मरकुस 3:16](#)
- [मत्ती 4:18-20](#)
- [मत्ती 8:14](#)
- [मत्ती 14:30](#)
- [मत्ती 26:33-35](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **28:9** इस पर **पतरस** ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं। तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?”
- **29:1** एक दिन **पतरस** ने पास आकर यीशु से पूछा, “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:5** फिर **पतरस** ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे” यीशु ने **पतरस** से कहा, “आ।”
- **36:1** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, **पतरस**, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया।
- **38:9** **पतरस** ने कहा, “यदि सब तुझे छोड़ दे तो भी, मैं नहीं छोड़ूँगा। | यीशु ने **पतरस** से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, **पतरस**, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा। | फिर भी आज की रात, मुर्ग के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मेरा इनकार कर देगा।”
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, **पतरस** ने अपनी तलवार निकाल ली और महायाजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया।

- 43:11 पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- 44:8 तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, "यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।"

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G27860, G40740, G46130

पत्थर

परिभाषा:

पत्थर चट्ठान का टुकड़ा होता है। किसी को "पथरवाह" करने का अर्थ है, उस पर पत्थरों और बड़े-बड़े पत्थरों से प्रहार करना जिसमें उसकी हत्या करने की मंशा हो। "पथरवाह करना" एक घटना है जिसमें किसी को पथरवाह किया जाता था।

- प्राचीन समय में, लोगों को उनके किए गए अपराधों के दंड स्वरूप पथरवाह करके मृत्युदंड देना एक सामान्य प्रथा थी।
- परमेश्वर ने इसाएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि कुछ पापों का दंड पथरवाह किया जाना हो जैसे व्यभिचार का पाप।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में पकड़ी गई एक महिला को क्षमा कर दिया था और लोगों को उसे पथरवाह करने से रोक दिया था।
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए पथरवाह करके मार डाला जाने वाला बाईबल में पहला शहीद था।
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पथरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: परस्तीगमन, करना, अपराध, मृत्यु, लुस्त्रा, गवाही)

बाईबल के सन्दर्भः

- प्रे.का. 7:57-58
- प्रे.का. 7:59-60
- प्रे.का. 14:5
- प्रे.का. 14:19-20
- यूह. 8:4-6
- लूका 13:34
- लूका 20:6
- मत्ती. 23:37-39

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H0068, H0069, H0810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G26420, G29910, G30340, G30350, G30360, G30370, G40740, G43480, G55860

पद्धनराम

तथ्यः

पद्धनराम वह क्षेत्र था जहां अब्राहम कनान आने से पहले वास करता था। इसका अर्थ है, "अराम के मैदान।"

- जब अब्राहम ने पद्धनराम के हारान नगर से कनान के लिए कूच किया था तब उसका अधिकांश कुटुम्ब हारान में ही रह गया था।
- वर्षों बाद अब्राहम का सेवक पद्धनराम गया कि इसहाक के लिए पत्नी ले आए और वहां अब्राहम के कुटुम्बियों में बतूएल की प्रपौत्री रिबका को चुना।
- इसहाक और रिबका का पुत्र याकूब भी पद्धनराम गया था और वहां रिबका के भाई लाबान के दोनों पुत्रियों से विवाह किया।
- अराम पद्धनराम और अरामनहरेम सब एक ही क्षेत्र के विभिन्न भाग थे जो आज के सीरिया में हैं।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, अराम, बेतूएल, कनान, हारान, याकूब, लाबान, रिबका, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 28:1-2](#)
- [उत्पत्ति 35:9-10](#)
- [उत्पत्ति 46:12-15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6307

परखना

परिभाषा:

“परीक्षा” का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता है। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मजबूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- “परख कर देखना” अर्थात् “किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझावः

- “परखना” का अनुवाद हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों का अनुभव करवाना” या “सिद्ध करना”।
- “परखना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का अनुवाद हो सकता है, “परीक्षा करना” या “चुनौती देना” या “किसी को विवश करना कि स्वयं को सिद्ध करे।”
- परमेश्वर की परीक्षा लेने के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।”
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, “परखना” का अर्थ “परीक्षा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 4:1](#)
- [1 थिसलुनीकियों 5:21](#)
- [प्रे.का. 15:10](#)
- [उत्पत्ति 22:1](#)
- [यशा. 7:13](#)
- [याकूब 1:12](#)
- [विलापगीत 3:40-43](#)
- [मलाकी 3:10](#)
- [फिलिष्यों 1:10](#)
- भजन संहिता 26:2

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5254, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1382, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G3984, G4303, G4451, G4828, G6020

परदा

परिभाषा:

बाइबल में “परदा” शब्द बहुत मोटी और भारी चद्दर के सन्दर्भ में काम में लिया गया है जिससे मिलाप वाले तम्बू और मंदिर को बनाया गया था।

- निवास स्थान परदों की चार परतों द्वारा बनाया गया था। ऊपर के लिए और पक्षों के लिए। ये परदे पशुओं की खाल या कपड़ों के थे।
- निवास के चारों ओर प्रांगण को ढांपने के लिए दीवार स्वरूप परदे डाले गए थे। ये परदे “सन” से बने थे ये जो एक प्रकार का कपड़ा है जो सन के पौधे से बनाया जाता था।
- निवास (मण्डप) और मन्दिर में पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान के मध्य कपड़े का एक बहुत मोटा परदा था। यही वह परदा था जो यीशु की मृत्यु पर चमकारी रूप से फट कर दो भाग हो गया था।

अनुवाद के सुझावः

- क्योंकि आधुनिक युग के परदे बाइबल के समय में काम में आनेवाले परदों से सर्वथा भिन्न हैं, भिन्न शब्द का उपयोग करना या व्याख्या हेतु अन्य शब्दों को जोड़ना उचित होगा।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परदे का आवरण” या “आवरण” या “मोटा कपड़ा” या “पशु की खाल का आवरण” या “लटकनेवाला कपड़ा”।

(यह भी देखें: पवित्र स्थान, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भः

- [इब्रानियों 10:20](#)
- [लैव्यव्यवस्था 4:17](#)
- [लूका 23:45](#)
- [मत्ती 27:51](#)
- [गिनती 4:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1852, H3407, H4539, H6532, H7050, G26650

परदा

परिभाषा:

शब्द "परदा" आमतौर पर कपड़े के एक पतले टुकड़े को संदर्भित करता है जिसका उपयोग सिर को ढंकने के लिए किया जाता है, सिर या चेहरे को ढंकने के लिए ताकि इसे देखा न जा सके।

- यहोवा की उपस्थिति में रहने के बाद मूसा ने अपने चेहरे पर परदा डाल लिया था कि उसके चेहरे की चमक इसाएलियों से छिपी रहे।
- बाइबल में स्त्रियां पुरुषों के सामने या सार्वजनिक स्थानों में, सिर ढांकने के लिए और अधिकतर चेहरा भी ढांकने के लिए परदा डालती थी।
- "परदा डालना" क्रिया का अर्थ है किसी वस्तु को परदे से ढकना।
- कुछ अंग्रेजी संस्करणों में, "परदा" शब्द का उपयोग उस मोटे पर्दे को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जो अति पवित्र स्थान प्रवेश द्वारा को ढकता है। लेकिन "पर्दा" उस संदर्भ में एक बेहतर शब्द है, क्योंकि यह कपड़े के भारी, मोटे टुकड़े को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परदा" शब्द का अनुवाद "पतले कपड़े का आवरण" या "कपड़े का आवरण" या "सिर ढांकना" हो सकता है।
- कुछ संस्कृतियों में स्त्रियों के परदे के लिए अलग शब्द होगा। मूसा के लिए एक अन्य शब्द काम में लेना जरूरी होगा।

(यह भी देखें: मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 कुरियियों 3:12-13](#)
- [2 कुरियियों 03:16](#)
- [यहेजकेल 13:18](#)
- [यशायाह 47:1-2](#)
- [श्रेष्ठगीत 4:3](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4304, H4533, H4555, H6777, H6809, H7196, H7479, G03430, G25710, G25720

परदेशी

परिभाषा:

"परदेशी" अर्थात् किसी अन्य देश में रहनेवाला। "परदेशी" का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का अनुवाद “अनजान” भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह “अपरिचित” या “अज्ञात मनुष्य” है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 02:17-18](#)
- [प्रे.का. 07:29-30](#)
- [व्यवस्थाविवरण 01:15-16](#)
- [उत्पत्ति 15:12-13](#)
- [उत्पत्ति 17:24-27](#)
- [लूका 17:17-19](#)
- [मत्ती 17:24-25](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

परमप्रधान

तथ्यः

“परमप्रधान” शब्द परमेश्वर का उपनाम है। इसका संदर्भ उसकी महानता और अधिकार से है।

- इस शब्द का अर्थ “प्रभुता संपन्न” या “सर्वोच्च” जैसा ही है।
- इस पदनाम में ऊँचा का अभिप्राय भौतिक ऊँचाई या दूरी से नहीं है। इसका संदर्भ महानता से है।

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “परमप्रधान परमेश्वर” या “सर्वोच्च प्राणी” या “सर्वोच्च परमेश्वर” या “सबसे बड़ा” या “सर्वोपरि” या “सबसे महान परमेश्वर”
- यदि “ऊँचा” शब्द का उपयोग किया गया तो सुनिश्चित करें कि उसका अभिप्राय ऊँचाई या लम्बाई न हो।

(यह भी देखें: परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 7:47-50](#)
- [प्रे.का. 16:16-18](#)
- [दानियेल 4:17-18](#)
- [व्यवस्थाविवरण 32:7-8](#)
- [उत्पत्ति 14:17-18](#)
- [इब्रानियों 7:1-3](#)
- [होशो 7:16](#)
- [विलापगीत 3:35](#)
- [लूका 1:32](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5945, G53100

परमेश्वर

तथ्यः

बाइबल में “परमेश्वर” का संदर्भ शाश्वत प्राणी से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा निभाने वाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्यों को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और वही एकमात्र है जिसकी उपासना करना मनुष्यों के लिए आवश्यक है।
- परमेश्वर ने अपना नाम "यहोवा" बताया है जिसका अर्थ है, "वह है" या "मैं हूँ" या "जो हमेशा से है।"
- बाइबल में इूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मृतियां हैं, उनकी उपासना करना मनुष्य की भूल है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दिव्य शक्ति" या "सृजनहार" या "सर्वोच्च प्राणी" या सर्वोच्च सृजनहार" या "अनंत परमप्रधान प्रभु" या "अनंत सर्वोच्च अस्तित्व"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लाक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए उसका कोई एक शब्द है। यदि है तो महत्वपूर्ण होगा कि सुनिश्चित किया जाए कि वह शब्द एकमात्र सच्चे परमेश्वर के उन गुणों के अनुरूप है जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है।

- अनेक भाषाओं में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के लिए प्रयुक्त शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा कर दिया जाता है की झूठे देवताओं के लिए काम में लिए गए शब्द से भिन्न हो। इस अंतर को प्रकट करने की एक और विधि है, "परमेश्वर" और "देवताओं" के लिए अलग-अलग शब्दों का प्रयोग किया जाए। टिप्पणी: बाईबल के लेखों में, जब कोई मनुष्य जो यहोवा की उपासना नहीं करता है, यहोवा की बात करते समय "ईश्वर" शब्द का प्रयोग करता है तो यहोवा के सन्दर्भ में इस शब्द को बिना बड़े अक्षर के लिखना स्वीकार्य है। (देखें योना 1:6, 3:9)
- "मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे", इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।"

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: रचना, झूठे देवता, पिता परमेश्वर, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 यूह. 1:7](#)
- [1 शमूएल 10:7-8](#)
- [1 तीमुथियुस 4:10](#)
- [कुलस्सियों 1: 16](#)
- [व्य. 29:14-16](#)
- [एज्रा 3:1-2](#)
- [उत्पत्ति 1:2](#)
- [होशे 4:11-12](#)
- [यशा. 36:6-7](#)
- [याकूब 2:20](#)
- [यिर्मियाह 5:5](#)
- [यूह. 1:3](#)
- [यहोशु. 3:9-11](#)
- [विलाप 3:43](#)
- [मीका 4:5](#)
- [फिलि. 2:6](#)
- [नीतिवचन 24:12](#)
- भजन-संहिता 47:9

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **1:1** परमेश्वर ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **1:15** परमेश्वर ने अपने रूप में पुरुष और स्त्री को बनाया।
- **5:3** "मैं परमेश्वर सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **9:14** परमेश्वर ने कहा, "मैं जो हूँ, सो हूँ। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ' है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।" यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, यहोवा हूँ।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।"

- **10:2** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था, कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओं से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:1** इसाएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियों के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:7** और तू हे बालक, **परमप्रधान परमेश्वर** का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:9** ”केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:7** ”कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।”
- **28:1** ”जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है।”
- **49:9** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा **परमेश्वर** के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन परमेश्वर एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H0136, H0305, H0410, H0426, H0430, H0433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G01120, G05160, G09320, G09350, G10960, G11400, G20980, G21240, G21280, G21500, G21520, G21530, G22990, G23040, G23050, G23120, G23130, G23140, G23150, G23160, G23170, G23180, G23190, G23200, G33610, G37850, G41510, G52070, G53770, G54630, G55370, G55380

परमेश्वर का जन**तथ्य:**

”परमेश्वर का जन“ यहोवा के भविष्यद्वक्ता को संबोधित करने की एक सम्मान-सूचक उक्ति है। यह उक्ति यहोवा के स्वर्गदूत के संदर्भ में भी काम में ली गई है।

- भविष्यद्वक्ता के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, ”परमेश्वर का अपना जन“ या ”परमेश्वर का चुना हुआ मनुष्य“ या ”परमेश्वर का सेवक जन。“
- स्वर्गदूत के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, ”परमेश्वर का सन्देश-वाहक“ या ”तेरा स्वर्गदूत“ या ”परमेश्वर की ओर से एक स्वार्गिक प्राणी जो मनुष्य जैसा दिखता है।“

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, सम्मान, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 23:12-14](#)
- [1 राजा 12:22](#)
- [1 शमूएल 09:9-11](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H376, H430, G444, G2316

परमेश्वर का पुत्र**तथ्य:**

”परमेश्वर का पुत्र“ अर्थात् यीशु, परमेश्वर का वचन, जो संसार में मानव रूप में आया। उसे प्रायः ”पुत्र“ भी कहा गया है।

- परमेश्वर के पुत्र में पिता परमेश्वर के सब गुण हैं वरन् वह स्वयं ही परमेश्वर है।
- पिता परमेश्वर, पुत्र परमेश्वर, तथा पवित्र आत्मा परमेश्वर एक ही हैं।
- मानव पुत्रों के विपरीत, परमेश्वर का पुत्र हमेशा अस्तित्व में है।
- आरंभ में परमेश्वर का पुत्र ब्रह्माण्ड की रचना में सक्रिय था, पिता और पवित्र आत्मा के साथ। परमेश्वर पुत्र होने के कारण यीशु पिता परमेश्वर से प्रेम करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है और उसका पिता परमेश्वर उससे प्रेम करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर का पुत्र” के लिए “पुत्र” ही अनुवाद करना सर्वोत्तम शब्द है जो लक्षित भाषा में मानवीय पुत्र के लिए काम में लिया जाता है।
- सुनिश्चित करें कि “पुत्र” शब्द उस शब्द से सुसंगत हो जिसको पिता के लिए काम में लिया गया है और ये शब्द पिता-पुत्र का संबन्ध दर्शाने के लिए लक्षित भाषा में अति सामान्य शब्द है।
- “पुत्र” शब्द को यदि कुछ इस प्रकार लिखा जाए कि उससे उसकी परमेश्वर होने की विशिष्टता प्रकट हो तो उचित होगा जैसे अंग्रेजी भाषा में “एस” अक्षर को बड़ा लिख सकते हैं।
- “पुत्र” शब्द “परमेश्वर का पुत्र” का छोटा रूप है, खासकर जब यह उसी संदर्भ में प्रकट हो जिसमें “पिता”प्रकट होता है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, पूर्वजों, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, यीशु, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र।)

बाइबल संदर्भ:

- [1 यूहन्ना 04:9-10](#)
- [प्रे.का. 09:20-22](#)
- [कुलस्तियों 01: 15-17](#)
- [गलतियों 02: 20-21](#)
- [इब्रानियों 04: 14-16](#)
- [यूह. 03:16-18](#)
- [लूका 10:22](#)
- [मत्ती 11:25-27](#)
- [प्रकाशितवाक्य 02:18-19](#)
- [रोमियो 08:28-30](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **22:5** स्वर्गदूत ने उसको समझाया, "पवित्र आत्मा तुम्हारे पास आएगा, और परमेश्वर की शक्ति तुम पर छाया करेगी। इसलिए बच्चा पवित्र होगा, _परमेश्वर का पुत्र_!"
- **_24:9_** परमेश्वर ने यूहन्ना से कहा था कि, "पवित्र आत्मा किसी एक पर उतरेगा जिसे तू बपतिस्मा देगा। वह **परमेश्वर का पुत्र** है।"
- **31:8** चेले चकित थे। उन्होंने यीशु की आराधना की, और कहा, "सचमुच, तू **परमेश्वर का पुत्र** हैं।";
- **37:5** मार्था ने उत्तर दिया, "हाँ, स्वामी! मेरा विश्वास है कि तू मसीहा है, **परमेश्वर के पुत्र**।"
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और **_पुत्र_**, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **46:6** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु **परमेश्वर का पुत्र** है!"

- 49:9 लेकिन परमेश्वर दुनिया में हर किसी से इतना प्यार करता था कि उसने अपना एकमात्र _पुत्र_ दे दिया ताकि जो कोई भी यीशु पर विश्वास करे, उसके पापों के लिए दंडित नहीं दिया जाएगा, परन्तु वह हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ जीवित रहेगा।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0426, H0430, H1121, H1247, G23160, G52070

परमेश्वर का प्रतिरूप

परिभाषा:

मूरत का अर्थ है किसी के स्वरूप में या चरित्र या तत्व में किसी के समान। “परमेश्वर का प्रतिरूप” प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न रूप में काम में लिया गया है।

- आरंभ में परमेश्वर ने मनुष्य को “अपने स्वरूप” में सूजा था अर्थात् उसकी समानता में। इसका अर्थ है कि मनुष्य के कुछ गुण परमेश्वर के स्वरूप को दर्शाते हैं जैसे भावनाओं की अनुभूति की क्षमता, तर्क करने और विचारों का आदान प्रदान करने की क्षमता और अनश्वर आत्मा।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार यीशु परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का प्रतिरूप है अर्थात् वह परमेश्वर है। यीशु सूजा नहीं गया था जैसे मनुष्य सूजा गया था। अनादिकाल से पुत्र परमेश्वर में परमेश्वर के सब गुण हैं, क्योंकि उसके पास पिता परमेश्वर का संपूर्ण तत्त्व है।

अनुवाद के सुझावः

- जब यीशु को परमेश्वर का प्रतिरूप कहा जाता है तो अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की यथार्थ समानता में” या “परमेश्वर के तत्त्व में” या “परमेश्वर के अस्तित्व में”।
- मनुष्यों के संदर्भ में “परमेश्वर ने उसे अपने स्वरूप में बनाया” का अनुवाद इस प्रकार की उक्तियों से किया जाए जिनका अर्थ है, “परमेश्वर ने उसे अपनी समानता में बनाया” या “परमेश्वर ने उसे अपने जैसे गुणों में बनाया”।

(यह भी देखें: रूप, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 कुरियियो 04:3-4](#)
- [कुलस्सियो 03:9-11](#)
- [उत्पत्ति 01:26-27](#)
- [उत्पत्ति 09:5-7](#)
- [याकूब 03:9-10](#)
- [रोमियो 08:28-30](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4541, H1544, H2553, H6456, H6459, H6754, H6816, H8403, G504, G179

परमेश्वर का भवन

परिभाषा:

बाइबल में “परमेश्वर के भवन” (परमेश्वर का घर) और “यहोवा के भवन (यहोवा का घर) का सन्दर्भ उस स्थान से है जहां परमेश्वर की आराधना की जाती है।

- यह शब्द अधिक विशिष्टता में मिलापवाले तम्बू या मन्दिर के लिए काम में आता था।
- कभी-कभी “परमेश्वर का मंदिर”, परमेश्वर की प्रजा के लिए भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- आराधना स्थल के संबन्ध में इस उक्ति का अनुवाद “परमेश्वर की आराधना का भवन” या “परमेश्वर की आराधना का स्थान” किया जा सकता है।
- यदि यह मन्दिर या मिलापवाले तम्बू के विषय में है तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मन्दिर (या मिलापवाला तम्बू) जहां परमेश्वर की आराधना की जाती है” (या “जहां परमेश्वर उपस्थित रहता है” या “जहाँ परमेश्वर अपने लोगों से मिलता है।”)
- अनुवाद में “घर” शब्द का उपयोग करना महत्वपूर्ण है जिससे कि अर्थ प्रकाशन हो सके कि परमेश्वर वहाँ “निवास” करता है, अर्थात् परमेश्वर का आत्मा उस स्थान में है कि उसके लोगों से भेंट करे और उनकी आराधना का आधार हो।

(यह भी देखें: परमेश्वर की प्रजा, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियुस 3:14-15](#)
- [2 इतिहास 23:8-9](#)
- [एज्रा 5:13](#)
- [उत्पत्ति 28:17](#)
- [न्यायियों 18:30-31](#)
- [मरकुस 2:26](#)
- [मत्ती 12:4](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0426, H0430, H1004, H1005, H3068, G23160, G36240

परमेश्वर का राज्य

परिभाषा:

“परमेश्वर का राज्य” और “स्वर्ग का राज्य” दोनों ही परमेश्वर के राज्य एवं अधिकार के संदर्भ में हैं जो उसकी प्रजा और संपूर्ण सृष्टि पर है।

- यहूदी "स्वर्ग" शब्द को प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में काम में लेते थे कि उसका नाम न लें। (देखें: लक्षणालंकार)
- नये नियम में मत्ती रचित सुसमाचार वृत्तान्त में मत्ती परमेश्वर के राज्य को "स्वर्ग का राज्य" कहता है क्योंकि उसका लक्षित समूह संभवतः यहूदी समुदाय था।
- परमेश्वर के राज्य का अर्थ है परमेश्वर मनुष्यों पर आत्मिक परिप्रेक्ष्य में राज करता है वरन् लौकिक संसार पर भी राज करता है।
- पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि परमेश्वर अपना मसीह भेजेगा कि वह धार्मिकता के साथ राज करे। परमेश्वर का पुत्र, यीशु ही वह मसीह है जो परमेश्वर के राज्य में सदाकालीन राज करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित "परमेश्वर का राज्य" का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "परमेश्वर का शासन(राजा के रूप में)" या "जब परमेश्वर राजा होकर राज करेगा" या "सब पर परमेश्वर का राज"
- शब्द "स्वर्ग का राज्य", इसका अनुवाद किया जा सकता है, "राजा के रूप में स्वर्ग से परमेश्वर का शासन" या "परमेश्वर जो स्वर्ग में है राज्य करता है" या "स्वर्ग का राज्य" या "सब पर स्वर्ग का शासन।" यदि यह सरल और स्पष्ट रूप से अनुवाद करना संभव नहीं है, तो इस प्रकार अनुवाद किया जा सकता है, "परमेश्वर का राज्य"
- कुछ अनुवादक अंग्रेजी में हेवन(स्वर्ग)शब्द का पहला अक्षर बड़ा रखते हैं ताकि ये परमेश्वर को संदर्भित करे। अन्य पाठ में एक टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे "स्वर्ग का राज्य" (अर्थात् 'परमेश्वर का राज्य')। "
- छपी हुए बाइबल के पृष्ठ के नीचे पादटिप्पणी देकर इस अभिप्राय में "स्वर्ग" इस अभिव्यक्ति में जो "स्वर्ग" का अर्थ है उसको समझाया जा सकता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वर्ग, राजा, राज्य, यहूदियों का राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पिस्सलुनीकियों 1:5](#)
- [प्रे.का. 8:12-13](#)
- [प्रे.का. 28:23](#)
- [कुलस्त्रियों 4:11](#)
- [यूहन्ना 3:3](#)
- [लूका 7:28](#)
- [लूका 10:9](#)
- [लूका 12:31-32](#)
- [मत्ती 3:2](#)
- [मत्ती 4:17](#)
- [मत्ती 5:10](#)
- [रोमियो 14:17](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:2** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **28:6** तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, “मैं तुम से सच सच कहता हूँ कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।”
- **29:2** यीशु ने कहा “इसलिये स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा।
- **34:1** यीशु ने उन्हें स्वर्ग के राज्य के बारे में और कहानियाँ बताई। उदहारण के लिये, उसने कहा, “स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:3** यीशु ने एक और कहानी उन्हें बताई, “स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा खमीरा हो गया।”

- 34:4 “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”
- 34:5 “परमेश्वर का राज्य बहुमूल्य सर्वोत्तम मोती की तरह भी है।”
- 42:9 उसने ऐसे कई तरीकों से अपने चेलों को साबित किया कि वह जीवित है और उन्हें परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देता रहा।
- 49:5 यीशु ने कहा कि **परमेश्वर का राज्य** इस संसार की सारी वस्तुओं से कहीं अधिक मूल्यवान है।
- 50:2 जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, “मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को **परमेश्वर के राज्य** के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।”

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G09320, G23160, G37720

परमेश्वर का वचन

परिभाषा:

बाइबल में “परमेश्वर का वचन” उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी “परमेश्वर का वचन” कहा गया है।

- “पवित्रशास्त्र” का अर्थ है “लेख”। नये नियम में “पवित्रशास्त्र” का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबंधित शब्द है, “यहोवा का वचन” या “प्रभु का वचन” आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, “वचन” या “मेरा वचन” या “तेरा वचन” (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को “वचन” या “परमेश्वर का वचन” कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियाँ हैं, “यहोवा का सन्देश था” “परमेश्वर का सन्देश” या “परमेश्वर की शिक्षाएं”
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, “परमेश्वर के वचन” या “यहोवा के वचन”
- “यहोवा का वचन पहुंचा” यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “यहोवा ने यह सन्देश दिया” या “परमेश्वर ने ये वचन कहे”।
- “पवित्रशास्त्र” या “पवित्रशास्त्रों” का अनुवाद “लेखे” या “परमेश्वर का लिखित सन्देश” के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद “शब्द” से अलग तरह से किया जाना चाहिए।

- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या "परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित, इस शब्द के एनी अनुवाद रूप हो सकते हैं, "यहोवा का सन्देश" या परमेश्वर का सन्देश" या "परमेश्वर की शिओक्शाएन"
- कुछ भाषाओं में अधिक स्वाभिक होगा कि इस शब्द को बहुवचन में बदल दें और कहें "परमेश्वर के वचन" या "यहोवा के वचन"
- "यहोवा का वचन आया", इस अभिव्यक्ति को प्रायः परमेश्वर प्रदत्त वचनों के लिए काम में लिया जाता है जो उसने भविष्यद्वक्ताओं को दी या अपने लोगों को दिए। इसका अनुवाद हो सकता है, "यहोवा ने यह सन्देश उच्चारित किया" या "यहोवा ने इन शब्दों को सुनाया"
- "पवित्रशास्त्र" या "पवित्रास्त्रों" का अनुवाद हो सकता है, "लेख" या "परमेश्वर का लिखित वचन" इसका अनुवाद, "वचन" शब्द के अनुवाद से भिन्न होना चाहिए।
- जब "वचन" शब्द अकेला हो और परमेश्वर के वचन के सन्दर्भ में हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, "सन्देश" या "परमेश्वर का वचन" या "शिक्षाएं" उपरोक्त व्यक्त वैकल्पिक अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बेबल में यीशु को वचन कहकर संदर्भित किया जाता है तब इसका अनुवाद हो सकता है, "सन्देश" या "सत्य"
- "सत्य का वचन", इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का सत्य वचन" या "परमेश्वर का वचन जो सत्य है"

- इस शब्द के अनुवाद में सत्य होने के अभिप्राय कलो समाहित करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, सत्य, यहोवा)

बाह्यबल संदर्भः

- [उत्पत्ति 15:1](#)
- [1राजा. 13:1](#)
- [यिर्म्याह 36:1-3](#)
- [लूका 8:11](#)
- [यूहन्ना 5:39](#)
- [प्रे.का. 6:2](#)
- [प्रे.का. 12:24](#)
- [रोमियो 1:2](#)
- [2 कुरिण्यियो 6:7](#)
- [इफिस्सियो 1:13](#)
- [2तीमृथियुस 3:16](#)
- [याकूब 1:18](#)
- [याकूब 2:8-9](#)

बाह्यबल कहानियों के उदाहरणः

- **25:7** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:6** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।"
- **42:3** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि परमेश्वर का वचन मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:7** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताईं थी कि परमेश्वर के वचन में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने **पवित्र शास्त्र** बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह __ परमेश्वर का वचन__ है।

- 49:18 परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

“परमेश्वर की इच्छा” का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबंधित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- “इच्छा करना” का अर्थ है, “ठान लेना” या “मनोकामना साधना” से है।

अनुवाद के सुझावः

- “परमेश्वर की इच्छा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का मनोरथ क्या है” या “परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है” या “परमेश्वर का उद्देश्य” या “परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है”

बाईबल सन्दर्भः

- [1 यूहन्ना 2:15-17](#)
- [1 थिसलुनीकियों 4:3-6](#)
- [कुलसियों 4:12-14](#)
- [इफिसियों 1:1-2](#)
- [यूहन्ना 5:30-32](#)
- [मरकुस 3:33-35](#)
- [मत्ती 6:8-10](#)
- भजन संहिता 103:21

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की प्रजा

परिभाषा:

“परमेश्वर की प्रजा”, बाईबल में इस इस अवधारणा का सन्दर्भ उन लोगों से है जिनके साथ परमेश्वर ने वाचा बंधकर सम्बन्ध बनाए थे।

- पुराने नियम में "परमेश्वर की प्रजा" इसाएल के संदर्भ में है। परमेश्वर ने इसाएल को चुन कर संसार की अन्यजातियों से अलग कर लिया था कि उसकी सेवा करें और उसकी आज्ञा मानें।
- नये नियम में "परमेश्वर के लोग" का अभिप्राय "कलिसीया" से है अर्थात् वह हर एक मनुष्य जो यीशु में विश्वास करता है। इसमें यहूदी और अन्यजाति विश्वासी दोनों समाहित हैं। नए नियम में, कभी-कभी लोगों के इस समूह को "परमेश्वर के पुत्र" या "परमेश्वर की संतान" कहा जाता है।
- परमेश्वर कहता है "मेरी प्रजा" तो वह उन लोगों के बारे में कह रहा है जिनके साथ उसका सम्बन्ध वाचा आधारित है। परमेश्वर की प्रजा उसके द्वारा कही हुई है और वह चाहता है कि उनका जीवन आचरण ऐसा हो जो उसको प्रसन्न करे।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर की प्रजा" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के लोग" या "परमेश्वर की आराधना करने वाले लोग" या "परमेश्वर की सेवा करने वाले लोग" या "परमेश्वर के अपने लोग"।
- जब परमेश्वर कहता है, "मेरी प्रजा" तब उसका अनुवाद हो सकता है, "जिन लोगों को मैंने चुन लिया है" या "मेरी आराधना करने वाले लोग" या "मेरे अपने लोग"
- इसी प्रकार "तेरी प्रजा" का अनुवाद हो सकता है, "तेरे अपने लोग" या "तेर हो जाने के लिए तुझे चुन लेने वाले लोग"
- "उसकी प्रजा" का अनुवाद हो सकता है, "उसके अपने लोग" या "जिन लोगों को परमेश्वर ने अपना भाग होने के लिए चुन लिया"

(यह भी देखें: इसाएल, जाति)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 11:2](#)
- [प्रे.का. 7:34](#)
- [प्रे.का. 7:51-53](#)
- [प्रे.का. 10:36-38](#)
- [दानियेल 09:24-25](#)
- [यशायाह 2:5-6](#)
- [यिर्मयाह 6:20-22](#)
- [योएल 3:16-17](#)
- [मीका 6: 3-5](#)
- [प्रकाशितवाक्य 13:7-8](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H430, H5971, G2316, G2992

परमेश्वर के पुत्र

परिभाषा:

"परमेश्वर के पुत्र" यह एक प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है जिसके अनेक संभावित अर्थ हैं।

- “परमेश्वर के पुत्र”, नये नियम में इस अभिव्यक्ति का सन्दर्भ यीशु के सब विश्वासियों से है और इसका अनुवाद प्रायः “परमेश्वर की सन्तान” किया जाता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरुष दोनों हैं।
- इस शब्द का उपयोग परमेश्वर के साथ मानवीय पिता-पुत्र के जैसा सम्बन्ध दर्शाता है जिसमें पुत्र होने से संयोजित सब लाभ समाहित हैं।
- उत्पत्ति 6 में चर्चित, “परमेश्वर के पुत्रों” की व्याख्या पतित स्वर्गदूतों (दुष्टात्माओं) के अर्थ में करते हैं। अन्य विचारकों के अनुसार ये लोग सामर्थी राजनीतिक शासकों या शेत के वंशजों से हैं।
- “परमेश्वर का पुत्र” यह उपनाम एक भिन्न उक्ति है: जो यीशु के सन्दर्भ में है जो परमेश्वर का एकमात्र पुत्र है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब “परमेश्वर के पुत्र” यीशु के विश्वासियों के संदर्भ में है तो इसका अनुवाद “परमेश्वर की सन्तान” हो सकता है।
- उत्पत्ति 6:2 मैं “परमेश्वर के पुत्र” के चार अन्य अनुवाद हैं “स्वर्गदूत” या “आत्मिक प्राणी” या “अलौकिक प्राणियों” या “दुष्टात्माएं”।
- “पुत्र” का लिंक भी देखें।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, शासक, आत्मा)

बाह्यबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 6:2
- उत्पत्ति 6:4
- अथूब् 1:6
- रोमियो 8:14

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0430, H1121, G52070, G50430

परमेश्वर पिता

तथ्य:

यह शब्द “पिता परमेश्वर” और “स्वर्गीय पिता” एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा के संदर्भ में हैं। इसी का एक और सहार्थी शब्द है, “पिता” है, जिसका सर्वाधिक प्रयोग यीशु ने किया जब वह उसका सन्दर्भ देता था।

- परमेश्वर का अस्तित्व पिता परमेश्वर, पुत्र परमेश्वर और पवित्र आत्मा परमेश्वर में है। हर एक पूर्ण परमेश्वर होते हुए भी तीनों एक ही परमेश्वर हैं। यह एक ऐसा भेद है जिसे मनुष्य पूर्णतः समझ नहीं सकता।
- पिता परमेश्वर ने पुत्र परमेश्वर (यीशु) को संसार में भेजा और उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा को भेजा।
- जो पुत्र परमेश्वर में विश्वास करता है वह पिता परमेश्वर की सन्तान बन जाता है और पवित्र आत्मा परमेश्वर उसमें वास करने लगता है। यह एक और भेद है जिसे मनुष्य पूर्णतः समझ नहीं सकता।

अनुवाद के सुझाव:

- “पिता परमेश्वर” इस उक्ति के अनुवाद में सर्वोत्तम युक्ति यो यह होगी कि लाक्षित भाषा में जो शब्द सांसारिक पिता के लिए काम में लिया जाता है उसी कप “पिता” शब्द के स्थान में काम में लिया जाए।
- “स्वर्गीय पिता” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “पिता जो स्वर्ग में है” या “पिता परमेश्वर जो स्वर्ग में वास करता है” या “हमारा स्वार्गीक पिता” है।
- जब “पिता” शब्द का सन्दर्भ परमेश्वर से हो तब प्रायः “पिता” शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: पूर्वजों, परमेश्वर, स्वर्ग, पवित्र आत्मा, यीशु परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- [1 कुरियों 8:4-6](#)
- [1 यूह. 2:1](#)

1 यूह. 2:23

- [1 यूह. 3:1](#)
- [कुलस्त्रियों 1: 1-3](#)
- [इफिसियों 5: 18-21](#)
- [लूका 10:22](#)
- [मत्ती 5:16](#)
- [मत्ती 23:9](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **24:9** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता परमेश्वर को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **29:9** तब यीशु ने कहा, "इसी प्रकार यदि तुम मैं से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है, तुम से भी वैसा ही करेगा"
- **37:9** फिर यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, "पिता, मुझे सुनने के लिए धन्यवाद।"
- **40:7** तब यीशु ने पुकार कर कहा, "पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।"
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ।"
- **43:8** "यीशु अब महिमा में पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है।"
- **50:10** तब धर्मीलोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0001, H0002, G39620

परम्परा**परिभाषा:**

परम्परा, प्रथाएं एवं अभ्यास थे जो दीर्घकालीन व्यवहारगत रहे और आनेवाली पीढ़ियों को दिए गए।

- बाइबल में "परम्पराओं" शब्द शब्द का सन्दर्भ प्रायः मानव रचित शिक्षाओं और अभ्यासों से है जो परमेश्वर की व्यवस्था नहीं थी। यह अभिव्यक्ति, "मनुष्यों की परंपरा" या "मानवीय परंपरा" इस को स्पष्ट करती है।
- यह वाक्यांश जैसे, "पूर्वजों की परंपराओं" या "पितरों की परंपराओं" का सन्दर्भ विशेष करके उन यहूदी प्रथाओं और अभ्यासों से है जिनको यहूदी अगुओं ने समय के अंतराल में मूसा प्रदत्त परमेश्वर की व्यवस्था में जोड़ दिया था यद्यपि, ये अनुषांगिक परम्पराएं परमेश्वर प्रदत्त नहीं थीं, मनुष्यों में एक धारणा थी कि धार्मिकता के लिए ये आवश्यक थीं।
- प्रेरित पौलस ने "परम्परा" को अलग तरीके से उपयोग किया जो पत्नेश्वर प्रदत्त मसीही आचरण के सन्दर्भ में शिक्षाओं के सम्बन्ध में थीं और उसने तथा अन्य प्रेरितों ने नविश्वासियों को उनकी शिक्षा दी थी।
- आधुनिक समय में, कई मसीही परंपराएं हैं जो बाइबल में सिखाई नहीं गई हैं। वे परम्पराओं और अभ्यासों के ऐतिहासिक स्वीकरण का परिणाम हैं। इन परम्पराओं का अवलोकन बाइबल में निहित परमेश्वर की शिक्षणों के प्रकाश में की जाना आवश्यक है।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही विश्वासी, पूर्वजों, पीढ़ी, यहूदी, व्यवस्था, मूसा)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 पिस्सलुनीकियों 3:6-9](#)
- [कुलस्सियों 2:8](#)
- [गलातियों 1:13-14](#)
- [मरकुस 7:2](#)
- [मत्ती 15:3](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G38620

परिज्ञी**तथ्यः**

परिज्ञी जाति कनान की अनेक जातियों में से एक थी। इस जाति के बारे में अधिक जानकारी नहीं है कि उनके पूर्वज कौन थे और वे कनान के किसी भाग में रहते थे।

- परिज्ञियों की चर्चा पुराने नियम की पुस्तक यहोशू में बहुत की गई है, वहां लिखा है कि परिज्ञियों ने इस्माएलियों से विवाह किया और उन्हें मूर्ति-पूजा के लिए प्रभावित किया।
- ध्यान दें कि परेज का कुल जिसे परिज्ञी कहा गया है वह परिज्ञी जाति से भिन्न है। यहां आवश्यक है कि दोनों की वर्तनियों में अन्तर रखें कि यह भेद स्पष्ट हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, झूठे देवता)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 9:20-21](#)
- [2 इतिहास 8:7-8](#)
- [निर्गमन 3:16-18](#)
- [उत्पत्ति 13:7](#)
- [यहोशू 3:9-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6522

परिवार**परिभाषा:**

“परिवार” शब्द रक्त संबंधियों के समूह का संदर्भ देता है, प्रायः माता-पिता और सन्तान। बाइबल में, इस शब्द में अन्य सदस्य भी होते हैं जैसे दादा-दादी, पोता-पोती, चाचा-चाची आदि।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर, सबसे बुर्जुग व्यक्ति एक परिवार का प्रमुख अधिकार होता था।
- परिवार में सेवक, रखेलियाँ और परदेशी भी होते थे।
- कुछ भाषाओं में एक व्यापक शब्द होता है जैसे “कुल” या “कुटुम्ब” जो उन परिप्रेक्षों में अधिक उचित होगे जहाँ अभिप्राय मात्र माता-पिता और सन्तान से अधिक सदस्यों का हो।
- आत्मिकता में संघटित जन जैसे यीशु के विश्वासियों (कलीसिया) को परमेश्वर का परिवार कहा जाता था।

(यह भी देखें: कुल, पूर्वजों, घर)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 8:1-2](#)
- [1 शमूएल 18:18](#)
- [निर्गमन 1:21](#)
- [यहोशू 2:12-13](#)
- [लूका 2:4](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0001, H0251, H0272, H0504, H1004, H1121, H2233, H2859, H2945, H3187, H4138, H4940, H5387, H5712, G10850, G36140, G36240, G39650

परिश्रम**परिभाषा:**

परिश्रम अर्थात् किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात् शारीरिक ऊर्जा निवेश करने वाला कोई भी काम। इसका अभिप्रेत अर्थ है, कार्य कठिन है।
- श्रमिक वह मनुष्य है जो कैसा भी परिश्रम करता है।
- अंग्रेजी भाषा में "labor" प्रसव क्रिया को भी कहते हैं। अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा भिन्न शब्द होगा।
- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "श्रम" या "कठोर परिश्रम" या "कठिन कार्य" या "कठोर परिश्रम करना"

(यह भी देखें: कठोर, प्रसव पीड़ा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 थिसलुनीकियों 2:9](#)
- [1 थिसलुनीकियों 3:5](#)
- [गलातियों 4:10-11](#)
- [याकूब 5:4](#)
- [यूहन्ना 4:38](#)
- [लूका 10:2](#)
- [मत्ती 10:10](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3018, H3021, H3022, H3205, H4522, H4639, H5447, H5450, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4866, G4904

परीक्षा

परिभाषा:

"परीक्षा" शब्द का सन्दर्भ उस परिस्थिति से है जिसमें कोई वस्तु या मनुष्य का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को "परखा" या "जांचा" जाता है।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा मनुष्य के विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी "परीक्षा" कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परखना" या "प्रलोभन" जो विशेष प्रकार की परीक्षा है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात भी किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करना, परखा जाना, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 4:34](#)
- [यहेजकेल 21:12-13](#)
- [विलापगीत 3:58-61](#)
- [नीतिवचन 25:7-8](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3986

परीक्षा करना

परिभाषा:

किसी को परीक्षा में डालने का अर्थ है कि उससे गलत काम करवाना।

- परीक्षा में मनुष्य को गलत काम करने की प्रेरणा मिलती है.
- मनुष्य अपने पापी स्वभाव से या अन्य मनुष्यों द्वारा परीक्षा में गिरते हैं.
- शैतान भी मनुष्यों को परमेश्वर की अवज्ञा और अनुचित कार्यों द्वारा परमेश्वर के विरुद्ध पाप करने की परीक्षा में डालता है.
- शैतान ने यीशु की परीक्षा ली थी और उसने अनुचित काम करवाने का प्रयास किया था परन्तु यीशु ने उसकी परीक्षाओं पर जय पाकर पाप नहीं किया.
- मनुष्य “परमेश्वर की परीक्षा” लेता है तो वह उससे कुछ गलत करवाने की कोशिश नहीं करता है, बल्कि वह हठीली अवज्ञा करता है, यहाँ तक कि परमेश्वर उसको दंड देने पर विवश हो. यह भी परमेश्वर की परीक्षा लेना कहलाता है.

अनुवाद के सुझाव:

- “परीक्षा करना” का अनुवाद “पाप करवाने का प्रयास करना” या “प्रलोभन देना” या “पाप करने की अभिलाषा जगाना.”
- “परीक्षा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परीक्षा में गिरानेवाली बातें” या “किसी को पाप का लालच देने वाली बातें” या “ऐसी बातें जो अनुचित काम करने की अभिलाषा उत्पन्न करें.”
- परमेश्वर की परीक्षा के संदर्भ में इसका अनुवाद “परमेश्वर को परखना” या “परमेश्वर को जांचना” या “परमेश्वर के धीरज को परखना” या “परमेश्वर द्वारा दण्ड का कारण होना” या “हठीले हो कर परमेश्वर की अवज्ञा करते रहना.”

(यह भी देखें: आज्ञा न मानना, शैतान, पाप, परीक्षा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 पिस्सलुनीकियों 03:4-5](#)
- [इब्रानियों 04: 15](#)
- [याकूब 01:13](#)
- [लूका 04:02](#)
- [लूका 11:04](#)
- [मत्ती 26:41](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 25:1 तब शैतान यीशु से पाप कराने के लिये उसकी **परीक्षा करने** आया.
- 25:8 यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया.
- 38:11 यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे प्रार्थना करते रहें कि **परीक्षा** में न पड़ें.

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H974, H4531, H5254, G551, G1598, G3985, G3986, G3987

पर्व

परिभाषा:

“पर्व” शब्द का अर्थ अति सामान्य है, जिसका सन्दर्भ ऐसे कार्यक्रम से है जिसमें जनसमूह उत्सव मनाने के उद्देश्य से एक वृहत भोज में सहभागी होता है। बैबले के युग में भोज कई दिन वरन् अधिक समय तक चलता था।

- पर्व विशेष में भोजन परिस्थिति के अनुकूल विशेष होते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को जिन धार्मिक पर्वों को मनाने की आज्ञा दी थी उनमें अधिकतर सहभागिता भोज होते थे। यही कारण है कि उत्सवों को पर्व कहा गया था।
- बाइबल के युग में राजा और अन्य धनवान, प्रतिष्ठित जन अपने परिवार या मित्रों का अतिथि सल्कार करने के लिए अधिकतर भोज का आयोजन करते रहते थे।
- ऊड़ाऊ पुत्र की कहानी में पिता ने पुत्र के लौट आने के उपलक्ष में विशेष भोज का आयोजन किया था।
- “पर्व मनाना” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक खाना” या “बहुत खाकर उत्सव मनाना” या “विशेष व्यापक भोजन करना।”
- प्रकरण के अनुसार “पर्व” का अनुवाद हो सकता है, “विशाल भोज के साथ उत्सव मनाना” या “नाना विविध व्यंजनों का भोजन करना” या “उत्सव का भोज।”

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पत्रस 02:12-14](#)
- [उत्पत्ति 26:30](#)
- [उत्पत्ति 29:22](#)
- [उत्पत्ति 40:20](#)
- [यहूदा 01:12-13](#)
- [लूका 02:43](#)
- [लूका 14:7-9](#)
- [मत्ती 22:01](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H2077, H2282, H3899, H3900, H4150, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G1062, G1173, G1859, G2165, G4910

परिभाषा:

सामान्यतः किसी जन समुदाय द्वारा उत्सव मनाने को पर्व कहते हैं।

- पुराने नियम में “पर्व” का मूल अर्थ था “नियुक्त समय”
- इस्माएल के पर्व परमेश्वर द्वारा नियुक्त समय एवं ऋतुएं थे जिसके पालन की आज्ञा परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
- कुछ अंग्रेजी अनुवादों में “पर्व” के स्थान में भोज शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि पर्वों में विशाल भोज का आयोजन किया जाता था।
- इस्माएल के अनेक मुख्य पर्व थे जिन्हें वे प्रति वर्ष मनाया करते थे:
 - फसह
 - अखमीरी रोटी का पर्व
 - पहले फल
 - सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त)
 - तुराहियों का पर्व
 - प्रायश्चित का दिन
 - झोपड़ियों का पर्व
 - इन पर्वों का उद्देश्य था परमेश्वर को धन्यवाद देना और उसकी प्रजा के उद्धार, सुरक्षा और प्रावधानों के निमित्त उसके आश्वर्यकर्मों को स्मरण करना।

(यह भी देखें: उत्सव)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 23:31](#)
- [2 इतिहास 8:13](#)
- [निर्गमन 5:1](#)
- [यूहन्ना 4:45](#)
- [लूका 22:1](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G14560, G18580, G18590

पलिश्तियों

तथ्यः

पलिश्ती एक जाति थी जो भूमध्य सागर के तट पर पलिश्तीन देश में वास करती थी। इस नाम का अर्थ है, “समुद्री लोग”

- पलिश्तियों के पांच मुख्य नगर थे: अशदोद, अश्कलोन, एक्रोन, गत और गाज़ा।
- अशदोद नगर पलिश्तीन के उत्तर में था और गाज़ा नगर दक्षिण में था।
- पलिश्ती इस्राएल के साथ वर्षों युद्ध करने के कारण चिरपरिचित हो गए थे।
- शिमशोन, एक न्यायी पलिश्तियों से युद्ध करने के लिए प्रसिद्ध था, वह परमेश्वर की अलौकिक शक्ति का उपयोग करता था।
- राजा दाऊद ने भी पलिश्तियों के साथ अनेक युद्ध किए थे, उसने अपनी युवावस्था में पलिश्तियों के दानव गोलियत को हराया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अशदोद, अश्कलोन, दाऊद, एक्रोन, गत, गाज़ा, गोलियत, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 18:9-11](#)
- [1 शमूएल 13:4](#)
- [2 इतिहास 09:25-26](#)
- [उत्पत्ति 10:11-14](#)
- भजन संहिता 56:1-2

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6429, H6430

पलिश्तीन

परिभाषा:

पलिश्तीन कनान में एक वृहत्त क्षेत्र का नाम था और भूमध्य-सागर के तट पर बसा हुआ था।

- यह एक उपजाऊ तटीय मैदान था जो उत्तर में याफा और दक्षिण में गाज़ा तक फैला हुआ था। यह 64 किमी. लम्बा और 16 किमी. चौड़ा प्रदेश था।
- पलिश्तीन देश पलिश्तियों का निवास था, यह एक शक्तिशाली जाति थी जो सदैव ही इस्राएल के बैरी रहे थे।

(यह भी देखें: पलिश्ती, गाज़ा, याफा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 10:9-10](#)
- [योएल 03:4-6](#)
- भजन संहिता 060:8-9

शब्द तथ्यः

- Strong's: H776 H6429 H06430

पवित्र

परिभाषा:

“पवित्र” और पवित्रता का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- “पवित्र” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर के लिए पृथक्” या “परमेश्वर का” या “पूर्णतः शुद्ध” या “सिद्धता में निष्पाप” या “पाप से पृथक्”।
- “पवित्र करना” का अनुवाद प्रायः “शोधन” होता है। इसका अनुवाद “परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, शोधन, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 28:22](#)
- [2 राजा 03:02](#)
- [विलापगीत 04:01](#)
- [यहेजकेल 20:18-20](#)
- [मत्ती 07:6](#)
- [मरकुस 08:38](#)
- [प्रे.का. 07:33](#)
- [प्रे.का. 11:08](#)
- [रोमियों 01:02](#)
- [2 कुरिस्थियों 12:3-5](#)
- [कुलुसियों 01:22](#)
- [1 थिस्लुनिकियों 03:13](#)
- [1 थिस्लुनिकियों 04:07](#)
- [2 तीमुथियुस 03:15](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे पवित्र बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** “जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।”
- **13:02** ,”इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टि में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **13:05** तू सब्ल के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**“इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।”
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो पवित्र हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र आत्मा

तथ्यः

ये सब शब्द पवित्र आत्मा के संदर्भ में हैं जो स्वयं परमेश्वर हैं। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा अनंत हैं।

- पवित्र आत्मा को “आत्मा” या “यहोवा का आत्मा” या “सत्य का आत्मा” भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अपने सब कार्यों में अनंत शुद्धता और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द का अनुवाद “पवित्र” और “आत्मा” के अनुवाद करने वाले शब्दों के द्वारा किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, “शुद्ध आत्मा”, या “आत्मा जो पवित्र है” या “परमेश्वर जो आत्मा है” आदि के द्वारा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, पिता परमेश्वर, परमेश्वर का पुत्र, भेट)

बाह्यबल सन्दर्भः

- १ शमूएल 10:10
- १ पिस्सलुनीकियों 4:7-8
- प्रे.का. 8:17
- गलातियों 5:25
- उत्पत्ति 1:1-2
- यशायाह 63:10
- अथ्यूब 33:4
- मत्ती. 12:31
- मत्ती. 28:18-19
- भजन-संहिता 51:10-11

बाह्यबल कहानियों के उदाहरणः

- **१:१** लेकिन परमेश्वर का आत्मा वहाँ जल के ऊपर थी।
- **२४:८** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने परमेश्वर का आत्मा को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- **_२६:१_** शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु पवित्र आत्मा की शक्ति में गलील को लौट आया, जहाँ वह रहता था।
- **२६:३** यीशु ने पढ़ा, “**प्रभु का आत्मा मुझ पर है**, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओं को मुक्त करूँ।”
- **४२:१०** तुम जाओ, और सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में उन्हें बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है मानना सिखाओ।”
- **४३:३** वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।

- 43:8 "और यीशु ने पवित्र आत्मा उंडेल दिया है जैसी उसने प्रतिज्ञा की थी। **पवित्र आत्मा** इन सब का कर्ता है, जो तुम देखते और सुनते हो।"
- 43:11 पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें **पवित्र आत्मा** का दान देगा।।।"
- 45:1 वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और **पवित्र आत्मा** और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G00400, G41510

पवित्र करना

परिभाषा:

पवित्र करना का अर्थ है, परमेश्वर की सेवा हेतु किसी वस्तु या मनुष्य को समर्पित करना। जिस मनुष्य या वस्तु का पवित्रीकरण संस्कार कर दिया गया उसे पवित्र और परमेश्वर के लिए पृथक माना जाता था।

- इस शब्द का अर्थ "पवित्र करने" जैसा ही है परन्तु इसका अतिरिक्त अर्थ है, किसी को विधिवत परमेश्वर की सेवा हेतु पृथक करना।
- परमेश्वर के लिए पृथक की गई वस्तुओं में बलि के पशु, होमबलि की वेदी तथा निवास का मण्डप थे।
- परमेश्वर के लिए मनुष्यों का भी पवित्रीकरण संस्कार किया जाता था जिनमें थे, याजक, इस्माएली प्रजा तथा पहिलौठे।
- कभी-कभी "पवित्रीकरण" शब्द का अर्थ "शुद्धिकरण" भी होता था। विशेष करके जब मनुष्य या वस्तुओं को परमेश्वर की सेवा के लिए तैयार किया जाता था जिससे कि वे शुद्ध होकर परमेश्वर को ग्रहण योग्य हों।

अनुवाद के सुझावः

- "पवित्र करना" के अनुवाद हो सकते हैं, "परमेश्वर की सेवा के लिए अलग करना" या "परमेश्वर की सेवा के लिए शुद्ध करना।"
- "पवित्र" और "शुद्ध करना" का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दे।

(यह भी देखें: पवित्र, चोखे, पवित्र करने)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 तीमूथियस 4:3-5](#)
- [2 इतिहास 13:8-9](#)
- [यहेजकेल 44:19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2763, H3027, H4390, H4394, H5144, H5145, H6942, H6944, G1457, G5048

पवित्र नगर

परिभाषा:

बाइबल में पवित्र नगर यस्तुशलेम के संदर्भ में आता है।

- यह उक्ति यरूशलेम के प्राचीन नगर तथा स्वर्गिक यरूशलेम के लिए भी काम में ली गई है जहां परमेश्वर स्वयं वास करके अपने लोगों के मध्य राज करेगा।
- इस उक्ति के अनुवाद में “पवित्र” और “नगर” के अर्थों की संधि करके लिखा जा सकता है जिसे शेष अनुवाद में ज्यों का त्यों रखा जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पवित्र, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [मत्ती 04:5-6](#)
- [मत्ती 27:51-53](#)
- [प्रकाशितवाक्य 21:1-2](#)
- [प्रकाशितवाक्य 21:9-10](#)
- [प्रकाशितवाक्य 22:18-19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5892, H6944, G40, G4172

पवित्रस्थान

परिभाषा:

बाइबल में “पवित्रस्थान” और “परम पवित्रस्थान” मिलापवाले तम्बू या मन्दिर के दो कक्षों के संदर्भ में आते हैं।

- “पवित्र स्थान” पहला कक्ष या जिसमें धूप जलाने की वेदी और भेंट की रोटियाँ रखने की मेज थी।
- “परम पवित्र स्थान” अन्तर्रतम कक्ष या जिसमें वाचा का सन्दूक रखा हुआ था।
- एक मोटी, भारी पर्दे बाहरी कक्ष को भीतरी कक्ष से अलग करता है।
- परमपवित्र स्थान में केवल महायाजक प्रवेश कर सकता था।
- कभी-कभी पवित्र स्थान संपूर्ण मन्दिर या मिलापवाले तम्बू के लिए काम में लिया गया है। कभी-कभी पवित्र स्थान परमेश्वर की लिए पृथक किए गए किसी भी स्थान के संदर्भ में होते हैं।

अनुवाद के लिए सुझावः

- “पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर के लिए पृथक किया गया कक्ष” या “परमेश्वर से भेट करने का विशेष कक्ष” या “परमेश्वर का आरक्षित स्थान”
- “परम पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर के लिए सर्वथा पृथक कक्ष” या “परमेश्वर से भेट करने का अर्ति विशेष कक्ष”
- प्रकरण के अनुसार “पवित्र स्थान” का अनुवाद “परमेश्वर का अभिषिक्त स्थान” या “परमेश्वर द्वारा पृथक किया गया स्थान” या “मन्दिर में पवित्र स्थान” या “परमेश्वर के मन्दिर का परिसर”।

(यह भी देखें: धूप जलाने की वेदी, वाचा का सन्दूक, रोटी, पवित्र ठहरना, आंगन, परदा, पवित्र, पृथक करना, मिलापवाला तम्बू मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 06:16-18](#)
- [प्रे.का. 06:12-15](#)
- [निर्गमन 26:31-33](#)
- [निर्गमन 31:10-11](#)
- [यहेजकेल 41:1-2](#)
- [एत्रा 09:8-9](#)
- [इब्रानियों 09:1-2](#)
- [लैव्यव्यवस्था 16:17-19](#)
- [मत्ती 24:15-18](#)
- [प्रकाशितवाक्य 15:5-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1964, H4720, H4725, H5116, H6918, H6944, G39, G40, G3485, G5117

पवित्रस्थान**परिभाषा:**

"पवित्र-स्थान" का मूल अर्थ है, "पावन स्थल" और इसका संदर्भ उस स्थान से है जिसे परमेश्वर ने पावन एवं पवित्र बनाया। इसका संदर्भ सुरक्षा एवं रक्षा प्रदान करने के स्थान से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में "पवित्र-स्थान" प्रायः निवास के मण्डप या मन्दिर के लिए काम में लिया जाता था जिनमें "पवित्र-स्थान" और "परमपवित्र-स्थान" थे।
- परमेश्वर पवित्र-स्थान को अपनी प्रजा इसाएल के मध्य अपने निवास का स्थान कहता था।
- वह स्वयं को भी "पवित्र-स्थान" या अपने लोगों के लिए एक सुरक्षित स्थान कहता था जहां उन्हें सुरक्षा प्राप्त थी।

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द का मूल अर्थ है, "पवित्र-स्थान" या "वह स्थान जो पृथक किया गया है।"
- प्रकरण के अनुसार "पवित्र-स्थान" शब्द का अनुवाद "पावन स्थल" या "पवित्र भवन" या "परमेश्वर का पवित्र निवास" या "सुरक्षा का पवित्र स्थान" या "सुरक्षा का पावन स्थल" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र स्थान का शेकेल" का अनुवाद हो सकता है "निवास के मण्डप के लिए दिए गए शेकेल के जैसा" या "मन्दिर के रख-रखाव हेतु कर स्वरूप दिया जाने वाला शेकेल।"
- टिप्पणी: सावधान रहें कि इस शब्द का अनुवाद आज के आराधनालय के आराधना स्थल का अर्थ प्रकट न करे।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र आत्मा, पवित्र, पृथक करना, तम्बू कर, मन्दिर,)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [आमोस 7:12-13](#)
- [निर्गमन 25:3-7](#)
- [यहेजकेल 25:3](#)
- [इब्रानियों 8:1-2](#)
- [लूका 11:49-51](#)
- [गिनती 18:1](#)
- भजन संहिता 78:69

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4720, H6944, G39

पशु

तथ्यः

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” के लिए प्रयुक्त दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर “पशुधन” शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानियेल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है। (देखें: रूपक)
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- इसका अनुवाद संदर्भ के आधार पर हो सकता है, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, “जानवर” या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकार, दानियेल, पशुधन, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालज़बूल)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियियों 15:32](#)
- [1 शमएल 17:44](#)
- [2 इतिहास 25:18](#)
- [यिर्म्याह 16:1-4](#)
- [लैव्यव्यवस्था 7:21](#)
- भजन संहिता 49:12-13

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H0338, H0929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु

तथ्यः

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गाय, गदहे, बकरा, घोड़ा, बैल, भेड़)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 03:15-17](#)
- [उत्पत्ति 30:29-30](#)
- [यहोशू 01:14-15](#)
- [नहेम्याह 09:36-37](#)
- [गिनती 01:17-19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H929, H4399, H4735

पहर

परिभाषा:

बैबल में, “पहर” शब्द प्रायः उस समय को दर्शनि के लिए काम में लिया जाता है जब कोई घटना घटती है। इसका उपयोग लाक्षणिक परिप्रेक्ष्य में भी होता है जिसका अर्थ “समय” या “पल” दर्शनि के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात् दोपहर के लगभग तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणाथ “रात के तीसरे पहर” अर्थात् आज के प्रणाली में “रात में नौ बजे के लगभग”।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः “लगभग नौ बजे” या “लगभग छः बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रातःकाल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
- यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चुका है”।

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 2:15](#)
- [यूहन्ना 4:51-52](#)
- [लूका 23:44](#)
- [मत्ती 20:3](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H8160, G56100

पहर(बाइबल का समय)

परिभाषा:

बैबल के युग में “पहर” रात का एक समय था जिस समय नगर का पहरूआ या सुरक्षाकर्मी बैरी के संकट की चौकसी करता था।

- पुराने नियम में इसाएल के लिए तीन पहर होते थे, पहला, सूर्यास्त से रात्रि 10 बजे तक, दूसरा रात्रि दस बजे से 2 बजे तक, और भोर, 2 बजे से सूर्योदय तक।
- नये नियम में यहूदी रोमी पद्धति पर चलने लगे थे जिसमें रात चार पहरों में विभाजित थी, पहला (सूर्यास्त से रात्रि 9 बजे तक), दूसरा (रात्रि 9 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक), तीसरा (मध्यरात्रि 12 बजे से सुबह 3 बजे तक) और चौथा (3 बजे से सूर्योदय तक)।
- इसका अनुवाद अधिक सामान्य रूप में "उत्तरकालीन संध्या" या "मध्यरात्रि" या "भोर के समय" जो निर्भर करता है कि किस पहर की चर्चा की जा रही है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 12:37-38](#)
- [मरकुस 6:48-50](#)
- [मत्ती 14:25-27](#)
- भजन संहिता 90:3-4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0821, G54380

पहली उपज

परिभाषा:

"पहली उपज" अर्थात् प्रत्येक मौसम के फल और सज्जियों की पहली फसल का एक अंश।

- इस्माएली परमेश्वर के लिए ये पहले फल आत्मत्याग की भेंट-स्वरूप लाते थे।
- बाइबल में इस उक्ति का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है, पहलौठा पुत्र परिवार का पहला फल है। क्योंकि वह परिवार में जन्म लेने वाला पहला पुत्र है, वह परिवार का नाम और सम्मान वाहक है।
- यीशु मृतकों में से जी उठा इसलिए वह अपने सब विश्वासियों में पहला फल है क्योंकि वे भी एक दिन मृतकों में से जी उठेंगे।
- यीशु के विश्वासियों को सम्पूर्ण सृष्टि की "पहली उपज" कहा गया है, यीशु ने जिनका उद्घार किया और अपने लोग होने के लिए बुलाया है उनके विशेष सौभाग्य और पद को इसके द्वारा दर्शाया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस उक्ति के यथार्थ उपयोग का अनुवाद "प्रथम अंश(फसल का)" या "फसल का पहला हिस्सा" किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो, अलग-अलग संदर्भों में अलग-अलग अर्थों दर्शने के लिए, लाक्षणिक उपयोगों का शाब्दिक अनुवाद ही किया जाना चाहिए। यह शाब्दिक अर्थ और आलंकारिक उपयोगों के बीच के संबंध को भी दिखाएगा।

(यह भी देखें: पहलौठा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 31:4-5](#)
- [2 यिस्सलुनीकियों 2:13](#)
- [निर्गमन 23:16-17](#)
- [याकूब 1:18](#)
- [यिर्मयाह 2:3](#)
- भजन संहिता 105:36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H6529, H7225, G536

पहले से जान लिया

परिभाषा:

“पहले से जान लिया”, या “पूर्व ज्ञान” “पहले से जानना” क्रिया से व्युत्पन्न शब्द है जिसका अर्थ है घटना होने से पूर्व उसका बोध हो जाना।

- परमेश्वर समय से बंधा नहीं है। वह भूत काल, वर्तमान काल और भविष्य की सब बातें जानता है।
- यह शब्द अधिकतर इस संदर्भ में काम में लिया जाता है कि परमेश्वर पहले से ही जानता है कि यीशु को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण करने के द्वारा किसका उद्धार होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- “पहले ही से जानता था” का अनुवाद हो सकता है, “पूर्वज्ञान था” या “समय से पहले जानता था” या “पहले से जानता था” या “पहले से ही पता था।”
- “पूर्व ज्ञान” का अनुवाद “पहले से जानना” या “समय से पूर्व जानना” या “जानता ही था” या “समय से पूर्व जानना।”

(यह भी देखें: जानना, पहले से ठहराए गए)

बाइबल सन्दर्भ:

- [रोमियो 08:29](#)
- [रोमियो 11:2](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G42670, G42680

पहले से ठहराना

परिभाषा:

“पहले से ठहराना” या “पहले से ठहराया” इसका संदर्भ समय से पहले निर्णय लेना या योजना बनाना कि कुछ होगा।

- यह शब्द विशेष करके परमेश्वर के संदर्भ में है कि उसने मनुष्यों को समय से पहले ठहरा दिया कि वे अनन्त जीवन पाएं।
- कभी-कभी यह शब्द “पहले से ठहराए” का अर्थ समय से पहले निर्णय लेने के संदर्भ में की काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “पहले से ठहराए” का अनुवाद, “पहले से निर्णय लेना” या “समय से पहले निर्णय लेने” के संदर्भ में होता है।
- “पहले से ठहराए गए” का अनुवाद, “बहुत पहले निर्णय लिया गया” या “समय से पूर्व योजनाबद्ध था” समय से पूर्व निर्णय लिया गया।
- “पहले से ठहराए गए” का अनुवाद, “बहुत पहले से निर्णय लिया गया कि हम” या “समय से पहले ही निर्णय ले लिया गया कि हम।”
- ध्यान रखें कि इस उक्ति का अनुवाद “पूर्व ज्ञान” से भिन्न हो।

(यह भी देखें: पूर्व ज्ञान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कृरियियो 02:6-7](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4309

पहलौठे

परिभाषा:

“पहलौठे” शब्द मनुष्य या पशु के सब बच्चों में सबसे पहले जन्मे बच्चे को कहते हैं।

- बाइबल में “पहिलौठे” का संदर्भ सबसे पहले जन्म लेनेवाले पुत्र से है।
- बाइबल के युग में सबसे पहले जन्म लेने वाले पुत्र को प्रमुख स्थान दिया जाता था और माता-पिता की सम्पदा में से अन्य पुत्रों की तुलना में दो गुणा भाग दिया जाता था।
- परमेश्वर के लिए जिस पशु की बली चढ़ाई जाती थी वह पशु का पहला नर बच्चा होता था।
- इसका उपयोग रूपक स्वरूप भी किया जा सकता है। उदाहरणार्थ, इस्साएल जाति को परमेश्वर का पहिलौठा कहा गया है क्योंकि परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों की तुलना में विशेष सौभाग्य प्रदान किए हैं।
- परमेश्वर के पुत्र, यीशु को पहिलौठा कहा गया है, उसके महत्व और सब मनुष्यों पर उसके अधिकार के कारण।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि पहिलौठा अभिलेख में अकेला शब्द है तो इसका अनुवाद हो सकता है, “पहिलौठा पुरुष” या “पहिलौठा पुत्र” क्योंकि इसका अभिप्राय यही है। (देखें: ग्रहण ज्ञान और अंतर्निहित सूचना)
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “बेटा जो पहले पैदा हुआ” या “सबसे बड़ा बेटा” या “पहला बेटा”।
- यीशु के लिए लाक्षणिक प्रयोग में इसका अनुवाद, एक ऐसे शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “पुत्र जो सब कुछ पर अधिकार रखता है” या “पुत्र, जो सम्मान में पहला है।”
- सावधान: सुनिश्चित करें कि यीशु के सन्दर्भ में इस शब्द के अनुवाद से ऐसा न लगे कि वह सृजा गया था।

(यह भी देखें: अधिकारी होना, बलि, पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [कुलुस्सियो 1: 15](#)
- [उत्पत्ति 4:3-5](#)
- [उत्पत्ति 29:26-27](#)
- [उत्पत्ति 43:33](#)
- [लूका 2:6-7](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:5](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1062, H1067, H1069, G4416, G5207

पहिलौठे का अधिकार

परिभाषा:

“पहिलौठे का अधिकार” बाइबल में सम्मान, पारिवारिक नाम, सम्पदा, का बोध करवाता है जो प्रथम पुत्र को दिया जाता है।

- प्रथम पुत्र के पहिलौठे होने के अधिकार में पिता की वसीयत का दो गुणा भाग होता था।
- राजा के पहिलौठे को पिता के मृत्यु के बाद राज करने का अधिकार प्राप्त था।
- एसाव ने अपने छोटे भाई याकूब को अपना पहिलौठे का अधिकार बेच दिया था। इस कारण एसाव के स्थान में याकूब को पहिलौठे की आशिषें मिलीं।
- पहिलौठे के अधिकार में पहिलौठे का सम्मान होता है कि परिवार के सब वंशजों को पहिलौठे का नाम मिले।

अनुवाद के सुझाव:

- “पहिलौठे का अधिकार” के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, “प्रथम पुत्र के अधिकार और सम्पदा” या “पारिवारिक सम्मान” या “प्रथम पुत्र के सौभाग्य और उत्तराधिकार”

(यह भी देखें: पहिलौठे, उत्तराधिकार में पाना, वंशज)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 05:1-3](#)
- [उत्पत्ति 25:31-34](#)
- [उत्पत्ति 43:32-34](#)
- [इब्रानियों 12:14-17](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1062, G4415

पाँवों की चौकी**परिभाषा:**

“पाँवों की चौकी” बैठते समय पाँवों को आराम देने के लिए रखने की चौकी। इस उक्ति का प्रतीकात्मक अर्थ है, अधीन रहना या कनिष्ठ पद।

- बाइबल के युग में पाँवों को शरीर का सबसे तुच्छ अंग माना जाता है। अतः पाँवों की चौकी और भी अधिक तुच्छ वस्तु थी, क्योंकि उस पर पाँव रखे जाते थे।
- परमेश्वर कहता है, मैं अपने शत्रुओं को अपने पाँवों की चौकी कर दूँगा तो वह विद्रोहियों पर अपने सामर्थ्य, नियंत्रण और विजय की घोषणा कर रहा है। वे पराजित होकर इतने दीन हो जाएंगे कि परमेश्वर की इच्छा के अधीन समर्पण कर देंगे।
- “परमेश्वर के पाँवों की चौकी पर आराधना करना” अर्थात् परमेश्वर सिंहासन पर बैठा है और उपासक उसके चरणों में दण्डवत् करता है। उसके द्वारा परमेश्वर के समक्ष दीनता एवं आत्म समर्पण प्रकट होता है।
- दाऊद मन्दिर को परमेश्वर के पाँवों की चौकी कहता है। इसका संदर्भ उसके अपने लोगों पर उसके संपूर्ण अधिकार से है। यह सिंहासन पर बैठे परमेश्वर का चित्रण भी है जिसके पाँव चौकी पर रखे हुए हैं जो उसके अधीन सबका समर्पण दर्शाता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:49](#)
- [यशायाह 66:1](#)
- [लूका 20:43](#)
- [मत्ती 5:35](#)
- [मत्ती 22:44](#)
- भजन संहिता 110:1

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H1916, H3534, H7272, G4228, G5286

पाप**परिभाषा:**

“पाप” शब्द का सन्दर्भ परमेश्वर विरोधी कार्यों, विचारों तथा शब्दों से है। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरुद्ध है वरन् वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते "पापी" कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, यह स्वभाव है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उनसे पाप करवाता है।
- "पापी" अर्थात् पाप करनेवाला मनुष्य, अतः हर एक मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी "पापी" शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, वरन् फरीसियों के विचार के अनुसार जीवन निर्वाह नहीं करनेवालों के लिए भी।
- "पापी" शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- "पाप" का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, "परमेश्वर की आज्ञा न मानना" या "परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध चलना" या "बुरे कार्य एवं विचार" या "गलत काम करना"।
- "पाप करना" का अनुवाद "परमेश्वर की अवज्ञा" या "अनुचित काम करना" भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "पापमय" का अनुवाद "गलत काम करने वाले" या "दुष्ट" या "अनैतिक" या "बुरा" या "परमेश्वर से विद्रोह"
- प्रकरण के अनुसार "पापी" का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो "वह मनुष्य जो पाप करता है" या "अनुचित काम करनेवाला मनुष्य" या "परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य"

- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “अनैतिक मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “धोर पापी मनुष्य (यहाँ तक कि) चुंगी लेने वाले मनुष्य”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार समाहित हों, यहाँ तक कि वह भी जिनको मनुष्योय नतो देख सकते हैं और न ही जान सकते हैं।
- “पाप” शब्द सामान्य होना चाहिए, और “दुष्टा” और “बुराई” के लिए काम में लिए गए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवश्या, दुष्ट, देह, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- [1 इतिहास 9:1-3](#)
- [1 यूहन्ना 1:10](#)
- [1 यूहन्ना 2:2](#)
- [2 शमूएल 7:12-14](#)
- [प्रे.का. 3:19](#)
- [दानियेल 9:24](#)
- [उत्पत्ति 4:7](#)
- [इब्रानियों 12:2](#)
- [यशायाह 53:11](#)
- [यिर्मिया 18:23](#)
- [लैव्यव्यवस्था 4:14](#)
- [लूका 15:18](#)
- [मत्ती 12:31](#)
- [रोमियो 6:23](#)
- [रोमियो 8:4](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **3:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से पापी होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके पाप के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:1** इस्माएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमें कोई पाप नहीं होगा। वह अन्य लोगों के पाप के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:1** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य पापीयों को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।

- 38:5 तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- 43:11 पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- 48:8 हम सभी हमारे पापों के लिए मरने योग्य हैं!
- 49:17 यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ोगे। परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह पाप के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पापबलि

परिभाषा:

"पापबलि" उन बलियों में से एक थी जिनकी आज्ञा परमेश्वर ने इसाएलियों को दी थी।

- इस बलि में बैल की बलि चढ़ानी होती थी, वेदी पर उसका लहू और चर्बी जलाए जाते थे और पशु की लोथ को इसाएल की छावनी के बाहर धरती पर जला दिया जाता था।
- इस पशु को पूर्णतः भस्म करने का अर्थ था कि परमेश्वर अति पवित्र है और पाप अत्यधिक भयानक है।
- बाइबल की शिक्षा में पाप से शुद्ध होने के लिए लहू का बहाया जाना आवश्यक था जो पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।
- पशुबलि पाप के लिए स्थाई क्षमा नहीं उपलब्ध करवा सकती थी।
- कूस पर यीशु की मृत्यु ने सदा के लिए पाप का दण्ड चुका दिया। वह एक सिद्ध पापबलि था।

(यह भी देखें: वेदी, गाय, क्षमा, बलि, पाप)

बाइबल के सन्दर्भः

- [2 इतिहास 29:20-21](#)
- [निर्गमन 29:35-37](#)
- [यहेजकेल 44:25-27](#)
- [लैव्यव्यवस्था 05:11](#)
- [गिनती 07:15-17](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2401, H2402, H2398, H2403

पारान

तथ्यः

पारान मिस के पूर्व में और कनान के दक्षिण में रेगिस्तानी या निर्जन प्रदेश था। पर्वत पारान का उल्लेख भी किया गया है जो संभवतः सीनै पर्वत था।

- दासी हाजिरा और उसका पुत्र इशमाएल, सारा और अब्राहम द्वारा निष्कासित किए जाने के बाद पारान के निर्जन प्रदेश में रहे थे।
- मूसा इसाएलियों को मिस्र से निकाल कर ला रहा था तब उन्होंने पारान का जंगल पार किया था।
- पारान के जंगल में कादेश बर्ने से मूसा ने 12 पुरुषों को कनान में भेजा था कि वहां का भेद लेकर उसे बताएं।
- सीन का जंगल पारान के उत्तर में था और सीन का जंगल पारान के दक्षिण में था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: कनान, रेगिस्तान, मिस्र, कादेश, सीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 11:18-19](#)
- [1 शमूएल 25:1](#)
- [उत्पत्ति 21:19-21](#)
- [गिनती 10:11-13](#)
- [गिनती 13:3-4](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H364, H6290

पिन्तेकुस्त

तथ्यः

"सप्ताहों का पर्व" एक यहूदी पर्व है जो फसह के पर्व के पचास दिन बाद मनाया जाता था। जिसे बाद में "पिन्तेकुस्त" कहा गया था।

- सप्ताहों का पर्व, पहले फलों के पर्व के सात सप्ताहों (पचास दिन) बाद मनाया जाता था। नये नियम के युग में इस पर्व को "पिन्तेकुस्त" का पर्व कहते थे जिसके अर्थ में एक भाग "पचास" है।
- सप्ताहों का पर्व अन्न की कटनी के आरंभ के उत्सव में मनाया जाता था। यह वह समय था जब परमेश्वर ने इसाएल के लिए सर्वप्रथम पत्थर की तस्तियों पर मूसा को व्यवस्था दी थी।
- नये नियम में पिन्तेकुस्त का दिन विशेष करके महत्वपूर्ण था क्योंकि उस दिन यीशु पर विश्वास करनेवालों ने एक नए अनुभव में पवित्र आत्मा प्राप्त किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: पर्व, पहले फल, कटनी, पवित्र आत्मा, जीवित करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 8:12-13](#)
- [प्रे.का. 2:1](#)
- [प्रे.का. 20:15-16](#)
- [व्यवस्थाविवरण 16:16-17](#)
- [गिनती 28:26](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2282, H7620, G40050

पिलातुस

तथ्यः

रोमी प्रान्त यहूदिया का प्रशासक पिलातुस था जिसने यीशु को मृत्युदण्ड दिया था।

- प्रशासक होने के कारण पिलातुस के पास अपराधियों को मृत्यु दण्ड देने का अधिकार था।
- यहूदी धर्म गुरु चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मृत्यु-दण्ड दे, अतः उन्होंने यीशु पर झूठा आरोप लगाया कि वह एक अपराधी है।
- पिलातुस समझ गया था कि यीशु ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु वह जनसमूह से डरता था और उन्हें प्रसन्न करना चाहता था, इसलिए उसने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को कूस पर चढ़ा दें।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: कूस पर चढ़ाना, हाकिम, दोष, यहूदिया, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 04:27-28](#)
- [प्रे.का. 13:28](#)
- [लूका 23:02](#)
- [मरकुस 15:02](#)
- [मत्ती 27:13](#)
- [मत्ती 27:58](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:9** अगली सुबह यहूदी नेताओं ने यीशु को ले जाकर **पिलातुस** को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था। वे इस आशा में थे कि **पिलातुस** उसे दोषी ठहरा कर उसे मरवा डाले। **पिलातुस** ने यीशु से पूछा, “क्या तू यहूदियों का राजा है?”
- **39:10** **पिलातुस** ने कहा, “सच क्या है?”
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद **पिलातुस** भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता。” परन्तु यहूदी गुरुओं ने और जनसमूह ने चिल्लाकर कहा, “इसे कूस पर चढ़ा दे。” **पिलातुस** ने कहा, “यह दोषी नहीं है。” वह और जोर से चिल्लाने लगे। तब **पिलातुस** ने तीसरी बार कहा, “मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता。”
- **39:12** **पिलातुस** डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को कूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों को सौंप दिया।
- **40:2** **पिलातुस** ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर से ऊपर कूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए, “यह यहूदियों का राजा है।”
- **41:2** **पिलातुस** ने कहा, “कुछ सैनिक लो और जाकर कब्र को जितना अधिक सुरक्षित कर सकते हो कर लो।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G40910, G41940

पिलानेहारा

परिभाषा:

पुराने नियम के युग में “पिलानेहारा” राजा का वह सेवक होता था जो राजा को मदिरा का कटोरा देता था, वह पहले स्वयं मदिरा का स्वाद लेकर निश्चित करता था कि उसमें विष तो नहीं है।

- इसका शाब्दिक अर्थ हो सकता है “कटोरा लाने वाला” या “वह जो कटोरा लाता है”।
- “पिलानेहारा” विश्वासयोग्य होने और राजा का स्वामी-भक्त होने के लिए जाना जाता था।
- उसकी विश्वसनीय स्थिति के कारण पिलानेहारा प्रायः शासक द्वारा लिए गए निर्णय पर प्रभाव डाल सकता था।
- नहेम्याह फारस के राजा, अर्तक्षत्र का पिलानेहारा था, उस समय भी कुछ इसाएली बेबीलोन की बन्धुआई में थे।

(यह भी देखें: अर्तक्षत्र, बाबेल, बन्दी, फारस, फिरौन)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 10:3-5](#)
- [नहेम्याह 01:11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8248

पीड़ा

परिभाषा:

“पीड़ा” अर्थात् भयानक दर्द या व्यथा।

- पीड़ा शारीरिक या मानसिक कष्ट या व्यथा हो सकती है।
- भयानक पीड़ा में पड़े लोगों के चेहरे या व्यवहार से वह प्रकट होती है।
- उदाहरण के तौर पर, पीड़ित मनुष्य दांत पीसता है या रोता है।
- “पीड़ा” का अनुवाद हो सकता है, “मानसिक व्यथा” या “महादुःख” या “घोर कष्ट”।

बाइबल सन्दर्भः

- [यिर्म्याह 6:24](#)
- [यिर्म्याह 19:9](#)
- [अथूब 15:24](#)
- [लूका 16:24](#)
- भजन संहिता 116:3-4

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2342, H2479, H3708, H4164, H4689, H4691, H5100, H6695, H6862, H6869, H7267, H7581, G09280, G36000, G49280

पीड़ा

तथ्यः

“पीड़ा” का सन्दर्भ भयानक कष्टों से है। किसी को पीड़ा पहुंचाने का अर्थ है, उस मनुष्य के लिए कष्ट का कारण होना, प्रायः निर्दयता से।

- कभी-कभी दुःख देने का संदर्भ शारीरिक कष्ट एवं व्यथा से होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में शारीरिक यातना का वर्णन किया गया है जो "पशु" के पूजकों को अंत के समय में भुगतना पड़ेगी।
- पीड़ा आत्मिक एवं मानसिक व्यथा भी होती है जैसा अर्थूब ने अनुभव किया था।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में प्रेरित यूहन्ना लिखता है, कि यीशु में उद्धार का विश्वास नहीं करनेवाले आग की झील में अनन्त आत्मिक पीड़ा सहेंगे।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "भयानक कष्ट" या "किसी को घोर कष्ट देना" या "यातना।" कुछ अनुवादक स्पष्टता हेतु "शारीरिक" या "आत्मिक" शब्द को इसके साथ जोड़ देते हैं।

(यह भी देखें: पशु, अनन्त, अर्थूब, उद्धारकर्ता, आत्मा, दुख उठाना, आराधना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पतरस 2:8](#)
- [यिर्म्याह 30:20-22](#)
- [विलापगीत 1:11-12](#)
- [लूका 8:28-29](#)
- [प्रकाशितवाक्य 11:10](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3013, G09280, G09290, G09300, G09310, G25580, G28510, G36000

पीढ़ी

परिभाषा:

"पीढ़ी" शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में है जो एक ही समय जीवित हों। वे सभी एक ही समय में पैदा हुए हैं और इसलिए लगभग समान उम्र के हैं।

- पीढ़ी समय का अन्तराल भी हो सकती है। बाइबल के युग में एक पीढ़ी को लगभग चालीस वर्ष माना जाता था।
- माता-पिता और सन्तान दो अलग-अलग पीढ़ियों के होते हैं।
- बाइबल में पीढ़ी शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में उन लोगों के लिए भी काम में लिया गया है जिनके गुण सर्वनिष्ठ होते हैं।

अनुवाद के सुझाव

- "यह पीढ़ी" या "इस पीढ़ी के लोग" का अनुवाद हो सकता है, "वर्तमान में जीवित मनुष्य" या "तुम लोग"
- "दुष्ट पीढ़ी" का अनुवाद हो सकता है, "इस समय के दुष्ट लोग"।
- "पीढ़ी से पीढ़ी" या "एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक" का अनुवाद हो सकता है, "वर्तमान में जो लोग हैं वे और उनके पोते-परपोते" या "हर एक युग के लोग" या "इस समय और आनेवाले समय के लोग" या "सब लोग और उनके वंशज"।
- "आनेवाली पीढ़ी उसकी सेवा करेगी, वे आनेवाली पीढ़ी को परमेश्वर का ज्ञान देंगे"। इसका अनुवाद हो सकता है, "भविष्य में अनेक लोग परमेश्वर की सेवा करेंगे और अपनी सन्तान वरन सन्तान की सन्तान को उसके बारे में बताएंगे"।

(यह भी देखें: वंशज, बुराई, पूर्वज)

बाइबल संदर्भ:

- [प्रे.का. 15:19-21](#)
- [निर्गमन 3:13-15](#)
- [उत्पत्ति 15:16](#)
- [उत्पत्ति 17:7](#)
- [मरकुस 8:12](#)
- [मत्ती 11:16](#)
- [मत्ती 23:34-36](#)
- [मत्ती 24:34-35](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1755, H1859, H8435, G10740

पीढ़ी-जो लोग एक ही समय अवधि में रहते हैं**परिभाषा:**

इस संदर्भ में "पीढ़ी" शब्द उन लोगों को संदर्भित करता है जो एक ही समय में जीवित हैं। ये लोग आमतौर पर एक ही संस्कृति, अनुभव और जीवन शैली साझा करते हैं।

अनुवाद सुझाव

- वाक्यांश "उसके पित्रों की पीढ़ी" का अनुवाद "उसके पूर्वज" या "जो उससे पहले रह चुके हैं" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "यह पीढ़ी" या "इस पीढ़ी के लोग" का अनुवाद "अभी रहने वाले लोग" या "तुम लोग" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "भविष्य की पीढ़ियाँ" का अनुवाद "हमारे बाद रहने वाले लोग" या "बाद के समय में रहने वाले लोग" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:**शब्द विवरण:**

- स्ट्रोंग्स:

पीढ़ी-वंशजों का समूह**परिभाषा:**

इस अर्थ में "पीढ़ी" शब्द का तात्पर्य वंशजों के एक समूह से है जो एक ही माता-पिता से पैदा होते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी दम्पति को प्रथम पीढ़ी के रूप में गिना जाता है, तो उनके बच्चे दूसरी पीढ़ी के होंगे, उनके पोते-पोतियाँ तीसरी पीढ़ी के होंगे, आदि उनके परिवार की रेखा में।

अनुवाद सुझाव

- "पीढ़ियों" का अनुवाद "वंशज" या "वंशजों समूह" या "बच्चे और उनके बच्चे" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "तुम्हारी पीढ़ियों में" का अनुवाद "तुम्हारे हर एक वंशज के लिए" या "तुम्हारी संतानों और उनके बाद हर एक के लिए" किया जा सकता है
- "आने वाली पीढ़ी उसकी सेवा करेगी; वे अगली पीढ़ी को यहोवा के बारे में बताएंगे" का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "भविष्य में बहुत से लोग यहोवा की सेवा करेंगे और अपने बच्चों और पोते-पोतियों को उसके बारे में बताएंगे।"

(यह भी देखें: वंशज, पूर्वज)

बाइबल संदर्भ:**शब्द विवरण:**

- स्ट्रोंग्स:

पीतल**परिभाषा:**

"पीतल" (कांसा) एक धातु है जिसे तांबा और टिन के मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसका रंग हल्की लालिमा लिए गहरा भूरा होता है।

- यह धातु पानी से होने वाली हानि से सुरक्षित रहता है और गर्मी का उत्तम चालक होता है।
- प्राचीन युग में पीतल उपकरणों, हथियारों, कलाकृतियों, वेदियों, खाना पकाने के बर्तन, सैनिकों के रक्षा कवच आदि अनेक वस्तुओं के निर्माण में काम आता था।
- मिलाप वाला तम्बू और मन्दिर में अनेक समान तांबे के बने हुए थे।
- देवी-देवताओं की मूर्तियां भी तांबे से बनती थीं।
- तांबे से वस्तुएं बनाने के लिए पहले तांबे को पिघलाया जाता था उसके बाद सांचों में डाला जाता था। इस प्रक्रिया को "ढालना" कहते थे।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हथियार, मिलाप वाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 7:16](#)
- [1 शमूएल 17:37-38](#)
- [दानियेल 2:44-45](#)
- [निर्गमन 25:3-7](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5153, H5154, H5174, H5178, G5470, G5474, G5475

पीनहास

तथ्यः

पुराने नियम में पीनहास नामक दो पुरुष हुए हैं।

- हारून के पोतों में से एक का नाम पीनहास था, वह याजक था जिसने इस्माएल में झूठे देवता की उपासना का घोर विरोध किया था।
- इस्माएली पुरुषों ने मिद्यानी स्त्रियों से विवाह करके उनके देवताओं की उपासना की तो परमेश्वर का प्रकोप उन पर भड़का तब पीनहास ही ने उन्हें बचाया था।
- अनेक अवसरों पर पीनहास इस्माएलियों के साथ आक्रमणकारी मिद्यानियों का विनाश करने गया था।
- पुराने नियम में पीनहास नामक दूसरा पुरुष एली का दुष्ट पुत्र था, वह शमूएल के युग में इस्माएल के लिए याजकीय सेवा कर रहा था।
- पीनहास और उसका भाई होम्प्री दोनों पलिश्तियों के साथ युद्ध में मारे गए थे और वाचा का सन्दूक पलिश्ती चुरा कर ले गए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, यरदन नदी, मिद्यान, पलिश्तियों, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 04:3-4](#)
- [एज्ञा 08:1-3](#)
- [यहोशू 22:13-14](#)
- [गिनती 25:6-7](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6372

पुकार

परिभाषा:

"पुकार" या "दोहाई" प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई "दोहाई" पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

- “दोहाई” का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद “ऊंचे स्वर में घोषणा करना” या “शीघ्रता में सहायता मांगना” हो सकता है- प्रकरण के अनुसार।
- “मैं तुझे पुकारता हूँ” इस उक्ति का अनुवाद “मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूँ” या “मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूँ” हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना-जोर से बोलें, विनती करना)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [अयूब 27:8-10](#)
- [मरकुस 05:5-6](#)
- [मरकुस 06:48-50](#)
- भजन 022:1-2

शब्द तथ्यः

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

- किसी का पुनरुत्थान करना अर्थात् उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा करने का सामर्थ्य है।
- “पुनरुत्थान” यीशु के मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाने के सन्दर्भ में प्रयोग किया जाता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं हूँ”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरुत्थान का स्रोत है और मनुष्य को पुनर्जीवित करने वाला वही है।

अनुवाद के लिए सुझावः

- “पुनरुत्थान” शब्द का अनुवाद, “पुनर्जीवित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है, “खड़ा होना” या “(मृतकों में से) खड़े किए जाने का कार्य।” ये इस शब्द के अन्य संभावित अनुवाद हो सकते हैं।

(यह भी देखें: जीवन, मृत्यु, खड़ा करना)

पुनरुत्थान

परिभाषा:

“पुनरुत्थान” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियों 15:13](#)
- [1 पतरस 3:21](#)
- [इब्रानियों 11:35](#)
- [यूहन्ना 5:28-29](#)
- [लूका 20:27](#)
- [लूका 20:36](#)
- [मत्ती 22:23](#)
- [मत्ती 22:30](#)
- [फिलिप्पियों 3:11](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके पुनरुत्थान के द्वारा से, परमेश्वर पापियों के उद्धार की अपनी योजना सिद्ध करेगा और नई वाचा की स्थापना करेगा।
- **37:5** यीशु ने उत्तर दिया, "पुनरुत्थान और जीवन मैं हूँ।" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा"

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G03860, G14540, G18150

पुन्तुस**तथ्य**

पुन्तुस रोमी साम्राज्य और आरंभिक कलीसिया के समय एक रोमी प्रान्त था। वह काला सागर के दक्षिणी तट पर था जो आज के तुर्किस्तान का उत्तरी भाग था।

- जैसा प्रेरितों के काम की पुस्तक में लिखा है पुन्तुस के यहूदी भी यरूशलेम में थे जब पवित्र आत्मा पिन्तेकुस्त के दिन प्रेरितों पर उत्तरा था।
- अकिला नामक एक विश्वासी पुन्तुस से था।
- विभिन्न प्रान्तों में विसर्जित विश्वासियों को पत्र लिखते समय पतरस ने पुन्तुस प्रान्त के नाम का भी उल्लेख किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अकिला, पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 पतरस 1:1-2](#)
- [प्रे.का. 2:9](#)

शब्द तथ्य

- स्ट्रोंग्स: G41930, G41950

पूछना**तथ्यः**

"पूछना" अर्थात् किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। * "से पूछना" प्रायः परमेश्वर से सम्मति या बुद्धि मांगने के लिए काम में लिया गया है।

- पुराने नियम में अनेक उदाहरण हैं जब मनुष्यों ने परमेश्वर से बातें पूछी हैं।
- यह शब्द राजा या किसी सरकारी अधिकारी द्वारा लिखित अभिलेख के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने के लिए भी काम में लिया जाता था।
- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "पूछना" या "जानकारी मांगते हैं।"
- "यहोवा से पूछना" इसका अनुवाद हो सकता है, "यहोवा से मार्गदर्शन खोजना" या "यहोवा से पूछना कि क्या किया जाए।"
- "पूछताछ करने के लिए" का अनुवाद "प्रश्न पूछें" या "जानकारी के लिए पूछें" के रूप में किया जा सकता है।
- जब यहोवा कहता है, "मैं उत्तर नहीं दूंगा" तो इसका अनुवाद हो सकता है, "मैं तुम्हें जानकारी पूछने की अनुमति नहीं दूंगा" या "तुम्हें मुझसे सहायता मांगने की अनुमति नहीं मिलेगी।"

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 19:17-19](#)
- [यहेजकेल 20:1](#)
- [यहेजकेल 20:30-32](#)
- [एज्रा 07:14-16](#)
- [अयूब 10:4-7](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1240, H1245, H1875, G1830

पूरा करना

परिभाषा:

"पूरा करना" अर्थात् किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने भविष्यद्वाणी में जो कहा था उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है कि किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार, "पूरा करना" का अनुवाद हो सकता है, "संपन्न करना" या "पूर्ण करना" या "सिद्ध होने का कारण उत्पन्न करना" या "आज्ञा मानना" या "क्रियान्वन करना"
- "पूरा हुआ" का अनुवाद हो सकता है, "सच हो गया" या "यथावत हो चुका है" या "संपन्न हो चुका है"
- "अपनी सेवा पूरी करना" के परिप्रेक्ष्य में "पूरा करना" का अनुवाद हो सकता है, "निष्पादन करो" या "निभाओ" या "अभ्यासरत हो जाओ" या "मनुष्यों की सेवा वैसे ही करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है।"

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवक, बुलाहट)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजाओं 2:26-27](#)
- [प्रे.का. 3:17-18](#)
- [लैव्यव्यवस्था 22:17-19](#)
- [लूका 4:21](#)
- [मत्ती 1:22-23](#)
- [मत्ती 5:17](#)
- भजन संहिता 116:12-15

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **24:4** यूहन्ना ने वह **पूरा किया** जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख, मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:3** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये चिट्ठियाँ डालीं। जब उन्होंने ऐसा किया तो यह भविष्यवाणी **पूरी हुई** कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे वस्त्रों के लिए चिट्ठियाँ डालते हैं।”
- **42:7** यीशु ने कहा, “मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के वचन में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह **पूरा होना** अवश्य है।”
- **43:5** यहाँ योएल भविष्यद्वक्ता द्वारा की गई “भविष्यद्वाण **पूरी होती** है। परमेश्वर कहता है, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँड़ेलूँगा।”
- **_43:7_** यह भाविष्यद्वाणी **पूरी हुई** ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सङ्घने पाई।’
- **44:5** यथपि तुम जानते नहीं थे कि क्या करते थे, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामों से भविष्यवाणियों को **पूरा किया** कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1214, H5487, G10960, G41380

पृथ्वी

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी “भूमि” के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का अनुवाद प्रायः "देश" तब किया जाता है जब किसी जाति से जुड़ा होता है कि उस जाति की भौगोलिक सीमाओं को दर्शाया जाए, जैसे, "कनान देश"
- "सांसारिक" शब्द कभी-कभी उन वस्तुओं को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो अलौकिक और/या अप्रत्यक्ष की विषमता में लौकिक और/या प्रत्यक्ष हों।
- इस शब्द का प्रयोग लाक्षणिक रूप से उन लोगों को जो पृथ्वी के निवासी हैं या पार्थिव वस्तुओं को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है, जैसे, "पृथ्वी मग्न हो" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के उस शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है, जिसका उपयोग इस पृथ्वी के लिए जिस पर हम रहते हैं, किया जाता है काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार "पृथ्वी" का अनुवाद "संसार" या "भूमि" या "धूल" या "मिट्टी" किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में "पृथ्वी" का अनुवाद "पृथ्वी के लोग" या "पृथ्वी पर रहनेवाले लोग" या "पृथ्वी की सब वस्तुएं" किया जा सकता है।
- "सांसारिक" का अनुवाद "भौतिक" या "पृथ्वी की वस्तुएं" या "प्रत्यक्ष" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: संसार, स्वर्ग)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 1:38-40](#)
- [2 इतिहास 2:11-12](#)
- [दानियेल 4:35](#)
- [लूका 12:51](#)
- [मत्ती 06:10](#)
- [मत्ती 11:25](#)
- [जकर्या 6:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0127, H0772, H0776, H0778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पैसे के लिए- भीख

परिभाषा:

इस अर्थ में उपयोग "भीख" शब्द का अर्थ है किसी से धन या भोजन जैसी कोई भौतिक आवश्यकता मांगना।

- एक "भिखारी" वह व्यक्ति होता है जो नियमित रूप से सार्वजनिक स्थान पर बैठकर या खड़ा होकर लोगों से पैसे मांगता है।
- भिखारी उपहार के रूप में मुफ्त में पैसे या भोजन मांगते हैं और पैसे या भोजन के बदले में काम या कोई अन्य सेवा करने की पेशकश नहीं करते हैं। आपकी भाषा में ऐसे व्यक्ति या गतिविधि के लिए कोई शब्द हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद "सार्वजनिक रूप से पैसे मांगना" या "नियमित रूप से पैसे मांगना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विनती, दान)

बाइबल संदर्भ:

बाइबल की कहानियों से उदाहरण:

- **44:1** एक दिन पतरस और यूहन्ना मन्दिर जा रहे थे। जब वे मन्दिर के द्वार के पास पहुँचे, तो उन्होंने एक लंगड़े व्यक्ति को **भीख मांगते** देखा।

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग का:

पोतीपर**तथ्य:**

पोतीपर मिस के फिरैन का एक महत्वपूर्ण अधिकारी था, उस समय यूसुफ कुछ इश्माएल वंशियों को बेचा गया था।

- पोतीपर ने यूसुफ को इश्माएलवंशी व्यापारियों से खरीद कर अपने घर का पर्यवेक्षक बनाया था।
- यूसुफ पर अनुचित काम का दोष लगाया गया तो उसने यूसुफ को बन्दीगृह में डलवा दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस, यूसुफ (पुराना नियम), फ़िरैन)

बाइबल संदर्भ:

- [उत्पत्ति 37:34-36](#)
- [उत्पत्ति 39:1-2](#)
- [उत्पत्ति 39:13-15](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6318

पोर**परिभाषा:**

"पोर" और "पोर पर्वत" शब्द का सन्दर्भ मोआब क्षेत्र के खारे ताल के उत्तरी-पूर्व में स्थित पर्वत से है।

- नाम "बेतपोर" एक शहर का नाम था, शायद उस पहाड़ पर या उसके निकट स्थित था। यह वह स्थान है जहां परमेश्वर ने मूसा को प्रतिज्ञा का देश दिखाया जिसके बाद उसकी मृत्यु हो गई।
- "बालपोर" मोआबियों का एक झूठा देवता था जिसकी वे पोर पर्वत पर पूजा करते थे। इस्माएलियों ने भी इस मूर्ति की पूजा करना शुरू कर दिया और परमेश्वर ने उन्हें इसके लिए सजा दी।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाल, झूठे देवता, मोआब, खारे ताल, आराधना)

बाइबल संदर्भ:

- [गिनती 23:28-30](#)
- [गिनती 31:16-17](#)
- भजन संहिता 106:28-29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1047, H1187, H6465

पौधे लगाना**परिभाषा:**

"पौधे" सामान्यतः भूमि से जुड़े उगने वाली वस्तु हैं। "बोना" अर्थात्, भूमि में बीज डालना कि उसमें से पौधे निकलें। "बीज बोने वाला" वह मनुष्य है भूमि में बीज डालता है या बीज उगाता है।

- बीज बोने और पौधे लगाने की प्रक्रिया भिन्न-भिन्न होती है। एक विधि में बीज हाथ में लेकर भूमि पर विसर्जित किया जाता है।
- एक और विधि है जिसमें भूमि में छेद करके प्रत्येक छेद में बीज डाला जाता है।
- "बोना" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है जैसे, मनुष्य जो बोता है वही काटता है। कहने का अर्थ है कि मनुष्य बुरा करता है तो नकारात्मक परिणाम भोगता है, अगर कोई व्यक्ति अच्छा करता है, तो उसे सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा।

अनुवाद के सुझाव

- 'बोना' शब्द का अनुवाद "उगाना" भी किया जा सकता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद करने के लिए जो शब्द काम में लिया जाए उसका अर्थ बीज बोना हो।
- "बोनेवाला" का अनुवाद करने के अन्य रूप हो सकते हैं, "रोपणकर्ता" या "किसान" या "बीज बोने वाला मनुष्य"
- अंग्रेजी में, "बोना" शब्द का उपयोग केवल बीज लगाए जाने के लिए किया जाता है, लेकिन अंग्रेजी शब्द "रोपना" शब्द का उपयोग बीज के साथ-साथ बड़ी वस्तुओं जैसे वृक्षों के लिए भी किया जा सकता है। अन्य भाषाओं में भी अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया जा सकता है, जो निर्भर करता है कि क्या रोपित किया जा रहा है।
- "मनुष्य जो बोता है वही काटता है" इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जिस प्रकार एक बीज विशेष अपनी ही प्रजाति का पौधा उत्पन्न करता है, ठीक उसी प्रकार मनुष्य के सुकर्म भला परिणाम देते हैं और मनुष्य के कुकर्म दुष्परिणाम प्रकट करते हैं।"

(यह भी देखें: बुराई, भलाई, कटनी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [गलातियों 6:8](#)
- [लूका 8:5](#)
- [मत्ती. 6:25-26](#)
- [मत्ती 13:4](#)
- [मत्ती. 13:19](#)
- [मत्ती. 25:24](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2221, H2232, H2233, H2236, H4218, H4302, H5193, H7971, H8362, G4687, G4703, G5452

पौलुस

तथ्यः

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियों को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीही, यहूदी अगुवे, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- [1 कुरियियों 01:03](#)
- [प्रेरि. 08:03](#)
- [प्रेरि. 09:26](#)
- [प्रेरि. 13:10](#)
- [गलातियों 01:01](#)
- [फिलेमोन 01:08](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक **शाऊल** नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01 शाऊल** वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नहीं करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब **शाऊल** दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया। **शाऊल** ने यह शब्द सुना, “हे **शाऊल!** हे **शाऊल!** तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर **शाऊल** के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, “यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।” **शाऊल** तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, **शाऊल** दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, “यीशु परमेश्वर का पुत्र है!”
- **46:09** बरनबास और **शाऊल** इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे **शाऊल** पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, “पौत्रुस” का इस्तेमाल करना शुरू किया।

- 47:14 पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'सः G3972, G4569

प्रचार करना

परिभाषा:

"प्रचार करना" का अर्थ है, जनसमूह से बातें करना, उन्हें परमेश्वर के बारे में शिक्षा देना और परमेश्वर की आज्ञाएं मानने के लिए प्रेरित करना। "घोषणा" करने का अर्थ है, सार्वजनिक रूप से किसी बात की साहसपूर्वक घोषणा करना या प्रचार करना।

- प्रचार प्रायः एक मनुष्य द्वारा जनसमूह में किया जाता है। प्रचार बोलकर किया जाता है, लिखकर नहीं।
- "प्रचार" और "शिक्षण" समान बात है परन्तु एक से नहीं हैं।
- "प्रचार" अर्थात् आत्मिक या नैतिक सत्य की उद्घोषणा करना और श्रोताओं से प्रतिक्रिया का आग्रह करना है। "शिक्षण" में निर्देशनों पर बल दिया जाता है, अर्थात् मनुष्यों को जानकारी देना या उन्हें शिक्षण प्रदान करना कि किसी कार्य को उन्हें कैसे करना है।
- "प्रचार" अधिकतर "सुसमाचार" शब्द के साथ काम में लिया जाता है।
- प्रचारक मनुष्यों में प्रचार करता है तो उसे सामान्यतः उसकी "शिक्षाएं" कहते हैं।
- बाइबल में, "प्रचार" का का अर्थ प्रायः यह है, सार्वजनिक रूप से किसी ऐसी बात की घोषणा करना है, जिसकी आज्ञा परमेश्वर ने दी है, या मनुष्यों को परमेश्वर के बारे में समझाना कि वह कैसा महान है।
- नए नियम में, प्रेरितों ने यीशु के बारे में कई अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों के लोगों को सुसमाचार सुनाया।
- "घोषणा" शब्द का उपयोग राजाओं द्वारा किए गए फरमानों के लिए या बुराई की सार्वजनिक निंदा करने के लिए भी किया जा सकता है।
- "घोषणा" का अनुवाद करने के अन्य रूप हो सकते हैं, में "जनता को सुनाना" या "सार्वजनिक उपदेश करना" या "सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करना।"
- "उद्घोषणा" शब्द का अनुवाद भी ऐसा ही हो सकता है, "सार्वजनिक प्रकाशन" या "सार्वजनिक प्रचार" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: घोषणा करना, सुसमाचार, यीशु, परमेश्वर का राज्य)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [2 तीमु. 4:1-2](#)
- [प्रेरि. 8:4-5](#)
- [प्रेरि. 10:42-43](#)
- [प्रेरि. 14:21-22](#)
- [प्रेरि. 20:25](#)
- [लूका 4:42](#)
- [मत्ती 3:1-3](#)
- [मत्ती 4:17](#)
- [मत्ती 12:41](#)
- [मत्ती 24:14](#)
- [प्रेरि. 9:20-22](#)
- [प्रेरि. 13:38-39](#)
- [योना 3:1-3](#)
- [लूका 4:18-19](#)
- [मर. 1:14-15](#)
- [मत्ती 10:26](#)

बाह्यबल कहानियों से उदाहरणः

- **24:2** यूहन्ना ने उनसे कहा, "मन फिराओ व्यौकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है!"
- **30:1** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग-अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- **38:1** यीशु मसीह ने तीन साल बाद उपदेश और शिक्षा देना आरम्भ किया था। यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का पर्व मनाना चाहता था, और वह वहाँ मार डाला जाएगा।
- **45:6** तथापि, जहा कही भी वह गए, हर जगह यीशु मसीह का प्रचार करते रहे

- **45:7** वह एफिलिप्पस सामरिया नगर में गया और वहाँ लोगों को यीशु के बारे में प्रचार किया और वहाँ बहुत से लोगों बचाए गए।
- **_46:6** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:10** फिर कलीसिया ने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **50:2** जब यीशु पृथकी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्यः

- **स्ट्रांग'सः**
 - प्रचार करना: H1319, H7121, H7150, G1229, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G4283
 - प्रचार: H1319, H1696, H1697, H2199, H3045, H3745, H4161, H5046, H5608, H6963, H7121, H7440, H8085, G518, G591, G1229, G1861, G2097, G2605, G2782, G2784, G2980, G3142, G4135

प्रतिज्ञा**परिभाषा:**

"प्रतिज्ञा" को जब क्रिया रूप में काम में लिया जाता है कि मनुष्य कहता है कि वह कुछ करेगा तो इसका तात्पर्य है, वह अपने वचनों को पूरा करने के लिए बाध्य है। जब इसका प्रयोग संज्ञा रूप में किया जाता है, तब इसका "प्रतिज्ञा" शब्द का सन्दर्भ उस बात से होता है जिसको करने के लिए वह व्यक्ति विशेष विवश है।

- बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों से अनेक प्रतिज्ञाएं की हैं।
- प्रतिज्ञाएं औपचारिक समझौतों जैसे वाचाओं का एक महत्वपूर्ण भाग होती हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रतिज्ञा” शब्द का अनुवाद, “समर्पण” या “आश्वासन” या “विश्वास दिलाना” हो सकता है।
- “किसी काम को करने की प्रतिज्ञा” का अनुवाद, “किसी को विश्वास दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का समर्पण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, प्रण)

बाइबल संदर्भः

- [गलातियों 3:15-16](#)
- [उत्पत्ति 25:31-34](#)
- [इब्रानियों 11:9](#)
- [याकूब 01:12](#)
- [गिनती 30:2](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 3:15 परमेश्वर ने कहा "मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मनुष्यों के बुरे कर्मों के कारण फिर कभी भूमि को शाप नहीं दूंगा या बाढ़ से दुनिया को नष्ट करूँगा, यद्यपि मनुष्य जन्म से ही पापी है।
- 3:16 तब परमेश्वर ने अपनी **वाचा** के चिह्न के स्वरूप में मेघ धनुष स्थापित किया। जब -जब आकाश में धनुष दिखाई देगा, परमेश्वर अपनी **वाचा** को याद करेगा और लोग भी।
- 4:08 परमेश्वर ने अब्राम से बातें कीं और **वाचा** दोहराया कि उसको पुत्र प्राप्ति होगी और उसका वंश आकाश में तारों के सामान होगा। अब्राम ने परमेश्वर की **वाचा** पर विश्वास किया।
- 5:4 तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा - वह **प्रतिज्ञा** का पुत्र होगा।
- 8:15 परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम से बाँधी थी उसकी **प्रतिज्ञाएं** अब्राहम के बाद इसहाक, और इसहाक के बाद याकूब और उसके बारह पुत्रों व उसके परिवारों के लिए भी रहीं।
- 17:14 दाऊद परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य न रहा, परन्तु परमेश्वर अपनी **वाचा** पर खरा था।
- 50:1 यीशु ने **प्रतिज्ञा** की कि वह संसार के अंत में पुनः आएगा। यद्यपि वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपनी **प्रतिज्ञा** पूरी करेगा।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

प्रतिज्ञा का देश

तथ्यः

“प्रतिज्ञा का देश” बाइबल की कहानियों में आता है बाइबल के सन्देश में नहीं। यह कनान देश के संदर्भ की एक विधि है वह देश जो परमेश्वर ने अब्राहम और उसके वंशजों को देने की प्रतिज्ञा की थी।

- जब अब्राहम ऊर नगर में रहता था तो परमेश्वर ने उसे आज्ञा दी कि वह वहाँ से निकल कर कनान देश में चला जाए। वह और उसके वंशज इस्माएली वहाँ अनेक वर्ष तक रहे।
- जब भयंकर अकाल के कारण वहाँ भोजन समाप्त हो गया तब इस्माएली मिस चले गए।
- चार सौ वर्षों के बाद परमेश्वर ने इस्माएलियों को मिस के दासत्व से मुक्ति दिलाई और उन्हें लौटकर कनान लाया, वह स्थान जिसे देने की प्रतिज्ञा परमेश्वर ने उनसे की थी।

अनुवाद के सुझावः

- “प्रतिज्ञा का देश” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह देश जिसके लिए परमेश्वर ने अब्राहम से कहा था कि वह उसे देगा”। या “वह देश जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने अब्राहम से की थी”, या “जिस देश की प्रतिज्ञा परमेश्वर ने अपने लोगों से की थी” या “कनान देश”।
- बाइबल के अभिलेखों में किसी न किसी रूप में यह “परमेश्वर की प्रतिज्ञा का देश” प्रकट होता है।

(यह भी देखें: कनान, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 08:1-2](#)
- [यहेजकेल 07:26-27](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 12:01 अब वह (इस्माएली) दास नहीं रहे, और वह प्रतिज्ञा की भूमि पर जा रहे थे!!
- 14:01 इस्माएलीयों को सीनै पर्वत पर नियम देने के बाद, जिनका उन्हें वाचा के अनुसार पालन करना था, परमेश्वर ने इस्माएलियों का मार्ग दर्शन प्रतिज्ञा की भूमि, कनान तक किया।
- 14:02 परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से लोगों के समूह रहते हैं।
- 14:14 फिर परमेश्वर लोगों को प्रतिज्ञा की भूमि के किनारे तक फिर से ले गया।
- 15:02 इस्माएलियों को प्रतिज्ञा की भूमि में प्रवेश करने से पहले यरदन नदी को पार करना था।
- 15:12 युद्ध के बाद, परमेश्वर ने इस्माएल के प्रत्येक गोत्र को प्रतिज्ञा की भूमि में अपना अपना भाग दिया।
- 20:09 यह वह समय था जब परमेश्वर के लोगों को प्रतिज्ञा की भूमि को छोड़ने के लिए विवश किया गया, यह अवधि निर्वासन कहलाई।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H776, H3068, H3423, H5159, H5414, H7650

प्रतिफल

परिभाषा:

“प्रतिफल” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के कर्मों का फल: अच्छे कामों का या बुरे कामों का। किसी को “प्रतिफल” देने का अर्थ है, मनुष्य को उसकी योग्यता के लिए कुछ देना; परन्तु यह “पारिश्रीमिक” के विचार से सर्वथा भिन्न है क्योंकि उसका अर्थ

है भुगतान (प्रायः पैसों में) जो किए गए काम के बदले में होता है।

- प्रतिफल अच्छा और सकारात्मक होता है जिसे मनुष्य तब पाता है जब वह कोई भला काम करता है या जब वह परमेश्वर की आज्ञा मानता है।
- कभी-कभी प्रतिफल नकारात्मक बातों अर्थात् अनर्थकारी कामों के सन्दर्भ में भी होता है जो अनुचित व्यवहार से उत्पन्न होते हैं, जैसे कहा जाता है, “दुष्ट का प्रतिफल” इस संदर्भ में जो “प्रतिफल” दिया जाता है वह दंड या नकारात्मक परिणामों के सन्दर्भ में होता है जो मनुष्य के पापी कार्यों के कारण होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “प्रतिफल” का अनुवाद “भुगतान” या

“योग्य कोई बात” या “दण्ड” हो सकता है।

- किसी को “प्रतिफल देना” का अनुवाद हो सकता है, “बदले में देना” या “दंड” देना या “जो योग्य है वह देना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद का अर्थ मजदूरी न हो। प्रतिफल काम का वेतन नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 32:6](#)
- [यशायाह 40:10](#)
- [लूका 6:35](#)
- [मरकुर 9:40-41](#)
- [मत्ती 5:11-12](#)
- [मत्ती 6:3-4](#)
- [भजन-संहिता 127:3-5](#)
- [प्रकाशितवाक्य 11:18](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0319, H0866, H0868, H1576, H1578, H1580, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7938, H7939, H7999, G04690, G05140, G05910, G26030, G34050, G34060, G34080

प्रतिष्ठित

परिभाषा:

“प्रतिष्ठित” अर्थात् श्रेष्ठ और उच्च गुण की वस्तु। “रईस” उच्च राजनीतिक या सामाजिक स्तर का मनुष्य। एक व्यक्ति “कुलीन जन्म का” व्यक्ति वह है जो जन्म से ही एक कुलीन व्यक्ति है।

- रईस प्रायः किसी राज्य का अधिकारी होता था और राजा का निकट कर्मचारी होता था।
- “रईस” शब्द का अनुवाद “राजा का अधिकारी” या “सरकारी अधिकारी” किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 23:20-21](#)
- [दानियेल 04:36](#)
- [सभोपदेशक 10:17](#)
- [लूका 19:12](#)
- भजन संहिता 016:1-3

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H117, H1419, H2715, H3358, H3513, H5057, H5081, H6440, H6579, H7336, H7261, H8282, H8269, G937, G2104,

प्रधान

परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे अधिक अधिकार-संपन्न या सर्वाधिक महत्वपूर्ण अगुवे को संदर्भित करता है।

- इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
- इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल के “प्रधान” कहा गया है। इस संदर्भ में “प्रधान” का अनुवाद “अगुआ” या “प्रमुख पिता” हो सकता है।
- संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: प्रधान, महायाजक, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 1:11-13](#)
- [यहेजकेल 26:15-16](#)
- [लूका 19:2](#)
- भजन संहिता 4:1

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0047, H0441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G07490, G07500, G07540, G44100, G44130, G55060

प्रफुल्लित

परिभाषा:

“आनन्द करना” और “आनन्द” का संदर्भ किसी सफलता और विशेष आशीष के कारण अत्यधिक आनन्दित होने से है।

- “आनन्द करने में” किसी अद्भुत बात के उत्सव की भावना होती है।
- मनुष्य परमेश्वर की भलाई में आनन्द मना सकता है
- “आनन्द करनेवाले” के हर्ष की भावना में घमण्ड भी हो सकता है, सफलता या समृद्धि के कारण।
- “आनन्द मनाना” का अनुवाद “हर्षोल्लास” या “बड़े आनन्द के साथ स्तुति करना” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “आनन्द करना” का अनुवाद “विजय के साथ स्तुति करना” या “आत्म प्रशंसा के साथ उल्लासित होना” या “अभिमान” हो सकता है।

(यह भी देखें: हठीले, आनन्द, स्तुति, आनन्द मनाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 2:1](#)
- [यशायाह 13:3](#)
- [अय्यूब 6:10](#)
- भजन संहिता 68:1-3
- [सपन्याह 2:15](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5539, H5947, H5970

प्रबंधक**परिभाषा:**

"प्रबंधक" या "भण्डारी" बाइबल में यह शब्द उस सेवक के लिए काम में लिया गया है जो अपने स्वामी की सम्पदा और व्यापार को संभालता है।

- भण्डारी के बहुत उत्तरदायित्व होते थे जिनमे अन्य सेवकों के कार्यों का पर्यवेक्षण भी था।
- "प्रबंधक" भण्डारी के लिए एक आधुनिक शब्द है। दोनों शब्दों का संदास्थ उस मनुष्य से है जो किसी के व्यावहारिक विषयों को संभालना।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद "पर्यवेक्षक" या "घरेलू व्यवस्थापक" या "प्रबंध करनेवाला सेवक" या "व्यवस्था करने वाला मनुष्य" हो सकता है।

(यह भी देखें: सेवक)

बाइबल संदर्भः

- [1 तीमुथियुस 3:4-5](#)
- [उत्पत्ति 39:4](#)
- [उत्पत्ति 43:16](#)
- [यशा. 55:10-11](#)
- [लूका 8:3](#)
- [लूका 16:2](#)
- [मत्ती 20:8-10](#)
- [तीतुस 1:7](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0376, H4453, H5057, H6485, G20120, G36210, G36230

प्रभु**परिभाषा:**

बाईबल में "प्रभु" शब्द का सन्दर्भ सामान्यतः उस मनुष्य से है जिसके पास नया लोगों का स्वामित्व या उन पर अधिकार होता है। बाईबल में, इस शब्द को अनेक अनन्य लोगों के लिए काम में लिया गया है, वरन् परमेश्वर के लिए भी।

- इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी "स्वामी" भी किया जाता है जब यीशु के संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
- अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, "श्रीमान" (sir) किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

जब प्रभु शब्द को बड़े अक्षर से आरम्भ किया जाए तो यह परमेश्वर का उपनाम है। (टिप्पणी: जब इसका उयोग किसी को संबोधित करने के लिए या जब यह वाक्य के आरम्भ में हो तो इसका प्रथम अक्षर बड़ा होता है और इसका अर्थ, "महोदय" या "स्वामी" होता है।)

- पुराने नियम में, इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में किया जाता है जैसे, सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर" या "प्रभु यहोवा" "यहोवा हमारा प्रभु"
- नए नियम में, प्रेरितों ने इस शब्द को ऐसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है जैसे, "प्रभु यीशु" और "प्रभु यीशु मसीह" जिसका अर्थ है, यीशु परमेश्वर है।
- नए नियम में "प्रभु" शब्द अकेला भी काम में लिया गया है जो सीधा परमेश्वर के सन्दर्भ में है- विशेष करके पुराने नियम के सन्दर्भों में। उदाहरणार्थ, पुराने नियम में: "धन्य है वह जो यहोवा के नाम में आता है" और नए नियम में इसी को इस प्रकार संदर्भित किया गया है: "धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आता है"
- ULT और UST में, "प्रभु" शब्द, इब्रानी शब्द और यूनानी शब्द का शाब्दिक अनुवाद किया गया है। वह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद कदापि नहीं है, जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।
- कुछ भाषाओं में, "प्रभु" शब्द का अनुवाद, "स्वामी" या "शासक" या अन्य किसी शब्द में किया गया है जिसका अर्थ, स्वामित्व या सर्वोच्च शासन है।
- उचित सन्दर्भों में अनेक अनुवादों में इस शब्द का प्रथम शब् बड़ा रखा गया है कि पाठकों के लिए स्पष्ट हो जाए कि यह परमेश्वर के लिए एक उपनाम मात्र है।
- नए नियम में जब पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है तब "प्रभु परमेश्वर" का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर के सन्दर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "स्वामी" शब्द के सहार्थी शब्द के द्वारा किया जा सकता है जब दासों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। इसका उपयोग सेवक द्वारा अपने नियोजक के लिए भी किया जा सकता है।

- जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के संबोधन में सम्मानित शब्द से किया जा सकता है, जैसे, "गुरु।"
- यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो "प्रभु" शब्द का अनुवाद "श्रीमान" किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहाँ किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
- पिता परमेश्वर और यीशु के लिए इस शब्द को उपनाम माना जाएः अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L"

(यह भी देखें: परमेश्वर, यीशु ruler, यहोवा)

बाइबल संदर्भः

- [उत्पत्ति 39:2](#)
- [यहोशु 3:9-11](#)
- भजन. 86:15-17
- [यिर्म्याह 27:4](#)
- [विलापगीत 2:2](#)
- [यहेजकेल 18:29](#)
- [दानिएल 9:9](#)
- [दानिएल 9:17-19](#)
- [मलाकी 3:1](#)
- [मत्ती 7:21-23](#)
- [लूका 1:30-33](#)
- [लूका 16:13](#)
- [रोमियो 6:23](#)
- [इफिसियो 6:9](#)
- [फिलिप्पियो 2:9-11](#)
- [कुलस्सियो 3:23](#)
- [इब्रानियो 12:14](#)
- [याकूब 2:1](#)
- [1 पतरस 1:3](#)
- [यहूदा 1:5](#)
- [प्रका. 15:4](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **25:5** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू **प्रभु** अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।”
- **25:7** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू **प्रभु** अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
- **26:3** यह **प्रभु** के कृपा का वर्ष है।

- 27:2 व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, ‘तू अपने परमेश्वर से अपने सारे हृदय, आत्मा, शक्ति और मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।’
- 31:5 फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे गुरु’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे’
- 43:9 “उसी यीशु को जिसे तुमने कूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।”
- 47:3 इस दृष्टि आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने स्वामियों के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
- 47:11 पौलुस ने उत्तर दिया, “यीशु में विश्वास करो, जो प्रभु है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0113, H0136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G02030, G06340, G09620, G12030, G29620

प्रभु का दिन

वर्णनः

पुराने नियम में “यहोवा का दिन” निश्चित समय (समयों) के सन्दर्भ में काम में लिया जाता है जब परमेश्वर मनुष्यों को पाप का दण्ड देगा।

- नये नियम में “प्रभु का दिन” उस दिन या समय के संदर्भ में है जब प्रभु यीशु समय के अंत में मनुष्यों का न्याय करने के लिए पुनः आएगा।
- न्याय और पुनरुत्थान का यह अन्तिम भावी समय जिसे कभी कभी “अन्तिम दिन” भी कहते हैं। यह समय तब आरंभ होगा जब प्रभु यीशु पापियों का न्याय करने आएगा और अपना स्थाई राज्य स्थापित करेगा।
- इन उक्तियों में “दिन” शब्द कभी-कभी वास्तविक दिन के ही संदर्भ में होता है या यह “समय” या “अवसर” के संदर्भ में हो सकता है जिसकी अवधि दिन से अधिक हो सकती है।
- कभी-कभी दण्ड को “परमेश्वर के क्रोध का उड़ेला जाना” भी कहते हैं जो विश्वास नहीं करने वालों पर आएगा।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के आधार पर “यहोवा का दिन” का अनुवाद होगा, “यहोवा का समय” या “वह समय जब यहोवा अपने बैरियों को दण्ड देगा” या “यहोवा के क्रोध का समय。”
- “प्रभु का दिन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “प्रभु के न्याय का समय” या “वह समय जब प्रभु यीशु मनुष्यों का न्याय करने आएगा”

(यह भी देखें: दिन, न्याय का दिन, प्रभु, पुनरुत्थान, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियियों 5:5](#)
- [1 थिस्सलुनीकियों 5:2](#)
- [2 पतरस 3:10](#)
- [2 थिस्सलुनीकियों 02:2](#)
- [प्रे.का. 2:20-21](#)
- [फिलिप्पियों 1: 9-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3068, H3117, G2250, G2962

प्रभु भोज

परिभाषा:

- “प्रभु भोज” प्रेरित पौलुस इस उक्ति को फसह के भोज के लिए काम में लेता है जो यीशु ने अपने शिष्यों के साथ उस रात खाया था जब यहूदी अगुओं ने उसे बन्दी बनाया था।
- इस भोजन के समय यीशु ने फसह की रोटी को तोड़कर अपनी देह की उपमा दी जो शीघ्र ही प्रताङ्गित की जाएगी और मार डाली जायेगी।
- दाखरस के कठोरे को उसने अपना लहू कहा जो शीघ्र ही बहाया जायेगा जब वह पापबलि होकर मरेगा।
- यीशु ने आज्ञा दी थी कि उसके शिष्य जब भी इस भोज में सहभागी हों तब वे उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान को सदैव स्मरण करें।
- कुरिस्थियों की कलीसिया को लिखे पत्र में प्रेरित पौलुस ने मसीह के विश्वासियों के लिए इस भोज को एक नियमित अभ्यास बना दिया था।
- आज कलीसियाएं प्रभु भोज के लिए “सहभागिता” उक्ति का उपयोग करती हैं। “अन्तिम भोज” उक्ति का भी कभी-कभी उपयोग किया जाता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस उक्ति का अनुवाद “प्रभु का भोज” या “हमारे प्रभु यीशु का भोज” या “प्रभु यीशु को स्मरण करने का भोज” भी कहा जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [1 कुरिस्थियों 11:20](#)
- [1 कुरिस्थियों 11:25-26](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G11730, G29600

प्रभु यहोवा

तथ्य:

पुराने नियम में इस शब्द का अर्थ है एकमात्र सच्चा परमेश्वर।

- “प्रभु” उपनाम है और यहोवा परमेश्वर का नाम है।
- यहोवा के साथ परमेश्वर शब्द भी लिखा जाता है, “यहोवा परमेश्वर”

अनुवाद के सुझाव:

- यदि “यहोवा” का कोई रूप परमेश्वर के नाम के अनुवाद के लिए उपयोग किया जाता है, तो शब्द “प्रभु यहोवा” और “यहोवा परमेश्वर” शब्द का शाब्दिक रूप से अनुवाद किया जा सकता है। ध्यान दे कि “प्रभु” का अनुवाद परमेश्वर को संदर्भित करते समय कैसा हो।
- कुछ भाषाओं में पदनाम बाद में लिखा जाता है, अतः अनुवाद होगा, “यहोवा प्रभु”। लक्षित भाषा में जो भी स्वाभाविक है इसका प्रयोग करें: “प्रभु” शीर्षक “यहोवा” के पहले हो या बाद में।
- “यहोवा परमेश्वर” का अनुवाद “परमेश्वर जो यहोवा कहलाता है” या “जीवित परमेश्वर” या “मैं हूँ जो परमेश्वर हूँ”।
- यदि अनुवाद में “याहवे” को यहोवा या परमेश्वर लिखा जा रहा है तो “प्रभु यहोवा” का अनुवाद होगा “प्रभु परमेश्वर” या “परमेश्वर जो प्रभु” है। अन्य संभावित अनुवाद रूप है, “स्वामी प्रभु” या “प्रभु परमेश्वर”।
- “प्रभु यहोवा” का अनुवाद, “प्रभु-प्रभु” कभी नहीं किया जाए क्योंकि पाठक इन शब्दों का अन्तर नहीं देख पाएंगे जिन्हें इनके लिए पारम्परिक रूप से काम में लिया जाता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वामी, प्रभु, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियों 04:3-4](#)
- [2 शमूएल 07:21-23](#)
- [व्यवस्थाविवरण 03:23-25](#)
- [यहेजकेल 39:25-27](#)
- [यहेजकेल 45:18-20](#)
- [यिर्माह 44:26-28](#)
- [न्यायियों 06:22-24](#)
- [मीका 01:2-4](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H136, H430, H3068, G2316, G2962

प्रभुता**परिभाषा:**

“प्रभुता” शब्द का अर्थ है मनुष्यों, पशुओं और भूमि पर अधिकार, नियंत्रण या सत्ता।

- यीशु के लिए कहा गया है कि भविष्यद्वक्ता, याजक और राजा होने के कारण उसे संपूर्ण पृथ्वी का अधिकार है।
- मसीह यीशु के कूस की मृत्यु के द्वारा शैतान की प्रभुता सदा के लिए पराजित हो गई है।
- सृष्टि के समय परमेश्वर ने कहा था कि मनुष्य को मछली, पक्षियों और पृथ्वी के सब प्राणियों पर अधिकार है।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद होगा, “अधिकार”, “सामर्थ्य” या “नियंत्रण”।
- “पर प्रभुता” का अनुवाद हो सकता है, “पर शासन” या “प्रबन्धन”।

(यह भी देखें: अधिकार, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 पतरस 05:10-11](#)
- [कुलुसियों 01:13-14](#)
- [यहूदा 01:24-25](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

प्रभेद करना**परिभाषा:**

“भेद करना” (समझने की शक्ति) अर्थात् किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझना कि कोई बात सही है या गलत।

- “समझने की शक्ति” (विवेक) समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
- इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार, “भेद करना” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी बात का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “विवेक” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: न्याय, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 3:7-9](#)
- [उत्पत्ति 41: 33-34](#)
- [नीतिवचन 1:5](#)
- भजन संहिता 19:12

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0995, H2940, H4209, H5234, H8085, G03500, G12520, G12530, G29240

प्रसव-प्रक्रिया**परिभाषा:**

इस अर्थ में उपयोग शब्द "प्रसव" का तात्पर्य महिला द्वारा बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया से है।

- वाक्यांश "प्रसव पीड़ा में" का प्रयोग अक्सर उस महिला का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया में होती है।
- वाक्यांश "प्रसव पीड़ा" उस दर्द को संदर्भित करता है जो एक महिला जन्म देने की प्रक्रिया में अनुभव करती है।
- अंग्रेजी में, "प्रसव" शब्द का प्रयोग बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया को दर्शनी के लिए किया जाता है। अन्य भाषाओं में इसके लिए बिल्कुल अलग शब्द हो सकता है।
- "प्रसव पीड़ा में" वाक्यांश का अनुवाद करने का एक और तरीका है "जन्म देना"

(यह भी देखें: प्रसव पीड़ा)

बाइबल संदर्भः**शब्द विवरणः****प्रांत****तथ्यः**

प्रान्त, विशाल क्षेत्रों को संदर्भित करते शब्द हैं जिनमें किसी देश या साम्राज्य को प्रशासनिक सुविधा हेतु विभाजित किया

जाता था। में किसी देश या साम्राज्य का एक भाग होता है। "प्रांतीय" शब्द प्रान्त से संबंधित किसी बात का विवरण देता है, जैसे की प्रांतीय हाकिम।

- उदाहरणार्थ, प्राचीन फारसी राज्य प्रान्तों में विभाजित था जैसे मादी, फारस, सीरिया और मिस्र।
- नये नियम के युग में रोमी साम्राज्य भी प्रान्तों में विभाजित था जैसे मकिदुनिया, एशिया, सीरिया, यहूदिया, सामरिया, गलील तथा गलातिया।
- प्रत्येक प्रदेश का अपना प्रशासनिक अधिकारी था जो साम्राज्य के राजा या शासक के अधीन था। ऐसे प्रशासक को "प्रांतीय आधिकारी" या "अधिपति" कहते थे।
- "प्रान्त" और "प्रांतीय" का अनुवाद, "क्षेत्र" और "क्षेत्रीय" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: एशिया, मिस्र, एस्त्रेर, गलातिया, गलील, यहूदिया, मकिदुनिया, मादी, रोम, सामरिया, सीरिया)

बाइबल संदर्भः

- [प्रे.का. 19:30](#)
- [दानियेल 03:02](#)
- [दानियेल 06:02](#)
- [सभोपदेशक 02:08](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4082, H4083, H5675, H5676, G1885

प्राचीन**परिभाषा:**

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, प्रायः पुरुष) जो समुदाय में परिपक्व वयस्क और अगुण बनाने योग्य पर्याप्त वृद्धावस्था को प्राप्त कर चुके हैं हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के बाल पके हुए होना चाहिए, उनकी संतान वयस्क हो, या हो सके तो उनके नाती-पोते वरन् उनकी भी संतान हों।

- “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुर्ण आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
- पुराने नियम में “प्राचीन” इसाएलियों को न्याय और मूसा की व्यवस्था में मार्गदर्शन प्रदान करते थे।
- नये नियम में यहूदी “प्राचीन” अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
- आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही “प्राचीन” विश्वासियों की स्थानीय मण्डलियों को आत्मिक क्षेत्र में अगुआई प्रदान करते थे। उन कलीसियाओं में प्राचीनों में यदा-कदा युवक भी थे जो आत्मिकता में परिपक्ष थे।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “वृद्ध पुरुषों” या ”कलीसिया की अगुआई करने वाले आत्मिकता में परिपक्ष पुरुष”

बाइबल संदर्भः

- [1 इतिहास 11:1-3](#)
- [1 तीमुथियुस 3:1-3](#)
- [1 तीमुथियुस 4:14](#)
- [प्रे.का. 5:19-21](#)
- [प्रे.का. 14:23](#)
- [मरकुस 11:28](#)
- [मत्ती 21:23-24](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग्स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

- बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।
- मनुष्य जब मरता है तब उसका “प्राण” देह का त्याग कर देता है।
- शरीर के विपरीत, “प्राण” को मनुष्य का वह भाग कहाजा सकता है जो ”परमेश्वर से सम्बन्ध बनाता है।”
- “प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात् “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात् “मैं थका हुआ हूँ।”

अनुवाद के सुझावः

- “प्राण” का अनुवाद हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
- कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद हो सकता है, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः इस प्रकार हो सकता है, “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
- इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को... अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को गहराई से समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: आत्मा)

प्राण

परिभाषा:

“प्राण” शब्द सामान्यतः किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के स्वयं के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- [2 पतरस 02:7-9](#)
- [प्रे.का. 02:27-28](#)
- [प्रे.का. 02:40-42](#)
- [उत्पत्ति 49: 5-6](#)
- [यशायाह 53:10-11](#)
- [याकूब 01:19-21](#)
- [यिर्मायाह 06:16-19](#)
- [योना 02:7-8](#)
- [लूका 01:46-47](#)
- [मत्ती 22:37-38](#)
- भजन-संहिता 019:7-8
- [प्रका 20:4](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5082, H5315, H5397, G5590

प्राणी**परिभाषा:**

“प्राणी” का अर्थ है परमेश्वर द्वारा सृजित सब जीव चाहे मनुष्य हो या पशु।

- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा के दर्शन में “जीवित प्राणियों” का वर्णन किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह सामान्य नाम दिया।
- ध्यान दें कि सृष्टि का अर्थ यहाँ भिन्न है क्योंकि इस शब्द में परमेश्वर द्वारा सृजित सब वस्तुओं को समाहित किया गया है-जीवित तथा निर्जीव दोनों को (जैसे भूमि, जल, सितारे)। “प्राणी” शब्द का अर्थ है केवल जीवित वस्तुएं।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार “प्राणी” का अनुवाद “जीव” या “जीवित प्राणी” या “सृजित प्राणी” भी किया जा सकता है।
- इस शब्द का बहुवचन “प्राणियों” का अनुवाद “सभी जीवित प्राणी” या “मनुष्य और पशु” या “पशु” या “मनुष्या”।

(यह भी देखें: उत्पन्न)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 4:10-12](#)
- [यहेजकेल 1:9](#)
- [यहोशू 10:28](#)
- [लैब्यव्यवस्था 11:46-47](#)
- [प्रकाशितवाक्य 19:3-4](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G22260, G29370, G29380

प्रायश्चित्त**परिभाषा:**

“प्रायश्चित करना” और “प्रायश्चित” का संदर्भ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पापों की बलि का प्रावधान एवं पाप के लिए उसके क्रोध को शान्त करने से है।

- पुराने नियम के युग में परमेश्वर ने इस्राएल के लिए अस्थाई प्रबन्ध किया था कि उनके पापों का प्रायश्चित लहू की बलि चढ़ाने से किया जाए जिसमें पशु का वध किया जाता था।
- जैसा नये नियम में लिखा है, कूस पर मसीह की मृत्यु ही पाप का एक मात्र सच्चा एवं स्थाई प्रायश्चित है।
- यीशु ने मरकर मनुष्यों के पाप का दण्ड उठा लिया था। उसने अपनी पापबलि की मृत्यु द्वारा प्रायश्चित का मूल्य चुका दिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रायश्चित करना” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ “मूल्य चुकाना” या “के लिए मूल्य देना” या “किसी के पाप क्षमा करवाना” या “अपराध का शोधन करना”।
- “प्रायश्चित” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “भुगतान” या “पाप का मूल्य चुकाने की बलि” या “क्षमादान का मार्ग उपलब्ध करवाना”।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद में पैसों के भुगतान का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: प्रायश्चित के ढकने, क्षमा, प्रायश्चित, मेल-मिलाप, छुटकारा दिलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 43:25-27](#)
- [यहेजकेल 45:18-20](#)
- [लैव्यव्यवस्था 04:20-21](#)
- [गिनती 05:8-10](#)
- [गिनती 28:19-22](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3722, H3725, G2643

प्रायश्चित

परिभाषा:

“प्रायश्चित” यह एक ऐसी बलि है जो परमेश्वर के न्याय को सन्तुष्ट करने और उसके क्रोध को शान्त करने के लिए होती है।

- यीशु मसीह के लहू का बलिदान मानव जाति के पापों के निमित्त परमेश्वर के लिए अनुरंजन कार्य है।
- कूस पर यीशु की मृत्यु ने पाप के विरुद्ध परमेश्वर के क्रोध को शान्त कर दिया है। इसके द्वारा परमेश्वर मनुष्य पर कृपा दृष्टि कर पाता है और उन्हें अनन्त जीवन देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “तुष्टीकरण” या “परमेश्वर से पाप क्षमा करवाना तथा मनुष्यों को अनुग्रह प्रदान करवाना” हो सकता है।
- “प्रायश्चित” शब्द अर्थ में “प्रसादन” के निकट है। इन दोनों शब्दों के उपयोगों की तुलना करना महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: प्रायश्चित, अनन्तकालीन, क्षमा, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 2:2](#)
- [1 यूहन्ना 4:10](#)
- [रोमियो 3:25-26](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G2434, G2435

प्रायश्चित का ढकना

परिभाषा:

“प्रायश्चित का ढकना” वाचा के सन्दूक को ढंकने के लिए सोने का तख्त था। अनेक अंग्रेजी अनुवादों में इसे “प्रायश्चित का आवरण” भी कहा गया है।

- प्रायश्चित का ढकना 115 सेन्टी-मीटर लम्बा और 70 सेन्टी-मीटर चौड़ा था।
- प्रायश्चित के ढकने के ऊपर दो सोने के दो करुब थे उनके पंख एक दूसरे को छूते हुए थे
- यहोवा का कहना था कि वह इसाएलियों से भेट करने के लिए प्रायश्चित के ढकने पर करुबों के फैले हुए पंखों के नीचे उपस्थित होगा। केवल महायाजक को प्रजा का प्रतिनिधि होकर यहोवा के पास जाने की अनुमति थी।
- इस स्थान को “दया का आसन” भी कहा गया है क्योंकि यह पापी मनुष्यों की मुक्ति हेतु परमेश्वर द्वारा अवतरण में उसकी दया प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सन्दूक का आवरण जहां परमेश्वर मुक्ति दिलाने की प्रतिज्ञा करता है” या “वह स्थान जहां परमेश्वर मेल करता है” या “सन्दूक का ढकना जहां परमेश्वर क्षमा करके पुनरुद्धार करता है”।
- इसका अर्थ “प्रसादन का स्थान” भी हो सकता है।
- इस शब्द की तुलना “प्रायश्चित”, “मेल” और “मुक्ति” शब्दों के अनुवाद से करें।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, प्रायश्चित, करुबों, प्रायश्चित, छुटकारा दिलाना)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 25:15-18](#)
- [निर्गमन 30:5-6](#)
- [निर्गमन 40:17-20](#)
- [लैव्यव्यवस्था 16:1-2](#)
- [गिनती 07:89](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3727, G2435

प्रार्थना कर

परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

- मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, अर्थात्, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनाएं निहित हैं।
- प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
- मनुष्य अधिकतर रोगियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
- मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
- प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना भी होता है।
- परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं, जब हमारी आत्मा उसके आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना का भाव भी प्रकट करें।

(यह भी देखें: झूठे देवता, क्षमा, स्तुति)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 धिस्सलुनीकियों 3:9](#)
- [प्रे.का. 8:24](#)
- [प्रे.का. 14:26](#)
- [कुलस्सियों 4:4](#)
- [यूहन्ना 17:9](#)
- [लूका 11:1](#)
- [मत्ती 5:43-45](#)
- [मत्ती 14:22-24](#)

बाह्यबल कहानियों से उदाहरणः

- **6:5** इसहाक ने परमेश्वर से **प्रार्थना की**, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका गर्भवती हुई और जुड़वां पुत्रों को जन्म दिया।
- **13:12** मूसा ने परमेश्वर से **प्रार्थना की** और परमेश्वर ने उसकी **प्रार्थना** को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया।
- **19:8** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से **प्रार्थना करते** रहे, “हे बाल, हमारी सुन !”
- **21:7** याजक परमेश्वर से लोगों के लिए भी **प्रार्थना करते** थे।
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा, **प्रार्थना करते** रहो कि परीक्षा में न पड़ो।
- **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और **प्रार्थना करने** में लौलीन रहे।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम **प्रार्थना करें**, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्यः

- स्टोंग्स: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H6293, H6419, H6739, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

प्रार्थना किया

परिभाषा:

“प्रार्थना किया” या “मध्यस्थता” का अर्थ है किसी के लिए किसी से विनती करना। बाइबल यह शब्द अन्यों के लिए प्रार्थना करने के लिए काम में लिया गया है।

- “के लिए मध्यस्थता करना” और “मध्यस्थता” का अर्थ है मनुष्यों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना।
- बाइबल में लिखा है कि पवित्र आत्मा हमारे लिए विनती करता है, अर्थात् वह हमारे लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है।
- मनुष्य किसी अधिकारी से किसी अनुवाद के लिए विनती करके मध्यस्थता करता है।

अनुवाद के लिए सुझावः

- “मध्यस्थता के अन्य अनुवाद रूप, “याचना करना”, या (किसी से) “निवेदन करना” (किसी और के लिए) कुछ करने के लिए हो सकते हैं।
- संज्ञा “और निवेदन” का अनुवाद “आग्रह” या “अनुरोध” या “तत्काल प्रार्थना” के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश “के लिए मध्यस्थता” का अनुवाद “के लिए अनुरोध करने के लिए” या “की ओर से अपील करें” या “परमेश्वर से मदद मांगें” या “[किसी के लिए] परमेश्वर से निवेदन करना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रार्थना करना)

बाइबल सन्दर्भः

- [इब्रानियो 07:25-26](#)
- [यशायाह 53:12](#)
- [यिर्मयाह 29:6-7](#)
- [रोमियो 08:26-27](#)
- [रोमियो 08:33-34](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6293, G1783, G1793, G5241

प्रिय

परिभाषा:

“प्रिय” शब्द प्रीति की अभिव्यक्ति है जो ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जिससे प्रेम किया जाता है और जो किसी का प्रिय है।

- “प्रिय” शब्द का वास्तविक अर्थ है “प्रिय जन” या “जिसे प्रेम किया जाता है”
- परमेश्वर ने यीशु के लिए कहा कि वह उसका “प्रिय पुत्र है”
- प्रेरितों द्वारा मसीह की कलीसियाओं को लिखे गए पत्रों में बार-बार सहविश्वासियों को “प्रिय” कहा था।

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्नेही”, या “प्रिय जन” या “अति प्रिय” या “अति स्नेहमय”
- घनिष्ठ मित्रों के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “मेरे प्रिय मित्र” या “मेरे घनिष्ठ मित्र” अंग्रेजी भाषा में यह कहना स्वाभाविक है, “मेरे प्रिय मित्र पौलुस” या “पौलुस, मेरे प्रिय मित्र” अन्य भाषाओं में इसको भिन्न रूप से क्रमबद्ध करना अधिक स्वाभाविक होगा।
- ध्यान दें कि “प्रिय” शब्द उस शब्द से निकलता है जो परमेश्वर के प्रेम का है जो शर्तरहित, निःस्वार्थ से आता है जो शर्तरहित है, निःस्वार्थ और आत्मत्याग का है।

(यह भी देखें: प्रेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियियो 4:14-16](#)
- [1 यूहन्ना 3:2](#)
- [1 यूहन्ना 4:7](#)
- [मरकुस 1:11](#)
- [मरकुस 12:6](#)
- [प्रकाशितवाक्य 20:9](#)
- [रोमियो 16:8](#)
- [श्रेष्ठगीत 1:14](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G00250, G00270, G52070

प्रिस्किल्ला**तथ्यः**

प्रिस्किल्ला और उसका पति अकिला यहूदियों से आए विश्वासी थे जिन्होंने प्रचार सेवा में पौलुस को सहयोग दिया था।

- प्रिस्किल्ला और अकिला ने रोम से निर्वासन किया था क्योंकि सम्राट् ने मसीही विश्वासियों को वहाँ से चले जाने की आज्ञा दी थी।
- पौलुस ने अकिला और प्रिस्किल्ला से कुरिन्य नगर में भेंट की थी। वे तम्बू बनाने वाले थे और पौलुस ने उनके साथ काम किया।
- पौलुस जब कुरिन्य नगर से सीरिया गया तब प्रिस्किल्ला और अकिला भी उसके साथ गए।
- सीरिया से ये तीनों इफिसुस नगर गए थे। पौलुस तो इफिसुस से चला गया था परन्तु प्रिस्किल्ला और अकिला वहाँ रुक गए और सुसमाचार प्रचार करते रहे।
- उन्होंने इफिसुस में अपुल्लोस नामक एक मनुष्य को विशेष शिक्षा दी थी, वह यीशु पर विश्वास करता था और एक अच्छा वक्ता एवं शिक्षक था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: विश्वास, ईसाई, कुरिन्य, इफिसुस, पौलुस, रोम, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियियो 16:19-20](#)
- [2 तीमुथियुस 4:19-22](#)
- [प्रे.का. 18:1](#)
- [प्रे.का. 18:24](#)

शब्द तथ्यः

Strong's: G4252, G4251

प्रेम**परिभाषा:**

किसी मनुष्य से प्रेम करने का अर्थ है, उस मनुष्य की सुधि लेना और उसे लाभ पहुंचाने के काम करना। “प्रेम” के विभिन्न अर्थ होते हैं जिनके लिए विभिन्न भाषाओं में विभिन्न शब्द होते हैं।

1. परमेश्वर के जैसा प्रेम मनुष्य की भलाई पर केन्द्रित होता है चाहे उसमें स्वयं का लाभ न हो। ऐसा प्रेम जो मनुष्यों की सुधि रखता है चाहे वे कुछ भी करते हों। परमेश्वर स्वयं प्रेम है और सच्चे प्रेम का स्रोत है।
2. यीशु ने इस प्रेम का प्रदर्शन किया कि हमें कि पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपने आपको बलि चढ़ा दिया। उसने अपने अनुयायियों को भी सिखाया कि निस्वार्थ प्रेम करें।
3. जब लोग मनुष्यों से ऐसा प्रेम रखते हैं तब उनका व्यवहार प्रकट करता है कि उनके मन में मनुष्यों की उत्त्रति के विचार हैं। ऐसा प्रेम विशेष करके दूसरों को क्षमा करता है।
4. ULT में “प्रेम” शब्द ऐसे ही आत्मत्याग के प्रेम को संदर्भित करता है जब तक कि अनुवाद की टिप्पणी भिन्न अर्थ की व्याख्या न करे।
5. नये नियम में एक और शब्द है जो भाईचारे के प्रेम या मित्र के प्रेम या परिवार के किसी सदस्य से प्रेम करने को दर्शाता है।

- यह शब्द मित्रों और परिजनों के प्राकृतिक मानव प्रेम का संदर्भ देता है।
- इस का उपयोग ऐसे संदर्भों में भी हो सकता है जैसे वे भोज में महत्वपूर्ण स्थानों में बैठने की इच्छा रखते हैं। अर्थात् उनमें ऐसा करने की “अत्यधिक लालसा” या “गहरी इच्छा” है।
- 3. “प्रेम” शब्द का संदर्भ स्त्री-पुरुष के मध्य भावुक प्रेम से भी है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- जब तक कि अनुवाद से संबन्धित टिप्पणी में अन्य अर्थ समझाया न जाए ULT में “प्रेम” शब्द परमेश्वर से प्राप्त आत्मत्याग के प्रेम का संदर्भ देता है।
- कुछ भाषाओं में परमेश्वर के निःस्वार्थ, आत्मत्याग के प्रेम के लिए विशेष शब्द हो सकता है। इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “समर्पित निष्ठावान देखरेख” या “निःस्वार्थ सेवा करना” या “परमेश्वर का प्रेम।” सुनिश्चित करें कि परमेश्वर के प्रेम का अनुवाद हो सकता है, अन्यों के लाभ के निमित्त अपनी इच्छाओं को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे प्रेम निभाते रहना।
- कभी-कभी “प्रेम” शब्द का अर्थ होता है मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के लिए अगाध सेवाभाव रखना। कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ है, “बहुत प्रिय समझना” या “सुधि लेना” या “गहरा लगाव होना।”
- जिन संदर्भों में प्रेम शब्द किसी के प्रति प्रबल अनुराग व्यक्त करे तो उस का अनुवाद हो सकता है, “प्रबल अधिमान्यता” या “बहुत अधिक चाहना” या “अत्यधिक पसन्द करना।”
- कुछ भाषाओं में पति-पत्नी के बीच भावुक या यौन संबन्धित प्रेम को व्यक्त करने के लिए एक सर्वथा भिन्न शब्द होता है।
- अनेक भाषाओं में “प्रेम” शब्द को क्रिया रूप में व्यक्त करना होता है। उदाहरणार्थ उनमें “प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “जब कोई किसी से प्रेम करता है, वह उसके साथ सहनशीलता दिखाता है, उस पर दया करता है।”

(यह भी देखें: वाचा, मृत्यु, बलिदान, उद्धार, पाप)

बाइबल संदर्भ:

- [1 कुरियों 13:7](#)
- [1 यूहन्ना 3:2](#)
- [1 पिस्सलुनीकियों 4:10](#)
- [गलातियों 5:23](#)
- [उत्पत्ति 29:18](#)
- [यशायाह 56:6](#)
- [यिर्म्याह 2:2](#)
- [यूहन्ना 3: 16](#)
- [मत्ती 10:37](#)
- [नहेमायाह 9:32-34](#)
- [फिलिप्पियों 1: 9](#)
- [श्रेष्ठगीत 1:2](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **27:02** व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने परमेश्वर से अपने सारे हृदय, आत्मा, शक्ति और मन से प्रेम रख और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।”
- **33:08** “कंटीली भूमि वे व्यक्ति है जिन्होंने वचन सुना, और संसार की चिन्ता और धन का धोखा, और अन्य वस्तुओं का लोभ उनमें समाकर परमेश्वर के लिए उसके प्रेम को दबा देता है।”
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह शब्द निकला : “ यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं प्रेम करता हूँ”
- **39:10** हर वह व्यक्ति जिसे सच्चाई से प्रेम है, मुझे सुनेगा।”
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत प्रेम के साथ प्रभु की आराधना करती थी।
- **_48:1_** परमेश्वर ने जब संसार की सृष्टि की, तो सब कुछ बहुर अच्छा था। संसार में कोई पाप नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से और परमेश्वर से प्रेम करते थे।

- **49:3** उसने(यीशु) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों से उसी तरह प्रेम करना है जैसे कि तुम स्वयं से प्रेम करते हैं।
- **49:4** उसने(यीशु) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी सम्पत्ति से भी ज्यादा परमेश्वर को प्रेम करना चाहिए।
- **49:7** यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर पापियों से बहुत प्रेम करता है।
- **49:9** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिले, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहे।
- **49:13** परमेश्वर तुमसे प्रेम करता है और चाहता है कि तुम यीशु पर विश्वास करो ताकि वह तुमसे घनिष्ठ सम्बन्ध बनाए रखे।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0157, H0158, H0159, H0160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G00250, G00260, G53600, G53610, G53620, G53630, G53650, G53670, G53680, G53690, G53770, G53810, G53820, G53830, G53880

प्रेमी

परिभाषा:

“प्रेमी” अर्थात् “प्रेम करने वाला व्यक्ति।” यह शब्द प्रायः उन मनुष्यों के लिए है जिनके यौन संबन्ध होते हैं।

- बाइबल में “प्रेमी” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो किसी के साथ यौन संबन्ध रखता है, जिससे उसका विवाह नहीं हुआ है।
- ऐसा अवैध संबन्ध बाइबल में इसाएल द्वारा मूर्तिपूजा करके परमेश्वर की अवज्ञा के लिए काम में लिया जाता है। अतः “प्रेमी” शब्द प्रतीकात्मक रूप में इसाएल द्वारा पूजा की जानेवाली मूर्तियों के लिए भी काम में लिया गया है। इन प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद संभव हो तो इस प्रकार किया जाए, “अवैध साथी” या “व्यभिचार के साथी” या “मूर्तियां”, (देखें: उपमा)
- पैसों के “लोभी” (प्रेमी) ऐसा मनुष्य जो धनोपार्जन और धनवान होने को बहुत अधिक महत्व देता है।
- पुराने नियम में श्रेष्ठगीत की पुस्तक में “प्रेमी” शब्द का उपयोग सकारात्मक रूप में किया गया है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, झूठे देवता, मूरत, प्रेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [होशे 02:4-5](#)
- [यिर्माह 03:1-2](#)
- [विलापगीत 01:1-2](#)
- [लूका 16:14-15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H157, H158, H868, H5689, H7453, H8566, G865, G866, G5358, G5366, G5367, G5369, G5377, G5381, G5382

प्रेरित

परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरुष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात् प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

- “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित हुए। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
- परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निर छोकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
- “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद विभिन्नमें रूपों में किया जाना आवश्यक है।
- ध्यान इस बात का भी रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(देखें अपरिचित का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अधिकार, चेले, याकूब (जब्दी का पुत्र), पौलुस, बारह)

बाइबल संदर्भः

- [यहूदा 1:17-19](#)
- [लूका 9:12-14](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि प्रेरित कहलाए। प्रेरित यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
- 30:1** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग-अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शिष्यों को भेजा।
- 38:2** यीशु के शिष्यों में एक यहूदा नाम का एक पुरुष था। वह चेलों के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- 43:13** चेले प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में सदा लौलीन रहे।
- 46:8** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G06510, G06520, G24910, G53760, G55700

प्रोत्साहित करना

तथ्यः

“प्रोत्साहित करना” और “प्रोत्साहन” शब्द किसी को सांत्वना, आशा, आत्मविश्वास और साहस प्रदान करने के लिए कुछ कहने और करने को संदर्भित करते हैं।

- इसी से मिलता-जुलता एक शब्द है "प्रबोधित करना", जिसका अर्थ है किसी को गलत कार्य को अस्वीकार करने और इसके बजाय अच्छे और सही कार्य करने के लिए प्रेरित करना।
- प्रेरित पौलुस और नए नियम के अन्य लेखकों ने मसीहियों को एक दूसरे से प्रेम करने और उनकी सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करना सिखाया।

अनुवाद सुझाव

- संदर्भ के आधार पर, "प्रोत्साहित करना" का अनुवाद "आग्रह करना" या "सांत्वना देना" या "दयालु बातें कहना" या "मदद और समर्थन" शामिल हो सकता है।
- वाक्यांश "प्रोत्साहन के शब्द देना" का अर्थ है "ऐसी बातें कहना जो अन्य लोगों को प्रेम, स्वीकृति, और सशक्त महसूस हो।"

(यह भी देखें: हतोत्साहित, आत्मविश्वास, प्रबोधित करना)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्गः

फंदा

परिभाषा:

"जाल" और "फंदा" ये ऐसे साधन होते थे जिनसे पशु -पक्षी पकड़े जाते थे और वे बचकर भाग नहीं सकते थे। "जाल में फँसाने" का अर्थ है, जाल बिछाकर पकड़ना और फंदे में फँसाना या फँसाने का अर्थ है, फंदे से पकड़ना। बाइबल में इन शब्दों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है कि पाप और परीक्षा छिपे हुए फंदे हैं जो मनुष्य फँसा कर उसकी हानि करते हैं।

- "जाल" रस्सी या तार की एक कुँडली होती है जिसमें पशु का पांव पड़ जाए तो वह उसमें उलझ जाता है।

- "फंदा" धातु या लकड़ी का बना होता है जिसके दो भाग होते हैं जो पशु का पांव पड़ने पर कठोरता से बन्द हो जाते हैं और पशु भाग नहीं पाता है। कभी-कभी फंदा भूमि में खोदा हुआ गड्ढा भी होता है जिसमें पशु गिर जाता है।
- जाल या फंदा छिपाकर रखा जाता है कि पशु उसे देख न पाए।
- "जाल बिछाना" अर्थात् किसी को फँसाने के लिए जाल लगाना।
- "जाल में फँसना" अर्थात् किसी गहरे गड्ढे में गिरना जो पहले से पशु को फँसाने के लिए खोदा गया है।
- एक व्यक्ति जो पाप करना शुरू कर देता है और रोक नहीं सकता, उसे "पाप से फँसे" के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जिस प्रकार एक जानवर को फँसाने के लिए किया जाता है कि वह बच नहीं पाए।
- जिस प्रकार कि पशु फंदे में फँसकर संकट में पड़ जाता है और हानि उठाता है उसी प्रकार मनुष्य पाप में फँस कर हानि उठाता है और उसे मुक्ति की आवश्यकता होती है।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, , शिकार, शैतान, परीक्षा में डालना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [सभोपदेशक 07:26](#)
- [लूका 21:34](#)
- [मरकुस 12:13](#)
- भजन-संहिता 018:5

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2256, H3353, H3369, H3920, H3921, H4170, H4204, H4434, H4685, H4686, H4889, H5367, H5914, H6341, H6351, H6354, H6679, H6983, H7639, H7845, H8610, G64, G1029, G2339, G2340, G3802, G3803, G3985, G4625

फरात महानद**तथ्यः**

फरात अदन की वाटिका से होकर बहनेवाली चार नदियों में से एक का नाम है। इस नदी का नाम बाइबल में अनेक बार आता है।

- आज की फरात नदी मध्य पूर्व में है जो एशिया की सबसे लम्बी और सबसे अधिक महत्वपूर्ण नदी है।
- टाइगरिस नदी के साथ फरात नदी मेसोपोटामिया क्षेत्र की सीमाएं बांधती है।
- प्राचीन नगर ऊर जहां से अब्राहम निकला था, फरात नदी के उद्गम के स्थान पर था। यह नदी उस देश की सीमाओं में से एक थी जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने अब्राहम को देने के लिए की थी। (उत्प. 15:18)
- कभी-कभी फरात नदी को केवल महानद कहा गया है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल संदर्भः

- [1 इतिहास 05:7-9](#)
- [2 इतिहास 09:25-26](#)
- [निर्गमन 23:30-33](#)
- [उत्पत्ति 02:13-14](#)
- [यशायाह 07:20-22](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5104, H6578, G2166

फरीसी**तथ्यः**

फरीसी यीशु के समय यहूदी अगुओं का एक महत्वपूर्ण प्रभावशाली पंथ था।

- उनमें से अधिकांश जन मध्यम वर्ग के व्यापारी थे वरन् कुछ फरीसी याजक भी थे।
- सब यहूदी अगुओं में फरीसी मूसा की व्यवस्था के पालन में तथा अन्य यहूदी नियमों एवं परम्पराओं के पालन में सबसे अधिक कटूर मनुष्य थे।
- वे यहूदियों को आसपास की अन्यजातियों के प्रभाव से अलग रखने के विषय अत्यधिक चिन्तित रहते थे। फरीसी शब्द का उद्भव “पृथक करना” से हुआ है।
- फरीसी मरने के बाद के जीवन को मानते थे, वे स्वर्गदूतों और अन्य आत्मिक प्राणियों को भी मानते थे।
- फरीसी और सदूकी यीशु और आरंभिक कलीसिया के कटूर विरोधी थे।

(यह भी देखें: महासभा, यहूदी अगुवे, व्यवस्था, सदूकी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 26:4](#)
- [यूहन्ना 3:1-2](#)
- [लूका 11:44](#)
- [मत्ती 3:7](#)
- [मत्ती 5:20](#)
- [मत्ती 9:11](#)
- [मत्ती 12:2](#)
- [मत्ती 12:38](#)
- [फिलिप्पियों 3:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्टोरेजः G53300

फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात् वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात् बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते हैं कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात् बहुत अच्छे फल लाना।
- “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है कि सी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त हैं।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- “गर्भ का फल” अर्थात् स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात् वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
- “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।

- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलों फलों और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
- “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
- “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: वंशज, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाईबल सन्दर्भ

- [गलातियों 05:23](#)
- [उत्पत्ति 01:11](#)
- [लूका 08:15](#)
- [मत्ती 03:7-9](#)
- [मत्ती 07:17](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फसल

परिभाषा:

“उपज” शब्द का अर्थ है, उपजाऊ पेड़-पौधों से पके फल या सज्जियाँ, बीज या अन्न एकत्र करना। “कटनी” शब्द का अर्थ है, फसलों की कटाई करना।

- कटनी का समय फसल उगने की ऋतू के अंत का समय होता है।
- इस्साएल “कटनी का पर्व” मनाता था कि भोजन की फसल काटने का उत्सव मनाएं। परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए पहला फल चढाएं।
- बाईबल के युग में, लावनी करने वाले प्रायः हाथ से फसल काटते थे, पौधों को उखाड़ कर या धार वाले साधन से उनको काट कर।

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द में निहित धारणा का अनुवाद लक्षित भाषा में फसल काटने के सामान्य शब्द द्वारा किया जाए।
- कटनी का अनुवाद हो सकता है, “फल एकत्र करने का समय” या “फसल उठाने का समय” या “फल तोड़ने का समय”।
- “लावनी करना” का अनुवाद हो सकता है, “एकत्र करना”, “तोड़ना” या “संग्रह करना”।

(यह भी देखें: पहला फल, पर्व, सुसमाचार)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियों 9:9-11](#)
- [2 शमूएल 21:7-9](#)
- [गलातियों 6:9-10](#)
- [यशायाह 17:11](#)
- [याकूब 5:7-8](#)
- [लैव्यव्यवस्था 19:9](#)
- [मत्ती 9:38](#)
- [रूट 1:22](#)
- [गलातियों 6:9-10](#)
- [मत्ती 6:25-26](#)
- [मत्ती 13:30](#)
- [मत्ती 13:36-39](#)
- [मत्ती 25:24](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2758, H4395, H4672 H7105, H7114, H7938, G270, G2325, G2326, G2327

फसह**तथ्यः**

“फसह” यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जो प्रतिवर्ष मनाया जाता है, जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इसाएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भनकर खाया जाता था और रोटी खमीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इसाएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन् उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों “को अछूता छोड़कर” निकल गया और उन्हें मिस्र के दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझावः

फसह शब्द के अनुवाद में “पार” और “निकलने” की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम उन अनुवादित शब्दों के साथ अर्थगम्य हो जिनके द्वारा इस्लाए़लियों के पुत्रों का वध न करते हुए स्वर्गदूत का उनके घरों से आगे बढ़ जाने का वर्णन किया गया है तो यह सहायक सिद्ध होगा।

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियियों 5:7](#)
- [2 इतिहास 30:13-15](#)
- [2 राजा 23:23](#)
- [व्यवस्थाविवरण 16:2](#)
- [निर्गमन 12:26-28](#)
- [एज्ञा 6:21-22](#)
- [यूहन्ना 13:1](#)
- [यहोशू 5:10-11](#)
- [लैव्यव्यवस्था 23:4-6](#)
- [गिनती 9:3](#)

बाह्यबल की कहानियों के उदाहरण:

- 12:14** परमेश्वर ने इस्लाए़लियों को आज्ञा दी कि वे मिस्रियों पर परमेश्वर की विजय और दासत्व से उनकी मुक्ति के स्मरण में प्रतिवर्ष फसह का पर्व मनाया करें।
- 38:1** यहूदी प्रतिवर्ष फसह का पर्व मनाते थे। यह एक उत्सव था, जब वे याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व से निकाला था।
- 38:4** यीशु ने अपने चेलों के साथ फसह का पर्व मनाया था।
- 48:9** जब परमेश्वर ने लाहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया। इस घटना को फसह कहा जाता है।
- 48:10** यीशु हमारा फसह का मेस्त्रा है। वह सिद्ध और निष्पाप था, और फसह के उत्सव के दिन मारा गया था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G39570

फाटक

परिभाषा:

“फाटक” किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। “बेड़ों” फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

- नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।
- नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।
- फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।
- बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनियम एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "फाटक" का अनुवाद "द्वार" या "दीवार का प्रवेश स्थान" या "बाधक" या "प्रवेश द्वार" किया जा सकता है।
- "फाटक की सलाखों" का अनुवाद "फाटक की सिटकनी" या "द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्टा" या "द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल"।

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 09:23-25](#)
- [प्रे.का. 10:17-18](#)
- [व्यवस्थाविवरण 21:18-19](#)
- [उत्पत्ति 19:1-3](#)
- [उत्पत्ति 24:59-60](#)
- [मत्ती. 07:13-14](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

फारस

परिभाषा:

फारस एक शक्तिशाली राज्य हो गया था जिसकी स्थापना कुसू महान ने 550 ई.पू. में की थी। फारस देश बेबीलोन अश्शूर राज्यों के दक्षिण पूर्व में था। वह आज का ईरान देश है।

- फारस के निवासियों को फारसी कहते थे।
- कुसू राजा के आदेश के अनुसार यहूदियों को बेबीलोन की बन्धुआई से मुक्त करके स्वदेश लौटने की अनुमति मिल गई थी, और यरूशलेम का मन्दिर भी फिर से बनाया गया था जिसका खर्च फारस नगर कोष से मिलता था।
- जब एज्रा और नहेम्याह यरूशलेम की शहरपनाह का पुनरुद्धार करने स्वदेश लौटे थे तब अर्तक्षत्र फारसी राज्य का राजा था।
- एस्तेर राजा क्षयर्ष से विवाह करने के बाद फारसी साम्राज्य की रानी हो गई थी।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अर्तक्षत्र, अश्शूर देश, बाबेल, कुसू, एस्तेर, एज्रा, नहेम्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 36:20](#)
- [दानियेल 10:13](#)
- [एस्तेर 01:3-4](#)
- [यहेजकेल 27:10-11](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6539, H6540, H6542, H6543

फ़िरौन

तथ्य:

प्राचीन युग में मिस्र देश के राजा फ़िरौन कहलाते थे।

- कुल 300 फ़िरौन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से अधिक वर्ष राज किया था।
- मिस्त्र के ये राजा अति शक्तिशाली एवं धनवान मनुष्य थे।
- बाइबल में भी कुछ फ़िरौन के नाम आते हैं।
- यह पद नाम एक शीर्षक होने की अपेक्षा नाम के रूप में अधिक प्रयोग किया गया है। ऐसी स्थिति में फ़िरौन शब्द को अंग्रेजी में बड़े “पी” अक्षर से लिखा गया है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: मिस्त्र, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:9-10](#)
- [प्रे.का. 7:13](#)
- [प्रे.का. 7:21](#)
- [उत्पत्ति 12:15](#)
- [उत्पत्ति 40:7](#)
- [उत्पत्ति 41:25](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 8:6 एक रात **फिरौन** जो मिस्री अपने राजा को कहते थे, ने दो स्वप्न देखे जो उसे बहुत परेशान कर रहे थे।
- 8:8 **फिरौन** यूसुफ से ऐसा प्रभावित हुआ कि उसने यूसुफ को मिस का दूसरा सबसे शक्तिशाली मनुष्य नियुक्त कर दिया।
- 9:2 उस समय जो **फिरौन** मिस पर राज्य करता था, उसने इसाएलियों को मिसियो का दास बनाया।
- 9:13 इसलिये आ मैं तुझे **फिरौन** के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इसाएली प्रजा को मिसके दासत्व में से निकाल ले आए।
- 10:2 इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था, कि वह **फिरौन** व मिस के देवताओं से कहीं अधिक शक्तिशाली है।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

फिलिप्पी

तथ्यः

फिलिप्पी एक मुख्य नगर एवं रोमी उपनगर था जो प्राचीन यूनान के उत्तरी भाग में मकिदुनिया प्रान्त में था।

- पौलुस और सीलास ने फिलिप्पी नगर जाकर वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में बताया।
- फिलिप्पी में पौलुस और सीलास को बन्दी बना लिया गया था परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारी रूप से उन्हें बचाया।
- नये नियम में फिलिप्पियों की पत्री पौलुस द्वारा फिलिप्पी नगर की कलीसिया के विश्वासियों को लिखा पत्र है।
- ध्यान रखें कि यह नगर कैसरिया फिलिप्पी नहीं है, कैसरिया फिलिप्पी उत्तर पूर्वी इस्राएल में हर्मन पर्वत के निकट था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही विश्वासी, कलीसिया, मकिदुनिया, पौलुस, सीलास)

बाइबल सन्दर्भः

- [थिसलुनीकियों 2:1-2](#)
- [प्रे.का. 16:11](#)
- [मत्ती 16:13-16](#)
- [फिलिप्पियों 1:1](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 47:1 एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास **फिलिप्पी** में यीशु का प्रचार करने गए।
- 47:13 जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें आज्ञा दी कि **फिलिप्पी** छोड़ दे।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G53740, G53750

फिलिप्पस

तथ्यः

यरूशलेम में आरंभिक कलीसिया में फिलिप्पस सात सेवकों में से एक था जिन्हें गरीब और आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों की सुधि लेने के लिए चुना गया था, विशेष करके विधवाओं को।

- परमेश्वर ने यहूदिया और गलील के विभिन्न क्षेत्रों में सुसमाचार सुनाने के लिए फिलिप्पस का उपयोग किया था उसने यरूशलेम से गाजा जाने वाले यरूशलेम के मार्ग में एक कूशी पुरुष को भी सुसमाचार सुनाया था।
- वर्षों बाद जब फिलिप्पस कैसरिया में रह रहा था तब यरूशलेम लौटते समय पौलुस और उसके साथी उसके घर में ठहरे थे।
- अधिकांश बाइबलविदं के विचार में यह फिलिप्पस यीशु का शिष्य फिलिप्पस नहीं था। कुछ भाषाओं में इन दोनों के नामों की वर्तनी में परिवर्तन कर दिया गया है कि उनका अलग-अलग व्यक्ति होना स्पष्ट हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: फिलिप्पस)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 06:5-6](#)
- [प्रे.का. 08:6-8](#)
- [प्रे.का. 08:12-13](#)
- [प्रे.का. 08:29-31](#)
- [प्रे.का. 08:36-38](#)
- [प्रे.का. 08:39-40](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G5376

फिलिप्पस

तथ्यः

फिलिप्पस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह बेतसैदा नगर का था।

- फिलिप्पस नतनएल को यीशु के पास लाया था।
- यीशु ने फिलिप्पस से कहा था कि वह 5000 मनुष्यों के जनसमूह के लिए भोजन व्यवस्था करे।
- अन्तिम फसह के भोज में यीशु ने अपने शिष्यों के साथ पिता परमेश्वर के विषय चर्चा की थी। फिलिप्पस ने यीशु से निवेदन किया था कि वह उन्हें पिता परमेश्वर का दर्शन कराए।
- कुछ भाषाओं में इस फिलिप्पस का नाम प्रचारक फिलिप्पस के नाम की वर्तनी से भिन्न लिखा जाता है। यह उचित समझा गया है जिससे कि देनों नामों में उलझन उत्पन्न न हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: फिलिप्पस)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 1:14](#)
- [यूहन्ना 1:44](#)
- [यूहन्ना 6:6](#)
- [लूका 6:14](#)
- [मरकुस 3:17-19](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G53760

फीनीके

तथ्यः

प्राचीन युग में फिनिके इसाएल के उत्तर में भूमध्य सागर के तट पर एक धनाढ़ी नगर था।

- फिनिके आज के लेबनान देश के पश्चिमी में स्थित एक भू भाग था।
- नये नियम के युग में फिनिके की राजधानी सूर नगर थी। एक और महत्वपूर्ण फीनीके नगर सैदा था।
- फीनीकेवासी काष्ठकला के लिए प्रसिद्ध थे, वे अपने देश के देवदारों की लकड़ी काम में लेते थे और बैंजनी रंग तैयार करते थे, जो बहुत मंहगा होता था। वे समुद्री यात्रा और व्यापार करने के लिए प्रसिद्ध थे। वे अत्यधिक कुशल नाव बनानेवाले भी थे।
- पूर्व के अक्षरों में से एक अक्षर फीनीकेवासी द्वारा बनाया गया था। व्यापार के माध्यम से कई लोगों के समूह के साथ उनके संपर्क के कारण उनकी वर्णमाला व्यापक रूप से इस्तेमाल की गई थी।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: देवदारू, बैंजनी, सैदा, सूर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 11:19-21](#)
- [प्रे.का. 15:3-4](#)
- [प्रे.का. 21:1-2](#)
- [यशायाह 23:10-12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3667, G4949, G5403

- मनुष्य दण्ड के लिए या राजनीतिक कारणों से अपने देश से बाहर किया जाता है।
- पराजित देश की प्रजा को विजयी देश की सेना अपने देश ले जाती थी कि उनसे अपना काम करवाए।
- “बेबीलोन की बन्धुआई” बाइबल के इतिहास में वह समय था जब यहूदा राज्य की अधिकांश प्रजा को बलपूर्वक स्वदेश से विस्थापित करके बेबीलोन में बसाया गया था। यह अवधी 70 वर्ष तक रही थी।
- “बन्धुआ” शब्द उन लोगों के संबन्ध में है जिन्हें स्वदेश से दूर निर्वासन में रखा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बन्धुआई में ले जाना” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या ऐसी उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ “दूर भेजना” या “बलपूर्वक निकालना” या “देश निकाला देना” हो।
- “बन्धुआई का समय” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या ऐसी उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ, “निर्वासित समय” या “देश निकाले का समय” या “विवशकारी अनुपस्थिति का समय” या “देश निकाला” हो।
- “बन्धुआ” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “निर्वासित लोग” या “वे लोग जिन्हें देश से निकाल दिया गया है” या “बेनीलोन में निर्वासित लोग”

(यह भी देखें: बाबेल, यहूदा)

बँधुआई

परिभाषा:

“बन्धुआई” शब्द का अर्थ है कि मनुष्यों को स्वदेश से बाहर कहीं दूर बसाया जाना।

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 24:14](#)
- [दानियेल 02:25-26](#)
- [यहेजकेल 01:1-3](#)
- [यशायाह 20:04](#)
- [यिर्म्याह 29:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1123, H1473, H1540, H1541, H1546, H1547, H3212, H3318, H5080, H6808, H7617, H7622, H8689, G3927

बकरा-बकरियाँ**परिभाषा:**

बकरी एक मध्यम कद का भेड़ जैसा चौपाया होता है जिसे दूध और मांस के लिए पाला जाता है। नवजात बकरी को बकरी का बच्चा कहते हैं।

- भेड़ के समान बकरी भी महत्वपूर्ण बलि पशु थी विशेष करके फसह के समय।
- यद्यपि भेड़ और बकरी देखने में एक से हैं, वे कुछ रूप में भिन्न हैं:
- बकरी के बाल सख्त होते हैं और भेड़ के बाल ऊन होते हैं।
- बकरी की पूँछ ऊपर रहती है जबकि भेड़ की पूँछ लटकती है।
- भेड़ अपने झुण्ड में रहती है, परन्तु बकरी में निरंकुशता होती है और वह झुण्ड को छोड़ कर यहां वहां भागती है।
- बाइबल के युग में बकरी इस्साएल के लिए दूध का प्रमुख साधन थी।
- बकरी की खाल से तम्बूओं का आवरण और मशक्के बनाई जाती थी।
- पुराने और नये नियम दोनों में बकरी शब्द को अधर्मियों के प्रतीक स्वरूप काम में लिया गया है, संभवतः रखवाले से दूर भागने के उनके स्वभाव के कारण।
- इस्साएली बकरे को पाप वाहक के प्रतीक स्वरूप काम में लेते थे। एक बकरे की बलि चढ़ाने के बाद याजक दूसरे बकरे के सिर पर हाथ रखकर उसे रेगिस्तान में भेज देता था जो मनुष्यों का पाप उठा ले जाने वाले का प्रतीक था।

(यह भी देखें: झुण्ड, बलि, भेड़, धर्मी, दाखरस)

बाईबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 12:3-4](#)
- [उत्पत्ति 30:32](#)
- [उत्पत्ति 31:10](#)
- [उत्पत्ति 37:31](#)
- [लैव्यव्यवस्था 3:12-14](#)
- [मत्ती 25:33](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0689, H1423, H1429, H3277, H3629, H5795, H5796, H6260, H6629, H6842, H7716, H8163, H8166, H8495, G01220, G20550, G20560, G51310

बचाना**परिभाषा:**

"बचाना" का सन्दर्भ किसी को बुरी बात से या हानिकारक बात से सुरक्षित रखना। "सुरक्षित होना" अर्थात्, हानि या संकट से सुरक्षित रहना।

- शारीरिक अभिप्राय में मनुष्य हानि, संकट या मृतु से बचाए जा सकते हैं।
- आत्मिक अर्थ में यदि मनुष्य का "उद्धार" हो गया है तो कूस पर यीशु की मृत्यु के माध्यम से परमेश्वर ने उसको क्षमा कर दिया है और उसको पापों के दंड से बचा लिया है जो अन्यथा नरक का था।
- मनुष्य खतरे से मनुष्यों को बचा सकते हैं परन्तु पापों के अनन्त दण्ड से केवल परमेश्वर ही मनुष्यों को बचा सकता है।

"उद्धार" शब्द का सन्दर्भ बुराई और संकट से बचाए जाने से है।

- बाईबल में, "उद्धार शब्द का सन्दर्भ प्रायः आत्मिक और अनंत मुक्ति से है जो परमेश्वर द्वारा उन लोगों को दी जाती है अपने पापों से मन फिरा कर यीशु में विश्वास करते हैं।
- बाईबल में परमेश्वर द्वारा उसकी प्रजा को क्षत्रियों से बचाने की भी चर्चा की गई है।

अनुवाद सुझावः

- "बचाना" शब्द के अनुवाद "मुक्ति दिलाना" या "हानि से बचाना" या "हानि के मार्ग से निकाल लेना" या "मरने से बचा लेना" हो सकता है।
- इस अभिव्यक्ति में, "जो कोई अपना जीवन बचाएगा", शब्द "बचाएगा" का अनुवाद, "संभालना" या "सुरक्षित रखना" हो सकता है।
- "सुरक्षित" का अनुवाद हो सकता है, "खतरे से बचना" "उस स्थान में जहां कोई हानि न पहुंचा पाए"।
- "उद्धार" शब्द का अनुवाद "बचाना" या "उबारना" के सहार्थी शब्दों से किया जा सकता है, जैसे, "परमेश्वर मनुष्यों को (पापों के दंड से) बचा रहा है" या "परमेश्वर अपनी प्रजा को (क्षत्रियों से) बचा रहा है।"
- "परमेश्वर मेरा उद्धार है" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, परमेश्वर ही है जो मुझे बचाता है।"
- "तुम उद्धार के कुँए से पानी निकालोगे", इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, तुम ऐसे ताज़ा हो जाओगे जैसे पानी से क्योंकि परमेश्वर तुम्हारा उद्धार कर रहा है।"

(यह भी देखें: कूस, छुड़ाना, दण्ड देना, उद्धारकर्ता, पाप)

बाईबल संदर्भः

- [उत्पत्ति 49:18](#)
- [उत्पत्ति 47:25-26](#)
- भजन. 80:3
- [यिर्म्याह 16:19-21](#)
- [मोका 6:3-5](#)
- [लूका 2:30](#)
- [लूका 8:36-37](#)
- [प्रे.का. 4:12](#)
- [प्रे.का. 28:28](#)
- [प्रे.का. 2:21](#)
- [रोमियो 1:16](#)
- [रोमियो 10:10](#)
- [इफिसियो 6:17](#)
- [फिलिपियो 1:28](#)
- [1 तीमुथियुस 1:15-17](#)
- [प्रका. 19:1-2](#)

बाईबल की कहानियों के उदाहरणः

बाईबल की कहानियों के उदाहरण

- 9:8 मूसा ने अपने साथी इस्माएली को **बचाने** का प्रयास किया।
- 11:2 परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर विश्वास करेंगा वह उसके पहिलौठे पुत्र को **बचाएगा**।
- 12:5 मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत! परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे **बचाएगा**।
- 12:13 इस्माएलियों ने अपनी स्वतंत्रता का उत्साह मनाने के लिये बहुत से गाने गाए, और परमेश्वर की आराधना की जिसने उन्हें मिसियो की सेना से **बचाया**

- **16:17** यह पद्धति कई बार दोहराई गई, इस्साएली पाप करते थे, परमेश्वर उन्हें दण्ड देता था, और फिर वह पश्चाताप करते थे, और फिर परमेश्वर उन्हें **बचाने** के लिए एक उद्धारक भेजता था
- **44:8** तुमने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। तुमने उसे अस्वीकार किया, परन्तु और कोई दूसरा मार्ग नहीं है केवल यीशु के सामर्थ्य के द्वारा ही उद्धार मिल सकता है।"
- **_47:11_** दारोगा घबरा गया और पौलुस और सीलास के पास आकर पूछा, "हे सज्जनों उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ?" पौलुस ने उत्तर दिया, "यीशु जो मालिक है, उसपर विश्वास करो तो तुम और तुमारा परिवार उद्धार पाएगा।"
- **49:12** अच्छे कार्य तुम्हें **बचा** नहीं सकते।
- **49:13** जो कोई भी यीशु पर विश्वास करता और उसे प्रभु मानकर स्वीकार करता है परमेश्वर उसे **बचाएगा।** परन्तु जो उसमें विश्वास नहीं करता है ऐसे किसी व्यक्ति को वह नहीं **बचाएगा।**

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H983, H2421, H2502, H3444, H3467, H3468, H4190, H4422, H4931, H5338, H6308, H6403, H7682, H7951, H7965, H8104, H8199, H8668, G803, G804, G806, G1295, G1508, G4982, G4991, G4992, G5198

बचे हुए

परिभाषा:

शब्द "बचे हुए लोग" वास्तव में बचे हुए लोगों या वस्तुओं के संदर्भ में है। इसका अर्थ बड़ी मात्रा में से छोड़ी गई वस्तु या बड़ी संख्या के समूह के बचे हुए लोग भी है।

- "बचे हुए" प्रायः उन लोगों को व्यक्त करता है जो जान की जोखिम से बच गए या सताव के उपरान्त भी जो मनुष्य परमेश्वर के निष्ठावान रहे।
- यशायाह यहूदियों के एक समूह को बचे हुए लोग कहता है जो शत्रुओं के आक्रमण से बचे रहेंगे और प्रतिश्वास के देश कनान लौटेंगे।
- पौलुस भी "बचे हुए" लोगों की चर्चा करता है जिन्हें परमेश्वर ने चुना कि उसके अनुग्रह के वारिस हों।
- "बचे हुए" का अभिप्राय यह भी है कि कुछ लोग नहीं बचे या छोड़े नहीं गए।

अनुवाद के सुझावः

- "इनमें से बचे हुए लोग" इस उक्ति का अनुवाद, "इन लोगों में से जो बाकी रह गए" या "शेष मनुष्य" हो सकता है।
- "बाकी सब लोग" का अनुवाद, "शेष सब लोग" या "बचे हुए लोग" हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 15:17](#)
- [आमोस 9:12](#)
- [यहेजकेल 6:8-10](#)
- [उत्याति 45:7](#)
- [यशायाह 11:11](#)
- [मीका 4:6-8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3498, H3499, H5629, H6413, H7604, H7605, H7611, H8281, H8300, G2640, G3005, G3062

बढ़ाएगा

परिभाषा:

"बढ़ाएगा" अर्थात् जनसंख्या बहुत बढ़ जाना। इसका संदर्भ और बातों से भी होता है जैसे पीड़ा का बढ़ना।

- परमेश्वर ने मनुष्यों और पशुओं से कहा था कि वे बढ़ कर (फूलों फलों) पृथ्वी को भर दें। यह सन्तति वृद्धि की आज्ञा थी।
- यीशु ने 5,000 पुरुषों को भोजन करवाने के लिए रोटी और मछलियों की मात्रा बढ़ाई थी। भोजन की मात्रा बढ़ती गई कि सबके लिए आवश्यकता से अधिक भोजन हो।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “फैलना” या “वृद्धि का कारण होना” या “संख्या वृद्धि होना” या “संख्या अधिक होना” या “असंख्या हो जाना” भी हो सकता है।
- “तेरी पीड़ा को बहुत बढ़ा देगा” का अनुवाद हो सकता है, “तेरी पीड़ा को अधिक उग्र बना दे” या “तुझे बहुत अधिक पीड़ा दे”।
- “घोड़े बढ़ाना” अर्थात् “लालच करके घोड़ों का संग्रह करना” या “बहुत अधिक घोड़े एकत्र करना”

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 08:1-2](#)
- [उत्पत्ति 09:5-7](#)
- [उत्पत्ति 22:15-17](#)
- [होशे 04:6-7](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3254, H3527, H6280, H7231, H7233, H7235, H7680, G4052, G4129

बतशेबा

तथ्य:

“बतशेबा” दाऊद के एक सैनिक ऊरियाह की पत्नी थी। ऊरियाह के मरने के बाद वह दाऊद की पत्नी बन गई थी, वही राजा सुलैमान की माता थी।

- दाऊद ने बतशेबा के साथ व्यभिचार किया जबकि वह ऊरियाह की पत्नी थी।
- जब बतशेबा दाऊद से गर्भवती हो गई तब दाऊद ने ऊरियाह को युद्ध में आगे भेजकर मरवा दिया।
- उसके बाद दाऊद ने बतशेबा से विवाह किया और उनके पुत्र का जन्म हुआ।
- परमेश्वर ने दाऊद को उसके पाप के लिए उसके जन्म के कई दिनों बाद बच्चे को मार कर दण्डित किया।
- बाद में, बतशेबा ने एक और पुत्र सुलैमान को जन्म दिया, जो बड़ा होकर दाऊद के बाद राजा बना।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, सुलैमान, ऊरियाह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 3:4-5](#)
- [1 राजा 1:11](#)
- [2 शमूएल 11:3](#)
- भजन 51:1-2

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **17:10** एक दिन, जब दाऊद के सब सैनिक राज्य से दूर युद्ध करने के लिए गए हुए थे, उसने अपने महल से बाहर देखा, तो उसे एक स्त्री जो अति सुन्दर थी नहाती हुई दिखाई पड़ी। उसका नाम **बतशेबा** था।
- **17:11** कुछ समय बाद **बतशेबा** ने दाऊद के पास कहला भेजा कि वह गर्भवती है।
- **17:12** **बतशेबा** का पति, जिसका नाम ऊरियाह था, वह दाऊद का एक वीर सैनिक था।
- **17:13** ऊरियाह के मरने के बाद, दाऊद ने **बतशेबा** से विवाह कर लिया।
- **17:14** उसके बाद, दाऊद और **बतशेबा** के एक और पुत्र हुआ, और उन्होंने उसका नाम सुलैमान रखा।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1339

बतूएल

तथ्यः

बतूएल अब्राहम के भाई नाहोर का पुत्र था।

- बतूएल रिबका और लाबान का पिता था।
- एक नगर का नाम भी बतूएल था जो संभवतः दक्षिणी यहूदा में था जो बेर्शेबा से अधिक दूर नहीं था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बेर्शेबा, लाबान, नाहोर, रिबका)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 04:29-31](#)
- [उत्पत्ति 28:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1328

बदनामी

परिभाषा:

बदनामी एक नकारात्मक है, किसी अन्य व्यक्ति के बारे में बोली जाने वाली बातें (लिखित नहीं) जो बदनाम करती हैं। किसी व्यक्ति के बारे में ऐसी बातें (लिखने के लिए नहीं) कहने के लिए उस व्यक्ति को बदनाम करना है। ऐसी बातें कहने वाला व्यक्ति एक निंदक है।

- बदनामी सच्ची बात नहीं होती है, या झूठा आरोप होता है परन्तु इससे सुननेवाला किसी मनुष्य के बारे में गलत सोचता है।
- 'बदनामी' का अनुवाद "के खिलाफ बोलना" या "बुराई फैलाने" या "अपवाद करना" के रूप में किया जा सकता है।
- बदनामी करने वाले को "सूचना देनेवाला" या "अफवाह फैलाने वाला" भी कहते हैं।

(यह भी देखें: निन्दा)

बाइबल के सन्दर्भः

- [1 कुरियियों 04:13](#)
- [1 तीमुथियुस 03:11](#)
- [2 कुरियियों 06:8-10](#)
- [मरकुस 07:20-23](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग्स: H1681, H1696, H1848, H3960, H5791, H7270, H7400, H8267, G987, G988, G1228, G1426, G2636, G2637, G3059, G3060

बदला लेना

परिभाषा:

“बदला लेना”, “प्रतिकार” या “प्रतिशोध करना” किसी को उसके द्वारा की गई हानि का पलटा लेने के लिए दण्ड देना। बदला लेने का काम, प्रतिशोध कहलाता है।

- “बदला लेना” प्रायः न्याय करने या गलत को सही करने के अभिप्राय से होता है।
- जब मनुष्यों के संदर्भ में हो तो “बदला लेना” या “प्रतिशोध” हानि करने वाले पर कार्यवाही के लिए होता है।
- जब परमेश्वर “बदला लेता” या “प्रतिशोध लागू करता है” तो वह उसकी धर्मनिष्ठा का दावा है क्योंकि वह पाप और विद्रोह का दण्ड देता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “बदला लेना” का अनुवाद “गलतियों को सुधारना” या “न्याय चुकाना” भी हो सकता है।
- जब मनुष्यों से “बदला लेना” हो तब इसका अनुवाद “हिसाब चुकाना” या “दण्ड देने के लिए हानि पहुंचाना”, या “पलटा लेना” हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, “बदला” का अनुवाद हो सकता है, “दण्ड” या “पाप का दण्ड” या “गलत काम का बदला देना” “पलटा” शब्द मनुष्यों के संदर्भ में उपयोग किया गया है।
- परमेश्वर कहता है “मेरा पलटा लो” तो इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मेरे विरुद्ध किए गए गलत काम का दण्ड उन्हें दो” या “उनका बुरा करो क्योंकि उन्होंने मेरे विरुद्ध पाप किया है।”
- परमेश्वर के बदले की चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि आपके अनुवाद में स्पष्ट हो कि पाप का दण्ड देने में परमेश्वर न्यायोचित है।

(यह भी देखें: दण्ड, उचित, धर्मजन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 24:12-13](#)
- [यहेजकेल 25:15](#)
- [यशायाह 47:3-5](#)
- [लैव्यवस्था 19:17-18](#)
- भजन संहिता 18:47
- [रोमियो 12:19](#)

शब्द तथ्यः

स्ट्रोंग्स: H1350, H3467, H5358, H5359, H5360, H8199, G15560, G15570, G15580, G37090

बनायाह

परिभाषा:

बनायाह नामक अनेक पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- यहोयादा का पुत्र बनायाह दाऊद के शूरवीरों में था। वह एक कुशल योद्धा था इसलिए दाऊद के अंग रक्षकों का प्रधान बनाया गया था।

जब सुलैमान को राजा बनाया गया तब बनायाह ने उसके बैरियों का नाश किया था। अन्त में वह इस्साएली सेना का सेनापति बन गया था।

- पुराने नियम में बनायाह नामक अन्य पुरुष थे, तीन लेवी, एक याजक एक संगीतकार, आसाप का एक वंशज।

(यह भी देखें: आसाप, यहोयादा, लैव्य., सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 04:34-38](#)
- [1 राजा 01:7-8](#)
- [2 शमूएल 23:20-21](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1141

बन्दी

परिभाषा:

“बन्दी” और “बँधुआई” का अर्थ है मनुष्यों को बन्दी बनाना और जहां वे नहीं चाहते वहां उन्हें रहने के लिए विवश करना जैसे परदेश में।

- यहूदा राज्य के इसाएलियों को बेबीलोन में 70 वर्ष बँधुआ बनाकर रखा गया था।
- बँधुआ लोगों को बन्दी बनाने वाले लोगों या देशों के लिए काम करना पड़ता था।
- दानियेल और नहेम्याह इसाएली बँधुआ थे जो बेबीलोन के राजा की सेवा में थे।
- “बन्दी बनाना” मनुष्यों का दासत्व में ले जाने के लिए एक और अभिव्यक्ति है।
- “तुम्हें बन्दी बना कर ले जाएंगे,” इसका अनुवाद ऐसे भी हो सकता है, “तुम्हें बँधुआ होकर रहने के लिए विवश करेंगे” या “तुम्हें बन्दी बनाकर परदेश में ले जाएंगे।”
- प्रतीकात्मक रूप में प्रेरित पौलुस विश्वासियों से कहता है कि वे प्रत्येक विचार को “बन्दी बना कर” मसीह का आज्ञाकारी बना दें।
- वह यह भी कहता है कि मनुष्य पाप के द्वारा कैसे “दासत्व में” ले लिया जाता है अर्थात् पाप के “वश में” होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बंदी बनाकर रखा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “स्वतंत्र रहने न दिया” या “बन्दीगृह में रखा” या “परदेश में रहने के लिए विवश किया।”
- “बन्दी बनाकर ले गए” या “बन्दी बनाया,” इनका अनुवाद हो सकता है, “पकड़ लिया” या “कैद कर लिया” या “परदेश जाने के लिए विवश किया।”
- “बंदियों” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “वे लोग जो पकड़े गए थे” या “दास बनाए गए लोग”
- प्रकरण के अनुसार, “बन्धुआई” का अनुवाद हो सकता है, “कारावास” या “निर्वासन” या “परदेश में बलात आप्रवास”

(यह भी देखें: बाबेल, बँधुआई, बन्दीगृह, बन्दी बनाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 कुरियों 10:5](#)
- [यशायाह 20:4](#)
- [यिर्मायाह 43:3](#)
- [लूका 04:18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1123, H1473, H1540, H1546, H1547, H7617, H7622, H7628, H7633, H7686, G161, G162, G163, G164, G2221

बन्दी बनाना**परिभाषा:**

"बन्दी बनाना" किसी मनुष्य या वस्तु का बल-पूर्वक हरण करना। इसका अर्थ किसी पर हावी होना या नियंत्रण करना भी होता है।

- जब सैन्य बल द्वारा नगर को जीत लिया जाता है तब सैनिक वहाँ के निवासियों की मूल्यवान वस्तुएं लूट लेते हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर इस शब्द का अर्थ है, "भयातुर" होना।" इसका अर्थ है कि मनुष्य अक्समात ही "भय-ग्रस्त" हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति "भय-ग्रस्त" है तो यह भी कहा जा सकता है कि वह, "अक्समात ही बहुत डर गया"।
- स्त्री के प्रसव के संदर्भ में इसका अर्थ है दर्द अक्समात ही उठा और बहुत अधिक हो गया। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, स्त्री का प्रसव पीड़ा द्वारा "अभिभूत होना" या पीड़ा का "अक्समात ही आ पड़ना।"
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "वशीभूत करना" या "अक्समात ले लेना" या "जकड़ लेना"।"
- "उसे पकड़ कर उसके साथ सोया" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "उस पर बलपूर्वक हावी हुआ" या "उसका शील भंग किया" या "उसके साथ बलात्कार किया।" सुनिश्चित करें कि यह भावार्थ स्वीकार्य हो।

(देखें: व्यंजना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 16:19-21](#)
- [निर्गमन 15:14](#)
- [यूहन्ना 10:37-39](#)
- [लूका 8:29](#)
- [मत्ती 26:48](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H0270, H1497, H2388, H3027, H3920, H3947, H4672, H5377, H5860, H6031, H7760, H8610, G07240, G19490, G26380, G29020, G29830, G48150, G48840

बपतिस्मा देना

परिभाषा:

नये नियम में “बपतिस्मा देना” और “बपतिस्मा” का अर्थ प्रायः है, विश्वासी को सांस्कारिक रूप से पानी में नहलाना कि उसका पाप मोचन और मसीह से एकीकरण प्रकट हो।

अनुवाद के लिए सुझावः

- विश्वासियों में बपतिस्में की विधि की अनेक धारणाएँ हैं। अतः उचित होगा कि इसका अनुवाद सामान्य रूप में किया जाए जिसमें जल के उपयोग की विभिन्न विधियां हों।
- प्रकरण के अनुसार “बपतिस्मा” का अनुवाद “शुद्धिकरण,” “उण्डेलना,” “दुबाना,” “धोना” या “आध्यात्मिक रूप से शुद्ध करना” हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, “पानी से तुम्हे बपतिस्मा देना” का अनुवाद “पानी में दुबकी” हो सकता है।
- शब्द “बपतिस्मा” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “शुद्धिकरण,” “उंडेलना,” “दुबकी,” “सफाई।”
- यह भी विचार करें कि इस शब्द का अनुवाद किसी स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मन फिराव करना, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 2:38](#)
- [प्रे.का. 8:36](#)
- [प्रे.का. 09:18](#)
- [प्रे.का. 10:48](#)
- [लूका 3:16](#)
- [मत्ती 3:14](#)
- [मत्ती 28:18-19](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 24:3 जब उन लोगों ने यूहन्ना का संदेश सुना, उन्होंने अपने-अपने पापों को मानकर, **बपतिस्मा लिया**, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से **बपतिस्मा लेने** को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया।
- 24:6 अगले दिन, यीशु यूहन्ना के पास उससे **बपतिस्मा लेने** को आया।
- 24:7 यूहन्ना ने यीशु से कहा, “मैं इस योग्य नहीं कि तुझे **बपतिस्मा** दूँ। मुझे तो तेरे हाथ से **बपतिस्मा लेने** की आवश्कता है।”
- 42:10 इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से **बपतिस्मा** दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। ”
- 43:11 पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से **बपतिस्मा ले** तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- 43:12 लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर विश्वास किया और यीशु के चेले बन गए। और उन्हें **बपतिस्मा** दिया गया और वे यस्तलेम की कलीसिया का हिस्सा बन गए।
- 45:11 फिलिप्पस और कूश देश का अधिकारी मार्ग में चलते-चलते वे किसी जल की जगह पहुँचे। तब कुश देख के अधिकारी ने कहा कि, “देख ! यहाँ जल है! क्या में **बपतिस्मा ले** सकता हूँ?”

- **46:5** शाउल तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे **बपतिस्मा** दिया।
- **49:14** यीशु तुम्हें उस पर विश्वास करने और **बपतिस्मा लेने** के लिए आमंत्रित करता है।

शब्द तथ्यः

- Strong's: G09070

बबूल

परिभाषा:

"बबूल" कनान में प्राचीन समय का एक कंटीला वृक्ष था जो आज भी बहुतायत से पाया जाता है।

- बबूल के पेड़ की नारंगी भूरे रंग की लकड़ी बहुत कठोर एवं दीर्घकालीन उपयोग की होती है। जिससे चीजें निर्माण करने के लिए यह उपयोगी सामग्री बनती है।
- यह लकड़ी आसानी से सड़ती नहीं है क्योंकि इसकी धनता बहुत अधिक है यह पानी को भी रोकती है, इसमें प्राकृतिक कीटनाशक निहित होते हैं।
- बाइबल में बबूल की लकड़ी निवास स्थान (भण्डार) और वाचा का सन्दूक बनाने में काम में ली गई थी।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, मिलापवाला तम्बू)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 10:3-4](#)
- [निर्गमन 23:4-5](#)
- [निर्गमन 38:6-7](#)
- [यशायाह 41:19-20](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7848

बरअब्बा

तथ्यः

जब यीशु को बन्दी बनाया गया उस समय बरअब्बा यरूशलेम में एक बन्दी था।

- बरअब्बा एक अपराधी था जिसने रोमी सरकार के विरुद्ध विद्रोह और हत्याएं की थीं।
- जब पेन्तुस पिलातुस ने बरअब्बा और यीशु में से एक को छोड़ देने का प्रस्ताव रखा तो प्रजा ने बरअब्बा को चुना।
- अतः पिलातुस ने बरअब्बा को छोड़ दिया और यीशु को मृत्यु दण्ड दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: पिलातुस, रोम)

बाइबल सन्दर्भः

- [यूहन्ना 18:40](#)
- [लूका 23:19](#)
- [मरकुस 15:7](#)
- [मत्ती 27:15-16](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G09120

बरतुल्मै

तथ्यः

बरतुल्मै यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- अन्य चेलों के साथ बरतुल्मै को सुसमाचार प्रचार और यीशु के नाम में आश्वर्यकर्म करने के लिए भेजा गया था।
- वह भी यीशु के स्वर्गारोहण के साक्षात् गवाहों में था।
- कुछ सप्ताह बाद पिन्तेकुस्त के दिन जब शिष्यों पर पवित्र-आत्मा उत्तरा तब वह भी यरूशलेम नगर में अन्य शिष्यों के साथ था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, शुभ सन्देश, पवित्र आत्मा, आश्वर्यकर्म, पिन्तोकुस्त, बारहों)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 1:12-14](#)
- [लूका 6:14-16](#)
- [मरकुस 3:17-19](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G09180

बरनबास

तथ्यः

प्रेरितों के समय में वास करनेवाला बरनबास एक आरंभिक मसीही विश्वासी था।

- बरनबास इसाएल के लेवी गोत्र का था जो कुप्रस द्वीप का निवासी था।
- शाऊल (पौलुस) ने जब यीशु को स्वीकार किया तब बरनबास ने अन्य विश्वासियों से आग्रह किया कि वे उसे एक साथी विश्वासी के रूप में स्वीकार कर ले।
- बरनबास और पौलुस एक साथ विभिन्न नगरों में गए कि वहां यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाए।
- उसका नाम यूसुफ था परन्तु उसे "बरनबास" अर्थात् "प्रोसाहन का पुत्र" कहा जाता था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीही विश्वासी, कुप्रस, शुभ सन्देश, लेवी, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 4:36](#)
- [प्रे.का. 11:26](#)
- [प्रे.का. 13:3](#)
- [प्रे.का. 15:33](#)
- [कुलुसियों 4:10-11](#)
- [गलातियों 2:9-10](#)
- [गलातियों 2:13](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **46:8** तब बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।
- **46:9** बरनबास और शाऊल इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को स्थिर करने के लिये अन्ताकिया आए।।
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैं ने उन्हें बुलाया है।" तब अन्ताकिया की कलीसिया ने शाऊल और बरनबास और पौलुस के लिए प्रार्थना की और उन पर हाथ रखा।।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G09210

बलवा

परिभाषा:

"बलवा" शब्द का अर्थ है किसी के अधिकार के अधीन होने से इन्कार करना। "बलवा करने वाला" आज्ञा नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा मनुष्य "बलवाई" कहलाता है

- मनुष्य बलवा करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए अधिकारियों ने मना किया है।
- मनुष्य अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट कार्य न करे तो वह बलवा करता है।
- कभी-कभी मनुष्य अपने सरकार या शासकों से भी बलवा (विद्रोह) करते हैं।
- प्रकरण के अनुसार “बलवा करना” का अनुवाद “आज्ञा न मानना” या “विद्रोह करना” भी हो सकता है।
- “बलवाई” का अनुवाद “लगातार अवज्ञाकारी” या “आज्ञापालन से इन्कार” भी किया जा सकता है।
- “बलवा” का अर्थ है, “आज्ञा मानने से इन्कार” या “अवज्ञा” या “नियम विरोधी”
- “बलवा” का संदर्भ एक संगठित जनसमूह से भी हो सकता है जो नियम को तोड़कर अगुओं और जनता पर सार्वजनिक आक्रमण कर देते हैं। ये लोग अन्य मनुष्यों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: अधिकार, शासक)

बाइबल संदर्भ:

- [1 राजा 12:18-19](#)
- [1 शमूएल 12:14](#)
- [1 तीमूथियुस 01:9-11](#)
- [2 इतिहास 10:17-19](#)
- [प्रेरि. 21:37-38](#)
- [लूका 23:18-19](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **14:14** इस्राएलियों के चालीस वर्ष तक जंगल में भटकने के बाद, वह सभी जो परमेश्वर के विरुद्ध बोलते थे मर गए।
- **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध बलवा किया।
- **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर का विद्रोह किया और लोगों को पाप में धकेल दिया।
- **18:13** यहूदा के बहुत से लोग परमेश्वर के विरुद्ध हो गए और अन्य देवताओं की उपासना करने लगे।
- **20:07** परन्तु कुछ वर्षों के बाद, यहूदा के राजा ने बेबीलोन के विरुद्ध विद्रोह किया।
- **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, “हे हठीले और परमेश्वर से बलवा करने वालों, तुम सदा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो, जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने सदैव परमेश्वर का विरोध किया और उसके भविष्यवक्ताओं को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग्स: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

बलिदान करना

परिभाषा:

बाड़बल में "बलि" और "भेंट का" संदर्भ परमेश्वर की आराधना में विशेष भेंट चढ़ाने से है। लोगों ने भी इूठे देवताओं के लिए बलिदान चढ़ाये।

बलि

- परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने में प्रायः पशु को वध किया जाता था।
- केवल यीशु- परमेश्वर का सिद्ध निष्पाप पुत्र, की बलि मनुष्यों के पापों से पूर्ण शोधन प्रदान कर सकती है, जानवरों का बलिदान कभी ऐसा नहीं कर सकता था।

भेंट

- "भेंट" शब्द का अर्थ है सामान्यतः है कि जो कुछ भी चढ़ाया गया था दिया गया। "बलि" का संदर्भ उस हर एक बात से था जो चढ़ाने वाले के लिए बहुत मूल्य की होती थी।
- परमेश्वर के लिए भेंट को विशिष्ट चीजें थीं, जिन्हें उसने इस्साएलियों को भक्ति और आज्ञाकारिता व्यक्त करने के लिए आदेश दिया था।
- विभिन्न बलियों के नाम थे "होमबलि" और "मेलबलि" आदि से प्रकट था कि कैसी बलि चढ़ाए।

अनुवाद सुझाव

- "चढ़ाओ" का अनुवाद "परमेश्वर के लिए भेंट" या "परमेश्वर को दी हुई कोई वस्तु" या "कोई मूल्यवान वस्तु जो परमेश्वर को दी गई है" हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, शब्द "बलि" का अनुवाद "आराधना में कुछ मूल्यवान" या "एक विशेष जानवर को मार डाला और परमेश्वर को दिया गया" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "बलिदान के लिए" क्रिया का अनुवाद "मूल्यवान" या "किसी जानवर को मारने और इसे परमेश्वर को दे" देने के लिए किया जा सकता है।
- "जीवित बलिदान के रूप में अपने आप को पेश करने" का अनुवाद करने का एक और तरीका हो सकता है "जैसे कि आप अपना जीवन जीते हैं, अपने आप को परमेश्वर के लिए पूरी तरह से वेदी पर चढ़ाया जाता जानवर के जैसे अपने आप को परमेश्वर को दे देना।"

(यह भी देखें: वेदी, होमबलि, अर्घ, इूठे देवता, मेलबलि, स्वैच्छा बलि, मेलबलि, याजक, पाप बलि, आराधना)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [2 तीमुथियुस 04:6-8](#)
- [प्रे.का. 07:41-42](#)
- [प्रे.का. 21:25-26](#)
- [उत्पत्ति 04:3-5](#)
- [याकूब 02:21-24](#)
- [मरकुस 01:21-22](#)
- [मरकुस 14:12-14](#)
- [मत्ती. 05:23-24](#)

बाह्यबल कहानियों से उदाहरणः

- 03:14 तब नूह जहाज में से निकल आने के बाद, उसने एक वेदी बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्मुओं का बलिदान दिया। परमेश्वर उस बलिदान से प्रसन्न हुआ और नूह और उसके परिवार को आशीष दी।
- **05:06** "अपने एकमात्र बेटे, इसहाक को ले, और बलिदान के रूप में मार डालो।" फिर अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया, और अपने पुत्र का बलिदान देने के लिये तैयार हो गया।
- **05:09** ईश्वर ने इसहाक के बदले बलिदान के लिए मेढ़ा प्रदान किया था।
- 13:09 जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा। एक याजक जानवर को मारकर वेदी पर जला देगा। उस जानवर का खून जो बलिदान किया गया था, उस व्यक्ति के पाप को आच्छादन किया और उस व्यक्ति को परमेश्वर की दृष्टि से साफ कर दिया।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इसाएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढ़ाएँ।

- **48:06** यीशु सबसे महान महायाजक है। दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते **बलिदान** के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है।
- **48:08** परन्तु परमेश्वर ने यीशु को भेजा, परमेश्वर का मेस्त्रा, कि वह हमारे स्थान पर अपने आप को **बलिदान** करे।
- **49:11** क्योंकि यीशु ने स्वयं का **बलिदान** दिया, इसलिये परमेश्वर किसी भी पाप को क्षमा कर सकता है, यहाँ तक कि भयानक पापों को भी।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H801, H817, H819, H1685, H1890, H1974, H2076, H2077, H2281, H2282, H2398, H2401, H2402, H2403, H2409, H3632, H4394, H4469, H4503, H4504, H5066, H5068, H5069, H5071, H5257, H5258, H5261, H5262, H5927, H5928, H5930, H6453, H6944, H6999, H7133, H7311, H8002, H8426, H8548, H8573, H8641, G266, G334, G1049, G1435, G1494, G2378, G2380, G3646, G4376, G5485

बहिष्कृत

परिभाषा:

"निकालना" या "निकालता" अर्थात् किसी व्यक्ति या वस्तु को बलपूर्वक दूर करना।

- "डालना" शब्द का अर्थ "फेंकना" के समान है। जाल डालने का मतलब है जाल को पानी में फेंकना।
- प्रतीकात्मक उपयोग में "निकालना" या "दूर करना" अर्थात् किसी का त्याग करना या उसे अपने से दूर करना

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण पर आधारित इसके अन्य अनुवाद रूप होंगे, "बलपूर्वक बहिष्कार करना" या "अलग कर देना" या "पीछा छुड़ाना"
- "दुष्टात्मा निकालना" इसका अनुवाद हो सकता है, "दुष्टात्मा को निकल जाने पर विवश करना" या "दुष्टात्मा को बहिष्कार करना" या "दुष्टात्मा को निकल जाने की आज्ञा देना"।
- आराधनालय या कलीसिया से किसी को "बाहर निकालने" का अनुवाद हो सकता है, उनको बहिष्कृत करना" या "उनको बाहर करना।"

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, दुष्टात्माग्रस्त, बहुत सारे)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 7:17-19](#)
- [मरकुस 3:13-16](#)
- [मरकुस 9:29](#)
- [मत्ती 7:21-23](#)
- [मत्ती 9:32-34](#)
- [मत्ती 12:24](#)
- [मत्ती 17:19-21](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1272, H1644, H1920, H3423, H7971, H7993, G15440

बाँसुरी

परिभाषा:

बाइबल के युग में बाँसुरी हड्डियों या लकड़ी के खोखले वाद्य-यन्त्र थे जिनसे ध्वनि निकलती थी। बाँसुरी एक प्रकार की नली थी।

- अधिकांश नलियों में सरकंडे जो मोटे घास के बने थे, हवा फूंकने पर कम्पन उत्पन्न होता था।
- एक नली जिसमें सरकंडे नहीं होते थे उन्हें बाँसुरी कहते थे।
- चरवाहे अपनी भेड़ों को शान्ति देने के लिए बांसुरी बजाते थे।
- इन वाद्यों द्वारा सुख या दुःख का संगीत बजाया जाता था।

(यह भी देखें: झुण्ड, चरवाहा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियियों 14:7](#)
- [1 राजा. 1:38-40](#)
- [दानियेल 3:3-5](#)
- [लूका 7:31-32](#)
- [मत्ती 9:23](#)
- [मत्ती 11:17](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4953, H5748, H2485, H2490, G08320, G08340, G08360

बांज वृक्ष

परिभाषा:

बांज, या बांज वृक्ष मोटे तने और फैली हुई शाखाओं का एक लम्बा पेड़ होता है।

- बांज वृक्ष की लकड़ी कठोर और दृढ़ होती है जिससे जहाज, हल, जूए और सहारे की छड़ी बनाए जाते थे।
- इस वृक्ष के फल को बंजुफल कहते हैं।
- कुछ बांज वृक्षों के तने 6 मीटर मोटे होते हैं।
- बांज वृक्ष दीर्घायु के प्रतीक थे, उनके अन्य आत्मिक अर्थ भी हैं। बाइबल में इनका संबन्ध पवित्र स्थानों से है।

अनुवाद के सुझाव:

- कई अनुवादों को "बांज वृक्ष" शब्द का उपयोग करने के बजाय केवल "बांज" शब्द का उपयोग करना महत्वपूर्ण होगा।
- यदि लक्षित भाषा के स्थान में बांज वृक्ष नहीं है तो इसका अनुवाद किया जा सकता है, "एक बड़ा बांज का छायादार वृक्ष" और इसके गुणों वाले किसी स्थानीय वृक्ष का नाम दें।
- देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें

(यह भी देखें: पवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शम्मैल 10:3-4](#)
- [उत्पत्ति 13:16-18](#)
- [उत्पत्ति 14:13-14](#)
- [उत्पत्ति 35:4-5](#)
- [न्यायियों 06:11-12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H424, H427, H436, H437, H438

बांधना

परिभाषा:

- “बांधना” अर्थात् किसी वस्तु को बांधकर रखना या सुरक्षित बन्धन में रखना। बंधी हुई या संयोजित वस्तुएं “बन्धन” में कहलाती हैं। इस शब्द की भूतकाल क्रिया “बांधा” है।
- “बंधा” होने का अर्थ है किसी वस्तु में लिपटा हुआ या बंधा होना।
- प्रतीकात्मक रूप में मनुष्य किसी शपथ से “बंधा” होता है जिसका अर्थ कि उसने जो प्रण किया है उसे “पूरा करना” उसके लिए अनिवार्य है।
- “बंधन” में होना अर्थात् किसी भी बांधने वाली वस्तु या सीमाओं में बंधे होना या किसी को बन्दीगृह में डालना। इसका संदर्भ प्रायः जंजीर, बेड़ियों या रस्सी से है जो मनुष्य की स्वतंत्रता को बाधित करती है।
- बाइबल के युग में रस्सी या जंजीर बन्दियों को दीवार या पथर के फर्श में बांध कर रखने के लिए थी।
- “बांधना” शब्द घाव पर पट्टी बांधने के लिए भी काम में लिया जाता था कि घाव भर जाए।
- मृतक को भी कपड़ों में लपेटा जाता था कि दफन के लिए तैयार करें।
- “बन्धन” प्रतीकात्मक रूप में पाप के लिए भी काम में लिया गया है क्योंकि वह मनुष्य को अपने वश में कर लेता है या दास बना लेता है।
- बन्धन दो मनुष्यों के घनिष्ठ संबन्ध में भी होता है, जिसमें वे एक दूसरे को मानसिक, आत्मिक एवं शारीरिक परिप्रेक्ष्य में सहयोग देते हैं। यह विवाह के बन्धन में भी है।
- पति-पत्नी एक दूसरे से बंधे होते हैं। यह एक ऐसा बन्धन है जिसे परमेश्वर नहीं चाहता कि कभी तोड़ा जाए।

अनुवाद के सुझाव:

- “बांधना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बंधन के अधीन करना” या “संयोजित करना” या “लपेटना”

- प्रतीकात्मक रूप में, इसका अनुवाद "को नियंत्रित करने के लिए" या "रोकने के लिए" या "(किसी को) किसी से दूर रखने के लिए" हो सकता है।
 - "बांधना" शब्द का विशेष उपयोग मत्ती 16 और 18 में "वर्जित करना" या "अनुमति नहीं देना" है।
 - "बन्धनों" शब्द का अनुवाद "जंजीरों" या "रस्सियों" या "बंधन" भी हो सकता है।
 - प्रतीकात्मक रूप से "बन्धन" शब्द का अनुवाद "गाँठ" या "सम्बन्ध" या "घनिष्ठ सम्बन्ध" भी हो सकता है।
 - "शांति का बंधन", इस उक्ति का अर्थ है, "सामंजस्य में होना, जो लोगों को एक-दूसरे के साथ घनिष्ठ संबंध में लाता है" या "शान्ति से उत्पन्न पारस्परिक बंधन।"
 - "बाँधना" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "चारों ओर से लपेटना" या "पट्टी बाँधना"
 - शपथ से "बंधना" का अनुवाद हो सकता है, "शपथ पूरी करने की प्रतिज्ञा" या "शपथ को पूरी करने का समर्पण।"
 - प्रकरण के अनुसार "बाँधा" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बंधे" या "बाँधा गया" या "जंजीर से जकड़ा गया" या "बाध्यकारी (पूरा करने के लिए)" या "करने की अनिवार्यता"
- (यह भी देखें: पूर्ति, शान्ति, बन्दीगृह, सेवक, शपथ)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लैव्यव्यवस्था 8:7](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0247, H0481, H0519, H0615, H0631, H0632, H0640, H1366, H1367, H1379, H2280, H2706, H3256, H3533, H3729, H4147, H4148, H4205, H4562, H5650, H5656, H5659, H6029, H6123, H6616, H6696, H6872, H6887, H7194, H7405, H7573, H7576, H8198, H8244, H8379, G02540, G03310, G03320, G11950, G11960, G11980, G11990, G12100, G13970, G13980, G14010, G14020, G26110, G26150, G37340, G37840, G38140, G40190, G40290, G43850, G48860, G48870, G52650

बागा

परिभाषा:

बागा लम्बी बांह का बाहरी वस्त्र था जिसे स्त्री-पुरुष दोनों पहनते थे। यह दिखने में अचकन के समान होता है।

- बागा सामने खुला रहता है और कमरबंद या पट्टे से बंधा होता है।
- उनकी लम्बाई बड़ी या छोटी होती है।
- बैंगनी रंग का बागा राजा पहनते थे जो राजाधिकार, वैभव और प्रतिष्ठा का प्रतीक था।

(यह भी देखें: राजसी, अंगरखा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [निर्गमन 28:4-5](#)
- [उत्पत्ति 49:11-12](#)
- [लूका 15:22](#)
- [लूका 20:46](#)
- [मत्ती. 27:27-29](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रॉग्स: H0145, H0155, H0899, H1545, H2436, H2684, H3671, H3801, H3830, H3847, H4060, H4254, H4598, H5497, H5622, H6614, H7640, H7757, H7897, H8071, G17460, G20670, G24400, G47490, G40160, G55110

बाबेल

तथ्यः

बाबेल मेसोपोटामिया क्षेत्र के दक्षिण में शिनार प्रदेश का एक मुख्य नगर था। शिनार आगे चलकर बेबीलोन कहलाया था।

- बाबेल नगर हाम के परपोते, निम्रोद-शिनार का शासक-द्वारा स्थापित किया गया था।
- शिनारवासी घमण्ड से भरकर स्वर्ग तक ऊंचे मन्दिर का निर्माण करना चाहते थे। इस मीनार का नाम आगे चलकर “बेबीलोन का गुम्मट” पड़ा था।
- इस मीनार का निर्माण करने वालों ने पृथ्वी पर फैल जाने की परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया था, इसलिए परमेश्वर ने उनकी भाषाओं को अलग-अलग कर दिया जिससे कि वे एक दूसरे की बात समझ नहीं पाए। इस कारण वे विवश होकर एक दूसरे से अलग हो गए और पृथ्वी के विभिन्न स्थानों में जाकर बस गए।
- “बाबेल” शब्द का अर्थ है “उलझन” परमेश्वर ने उनकी भाषा में उलझन उत्पन्न कर दी थी इसलिए उस स्थान का यह नाम पड़ गया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, हाम, मिसोपोटामिया)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 10:8-10](#)
- [उत्पत्ति 11:8-9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H894

बारहों

परिभाषा:

“बारहों” का संदर्भ उन पुरुषों से है जिन्हें यीशु ने चुना कि उसके घनिष्ठतम शिष्य या प्रेरित हों। यहूदा की आत्महत्या के बाद, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- यीशु के अनेक अन्य शिष्य थे परन्तु “बारहों” यह उपनाम उन्हें इसलिए दिया गया था कि वे यीशु के निकटतम शिष्य थे।
- इन बारह शिष्यों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में सूचीबद्ध हैं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद इन ग्यारहों ने मतियाह को यहूदा के स्थान में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

अनुवाद के सुझावः

- कुछ भाषाओं में एक संज्ञा शब्द इसमें जोड़ना अधिक स्पष्ट एवं अधिक व्यावहारिक होता है, “बारह शिष्य” या “यीशु के घनिष्ठ बारह शिष्य”।
- “ग्यारहों” का अनुवाद हो सकता है, “यीशु के शेष ग्यारह शिष्य”।
- कुछ अनुवादों में प्रथम अक्षर बड़ा काम में लेकर दर्शाया जाता है कि यह उपनाम है, जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: प्रेरित, चेले)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियियो 15:5-7](#)
- [प्रे.का. 6:2](#)
- [लूका 9:1](#)
- [लूका 18:31](#)
- [मरकुस 10:32-34](#)
- [मत्ती. 10:7](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G14270, G17330

बारूक**तथ्यः**

बारूक नाम के अनेक पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- एक बारूब (जब्बै का पुत्र) यरूशलेम की शहरपनाह के पुनरुद्धार में नहेम्याह का सहायक था।
- नहेम्याह के समय एक और बारूक था। वह(कोलहोजे का पुत्र) उन अगुवों में से एक था जो यरूशलेम की शहरपनाह के बन जाने के बाद वही रहा था।
- भविष्यद्वक्ता यिर्म्याह के लिपिक का नाम भी बारूक (नेरियाह का पुत्र) था। वह अनेक व्यावहारिक कामों में यिर्म्याह की सहायता करता था जैसे परमेश्वर प्रदत्त यिर्म्याह के सन्देशों को लिखकर प्रजा को पढ़ कर सुनाता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: चेले, यिर्म्याह, यरूशलेम, नहेम्याह, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भः

- [यिर्म्याह 32:10-12](#)
- [यिर्म्याह 36:4-6](#)
- [यिर्म्याह 43:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G1263

बाल**तथ्यः**

"बाल" का अर्थ "प्रभु" या "स्वामी" है और यह प्राथमिक झूठे देवता का नाम था जिसकी उपासना कनानियों द्वारा की जाती थी।

- ऐसे स्थानीय झूठे देवता भी थे जिनके नाम में "बाल" था, जैसे कि "पोर का बाल।" कभी-कभी इन सभी देवताओं को एक साथ "बाल" कहा जाता है।
- कुछ लोगों के नाम में "बाल" शब्द शामिल था।
- बाल की उपासना में बच्चों की बलि चढ़ाने और वेश्याओं का इस्तेमाल करने जैसे बुरे काम शामिल थे।
- अपने पूरे इतिहास में अलग-अलग समय अवधियों में, इसाएली भी अपने आसपास के मूर्तिपूजक जातियों के उदाहरण का अनुसरण करते हुए, बाल पूजा में गहराई से शामिल हो गए।
- राजा अहाब के शासनकाल के दौरान, परमेश्वर के भविष्यवक्ता एलियाह ने लोगों के सामने यह साबित करने के लिए एक परीक्षा रखी कि बाल अस्तित्व में नहीं है और यहोवा ही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप, बाल के भविष्यवक्ता नष्ट हो गए और लोगों ने फिर से यहोवा की उपासना करनी शुरू कर दी।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आहाब, अशोरा, एलियाह, झूठे देवता, व्यभिचारिणी, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 16:31-33](#)
- [1 शमूएल 7:3-4](#)
- [यिर्म्याह 2:7-8](#)
- [न्यायियों 2:11-13](#)
- [गिनती 22:41](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जिसने लोगों को बाल नामक झूठे देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित किया।
- **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के भविष्यवक्ता साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए। एलियाह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारों में लटके रहोगे? यदि यहोवा परमेश्वर हो, ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो, ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
- **19:07** एलियाह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
- **19:12** तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलियाह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1120, G08960

बालज्बूल(शैतान)**तथ्यः**

बालज्बूल शैतान का दूसरा नाम है। इसे कभी-कभी “बालज्बूब” भी लिखा गया है।

- इसका वास्तविक अर्थ है “मकिखियों का देवता” अर्थात् “दुष्टात्माओं का शासक”। उचित होगा कि इसके अर्थ की अपेक्षा इसका अनुवाद मूल वर्तनी में ही किया जाए।
- इसका अनुवाद “बालज्बूल शैतान” भी किया जाता है कि स्पष्ट हो कि किस की बातें की जा रही हैं।
- यह नाम एक्रोन के एक देवता “बाल-ज्बूब” से संबंधित है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, एक्रोन, शैतान)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 11:15](#)
- [मरकुस 3:22](#)
- [मत्ती 10:25](#)
- [मत्ती 12:25](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G09540

बाशा**तथ्यः**

बाशा इस्राएल का दुष्ट राजा था जिसने इस्राएल की प्रजा को मूर्ति-पूजा की प्रेरणा दी थी।

- बाशा इस्राएल का तीसरा राजा था और उसने 24 वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में राजा आसा का राज था।
- वह सेनापति था और राजा नादाब की हत्या करके वह सिंहासन पर बैठ गया था।
- बाशा के राज्यकाल में इस्राएल और यहूदा के बीच में अनेक युद्ध हुए थे, विशेष करके यहूदा के राजा आसा के साथ।
- बाशा के अनेक पापों के कारण परमेश्वर ने उसकी हत्या करके उसे सिंहासन से हटाया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: आसा, मूरत)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 15:16-17](#)
- [2 राजा 09:9-10](#)
- [यिर्म्याह 41:8-9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1201

बाशान

तथ्यः

बाशान गलील सागर के पूर्व का क्षेत्र था। वह क्षेत्र आज के सीरिया और गोलन ऊंचाईयों के क्षेत्र का एक भाग है।

- पुराने नियम का एक शरण नगर, “गोलन” बाशान क्षेत्र में था।
- बाशान एक अत्यधिक उपजाऊ प्रदेश था जो बांज वृक्षों और चारागाहों के लिए प्रसिद्ध था।
- उत्पत्ति 14 में लिखा है कि बाशान अनेक राजाओं और उनके देशों में युद्ध का स्थान था।
- मिस्र से पलायन करने के बाद जब इस्राएल जंगल में था तब उन्होंने बाशान के एक भाग पर अधिकार कर लिया था।
- वर्षों बाद राजा सुलैमान उस क्षेत्र से आपूर्ति प्राप्त करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, बांज, गलील सागर, सूरिया)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 4:13](#)
- [आमोस 4:1](#)
- [यिर्म्याह 22:20-21](#)
- [यहोशू 9:10](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1316

बिन्यामीन

तथ्यः

बिन्यामीन याकूब और उसकी पत्नी राहेल का सबसे छोटा पुत्र था। उसके नाम का अर्थ है, “मेरे दाहिने हाथ का पुत्र”

बिन्यामीन और उसका बड़ा भाई यूसुफ राहेल के दो ही पुत्र थे, राहेल बिन्यामीन के जन्म के बाद मर गई थी।

- बिन्यामीन के वंशज इस्राएल का एक गोत्र का था।
- राजा शाऊल इस्राएल के बिन्यामीन गोत्र का था।
- प्रेरित पौलुस भी बिन्यामीन के गोत्र का था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल, याकूब, यूसुफ (पुराना नियम), पौलुस, राहेल, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 02:1-2](#)
- [1 राजा 02:08](#)
- [प्रे.का. 13:21-22](#)
- [उत्पत्ति 35:18](#)
- [उत्पत्ति 42:04](#)
- [उत्पत्ति 42:35-36](#)
- [फिलिप्पस 03:4-5](#)

शब्द तथ्यः

- strongs: H1144, G958

बिरीया

तथ्यः

नये नियम में बिरीया एक समृद्ध नगर था, मकिदुनिया के दक्षिण पूर्व में थिस्सलुनीके नगर से 80 कि.मी. दूर।

- थिस्सलुनीके नगर में कुछ यहूदियों ने उनके लिए संकट उत्पन्न किया तो उनके विश्वासी भाइयों ने उन्हें वहां से निकल जाने में सहायता की और पौलुस सीलास के साथ बिरीया नगर चला गया।
- बिरीया के लोगों ने पौलुस का प्रचार सुनकर धर्मशास्त्र से तुलना की तो पाया कि पौलुस की बातें सच थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मकिदुनिया, पौलुस, सीलास, थिस्सलोनिके)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 17:10-12](#)
- [प्रे.का. 17:13-15](#)
- [प्रे.का. 20:4-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G960

बिलाम

तथ्यः

बिलाम एक अन्यजाति भविष्यद्वक्ता था जिसे राजा बालाक ने रिश्ते देकर बुलाया था कि इस्लाएलियों को श्राप दे क्योंकि वे उत्तरी मोआब में, यरदन के तट पर छावनी डाले हुए कनान में प्रवेश करने की तैयारी में थे।

- बिलाम पतोर नगर का निवासी था, यह स्थान मोआब से 400 मील दूर फरात नदी के क्षेत्र में था।
- मिद्यानी राजा बालाक इस्लाएलियों की बड़ी संख्या से डरता था इसलिए उसने बिलाम को बुलाया था कि उन्हें श्राप दे।
- जब बिलाम इस्लाएलियों की ओर जा रहा था तब परमेश्वर का एक दूत उनका मार्ग अवरुद्ध करके खड़ा हो गया, जिसके कारण बिलाम का गधा रुक गया था। परमेश्वर ने उस गधे को मानवीय भाषा में बिलाम से बोलने की क्षमता प्रदान की।
- परमेश्वर ने बिलाम को अनुमति नहीं दी कि वह इस्लाएल को श्राप दे परन्तु बिलाम को उन्हें आशिष देने पर विवश किया।
- परन्तु बिलाम ने इस्लाएल की बुराई की ओर उन पर झूठे देवता, बाल पिओर की पूजा करने का प्रभाव डाला।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: आशिष देना, कनान, श्राप, गधा, फरात नदी, यरदन नदी, मिद्यान, मोआब, पिओर)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 पतरस 2:16](#)
- [व्यवस्थाविवरण 23:3-4](#)
- [यहोशू 13:22-23](#)
- [गिनती 22:5](#)
- [प्रकाशितवाक्य 2:14](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1109, G903

बिल्हा

तथ्यः

बिल्हा याकूब की पत्नियों में से एक थी। उसने दान और नप्ताली को जन्म दिया, जो याकूब के दो पुत्र थे जिनके वंशज इस्लाएल के गोत्र बन गए।

- जब राहेल ने याकूब से विवाह किया तो लाबान ने बिल्हा को दासी के रूप में राहेल को दिया था।
- क्योंकि राहेल के कोई संतान नहीं थी, इसलिए उसने बिल्हा को याकूब को पत्नी के रूप में दिया ताकि वह उसके लिए संतान उत्पन्न करे।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब, राहेल, दान, नप्ताली)

बाइबल संदर्भ:

- [उत्पत्ति 29:29](#)
- [उत्पत्ति 30:4](#)

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग का: H1090

बीज

परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है। तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

- "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
- इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस शब्द का अर्थ प्रायः बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
- बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
- प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है, अर्तात् किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
- जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
- प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
- स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो। (देखें: व्यंजना)

(यह भी देखें: वंशज, सन्तान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 18:32](#)
- [उत्पत्ति 01:11](#)
- [यिर्म्याह 02:21](#)
- [मत्ती 13:08](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

बीनने

परिभाषा:

“सिला बीनने” खेत से या बगीचे से अन्न और फल जो लवनी करने वालों के हाथों से गिर गए उनको उठाना।

- परमेश्वर ने इसाएल को आज्ञा दी थी कि वे विधवाओं, गरीबों और परदेशियों को गिरा हुआ अन्न उठाने दें कि उनके भोज के लिए हो।
- कभी-कभी खेत का स्वामी सिला बीनने वालों को लवनी करनेवालों के निकट भी आने देता था जिससे वे और भी अधिक अन्न बटोर सकते थे। इस व्यवस्था का स्पष्ट उदाहरण रूत की कहानी में है उसे उदारता-पूर्वक उसके एक संबन्धी बोआज के खेत में लवनी करनेवालों के पास उदारता-पूर्वक सिला बीनने दिया था।
- “सिला बीनने” के अनुवाद हो सकते हैं, “चुनना” या “एकत्र करना” या “संग्रह करना”।

(यह भी देखें: बोआज, अन्न, फसल, रूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 24:21-22](#)
- [यशायाह 17:4-5](#)
- [अथूब 24:5-7](#)
- [रूत 02:1-2](#)
- [रूत 02:15-16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3950, H3951, H5953, H5955

बुझाना

परिभाषा:

“बुझाना” शब्द का अर्थ है आग बुझाना या सन्तोष की अभिलाषा को त्यागना।

- इस शब्द का उपयोग सामान्यतः प्यास बुझाने के संदर्भ में किया जाता है, पेय पदार्थ पीकर प्यास को शान्त करना।
- इसका संदर्भ अग्निदमन से भी है।
- आग और प्यास दोनों ही पानी से बुझते हैं।
- पौलुस “बुझाने” शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लेता है, जब वह विश्वासियों को कहता है, “पवित्र आत्मा को न बुझाओ”। इसका अर्थ है कि मनुष्यों में पवित्र आत्मा के फल तथा वरदानों से मनुष्यों को निरूत्साह न करें। पवित्र आत्मा को बुझाने का अर्थ है ऐसे काम करना कि पवित्र आत्मा मनुष्यों में अपना सामर्थ्य एवं कार्य प्रकट न कर पाए।

(यह भी देखें: फल, वरदान, पवित्र आत्मा)

बाइबल संदर्भः

- [1 पिस्सलुनीकियों 05:19-22](#)
- [यहेजकेल 20:45-47](#)
- [यशायाह 01:31](#)
- [यिर्मायाह 21:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1846, H3518, H7665, H8257, G762, G4570

बुद्धिमान**परिभाषा:**

“बुद्धिमान” वह मनुष्य है जो समझता है कि करने के लिए क्या उचित एवं नैतिक है और उसे करता है। “बुद्धि” जो सच एवं नैतिकता में उचित है उसे समझना और उसका अभ्यास करना।

- बुद्धिमान होना अर्थात् उचित निर्णय लेने की क्षमता, विशेष करके परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले काम करना।
- मनुष्य परमेश्वर की बात सुनकर और दीनतापूर्वक उसकी इच्छा का पालन करके बुद्धिमान बनते हैं।
- बुद्धिमान मनुष्य अपने जीवन में पवित्र-आत्मा के फल-आनंद, दया, प्रेम, धीरज-प्रकट करता है।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर के आज्ञाकारी” या “समझदार और आज्ञाकारी” या “परमेश्वर का भय माननेवाले।”
- “बुद्धि” के अनुवाद में एक ऐसा शब्द या उक्ति काम में लैं जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का जीवन” या “समझदारी और आज्ञापालन का जीवन” या “उचित निर्णय।”
- “बुद्धि” और “बुद्धिमान” के अनुवाद अन्य प्रमुख शब्दों जैसे धार्मिक या आज्ञाकारी से भिन्न होना उचित है।

(यह भी देखें: आज्ञा पालन, फल)

बाइबल संदर्भः

- [प्रे.का. 6:3](#)
- [कुलस्सियों 03:15-17](#)
- [निर्गमन 31:6](#)
- [उत्पत्ति 3:6](#)
- [यशा. 19:12](#)
- [यिर्मायाह 18:18](#)
- [मत्ती. 07:24](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- [_2:5_ वह बुद्धिमान भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।](#)
- [18:1 जब सुलैमान ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया।](#)
- [23:9 कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा।](#)
- [45:1 वह \(स्तिफनुस\) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और पवित्र आत्मा और ज्ञान से भरा था।](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

बुद्धिमानी**तथ्यः**

“बुद्धिमान” (चतुर) वह मनुष्य जो अपने कामों के बारे में सावधानी पूर्वक विचार करता है और समझदारी के निर्णय लेता है।

- “बुद्धिमानी” प्रायः उस क्षमता के संदर्भ में होती है जिसके द्वारा व्यावहारिक, सांसारिक बातों के निर्णय लिए जाते हैं, जैसे पैसे या सम्पदा का प्रबन्ध करना।
- यद्यपि “बुद्धिमानी” और “बुद्धि” अर्थ में एक से हैं, बुद्धि अधिक सामान्य और आत्मिक या नैतिक बातों पर केन्द्रित होती है।
- प्रकरण के अनुसार “बुद्धिमान” का अनुवाद हो सकता है: “चतुर” या “सर्तक” या समझदार।"

(यह भी देखें: चतुर, आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [नीतिवचन 08:4-5](#)
- [नीतिवचन 12:23-24](#)
- [नीतिवचन 27:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H995, H5843, H6175, H6191, H6195, H7080, H7919, H7922, G4908, G5428

बुद्धिमानों

तथ्यः

“बुद्धिमान मनुष्य” का साधारण सा अर्थ है, बुद्धि से परिपूर्ण लोग। बाइबल में, “बुद्धिमान” शब्द अक्सर उन मनुष्यों को दर्शाता है जो असाधारण ज्ञान और योग्यताएं रखते थे और राजा के दरबार में या उच्च अधिकारियों के लिए परामर्शदाता थे।

पुराना नियम

- कभी-कभी शब्द "बुद्धिमान पुरुष" को पाठ में "विवेकपूर्ण पुरुष" या "समझ वाला पुरुष" भी कहा गया है। यह उन लोगों को संदर्भित करता है जो बुद्धिमानी और सत्य से कार्य करते हैं क्योंकि वे परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं।
- "बुद्धिमानों" जिन्होंने फिरौन और अन्य राजा आदि की सेवा की थी, वे अक्सर विद्वान थे, जिन्होंने सितारों का अध्ययन किया था, विशेषकर उन सितारों के विशेष अर्थों की खोज करते थे जिन सितारों ने आकाश में विशिष्ट स्थिति बनायी होती थी। कभी-कभी, "बुद्धिमान मनुष्य" शब्द की विचारते थे, जातू टोना करते थे, संभवतः दुष्टात्मा आदि की सहायता से।
- अक्सर बुद्धिमान पुरुषों से स्वप्न के अर्थ की व्याख्या करने की उम्मीद की जाती थी। उदाहरण के लिए, राजा नबूकदनेस्सर ने मांग की कि उसके बुद्धिमान पुरुष उसके सपनों का वर्णन करें और उसे बताएं कि उसका अर्थ क्या है, लेकिन उनमें से दानिय्येल के सिवाय कोई भी ऐसा करने के लिए, सक्षम नहीं था क्योंकि उसने परमेश्वर की ओर से इसका ज्ञान प्राप्त किया था।

नया नियम

- यीशु के दर्शनार्थ पूर्वी क्षेत्रों से आने वाले पुरुषों के समूह को "ज्योतिशिओं" कहा जाता था, जिसे अक्सर "बुद्धिमान पुरुष" के रूप में अनुवादित किया जाता है, क्योंकि यह शायद उन विद्वानों को दर्शाता है जिन्होंने पूर्वी देश के किसी शासक की सेवा की थी।

अनुवाद के सुझाव

- संदर्भ के आधार पर इस उक्ति, "बुद्धिमान पुरुष" शब्द का अनुवाद "बुद्धिमान" या "प्रतिभाशाली पुरुषों" या "शिक्षित पुरुषों" या किसी अन्य कोई शब्द जो किसी शासक के अधीन महत्वपूर्ण कार्य करने वाले मनुष्यों के सन्दर्भ में हो।

- जब "बुद्धिमान पुरुष" का अभिप्राय मात्र बुद्धिमान मनुष्यों से हो तो "बुद्धिमान" शब्द का अनुवाद वैसे ही किया जाय जैसे बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(यह भी देखें: बाबेल, दानियेल, शकुन, जादू-टोना, नबूकदनेस्सर, शासक, बुद्धिमान)

बाइबल संदर्भः

- [1 इतिहास 27:32-34](#)
- [दानियेल 02:1-2](#)
- [दानियेल 02:10-11](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2445, H2450, H3778, H3779, G4680

बुरा

परिभाषा:

"बुरा" करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ट व्यवहार करना।

- "दुर्व्यवहार" शब्द का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुँचाना।
- "चोट" शब्द अधिक सामान्य है और इसका अर्थ है "किसी को किसी प्रकार हानि पहुँचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अभिप्राय होता है।
- संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद हो सकता है, "किसी के साथ गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार करना" या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि।

बाइबल संदर्भः

- [प्रे.का. 7:26](#)
- [निर्गमन 22:21](#)
- [उत्पत्ति 16:5](#)
- [लूका 6:28](#)
- [मत्ती. 20:13-14](#)
- भजन संहिता 71:13

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0205, H0816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G0091, G0092, G0093, G0095, G0264, G0824, G0983, G0984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

बुराई

परिभाषा:

बाईबल में "बुरा" शब्द का सन्दर्भ या तो नैतिक अनाचार या भावनात्मक मनोमालिन्य से है। इसको प्रकार ही अधिकतर

स्पष्ट करेगा कि इस शब्द के प्रासंगिक उपयोग में अभिप्रेत अर्थ क्या है।

- “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, जबकि “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन अधिक करता है। तथापि दोनों शब्द सहार्थी हैं।
- “दुष्टता” का सन्दर्भ होने की दशा से हैजो मनुष्यों द्वारा दुष्टता के कामों से अस्तित्व में आती है।
- बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से प्रकट हो जाते हैं जब मनुष्य दूसरों के साथ बुरा व्यवहार करता है, जैसे हँस्या करना, चौरी करना, मानहानि करना, निर्दयता दिखाना और निष्ठुरता।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छा नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
- सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लाक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: अवज्ञा, पाप, अच्छा, धर्मी, दुष्टता)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 24:11](#)
- [1 तीमुथियुस 6:10](#)
- [3 यूहन्ना 1:10](#)
- [उत्पत्ति 2:17](#)
- [उत्पत्ति 06:5-6](#)
- [अय्यूब 1:1](#)
- [अय्यूब 8:20](#)
- [न्यायियों 9:57](#)
- [लूका 6:22-23](#)
- [मत्ती 7:11-12](#)
- [नीतिवचन 3:7](#)
- भजन-संहिता 22:16-17

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **2:4** "परमेश्वर जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाओगे, तो तुम परमेश्वर के सामान हो। जा ओगे और उसी के सामान अच्छे और बुरे को समझने लगोगे।"
- **3:1** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत दुष्ट और निरंकुश हो गए थे।
- **3:2** लेकिन नूह पर परमेश्वर का अनुग्रह था। वह दुष्ट लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी जन था।
- **4:2** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर बुराई करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
- **8:12** "दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने का प्रयास किया था, परन्तु परमेश्वर ने भलाई के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:2** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा करते थे और अनेक बुरे काम करते थे।

- **17:1** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक दुष्ट व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
- **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा बुरे थे
- **29:8** राजा इतना क्रोधित हुआ कि उसने उस दुष्ट दास को बंदीगृह में डलवा दिया कि जब तक वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
- **45:2** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में बुरी बातें कहता है!"
- **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोना, बुराई, दर्द या मौत नहीं होगी।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0205, H0605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G00920, G01130, G04590, G09320, G09870, G09880, G14260, G25490, G25510, G25540, G25550, G25560, G25570, G25590, G25600, G26350, G26360, G41510, G41890, G41900, G41910, G53370

बुलाना- नाम के लिए

परिभाषा:

इस अर्थ में, "बुलाना" और "बुलाया हुआ" शब्दों का अर्थ किसी स्थान, व्यक्ति या प्राणी का नाम लेना है। जब किसी व्यक्ति या वस्तु का उल्लेख किया जाता है, तो "बुलाना" और "बुलाया गया" शब्दों का अर्थ या तो किसी को या किसी वस्तु को पहली बार नाम देना हो सकता है या उस वस्तु या व्यक्ति के पहले से मौजूद नाम या शीर्षक को कहना हो सकता है।

- बाइबल कभी-कभी इन शब्दों का उपयोग किसी का नामकरण करने के संदर्भ में करती है। उदाहरण के लिए, "उसका बुलाया हुआ नाम यूहन्ना है," का अर्थ है "उसका नाम यूहन्ना रखा गया है" या "उसका नाम यूहन्ना है।"
- "किसी के नाम से बुलाया जाना" का मतलब है कि किसी को किसी और का नाम दिया गया है। परमेश्वर कहते हैं कि उन्होंने अपने लोगों को अपने नाम से बुलाया है।

अनुवाद सुझावः

- "आपको उसका नाम बुलाना चाहिए" का अनुवाद "आपको उसका नाम रखना चाहिए" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "उसका नाम पुकारा जाता है" का अनुवाद "उसका नाम है" या "उसका नाम रखा गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- अभिव्यक्ति "तुम्हें मेरे नाम से बुलाया जाता है" का अनुवाद इस तरह किया जा सकता है, "मैंने तुम्हें अपना नाम दिया है, यह दिखाते हुए कि तुम मेरे हो।"
- आप यीशु के शब्दों "तुम मुझे गुरु" और 'प्रभु' कहते हो" का अनुवाद "तुम मुझे गुरु" और 'प्रभु' कहकर संबोधित करते हो" या कुछ इसी तरह से कर सकते हो, जिससे यह पता चले कि इस संदर्भ में "बुलाना" शब्द का अर्थ किसी को किसी विशिष्ट नाम या पदवी से "संबोधित" करना है।

(यह भी देखें: बुलाने के लिए बुलावा)

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्गः :

बुलाना-जोर से बोलें

परिभाषा:

इस अर्थ में, "बुलाना" और "पुकारना" शब्दों का अर्थ है जोर से बोलना।

- किसी को "पुकारना" का अर्थ है चिल्लाना, ऐलान करना या घोषणा करना। इसका मतलब किसी से मदद माँगना भी हो सकता है, खास तौर पर परमेश्वर से।
- कुछ संदर्भों में "बुलाना" और "पुकारना" शब्दों का अर्थ जोर से मदद माँगना होता है।

अनुवाद सुझावः

- अभिव्यक्ति "आपको पुकारना" का अनुवाद "आपसे मदद माँगना" या "आपसे तीव्र इच्छा से प्रार्थना करना" के रूप में किया जा सकता है।
- जब बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने हमें अपने सेवक होने के लिए "बुलाया" है, तो इसका अनुवाद "हमें खास तौर पर चुना" या "हमें अपने सेवक होने के लिए नियुक्त किया" के रूप में अनुवादित किया जा सकता है।
- "आपको उसका नाम लेकर बुलाना होगा" का अनुवाद "आपको उसको नाम देना होगा" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "उसका नाम बुलाया जाता है" का अनुवाद "उसका नाम है" या "उसका नाम रखा गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
- "पुकारना" का अनुवाद "ज़ोर से कहना" या "चिल्लाना" या "ऊँची आवाज़ में कहना" के रूप में किया जा सकता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद ऐसा न लगे कि व्यक्ति गुस्से में है।
- अभिव्यक्ति "आपकी बुलाहट" का अनुवाद "आपका उद्देश्य" या "आपके लिए परमेश्वर का उद्देश्य" या "आपके लिए परमेश्वर का विशेष कार्य" के रूप में किया जा सकता है।
- "प्रभु का नाम पुकारना" का अनुवाद "प्रभु की खोज करना और उन पर निर्भर रहना" या "प्रभु पर भरोसा रखना और उनकी आज्ञा का पालन करना" किया जा सकता है।
- किसी चीज़ "के लिए बुलाना" का अनुवाद "मांग" या "माँगना" या "आदेश" हो सकता है।

- अभिव्यक्ति “तुम्हें मेरे नाम से पुकारा जाता है” का अनुवाद इस तरह किया जा सकता है, “मैंने तुम्हें अपना नाम दिया है, यह दिखाते हुए कि तुम मेरे हो।”
- जब परमेश्वर कहते हैं, “मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है,” तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “मैं तुझे जानता हूँ और तुझे चुना है।”

(यह भी देखें: प्रार्थना, रोना, बुलाने के लिए पुकारना, नाम पुकारना)

बाह्यबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग का: H0559, H2199, H4744, H6817, H7121, H7123, H7769, H7773, G01540, G03630, G14580, G15280, G19410, G19510, G20280, G20460, G25640, G28210, G28220, G28400, G29190, G30040, G31060, G33330, G33430, G36030, G36860, G36870, G43160, G43410, G43770, G47790, G48670, G54550, G55370, G55810

बेतशेमेश

तथ्य:

बेतशेमेश एक कनानी नगर का नाम था, जो यरूशलेम के लगभग 30 कि.मी. पश्चिम में था।

- इसाएलियों ने यहोशू के समय बेतशेमेश पर अधिकार कर लिया था।
- बेतशेमेश नगर लेवी याजकों के निवास हेतु अलग कर दिया गया था।
- जब पलिश्ती वाचा के सन्दूक को लौटाकर यरूशलेम जा रहे थे तब बेतशेमेश पहला नगर था, जहां वे रुके थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, कनान, यरूशलेम, यहोशू, लेवी, पलिश्ती)

बाह्यबल संदर्भ:

- [1 राजा 04:7-10](#)
- [1 शमूएल 06:7-9](#)
- [यहोशू 05:2-3](#)
- [न्यायियों 01:33](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1053

बेतेल

तथ्य:

“बेतेल” कनान देश में यरूशलेम के उत्तर में एक नगर था। इसका पूर्व का नाम “लूज़” था।

- परमेश्वर से पहली बार प्रतिज्ञा प्राप्त करने पर अब्राम (अब्राहम) ने बेतेल के निकट एक वेदी बनाई थी। उस समय इसका नाम बेतेल नहीं था परन्तु इस शब्द को जनमान्य होने के कारण काम में लिया गया है।
- एसाव से डर कर भागते समय याकूब इस नगर के बाहर ही आकाश के नीचे सोया था। उस समय स्वप्न में उसे स्वर्गद्वार एक सीढ़ी पर स्वर्ग पर चढ़ते और वहां से उतरते दिखाई दिए थे।
- इस नगर का नाम बेतेल नहीं था जब तक कि याकूब ने इसे “बेतेल” नाम नहीं दिया। इस शब्द को उजागर करने के लिए कुछ अनुवादों में इस स्थान का नाम “लूज़(बाद में बेतेल कहलाया)” किया गया है जब अब्राहम की चर्चा की गई है तथा याकूब द्वारा उस स्थान का नाम बदल कर बेतेल रखने से पूर्व जब वह वहाँ पहुँचा था।
- बेतेल का नाम पुराने नियम में बहुत बार आया है और वहां अनेक महत्वपूर्ण घटनाएं भी घटी थीं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, वेदी, याकूब, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 12:8-9](#)
- [उत्पत्ति 35: 1](#)
- [होशे 10:15](#)
- [न्यायियों 01:23](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1008

बेबीलोन**तथ्यः**

बेबीलोननगर, प्राचीन बाबेल की राजधानी था। यह भी बेबीलोन साम्राज्य का ही भाग था। बाबेल साम्राज्य का ही भाग था।

- बाबेल फरात नदी पर बसा था, वही स्थान जहां सैकड़ों वर्ष पूर्व बेबीलोन का गुम्ट बनाया जा रहा था।
- कभी-कभी बेबीलोन शब्द, संपूर्ण बेबीलोन साम्राज्य के लिए काम में लिया गया है। उदाहरण के तौर पर, “बेबीलोन का राजा” नगर पर ही नहीं पूरे साम्राज्य पर राज करता था।
- बेबीलोनवासी एक सामर्थी जाति थी जिन्होंने यहूदा राज्य पर आक्रमण करके वहां की प्रजा को 70 वर्ष अपनी गुलामी में बेबीलोन में रखा था।
- इस क्षेत्र का एक भाग "कसदी" कहलाता था और वहां के लोग भी "कसदी" कहलाते थे। अतः "कसदी" शब्द अधिकतर बेबीलोन साम्राज्य के लिए काम में लिया गया है। (देखें: उपलक्षण)
- नये नियम में "बाबेल" शब्द कभी-कभी रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो विभिन्न स्थानों, लोगों और मूर्तिपूजा तथा अन्य पापी व्यवहारों से संबंधित विचार धाराओं के संदर्भ में है।
- “बड़ा बाबेल” या “महान नगर बाबेल” रूपक स्वरूप ऐसे नगर या देश के लिए काम में लिए गए हैं जो बड़ा धनवान और पापी या जैसा प्राचीन बाबेल नगर था। (देखें: उपमा)

(यह भी देखें: बाबेल, कसदी, यहूदा, नबूकदनेस्सर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 09:01](#)
- [2 राजा 17:24-26](#)
- [प्रे.का. 07:43](#)
- [दानियेल 01:02](#)
- [यहेजकेल 12:13](#)
- [मत्ती. 01:11](#)
- [मत्ती 01:17](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **20:06** अश्शुरों द्वारा इस्माइल राज्य को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, कि यहूदा राज्य को नष्ट कर दे। बेबीलोन एक पर अनाधिकृत कब्जा करने के लिए घात नहीं करेगा।
- **20:07** परन्तु कुछ वर्षों के बाद, यहूदा के राजा ने बेबीलोन के विरुद्ध विद्रोह किया। अतः तब बेबीलोनियों ने वापस आकर यहूदा के राज्य पर आक्रमण किया। उन्होंने यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वे वहाँ खेती करें।
- **20:11** लगभग सत्तर वर्ष के बाद फारस के राजा, कुसूर बेबीलोन को पराजित किया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3778, H3779, H8152, H894, H895, H896, G897

बेर्शेबा**तथ्यः**

पुराने नियम के युग में बेर्शेबा नगर यरूशलेम से लगभग 45 मील दक्षिण पश्चिम में रेगिस्तान में बसा था जिसे अब नेगेव (दक्षिण देश) कहते हैं।

- बेर्शेबा के आसपास के रेगिस्तान में हाजिरा और इश्माइल भटक रहे थे जब अब्राहम ने उन्हें अपने तम्बूओं से दूर भेज दिया था।
- इस नगर के नाम का अर्थ है “शपथ का कूआं” इस स्थान को यह नाम तब दिया गया था जब अब्राहम ने अबीमेलेक से शपथ खाइ थी कि वह उसके लोगों को उसके कूओं में से एक पर अनाधिकृत कब्जा करने के लिए घात नहीं करेगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अबीमेलेक, अब्राहम, हाजिरा, इश्माइल, यरूशलेम, शपथ)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 3:20](#)
- [2 शमूएल 17:11](#)
- [उत्पत्ति 21:14](#)
- [उत्पत्ति 21:31](#)
- [उत्पत्ति 46:1](#)
- [नहेम्याह 11:30](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H884

बैंगनी**तथ्यः**

“बैंगनी” शब्द एक रंग का नाम है जो नीले और लाल का मिश्रण है।

- प्राचीन युग में, बैंगनी रंग दुर्लभ था और अत्यधिक मूल्यवान रंग था। राजाओं तथा उच्च अधिकारियों के वस्त्र इसी मसाले से रंगे जाते थे।
- इस रंग का निर्माण महंगा और समय लेनेवाला होता था, बैंगनी वस्त्र धनवान होने, विशिष्ट होने तथा राजसी होने का प्रतीक था।
- निवास के मण्डप और मन्दिर के परदों का रंग भी बैंगनी था याजकों के एपोद का रंग भी बैंगनी था।
- बैंगनी रंग समुद्री घोघे को कुचल कर या उबलते हुए पानी में डालकर निकाला जाता था, या घोघों को जीवित रखकर यह रंग छोड़ने के लिए उकसाया जाता था। यह एक मंहगी प्रक्रिया थी।
- रोमी सैनिकों ने यीशु के क्रूसीकरण से पूर्व उसे बैंगनी वस्त्र पहनाकर उसकी निन्दा की थी क्योंकि उस पर दोष लगाया गया था कि वह यहूदियों का राजा है।
- फिलिप्पी नगर की लुटिया बैंगनी वस्त्र बेचकर जीविकोपार्जन करती थी।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: एपोद, फिलिप्पी, शाही, मिलापवाला तम्बू मंदिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 2:13-14](#)
- [दानियेल 5:7](#)
- [दानियेल 5:29-31](#)
- [नीतिवचन 31:22-23](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0710, H0711, H0713, G42090, G42100, G42110

बैतनियाह

तथ्य:

बैतनियाह नगर जैतून पर्वत के पूर्वी ढलान पर यरूशलेम से लगभग 2 मील दूर था।

- बैतनियाह यरूशलेम से यरीहो के मार्ग के निकट था।
- यीशु प्रायः बैतनियाह जाता था जहां उसके घनिष्ठ मित्र लाजर, मार्था और मरियम थे।
- बैतनियाह को विशेष करके उस स्थान के रूप में जाना जाता था जहां यीशु ने लाजर को मरने के बाद जीवित किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: यरीहो, यरूशलेम, लाजर, मार्था, मरियम (मार्था की बहन), जैतून पर्वत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यूहन्ना 01:26-28](#)
- [लूका 24:50-51](#)
- [मरकुस 11:1](#)
- [मत्ती 21:15-17](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G09630

बैतलहम

तथ्य:

बैतलहम इस्लाल में एक छोटा सा नगर था जो यरूशलेम के निकट स्थित था। इसका नाम “एप्रात” भी था, संभवतः उसका मूल नाम।

- बैतलहम को “दाऊद का नगर” भी कहते थे क्योंकि दाऊद का जन्म वहाँ हुआ था।
- भविष्यद्वक्ता मीका ने कहा था कि मसीह बैतलहम एप्रात से आएगा।
- इस भविष्यद्वाणी की पूर्ति हुई जब वर्षों बाद यीशु का जन्म बैतलहम नगर में हुआ था।
- “बैतलहम” का अर्थ है “रोटी का घर” या “भोजन का घर”

(यह भी देखें: कालेब, दाऊद, मीका)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 35:16-20](#)
- [यूहन्ना 07:40-42](#)
- [मत्ती 02:4-6](#)
- [मत्ती 02:16](#)
- [रूत 01:1-2](#)
- [रूत 01:19-21](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02 बैतलहम** नगर में दाऊद एक चरवाहा था
- **21:09** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी, कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा। मीका भविष्यवक्ता ने कहा कि उसका जन्म बैतलहम के नगर में होगा।
- **23:04** अतः यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गालील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।
- **23:06** “आज बैतलहम नगर में तुम्हरे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H376, H672, H1035, G965

बोअज़

तथ्य:

बोअज़ एक इस्लामी पुरुष था जो इस्लाम में न्यायियों के युग में वास करता था। उसने रूत नामक एक मोआबी स्त्री से विवाह किया था और इस प्रकार वह राजा दाऊद का परदादा और मसीह यीशु का पूर्वज हुआ।

- वह एक इस्लामी स्त्री नाओमी का परिजन था, नाओमी अपने पति और पुत्रों की मृत्यु के बाद मोआब से इस्लाम लौट आई थी।

बोअज़ ने "छुटकारे" की परम्परा के अनुसार नाओमी की विधवा बहु रूत को छुड़वा कर उससे विवाह किया और उसको एक पति और संतानों का भविष्य दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मोआब, छुटकारा दिलाना, रूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 2:12](#)
- [2 इतिहास 3:17](#)
- [लूका 3:30-32](#)
- [मत्ती 1:5](#)
- [रूत 2:4](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1162

बोझ उठाना-ढोना

सहना, सहन करना, सहा, सहा गया, वहन करने वाले, उठाने वाला, सहना, उठाकर ले जाना

तथ्यः

इस अर्थ में उपयोग शब्द “सहना” का शाब्दिक अर्थ किसी चीज़ को “उठाना” है।

- “बोझ उठाना” का मतलब है “कुछ मुश्किल उठाना” या “कठिन चीजों का अनुभव करना।” इन कठिन चीजों में शारीरिक या भावनात्मक पीड़ा शामिल हो सकती है।
- शब्द “बोझ उठाने वाले” का तात्पर्य उन पुरुषों से है जो भारी चीजें उठाते हैं और इसका अनुवाद “बोझ ढोने वाले” या “वाहक” के रूप में किया जा सकता है।
- शब्द “हथियार उठाने वाला” का अनुवाद “हथियार वाहक” के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश “समाचार ले जाने वाला” का अनुवाद “समाचार का वाहक” के रूप में किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद “ले जाना” या “सहन करना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: सहन करना, शक्ति)

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्ग का:

भजन

परिभाषा:

“भजन” शब्द एक पवित्र गीत का संदर्भ देता है जो कविता रूप में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने नियम में भजन संहिता इन भजनों का संग्रह है, राजा दाऊद तथा अन्य इस्लाएलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप तथा अन्यों ने इन भजनों को लिखा था।
- भजन इस्लाएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में गाए जाते थे।
- भजन आनन्द, विश्वास, श्रद्धा तथा दुःख और व्यथा का वर्णन करते हैं।
- नये नियम में विश्वासियों से आग्रह किया गया है कि परमेश्वर की आराधना में भजन गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वास, आनन्द, मूसा, पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भः

- [प्रे.का. 13:32-34](#)
- [प्रे.का. 13:35-37](#)
- [कुलस्सियों 03:15-17](#)
- [लूका 20:41-44](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

भट्टा

तथ्यः

भट्टा एक बहुत बड़ा अग्निकुण्ड होता था जिसमें बहुत उच्च तापमान की आग जलती थी।

- प्राचीन युग में भट्टे धातु को पिघलाकर पकाने के बर्तन, गहने, हथियार और मूर्तिया बनाने के लिए धधकाए जाते थे।
- मिट्टी के बर्तन पकाने के लिए भी भट्टे जलाए जाते थे।
- कभी मिट्टी शब्द को रूपक स्वरूप भी काम में लिया जाता है कि बहुत गर्म का भाव व्यक्त हो।

(यह भी देखें: मूरत, छवि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 08:51-53](#)
- [उत्पत्ति 19:26-28](#)
- [नीतिवचन 17:3-4](#)
- भजन संहिता 021:9-10
- [प्रकाशितवाक्य 09:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H861, H3536, H3564, H5948, H8574, G2575

भड़काना**तथ्यः**

“भड़काना” किसी में नकारात्मक प्रतिक्रिया या भावना उत्पन्न करनाना।

- किसी को क्रोध दिलाने का अर्थ है किसी के लिए क्रोध का कारण होना। इसका अनुवाद हो सकता है, “क्रोध दिलाना” या “क्रोधित करना”
- “उसे भड़काओ नहीं” इसका अनुवाद हो सकता है, “क्रोध मत दिलाओ” या “क्रोध करने का कारण मत बनो” या “क्रोध मत करो”।

(यह भी देखें: क्रोधित)

बाइबल संदर्भः

- [यहेजकेल 20:27-29](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3707, H3708, H4784, H4843, H5006, H5496, H7065, H7069, H7107, H7264, H7265, G653, G2042, G3863, G3893, G3947, G3948, G3949, G4292

भण्डार**परिभाषा:**

“भण्डार गृह” प्रायः अन्न और अन्य वस्तुओं को लम्बुबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए बनाई गई बड़ी बड़ी इमारतें होती हैं।

- बाइबल में “भण्डार गृह” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए अकाल के समय हेतु सुरक्षित रखने के लिए काम में लिए जाते थे।
- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
- मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोंगा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा जाता था।
- “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अन्न भण्डारण का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: अभिषेक करना, समर्पण करना, अकाल, सोना, अन्न, चांदी, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भः

- [2 इतिहास 16:2-3](#)
- [लूका 3:17](#)
- [मत्ती 3:12](#)
- भजन-संहिता 33:7

शब्द तथ्यः

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

भय**परिभाषा:**

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

- “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

- परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुँह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: भय, महिमा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 17:19-21](#)
- [उत्पत्ति 28:16-17](#)
- [इब्रानियों 12:27-29](#)
- भजन 022:22-23
- भजन 147:4-5

शब्द तथ्यः

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

भय

परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

- जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: भय, डर)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 28:36-37](#)
- [यहेजकेल 23:33-34](#)
- [यिर्म्याह 02:12-13](#)
- [अय्यूब 21:4-6](#)
- भजन संहिता 055:4-5

शब्द तथ्यः

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

भविष्यद्वक्ता

परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता वह मनुष्य है जो परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। ऐसी सेवा करने वाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

- भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
- भविष्यद्वाणी वह सन्देश है जो भविष्यद्वक्ता सुनाते हैं। भविष्यद्वाणी करना अर्थात् परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
- भविष्यद्वाणी का सन्देश प्रायः भावी घटनाओं से सम्बन्धित होता था।
- पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
- बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों को "भविष्यद्वक्ता" कहा गया है।
- उदाहरणार्थ, "व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता" यह अभिव्यक्ति सम्पूर्ण इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में काम में ली जाती थी जो पुराने नियम के नाम से भी जाने जाते हैं।
- भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, "भविष्यदृष्टा" या भावी बूझने वाला मनुष्य।

अनुवाद के सुझाव:

- "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद किया जा सकता है, "परमेश्वर का वक्ता" "परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य" या "परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य"।
- "नबी" का अनुवाद हो सकता है, "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "मनुष्य जो परमेश्वर प्रदत्त भविष्य देखता है।"
- "भविष्यद्वक्तिन" शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, "परमेश्वर की वक्ता" या "परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री" या "परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री"।
- "भविष्यद्वाणी" के लिए अनुवाद हो सकते हैं, "परमेश्वर का सन्देश" या "भविष्यद्वक्ता का सन्देश"
- "भविष्यद्वाणी करना" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के वचन सुनाना" या "परमेश्वर का सन्देश सुनाना"

- यह लाक्षणिक अभिव्यक्ति, "व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद हो सकता है, "व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें" या "परमेश्वर और उसकी प्रजा के विषय लिखी गई सब बातें, जिनमें परमेश्वर की नियमावली और उसके भविष्यद्वक्ताओं द्वारा सुनाया गया सन्देश"

(देखें: synecdoche)

- जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का सन्दर्भ हो तो आवश्यक है कि इसका अनुवाद, "झूठे भविष्यद्वक्ता (नबी)" या "झूठे देवता का भविष्यद्वक्ता (नबी)" या उदाहरणार्थ, "बाल का भविष्यद्वक्ता"

(यह भी देखें: बाल, भावी बूझना, झूठे देवता, झूठे भविष्यद्वक्ता, पूरी करना, व्यवस्था, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यिस्सलुनीकियों 2:14-16](#)
- [प्रे.का. 3:25](#)
- [यूहन्ना 1:43-45](#)
- [मलाकी 4:4-6](#)
- [मत्ती 1:23](#)
- [मत्ती 2:18](#)
- [मत्ती 5:17](#)
- भजन संहिता 51:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **12:12** जब इस्साएलियों ने देखा कि मिस के लोग मारे गए हैं, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे हैं।
- **19:1** इस्साएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से भविष्यद्वक्ता भेजे। भविष्यद्वक्ताओं ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया।
- **19:6** इस्साएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ भविष्यद्वक्ता कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए।
- **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं किया. वे अधिकतर भविष्यद्वक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:9** भविष्यद्वक्ता यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीह एक कुंवारी से पैदा होगा।
- **43:5** "यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, "अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।"

- 43:7 "लेकिन यह उस **भविष्यवाणी** को पूरा करता है जो कहती है, 'तू कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
- 48:12 मूसा एक बहुत बड़ा **भविष्यद्वक्ता** था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी। लेकिन यीशु सबसे महान **भविष्यद्वक्ता** है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

भस्म कर देगा

परिभाषा:

"भस्म करना" का मूल अर्थ है, उपभोग करके समाप्त करना। इसके अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

- बाइबल में "खाए" शब्द को वस्तुओं या मनुष्यों को नष्ट करने के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- आग भस्म करती है अर्थात् जलाकर राख कर देती है।
- परमेश्वर को "भस्म करने वाली आग" कहा गया है जो पाप के विरुद्ध उसके क्रोध का वर्णन है। उसका क्रोध पश्चातापरहित पापियों को भयानक दण्ड देता है।
- भोजन खा जाना अर्थात् किसी भोजन वस्तु को खाना-पीना।
- "भूमि को भस्म कर देना" का अनुवाद "उसका विनाश करना।" हो सकता है।

अनुवाद के सुझाव

- भूमि और मनुष्यों के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद "विनाश" किया जा सकता है।
- जब संदर्भ आग का हो तो इसका अनुवाद "जलाकर राख कर देना" हो सकता है।
- मूसा ने जिस जलती हुई झाड़ी को देखा था वह "भस्म नहीं हो रही थी", इसका अनुवाद हो सकता है, "जल कर राख नहीं हुई" या "जल कर समाप्त नहीं हुई"
- भोजन के संदर्भ में "भस्म कर देगा" का अनुवाद हो सकता है, "खाना" या "चट कर जाना"
- किसी की शक्ति के संदर्भ में "भस्म होना" का अनुवाद हो सकता है, उसकी शक्ति "समाप्त हो गई" या "क्षीण हो गई"।
- "परमेश्वर भस्म करने वाली आग है" इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर ऐसी आग है जो खाक कर देती है" या "परमेश्वर पाप से क्रोधित होकर पापियों को आग की तरह जलाकर राख कर देता है।"

(यह भी देखें: चट कर जाना, क्रोध)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 18:38-40](#)
- [व्यवस्थाविवरण 07:16](#)
- [यिर्म्याह 03:23-25](#)
- [अथूब 7:9](#)
- [गिनती 11:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H398, H402, H1086, H1104, H1197, H2628, H3615, H3617, H3631, H3857, H4529, H5595, H8046, H8552, G355, G2618, G2654, G2719, G5315,

भस्म करना/फाड़ खाना**परिभाषा:**

“फाड़ खाना” अर्थात् उग्रता से खा जाना या निगल लेना।

- इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग पौलुस करता है जब वह विश्वासियों से कहता है कि एक दूसरे को फाड़ खाते हो। अर्थात् वचनों और कर्मों द्वारा एक दूसरे को हानि मत पहुंचाओ। (गला. 5:15)
- “भस्म हो जाएगा” प्रतीकात्मक रूप में “पूरी तरह से नष्ट” के लिए काम में लिया जाता है जब जातियां एक दूसरे का विनाश करती हैं या आग मकानों और मनुष्यों को जला कर राख कर देती हैं।
- इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “पूर्णतः ध्वंस करना” या “पूर्णतः नष्ट करना।”

बाइबल सन्दर्भः

- [1 पत्रस 5:8](#)
- [आमोस 1:10](#)
- [निर्गमन 24:17](#)
- [यहेजकेल 16:20](#)
- [लूका 15:30](#)
- [मत्ती 23:13-15](#)
- भजन संहिता 1:9

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0398, H0399, H0400, H0402, H1104, H1105, H3216, H3615, H3857, H3898, H7462, H7602, G20680, G26660, G27190, G53150

भाला**परिभाषा:**

भाला एक ऐसा हथियार होता था जिसके सिरे पर धातु का सांचदाया हुआ फल लगा होता था तथा उसके पीछे पकड़ने हेतु लम्बा डंडा लगा होता था और उसे फेंक कर दूर तक वार किया जाता था।

- बाइबल के युग में युद्ध के लिए भाले काम में लेना एक आम अभ्यास था। आज भी कभी-कभी जन जातियों के झगड़ों में भाले काम में लिए जाते हैं।
- यीशु कूस पर लटका हुआ था तब एक रोमी सैनिक ने भाले से उसकी पसली को छेदा था।
- कभी-कभी लोग मछली या अन्य शिकार को मारने के लिए भाला काम में लेते हैं।
- ऐसे ही हथियार “बर्छी” और “शूल” हैं।
- सुनिश्चित करें कि भाले का अनुवाद “तलवार” के अनुवाद से भिन्न हो। तलवार भोकने या घोंपने के काम में आती है न कि फेंक कर वार करने के। तलवार का फल लम्बा होता है और पकड़ने के लिए हथा होता है। जबकि भाले में एक लम्बे डंडे के सिरे पर एक छोटा फल लगा होता है।

(यह भी देखें: शिकार, रोम., तलवार, योद्धा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 13:19-21](#)
- [2 शमूएल 21:19](#)
- [नहेम्याह 4:12-14](#)
- भजन संहिता 35:3

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1265, H2595, H3591, H6767, H7013, H7420, G3057

भावी कहने

परिभाषा:

“भावी कहने” तथा “भूत सिद्धिवालों” एक अभ्यास था जिसमें लोग अलौकिक संसार में आत्माओं से जानकारी लेते थे। ऐसा काम करने वाले को “भावी कहने वाला” या “भूत सिद्धी करनेवाला” कहते थे।

- पुराने नियम के समय, परमेश्वर की आज्ञा थी कि इसाएली भावी कहना या भूत सिद्धि का अभ्यास न करें।
- ऊरिम और तुमिम द्वारा परमेश्वर ने अपनी इच्छा जानने की उन्हें अनुमति दी थी। ये दो पत्थर थे जिन्हें परमेश्वर ने प्रधान पुरोहित के लिए दिए थे कि वह इस उद्देश्य के निमित्त उन्हें काम में ले। परन्तु दुष्टात्माओं के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने की अनुमति उसने उन्हें नहीं दी थी।
- अन्यजाति दर्शी आत्मिक संसार से जानकारियां प्राप्त करने के लिए विभिन्न विधियां काम में लेते थे जैसे पशुओं की आंतड़ियों का परीक्षण करके या हड्डियों को भूमि पर डालकर उनका आकार देखना।
- नए नियम में, यीशु और प्रेरितों ने भी भविष्यवाणी, भूत-सिद्धी, जादू टोना और जादू को खारिज किया है। इन सभी प्रथाओं में बुरी आत्माओं की शक्ति का उपयोग करना शामिल है और ईश्वर द्वारा निंदा की जाती है।

(यह भी देखें: प्रेरित, झूठे देवता, जादू-टोना, भूत-सिद्धी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 06:1-2](#)
- [प्रे.का. 16:16-18](#)
- [यहेजकेल 12:24-25](#)
- [उत्पत्ति 44:3-5](#)
- [यिर्म्याह 27:9-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1870, H4738, H5172, H6049, H7080, H7081, G4436

भूसी

परिभाषा:

भूसी गेहूं की रक्षात्मक आवरण होती है जिसे सूखे गेहूं से अलग किया जाता है। भूसी खाने योग्य नहीं होती है इसलिए उसे गेहूं से अलग करके फेंक दिया जाता था।

- अन्न को हवा में उछालने से भूसी उड़कर गेहूं से अलग हो जाती है। भूसी हवा में उड़ जाती थी और अन्न के दाने नीचे भूमि पर गिर जाते थे। इस प्रक्रिया को "सूप" कहते हैं।
- बाइबल में इस शब्द को दुष्ट जनों तथा दुष्टता की निकम्मी बातों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: अन्न, गेहूं, हवा में उड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानियेल 2:35](#)
- [अथूब 21:18](#)
- [लूका 3:17](#)
- [मत्ती 3:12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2842, H4671, H5784, H8401, G08920

- भेड़ के बच्चे को मेघा कहते हैं।
- इस्लामी अधिकतर भेड़ को बलि के लिए काम में लेते थे, विशेष करके नर भेड़ और मेघा।
- लोग भेड़ का मांस खाते हैं और उसके ऊन को वस्त्र और अन्य चीज़ों बनाने के लिए उपयोग करते हैं।
- भेड़ बहुत भरोसा करने वाला, दुर्बल एवं भीरू प्राणी होता है। वे भटकने के लिए आसानी से प्रभावित हो जाते हैं। उन्हें अगुआई, सुरक्षा, भोजन-पानी एवं रहने के लिए चरवाहे की आवश्यकता होती है।
- बाइबल में मनुष्य की तुलना भेड़ से की गई है जिनका चरवाहा परमेश्वर है।

(अनुवाद के सुझाव: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्लाम, मेघा, बलि, चरवाहा)

भेड़

परिभाषा:

"भेड़" एक छोटा चैपाया होती है जिसके शरीर पर ऊन होता है। नर भेड़ को मेढ़ा कहते हैं। मादा भेड़ को भेड़ कहते हैं "भेड़" का बहुवचन भी "भेड़" है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रै.का. 8:32](#)
- [उत्पत्ति 30:32](#)
- [यूहन्ना 2:14](#)
- [लूका 15:5](#)
- [मरकुस 6:34](#)
- [मत्ती. 9:36](#)
- [मत्ती. 10:6](#)
- [मत्ती 12:12](#)
- [मत्ती 25:33](#)

बाइबल के कहानियों के उदाहरण:

- **9:12** एक दिन, मूसा अपनी भेड़ों की देख रेख कर रहा था, तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है।
- **_17:2_** बैतलहम नगर में दाऊद एक चरवाहा था। वह अपने पिता की भेड़ों की रखवाली करता था, दाऊद ने अलग-अलग समय पर भालू व शेर दोनों को मार गिराया जिन्होंने भेड़ों पर आक्रमण किया था।
- **30:3** यीशु ने लोगों की बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया। क्योंकि वह उन भेड़ों के समान थे जिनका कोई रखवाला न हो।
- **38:8** तब यीशु ने उनसे कहा, “तुम सब मुझे छोड़ दोगे, क्योंकि लिखा है: मैं रखवाले को मारूँगा, और भेड़े तितर-बितर हो जाएँगी।”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H1494, H1798, H2169, H3104, H3532, H3535, H3733, H3775, H5739, H5763, H6260, H6629, H6792, H7353, H7462, H7716, G4165, G4262, G4263

भेड़-बकरियों

परिभाषा:

बाइबल में “झुण्ड” शब्द भेड़ या बकरियों के समूह के लिए काम में लिया गया है और कभी-कभी यह शब्द मवेशियों, बैलों और सूअरों के लिये भी काम में लिया गया है।

- विभिन्न भाषों में पशुओं और पक्षियों के नाम विभिन्न रूपों में व्यक्त किये जाते हैं।
- अपनी भाषा में विभिन्न पशु समूहों के लिए काम में लिए गए शब्दों का अवलोकन करें।
- जिन पदों में “झुण्ड” और “वृन्द” का संदर्भ है वहाँ उचित होगा कि उनके आगे “भेड़ों का” या “मवेशियों का”, उदाहरणार्थ यदि उस भाषा में पशुओं के समूहों के लिए अलग-अलग शब्द न हों। उदाहरणार्थ अंग्रेजी में “हर्ड” शब्द भेड़ों और बकरियों के लिए भी काम में लिए जाते हैं। परन्तु बाइबल में नहीं।

(यह भी देखें: बकरी, बैल, सुअर, भेड़.)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 10:28-29](#)
- [2 इतिहास 17:10-11](#)
- [व्यवस्थाविवरण 14:22-23](#)
- [लूका 02:8-9](#)
- [मत्ती 08:30-32](#)
- [मत्ती 26:30-32](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H951, H1241, H2835, H4029, H4735, H4830, H5349, H5739, H6251, H6629, H7399, H7462, G34, G4167, G4168

भेड़िया

परिभाषा:

भेड़िया एक कूर मांसाहारी पशु होता है जो कुत्ते जैसा दिखता है।

- भेड़िये आमतौर पर समूहों में शिकार करते हैं और चालाक और गुपचुप तरीके से अपने शिकार को धेरते हैं।
- बाइबल में, "भेड़िए" शब्द का प्रयोग प्रतीकात्मक रूप से झूठे शिक्षक या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए किया गया है जो विश्वासियों का नाश करते हैं। उनकी तुलना भीड़ों से की गई है। झूठी शिक्षा लोगों को गलत बातों पर विश्वास करने का कारण होती है जो उन्हें नुकसान पहुँचाती हैं।
- यह तुलना इस तथ्य पर आधारित है कि भेड़े भेड़ियों के आक्रमण और भक्षण के लिए अरक्षित होती हैं क्योंकि उनके पास अपनी रक्षा के लिए कुछ भी नहीं होता है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद, "जंगली कुत्ते" या "जंगली जानवर" हो सकता है।
- जंगली कुत्ते के दुसरे नाम हो सकता है "सियार" या "भेड़िया।"
- जब प्रतीकात्मक रूप में मनुष्य के लिए प्रयोग किया जाता है, तो इसका अनुवाद हो सकता है, "बुरे लोग को जो लोगों को नुकसान पहुँचाते हैं जैसे जानवर जो भेड़ों पर हमला करता है।"

(यह भी देखें: बुराई, झूठे भविष्यद्वक्ता, भेड़, सिखाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 20:29](#)
- [यशायाह 11:7](#)
- [यूहन्ना 10:11-13](#)
- [लूका 10:3](#)
- [मत्ती 7:15](#)
- [सपन्याह 3:3](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2061, H3611, G30740

भेद

परिभाषा:

बाइबल में "भेद" शब्द का संदर्भ किसी अज्ञात या समझने में दुर्बोध बात से है जिसे परमेश्वर अब प्रकट कर रहा है।

- नये नियम में कहा गया है कि मसीह का सुसमाचार एक भेद की बात थी जिसका प्रकाशन पूर्वकाल में नहीं किया गया था।
- एक विशेष बात जिसे भेद कहा गया है, वह है कि यहूदी और अन्यजाति मसीह में एक है।
- इस शब्द का अनुवाद "रहस्य" या "गोपनीय बातें" या "अज्ञात बात" भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अन्य-जाति, शुभ सन्देश, यहूदी, सत्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [कुलसियों 4:2-4](#)
- [इफिसियों 6:19-20](#)
- [लूका 8:9-10](#)
- [मरकुस 4:10-12](#)
- [मत्ती 13:11](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1219, H7328, G34660

भोज

परिभाषा

"भोज" एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

- प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानियेल 5:10](#)
- [यशायाह 5:11-12](#)
- [यिर्मायाह 16:8](#)
- [लूका 5:29-32](#)
- [श्रेष्ठगीत 2:3-4](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G11730, G14030

भ्रष्ट

परिभाषा:

“भ्रष्ट” शब्द एक ऐसे मनुष्य या कार्य का चित्रण करता है जो नैतिक रूप से धूर्त या विकृत है। “कुटिलता” अर्थात् “भ्रष्टाचार”। किसी वस्तु को “विकृत” करना अर्थात् उसे उचित या अच्छी अवस्था से बुरी अवस्था में कर देना।

- कोई मनुष्य या वस्तु टेढ़ी है तो वह उचित एवं अच्छे से विपरीत हो गया या गई है।
- बाइबल में इस्माइली परमेश्वर की आज्ञाओं को न मानने के कारण विकृत व्यवहार करते थे। वे प्रायः झूठे देवताओं की पूजा करके ऐसा करते थे।
- परमेश्वर के मानक या उसके अनुरूप उचित व्यवहार के विरुद्ध हर एक कार्य भ्रष्ट माना जाता था।
- “टेढ़े” के अनुवाद के अन्य रूप है, “नैतिकता में विकृत” या “अनैतिक” या “परमेश्वर के सीधे मार्ग से विपथ होना”, यह सब प्रकरण के अनुकूल होना है।
- “भ्रष्ट भाषा” का अनुवाद हो सकता है, “बुरी भाषा बोलना” या “छल की बातें करना” या “अनैतिक भाषा काम में लेना”।
- “टेढ़े लोग” का अनुवाद हो सकता है, “दुराचारी लोग” या “जो लोग नैतिक रूप से पथभ्रष्ट हैं” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन करने वाले लोग”।
- “टेढ़ी चाल चलना” का अनुवाद हो सकता है, “बुरा व्यवहार करना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं के विरुद्ध चलना” या “परमेश्वर की शिक्षा के विरुद्ध जीवन जीना”।
- “टेढ़ी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भ्रष्टाचरण का कारण होना” या “बुराई में बदल जाना”।

(यह भी देखें: भ्रष्ट, छलना, अवज्ञा, दुष्ट, फिरना)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 8:47](#)
- [1 शमूएल 20:30](#)
- [अय्यूब 33:27-28](#)
- [लूका 23:2](#)
- भजन संहिता 101:4-6

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1942, H2015, H3868, H4297, H5186, H5557, H5558, H5753, H5766, H5773, H5791, H6140, H6141, H8138, H8397, H8419, G12940

मकिदुनिया**तथ्यः**

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था।

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके।
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए।
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की।
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ सन्देश, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनिके)

बाइबल सन्दर्भः

- [थिस्सलुनीकियों 01:6-7](#)
- [थिस्सलुनीकियों 04:10](#)
- [तीमुथियुस 01:3-4](#)
- [प्रे.का. 16:10](#)
- [प्रे.का. 20:1-3](#)
- [फिलिप्पियों 04:14-17](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G3109, G3110

मछुए**परिभाषा:**

मछुए वो लोग होते हैं जो पानी में से मछली पकड़कर रोजगार चलाते हैं। नये नियम के युग में मछुवे बड़े-बड़े जाल डाल कर मछलियां पकड़ते थे। मछुए को मछुआरे भी कहते हैं।

- यीशु के बुलाने से पहले पतरस और अन्य प्रेरित भी मछुवे थे।
- इस्साएल देश पानी के निकट था इसलिए बाइबल में मछलियों और मछुओं की चर्चा बहुत बार की गई है।
- इस शब्द का अनुवाद, “मछली पकड़नेवाले” या “मछली पकड़कर जीविकोपार्जन करने वाले” जैसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भः

- [यहेजकेल 47:9-10](#)
- [पशायाह 19:8](#)
- [लूका 5:1-3](#)
- [मत्ती 4:19](#)
- [मत्ती 13:47](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1728, H1771, H2271, G02310

मण्डली

परिभाषा:

“मण्डली” का संदर्भ मनुष्यों के एक समूह से है जो किसी कारण, प्रायः समस्या पर विचार करने के लिए, राय देने के लिए, या निर्णय लेने के लिए एकत्र होता है। सभा मनुष्यों का एक ऐसा समूह हो सकता है जो अधिकृत और एक प्रकार से स्थाई रूप में संगठित किया गया है या वह मनुष्यों का एक समूह हो सकता है जो किसी विशेष उद्देश्य या अवसर के निमित्त अस्थाई रूप से एकत्र होता है।

पुराना नियम

- पुराने नियम में एक विशेष सभा होती थी जिसे “पवित्र सभा” कहते थे, वह इस्त्राएलियों द्वारा यहोवा की आराधना के लिए एकत्र समूह होता था।
- कभी-कभी “मण्डली” शब्द इस्त्राएलियों के समूह को भी कहा जाता था।

नया नियम

- नये नियम में यरूशलेम जैसे प्रमुख नगरों में 70 यहूदी अगुओं की सभा वैधानिक विषयों पर निर्णय लेने और मनुष्यों में वाद-विवाद निपटाने के लिए बैठक करती थी। इस मण्डली को “महासभा” कहते थे।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “मण्डली” का अनुवाद “विशेष समूह” या “सभा” या “परिषद्” या “सेना” या “बड़ा समूह” भी किया जा सकता है।
- जब “मण्डली” शब्द सामान्य उपयोग में इसाएल के लिए काम में लिया जाता है तो इसका अनुवाद “समुदाय” या “इसाएल की प्रजा” किया जा सकता है।
- “पूरी सभा” का अनुवाद “सब लोग” या “सब इस्त्राएलियों का संपूर्ण समूह” या “हर एक जन” किया जा सकता है। (देखें: अतिशयोक्ति)

(यह भी देखें: महासभा)

बाइबल सन्दर्भ

- [1 राजा 08:14](#)
- [प्रे.का. 07:38](#)
- [एज्ञा 10:12-13](#)
- [इब्रानियों 12:22-24](#)
- [लैव्यव्यवस्था 04:20-21](#)
- [नहेम्याह 08:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H622, H1481, H2199, H3259, H4150, H4186, H4744, H5475, H5712, H6116, H6633, H6908, H6950, H6951, H6952, G1577, G3831, G4863, G4864, G4871, G4905

मतवाले

तथ्यः

“मतवाले” अर्थात् अत्यधिक मदिरापान करने वेसुध होना।

- “पियकड़” मनुष्य सदैव मदिरा के नशे में रहता है। ऐसे मनुष्य को “मतवाला” भी कहते हैं।
- बाइबल में विश्वासियों से कहा गया है कि मदिरा से मतवाले होने की अपेक्षा पवित्र-आत्मा के वश में हो जाएं।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार मतवालापन निर्बुद्धि है और मनुष्य को पाप में गिराता है।
- “मतवालापन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मतवाले” या “नशे में चूर” या “अत्यधिक मदिरापन” या “मदिरा से तृप्त”।

(यह भी देखें: दाखरस)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरियियों 5:11-13](#)
- [1 शमूएल 25:36](#)
- [यिर्म्याह 13:13](#)
- [लूका 7:34](#)
- [लूका 21:34](#)
- [नीतिवचन 23:19-21] (rc: //hi/tn/help/pro/23/19)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5433, H7301, H7910, H7937, H7941, H7943, H8354, H8358, G31780, G31820, G31830, G31840, G36300, G36320

मत्ती**तथ्यः**

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफईस का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 5:27](#)
- [लूका 6:14-16](#)
- [मरकुस 2:14](#)
- [मरकुस 3:17-19](#)
- [मत्ती 9:9](#)
- [मत्ती 10:3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G30170, G31560

मधु**परिभाषा:**

"मधु" खानेवाला एक चिपचिपा मीठा पदार्थ होता है जो मधु मक्खियाँ फूलों के रस से तैयार करती हैं। छत्ता मोम जैसा बनाया मधु संग्रह का एक ढांचा है, जिसमें मधु मक्खियाँ मधु एकत्र करती हैं।

- प्रकार के आधार पर शहद पीले या भूरे रंग का हो सकता है।
- मधु जंगल में पाया जा सकता है, जैसे किसी पेड़ की खोह में, या जहाँ भी मधुमक्खियाँ घोंसला बनाती हैं। लोग मधुमक्खियों को खाने या बेचने के लिए मधु बनाने के लिए छत्ते में भी पालते हैं, लेकिन शायद बाइबल में जिस मधु का ज़िक्र किया गया है वह जंगली मधु था।
- बाइबल में तीन मनुष्यों को जंगली मधु खाते हुए दर्शाया गया है, योनातान, शिमशोन और यून्ना बपतिस्मा देनेवाला।
- इस शब्द का प्रतिकात्मक उपयोग किसी मीठी या आनन्ददायक चीज के लिए भी किया गया है। उदारहणार्थ, परमेश्वर का वचन और आज्ञाएं "मधु से भी अधिक मीठी" कहीं गई हैं।

(यह भी देखें: उपमा, रूपक)

- कभी-कभी किसी व्यक्ति के शब्दों को शहद की तरह मीठा बताया जाता है, लेकिन इसका परिणाम दूसरों को धोखा देना और नुकसान पहुँचाना होता है।

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), योनातान, पलिश्ती, शिमशोन)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 राजा 14:1-3](#)
- [व्यवस्थाविवरण 6:3](#)
- [निर्गमन 13:3-5](#)
- [यहोशू 5:6](#)
- [नीतिवचन 5:3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1706, H3293, H3295, H5317, H6688, G31920

मध्यस्थ

परिभाषा:

“मध्यस्थ” दो पक्षों या अधिक मनुष्यों के मध्य मतभेद या कलह का समाधान करता है। वह आपसी मेल में उनकी सहायता करता है।

- पाप के कारण मनुष्य परमेश्वर का बैरी है जो उसके क्रोध और दण्ड का भागी है। पाप के कारण, परमेश्वर और उसके लोगों के मध्य संबन्ध विच्छेद है।
- यीशु पिता परमेश्वर और उसके लोगों के बीच मध्यस्थ है उसने उनके पाप का मूल्य चुकानेवाली अपनी मृत्यु के द्वारा इस विच्छेदित संबन्ध को पुनः स्थापित कर दिया है।

अनुवाद के सुझावः

- “मध्यस्थ का अनुवाद हो सकता है”, “बिचौलियाँ” या “मेल कराने वाला” या “शान्ति स्थापित करनेवाला”
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “याजक” शब्द के अनुवाद से करें। “मध्यस्थ” का अनुवाद भिन्न शब्द से करें तो उचित होगा।

(यह भी देखें: याजक, मेल करना)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 तीमुथियुस 2:5](#)
- [गलातियों 3:20](#)
- [इब्रानियों 8:6](#)
- [इब्रानियों 12:24](#)
- [लूका 12:14](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H3887, G33120, G33160

मन

परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णता है।
- “मसीह का मन रखना” अर्थात् यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- “मन परिवर्तन” अर्थात् निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग हो जाना।

अनुवाद के सुझाव

- “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण रखना” या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
- “मन, प्राण और बुद्धी” का अनुवाद हो सकता है, “आपको कैसी अनुभूति होती हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप इस बारे में क्या सोचते हैं।”
- “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना।”
- “विचार बदल कर चला गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
- इस अभिव्यक्ति, “दुचित्ता” का अनुवाद हो सकता है, “संदेह” या “निर्णय लेने में असमर्थ” या “विषम विचारों के साथ”

(यह भी देखें: विश्वास, मन, जीव)

बाइबल संदर्भ

- [लूका 10:27](#)
- [मरकुस 6:51-52](#)
- [मत्ती 21:29](#)
- [मत्ती 22:37](#)
- [याकूब 4:8](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन फिराना

परिभाषा:

“मन फिराना” और “मन फिराव” का संदर्भ पाप से विमुख होकर परमेश्वर के पास लौट आने से है।

- “मन फिराकर” का मूल अर्थ है, “मनोवृति_चित्वृति का पूर्ण परिवर्तन”
- बाइबल में “मन फिराने” का अर्थ है मनुष्य के सोचने-विचारने और काम करने के पापी स्वभाव से विमुख होकर परमेश्वर के सोचने और कार्य करने की विधि अपनाना।
- जब मनुष्य सच में पापों से मन फिराते हैं, तब परमेश्वर उन्हें क्षमा कर देता है और उसके आज्ञा पालन में उनकी सहायता करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मन फिराना” का अनुवाद ऐसे एक शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ हो, “पीछे मुड़ना(परमेश्वर की ओर)” या “पाप से विमुख होकर परमेश्वर की ओर मुड़ना” या “परमेश्वर की ओर मुड़ें, पाप से दूर।”।
- “मन फिराव” शब्द का अनुवाद प्रायः क्रिया शब्द “मन फिराना” किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, “परमेश्वर ने इस्राएल को मन फिराव दिया” इसका अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर ने इस्राएल को पश्चाताप करने में सक्षम किया है।”
- “मन फिराव” का अनुवाद करने के अन्य रूपों में हैं, “पाप से विमुख होना” या “परमेश्वर की ओर मुड़कर पाप से दूर होना।”

(यह भी देखें: क्षमा, पाप, विमुख होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 3:19-20](#)
- [लूका 3:3](#)
- [लूका 3:8](#)
- [लूका 5:32](#)
- [लूका 24:47](#)
- [मरकुस 1:14-15](#)
- [मत्ती 3:3](#)
- [मत्ती 3:11](#)
- [मत्ती 4:17](#)
- [रोमियो 2:4](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **16:2** परमेश्वर की आज्ञान मानने और क्षत्रुओं द्वारा उत्पीड़ित किए जाने के कई वर्षों बाद, इसाएलियों ने पश्चाताप किया और परमेश्वर से कहा कि वह उन्हें बचाए।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **19:18** भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी दी कि यदि वे पश्चाताप नहीं करेंगे तो परमेश्वर उनको नष्ट कर देगा।
- **24:2** बहुत से आस पास के लोग यूहन्ना को सुनने के लिए बाहर जंगल में निकल आए। यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है!”
- **42:8** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा है कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त_करने_ के लिये पश्चाताप करना चाहिए।”
- **44:5** “तो अब मन फिराओ और परमेश्वर की ओर लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ।”

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5150, H5162, H5164, G02780, G33380, G33400, G33410

मनश्शे

तथ्यः

मनश्शे नामक पाँच पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- यूसुफ के पहिलौठे का नाम मनश्शे था।
- मनश्शे और एप्रैम दोनों को यूसुफ के पिता याकूब ने गोद लिया था। जिसके कारण उनके वंशजों को इस्साएल के बारह गोत्रों में गिने जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
- मनश्शे के वंशज इस्साएल का एक गोत्र हुए।
- मनश्शे का गोत्र “मनश्शे का आधा गोत्र” कहलाता था क्योंकि कनान देश में इस गोत्र के एक भाग ने ही निवास किया था, यरदन नदी के पश्चिम में। इस गोत्र का शेष भाग यरदन नदी के पूर्व में बस गया।
- यहूदा के एक राजा का नाम भी मनश्शे था।
- मनश्शे एक दुष्ट राजा था जिसने अपने बच्चों को झूठे देवताओं के समक्ष होम बलि चढ़ाया था।
- परमेश्वर ने राजा मनश्शे को शत्रु की सेना द्वारा बन्दी बनाये जाने का दण्ड दिया। मनश्शे मन फिराकर परमेश्वर के निकट आया और सब मूर्ति-पूजा की सब वेदियों को नष्ट कर दिया।
- एज्ञा के समय में भी मनश्शे नामक दो पुरुष थे। उन्हें अपनी-अपनी अन्यजाति पत्रियों को तलाक देना पड़ा था क्योंकि उन्होंने मूर्ति-पूजा पर दबाव डाला था।
- मनश्शे नामक एक और पुरुष था वह दान वंशियों में कुछ का दादा था, वे झूठे देवताओं के पुजारी थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वेदी, दान, एप्रैम, एज्ञा, मूरत, याकूब, यहूदा, मूर्तिपूजक, इस्साएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 15:8-9](#)
- [व्यवस्थाविवरण 03:12-13](#)
- [उत्पत्ति 41:50-52](#)
- [उत्पत्ति 48:1-2](#)
- [न्यायियों 01:27-28](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4519, H4520, G3128

मनुष्य का पुत्र

परिभाषा:

“मनुष्य का पुत्र” यह उपनाम यीशु अपने लिए काम में लेता था। वह “मैं” या “मेरे” की अपेक्षा इसी के द्वारा स्वयं को संबोधित करता था।

- बाइबल में “मनुष्य का पुत्र” किसी पुरुष के संदर्भ देने या उसे संबोधित करने के लिए काम में लिया जाता था। इसका अर्थ “मनुष्य” भी हो सकता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, यहेजकेल में परमेश्वर यहेजकेल को बार-बार “मनुष्य का पुत्र” कहता है। उदाहरणार्थ, वह कहता है, “हे मनुष्य के पुत्र, भविष्यद्वाणी कर”।
- दानियेल ने “मनुष्य के पुत्र” का दर्शन देखा कि वह बादलों पर सवार आ रहा है जो आनेवाले मसीह के संदर्भ में है।
- यीशु स्वयं कहता है कि मनुष्य का पुत्र एक दिन बादलों में सवार होकर आएगा।
- मनुष्य के पुत्र का बादलों पर सवार होकर आना दर्शाता है कि मसीह यीशु परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मनुष्य का पुत्र” जब यीशु इस उक्ति को काम में लेता है तो इसका अनुवाद हो सकता है, “वह जो मनुष्य बना” या “स्वार्गिक मनुष्य”।
- कुछ अनुवादकों ने कभी-कभी “मैं” या “मुझे” इस शीर्षक के साथ (“मैं, मनुष्य के पुत्र रूप में) यह स्पष्ट करने के लिए काम में लेते हैं कि यीशु अपने बारे में बात कर रहा था।
- यह सुनिश्चित करने के लिए जांचें कि इस शब्द का अनुवाद गलत अर्थ तो नहीं देता है (जैसे किसी अवैध पुत्र का संकेत या यीशु का मात्र मनुष्य होने का संकेत)
- जब किसी व्यक्ति को संदर्भित किया जाता है, तब “मनुष्य का पुत्र” का अनुवाद हो सकता है, “तू एक मनुष्य” या “हे मनुष्य” या “मनुष्य” या “पुरुष”

(यह भी देखें: स्वर्ग, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:56](#)
- [दानियेल 7:14](#)
- [यहेजकेल 43:6-8](#)
- [यूह. 3:12-13](#)
- [लूका 6:5](#)
- [मरकुस 2:10](#)
- [मत्ती 13:37](#)
- भजन-संहिता 80:17-18
- [प्रकाशितवाक्य 14:14](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H0120, H0606, H1121, H1247, G04440, G52070

मन्दिर

तथ्यः

मन्दिर पर कोटे से धिरा हुआ एक भवन था जहां इस्पाएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
- “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: बलि, सुलैमान, बाबेल, पवित्र आत्मा, मिलापवाला तम्बू, आंगन, सिय्योन, घराना)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 03:1-3](#)
- [प्रे.का. 03:7-8](#)
- [यहेजकेल 45:18-20](#)
- [लूका 19:45-46](#)
- [नहेमायाह 10:28-29](#)
- भजन संहिता 079:1-3

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इसाएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढ़ाएँ।
- **_18:02_** यरुशलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक **भवन** बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया। अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे। परमेश्वर **भवन** में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था।
- **20:07** उन्होंने यरुशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व **मंदिर** की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए।
- **20:13** जब वह लोग वापस यरुशलेम लौटे, उन्होंने **मंदिर** और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया।
- **25:04** तब शैतान यीशु को **मंदिर** के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, “यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: ‘वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे। कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे।’”
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और **मंदिर** का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्थिति से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्त्रा

परिभाषा:

मन्त्रा सफेद रंग का एक प्रकार का अन्न था जिसका प्रावधान परमेश्वर ने इसाएलियों के लिए किया था जब वे मिस्र से पलायन करके 40 वर्ष जंगल में थे।

- मन्त्रा सफेद रंग का रूई जैसा पदार्थ था जो प्रतिदिन प्रातःकाल के समय ओस में पाया जाता था। इसका स्वाद मीठा होता है, शहद की तरह।
- सब्ल की अपेक्षा प्रतिदिन इसाएली मन्त्रा बटोरते थे।
- सब्ल के एक दिन पहले परमेश्वर के आदेश के अनुसार इसाएलियों को दोगुणा मन्त्रा एकत्र करना होता था कि सब्ल के दिन उन्हें परिश्रम न करना पड़े।
- “मन्त्रा” शब्द का अर्थ है, “यह क्या है?”
- बाइबल में मन्त्रा को “स्वर्ग की रोटी” या “स्वार्गिक अन्न” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “सफेद रूई जैसा पदार्थ” या “स्वार्गिक भोजन”।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा की बाईबल में कैसे किया गया है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: रोटी, रेगिस्तान, अन्न, स्वर्ग, सब्ल)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 8:3](#)
- [निर्गमन 16:27](#)
- [इब्रानियों 9:3-5](#)
- [यूहन्ना 6:30-31](#)
- [यहोशू 5:12](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4478, G3131

मरियम

तथ्यः

मरियम एक युवती थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ से हुई थी। परमेश्वर ने मरियम को चुना कि वह परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह की माता बने।

- पवित्र आत्मा ने अलौकिक कार्य से मरियम को गर्भवती किया जब कि वह कुँवारी थी।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उससे जन्म लेने वाला शिशु पुत्र परमेश्वर का पुत्र है और उसका नाम यीशु रखा जाए।
- मरियम परमेश्वर से प्रेम करती थी और उसके इस अनुग्रह के लिए उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया।
- यूसुफ ने मरियम से विवाह किया परन्तु वह यीशु के जन्म तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और ज्योतिषियों द्वारा शिशु यीशु के लिए कहे गए वचनों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ और मरियम यीशु को समर्पित करने के लिए मन्दिर में ले गए। * वे यीशु को हेरोदेस के हाथों हत्या से बचाने के लिए मिस्त्र ले गए थे। अन्त में वे नासरत लौट आए।
- जब यीशु वयस्क हो गया तब उसने काना में एक विवाह उत्सव के समय पानी से मदिरा बनाई, मरियम भी वहां थी।
- सुसमाचार वृत्तान्तों में लिखा है कि यीशु के क्रूसीकरण के समय मरियम भी वहां थी। यीशु ने अपने शिष्य यूहन्ना को आदेश दिया कि वह मरियम को अपनी माता के जैसा संभाले।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: काना, मिस्र, हेरोदेस महान, यीशु, यूसुफ (नया नियम), परमेश्वर का पुत्र, कुँवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यूहन्ना 2:4](#)
- [यूहन्ना 2:12](#)
- [लूका 1:29](#)
- [लूका 1:35](#)
- [मरकुस 6:3](#)
- [मत्ती 1:16](#)
- [मत्ती 1:19](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **22:4** जब इलीशिबा छः माह गर्भवती थी, वहीं स्वर्गदूत इलीशिबा की कुटुम्बी मरियम के पास गया। वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी। स्वर्गदूत ने उससे कहा, ‘तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा।’ “तू उसका नाम यीशु रखना। वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और हमेशा के लिए राज्य करेगा।”
- **22:5** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, “पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी। इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।” जो कुछ स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, उसने उस पर विश्वास किया।
- **22:6** स्वर्गदूत ने मरियम से बात की, उसके कुछ समय बाद वह इलीशिबा से भेंट करने को गई। ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला।
- **23:2** स्वर्गदूत ने उससे कहा, “हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आन से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है।
- **23:4** अतः यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।

- 49:1 एक दूत ने मरियम नाम की एक कुँवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी। अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G31370

मरियम (मार्था की बहन)

तथ्यः

मरियम बैतनियाह वासी थी जो यीशु की शिष्या थी।

- मरियम की बहन मार्था और भाई लाजर भी यीशु के अनुयायी थे।
- यीशु ने कहा कि उसकी शिक्षाओं को सुनना मरियम का एक सर्वोत्तम चुनाव था, अपेक्षा इसके कि मार्था उसके लिए भोजन व्यवस्था की चिन्ता करती।
- मरियम के भाई लाजर ही को तो यीशु ने पुनःजीवित किया था।
- कुछ समय पश्चात जब यीशु बैतनियाह में किसी के घर भोजन कर रहा था तब उसकी उपासना में मरियम ने यीशु के पावं पर बहुमूल्य इत्र डाला था।
- इस काम के लिए यीशु ने उसकी प्रशंसा करते हुए कहा था कि वह उसके दफन के लिए उसके शरीर को तैयार कर रही है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतनियाह, लोबान, लाजर, मार्था)

बाइबल सन्दर्भः

- [यूहन्ना 11:1-2](#)
- [यूहन्ना 12:1-3](#)
- [लूका 10:38-39](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G31370

मरियम मगदलीनी

तथ्यः

मरियम मगदलीनी उन सब स्त्रियों में से एक थी जो यीशु में विश्वास करती थी और उसकी सेवा में उसके साथ रहती थी। वह यीशु द्वारा सात दुष्टात्माओं से मुक्ति पाने के लिए प्रसिद्ध थी।

- मरियम मगदलीनी और अन्य कुछ स्त्रियाँ यीशु और उसके शिष्यों को सहयोग प्रदान करती थी।
- वह यीशु को मृतकों में से जी उठने के बाद देखनेवाली सर्वप्रथम महिलाओं में से एक थी।
- जब मरियम मगदलीनी खाली कब्र के बाहर खड़ी थी तब उसने यीशु को वहां खड़े देखा और यीशु ने उससे कहा कि वह जाकर शिष्यों से कहे कि वह जी उठा है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, दुष्टात्माप्रस्त)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 8: 1-3](#)
- [लूका 24:8-10](#)
- [मरकुस 15:39-41](#)
- [मत्ती 27:54-56](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G30940, G31370

मरी

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती हैं जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इसाएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड़ियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलोठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक विनाश” या “व्यापक रोग” प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: नमस्कार, इसाएल, मूसा, फिरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 24:13-14](#)
- [निर्गमन 09:13-14](#)
- [उत्पत्ति 12:17-20](#)
- [लूका 21:10-11](#)
- [प्रकाशितवाक्य 09:18-19](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मलाकी

तथ्य:

मलाकी यहूदा राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था। वह मसीह के आगमन से 500 वर्ष पूर्व का था।

- मलाकी उस समय भविष्यद्वाणी कर रहा था जब यहूदी बेबीलोन से लौटकर मन्दिर का पुनः निर्माण कर रहे थे।
- एज्रा और नहेम्याह मलाकी के समय के ही थे।
- मलाकी की पुस्तक पुराने नियम की अन्तिम पुस्तक है।
- पुराने नियम के सब भविष्यद्वक्ताओं के सदृश्य मलाकी ने भी पाप से मन-फिराव तथा यहोवा की आराधना में लौट आने का प्रचार किया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, बन्दी, एज्रा, यहूदा, नहेम्याह, भविष्यद्वक्ता, मन फिराना, फिरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [मलाकी 01:1-3](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4401

मसीह में

परिभाषा:

“मसीह में” तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात् मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात् आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात् उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
 - “जो मसीह के है”
 - “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
 - “क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया”
 - “प्रभु की सेवा में”
 - “प्रभु पर निर्भर”
 - “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में “विश्वास करते हैं” या जो मसीह पर “विश्वास रखते हैं,” वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे “विश्वास करना” या “साझा करें” या “विश्वास में”।

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 02:4-6](#)
- [2 कुरिचियों 02:16-17](#)
- [2 तीमुथियुस 01:1-2](#)
- [गलातियों 01:21-24](#)
- [गलातियों 02:17-19](#)
- [फिलेमोन 01:4-7](#)
- [प्रकाशितवाक्य 01:9-11](#)
- [रोमियो 09:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह विरोधी

परिभाषा:

“मसीह विरोधी” शब्द का संदर्भ उस व्यक्ति या शिक्षा से है जो मसीह यीशु और उसके काम के विरुद्ध है। संसार में अनेक मसीह विरोधी हैं।

- प्रेरित यूहन्ना लिखता है कि यदि कोई यह शिक्षा देकर मनुष्यों को पथ-भ्रष्ट करे कि यीशु मसीह नहीं है या इन्कार करे कि यीशु परमेश्वर एवं मनुष्य दोनों हैं तो वह मसीह विरोधी है।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार संसार में मसीह विरोधी की आत्मा सार्वलौकिक है जो यीशु के काम का विरोध करती है।
- नये नियम की पुस्तक प्रकाशितवाक्य में लिखा है कि एक पुरुष “मसीह विरोधी” कहलाएगा जो अन्त समय में प्रकट होगा। वह परमेश्वर के लोगों को नष्ट करने का प्रयास करेगा परन्तु वह यीशु द्वारा परास्त किया जाएगा।

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द के अनुवाद करने के लिए ऐसे शब्द या उक्तियां हो सकती हैं जिनका अर्थ हो, “मसीह का विरोधी” या “मसीह का बैरी” या “मसीह का विरोध करनेवाला मनुष्य”
- “मसीह विरोधी की आत्मा” का अनुवाद हो सकता है, “आत्मा जो मसीह के विरुद्ध है”। या “(कोई) मसीह के बारे में झूठी शिक्षा देता है” या “मसीह के बारे में झूठी शिक्षा पर विश्वास करने की प्रवृत्ति” या “बुरी आत्मा जो मसीह के बारे में झूठी शिक्षा देती है।”
- इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, प्रकट करना, क्लेश)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 2:18](#)
- [1 यूहन्ना 4:3](#)
- [2 यूहन्ना 1:7](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G500

मसीही विश्वासी

परिभाषा

यीशु के स्वर्गरोहण के कुछ समय बाद विश्वासियों को "मसीही" कहा गया जिसका अर्थ है, "मसीह के अनुयायी"

- अन्ताकिया नगर में यीशु के अनुयायियों को सबसे पहले "मसीही" कहा गया था।
- मसीही जन वह मनुष्य है जो विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और यीशु में विश्वास करता है कि उसने उसका पाप मोचन किया।
- आज, हमारे युग में "मसीही" शब्द अधिकतर मसीही धर्म मानने वाले के अर्थात् उससे पहचान बनाने वाले के संदर्भ में काम में लिया जाता है चाहे वह व्यक्ति वास्तव में यीशु का अनुसरण नहीं करता हो। बाइबल में "मसीही" शब्द का अर्थ यह नहीं है।
- क्योंकि बाइबल में "मसीही" शब्द सदैव उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो वास्तव में यीशु में विश्वास करता है, मसीही जन को "विश्वासी" भी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव

इस शब्द का अनुवाद "मसीही अनुयायी" या "मसीह का अनुयायी" या संभवतः "मसीह जन" जैसा।

- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद शिष्य और प्रेरित शब्दों के अनुवाद से भिन्न हो।
- सावधानी-पूर्वक अनुवाद करें कि इस शब्द का अनुवाद यीशु में विश्वास करनेवाले सब जनों के संदर्भ में हो न कि किसी एक समुदाय या वर्ग से हो।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अन्ताकिया, मसीह, आराधनालय, चेले, विश्वासी, यीशु, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ

- [1 कुरियियों 6:7-8](#)
- [1 पतरस 4:16](#)
- [प्रे.का. 11:26](#)
- [प्रे.का. 26:28](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:9** और चेलें सब से पहले अन्ताकिया ही में "मसीही" कहलाए।
- **47:14** पौलुस और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **49:15** यदि आप यीशु पर और जो कुछ उसने आपके लिए किया उस पर विश्वास करते हो, तो आप एक मसीही हो!
- **49:16** यदि तुम एक मसीही हो, तो जो कुछ यीशु ने किया उसके कारण परमेश्वर ने तुम्हारे पाप माफ़ कर दिए हैं।
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ेंगे।
- **50:3** स्वर्ग में वापस जाने से पहले, यीशु ने मसीहों से कहा कि वे उन लोगों को शुभ समाचार सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।
- **50:11** जब यीशु वापस आएगा, तो हर मसीही जो मरा गया है वह मृतकों में से जी उठेगा और उससे आकाश में मिलेगा।

शब्द तथ्य

- स्ट्रोंग्स: G 55460

महल

परिभाषा:

"महल" उस इमारत या घर को संदर्भित करता है जहां एक राजा अपने परिवार के सदस्यों के साथ तथा सेवकों के साथ रहता था।

- महायाजक भी महल में रहता था जैसा नये नियम से विदित है।
- महल सजे हुए होते थे, उनकी वास्तुकला और साज-सज्जा उत्कृष्ट होती थी।
- महल पत्थर या लकड़ी के बने होते थे और उन पर मूल्यवान लकड़ी, सोना या हाथी दांत की नकाशी की साज सज्जा होती थी।
- महलों में और भी लोग रहते थे और काम करते थे, महलों में सामान्यतः कई अन्य ईमारतें तथा प्रांगण होते थे।

(यह भी देखें: आंगन, महायाजक, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 28:7-8](#)
- [2 शमूएल 11:2-3](#)
- [दानियेल 5:5-6](#)
- [मत्ती 26:3-5](#)
- भजन संहिता 45:8

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0759, H1002, H1004, H1055, H1406, H1964, H1965, G08330, G09330, G42320

महामहिमन्

परिभाषा:

“महामहिमन्” शब्द का अर्थ है महानता और ऐश्वर्य विशेष करके राजा के गुणों से सम्बन्धित।

- बाइबल में “महामहिमन्” शब्द अधिकतर परमेश्वर की महानता के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वह ब्रह्माण्ड के पर सबसे बड़ा राजा है।
- “महामहिम” राजा को संबोधित करने की विधि है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “राजसी महानता” या “राजसी ऐश्वर्य”
- “महामहिमन्” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “राजाधिराज” या “परम-श्रेष्ठ” या लक्षित भाषा में शासक को संबोधित करने की कोई स्वाभाविक विधि।

(यह भी देखें: राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पतरस 1:16-18](#)
- [दानियेल 4:36](#)
- [यशायाह 2:10](#)
- [यहूदा 1:25](#)
- [मीका 5:4](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1347, H1348, H1420, H1923, H1926, H1935, H7238, G31680, G31720

महायाजक

परिभाषा:

“महायाजक” शब्द उस विशेष याजक के सन्दर्भ में है जिसकी नियुक्ति सब इस्त्राएली याजकों के ऊपर एक वर्ष की सेवा के लिए की जाती थी। नए नियम के युग में, कुछ ऐसे याजक भी थे जिनको अत्यधिक महत्वपूर्ण यहूदी धर्म गुरु माना जाता था। उन्हें अन्य याजकों और मनुष्यों पर अधिकार होता था। ये प्रधान याजक थे।

- महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए मिलाप वाले तम्भू या मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
- इस्त्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
- सेवानिवृत हो जाने के बाद भी महायाजक अपनी उपाधि प्रतिधारित रखता था वरन् उसके पास कुछ कर्यकारी उत्तरदायित्व भे होते थे। उदाहरणार्थ, हन्ना कैफा के महायाजक होते हुए भी महायाजक कहलाता था।
- प्रधान याजकों का उत्तरदायित्व था कि मंदिर में आराधना के लिए सब आवश्यकताओं की पूर्ती करें। वे मंदिर में दिए जाने वाले पैसों के भी प्रभारी थे।
- प्रधान याजक, पद और अधिकारों में अन्य याजकों से ऊपर थे। उनसे अधिक अधिकार संपत्र केवल महायाजक था।
- ये प्रधान याजक यीशु के बैरियों में से थे और उन्होंने रोमी अधिकारियों को प्रभावित किया कि उसको बंदी बनाकर मृत्यु दंड दें।

अनुवाद के सुझाव:

- “महायाजक” का अनुवाद “सर्वोच्च याजक” या “सबसे बड़ा याजक” किया जा सकता है।
- “प्रधान याजक” शब्द का अनुवाद हो सकता है: “प्रमुख याजक” या “अगुवे याजक” या “प्रशासनिक याजक”

(यह भी देखें: हन्ना, कैफा, याजक, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 5:27](#)
- [प्रे.का. 7:1](#)
- [प्रे.का. 9:1](#)
- [निर्गमन 30:10](#)
- [इब्रानियों 6:19-20](#)
- [लैव्यव्यवस्था 16:32](#)
- [लूका 3:2](#)
- [मरकुस 2:25-26](#)
- [मत्ती 26:3-5](#)
- [मत्ती 26:51-54](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **13:8** महायाजक की अपेक्षा परदे के पीछे के कक्ष में कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता था क्योंकि वहाँ परमेश्वर का निवास था।
- **21:7** मसीह जो आएगा वही एकमात्र एक सिद्ध महायाजक होगा जो परमेश्वर के लिए सिद्ध बलि होने के लिए स्वयं को दे देगा।
- **38:3** यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये यहूदा को तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:1** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको महायाजक के घर ले गए, कि महा याजक यीशु से प्रश्न करे।
- **39:3** अंत में, महायाजक ने यीशु की ओर सीधा देखकर उससे कहा, “हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?”
- **44:7** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक और अन्य यहूदी अगुओं के पास गए।
- **45:2** तब धर्मगुरुओं ने स्तिफनुस को पकड़ा और महायाजक तथा यहूदियों के अन्य धर्मगुरुओं के पास ले गए जहां और अधिक झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के विषय झूठी बातें कहीं।

- 46:1 महायाजक ने शाऊल को अनुमति दी कि वह दमिश्क शहर में जाकर वहाँ के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
- 48:6 यीशु एक महान महायाजक है, दूसरे याजकों से भिन्न। उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सब मनुष्य के पापों को उठा कर ले जा सकता है। यीशु एक सिद्ध महायाजक है क्योंकि उस हर एक पाप का दंड भोगा जो कभी किसी ने किया हो।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

महासभा

परिभाषा:

महासभा मनुष्यों का एक समूह होता है जो महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने, परामर्श देने तथा निर्णय लेने के लिए बैठता है।

- किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त सभा की व्यवस्था अधिकृत एवं स्थाई रूप में की जाती है जैसे वैधानिक विषयों पर निर्णय लेना।
- “यहूदी महासभा” यरूशलेम, को “सेनहड्डिन” कहते थे, उसके 70 सदस्य थे जिनमें यहूदी अगुवे जैसे महायाजक, प्राचीन, शास्त्री, फरीसी, सदूकी थे, वे यहूदी व्यवस्था से संबंधित विषयों पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से सभा करते थे। इसी महासभा ने यीशु पर अभियोग चलाकर उसे मृत्यु देने का निर्णय लिया था।
- अन्य नगरों में भी छोटी यहूदी सभाएं थी।
- प्रेरित पौलुस को रोमी प्रशासक के समक्ष उपस्थित किया गया था क्योंकि वह सुसमाचार प्रचार कर रहा था।
- प्रकरण के अनुसार “सभा” का अनुवाद हो सकता है, “विधान सभा” या “राजनीतिक सभा”
- “सभा में होना” अर्थात् किसी बात का निर्णय लेने के लिए किसी विशेष सभा में उपस्थित होना।
- ध्यान दें कि यह शब्द “सम्मति” से भिन्न है जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का परामर्श देना”

(यह भी देखें: सभा, सम्मति, फरीसी, व्यवस्था, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 7:57-58](#)
- [प्रे.का. 24:20](#)
- [यूहन्ना 3:2](#)
- [लूका 22:68](#)
- [मरकुस 13:9](#)
- [मत्ती 5:22](#)
- [मत्ती 26:59](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4186, H5475, G10100, G48240, G48920

महिमा

परिभाषा:

"महिमा" शब्द अवधारणाओं के पूर्ण कुल के लिए एक सर्वनिष्ठ शब्द है अर्थात्, मान, महत्व, प्रतिष्ठा, सम्मान, वैभव या गौरव आदि के लिए। "महिमा" शब्द का अर्थ है, किसी मनुष्य या वस्तु को महिमा का श्रेय देना या प्रकट करना या वर्णन करना कि कोई वस्तु या मनुष्य कैसा वैभवशाली है।

- बाईंबल में, "महिमा" शब्द विशेष करके परमेश्वर के वर्णन हेतु काम में लिया गया है क्योंकि वह सम्पूर्ण ब्रह्मांड में सबसे अधिक माननीय, अधिक योग्य, अधिक महत्वपूर्ण, अधिक सम्मानित, अधिक वैभवशाली, अधिक गौरवशाली है। उसके गुणों की हर एक बात उसकी महिमा का वर्णन करती है।
- मनुष्य उसके द्वारा किए गए अद्भुत कामों का वर्णन करके उसकी महिमा कर सकते हैं। वे परमेश्वर के गुणों के अनुरूप जीवन निर्वाह करके परमेश्वर की महिमा कर सकते हैं क्योंकि ऐसा करने से अन्य मनुष्यों पर उसका मान, सम्मान, महत्व, प्रतिष्ठा, वैभव और महातम्य प्रकट होता है।
- यह अभिव्यक्ति "में महिमान्वन" का अर्थ है, डींग मारना या किसी बात पर घमंड करना। कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना।

पुराना नियम

- पुराने नियम में यह विशिष्ट उक्ति, "यहोवा का तेज" प्रायः किसी स्थान विशेष में यहोवा के दृष्टिगम्य प्रकटीकरण के सन्दर्भ में है।

नया नियम

- पिता परमेश्वर पुत्र परमेश्वर के महिमान्वन में सब लोगों पर प्रकट करेगा कि यीशु कैसा महिमामय है।
- वह हर एक जन जो मसीह में विश्वास करता है, उसके साथ महिमान्वित किया जाएगा। यहाँ "महिमान्वन" शब्द का अर्थ अद्वैत है। इसका अर्थ है कि जब मसीह में विश्वास करने वाले पुनर्जीवित किए जाएंगे तब उनका शरीर बदल कर यीशु के उस शरीर के सामान हो जाएगा जो पुनरुत्थान के बाद उसका था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "महिमा" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "वैभव" या "तेज" या "प्रताप" या "महातम्य" या "परम मूल्य"

- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भ्यानक वैभव” किया जा सकता है।
- “परमेश्वर की महिमा करो”, इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता का सम्मान करो” या “परमेश्वर के वैभव के कारण उसकी स्तुति करो” या “दूसरों को बताओं कि परमेश्वर कैसा महान है।”
- इस अभिव्यक्ति “में महिमा” का अनुवाद हो सकता है, “स्तुति” या “में गर्व करना” या “घमण्ड करना” या “में प्रसन्न होना।”
- “महिमान्वन करना” का अनुवाद हो सकता है, “महिमा का कारण हो” या “महिमा प्रकट करो” या “महान प्रकट होने का कारण उत्पन्न करो”
- यह अभिव्यक्ति, “परमेश्वर का महिमान्वन करो”; इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की स्तुति करो” या “परमेश्वर की महानता का वर्णन करो” या “प्रकट करो कि परमेश्वर कैसा महान है” या “(आज्ञापालन द्वारा) परमेश्वर का सम्मान करो”
- “महिमान्वित हो” का अनुवाद हो सकता है, “महामहिम दिखाए जाओ” या “स्तुति योग्य हो” या “प्रतिष्ठित हो”

(यह भी देखें: सम्मान, वैभव^{majesty}, प्रतिष्ठा करना, आज्ञापालन, स्तुति करना)

बाइबल सन्दर्भः

- [निर्गमन 24:17](#)
- [गिनती 14:9-10](#)
- [यशायाह 35:2](#)
- [लूका 18:43](#)
- [लूका 2:9](#)
- [युहन्ना 12:28](#)
- [प्रे.का. 3:13-14](#)
- [प्रे.का 7:1-3](#)
- [रोमियों 8:17](#)
- [1 कुरिचियों 6:19-20](#)
- [फिलिप्पियों 2:14-16](#)
- [फिलिप्पियों 4:19](#)
- [कुलसियों 3:1-4](#)
- [1 थिस्लुनिकियों 2:5](#)
- [याकूब 2:1-4](#)
- [1 पतरस 4:15-16](#)
- [प्रका. 15:4](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **23:7** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की **महिमा** और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **25:6** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका **वैभव** दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:1** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की **महिमा** के लिये है।
- **37:8** यीशु ने जवाब दिया, “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की **महिमा** को देखेगी?”

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G13910, G13920, G17400, G17410, G27440, G48880

महीने

परिभाषा:

“महीना” शब्द चार सप्ताहों के समय के संदर्भ में है। प्रत्येक महीने के दिनों में अन्तर तब आ जाता है जब चांद या सूर्य पर आधारित कैलेण्डर काम में लिया जाता है।

- चांद आधारित कैलेण्डर में महीने का समय चांद द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के दिनों पर आधारित होता है अर्थात् 29 दिन। इस प्रणाली में वर्ष 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का वर्ष होने के उपरान्त भी प्रथम माह का नाम वही होता है यद्यपि ऋतु अलग होगी।
- “नया चांद” या चांद का आरंभिक चरण-चांदी का सा प्रकाश, चांद आधारित कैलेण्डर के प्रत्येक महीने का आरंभ है।
- बाइबल में जिन महीनों का उल्लेख किया गया है वे चन्द्र वर्ष के महीने हैं क्योंकि इस्माएल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी धार्मिक उद्देश्यों में इसी कैलेण्डर को मानते हैं।
- आज का प्रचलित कैलेण्डर सौर कैलेण्डर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करने में कितने दिन लगाती है (लगभग 365 दिन) इस कैलेण्डर में वर्ष बारह महीनों में विभाजित होता है, प्रत्येक वर्ष 28 से 31 दिन तक का होता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 20:34](#)
- [प्रे.का. 18:9-11](#)
- [इब्रानियों 11:23](#)
- [गिनती 10:10](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

माका

तथ्यः

माका अब्राहम के भाई नाहोर के पुत्रों में से एक था। पुराने नियम में इस नाम के और भी पुरुष हुए हैं।

- माका या बेतमाका नगर इसाएल के दूर उत्तर में नप्ताली गोत्र के क्षेत्र में था।
- यह एक महत्वपूर्ण नगर था और शत्रु बार-बार उस पर आक्रमण करते थे।
- माका अनेक स्त्रियाँ का नाम था, जिनमें दाऊद के पुत्र अबशालोम की माँ भी थी।
- राजा आसा ने अपनी माता माका को रानी होने से हटा दिया था क्योंकि उसने अशेरा की मूर्ति-पूजा आरंभ कर दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: आसा, अशेरा, नहोर, नप्ताली, इसाएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4601

मादियों

तथ्यः

मादी साम्राज्य एक प्राचीन साम्राज्य था जो अश्शूर देश और बेबीलोन के पूर्व में तथा एलाम और फारस के उत्तर में था। मादी राज्य के लोग “मादियों” कहलाते थे।

- मादी साम्राज्य में आज के तुर्किस्तान, सीरिया, ईराक और अफगानिस्तान के कुछ भाग थे।
- मादी लोग फारसियों के निकट संबंध में थे और दोनों की संयुक्त सेना ने बेबीलोन को जीता था।
- बेबीलोन पर मादी घराने के राजा दारा ने आक्रमण किया था जब दानिय्येल भविष्यद्वक्ता बेबीलोन में था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: अश्शूर, बाबेल, कुस्तू, दानिय्येल, दारा, एलाम, फारस)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 17:06](#)
- [प्रे.का. 02:09](#)
- [दानिय्येल 05:28](#)
- [एस्तर 01:3-4](#)
- [एज्रा 06:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4074, H4075, H4076, H4077, G3370

मान लेना

परिभाषा:

अंगीकार करने का अर्थ है स्वीकार करना या बलपूर्वक कहना कि कोई बात सच है। “अंगीकार” एक अभिकथन या स्वीकरण है कि कोई बात सच है

- “अंगीकार” का संदर्भ परमेश्वर के बारे में सत्य का निर्भीकतापूर्वक वर्णन करने से है। इसका संदर्भ अपने पाप मान लेने से भी है।
- बाइबल में लिखा है कि यदि मनुष्य परमेश्वर के समक्ष अपने पापों का अंगीकार करें तो परमेश्वर उन्हें क्षमा कर देगा।
- प्रेरित याकूब अपने पत्र में लिखता है कि विश्वासी एक दूसरे के सामने अपने पापों को मान लें तो इससे आत्मिक चंगाई मिलती है।
- प्रेरित पौलुस ने फिलिप्पी की कलीसिया को पत्र लिखा कि एक दिन हर एक जन अंगीकार करेगा या घोषणा करेगा कि यीशु प्रभु है।
- पौलुस ने यह भी कहा है कि मनुष्य यदि यीशु को प्रभु कहकर अंगीकार करें और विश्वास करें कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया तो वे उद्धार पाएंगे।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “अंगीकार” (मान लें) का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “गवाही देना” या “घोषणा करना” या “स्वीकार करना” या “पुष्टि करना।”
- “अंगीकार” के अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “घोषणा”, या “गवाही” या “अपने विश्वास का अभिकथन” या “पाप स्वीकरण”

(यह भी देखें: विश्वास, साक्षी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 1:8-10](#)
- [2 यूहन्ना 1:7-8](#)
- [याकूब 5:16](#)
- [लैव्यव्यवस्था 5:5-6](#)
- [मत्ती 3:4-6](#)
- [नहेम्याह 1:6-7](#)
- [फिलिप्पियों 2:9-11](#)
- भजन संहिता 38:17-18

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H3034, H8426, G18430, G36700, G36710

मानना

तथ्यः

“मानना” (अभिस्वीकार करना) अर्थात् किसी मनुष्य को या वस्तु को यथा उचित मान देना।

- परमेश्वर का अंगीकार करना में ऐसा आचरण आता है जिससे प्रकट हो कि वह जो कहता है वह सच है।
- परमेश्वर को माननेवाले मनुष्य उसके नाम के महिमान्वन के निमित्त आज्ञापालन द्वारा प्रकट करते हैं।
- किसी बात को मानने का अर्थ है कि उसकी सच्चाई को स्वीकार करना, कार्यों एवं शब्दों द्वारा उसकी पुष्टि करना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी बात की सत्यता को स्वीकार करने के संदर्भ में “मानना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “घोषित करना” या “सत्य का अंगीकार करना” या “विश्वास करना”।
- किसी मनुष्य को मानने (पहचान लो) के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “के महत्व को पहचानना” या “अन्यों से कहना कि वह विश्वासयोग्य है।”
- इस सन्दर्भ में परमेश्वर को मानना का अनुवाद होगा, “परमेश्वर पर विश्वास करना और उसका आज्ञापालन करना” या “घोषित करना कि परमेश्वर कौन है” या “अन्य लोगों को बताना कि परमेश्वर कितना महान है” या “अंगीकार करना कि परमेश्वर जो कहता है और करता है सच है।”

(यह भी देखें: आज्ञापालन, महिमा, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानियेल 11:38-39](#)
- [यिर्मयाह 9:4-6](#)
- [अथूब 34:26-28](#)
- [लैव्यव्यवस्था 22:32](#)
- भजन 29:1-2

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3045, H3046, H5046, H5234, H6942, G14920, G19210, G36700

मार्थ

तथ्यः

मार्था बैतनियाह की निवासी थी जो यीशु की अनुयायी थी।

- मार्था की बहन मरियम और भाई लाज़र भी यीशु के अनुयायी थे।
- एक बार यीशु उनके घर गया तब मार्था तो खाना तैयार करने में व्यस्त हो गई परन्तु मरियम यीशु के पास बैठकर उसकी शिक्षा सुनने लगी।
- लाज़र की मृत्यु पर मार्था ने यीशु के समक्ष स्वीकार किया कि यीशु, परमेश्वर का पुत्र, मसीह है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: लाज़र, मरियम (मार्था की बहन))

बाइबल सन्दर्भः

- [यूहन्ना 11:2](#)
- [यूहन्ना 12:1-3](#)
- [लूका 10:39](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G31360

मिटा दे

परिभाषा:

“मिटा दे” और “मिटा डाले” अर्थात् किसी वस्तु को या किसी मनुष्य को पूर्ण रूप से नष्ट कर देना या हटा देना।

- इन शब्दों का उपयोग सकारात्मक रूप में भी किया जाता है जैसे परमेश्वर अपराधों को “मिटा डालता” है, उन्हें क्षमा करके कभी स्मरण नहीं करता है।
- इसका नकारात्मक उपयोग अधिकतर जातियों को “नष्ट कर देने” या पाप के कारण उनका “सर्वनाश” कर देने के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में वर्णन है कि मनुष्य का नाम परमेश्वर की जीवन की पुस्तक में से “मिटाया गया” या “हटा दिया गया”, अर्थात् उस मनुष्य को अनन्त जीवन प्राप्त नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इनका अनुवाद “पीछा छुड़ाना” या “हटाना” या “पूर्णतः नष्ट कर देना” या “पूर्ण रूप से समाप्त कर देना” हो सकता है।
- जीवन की पुस्तक से किसी का नाम मिटा देने के संदर्भ में इसका अनुवाद “हटा देना” या “मिटाना” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 29:20](#)
- [निर्गमन 32:30-32](#)
- [उत्पत्ति 07:23](#)
- भजन 51:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4229, H8045, G1813

मिट्टी देना

परिभाषा:

“मिट्टी देना” का अर्थ है, किसी वस्तु को (प्रायः शव को) कब्र में या अन्य दफ़न के स्थान में रखना और उसको मिट्टी या पत्थरों आदि से भर देना। “दफ़न” अर्थ है, या किसी को गाड़ना या गाड़ने का स्थान का वर्णन करना।

- अक्सर लोग शव को जमीन में एक गहरे गड्ढे में डालकर दफ़नाते हैं और फिर उसे मिट्टी से ढांक देते हैं।
- कभी-कभी शव को एक सन्दूक में रखा जाता है जैसे शव-पेटी, फिर गाड़ा जाता है।
- बाइबल के युग में मृतक प्रायः गुफा या गुफा जैसे स्थान में रखे जाते थे। मृत्यु के बाद यीशु का शव कपड़ों में लपेटकर एक गुफा रूपी कब्र में रखा गया था जिसके मुँह पर बड़ा पत्थर लुढ़का दिया गया था।
- “कब्रिस्तान”, “कब्र” या “दफ़न कक्ष” या “दफ़न की गुफा” आदि सब शब्द शव को दफ़नाने के स्थान के संदर्भ में हैं।
- अन्य वस्तुओं को भी गाड़ा जाता था जैसे अकान ने यरीहो से चुराई हुई चांदी एवं अन्य वस्तुओं का गाड़ा था अर्थात् भूमि में गाड़ा था।
- “मुँह ढांपना” अर्थात् “हाथों से मुँह को छिपाना”
- कभी-कभी “छिपाना” शब्द का अर्थ “गाड़ना” भी होता है जैसे अकान ने यरीहो से चुराई हुई वस्तुओं को भूमि में गाड़ दिया था। अर्थात् उसने उन्हें भूमिगत कर दिया था।

(यह भी देखें: यरीहो, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 9:9-10](#)
- [उत्पत्ति 35:4-5](#)
- [यिर्म्याह 25:33](#)
- [लूका 16:22](#)
- [मत्ती 27:7](#)
- भजन संहिता 79:1-3

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H6900, H6912, H6913, G17790, G17800, G22900, G49160, G50270

मिद्यान**तथ्यः**

मिद्यान अब्राहम और उसकी पत्नी कर्तूरा का पुत्र था। यह कनान देश के दक्षिण में उत्तरी अरब रेगिस्तान में स्थित लोगों के समूह और क्षेत्र का भी नाम है। उस समूह के लोग "मिद्यानी" कहलाते थे।

- जब मूसा पहली बार मिस से निकला, तो वह मिद्यान के इलाके में गया, जहाँ उसने यित्रो की बेटियों से मुलाकात की और उनकी भेड़-बकरियों को पानी पिलाने में मदद की। बाद में मूसा ने यित्रो की एक बेटी से विवाह कर लिया।
- मिद्यानी दास व्यापारियों का एक समूह यूसुफ को मिस ले गया।
- कई वर्षों बाद मिद्यानी लोगों ने कनान देश में इस्साएलियों पर हमला किया और उन पर धावा बोल दिया। उन्हें हराने में गिदोन ने इस्साएलियों का नेतृत्व किया।
- आज की अनेक अरब-जातियां इनकी वंशज हैं।

(देखें अरब, मिस, झुण्ड, गिदोन, यित्रो, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 07:29-30](#)
- [निर्गमन 02:15-17](#)
- [उत्पत्ति 25:1-4](#)
- [उत्पत्ति 36:34-36](#)
- [उत्पत्ति 37:27-28](#)
- [न्यायियों 07:1](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 16:3** परन्तु फिर लोग परमेश्वर के बारे में भूल गए और फिर से मूर्तियों की पूजा करने लगे। इसलिए परमेश्वर ने मिद्यानियों को, जो कि पास के शत्रु लोगों के समूह थे, उन्हें पराजित करने की अनुमति दी।
- 16:4** इसाएली इतने डर गए थे कि वे गुफाओं में छिप गए ताकि **मिद्यानियों** उन्हें न ढूँढ सकें।
- _16:11_** उस व्यक्ति के मित्र ने कहा, "इस स्वप्न का अर्थ है कि गिदोन की सेना **मिद्यानियों** की सेना को हरा देगी!"
- _16:14_** परमेश्वर ने **मिद्यानियों** को भ्रमित कर दिया, जिससे वे एक दूसरे पर आक्रमण करने लगे और एक दूसरे को मारने लगे।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4080, H4084, H4092

मिर्याम**तथ्यः**

मिर्याम हारून और मूसा की बड़ी बहन थी।

- जब वह युवा थी तब उसकी माता ने उसे आज्ञा दी थी कि वह नील नदी के नरकटों के मध्य टोकरी में रखे भाई शिशु मूसा की निगरानी करे। फिरौन की पुत्री ने उस बालक को उठा लिया उसने उसकी देखरेख के लिए किसी दासी की आवश्यकता पड़ी तब मिर्याम ने अपनी माता को प्रस्तुत किया था।
- जब इस्साएली लाल सागर पार कर चुके तब मिसियों से बच जाने के उपलक्ष्य में और परमेश्वर को धन्यवाद देने के लिए मिर्याम ने आनन्द विभोर होकर नृत्य किया था।
- वर्षों बाद जब इस्साएली जंगल में थे तब मिर्याम और हारून ने मूसा की बुराई की क्योंकि उसने एक कूशी स्त्री से विवाह किया था।
- उसके विद्रोह और मूसा की बुराई करने का दण्ड देकर परमेश्वर ने उसे कोढ़ग्रस्त कर दिया था। परन्तु मूसा द्वारा उसके लिए प्रार्थना करने पर परमेश्वर ने उसे रोगमुक्ति प्रदान की।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: हारून, कूश, मध्यस्थता करना, मूसा, नील नदी, फिरौन, विद्रोही)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 06:1-3](#)
- [व्यवस्थाविवरण 24:8-9](#)
- [मीका 06: 3-5](#)
- [गिनती 12:1-3](#)
- [गिनती 20:1](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4813

मिलापवाला तम्बू

तथ्यः

शब्द "मिलाप का तम्बू" एक ऐसे तम्बू को संदर्भित करता है जो एक अस्थायी स्थान था जहाँ परमेश्वर ने निवासस्थान के निर्माण से पहले मूसा से मुलाकात की थी।

- निर्गमन की पुस्तक में लिखा है कि मिलापवाला तम्बू इस्साएलियों की छावनी से बाहर था।
- जब मूसा मिलापवाले तम्बू में परमेश्वर से मुलाकात करने जाता था तब बादल का एक स्तम्भ वहां उपस्थित होकर परमेश्वर की उपस्थिति को दर्शाता था।
- जब इस्साएलियों ने परमेश्वर के निवासस्थान को बनाया, तो अस्थायी तम्बू की जरूरत नहीं थी और निवासस्थान के संदर्भ में "मिलापवाला तम्बू" कभी-कभी इस्तेमाल किया जाता था।

(यह भी देखें: इस्साएल, मूसा, खंभा, मिलापवाला तम्बू, तम्बू)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 02:28-29](#)
- [यहोशू 19:51](#)
- [लैव्यव्यवस्था 01:1-2](#)
- [गिनती 04:31-32](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 13:8** परमेश्वर ने इस्साएलियों को तम्बू बनाने का विस्तृत विवरण दिया। यह **मिलापवाला तम्बू** कहलाता था, और इसमें दो कमरे थे, जिन्हें एक बड़ा परदा पृथक कर रहा था।
- 13:9** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह **मिलापवाले तम्बू** के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।
- 14:8** परमेश्वर बहुत क्रोधित थे, और परमेश्वर का तेज **मिलापवाले तम्बू** में सब इस्साएलियों पर प्रकाशमान हुआ।
- 18:2** अब लोग **मिलापवाले तम्बू** के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H168, H4150

मिस्पा

तथ्यः

मिस्पा पुराने नियम में अनेक नगरों के नाम थे। इसका अर्थ है, “निगरानी का स्थान” या “चौकसी का गुम्मट”।

- जब शाऊल दाऊद की खोज में लगा हुआ था तब दाऊद ने अपने माता-पिता को मोआब के राजा की शरण में मिस्पा में रखा था।
- मिस्पा नामक एक नगर यहूदा और इस्राएल राज्यों की सीमा पर था। वह एक प्रमुख सेना केन्द्र था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: दाऊद, यहूदा, इस्राएल राज्य, मोआब, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 15:20-22](#)
- [1 शमूएल 7:5-6](#)
- [1 शमूएल 7:10-11](#)
- [यिर्म्याह 40:5-6](#)
- [न्यायियों 10:17-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4708, H4709

मिस्र

तथ्यः

मिस्र अफ्रीका के उत्तर पूर्व से कनान के दक्षिण पश्चिम तक एक देश है। मिस्री जन मिस्र देश का निवासी है।

- प्राचीन युग में मिस्र एक शक्तिशाली एवं धनी देश था।
- प्राचीन मिस्र दो भागों में विभाजित था, निचला मिस्र (उत्तरी भाग जहां से नील नदी बहकर समुद्र में गिरती है) ऊपरी मिस्र (दक्षिणी भाग)। पुराने नियम में इन दोनों भागों को “मिस्र” और “पत्रोस” कहा गया है।
- जब कनान में भोजन की कमी होती थी तब इस्राएल के पित्र भोजन खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राएली सैंकड़ों वर्ष मिस्र में दास बन कर रहे थे।
- यूसुफ और मरियम भी बालक यीशु को हेरोदेश महान से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हेरोदेश महान, यूसुफ (नया नियम), नील नदी, पित्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 4:7-9](#)
- [प्रे.का. 7:10](#)
- [निर्गमन 3:7](#)
- [उत्पत्ति 41:29](#)
- [उत्पत्ति 41:57](#)
- [मत्ती 2:15](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 8:4 और व्यापारी यूसुफ को **मिस्र** ले गए। **मिस्र** नील नदी के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
- 8:8 फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे **मिस्र** का दूसरा सबसे शक्तिशाली मनुष्य नियुक्त कर दिया।
- 8:11 याकूब ने अपने बड़े बेटों को अन्न लाने के लिए **मिस्र** भेजा था।
- 8:14 याकूब वृद्ध हो गया था, वह अपने परिवार के साथ **मिस्र** देश गया और वे सब वहाँ रहने लगे।
- 9:1 यूसुफ की मृत्यु के पश्चात्, उसके कुटुम्बियों ने **मिस्र** में ही वास किया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

मीका**तथ्यः**

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

- मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
- मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
- मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिङ्का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
- उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
- न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियाँ बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अश्शूर, दान, एप्रैम, मूरत, यशायाह, यहूदा, न्याय, लेवी, याजक, भविष्यद्वक्ता, सामरिया, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भः

- [यिर्मायाह 26:18-19](#)
- [मीका 01:1](#)
- [मीका 06:1-2](#)

{}{{tag}publish ktlink}

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4316, H4318

मीकाएल**तथ्यः**

परमेश्वर के सब आज्ञाकारी पवित्र स्वर्गदूतों का प्रधान मीकाएल है। वही एकमात्र स्वर्गदूत है जिसे परमेश्वर का प्रधान स्वर्गदूत कहा जाता है।

- “प्रधान स्वर्गदूत” का अर्थ है “स्वर्गदूतों का मुखिया” या “शासन करनेवाला स्वर्गदूत”।
- मीकाएल एक योद्धा है जो परमेश्वर के बैरियों से युद्ध करके उसके लोगों की रक्षा करता है।
- उसने फारस की सेना से युद्ध करने के लिए इस्माएल की अगुआई की थी। अन्त समय में वह दुष्ट की सेना के विरुद्ध इस्माएल की अगुआई करेगा जैसा उसने दानियेल से कहा था।
- बाइबल में मीकाएल नाम के अनेक पुरुष हुए हैं। अनेक पुरुषों की पहचान “मीकाएल का पुत्र” स्वरूप की गई है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दानियेल, दूत, फारस)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 10:12-13](#)
- [दानियेल 10:20-21](#)
- [एज्हा 08:8-11](#)
- [प्रकाशितवाक्य 12:7-9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4317, G3413

मीशाएल

तथ्यः

मीशाएल पुराने नियम में तीन पुरुषों का नाम था।

- एक और पुरुष जिसका नाम मीशाएल था, वह हारून का रिश्ते का भाई था। हारून के दो पुत्रों को परमेश्वर ने इसलिए घात कर दिया था कि उन्होंने परमेश्वर की विधि से भिन्न धूप जलाई थी, उस समय मीशाएल और उसके भाई को उनके शव छावनी से बाहर ले जाने का कार्य सौंपा गया था।
- एक और पुरुष जिसका नाम मीशाएल था एज्हा के साथ खड़ा था जब वह परमेश्वर की व्यवस्था, जो उन्हें मिली थी पढ़कर सबको सुना रहा था।
- जब इस्माएली बाबुल की बन्धुआई में थे तब एक युवक, मीशाएल को भी बन्दी बनाकर वहां से ले जाया गया था। बेबीलोन वासियों ने उसे “मेशक” नाम दिया था। उसने और उसके साथियों, अजर्याह (शद्रक) और हनन्याह (अबेदनगो) ने राजा की मूर्ति को दण्डवत् करने से इन्कार कर दिया था जिसके दण्ड स्वरूप उन्हें आग के भट्टे में डाल दिया गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: हारून, अजर्याह, बाबेल, दानियेल, हनन्याह)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 01:6-7](#)
- [दानियेल 02:17-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4332, H4333

मुकुट

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। “मुकुट पहनाना” का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है “सम्मानित करना।”

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमें बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठड़ा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में “मुकुट पहनाने” का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना “आनन्द और मुकुट” कहता है। इस अभिव्यक्ति में “मुकुट” का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद “पुरस्कार” या “सम्मान” या “प्रतिफल” किया जा सकता है।
- “मुकुट पहनाने” को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद “सम्मान देना” या “विभूषित करना” हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, “उसके सिर पर मुकुट रखा गया”।
- “महिमा और आदर का मुकुट” का अनुवाद “उसे महिमा और सम्मान दिया गया” या “उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया” या “वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था”।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ

- [यूहन्ना 19:3](#)
- [विलापगीत 5:16](#)
- [मत्ती 27:29](#)
- [फिलिप्पियों 4:1](#)
- भजन संहिता 21:3
- [प्रकाशितवाक्य 3:11](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुहर

परिभाषा:

मुहर लगाने का अर्थ है कि मुहरबन्द वस्तु मुहर जोड़े बिना खोली नहीं जा सकती है।

- मुहर में प्राय कोई चिन्ह होता था जिससे प्रकट होता था कि वह किस की है।
- पत्रों तथा अन्य अभिलेखों पर मुहर लगाने के लिए मोम को पिघलाकर काम में लिया जाता था। मोम जब ठंडा होकर कठोर हो जाता था तब मुहर को तोड़े बिना पत्र खोला नहीं जा सकता था।
- यीशु की कब्र के द्वार पर रखे पत्थर पर मुहर लगाई गई थी कि कोई उस पत्थर को हटाए नहीं।
- पौलुस पवित्र आत्मा को प्रतीकात्मक रूप में मुहर कहता है जिससे हमारा उद्धार सुनिश्चित होता है

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 02:3-4](#)
- [यशायाह 29:11-12](#)
- [यूहन्ना 06:26-27](#)
- [मत्ती 27:65-66](#)
- [प्रकाशितवाक्य 05:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2368, H2560, H2856, H2857, H2858, H5640, G2696, G4972, G4973

मूरत/मूरतों**परिभाषा:**

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत तराशी हुई मूर्तियों का लघु शब्द है।

- “तराशी हुई मूर्ति” या “खुदी हुई मूरत” लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिचाया थी।
- “धातु की खुदी हुई मूरत” धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
- ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
- किसी मूर्ति के लिए “मूरत” शब्द का सन्दर्भ या तो लकड़ी की या धातु की मूर्ति से हो सकता है।

अनुवाद के लिए सुझावः

- मूर्ति के संदर्भ में “मूरत” का अनुवाद “प्रतिमा” या “खुदी हुई मूरत” या “खुदी धार्मिक वस्तु” किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे “खुदी हुई मूरत” या “ढली हुई मूर्ति” वहाँ भी जहां मूल पाठ में केवल “मूरत” या “लाठ” शब्द हों।
- सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप के लिए प्रयुक्त शब्द से भिन्न हो।

(यह भी देखें: झूठे देवता, परमेश्वर, मूरत, परमेश्वर का प्रतिरूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 14:9-10](#)
- [प्रे.का. 7:43](#)
- [यशायाह 21:8-9](#)
- [मत्ती 22:21](#)
- [रोमियो 1:23](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G15040, G51790

मूर्ख**परिभाषा:**

“मूढ़” शब्द उस मनुष्य के सन्दर्भ में है जो प्रायः अनुचित चुनाव करता है, विशेष करके आज्ञा न मानने का चुनाव करना। “मूर्ख” शब्द उस मनुष्य का या आचरण का वर्णन करता है जो बुद्धीमानी का नहीं है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विषमता में उस मनुष्य को दर्शाया गया है जो बुद्धीमान है अर्थात्, जो परमेश्वर पर भरोसा रखता है और उसकी आज्ञाओं को मानता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता है। वह परमेश्वर की सृष्टि में, परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, नीतिवचन में भी अनेक वर्णन हैं कि मूर्ख या मूढ़ मनुष्य कैसा होता है।
- “मूर्खता” शब्द उस कार्य के सन्दर्भ में है जो बुद्धीमानी का नहीं है क्योंकि वह परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध है। “मूर्खता” का अर्थ प्रायः ऐसी बात से सम्बंधित होता है जो हास्यजनक या जोखिमभरी होती है।

अनुवाद के सुझावः

- “मूर्खता” का अनुवाद “मूर्ख मनुष्य” या “निर्बुद्धि मनुष्य” या “मन्द बुद्धि मनुष्य” या “अभक्त मनुष्य” किया जा सकता है।
- “मूर्ख” के अनुवाद रूप हैं, “समझ में कम” या “निर्बुद्धि” या “मन्द बुद्धि”।

(यह भी देखें: बुद्धीमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [सभोपदेशक 1:17](#)
- [इफिसियों 5:15](#)
- [गलातियों 3:3](#)
- [उत्पत्ति 31:28](#)
- [मत्ती. 7:26](#)
- [मत्ती. 25:8](#)
- [नीतिवचन 13:16](#)
- भजन-संहिता 49:13

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0191, H0196, H0200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G04530, G04540, G07810, G08010, G08770, G08780, G27570, G31500, G31540, G34710, G34720, G34730, G34740, G39120

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों के मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिरयम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इसाएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इसाएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिरयम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाएं)

मूसा

तथ्यः

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इसाएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी। मिस्र से निर्गमन के समय वह उनका अगुआ था, जैसा निर्गमन की पुस्तक में वर्णन किया गया है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:21](#)
- [प्रे.का. 7:30](#)
- [निर्गमन 2:10](#)
- [निर्गमन 9:1](#)
- [मत्ती 17:4](#)
- [रोमियो 05:14](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **9:12** एक दिन, **मूसा** जब अपनी भेड़ों की देख रेख कर रहा था, तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है।
- **12:5 मूसा** ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा।”
- **12:7** परमेश्वर ने **मूसा** से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा।
- **12:12** जब इसाएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए हैं, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि **मूसा** परमेश्वर का एक नबी है।
- **_13:7_** परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ **मूसा** को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दीं।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मेमना**परिभाषा:**

“मेमना” इस शब्द का सन्दर्भ भेड़ के बच्चे से है। भेड़ चौपाया पशु होता है जिसके घने ऊन जैसे बाल होते हैं, परमेश्वर के लिए उसकी बलि चढ़ाई जाती थी। यीशु को “परमेश्वर का मेमना” कहा गया है क्योंकि मनुष्यों के पापों का मोल चुकाने के लिए उसकी दी गई थी।

- इन पशुओं का कोई भी आसानी से भटका सकता था इस कारण उनको सुरक्षा की आवश्यकता होती थी। परमेश्वर मनुष्यों की तुलना भेड़ों से करता है।
- परमेश्वर के निर्देशानुसार उसे भेट चढ़ाने के लिए भेड़ या मेमने को शारीरिक रूप से निष्कलंक होना था।
- यीशु को परमेश्वर का मेम्मा कहा गया है, क्योंकि वह मनुष्यों के पापों के लिए बलि चढ़ाया गया था। वह एक सिद्ध निष्कलंक बलिदान था क्योंकि वह पाप से मुक्त था।

अनुवाद के सुझावः

- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द है तो उसके बच्चे का नाम के स्थान में अनुवाद किया जाए जैसे “मेम्मा” या “परमेश्वर का मेम्मा”।
- “परमेश्वर का मेमना” का अनुवाद “परमेश्वर का (बलि)मेम्ना” या “मेम्मा, परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाया गया” या “परमेश्वर की ओर से (बलिदान का)मेम्मा” के रूप में किया जा सकता है।
- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द नहीं है तो इस शब्द का अनुवाद “एक भेड़ का बच्चा” किया जा सकता है और पाद टिप्पणी में वर्णन किया जाए कि भेड़ क्या होती है। टिप्पणी में भेड़ और भेड़ के बच्चों की तुलना उस क्षेत्र के किसी पशु से की जा सकती है जो झुंड में रहता है, जो भीरू और अरक्षित होता है, और वह प्रायः भटक जाता है।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद निकटवर्ती स्थानीय भाषा में या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: भेड़, चरवाहा)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 शमूएल 12:3](#)
- [एज्रा 8:35-36](#)
- [यशायाह 66:3](#)
- [यिर्मायाह 11:19](#)
- [यूहन्ना 01:29-31](#)
- [यूहन्ना 1:36](#)
- [लैव्यव्यवस्था 14:21-23](#)
- [लैव्यव्यवस्था 17:1-4](#)
- [लूका 10:3](#)
- [प्रकाशितवाक्य 15:3-4](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **_5:7_** जब अब्राहम और इसहाक बलिदान की जगह की ओर जा रहे थे, इसहाक ने पूछा, " हे मेरे पिता, देख, आग और लकड़ी तो हैं; पर होमबलि के लिए **मेमना** कहाँ है?"
- **11:2** परमेश्वर ने उस में विश्वास करने वाले मनुष्य के पहिलौठे पुत्र को बचाने का मार्ग उपलब्ध करा दिया है। हर परिवार को एक सिद्ध **मेमना** या बकरे का चयन करके उसका वद्ध करना होगा।
- **24:6** अगले दिन, यीशु यूहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया। जब यूहन्ना ने उसे देखा, तो कहा, "देखो ! **परमेश्वर का मेमना** जो संसार के पापों को उठा ले जाता है।"
- **45:8** उसने पढ़ा, "वे उसको वध किए जाने वाले **मेम्मे** के समान ले गए और जैसे **मेमना** मूक बना रहता है, उसने एक भी शब्द नहीं कहा।
- **48:8** जब परमेश्वर ने अब्राहम से उसके पुत्र इसहाक की बलि माँगी थी तब परमेश्वर ने उसके पुत्र के स्थान में बलि चढ़ाने के लिए एक **मेमने** का प्रबंध कर दिया था। हम सब मनुष्य अपने पापों के कारण मृत्युदंड के योग्य हैं! परन्तु परमेश्वर ने यीशु को जो परमेश्वर का **मेमना**, दे दिया कि वह हमारे स्थान में बलि होकर मर जाए।

- 48:9 जब परमेश्वर ने मिस्र पर अंतिम विपत्ति भेजी थी, उसने हर एक इस्माएली परिवार से कहा था कि वह एक सिद्ध मेमने का वध करे और उसके लहू को अपने द्वार की चौखटों पर लगाए।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H7716, G07210, G23160

मेल करना

परिभाषा:

"मेल करना" और "मेल मिलाप" का संदर्भ "शान्ति बनाना" से है, उनके मध्य जो पहले एक दूसरे के शान्ति थे। "मिलाप" शांति बनाने का कार्य है।

- बाइबल में यह शब्द प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में है कि वह मनुष्यों के साथ मेल करता है जो मसीह यीशु उसके पुत्र के बलिदान के द्वारा है।
- पाप के कारण सब मनुष्य परमेश्वर के बैरी हैं। परन्तु उसकी करूणा प्रेम के कारण, परमेश्वर ने यीशु के द्वारा उसके साथ मेल करने का मार्ग बनाया है।
- पापों का मूल्य चुकाने के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास करके मनुष्य क्षमा किए जाते हैं और परमेश्वर के साथ उनका मेल होता है।

अनुवाद के लिए सुझावः

- शब्द "मेल करना" का अनुवाद "शांति बनाने" या "अच्छे संबंधों को पुनर्स्थापित" या "मित्र बनने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- "मेल-मिलाप" का अनुवाद "अच्छे संबंधों को रचना" या "शान्ति बनाना" या "शान्तिदायक संबन्ध उत्पन्न करना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शान्ति, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 कुरिचियों 05:18-19](#)
- [कुलुसियों 01:18-20](#)
- [मत्ती 05:23-24](#)
- [नीतिवचन 13:17-18](#)
- [रोमियो 05:10-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2398, H3722, G604, G1259, G2433, G2643, G2644

मेलबलि

तथ्यः

पुराने नियम में "मेलबलि" एक ऐसा बलिदान था जो अनेक कारणों से चढ़ाया जाता था जैसे परमेश्वर को धन्यवाद देने के लिए या मन्त्रत पूरी करने के लिए।

- इस बलि में पशुबलि किया जाता था, नर पशु या मादा पशु। यह बलि होमबलि से भिन्न था जिसमें नर पशु की बलि दी जाती थी।
- बलि का एक भाग परमेश्वर को चढ़ाने के बाद, बलि चढ़ाने वाला शेष मास पुरोहितों तथा अन्य इस्माएलियों के साथ बाँटता था।
- इस बलि से जुड़ा भोजन होता था जिसमें अखमीरी रोटी खाई जाती थी।
- इसे कभी-कभी "मेलबलि" भी कहा जाता है।

(यह भी देखें: होमबलि, पूर्ति, अन्नबलि, दोषबलि, मेलबलि, याजक, बलिदान, अखमीरी रोटी, शपथ)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 21:25-27](#)
- [2 इतिहास 29:35-36](#)
- [निर्गमन 24:5-6](#)
- [लैव्यव्यवस्था 11:9-10](#)
- [गिनती 06:13-15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8002

मेलबलि**तथ्यः**

“मेलबलि” परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार इसाएल में जो बलियां चढ़ती थीं उनमें से एक यह भी थी। * इसे कभी-कभी “धन्यवाद की बलि” या “सहभागिता की बलि” भी कहा गया है।

- इनमें एक निर्दोष पशु को बलि किया जाता था और उस पशु का लहू वेदी पर छिड़का जाता था, उसकी चर्बी तथा पशु को अलग जलाया जाता था।
- इस बलि के साथ अखमीरी रोटी तथा खमीरी रोटी दोनों की भेट चढ़ाई जाती थी जिन्हें होमबलि के ऊपर जलाया जाता था।
- याजक और उपासक दोनों को यह मांस खाने की अनुमति थी।
- इस बलि में परमेश्वर की अपने लोगों के साथ सहभागिता प्रकट होती थी।

(यह भी देखें: होमबलि, सहभागिता, मेलबलि, अन्नबलि, याजक, बलिदान, अखमीरी रोटी)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 13:8-10](#)
- [यहेजकेल 45:16-17](#)
- [यहोशू 08:30-32](#)
- [लैव्यव्यवस्था 09:3-5](#)
- [नीतिवचन 07:13-15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8002

मेलिकिसिदक**तथ्यः**

अब्राहम के युग में मेलिकिसिदक सालेम का राजा था। (उत्तरकालीन, यरूशलेम का)

- मेलिकिसिदक के नाम का अर्थ है, “धार्मिकता का राजा” और “शलेम का राजा” पद्धी का अर्थ है, “शान्ति का राजा”।
- उसे “सर्वोच्च परमेश्वर का याजक” भी कहा गया है।
- मलिकिसिदक का नाम बाइबल में सर्वप्रथम तब आया था जब उसने अब्राम को रोटी और दाखरस दिया था, उसके भतीजे लूत को उन सामर्थी राजाओं से छुड़ाकर लाने के बाद। अब्राम ने मेलिकिसिदक को अपनी लूट के माल का दसवां भाग दिया था।
- नये नियम में मेलिकिसिदक को ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया है जिसका कोई माता पिता नहीं। उसे सदाकालीन राज करनेवाला याजक एवं राजा कहा गया है।
- नये नियम में यीशु को “मलिकिसिदक की रीति पर” याजक कहा गया है। यीशु इसाएल के याजकों के तुल्य लेवियों के वंश से नहीं था। उसका याजक होना परमेश्वर से था जैसा मलिकिसिदक का था।
- बाइबल में उसके इस वर्णन के आधार पर मलिकिसिदक एक मानवीय याजक था जो परमेश्वर द्वारा चुना गया था कि यीशु का प्रतिनिधित्व करें या उसकी ओर संकेत करें, यीशु शान्ति और धार्मिकता का सदाकालीन राजा और हमारा महान महायाजक।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: अब्राहम, अनन्त, महा-याजक, यरूशलेम, लेवी, याजक, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 14:17-18](#)
- [इब्रानियों 06:19-20](#)
- [इब्रानियों 07:15-17](#)
- भजन संहिता 110:4

मेशेक

तथ्य:

मेशेक पुराने नियम में दो पुरुषों के नाम थे।

- एक मेशेक तो येपेत का पुत्र था।
- दूसरा मेशेक शेम का पोता था।
- मेशेक एक स्थान का नाम भी था जो संभवतः इन दो में से एक के नाम से पड़ा था।
- संभवतः यह क्षेत्र एक भाग में आज के तुर्किस्तान में था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: येपेत, नूह, शेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 01:5-7](#)
- [यहेजकेल 27:12-13](#)
- [उत्पत्ति 10:2-5](#)
- भजन संहिता 120:5-7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4851, H4902

मेसोपोटामिया

तथ्य:

मेसोपोटामिया वह क्षेत्र है जो हिदेकेल और फरात नदियों के मध्य का भूभाग है। यह स्थान आज के ईराक में है।

- पुराने नियम में इस क्षेत्र को अरम्भहैरैम कहते थे।
- "मेसोपोटामिया" का अर्थ है "नदियों के मध्य"। * "अरम्भहैरैम" का अर्थ है, "दो नदियों का अराम"
- अब्राहम मेसोपोटामिया क्षेत्र ऊर और हारान में रहता था, इससे पूर्व कि वह कनान के लिए प्रस्थान करता।
- मेसोपोटामिया का एक और महत्वपूर्ण नगर बेबीलोन था।
- "कसादियों" का देश भी मेसोपोटामिया में था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, बाबेल, कसदी, फरात नदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 02:8-11](#)
- [प्रे.का. 07:1-3](#)
- [उत्पत्ति 24:10-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H763, G3318

मैदान

परिभाषा:

"प्रांगण" और "आंगन" शब्द एक बंद क्षेत्र को संदर्भित करते हैं जो आकाश की ओर खुला होता है और दीवारों से घिरा होता है।

- वाचा का तम्बू एक आंगन से घिरा हुआ था जो मोटे, कपड़े के पर्दों से बनी दीवारों से घिरा हुआ था।
- मंदिर परिसर में तीन आंतरिक आंगन थे: एक याजकों के लिए, एक यहूदी पुरुषों के लिए, और एक यहूदी महिलाओं के लिए।
- ये आंतरिक आंगन एक छोटी पत्थर की दीवार से घिरे थे जो उन्हें बाहरी आंगन से अलग करती थी जहाँ अन्यजातियों को आराधना करने की अनुमति थी।
- किसी घर का आँगन घर के बीच में एक खुला क्षेत्र होता था।

अनुवाद सुझावः

- "प्रांगण" और "आंगन" शब्दों का अनुवाद संदर्भ के अनुसार "बंद स्थान" या "दीवारों से घिरी भूमि" या "दीवारों से घिरा स्थान" या "तंबू के मैदान" या "मंदिर के मैदान" या "मंदिर का घेरा" के रूप में किया जा सकता है।
- यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक होगा तो राजा के दरबार के लिए प्रयुक्त शब्द का उपयोग यहोवा के दरबार के लिए भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गैर-यहूदी, तंबू, मंदिर)

बाइबिल सन्दर्भः

- [2 राजा 20:4-5](#)
- [निर्गमन 27:9](#)
- [यिर्मायाह 19:14-15](#)
- [लूका 22:55](#)
- [मत्ती 26:69-70](#)
- [गिनती 3:26](#)
- [भजन संहिता 65:4](#)

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्ग्स: H1004, H1508, H2691, H5835, H7339, H8651, G08330, G42590

मोआब

तथ्यः

"मोआब" शब्द एक ऐसे समूह को संदर्भित करता है जो खारे सागर के पूर्व में रहता था। उत्पत्ति की पुस्तक इस व्यक्ति समूह को "मोआब" नामक एक व्यक्ति के वंशज के रूप में वर्णित करती है, जो लूट की बड़ी पुत्री का पुत्र था।

- रूथ की पुस्तक में, एलीमेलेक और उसका परिवार बेतलेहेम के आसपास के अकाल के कारण मोआब में रहने के लिए गया।
- बैतलहमवासी रूत को मोआबिन कहते थे क्योंकि वह मोआब देश की थी। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "मोआबी स्त्री" या "मोआब देश की स्त्री"

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, यहूदिया, लूत, रूत, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 19:36-38](#)
- [उत्पत्ति 36:34-36](#)
- [रूत 01:1-2](#)
- [रूत 01:22](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4124, H4125

मोर्दके

तथ्यः

मोर्दके फारस में निवास कर रहा एक यहूदी पुरुष था। वह अपनी चचेरी बहन एस्तेर का संरक्षक था, एस्तेर बाद में फारसी राजा क्ष्यर्ष की पत्नी हुई थी।

- राजा के महल में सेवा करते समय मोर्दके ने प्रजा के कुछ लोगों को राजा की हत्या का षड्यंत्र रचते सुना। उसने इसकी सूचना दी और राजा की जान बच गई।
- कुछ समय पश्चात मोर्दके ने फारस में यहूदियों के सर्वनाश के षड्यंत्र को भी सुना। उसने एस्तेर से कहा कि वह अपने लोगों को बचाने के लिए राजा से याचना करे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: क्ष्यर्ष, बाबेल, एस्तेर, फारस)

बाइबल सन्दर्भः

- [एस्तेर 02:06](#)
- [एस्तेर 03:06](#)
- [एस्तेर 08:02](#)
- [एस्तेर 10:02](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4782

मोलेक

तथ्यः

मोलेक कनानियों का झूठे देवता था जिसकी वे उपासना करते थे। उसे मोलेक भी लिखा गया है।

- मोलेक के उपासक अपने बच्चों को उसकी मूर्ति के समक्ष होम करते थे।
- कुछ इस्माएली भी सच्चे परमेश्वर यहोवा को त्याग कर मोलेक की पूजा करने लगे थे। उन्होंने मोलेक उपासकों की बुरी आदतों का पालन किया, जिसमें उनके बच्चों का त्याग भी शामिल था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, बुराई, झूठे देवता, परमेश्वर, मूरत, बलि, सत्य, आराधना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 11:7-8](#)
- [2 राजा 23:10-11](#)
- [प्रे.का. 07:43](#)
- [यिर्म्याह 32:33-35](#)
- [लैव्यव्यवस्था 18:21](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4428, H4432, G3434

यबूस**तथ्यः**

यबूसी कनान देश में रहनेवाली एक जाति थी। वे हाम के पुत्र कनान के वंशज थे।

- यबूसी यबूस नगर के रहनेवाले थे। इस नगर का नाम बदलकर यरूशलेम रखा गया था जब राजा दाऊद ने इसे जीत लिया था।
- मलिकिसिदक, शालेम का राजा, संभवतः यबूसी मूल का था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, हाम, यरूशलेम, मलिकिसिदक)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 1:14](#)
- [1 राजा 9:20-21](#)
- [निर्गमन 3:7-8](#)
- [उत्पत्ति 10:16](#)
- [यहोशू 3:9-11](#)
- [न्यायियों 1:20-21](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2982, H2983

यरदन नदी**तथ्यः**

यरदन नदी उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है और कनान देश की पूर्वी सीमा बनाती है।

- आज यरदन नदी पश्चिम में इस्माइल और पूर्व में जॉर्डन को विभाजित करती है।
- यरदन नदी गलील सागर से बहती हुई मृत सागर में गिरती है।
- यहोशू जब इस्माइलियों को लेकर कनान आ रहा था तब उन्हें यरदन नदी पार करनी पड़ी थी। क्योंकि पानी बहुत गहरा था परमेश्वर ने यरदन नदी का प्रवाह रोक दिया और इस्माइलियों ने उसके तल पर चलकर उसको पार किया।
- बाइबल में यरदन नदी का संदर्भ “यरदन” से है।

(यह भी देखें: कनान, खारे ताल, गलील सागर)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 32:9-10](#)
- [यूहन्ना 1:26-28](#)
- [यूहन्ना 3:25-26](#)
- [लूका 3:3](#)
- [मत्ती 3:6](#)
- [मत्ती 3:13-15](#)
- [मत्ती 4:14-16](#)
- [मत्ती 19:1-2](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **15:2** इस्साएलियों को प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करने से पहले यरदन नदी को पार करना था।
- **_15:3_** जब सब इस्साएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **19:14** एलीशा ने उसे कहा, “तू जाकर यरदन नदी में सात बार छुबकी मार।”

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3383, G24460

यरीहो**तथ्यः**

यरीहो कनान देश में एक शक्तिशाली शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मृत सागर के उत्तर में था।

- अन्य सब कनानियों के सदृश्य यरीहोवासी भी मूर्तिपूजक थे।
- यरीहो कनान देश में पहला नगर था, जिसे जितने के लिए परमेश्वर ने इस्साएलियों को आज्ञा दी थी।
- जब यहोशू ने यरीहो के विरुद्ध इस्साएलियों की अगुआई की तब यरीहो को पराजित करने में परमेश्वर ने एक महान चमत्कार किया था।

(यह भी देखें: कनान, यरदन नदी, यहोशू, आश्वर्यकर्म, खारेताल)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 6:7-8](#)
- [यहोशू 2:1-3](#)
- [यहोशू 7:2-3](#)
- [लूका 18:35](#)
- [मरकुस 10:46-48](#)
- [मत्ती 20:29-31](#)
- [गिनती 22:1](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **15:1** यहोशू ने दो भेदियों को कनानियों के शहर यरीहो में भेजा।
- **15:3** जब सब इस्साएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
- **15:5** यरीहो की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्साएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3405, G2410

यरूशलेम

तथ्यः

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

- “यरूशलेम” नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, “शालेम”, “यबूसियों का नगर” और “सिय्योन” यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, “शान्ति”।
- यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम “सिय्योन” था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
- राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहाँ अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
- मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
- लोग कहते थे कि वे “ऊपर” यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: बाबेल, मसीह, दाऊद, यबूसी, यीशु, सुलैमान, मन्दिर, सिय्योन)

बाइबल सन्दर्भः

- [गलातियों 04:26-27](#)
- [यूहन्ना 02:13](#)
- [लूका 04:9-11](#)
- [लूका 13:05](#)
- [मरकुस 03:7-8](#)
- [मरकुस 03:20-22](#)
- [मत्ती 03:06](#)
- [मत्ती. 04:23-25](#)
- [मत्ती 20:17](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **17:05** दाऊद ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **18:02** यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
- **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) यरूशलेम को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
- **20:12** अतः सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में यरूशलेम वापस लौट आया।
- **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
- **38:02** यीशु और चेलों के _ यरूशलेम_ में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओं के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
- **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।”

- 42:11 यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हें न दे।"

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

यशायाह

तथ्यः

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्जकियाह

- जब अश्शूर हिजकियाह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
- पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी पुस्तक में से एक है।
- यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की हैं जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
- यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
- यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियां द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आहाज, अश्शूर, मसीह, हिजकियाह, योताम, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 20:1-3](#)
- [प्रे.का. 28:26](#)
- [यशायाह 1:1](#)
- [लूका 3:4](#)
- [मरकुस 1:1](#)
- [मरकुस 7:6](#)
- [मत्ती 3:3](#)
- [मत्ती 4:14](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **21:9 यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी, कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
- **21:10 यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11 यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
- **21:12 यशायाह** ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:2 उसे(यीशु)यशायाह** नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:8 जब फिलिप्पस रथ** के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को **यशायाह** भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फिलिप्पस ने उसे समझाया कि **यशायाह** यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3470, G22680

यहूदा

तथ्यः

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी माँ लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यस्तलेम के दक्षिण में स्थित है।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
- राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
- सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
- नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को "यहूदा का सिंह" कहा गया है।
- "यहूदी" और "यहूदिया" शब्द "यहूदा" से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 02:1-2](#)
- [1 राजा 01:9-10](#)
- [उत्पत्ति 29:35](#)
- [उत्पत्ति 38:1-2](#)
- [लूका 03:33-35](#)
- [रूत 01:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3063

यहूदा

तथ्यः

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा का राज्य यहूदा और बिन्यामीन के गोत्रों से मिलकर बना था।

- राजा सुलैमान की मृत्यु के बाद, इस्राएल देश दो राज्यों में विभाजित हो गया: इस्राएल और यहूदा। यहूदा का राज्य दक्षिणी राज्य था, जो नमक सागर के पश्चिम में स्थित था।
- यहूदा राज्य की राजधानी यस्तलेम थी।
- यहूदा के आठ राजा और लोगों को उसकी उपासना करने के लिए प्रेरित किया। यहूदा के अन्य राजा बुरे थे और लोगों को मूर्तियों की पूजा करने के लिए प्रेरित करते थे।
- अश्शूर द्वारा इस्राएल (उत्तरी राज्य) को पराजित करने के 120 से अधिक वर्षों के बाद, यहूदा को बेबीलोन के राष्ट्र द्वारा जीत लिया गया था। बाबुलियों ने नगर और मन्दिर को नष्ट कर दिया, और यहूदा के अधिकांश लोगों को बन्दी बनाकर बाबेल ले गए।

(यह भी देखें: यहूदा, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 30:26-28](#)
- [2 शमूएल 12:8](#)
- [होशे 5:14](#)
- [यिर्म्याह 7:33](#)
- [न्यायियों 1:16-17](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **18:07** केवल दो गोत्र उसके (रहूबियाम) के प्रति विश्वासयोग्य बने रहे। ये दो गोत्र यहूदा का राज्य बने।
- **18:10 यहूदा** और इस्माएली राज्य शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
- **18:13 यहूदा के राजा** दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
- **20:01 इस्माएल के राज्य और यहूदा के राज्य** दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
- **20:05 यहूदा के राज्य** के लोगों ने देखा कि किस प्रकार परमेश्वर ने इस्माएल के राज्य के लोगों को उस पर विश्वास न करने और उसकी आज्ञा न मानने के लिए दण्ड दिया था। लेकिन वे फिर भी मूर्तियों की पूजा करते थे, जिनमें कनानियों के देवता भी शामिल थे।
- **20:06 अश्शूरियों** द्वारा इस्माएल के राज्य को नष्ट करने के लगभग 100 वर्षों के बाद, परमेश्वर ने यहूदा के राज्य पर आक्रमण करने के लिए बेबीलोनियों के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा।
- **20:09 नबूकदनेस्सर** और उसकी सेना यहूदा के राज्य के लगभग सभी लोगों को बेबीलोन ले गई, केवल सबसे गरीब लोगों को ही खेतों में रोपने के लिए छोड़ दिया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4438, H3063

यहूदा इस्करियोती**तथ्यः**

यहूदा इस्करियोती यीशु के शिष्यों में से एक था। उसने यीशु के साथ छल करके उसको यहूदी अगुओं के हाथों पकड़वा दिया था।

- इस्करियोती का अर्थ हो सकता है, “कारियोथवासी” संभवतः यहूदा उस नगर में पाला- पोसा गया था।
- यहूदा इस्करियोती शिष्यों का पैसा संभालता था और संभवतः उसमें से चोरी भी करता था।
- यहूदा ने यीशु को पकड़वाने के लिए धर्म के अगुओं को उसका पता बताकर उससे विश्वासघात किया।
- जब धर्म के अगुओं ने यीशु को मृत्युदण्ड के योग्य ठहरा दिया तब यीशु के साथ विश्वासघात करने के लिए यहूदा पछताया और यहूदी अगुओं का पैसा लौटाकर आत्म-हत्या कर ली।
- एक और शिष्य का नाम यहूदा था। वह याकूब का पुत्र था, यहूदा इस्करियोती नहीं था।
- यीशु के भाइयों में से एक का नाम यहूदा था जो यहूदा इस्करियोती से भिन्न था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: प्रेरित, पकड़वाना, यहूदी अगुवे, याकूब का पुत्र यहूदा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 6:14-16](#)
- [लूका 22:47-48](#)
- [मरकुस 03:19](#)
- [मरकुस 14:10-11](#)
- [मत्ती 26:23-25](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 38:2 'यीशु के शिष्यों में से एक यहूदा नाम का एक पुरुष था। ...यीशु और चेलों के यस्तशलेम में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओं के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वास घात करने का प्रस्ताव रखा।
- 38:3 यहूदी गुरुओं ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये तीस चाँदी के सिक्के तोलकर यहूदा को दे दिए।
- 38:14 यहूदा प्रधान याजकों, सैनिकों और एक बड़ी भीड़ को तलवार और लाठियों के साथ लाया। यहूदा यीशु के पास आया और कहा, "नमस्कार, गुरु," और उसे चूमा।
- 39:8 इसी दौरान जब यहूदा, विश्वासघाती ने देखा कि यहूदी याजक यीशु को अपराधी घोषित कर उसे मारना चाहते हैं। यह देख यहूदा शोक से भर गया और खुद को मार डाला।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G24550, G24690

यहूदिया**तथ्य:**

"यहूदिया" प्राचीन इस्राएल के एक भू-भाग को कहा जाता था। इस शब्द का उपयोग कभी संकीर्ण अर्थ में तो कभी वृहत् अर्थ में किया गया है

- संकीर्ण अर्थ में यहूदिया शब्द का संदर्भ प्राचीन इस्राएल, दक्षिणी भाग, मृत-सागर के पश्चिमी क्षेत्र से था। कुछ अनुवादों में इस क्षेत्र को "यहूदा" कहा गया है।
- व्यापक अर्थ में यहूदिया शब्द प्राचीन इस्राएल के सब प्रान्तों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) आदि सर्वसमाहित क्षेत्रों के संदर्भ में था।
- यदि अनुवादक इस अंतर को स्पष्ट करना चाहते हैं, तो यहूदिया का व्यापक अर्थ "यहूदी देश" और संकीर्ण अर्थ में "यहूदिया प्रदेश" या "यहूदा देश" प्रकट किया जा सकता है क्योंकि यह प्राचीन इस्राएल का वह भूभाग था जहां आरम्भ में यहूदा का गोत्र वास करता था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गलील, एदोम, यहूदा राज्य, यहूदा राज्य, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 थिसलुनीकियों 2:14](#)
- [प्रे.का. 2:9](#)
- [प्रे.का. 9:32](#)
- [प्रे.का. 12:19](#)
- [यूहन्ना 3:22-24](#)
- [लूका 1:5](#)
- [लूका 4:44](#)
- [लूका 5:17](#)
- [मरकुस 10:1-4](#)
- [मत्ती 2:1](#)
- [मत्ती 2:5](#)
- [मत्ती 2:22-23](#)
- [मत्ती 3:1-3](#)
- [मत्ती 19:1](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2453

यहूदियों का राजा

परिभाषा:

- “यहूदियों का राजा” यीशु मसीह का पदनाम है।
- पहली बार बाइबल में यह पदनाम उस समय आया है जब बैतलहम आनेवाले ज्योतिषी “यहूदियों का राजा” होने वाले शिशु को खोज रहे थे।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उसका पुत्र, राजा दाऊद का वंशज एक राजा होगा जिसका राज्य सदाकालीन होगा।
- यीशु के कूसीकरण से पूर्व रोमी सैनिकों ने ठट्ठा करके यीशु को “यहूदियों का राजा” कहा था। यह पदनाम एक तख्ती पर लिखकर यीशु के कूस पर भी लगाया गया था।
- यीशु वास्तव में यहूदियों का राजा और संपूर्ण सृष्टि का राजा है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “यहूदियों का राजा” का अनुवाद हो सकता है, “यहूदियों पर राजा” या “यहूदियों पर राज करने वाला राजा” या “यहूदियों का परम प्रधान शासक”
- देखें कि “का राजा” अन्य स्थानों में किस प्रकार अनुवाद किया गया है।

(यह भी देखें: वंशज, यहूदी, यीशु, राजा, राज्य, परमेश्वर का राज्य, ज्योतिषी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 23:3](#)
- [लूका 23:38](#)
- [मत्ती 2:2](#)
- [मत्ती 27:11](#)
- [मत्ती 27:35-37](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 23:9 कुछ समय बाद ज्योतिषियों ने पूर्व में एक तारा देखा। इससे उन्होंने जाना कि, __ यहूदियों के राजा __ का जन हुआ है।
- 39:9 पिलातुस ने यीशु से पूछा, “क्या तू यहूदियों का राजा है?”
- 39:12 रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा। तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का राजा देखो”।
- 40:2 पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर कूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह यहूदियों का राजा है।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G09350, G24530

यहूदी

तथ्य:

यहूदी वे लोग हैं जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इसाएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

- मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: अब्राहम, याकूब, इस्राएल, बाबेल, यहूदी अगुवे)

बाइबल संदर्भ:

- [प्रे.का. 02:5-7](#)
- [प्रे.का. 10:27-29](#)
- [प्रे.का. 14:5-7](#)
- [कुलुस्सियों 03:9-11](#)
- [यूहन्ना 02:13-14](#)
- [मत्ती 28:14-15](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 20:11** इस्राएलियों को अब **यहूदी** कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
- 20:12** अतः सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, **यहूदियों** का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
- 37:10** अनेक **यहूदी** उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
- 37:11** परन्तु **यहूदियों** के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
- 40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर कूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह **यहूदियों** का राजा है।”
- _46:06_** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के **यहूदियों** से प्रचार करने लगा कि, “यीशु परमेश्वर का पुत्र है!”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

यहूदी अधिकारी

तथ्य:

शब्द “यहूदी अगुवे” या “यहूदी अधिकारी” धार्मिक अगुवों जैसे कि याजक और परमेश्वकेर की व्यवस्था के शिक्षकों को

संदर्भित करता है। उन्हें गैर-धार्मिक मामलों के बारे में भी निर्णय लेने का अधिकार था।

- यहूदी अगुवे महायाजक, मुख्य याजक और शास्त्री (परमेश्वर के नियमों के शिक्षक) थे।
- यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में फरीसी और सदूकी थे।
- व्यवस्था के मामलों के विषय में निर्णय लेने के लिए यरूशलेम में यहूदी परिषद् में सत्तर यहूदी अगुवों ने एक साथ मुलाकात करते थे।
- कई यहूदी अगुवे घमण्डी थे और सोचते थे कि वे धर्मी हैं। वे यीशु से जलते थे और उसे हानि पहुँचाना चाहते थे। उन्होंने परमेश्वर को जानने का दावा तो किया परन्तु उसकी आज्ञा नहीं मानी।
- अक्सर वाक्यांश "यहूदी" यहूदी अगुवों को संदर्भित करता है, खासकर उन संदर्भों में जहां वे यीशु पर क्रोधित थे और उसे धोखा देने या नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।
- इन शब्दों का अनुवाद "यहूदी शासकों" या "वे लोग जो यहूदी लोगों पर शासन करते थे" या "यहूदी धार्मिक अगुवों" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: यहूदी, प्रधान-याजकों, महासभा, महायाजक, फरीसी, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भः

- [निर्गमन 16:22-23](#)
- [यूहन्ना 2:19](#)
- [यूहन्ना 5:10-11](#)
- [यूहन्ना 5:16](#)
- [लूका 19:47-48](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **_24:03_ कई धार्मिक अगुवे** भी यूहन्ना से बपतिस्मा लेने आए, लेकिन उन्होंने पश्चाताप नहीं किया या अपने पापों को स्वीकार नहीं किया।
- **37:11** परन्तु यहूदियों के धार्मिक अगुवे यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सकें।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि _ यहूदी अगुवों_ ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **38:03** महायाजक के नेतृत्व में **यहूदी अगुवों** ने यीशु को पकड़वाने के लिए यहूदा को तौस चाँदी के सिक्के दिए।
- **39:05** **यहूदी अगुवों** ने महायाजक को उत्तर दिया, “वह (यीशु) मरने के योग्य है!”
- **39:09** अगली सुबह **यहूदी अगुवों** ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमी राज्यपाल था।
- **39:11** परन्तु **यहूदी अगुवों** ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ और निकुदेमुस, दो **यहूदी अगुवों** जो यीशु को मसीहा मानते थे, ने पीलातुस से यीशु की लाश माँगी।
- **44:07** अगले दिन, **यहूदी अगुवे** पतरस और यूहन्ना को महायाजक और अन्य **धार्मिक अगुवों** के पास लाए।

शब्द तथ्यः

- Strong's: G24530

यहूदी धर्म

परिभाषा:

“यहूदी धर्म” का अंश है यहूदियों का अभ्यासमत धर्म इसे “यहूदी धर्म” भी कहा गया है।

- पुराने नियम में “यहूदी धर्म” की चर्चा है जबकि नये नियम में “यहूदी धर्म” को काम में लिया गया है।
- यहूदी धर्म में पुराना नियम की व्यवस्था तथा इसाएलियों के पालन हेतु परमेश्वर के आदेश थे। उसमें समय के साथ कार्य में जुड़ने वाली प्रथाएं एवं परम्पराएं भी थी।
- यहूदी धर्म के अनुवाद में दोनों पुराने और नये नियमों में भी “यहूदी धर्म” काम में लिया जा सकता है।
- “यहूदी धर्म” का उपयोग केवल नये नियम में किया जाए क्योंकि यह शब्द इससे पहले नहीं था।

(यह भी देखें: यहूदी, व्यवस्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 01:13-14](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2454

यहेजकेल

तथ्य:

यहेजकेल परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसे बन्दी बनाकर बेबीलोन ले जाया गया था।

- यहेजकेल यहूदा में एक याजक था जिसे अन्य यहूदियों के साथ बेबीलोन की सेना ने बन्दी बनाया था।
- 20 वर्ष से अधिक वह अपनी पत्नी के साथ बाबेल में एक नदी के किनारे रहा, यहूदी उसके पास परमेश्वर का सन्देश सुनने आते थे।
- अन्य बातों के साथ यहेजकेल ने यरूशलेम और मन्दिर के विनाश एवं पुनः स्थापना की भविष्यद्वाणी की थी।
- उसने मसीह के भावी राज्य की भी भविष्यद्वाणी की थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, मसीह, बन्युआई, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 01:1-3](#)
- [यहेजकेल 24:22-24](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3168

यहोयाकीन

तथ्य:

यहोयाकीन यहूदा का राजा था।

- यहोयाकीन 18 वर्ष की आयु में राजा बन गया था। वह केवल तीन महीने ही राज कर पाया था कि बेबीलोन की सेना ने उसे बन्दी बनाकर बेबीलोन ले गई।
- इस छोटे से राज्यकाल ही में यहोयाकीन ने अपने दादा मनश्शे और पिता यहोयाकीम के सदृश्य बुरे काम किए।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, यहोयाकीम, यहूदा, मनश्शे)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 36:8](#)
- [2 राजा 24:15-17](#)
- [एस्तेर 02:5-6](#)
- [यहेजकेल 01:1-3](#)
- [यिर्म्याह 22:24-26](#)
- [यिर्म्याह 37:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3078, H3112, H3204, H3659

यहोयाकीम**तथ्यः**

यहोयाकीम यहूदा का एक दुष्ट राजा था, जिसके राज्यकाल का आरम्भ 608 ई.पू. हुआ था, वह राजा योशियाह का पुत्र था। उसका नाम वास्तव में एल्याकीम था।

- मिस्र के फ़िरौन नीको ने एल्याकीम का नाम बदलकर यहोयाकीम रखा और उसे यहूदा का राजा बनाया था।
- फ़िरौन नीको ने यहोयाकीम को बहुत अधिक कर देने पर विवश किया।
- जब आगे चलकर राजा नबूकदनेस्सर ने यहूदा पर आक्रमण किया तब बन्दियों में जो बेबीलोन ले जाए गए थे यहोयाकीम भी था।
- यहोयाकीम एक दुष्ट राजा था जिसने यहूदावासियों को यहोवा से दूर किया था। भविष्यद्वक्ता उसके विरुद्ध भविष्यद्वाणी करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बाबेल, एल्याकीम, यिर्म्याह, यहूदा, नबूकदनेस्सर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 03:15-16](#)
- [2 राजा 23:34-35](#)
- [2 राजा 24:1-2](#)
- [दानियेल 01:1-2](#)
- [यिर्म्याह 01:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3079

यहोयादा**तथ्यः**

यहोयादा एक याजक था जिसने राजा अहज्याह के पुत्र, योआश को छिपाकर उसकी रक्षा की थी, जब तक कि वह राजा घोषित किए जाने की आयु का नहीं हो गया।

- यहोयादा ने बालक योआश के सुरक्षा हेतु सैकड़ों अंगरक्षक नियुक्त किए थे क्योंकि प्रजा ने मन्दिर में उसे राजा घोषित कर दिया था।
- यहोयादा ने बाल की सब वेदियों को नष्ट करने में प्रजा की अगुआई की थी।
- याजक यहोयादा ने अपने शेष संपूर्ण जीवन राजा योआश को परमेश्वर की आज्ञा मानने और प्रजा पर बुद्धिमानी से राज करने में परामर्श देता रहा था।
- यहोयादा नामक एक और पुरुष बनायाह का पिता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अहज्याह, बाल, बनायाह, योआश)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 11:4-6](#)
- [2 राजा 12:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3077, H3111

यहोराम

तथ्यः

"यहोराम" पुराने नियम में दो राजा हुए हैं। दोनों राजाओं को भी "योराम" के नाम से जाना जाता था।

- एक राजा यहोराम ने यहूदा पर आठ वर्ष राज किया था। वह राजा यहोशापात का पुत्र था। यह राजा है जो योराम भी कहलाता था।
- दूसरा राजा यहोराम इस्त्राएल का राजा था जिसने 12 वर्ष राज किया था। वह आहाब का पुत्र था।
- यहूदा के राजा यहोराम ने उस समय राज्य किया जब भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह, दानियेल, ओबद्याह और यहेजकेल यहूदा के राज्य में भविष्यद्वाणी कर रहे थे।
- राजा यहोराम ने भी कुछ समय तक राज्य किया था जब उसके पिता राजा यहोशापात यहूदा पर राज्य कर रहे थे।
- कुछ अनुवादों में इस्त्राएल के राजा के नाम पर "यहोराम" का नाम लगातार इस्तेमाल करना और यहूदा के राजा के लिए "योराम" नाम का चयन हो सकता है।
- हर किसी को स्पष्ट रूप से पहचानने का दूसरा तरीका उसके पिता का नाम शामिल करना होगा।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अहाब, यहोशापात, योराम, यहूदा, इस्त्राएल का राज्य, ओबद्याह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 22:48-50](#)
- [2 इतिहास 21:1-3](#)
- [2 राजा 11:1-3](#)
- [2 राजा 12:17-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3088, H3141, G2496

यहोवा

तथ्यः

"यहोवा" परमेश्वर का नाम है, उसने उस जलती हुई झाड़ी पर मूसा को यह नाम बताया था

- “यहोवा” नाम उस शब्द से आता है जिसका अर्थ है “होना” या “अस्तित्व में है।”
- “यहोवा” के संभावित अर्थ हो सकते हैं, “वह है” या “मैं हूँ” या “वह जो होता है।”
- इन नाम का अर्थ है परमेश्वर सदा से जीवित है और रहेगा। इसका अर्थ सदा उपस्थित भी है।
- निम्नलिखित परंपरा, कई बाइबल संस्करण शब्द “प्रभु” को दर्शाने के लिए “यहोवा” उपयोग किया है। यह परंपरा इस तथ्य से हुई है कि ऐतिहासिक रूप से, यहूदी लोग डरते हैं कि यहोवा का नाम का उच्चारण गलत ढंग से न हो इसलिए जहाँ भी पाठ में यहोवा आया वहाँ वे प्रभु कहने लगे। आधुनिक बाइबल “प्रभु”(लार्ड) को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में लिखा जाता है कि परमेश्वर के नाम का सम्मान हो।
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. परमेश्वर के नाम को “यहोवा” ही लिखते हैं जैसा इब्रानी भाषा के पुराने नियम में है।
- नये नियम में “यहोवा” नाम का उपयोग नहीं किया गया है; केवल “प्रभु” के लिए यूनानी शब्द का प्रयोग किया जाता है, यहाँ तक कि पुराने नियम के उद्धरण में भी।
- पुराने नियम में जब परमेश्वर स्वयं के बारे में कहता है तब वह सर्वनाम के स्थान में अपना नाम लेता है।
- सर्वनाम “मैं” और “मुझ” के द्वारा यू.एल.बी. पाठकों के लिए स्पष्ट करती है कि कहनेवाला परमेश्वर ही है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “यहोवा” शब्द के स्थान में “मैं हूँ” या “जीवित प्रभु” या “अस्तित्ववान्” या “वह जो जीवित है” काम में लिया जा सकता है।
- यह शब्द इस प्रकार लिखा जाए जो “यहोवा” शब्द की वर्तनी के सदृश्य दिखाई दे।

- कुछ कलीसिया के संप्रदायों में "यहोवा" शब्द का प्रयोग करना पसंद नहीं करते हैं और बदले में पारंपरिक प्रतिपादन "प्रभु"(लार्ड को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में) का प्रयोग करते हैं। एक महत्वपूर्ण विचार यह है कि यह भ्रामक हो सकता है जब बड़े पैमाने पर पढ़ा जा सकता है क्योंकि यह शीर्षक "प्रभु" के समान होगा। कुछ भाषाओं में प्रत्यय या व्याकरणिक निशान जोड़े जा सकते हैं जो अंतर करता है "प्रभु" (लार्ड को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में) को नाम के तौर पर (यहोवा) और "प्रभु" को शीर्षक के तौर पर।
- यदि संभव हो तो उचित यही होगा कि जहाँ-जहाँ यहोवा का नाम आता है उसे ज्यों का त्यों ही रखें परन्तु कुछ अनुवादों में केवल सर्वनाम का ही उपयोग किया गया है कि पाठ को अधिक स्पष्ट एवं सहज बनाया जाए।
- कुछ इस तरह से उद्धरण लिखें, "यहोवा यूं कहता है।"

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, प्रभु, मूसा, प्रकट करना)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 21:19-20](#)
- [1 शमूएल 16:6-7](#)
- [दानियेल 09:3-4](#)
- [यहेजकेल 17:24](#)
- [उत्पत्ति 02:4-6](#)
- [उत्पत्ति 04:3-5](#)
- [उत्पत्ति 28:12-13](#)
- [होशे 11:12](#)
- [यशायाह 10:3-4](#)
- [यशायाह 38:7-8](#)
- [अय्यूब 12:9-10](#)
- [यहोशू 01:8-9](#)
- [विलापगीत 01:4-5](#)
- [लैव्यव्यवस्था 25:35-38](#)
- [मलाकी 03:4-5](#)
- [मीका 02:3-5](#)
- [मीका 06: 3-5](#)
- [गिनती 08:9-11](#)
- भजन 124:1-3
- [रूत 01:19-21](#)
- [जकर्याह 14:5](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **09:14** परमेश्वर ने मूसा से कहा मैं जो हूँ सो हूँ। उनसे कहना “जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।” “सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।”
- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **13:05** “तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।”

- **16:01** इस्माएलियों ने **यहोवा** जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियों के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **19:10** फिर एलियाह ने प्रार्थना की, “हे अब्राहम, इसहाक और इस्माएल के परमेश्वर यहोवा! आज यह प्रगट कर कि इस्माएल में तू ही परमेश्वर है, और मैं तेरा दास हूँ,

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3050, H3068, H3069

यहोशापात

तथ्यः

यहोशापात पुराने नियम में कम से कम दो पुरुषों का नाम था।

- इस नाम का प्रसिद्ध पुरुष यहूदा राज्य का चौथा राजा था।
- उसने इस्माएल, यहूदा राज्यों के मध्य शान्ति स्थापित की थी और देवी-देवताओं की वेदियां नष्ट कर दी थी।
- दूसरा यहोशापात दाऊद और सुलैमान का “लिपिक” था। उसका मुख्य धर्म था राजाओं के लिए हस्ताक्षर करने हेतु अभिलेख तैयार करे और राज्य में घटी प्रमुख घटनाओं का वर्णन लिख ले।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वेदी, दाऊद, झूठे देवता, इस्माएल, यहूदा, याजक, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 03:10-12](#)
- [1 राजा 04:15-17](#)
- [2 इतिहास 17:1-2](#)
- [2 राजा 01:17-18](#)
- [2 शमूएल 08:15-18](#)
- [मत्ती 01:7-8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3092, H3146, G2498

यहोशू

तथ्यः

बाइबल में यहोशू नाम के अनेक इस्माएली पुरुष हुए हैं। सबसे अधिक प्रसिद्ध नून का पुत्र यहोशू है, वह मूसा का सहायक था और उसके बाद परमेश्वर की प्रजा का एक महत्वपूर्ण अगुआ हुआ था।

- यहोशू उन बारह भेदियों में से एक था जिन्हें मूसा ने प्रतिज्ञा के देश की जानकारी लेने के लिए भेजा था।
- कालेब के साथ यहोशू ने इस्साएलियों से आग्रह किया कि वे प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करने के लिए परमेश्वर की आज्ञा का पालन करें और कनानियों को पराजित करें।
- वर्षों बाद जब मूसा का स्वर्गवास हो गया तब परमेश्वर ने यहोशू को नियुक्त किया कि वह इस्साएलियों को प्रतिज्ञा के देश में लेकर जाए।
- कनानियों के विरुद्ध प्रथम एवं सर्वाधिक प्रसिद्ध युद्ध में यहोशू ने यरीहो को जीतने में इस्साएलियों की अगुआई की थी।
- पुराने नियम में यहोशू की पुस्तक में वर्णन किया गया है कि यहोशू ने प्रतिज्ञा के देश पर अधिकार करने में इस्साएलियों की कैसे अगुवाई की थी और फिर इसाएल के प्रत्येक गोत्र को रहने के लिए भूमि का विभाजन कैसे किया था।
- योसादाक का पुत्र यहोशू महायाजक की चर्चा हागै तथा जकर्याह की पुस्तकों में की गई है, उसने यरूशलेम की शहरपनाह के पुनरुद्धार में सहायता की थी।
- यहोशू नाम के अन्य अनेक पुरुष हुए हैं जिनका उल्लेख वंशावलियों और बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
 (यह भी देखें: कनान, हागै, यरीहो, मूसा, प्रतिज्ञा का देश, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 7:25-27](#)
- [व्यवस्थाविवरण 3:21](#)
- [निर्गमन 17:10](#)
- [यहोशू 1:3](#)
- [गिनती 27:19](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **14:4** जब इस्साएली कनान की सीमा पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह पुरुषों को चुना, इस्साएल के हर गोत्र में से एक, उसने उन पुरुषों को आदेश दिया कि जाकर उस देश का भेद लें कि वह कैसा है।
- **14:6** तुरन्त ही कालेब और **यहोशू** अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी हैं, पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे !
- **14:8** उनमें से कालेब और **यहोशू** को छोड़ जिनने बीस वर्ष या उससे अधिक आयु के गिने गए थे, वहीं मर जाएंगे, कोई भी उस देश में कभी जाने न पाएगा।
- **14:14** मूसा बहुत वृद्ध हो गया था, उसकी सहायता करने के लिए परमेश्वर ने **यहोशू** को चुना जिससे वे लोगों का मार्गदर्शन करने में उसकी सहायता करें।
- **14:15** **यहोशू** एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **15:3** जब सब इस्साएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने **यहोशू** को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3091, G2424

याकूब

तथ्यः

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था। परमेश्वर ने उसका नाम बदल कर "इस्राएल" कर दिया था, उसके वंशज इस्राएली जाती हुए।

याकूब इस्राएली जाती के तीन पितरों में अंतिम था: अब्राहम, इसहाक और याकूब। याकूब के बारह पुत्र इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

- इब्रानी भाषा में याकूब शब्द उस शब्द के समरूप है जिसका अर्थ है, "एड़ी"। जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था। पुराने युग में शरीर के अंग, एड़ी के दो अर्थ थे, वार करना और मनुष्य के शरीर का अधो भाग। इब्रानी नाम याकूब संभवतः किसी पर पीछे से वार करने का अर्थ रखता था।
- वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, "वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।"
- याकूब ने लाबान की दो पुत्रियों से विवाह किया था जिनके नाम: लिआ और राहेल थे जिनके साथ उनकी सेविकाएँ, जिल्पा और बिल्हा भी थीं। इन चार स्त्रियों से बारह पुत्र उत्पन्न हुए जो इस्राएल के बारह गोत्रों के पितृ हुए।
- नए नियम में, मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल, इस्राएल के बारह गोत्र, लीआ:, राहेल, जिल्पा, बिल्हा, deceive, एसाव, इसहाक, रिबका, लाबान)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 7:11](#)
- [प्रे.का. 7:46](#)
- [उत्पत्ति 25:26](#)
- [उत्पत्ति 29:1-3](#)
- [उत्पत्ति 32:1-2](#)
- [यूहन्ना 4:4-5](#)
- [मत्ती 8:11-13](#)
- [मत्ती 22:32](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 7:1 फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। याकूब सीधा मनुष्य था और तम्बुओं में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- 7:7 याकूब वर्षों वहाँ रहा, उसी समय याकूब ने विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुए। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
- 7:8 बीस वर्ष तक अपने घर से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद याकूब अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
- 7:10 परमेश्वर ने अब्राहम से, तदोपरांत इसहाक से जो वाचा बाँधी थी, वह अब याकूब की भी हो गई थी।
- 8:1 वर्षों बाद, जब याकूब वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयों को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H3290, G2384

याकूब (जब्दी का पुत्र)

तथ्यः

जब्दी का पुत्र याकूब, यीशु के बारह शिष्यों में से एक था। उसके छोटे भाई का नाम यूहन्ना था। वह भी यीशु के बारह शिष्यों में से एक था।

- याकूब और यूहन्ना अपने पिता जब्दी के साथ मछली पकड़ने का व्यवसाय करते थे।
- याकूब और यूहन्ना का उपनाम “गर्जन के पुत्र” दिया गया था संभवतः क्योंकि वे अतिशीघ्र क्रोधित हो जाते थे।
- पतरस, याकूब और यूहन्ना यीशु के घनिष्ठतम् शिष्य थे और उसके साथ अद्भुत घटनाओं में उपस्थित रहते थे जैसे मूसा और एलियाह से बातें करते समय जब यीशु पर्वत पर था और जब यीशु ने एक छोटी लड़की को मृतकों में से जिलाया था।
- यह याकूब वह नहीं था जिसने नये नियम में याकूब की पत्री लिखी थी। कुछ भाषाओं में इनके नाम अलग-अलग लिखे जा सकते हैं। कि स्पष्ट हो कि वे एक ही मनुष्य नहीं हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, एलियाह, याकूब (यीशु का भाई), याकूब (हलफईस का पुत्र), मूसा)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 9:28-29](#)
- [मरकुस 1:19-20](#)
- [मरकुस 1:29-31](#)
- [मरकुस 3:1](#)
- [मत्ती 4:21-22](#)
- [मत्ती 17:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G23850

याकूब (यीशु का भाई)

तथ्यः

याकूब मरियम और यूसुफ का पुत्र था। वह यीशु का अध्यभाता, छोटा भाई था।

- यीशु के अन्य भाई (यीशु की माता, मरियम के पुत्र) यूसुफ, यहूदा, शमैन थे।
- यीशु जब तक जीवित था, याकूब और उसके भाई उसे मसीह नहीं मानते थे।
- जब यीशु मृतकों में से जी उठा तब याकूब ने उस पर विश्वास किया और वह यस्तलेम की कलीसिया का अगुआ ठहरा।
- नये नियम में याकूब का पत्र उन विश्वासियों को लिखा गया था जो सताव के कारण अन्य क्षेत्रों में चले गए थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, मसीह, कलीसिया, याकूब का पुत्र यहूदा, सताना)

बाइबल सन्दर्भः

- [गलातियों 01:18-20](#)
- [गलातियों 02:9-10](#)
- [याकूब 01:1-3](#)
- [यहूदा 01:1-2](#)
- [मरकुस 09:1-3](#)
- [मत्ती 13:54-56](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G2385

याकूब का पुत्र यहूदा

तथ्यः

याकूब का पुत्र यहूदा, यीशु के बारह शिष्यों में से एक था। ध्यान दें कि यह व्यक्ति यहूदा इस्करियोती नहीं था।

- बाइबल में एक ही नाम के विभिन्न व्यक्तियों के उनके पिता का नाम देकर अलग दर्शाया जाता है। यहां इस यहूदा को “याकूब का पुत्र” कहा गया है।
- एक और यहूदा था जो यीशु का भाई था। उसे “यहूदा” भी कहा गया था।
- नये नियम में यहूदा की पत्री संभवतः यीशु के भाई यहूदा द्वारा लिखी गई थी क्योंकि वह स्वयं को “याकूब का भाई” कहता है। याकूब भी यीशु का भाई था।
- यह भी संभव है कि यहूदा की पत्री यीशु के शिष्य याकूब के पुत्र, यहूदा द्वारा लिखी गई थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: याकूब (जब्दी का पुत्र), यहूदा इस्करियोति, पुत्र, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 1:12-14](#)
- [लूका 6:14-16](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G24550

याकूब(हलफईस का पुत्र)

तथ्यः

हलफईस का पुत्र याकूब यीशु के बारह शिष्यों में एक था।

- इसका नाम सुसमाचार वृत्तान्तों में मत्ती, मरकुस और लूका में यीशु के शिष्यों की सूची में दिया गया है।
- उसका नाम प्रेरितों के काम की पुस्तक में भी आया है कि वह भी उन ग्यारह शिष्यों में था जो यीशु के स्वर्गारोहण के बाद यस्तशलेम में प्रार्थना कर रहे थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, चेले, याकूब (यीशु का भाई), याकूब (जब्दी का पुत्र), बारहों)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 1:12-14](#)
- [लूका 6:14-16](#)
- [मरकुस 3:17-19](#)
- [मरकुस 14:32-34](#)
- [मत्ती 10:2-4](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G23850

याजक

परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ावे चढ़ाने के लिए चुना गया मनुष्य। “याजकवृति” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इसाएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
- “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
- इसाएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाएँ, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनके उत्तरदायित्व में थे।
- याजक परमेश्वर की प्रज्ञा की और से परमेश्वर को नियमित प्रार्थनाएं चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
- याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
- यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
- यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
- नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
- प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढ़ाते थे, जैसे बाल देवता को।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
- “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।

- कुछ अनुवादों में अधिक उचित माना जाता है कि सदैव इस प्रकार कहा जाए: “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” जिससे कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
- “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” के अनुवादित शब्दों से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, प्रधान याजक, महायाजक, मध्यस्थ, बलिदान)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [२ इतिहास 6:41](#)
- [उत्पत्ति 14:17-18](#)
- [उत्पत्ति 47:22](#)
- [यूहन्ना 1:19-21](#)
- [लूका 10:31](#)
- [मरकुस 1:44](#)
- [मरकुस 02:25-26](#)
- [मत्ती 8:4](#)
- [मत्ती 12:4](#)
- [मीका 03:9-11](#)
- [नहेमायाह 10:28-29](#)
- [नहेमायाह 10:34-36](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:6](#)

बाह्यबल की कहानियों के उदाहरणः

- **4:7** "मलिकिसिदक, __परमप्रधान परमेश्वर के __ याजक "
- **13:9** जो परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | **याजक** पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टि में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को ढांक देगा और उस मनुष्य को परमेश्वर की दृष्टि में शुद्ध ठहराएगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को **याजक** पद के लिये चुना ।
- **19:7** तब बाल के **याजकों** ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
- **21:7** इस्माएली **याजक** वह है जो लोगों के पापों के दंड के प्रतिस्थापन में परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाता है | **याजक** परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे ।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

याफा

तथ्यः

बाइबल के युग में याफा नगर एक महत्वपूर्ण व्यापारिक बन्दरगाह था जिसकी भौगोलिक स्थिति शारोन के मैदान के दक्षिण में भूमध्य सागर के तट पर थी।

- प्राचीन याफा वर्तमान समय में जाफा शहर के रूप में स्थित है, जो अब तेल अवीव शहर में शामिल हो गया है।
- पुराने नियम में याफा वह स्थान था जहां से जहाज पर चढ़कर योना तर्शीश जाना चाहता था।
- नये नियम में तबिता नामक एक मसीह स्त्री याफा नगर में मृत्यु को प्राप्त हुई थी जिसे पतरस ने जिलाया था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: झील, यरूशलेम, शारोन, तर्शीश)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 09:36-37](#)
- [प्रे.का. 10:7-8](#)
- [प्रे.का. 11:4-6](#)
- [प्रे.का. 11:11-14](#)
- [योना 01:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3305, G2445

यारोबाम

तथ्यः

नबात का पुत्र यारोबाम 900-910 ईसा पूर्व के आसपास इस्राएल के उत्तरी राज्य का पहला राजा था। राजा योआश के पुत्र यारोबाम ने लगभग 120 वर्ष बाद इस्राएल पर शासन किया।

- यहोवा ने नबात के पुत्र यारोबाम को भविष्यवाणी दी कि वह सुलैमान के बाद राजा बनेगा और वह इस्राएल के दस गोत्रों पर शासन करेगा।
- जब सुलैमान की मृत्यु हुई, इस्राएल के दस उत्तरी गोत्रों ने सुलैमान के पुत्र रहबियाम के विरुद्ध विद्रोह किया और उसके स्थान पर यारोबाम को अपना राजा बनाया, रहबियाम को केवल दक्षिणी दो गोत्रों, यहूदा और बिन्यामीन के राजा के रूप में छोड़ दिया।
- यारोबाम एक दुष्ट राजा बन गया जिसने लोगों को यहोवा की उपासना करने से दूर किया और इसके बजाय उनकी उपासना करने के लिए मूर्तियों की स्थापना की। इस्राएल के अन्य सभी राजा यारोबाम के उदाहरण का अनुसरण करते थे और उसके समान दुष्ट थे।
- करीब 120 साल बाद, एक और राजा यारोबाम ने इस्राएल के उत्तरी राज्य पर शासन करना शुरू किया। यह यारोबाम राजा योआश का पुत्र था और इस्राएल के सब पिछले राजा ओं के समान दुष्ट था।
- इस्राएलियों की दुष्टता के बावजूद, परमेश्वर ने उन पर दया की और इस राजा यारोबाम को भूमि प्राप्त करने और उनके क्षेत्र के लिए सीमाएँ स्थापित करने में मदद की।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: मूरत, इस्राएल का राज्य, यहूदा, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 5:16-17](#)
- [1 राजा 12:2](#)
- [2 इतिहास 9:29](#)
- [2 राजा 3:1-3](#)
- [आमोस 1:1](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **18:08** अन्य दस इसाएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया।
- **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर से बलवा किया और लोगों से पाप करवाया। उसने यहूदा के राज्य में मंदिर में परमेश्वर की पूजा करने के बजाय अपने लोगों की पूजा करने के लिए दो मूर्तियों का निर्माण किया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3379

यिजैल**परिभाषा:**

यिजैल इस्साकार गोत्र में एक महत्वपूर्ण नगर था जो मृत्त सागर के दक्षिण पूर्व में स्थित था।

- यिजैल मणिद्वे के मैदान के पश्चिमी क्षेत्रों में से एक था जिसे यिजैल की घाटी भी कहते थे।
- यिजैल नगर में अपने इसाएली राजाओं के महल थे।
- नाबोत की दाख की बारी कभी यिजैल में राजा आहाब के महल के निकट थी। भविष्यद्वक्ता एलियाह ने आहाब के विरुद्ध वहीं भविष्यद्वाणी की थी।
- आहाब की दुष्ट रानी ईजेबेल भी वहीं मारी गयी थी।
- इस नगर में अनेक महत्वपूर्ण घटनाएं घटी थीं जिनमें युद्ध भी थे।

(यह भी देखें: अहाब, एलियाह, इस्साकार, ईजेबेल, महल, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 04:11-14](#)
- [1 शमूएल 25:43-44](#)
- [2 राजा 08:28-29](#)
- [2 शमूएल 02:1-3](#)
- [न्यायियों 06:33](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3157, H3158, H3159

पित्रो**तथ्यः**

“पित्रो” और “रूएल” शाऊल दोनों नाम मूसा की पत्नी सिप्पोरा के पिता के हैं। पुराने नियम में “रूएल” नामक दो पुरुष और थे।

मिद्यान देश में जब मूसा चरवाहा था तब उसने एक मिद्यानी पुरुष, रूएल की पुत्री से विवाह कर लिया था।

- बाद में रूएल को “पित्रो, मिद्यानियों का पुजारी” कहा गया है। हो सकता है कि “रूएल” उसक गोत्र का नाम था।
- जिस समय परमेश्वर ने जलती हुई झाड़ी में से मूसा से बातें की थी, उस समय मूसा पित्रो की भेड़ें चरा रहा था।
- मिस से इस्साएलियों को निकाल लाने के कुछ समय पश्चात पित्रो जंगल में इस्साएलियों के पास आया और मूसा को लोगों के विवादों को सुलझाने का अच्छा परामर्श दिया।
- मिस में इस्साएलियों के लिए किए गए परमेश्वर के चमत्कारों के बारे में सुनकर उसने परमेश्वर में विश्वास किया।
- एसाव के एक पुत्र का नाम भी रूएल था।
- रूएल नामक एक और पुरुष था जिसका उल्लेख बेबीलोन की बन्धुआई के बाद यहूदी लौटने वाले इस्साएलियों की वंशावली में है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बन्दी, कुल, रेगिस्तान, मिस, एसाव, आश्वर्यकर्म, मूसा, रेगिस्तान)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 01:34-37](#)
- [निर्गमन 02:18-20](#)
- [निर्गमन 03:1-3](#)
- [निर्गमन 18:1-4](#)
- [गिनती 10:29-30](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3503, H7467

यिप्तह**तथ्यः**

यिप्तह गिलाद का एक योद्धा था, वह इस्साएल का न्यायी था।

- इब्रानियों 11:32 में यिप्तह की प्रशंसा की गई है कि वह एक महत्वपूर्ण अगुआ था जिसमें अपने लोगों को शत्रुओं से रक्षा प्रदान की थी।
- उसने अम्मोनियों को पराजित करने के लिए इस्साएलियों की अगुआई की थी और एप्रैमियों को भी हराया था।
- तथापि, यिप्तह ने शीघ्रता में परमेश्वर से शपथ खाई जिसके परिणाम स्वरूप उसे अपनी पुत्री की बलि चढ़ानी पड़ी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अम्मोन, मुक्ति दिलाना, एप्रैम, न्या., मन्त्रत)

बाइबल सन्दर्भः

- [इब्रानियों 11:32-34](#)
- [न्यायियों 11:1-3](#)
- [न्यायियों 11:34-35](#)
- [न्यायियों 12:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3316

यिर्मयाह**तथ्यः**

यिर्मयाह यहूदा राज्य में परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था। पुराने नियम में यिर्मयाह नाम की पुस्तक में उसकी भविष्यद्वाणियां हैं।

- अन्य भविष्यद्वक्ताओं के सहशय यिर्मयाह ने भी इसाएलियों को चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उनके पापों का दण्ड देगा।
- यिर्मयाह की भविष्यद्वाणी के अनुवार बेबीलोन, यरूशलेम को बन्दी बनाएगा, इस कारण अनेक यहूदावासी उससे क्रोधित थे। परिणामस्वरूप उन्होंने उसे एक सूखे कूएं में डाल दिया कि वह मर जाए। परन्तु यहूदा के राजा ने अपने सेवकों को आज्ञा देकर उसे कूएं में से निकलवाया।
- अपने लोगों के विद्रोह और कष्टों के निमित्त संताप प्रकट करते हुए यिर्मयाह ने लिखा कि उसकी आंकें "आंसुओं का सोता" बन जाएं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, यहूदा, भविष्यद्वक्ता, बलवा, दुख उठाना, कुआं)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 35:25](#)
- [यिर्म्याह 1:2](#)
- [यिर्म्याह 11:1](#)
- [मत्ती 2:18](#)
- [मत्ती 16:13-16](#)
- [मत्ती 27:10](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **19:17** एक बार **यिर्म्याह** भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और **यिर्म्याह** कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाएं।
- **21:5** **यिर्म्याह** भविष्यद्वक्ता के द्वारा, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी कि वह एक नई वाचा बांधेगा परन्तु वह उस वाचा के समान नहीं होंगी जो परमेश्वर ने इसाएलियों के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3414, G2408

यिशै**तथ्यः**

यिशै राजा दाऊद का पिता और रूत एवं बोआज़ का पोता था।

- यिशै यहूदा के गोत्र का था।
- वह “एप्राती” था अर्थात् एप्राता (बैतलहम) नगर का निवासी था।
- भविष्यद्वक्ता यशायाह ने एक “जड़” या “डाली” की भविष्यद्वाणी की थी, कि वह “यिशै की जड़” से फूट निकलेगी और फलवन्त होगी। यह यीशु के संदर्भ में था क्योंकि वह यिशै का वंशज था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, बोअज, वंशज, यीशु, राजा, भविष्यद्वक्ता, रूत, इसाएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 02:9-12](#)
- [1 राजा 12:16-17](#)
- [1 शमूएल 16:1](#)
- [लूका 03:30-32](#)
- [मत्ती 01:4-6](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3448, G24210

यीशु**तथ्यः**

यीशु परमेश्वर का पुत्र है। “यीशु” नाम का अर्थ है, “यहोवा बचाता है” “ख्रीस्त” एक उपनाम है जिसका अर्थ है, “अभिषिक्त जन” इसका दूसरा शब्द है, “मसीह”

- ये दोनों नाम प्रायः साथ-साथ रखे गए हैं, "मसीह यीशु" या "यीशु ख्रीस्त"। इन नामों द्वारा बल दिया गया है कि परमेश्वर का पुत्र मसीह है जो मनुष्यों को पापों के अनन्त दण्ड से बचाने आया था।
- पवित्र आत्मा ने चमल्कारी रूप से परमेश्वर के शाश्वत पुत्र को मनुष्यों में जन्माया। उसकी माता को स्वर्गदूत ने निर्देश दिया था कि उसका नाम "यीशु" रखे क्योंकि वह मनुष्यों को पापों से बचाने के लिए नियत था।
- यीशु ने अनेक चमल्कार किए जिनसे प्रकट हुआ कि वह परमेश्वर है और ख्रीस्त है और मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक भाषाओं में "यीशु" और "मसीह" शब्दों को इस प्रकार लिखा जाता है कि उनका उच्चारण और वर्तनी मूल भाषा के यथासंभव निकट रखी जाए। उदाहरणार्थ, "यीसुख्रीस्तो", "जीजस ख्रीस्तुस", "येसूस क्रिस्तुस" और "हेसुक्रिस्तो।" ये कुछ विधियां हैं जो विभिन्न भाषाओं में यीशु के नाम के अनुवाद के लिए काम में ली जाती हैं।
- "ख्रीस्त" शब्द के लिए कुछ अनुवाद सर्वत्र "मसीह" शब्द या उसके रूप काम में लाते हैं।
- स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में भी इन शब्दों की वर्तनी पर ध्यान दें।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, परमेश्वर, पिता परमेश्वर, महायाजक, परमेश्वर का राज्य, मरियम, उद्घारकर्ता, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भः

- [1 कुरियों 6:11](#)
- [1 यूहन्ना 2:2](#)
- [1 यूहन्ना 4:15](#)
- [1 तीमुथियुस 1:2](#)
- [2 पतरस 1:2](#)
- [2 थिसलुनीकियों 2:15](#)
- [2 तीमुथियुस 1:10](#)
- [प्रे.का. 2:23](#)
- [प्रे.का. 5:30](#)
- [प्रे.का. 10:36](#)
- [इब्रानियों 9:14](#)
- [इब्रानियों 10:22](#)
- [लूका 24:20](#)
- [मत्ती 1:21](#)
- [मत्ती 4:3](#)
- [फिलिप्पियों 2:5](#)
- [फिलिप्पियों 2:10](#)
- [फिलिप्पियों 4:21-23](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:6](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **22:4** स्वर्गदूत ने उससे कहा, "तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा। तू उसका नाम **यीशु** रखना और वह मसीहा होगा।"
- **23:2** "तू उसका नाम **यीशु** रखना (जिसका अर्थ है, 'यहोवा बचाता है') क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"
- **24:7** तो यहून्ना ने उनको (**यीशु**) बपतिस्मा दिया, यद्यपि **यीशु** ने कभी पाप नहीं किया था।
- **24:9** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने **यीशु** को बपतिस्मा दिया, पिता परमेश्वर को कहते सुना, और पुत्र **यीशु** को और पवित्र आत्मा को भी देखा।

- **25:8** यीशु शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:8** फिर यीशु गलील के पूरे क्षेत्र में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को यीशु ने चंगा किया।
- **31:3** यीशु ने अपनी प्रार्थना समाप्त की और वह चेलों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव की ओर आया।
- **38:2** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी गुरुओं ने यीशु को मसीहा होने से अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
- **40:8** अपनी मृत्यु के द्वारा_ यीशु_ ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** " प्रभु_ यीशु_ स्वर्ग पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। यीशु सब बातों पर शासन करने के लिए परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
- **50:17** यीशु और उसके लोग नई पृथ्वी पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा राज्य करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होंगी। यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्यः

- Strong's: G24240, G55470

यूनान**तथ्यः**

नए नियम के युग में यूनान रोमी साम्राज्य का एक प्रान्त था।

- आज के यूनान के स्थान ही में वह यूनान भूमध्य-सागर, एजियन सागर और आयोनियन सागर के तटों पर एक प्रायद्वीप था।
- प्रेरित पौलुस यूनान के अनेक नगरों में गया था और वहाँ कलीसियाओं की स्थापना की, कुरिच्य, थिस्सलुनीक, फिलिप्पी तथा अन्य।
- यूनान के नागरिक यूनानी कहलाते हैं और उनकी भाषा भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के अन्य प्रान्तों के लोग भी यूनानी भाषा बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी शब्द अन्य जाति के लिए भी काम में लिया जाता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कुरिच्य, अन्य-जाति, यूनानी, इब्रानी, फिलिप्पियों, थिस्सलोनिके)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 08:20-21](#)
- [दानियेल 10:20-21](#)
- [दानियेल 11:1-2](#)
- [जकर्या 09:11-13](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3120, G1671

यूनानी**तथ्यः**

शब्द "यूनानी" यूनान देश में बोली जाने वाली भाषा को संदर्भित करता है, यह शब्द यूनान देश के व्यक्ति के लिए भी उपयोग किया है। यूनानी भी रोमन साम्राज्य भर में बोली जाती थी यूनानी का अर्थ था "यूनानी भाषा बोलने"

- क्योंकि रोमन साम्राज्य में अधिकांश गैर-यहूदी लोग यूनानी भाषा बोलते हैं, इसलिए नए नियम में अन्यजातियों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, विशेष रूप से जब यहूदियों के साथ विषमता दर्शाई गई हो।
 - यह वाक्यांश, "यूनानी यहूदी" का सन्दर्भ यहूदियों से है जो यूनानी भाषा बोलते थे जो "इब्रानी यहूदियों" की विषमता में था क्योंकि वे केवल इब्रानी भाषा या संभवतः अरामी भाषा बोलते थे। "यूनानीवादी" यूनानी भाषा-भाषी के लिए यूनानी शब्दोच्चारण से वियुत्पन्न है।
 - "यूनानी" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं; "यूनानी बोलनेवाले" या "यूनानी संस्कृति के" या "यूनानी"।
 - गैर-यहूदियों के संदर्भ में, "यूनानी" का अनुवाद हो सकता है, "अन्य-जाति।"
- (अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: अराम, अन्यजाति, यूनान, इब्रानी, रोम)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 6:1](#)
- [प्रे.का. 9:229](#)
- [प्रे.का. 11:20](#)
- [प्रे.का. 14:1-2](#)
- [कुलुस्सियों 3:11](#)
- [गलातियों 2:3-5](#)
- [यूहन्ना 7:35](#)

शब्द तथ्यः

स्टोरेजः H3125, G16720, G16730, G16740, G16750, G16760

यूसुफ (नया नियम)

तथ्यः

यूसुफ यीशु का सांसारिक पिता था जिसने उसे पाल-पोस कर बड़ा किया। वह एक धर्मी पुरुष था जिसका पेशा लकड़ी का काम था।

- यूसुफ की मंगनी एक यहूदी स्त्री मरियम के साथ हुई थी जिसे परमेश्वर ने यीशु मसीह की माता होने के लिए चुन लिया था।
- स्वर्गदूत ने यूसुफ से कहा कि पवित्र-आत्मा ने अलौकिक कृत्य द्वारा मरियम को गर्भधारी किया है और मरियम का यह पुत्र परमेश्वर का पुत्र है।
- यीशु के जन्म के बाद एक स्वर्गदूत ने यूसुफ को चिताया कि वह हेरोदेस से बचने के लिए बालक और मरियम को लेकर मिस्र देश चला जाए।
- यूसुफ अपने परिवार के साथ गलील क्षेत्र के नासरत नगर में रहता था और लकड़ी का काम करके जीविकोपार्जन करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यीशु, नासरत, परमेश्वर का पुत्र, कुंवारी)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [यहन्ता 1:43-45](#)
- [लूका 1:26-29](#)
- [लूका 2:4-5](#)
- [लूका 2:15-16](#)
- [मत्ती 1:18-19](#)
- [मत्ती 1:24-25](#)
- [मत्ती 2:19-21](#)
- [मत्ती 13:54-56](#)

बाह्यबल की कहानियों के उदाहरणः

- 22:4 वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी।
- 23:1 मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक धर्मी पुरुष से हुई। जब यूसुफ को यह पता चला कि मरियम गर्भवती है, और जो उसके गर्भ में है वह उसका बालक नहीं है, अतः यूसुफ ने जो धर्मी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने का विचार किया।
- 23:2 स्वर्गदूत ने उससे कहा, “हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना (जिसका अर्थ है, ‘यहोवा बचाता है’)क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।”
- 23:3 यूसुफ ने मरियम से विवाह किया और अपनी पत्नी को अपने यहाँ ले आया, और जब तक वह पुत्र न जनी तब तक वह उसके पास न गया।
- 23:4 अतः यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।

- 26:4 यीशु ने उनसे कहा, “आज ही यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ है”। सभी लोग चकित थे। और कहने लगे कि “क्या यह यूसुफ का पुत्र नहीं है?”

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G25010

यूसुफ (पुराना नियम)

तथ्यः

यूसुफ याकूब का ग्यारहवां और माता राहेल का पहला पुत्र था। उसके दो पुत्रों, एप्रैम और मनश्शे के वंशज इसाएल के दो गोत्र हुए।

- इब्रानी नाम यूसुफ उन दो इब्रानी शब्दों का सा है जिनका अर्थ, “जोड़ना, बढ़ाना” और दूसरा, “एकत्र करना, ले जाना” होता है।
- उत्पत्ति के पुस्तक का एक बड़ा भाग युसुफ की कहानी का है कि वह कैसे अनेक कठिनाइयों में परमेश्वर का निष्ठावान रहा और उसने अपने भाइयों को भी क्षमा कर दिया जिन्होंने उसको मिस्र में दास होने के लिए बेच दिया था।
- अंत में परमेश्वर ने यूसुफ को अधिकार में मिस्र का दूसरा सर्वोच्च अधिकारी बना दिया था और उसको मिस्र की प्रजा तथा परिवेश के जातियों को भोजन की कमी होने पर काम में लिया। यूसुफ ने अपने परिवार को भी भूखे मरने से बचाया और उनको लाकर अपने पास मिस्र में बसा दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल के बारह गोत्र, एप्रैम, मनश्शे, याकूब, राहेल)

बाइबल सन्दर्भः

- उत्पत्ति 30:22-24
- उत्पत्ति 33:1-3
- उत्पत्ति 37:1-2
- उत्पत्ति 37:23-24
- उत्पत्ति 41:55-57
- यूहन्ना 04:4-5

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 8:2 यूसुफ के भाई उससे बैर रखते थे क्योंकि जब यूसुफ के भाइयों ने देखा कि हमारा पिता हम सबसे अधिक उसी से प्रीति रखता है, और यूसुफ ने स्वप्न में देखा था कि वह अपने भाईयों पर राज्य करें।
- 8:4 और व्यापारी यूसुफ को मिस्र ले गए।
- 8:5 यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- 8:7 परमेश्वर ने यूसुफ को योग्यता दी थी कि वह स्वप्न का अर्थ समझ सके, इसलिये फिरौन ने यूसुफ को बंदीगृह से बुलवा भेजा।
- 8:9 यूसुफ ने सात वर्ष अच्छी उपज के दिनों में भोजनवस्तुएँ इकट्ठा करने के लिये लोगों से कहा।
- 9:2 मिस्र वासी अब यूसुफ को भूल गये थे और उन कार्यों को जो उसने उनकी सहायता करने के लिये किये थे।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3084, H3130, G2500, G2501

यूहन्ना (प्रेरित)

तथ्यः

यूहन्ना यीशु के बारह शिष्यों में से एक था और यीशु का घनिष्ठ मित्र था।

- यूहन्ना और उसका भाई याकूब एक मछवारे, जब्दी के पुत्र थे।
- उसने यीशु के जीवन का सुसमाचार लिखा तो उसमें स्वयं के लिए लिखा, “वह चेला जिससे यीशु प्रेम रखता था।” इससे प्रकट होता है कि यूहन्ना यीशु का विशेष घनिष्ठ मित्र था।
- प्रेरित यूहन्ना ने पांच नए नियम की पुस्तके लिखीं: यूहन्ना का सुसमाचार, यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य, और विश्वासियों को लिखे तीन पत्र।
- ध्यान दें कि प्रेरित यूहन्ना, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से भिन्न है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, प्रकट करना, याकूब (जब्दी का पुत्र), यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), जब्दी)

बाइबल सन्दर्भ

- [गलातियों 2:9–10](#)
- [यूहन्ना 1:19–21](#)
- [मरकुस 3:17–19](#)
- [मत्ती 4:21–22](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:1–3](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **36:1** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया। (यीशु का चेला यूहन्ना वह यूहन्ना नहीं था, जिसने यीशु को बपतिस्मा दिया था।) और उन्हें एकान्त में प्रार्थना करने के लिए ऊँचे पहाड़ पर ले गया।
- **44:1** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।
- **44:6** पतरस और यूहन्ना लोगों से जो कह रहे थे, उससे मन्दिर के सरदार उनसे बहुत परेशान थे। तो उन्होंने उन्हें पकड़कर बंदीगृह में डाल दिया।
- **44:7** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए। उन्होंने पतरस और यूहन्ना से पूछा कि, “तुम ने यह काम किस सामर्थ्य से और किस नाम से किया है?”
- **44:9** जब उन्होंने पतरस और यूहन्ना का साहस देखा, और यह जाना कि ये अनपढ़ और साधारण मनुष्य हैं, तो आश्वर्य किया। फिर उनको पहचाना कि ये यीशु के साथ रहे हैं। तब उन्होंने पतरस और यूहन्ना को धमकाकर छोड़ दिया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: G24910

यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)

तथ्यः

यूहन्ना जकर्याह और एलीशिबा का पुत्र था। क्योंकि “यूहन्ना” एक सामान्य नाम था, वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कहलाया कि अन्य यूहन्नाओं से उसे अलग किया जाए जैसे प्रेरित यूहन्ना।

- यूहन्ना एक भविष्यद्वक्ता था जिसे परमेश्वर ने भेजा कि मनुष्यों को मसीह के लिए और मसीह के अनुसरण के लिए तैयार करे।
- यूहन्ना ने लोगों से कहा कि वे अपने पापों को मानकर परमेश्वर की ओर फिरें और पाप करना छोड़ दें जिससे कि वे मसीह को ग्रहण करने के लिए तैयार हो जाएं।
- यूहन्ना पानी में बपतिस्मा देता था जो इस बात का प्रतीक था कि वे अपने पापों का पछताव करते हैं और पापों से विमुख होते हैं।
- यूहन्ना को बपतिस्मा देनेवाला कहा गया है क्योंकि उसने बहुत लोगों को बप्तिस्मा दिया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: बपतिस्मा देना, जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भः

- [यूहन्ना 3:22-24](#)
- [लूका 1:11-13](#)
- [लूका 1:62-63](#)
- [लूका 3:7](#)
- [लूका 3:15-16](#)
- [लूका 7:27-28](#)
- [मत्ती 3:13](#)
- [मत्ती 11:14](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 22:2 स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा, ‘तेरी पत्नी इलीशिबा तेरे लिए एक पुत्र जनेगी। और तू उसका नाम **यूहन्ना** रखना। वह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होगा, और लोगों का मन मसीह की ओर फेरेगा।
- 22:7 तब इलीशिबा के प्रसव का समय पूरा हुआ, और उसने पुत्र को जन्म दिया, जकर्याह और इलीशिबा ने उस पुत्र का नाम **यूहन्ना** रखा, जैसा कि स्वर्गदूत ने उनसे कहा था।
- **24:1** **यूहन्ना**, जो जकर्याह और इलीशिबा का पुत्र था, वह बड़ा होकर एक नबी बन गया। वह जंगल में रहता था, और ऊँट के रोम का वस्त्र पहनता था और अपनी कमर में चमड़े का कटिबन्द बाँधे रहता था तथा टिड्डियाँ और वनमधु खाया करता था।
- **24:2** बहुत से आस पास के लोग **यूहन्ना** को सुनने के लिए बाहर निकल आए। यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है !”
- **24:6** अगले दिन, यीशु **यूहन्ना** के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया। जब **यूहन्ना** ने उसे देखा, तो कहा, “देखो! यह परमेश्वर का मेस्त्र है, जो संसार के पापों को दूर ले जाएगा।”

शब्द तथ्यः

- Strong's: G09100, G24910

यूहन्ना मरकुस

तथ्यः

यूहन्ना मरकुस जो “मरकुस” के नाम से भी जाना जाता है, पौलुस के साथ उसकी प्रचार यात्रा में गया था। अति-संभव है कि मरकुस रचित सुसमाचार का लेखक वही था।

- यूहन्ना मरकुस अपने भाई बरनबास और पौलुस के साथ प्रथम प्रचार यात्रा में गया था।
- जब पतरस को यरूशलेम के बन्दीगृह में डाला गया था तब वहां के विश्वासी यूहन्ना मरकुस की माता के घर में एकत्र होकर उसके लिए प्रार्थना कर रहे थे।
- मरकुस वास्तव में प्रेरित नहीं था परन्तु पौलुस और पतरस की शिक्षाओं में रहकर उनके साथ प्रचार करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बरनबास, पौलुस)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 तीमु. 4:11-13](#)
- [प्रे.का. 12:24-25](#)
- [प्रे.का. 13:5](#)
- [प्रे.का. 13:13](#)
- [प्रे.का. 15:36-38](#)
- [प्रे.का. 15:39-41](#)
- [कुलस्सियों 4:10-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G2491, G3138

ये पेत

तथ्यः

ये पेत नूह के तीन पुत्रों में से एक था।

- संपूर्ण पृथ्वी पर जब जल प्रलय आया था तब ये पेत और उसके दो भाई नूह के साथ जहाज में थे, उनकी पत्नियां भी उनके साथ थीं।
- नूह के पुत्र क्रमवार उल्लेखित किए गए हैं, “शेम, हाम, ये पेत।” इससे समझ में आता है कि ये पेत सबसे छोटा पुत्र था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: जहाज, जल-प्रलय, हाम, नूह, शेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 01:1-4](#)
- [उत्पत्ति 05:32](#)
- [उत्पत्ति 06:9-10](#)
- [उत्पत्ति 07:13-14](#)
- [उत्पत्ति 10:1](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3315

ये हूं

तथ्यः

ये हूं नामक दो पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- हानानी का पुत्र येहू एक भविष्यद्वक्ता था जिस समय इस्माएल में राजा आहाब था और यहूदा में राजा यहोशापात था।
- यहोशापात का पुत्र (या वंशज) येहू इस्माएली सेना का प्रधान था जिसे एलीशा के आदेशानुसार राजा बनाया गया था।
- राजा येहू ने दो बुरे राजाओं को मार डाला, इस्माएल के राजा योराम और यहूदा के राजा अहज्याह।
- येहू ने भूतपूर्व राजा आहाब के सब परिजनों की भी हत्या कर दी थी। और दुष्ट स्त्री ईजेबेल की भी हत्या करवा दी थी।
- येहू ने सामरिया बाल के सब प्रजा स्थल नष्ट करवा दिए थे तथा बाल के सब पुजारियों को मरवा दिया था।
- राजा येहू ने एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा की उपासना की और इस्माएल पर 28 वर्ष राज किया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, अहज्याह, बाल, एलीशा, यहोशापात, येहू, ईजेबेल, योराम, यहूदा, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 04:34-38](#)
- [1 राजा 16:1-2](#)
- [2 इतिहास 19:1-3](#)
- [2 राजा 10:8-9](#)
- [होशे 01:3-5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3058

योआब

परिभाषा:

दाऊद राज संपूर्ण राज्यकाल में योआब का एक महत्वपूर्ण सेना नायक था।

- दाऊद के राजा बनने से पूर्व वह उसके विश्वासयोग्य अनुयायियों में था।
- राजा दाऊद के सिंहासन पर बैठने के बाद वह राजा दाऊद की सेना का प्रधान हो गया था।
- योआब दाऊद का भांजा भी था क्योंकि उसकी माता दाऊद की बहनों में से एक थी।
- जब अबशालोम ने राज्य पाने के लिए दाऊद से विद्रोह किया था तब योआब ही ने उसकी हत्या की थी।
- योआब एक उग्र योद्धा था जिसने इस्माएल के अनेक बैरियों का नाश किया था।

(यह भी देखें: अबशालोम, दाऊद)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 02:16-17](#)
- [1 राजा 01:7-8](#)
- [1 शमूएल 26:6-8](#)
- [2 शमूएल 02:18-19](#)
- [नहेम्याह 07:11-14](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3097

योआश

तथ्यः

योआश नामक अनेक पुरुष बाइबल में हुए हैं।

- एक योआश इस्नाएल के रक्षक गिदोन का पिता था।
- एक और योआश याकूब के सबसे छोटे पुत्र बिन्यामीन का वंशज था।
- सर्वाधिक प्रसिद्ध योआश यहूदा का राजा था जिसने सात वर्ष की आयु में राजा का दायित्व संभाला था। वह अहज्याह का पुत्र था, यहूदा का राजा जिसकी हत्या कर दी गई थी।
- योआश जब बालक ही था तब उसकी बुआ ने उसे छिपा कर बचा लिया था, जब तक कि वह मुकुट धारण करने योग्य न हो।
- योआश एक अच्छा राजा था और आरंभ में परमेश्वर का आज्ञाकारी था। परन्तु उसने मूर्ति-पूजा के ऊंचे स्थान नष्ट नहीं किए थे जिसके परिणाम-स्वरूप इस्नाएलियों ने पुनः मूर्ति-पूजा आरंभ कर दी थी।
- योआश जब यहूदा पर राज कर रहा था तब कुछ वर्ष इस्नाएल पर यहोआश का राज्य था। ये दोनों अलग-अलग राजा ओं के नाम हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहज्याह, वेदी, बिन्यामीन, झूठे देवता, गिदोन, ऊंचे स्थान, मूरत)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 03:10-12](#)
- [2 इतिहास 18:25-27](#)
- [2 राजा 11:1-3](#)
- [आमोस 01:1-2](#)
- [न्यायियों 06:11-12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3101, H3135

योएल

तथ्य:

योएल एक भविष्यद्वक्ता था, वह यहूदा के राजा योआश के राज्यकाल में सेवा कर रहा था। योएल नाम अनेक अन्य पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- योएल की पुस्तक पुराने नियम के अन्तिम भाग में बारह छोटे भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों में से एक है।
- हमें योएल की व्यक्तिगत जानकारी में केवल इतना ही ज्ञात है कि उसके पिता का नाम पतौल था।
- पिन्तेकुस्त के दिन अपने भाषण में प्रेरित पतरस ने योएल की भविष्यद्वाणी का संदर्भ दिया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: योआश, यहूदा, पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 06:33-35](#)
- [1 शमूएल 08:1-3](#)
- [प्रे.का. 02:16-17](#)
- [एज्ञा 10:41-44](#)
- [योएल 01:1-3](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3100, G2493

योग्य करना

परिभाषा:

“योग्य करना” का संदर्भ लाभ प्राप्त करने का अधिकार होना या दक्षता के लिए पहचाना जाना।

- किसी काम के लिए “योग्य” मनुष्य के पास उस काम को करने की आवश्यक दक्षता एवं प्रशिक्षणत होता है।
- कुलुस्से की कलीसिया के लिये पत्र में पौलुस लिखता है कि पिता परमेश्वर ने विश्वासियों को ज्योति के राज्य का सहभागी होने के “योग्य” बनाया है। इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने उन्हें वह सब दिया है जो ईश्वर-परायण जीवन जीने के लिए आवश्यक है।
- विश्वासी परमेश्वर के राज्य का अधिकारी स्वयं नहीं हो सकता है वह केवल मसीह के लहू द्वारा मुक्ति के कारण योग्य ठहरता है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुवाद “योग्य” का अनुवाद “संपन्न” या “दक्ष” या “सक्षम” हो सकता है।
- किसी को “योग्य करना” बनाने का अनुवाद “संपन्न करना” या “सक्षम बनाना” या “समर्थ बनाना” हो सकता है।

(यह भी देखें: कुलुस्से, ईश्वर-भक्त, राज्य, ज्योति, पौलुस, छुटकारा दिलाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानियेल 01:3-5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3581

योताम

परिभाषा:

पुराने नियम में योताम नाम के तीन पुरुष हुए हैं।

- एक योताम गिदोन का सबसे छोटा पुत्र था। योताम ने अपने बड़े भाई अबीमेलेक को पराजित करने में सहायता की जिसने अपने अन्य सभी भाइयों को मार डाला था।
- यहूदा के राजा का नाम भी योताम था, उसने अपने पिता उज्जियाह(अजर्याह) के मरणोपरान्त सोलह वर्ष राज किया था।
- अपने पिता के समान योताम भी परमेश्वर का आज्ञाकारी था और एक अच्छा राजा हुआ था।
- तथापि उसने मूर्तियों के स्थानों को नष्ट नहीं किया था जिसका परिणाम यह हुआ कि बाद में यहूदावासी फिर मूर्ति-पूजा करने लगे थे।
- यीशु की वंशावली में भी एक योतान है, मत्ती रचित सुसमाचार में।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, आहाज, गिदोन, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 26:21](#)
- [2 राजा 15:4-5](#)
- [यशायाह 01:1](#)
- [न्यायियों 09:5-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3147

योना

परिभाषा:

योना पुराने नियम का एक इब्रानी भविष्यद्वक्ता था।

- योना की पुस्तक में योना की कहानी है कि उसे परमेश्वर ने नीनवे के लोगों में सन्देश सुनाने भेजा था।
- योना नीनवे जाने की अपेक्षा किसी और तर्शीश देश को जानेवाले जहाज में चढ़ गया था।
- परमेश्वर ने उस जहाज को एक भयानक आंधी से धेर लिया था।
- उसने जहाज के कर्मचारियों से कहा कि वह परमेश्वर से दूर भाग रहा है, और उनको सुझाव दिया कि वे उसे समुद्र में फेंक दें। जब उन्होंने ऐसा किया तब तृफान थम गया।
- योना को समुद्र में एक बहुत बड़ी मछली ने निगल लिया, वह उस मछली के पेट में तीन दिन तीन रात रहा।
- मछली ने जब योना को उगल दिया तब उसने जाकर नीनवे में परमेश्वर का सन्देश सुनाया, परिणामस्वरूप नीनवे वासियों ने उग्रवाद का त्याग करके पापों का पश्चाताप किया।
- योना नीनवे को नष्ट न करने के लिए परमेश्वर पर क्रोधित हो गया, और परमेश्वर ने योना को करुणा का सबक सिखाने के लिए एक पौधे और कीड़े का इस्तेमाल किया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आज्ञा न मानना, नीनवे, फिरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [योना 1:3](#)
- [लूका 11:30](#)
- [मत्ती 12:39](#)
- [मत्ती 16:4](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3124, G24950

योनातान

तथ्य:

पुराने नियम में लगभग दस पुरुषों का नाम योनातान हुआ है। इस नाम का अर्थ है, “यहोवा ने दिया है”।

- बाइबल में सबसे अधिक परिचित नाम योनातान, दाऊद के मित्र, कहा है। * योनातान शाऊल का बड़ा पुत्र था।
- पुराने नियम के अन्य योनातान हैं, मूसा का वंशज राजा दाऊद का भतीजा, अनेक याजक, एव्यातार का पुत्र भी और पुराने नियम का एक शास्त्री जिसके घर में यिर्म्याह को बन्दी बनाकर रखा गया था।

(यह भी देखें: नाम कैसे अनुवादित करें)

(यह भी देखें: एव्यातार, दाऊद, मूसा, यिर्म्याह, याजक, शाऊल (पुराना नियम), शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 01:41-42](#)
- [1 शमूएल 14:1](#)
- [1 शमूएल 20:1-2](#)
- [2 शमूएल 01:3-5](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3083, H3129

योराम

तथ्य:

योराम, जो अहाब का पुत्र, इसाएल का राजा था। वह यहोराम के नाम से भी जाना जाता है।

- राजा योराम उसी समय इस्साएल पर राज कर रहा था जब यहूदा में भी यहोराम नामक राजा राज्य कर रहा था।
- योराम एक दुष्ट राजा था जिसने स्वयं तो मूर्तिपूजा की और इस्साएल का पाप करने के कारण बना।
- इस्साएल के राजा योराम ने एलिय्याह और ओबद्याह के भविष्यवक्ताओं के समय में राज्य किया।
- योराम नाम का एक और व्यक्ति था जो हमात के राजा तूका पुत्र और राजा दाऊद के राज्यकाल में।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, दाऊद, एलिय्याह, हाम, यहोराम, इस्साएल का राज्य, यहूदा, ओबद्याह, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 03:10-12](#)
- [2 इतिहास 22:4-5](#)
- [2 राजा 01:17-18](#)
- [2 राजा 08:16-17](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3088, H3141, G2496

योशिय्याह

तथ्यः

योशिय्याह एक ईश्वर भक्त राजा था जिसने 31 वर्ष यहूदा पर राज किया था। उसने यहूदावासियों को मन फिराकर यहोवा की आराधना करने के लिए अगुवाई किया था।

- उसके पिता आमोन की हत्या के बाद योशिय्याह, उसके पुत्र ने आठ वर्ष की आयु में राजा का दायित्व संभाला।
- अपने राज्यकाल के अठारहवें वर्ष राजा योशिय्याह ने महायाजक हिलकिय्याह को आदेश दिया कि यहोवा के मन्दिर का पुनरुद्धार किया जाए। मन्दिर के पुनरुद्धार कार्य के समय व्यवस्था की पुस्तक मिली थी।
- जब व्यवस्था की पुस्तक योशिय्याह को पढ़कर सुनाई गई तब उसे बोध हुआ कि उसकी प्रजा परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं कर रही थी, इससे उसे बहुत दुःख हुआ। उसने आज्ञा दी कि मूर्ति-पूजा के सब स्थल नष्ट कर दिए जाएं और उनके पुजारियों को मार डाला जाए।
- उसने प्रजा को आज्ञा दी कि फसह के पर्व का उत्सव मनाना आरंभ किया जाए।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: मूरत, यहूदा, व्यवस्था, फसह, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 03:13-14](#)
- [2 इतिहास 33:24-25](#)
- [2 इतिहास 34:1-3](#)
- [यिर्मयाह 01:1-3](#)
- [मत्ती 01:9-11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2977, G2502

रखैल

परिभाषा:

“रखैल” किसी विवाहित पुरुष की दूसरी पत्नी होती है। रखैल प्रायः विधिवत विवाह की हुई पत्नी नहीं होती है।

- पुराने नियम में रखैलियाँ अधिकतर दासियां होती थी।
- रखैल को या तो खरीदा जाता था, या युद्ध में जीता जाता था या ऋण चुकाने के स्थान में लिया जाता था।
- राजा के लिए अनेक रखैलियां रखना शक्ति का प्रतीक था।

बाइबल सन्दर्भः

- [2 शमूएल 03:07](#)
- [उत्पत्ति 22:24](#)
- [उत्पत्ति 25:5-6](#)
- [उत्पत्ति 35:21-22](#)
- [उत्पत्ति 36:12](#)
- [न्यायियों 19:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3904, H6370

रथ

परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

- लोग युद्ध या यात्रा के लिए रथों में बैठते या खड़े होते थे।
- युद्ध में, जिस सेना के पास रथ थे, उसे बिना रथ वाली सेना की तुलना में गति और गतिशीलता का बड़ा लाभ होता था।
- प्राचीन मिस्री और रोमी अपने घोड़ों और रथों के उपयोग के लिए प्रसिद्ध थे।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 9:22](#)
- [2 इतिहास 18:28-30](#)
- [प्रे.का. 08:29](#)
- [प्रे.का. 08:38](#)
- [दानियेल 11:40-41](#)
- [निर्गमन 14:25](#)
- [उत्पत्ति 41:43](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 12:10** इस प्रकार उन्होंने इसाएलियों का समुद्र के मार्ग पर पीछा किया, परन्तु परमेश्वर ने मिस्रियों को घबरा दिया और उनके रथों को अटका दिया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2021, H4817, H4818, H7393, H7395, H7398, G07160, G44800

रपाई

परिभाषा:

“दानव” उस मनुष्य को कहते हैं जो कद और शक्ति में असामान्य रूप से बड़ा हो।

- पलिश्टी सैनिक गोलियत जो दाऊद से लड़ा उसको दानव कहा गया है क्योंकि वह बहुत लम्बा चौड़ा और बलवान पुरुष था।
- कनान का भेद लेने जो इसाएली भेदिए गये थे उन्होंने कहा कि वहां दानव बसते हैं।

(यह भी देखें: कनान, गोलियत, पलिश्टी)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 06:4](#)
- [गिनती 13:32-33](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1368, H5303, H7497

रब्बा

परिभाषा:

रब्बा अम्मोनियों का एक अत्यधिक महत्वपूर्ण नगर था।

- अम्मोनियों के साथ युद्ध करते समय इसाएली अधिकतर रब्बा नगर पर आक्रमण करते थे।
- इसाएल के राजा दाऊद ने अपने अन्तिम युद्ध अभियान में रब्बा नगर को जीत लिया था।
- आज का अम्मान जॉर्डन वहाँ स्थित है जहाँ प्राचीन रब्बा नगर हुआ करता था।

(यह भी देखें: अम्मोन, दाऊद)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 20:1](#)
- [2 शमूएल 12:26-28](#)
- [व्यवस्थाविवरण 03:11](#)
- [यहेजकेल 25:3-5](#)
- [यिर्म्याह 49:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7237

रब्बी

परिभाषा:

“रब्बी” शब्द का वास्तविक अर्थ है “मेरा स्वामी” या “मेरा गुरु”

- यह एक सम्मानित पदनाम है जो यहूदी धर्मगुरु के लिए काम में लिया जाता था, विशेष करके परमेश्वर की व्यवस्था का शिक्षक।
- यूहन्ना बप्तिस्मा देनेवाले को और यीशु को भी शिष्य कभी-कभी “रब्बी” कह कर संबोधित करते थे।

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे स्वामि” या “मेरे गुरु” या “माननीय शिक्षक महोदय” या “धर्म गुरु” कुछ भाषाओं में ऐसे अभिवादन को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है तो कुछ में नहीं लिखा जाता है।
- लक्षित भाषा में शिक्षकों को संबोधित करने की अपनी ही कोई विशिष्ट भाषा शैली हो सकती है।
- परन्तु सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद से यीशु को किसी पाठशाला का शिक्षक न समझा आए।
- यह भी अवलोकन करें कि सम्बन्धित भाषा में या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में “रब्बी” शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है।

देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें

(यह भी देखें: शिक्षक)

बाइबल सन्दर्भः

- [यूहन्ना 1:49-51](#)
- [यूहन्ना 6:24-25](#)
- [मरकुस 14:43-46](#)
- [मत्ती 23:8-10](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G44610

रहूबियाम

तथ्यः

रहूबियाम राजा सुलैमान के पुत्रों में से एक था, और सुलैमान के मरने के बाद वह इसाएल देश का राजा बना।

- अपने शासन की शुरुआत में, रहूबियाम अपने लोगों के साथ कठोर था, इसलिए इस्माएल के दस गोत्रों ने उसके खिलाफ विद्रोह किया और उत्तर में "इस्माएल का राज्य" बनाया।
- रहूबियाम यहूदा के दक्षिणी राज्य के राजा के रूप में बना रहा, जिसमें शेष दो गोत्र, यहूदा और बिन्यामीन शामिल थे।
- रहूबियाम एक दुष्ट राजा था जो यहोवा की बात नहीं मानता था, परन्तु इूठे देवताओं की उपासना करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्माएल राज्य, यहूदा, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 3:10](#)
- [1 राजा 11:41-43](#)
- [1 राजा 14:21](#)
- [मत्ती 01:7](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 18:05 सुलैमान की मृत्यु के बाद उसका पुत्र रहूबियाम उसके स्थान पर राजा हुआ। रहूबियाम एक मुर्ख मनुष्य था।
- 18:06 रहूबियाम ने मूर्खता से उत्तर दिया, और उन से कहा, "तुम ने सोचा, कि मेरे पिता सुलैमान ने तुम से कठिन परिश्रम कराया है, परन्तु मैं तुम से उस से अधिक परिश्रम करवाऊंगा, और उस से भी अधिक कठोर दण्ड दूँगा।"
- 18:07 इस्माएल राष्ट्र के दस गोत्रों ने रहूबियाम के विरुद्ध विद्रोह किया। केवल दो जनजातियाँ उसके प्रति वफादार रहीं।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7346, G44970

राज करना

परिभाषा:

"राज करना" का अर्थ है, कि किसी देश या राज्य की प्रजा पर राज करना। एक राजा का शासनकाल वह समय है, जिसके दौरान वह शासन कर रहा है।

- "राज करना," यह उक्ति सम्पूर्ण विश्व पर राजा होकर परमेश्वर द्वारा राज करने के सन्दर्भ में काम में ली जाती है।
- परमेश्वर ने मानवीय राजाओं को इस्माएल पर राज्य करने की अनुमति तब दी जब लोगों ने उसे अपने राजा के रूप में अस्वीकृत कर दिया था।
- मसीह यीशु जब पुनः आयेगा तब वह संपूर्ण सृष्टि पर राज करेगा और उसके विश्वासी उसके साथ राज करेंगे।
- इस शब्द का अनुवाद, "संपूर्ण राज" या "राजा स्वरूप शासन करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 तीमुथियुस 02:11-13](#)
- [उत्पत्ति 36: 34-36](#)
- [लूका 01:30-33](#)
- [लूका 19:26-27](#)
- [मत्ती 02:22-23](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3427, H4427, H4437, H4438, H4467, H4468, H4475, H4791, H4910, H6113, H7287, H7786, G757, G936, G2231, G4821

राजकीय

परिभाषा:

"राजसी" शब्द राजा या रानी से संबंधित वस्तुओं और मनुष्यों का संकेत देता है।

- जो वस्तुएं “राजकीय” कहलाती हैं उनके उदाहरण हैं, राजा के (या रानी के) पद, वस्त्र, महल, सिंहासन और मुकुट।
- राजा या रानी राज महल में रहते हैं।
- राजा के विशेष वस्त्र “राजसी वेशभूषा” कहलाते हैं। राजा का बागा बैंगनी रंग का होता था बैंगनी रंग एक अत्यधिक दुर्लभ एवं मूल्यवान रंजक रंगा जाता था।
- नये नियम में यीशु के विश्वासियों को “राजसी याजक” कहा गया है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “राजा स्वरूप परमेश्वर की सेवा में सेवारत याजक” या “परमेश्वर राजा के याजक होने हेतु बुलाए गए।”
- “राजसी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “राजा सदृश्य” या “राजा के होना”

(यह भी देखें: राजा, महल, याजक, बैंगनी, रानी, बागा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 राजा 10:13](#)
- [2 इतिहास 18:28-30](#)
- [आमोस 07:13](#)
- [उत्पत्ति 49: 19-21](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H643, H1921, H1935, H4410, H4428, H4430, H4437, H4438, H4467, H4468, H7985, G933, G934, G937

राजकुमार

परिभाषा:

“राजकुमार” राजा का पुत्र होता है। “राजकुमारी” राजा की पुत्री होती है।

- “राजकुमार” शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो अगुवे, शासक या अन्य अधिकार संपत्र मनुष्य के लिए होता है।
- अब्राहम की धन सम्पदा और प्रतिष्ठा के कारण हिती लोग उसे “राजकुमार” कहते थे।
- दानिय्येल की पुस्तक में “राजकुमार” शब्द “फारस का राजकुमार” या “यूनान का राजकुमार” के संदर्भ में काम में लिया गया है। जिसका संभावित अभिप्राय उन सामर्थी दुष्टात्माओं से है जो उस क्षेत्रों पर अधिकार रखती थी।
- दानिय्येल की पुस्तक में प्रधान स्वर्गदूत मीकाएल को भी “राजकुमार” कहा गया है।
- बाइबल में यदाकदा शैतान को “इस संसार का हाकिम” कहा गया है।
- यीशु को “शान्ति का राजकुमार” और “जीवन के कर्ता” कहा गया है।
- प्रे.का. 2:36 में यीशु को “प्रभु और मसीह” कहा गया है तथा प्रे.का. 5:31 में इसे “प्रभु और उद्धारकर्ता” कहा गया है जिससे “प्रभु” और “राजकुमार” के समानान्तर अर्थ प्रकट होते हैं।

अनुवाद के लिए सुझावः

- “राजकुमार” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “राजा का पुत्र” या “शासक” या “अगुआ” या “मुखिया” या “कप्तान”।
- स्वर्गदूतों के संदर्भ में इसका अनुवाद “शासक आत्मा” या “अगुआई करनेवाला स्वर्गदूत” हो सकता है।
- शैतान और दुष्टात्माओं के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “दुष्टात्माओं का शासक” या “सामर्थी आत्मा अगुओं” या “प्रशासक आत्मा” आदि जो प्रकरण पर निर्भर हों।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, अधिकार, मसीह, दुष्टात्मा, प्रभु सामर्थ्य, शासक, शैतान, उद्धारकर्ता, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 05:29-32](#)
- [उत्पत्ति 12:14-16](#)
- [उत्पत्ति 49:26](#)
- [लूका 01:52-53](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1, H117, H324, H2831, H3548, H4502, H5057, H5081, H5139, H5257, H5387, H5633, H5993, H6579, H7101, H7261, H7333, H7336, H7786, H7991, H8269, H8282, H8323, G747, G758, G1413, G2232, G3175

राजदण्ड**परिभाषा:**

"राजदण्ड" शब्द राजा जैसे शासक द्वारा पकड़े जानेवाले एक सजावटी डंडा को सूचित करता है।

- राजदण्ड नक्काशी की हुई पेड़ की एक लकड़ी होता था। बाद में सोने जैसी मूल्यवान धातुओं के भी राजदण्ड बनाए गए थे।
- राजदण्ड राजसी शैली और अधिकार का प्रतीक होता था जो राजा के सम्मान एवं मर्यादा को दर्शाता था।
- पुराने नियम में, परमेश्वर को हाथ में धार्मिकता का राजदण्ड पकड़े दर्शया गया है क्योंकि परमेश्वर अपने लोगों पर राजा होकर शासन करता है।
- पुराने नियम की एक भविष्यवाणी में मसीह को प्रतीकात्मक रूप में राजदण्ड कहा गया है जो इसाएल से निकलकर सब जातियों पर राज करेगा।
- इसका अनुवाद "शासन करने का दण्ड" या 'शासक का दंड' या "राजा का दण्ड" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकार, मसीह, राजा, धर्म)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [आमोस 01:5](#)
- [एस्तेर 04:11](#)
- [उत्पत्ति 49:10](#)
- [इब्रानियों 01:08](#)
- [गिनती 21:18](#)
- भजन संहिता 045:06

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2710, H4294, H7626, H8275, G4464

राजा**परिभाषा:**

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात् नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।
- बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है। "परमेश्वर का राज्य" अर्थात् अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।
- नये नियम में यीशु को "यहूदियों का राजा", "इस्राएल का राजा" और "राजाओं का राजा" कहा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "सर्वोच्च प्रधान" या "परम अगुआ" या "सत्ताधारी शासक"
- "राजाओं का राजा" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "सब राजाओं पर राज करने वाला राजा" या "सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है"।

(यह भी देखें: अधिकार, हेरोदेस अन्तिपास, राज्य, परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियुस 06:15-16](#)
- [2 राजा 05:17-19](#)
- [2 शमूएल 05:3-5](#)
- [प्रे.का. 07:9-10](#)
- [प्रे.का. 13:21-22](#)
- [यूहन्ना 01:49-51](#)
- [लूका 01:5-7](#)
- [लूका 22:24-25](#)
- [मत्ती 05:33-35](#)
- [मत्ती 14:8-9](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरैन कहते हैं उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
- **16:01** इस्माएलियों का उस समय कोई राजा न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
- **16:18** अतः लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक राजा चाहिए।
- **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्माएल का राजा बन गया। वह एक अच्छा राजा था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
- **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक राजा भी होगा।
- **48:14** दाऊद इस्माएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है!

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

राज्य**परिभाषा:**

राज्य अर्थात् राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
- “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आभिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।”
- परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु “परमेश्वर का राज्य” विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पण किया है।
- बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

अनुवाद के सुझाव:

- राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद “देश (एक राजा द्वारा शासित)” या “राजा का क्षेत्र” या “एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र” किया जा सकता है।
- आभिक अभिप्राय में, “राज्य” का अनुवाद “प्रशासन” या “शासन” या “नियंत्रण” या “संचालन” के रूप में किया जा सकता है।
- “याजकों के राज्य” का अनुवाद हो सकता है, “आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।”
- “ज्योति का राज्य,” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है” या “जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है” या “परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।” “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
- ध्यान दें कि “राज्य” शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट् कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: अधिकार, राजा, परमेश्वर का राज्य, इसाएल का राज्य, यहूदा, यहूदा, याजक)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 धिस्सलुनीकियों 02:12](#)
- [2 तीमुथियुस 04:17-18](#)
- [कुलुस्सियों 01:13-14](#)
- [यूहन्ना 18:36](#)
- [मरकुस 03:24](#)
- [मत्ती 04:7-9](#)
- [मत्ती 13:19](#)
- [मत्ती 16:28](#)
- [प्रकाशितवाक्य 01:09](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इसाएलियों से कहे, “इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टि में याजकों का **राज्य** और पवित्र जाति ठहरोगे।”
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इसाएल के **राज्य** को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **18:07** दस इसाएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का **राज्य** बन गए।
- **18:08** अन्य दस इसाएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने **राज्य** की स्थापना की और उसे इसाएल का **राज्य** कहा गया।
- **21:08** राजा वह होता है जो **राज्य** पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

रानी

परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

- राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
- रानी ईजेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
- शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
- “राज माता” राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते हैं या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। “राज माता” का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अतल्याह, एस्तेर, राजा, फारस, शासक, शीबा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 10:10](#)
- [1 राजा 11:18–19](#)
- [2 राजा 10:12–14](#)
- [प्रे.का. 08:27](#)
- [एस्तेर 01:17](#)
- [लूका 11:31](#)
- [मत्ती 12:42](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

रापा

रापा, रफाई, रफाईयों की घाटी

तथ्यः

“रापा” शब्द उन निवासियों के समूह का नाम है जो यर्दन नदी के पूर्वी किनारे पर रहते थे। इसका उपयोग मृत लोगों या उनकी आत्माओं के संदर्भ में भी किया जाता है। “रापा” को “रफाई” या “रापाईम्” कहा जाता है।

- इस लोगों के समूह के नाम पर एक घाटी थी, “रफाईयों की घाटी,” जिसका उल्लेख पुरानी वाचा में छह बार किया गया है।
- “रापा” एक इब्रानी शब्द का अंग्रेजी लिप्यंतरण है। यह निश्चित रूप से निर्धारित करना कठिन है कि “रापा” शब्द का क्या अर्थ है और परिणामस्वरूप “रापा” शब्द किस प्रकार के प्राणियों को संदर्भित करता है, चाहे वह जीवित लोगों का समूह हो, आत्माएं हों, या अर्ध-दैवीय प्राणी हों। इस कारण से कई अंग्रेजी अनुवादों ने मूल भाषा (इब्रानी) शब्द को “रफाई” या “रापा” के रूप में लिप्यंतरण करना चुना है। हो सकता है कि आप अपने अनुवाद में भी ऐसा ही करना चाहें।
- अथूब 26:5, भजन संहिता 88:10, नीतिवचन 2:18, नीतिवचन 9:18, नीतिवचन 21:16, यशायाह 14:9, यशायाह 26:14, और यशायाह 26:19 में “रफाई” शब्द उन लोगों को संदर्भित करता है जिनकी मृत्यु हो चुकी हैं या उनकी “आत्माओं” को।
- पुराने नियम में सभी अन्य घटनाओं में “रफाई” शब्द उन लोगों के समूह को संदर्भित करता है जो जीवित मानव थे और एक विशिष्ट लोगों के समूह का निर्माण करते थे।
- अम्मोनियों के जन समूह ने रफाईयों को “जमजुमीयों” के नाम से पुकारा (देखें व्यवस्थाविवरण 2:20)।
- शब्द “रापा” पुराने नियम में हर घटना में जीवित लोगों के समूह को संदर्भित करता है, सिवाय १ इतिहास 8:2 और 8:37 में। इन दोनों पदों में यह एक व्यक्ति के नाम को संदर्भित करता है (प्रत्येक पद में एक अलग व्यक्ति)।

(अनुवाद सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें, शब्दों की प्रतिलिपि कैसे बनाएं या उधार कैसे लें)

बाइबल संदर्भः

शब्द सूचीः

- स्ट्रॉन्गः

रामा

तथ्यः

रामा यरूशलेम से आठ कि.मी. दूर एक प्राचीन इस्राएली नगर था। यह नगर उस क्षत्र में था जहाँ बिन्यामीन गोत्र के लोग रहते थे।

- रामा में राहेल की मृत्यु हुई थी जब उसने बिन्यामीन को जन्म दिया था।
- बेबीलोन की सेना इस्राएलियों को बन्दी बना कर ले जा रही थी तब वे बेबीलोन पहुंचने से पूर्व रामा लाए गए थे।
- शमूएल के माता पिता का घर भी रामा में था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बिन्यामीन, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 27:27](#)
- [1 शमूएल 2:11](#)
- [2 इतिहास 16:1](#)
- [यिर्मायाह 31:15](#)
- [यहोशु 18:25-28](#)
- [मत्ती 02:17-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7414, G4471

रामोत

तथ्यः

रामोत यरदन नदी के निकट गिलाद के पहाड़ों में एक महत्वपूर्ण नगर था। उसे रामोत गिलाद भी कहते थे।

- रामोत इस्राएली गोत्र गाद के क्षेत्र में था और वह शरण नगर था।
- इस्राएल के राजा आहाब और यहूदा के राजा यहोशापात ने रामोत में अराम से युद्ध किया था। उस युद्ध में आहाब मारा गया था।
- कुछ समय बाद राजा अहज्याह और राजा योराम ने अराम के राजा से वह नगर पुनः प्राप्त करने का प्रयास किया था।
- रामोत गिलाद नगर ही में येहू को इस्राएल का राजा होने के लिए अभिषेक किया गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, अहज्याह, अराम, गाद, यहोशापात, येहू, योराम, यरदन नदी, यहूदा, शरण)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 06:71-73](#)
- [1 राजा 22:3-4](#)
- [2 इतिहास 18:1-3](#)
- [2 राजा 08:28-29](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7216, H7418, H7433

राहाब

तथ्यः

राहाब यरीहो वासी स्त्री थी जब इस्राएल ने यरीहो पर आक्रमण किया था। वह एक वैश्या थी।

- आक्रमण करने से पूर्व इस्राएल के दो भेदिये यरीहो में गए थे, उन्हें बचाने के लिए राहाब ने उन्हें छिपा लिया था। पुनः छावनी पहुंचने में उसने उनकी सहायता की थी।
- राहाब यहोवा की विश्वासिनी हो गई थी।
- राहाब और उसका परिवार यरीहो विनाश के समय छोड़ दिया गया था और वे सदैव इस्राएलियों के साथ रहने आए।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल, यरीहो, वैश्या)

बाइबल सन्दर्भ:

- [इब्रानियों 11:29-31](#)
- [याकूब 2:25](#)
- [यहोशू 2:21](#)
- [यहोशू 6:17-19](#)
- [मत्ती 1:5](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **15:1** उस शहर में **राहाब** नामक एक वेश्या रहती थी, उसने उन दोनों भेदियों को छिपा रखा और उन्हें भगाने में भी सहायता की क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करती थी। उन्होंने शपथ खाई कि इस्माएली जब यरीहो को नष्ट करेंगे तब **राहाब** और उसके परिवार की वे रक्षा करेंगे।
- **15:5**—तब इस्माएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया। उन्होंने केवल **राहाब** और उसके परिवार को छोड़ा, क्योंकि वे इस्माएलियों का ही भाग बन गए थे।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H7343, G4460

राहेल**तथ्यः**

राहेल याकूब की पत्नियों में से एक थी। राहेल यूसुफ और बिन्यामीन की माता थी, ये दोनों इस्माएल के दो गोत्र हुए।

- राहेल और उसकी बहन लिआः याकूब के मामा लाबान की पुत्रियां थी।
- वर्षों तक राहेल को सन्तान प्राप्ति नहीं हुई थी। तब परमेश्वर ने उसे योग्य बनाया और उसने यूसुफ को जन्म दिया।
- वर्षों बाद जब राहेल ने बिन्यामीन को जन्म दिया तब उसकी मृत्यु हो गई और याकूब ने उसे बैतलहम के पास दफन किया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, याकूब, लाबान, लिआः, यूसुफ (पुराना नियम), इस्माएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 29:4-6](#)
- [उत्पत्ति 29:19-20](#)
- [उत्पत्ति 29:28-30](#)
- [उत्पत्ति 31:4-6](#)
- [उत्पत्ति 33:1-3](#)
- [मत्ती 02:17-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7354, G4478

रिबका**तथ्यः**

रिबका अब्राहम के भाई नाहोर की पोती थी।

- परमेश्वर ने रिबका को अब्राहम के पुत्र इसहाक की पत्नी होने के लिए चुन लिया था।
- रिबका अरामनहरैम के उस प्रदेश को छोड़कर जहाँ वह रहती थी अब्राहम के सेवक के साथ दक्षिण देश में गई जहाँ इसहाक रहता था।
- लंबे समय तक रिबका के कोई संतान नहीं हुई, लेकिन आखिरकार परमेश्वर ने उसे जुड़वा लड़कों, एसाव और याकूब के साथ आशीर्वाद दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, अराम, एसाव, इसहाक, याकूब, नाहोर, नेगेब)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 24:15-16](#)
- [उत्पत्ति 24:45-46](#)
- [उत्पत्ति 24:56-58](#)
- [उत्पत्ति 24:63-65](#)
- [उत्पत्ति 25:27-28](#)
- [उत्पत्ति 26:6-8](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **06:02** एक लंबी यात्रा के बाद, जब वह दास उस नगर में गया जहाँ अब्राहम के कुटुम्बी रहते थे, तब परमेश्वर ने उस दास के सामने **रिबका** को भेजा। वह अब्राहम के भाई की पोती थी।
- **06:06** परमेश्वर ने **रिबका** से कहा, "तेरे गर्भ में दो जातियाँ हैं,"
- **07:01** फिर वे लड़के बढ़ने लगे, **रिबका** याकूब से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था।
- **07:03** इसहाक बहुत बूढ़ा हो गया था, वह अपना आशीर्वाद एसाव को देना चाहता था। पर इससे पहले वह ऐसा करता, रिबका ने याकूब को एसाव के स्थान पर इसहाक के पास भेज दिया।
- **07:06_परन्तु रिबका** को एसाव की योजना का पता चला। तो उसने याकूब को अपने कुटुम्बियों के पास भेज दिया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7259

रिम्मोन**तथ्यः**

रिम्मोन बाइबल में एक पुरुष का और अनेक स्थानों का नाम था। एक झूठे देवता का भी यही नाम था।

- रिम्मोन नगर एक पुरुष बिन्यामीनी था जो जबूलून कीरोत नगर का निवासी था। इस पुरुष ने योनातान के विकलांग पुत्र ईशबोशेत की हत्या की थी।
- रिम्मोन यहूदा के दक्षिणी क्षेत्र में बिन्यामीन के क्षेत्र में एक नगर था।
- रिम्मोन की चट्टान "एक सुरक्षा का स्थान था जहाँ बिन्यामीनी युद्ध में मारे जाने से बचकर छिपे थे।
- यहूदा के जंगल में "रिम्मोन परेज" एक अज्ञात स्थान था।
- सीरिया के सेना नायक नामान ने रिम्मोन देवता का उल्लेख किया है जहाँ सीरिया के राजा उपासना करते थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बिन्यामीन, यहूदिया, नामान, सीरिया, जबूलून)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 05:17-19](#)
- [2 शमूएल 04:5-7](#)
- [न्यायियों 20:45-46](#)
- [न्यायियों 21:13-15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7417

रीछ**परिभाषा:**

रीछ भूरा या काले रंग का रोमदार पशु है जिसके दांत और पंजे तीक्ष्ण होते हैं। बाइबल के युग में रीछ एक सामान्य वन पशु था।

ये पशु जंगलों और पहाड़ों में रहते हैं तथा मछली, कीड़े और पौधे खाते हैं।

- पुराने नियम में रीछ शक्ति का प्रतीक था।
- भेड़ों की रखवाली करते समय दाऊद ने एक रीछ को मार गिराया था।
- कुछ लड़के एलीशा का मज़ाक उड़ा रहे थे तब दो रीछ जंगल से निकल कर आए और उन्हें मार डाला।

(यह भी देखें: दाऊद, एलीशा)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1677, G715

रूत

तथ्य:

रूत एक मोआबी स्त्री थी, जो इस्साएल में न्यायियों के युग में थी। उसने एक इस्साएली से विवाह मोआब में किया था, जब वह अकाल के कारण अपने परिवार के साथ वहां चले गए थे जब न्यायधीश इस्साएल में थे। रूत के पति की मृत्यु हो गई, कुछ समय पश्चात उसकी सास, नाओमी अपने अधिवास बैतलहम लौट रही थी तो उसने भी अपनी सास के साथ जाने का निर्णय लिया।

- रूत नाओमी की निष्ठावान रही और उसके लिए भोजन व्यवस्था करती रही।
- वह इस्साएल के एकमात्र सच्चे परमेश्वर की सेवा में समर्पित हो गई थी।
- रूत का विवाह एक इस्साएली पुरुष बोआज के साथ हो गया था, उसका पुत्र यीशु के पूर्वज राजा दाऊद का दादा था। क्योंकि राजा दाऊद यीशु मसीह का पूर्वज था इसलिए रूत भी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज़, दाऊद, न्याय)

बाइबल सन्दर्भ:

- [मत्ती 01:4-6](#)
- [रूत 01:3-5](#)
- [रूत 03:8-9](#)
- [रूत 04:5-6](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7327, G4503

रूबेन

तथ्य:

रूबेन याकूब का पहिलौठा था। उसकी माता का नाम लिआ था।

- यूसुफ के भाई जब उसकी हत्या करना चाहते थे तब रूबेन ने उसे गड्ढे में डलवा कर उसकी जान बचाई थी।
- रूबेन बाद में यूसुफ को गड्ढे से निकालने आया, परन्तु उसके अन्य भाइयों ने उसे वहां से जानेवाले व्यापारियों के हाथ दास होने के लिए बेच दिया था।
- रूबेन के वंशज इस्साएल के बारह गोत्रों में से एक बने थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब, यूसुफ (पुराना नियम), लिआ:, इस्साएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 29:31-32](#)
- [उत्पत्ति 35:21-22](#)
- [उत्पत्ति 42:21-22](#)
- [उत्पत्ति 42:37-38](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7205, H7206, G4502

रेहन

परिभाषा:

“रेहन” औपचारिक रूप से एवं सत्यनिष्ठा से की बात को करने या किसी वस्तु को देने की प्रतिज्ञा करना।

- पुराने नियम में इसाएल के अधिकारियों ने दाऊद के साथ निष्ठा निभाने का वचन दिया था।
- वचन बद्धता के प्रतीक स्वरूप दी गई वस्तु प्रतिज्ञा पूर्ति के समय उसके स्वामी को लौटा दी जाती थी।
- “वचन देने” का अनुवाद हो सकता है, “विधिवत समर्पण करना” या “दढ़ प्रतिज्ञा करना”
- इस शब्द का उपयोग उस वस्तु के लिए भी किया जाता है जो ऋण चुकाने के आश्वासन या प्रतिज्ञा स्वरूप रखी जाती है।
- “वचन देना” का अनुवाद हो सकता है, “विधिवत प्रतिज्ञा करना” या “औपचारिक समर्पण” या “प्रति भू” या “औपचारिक आश्वासन” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: प्रतिज्ञा, शपथ, शपथ)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 कुरियियों 05:4-5](#)
- [निर्गमन 22:25-27](#)
- [उत्पत्ति 38:17-18](#)
- [नहेमायाह 10:28-29](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H781, H2254, H2258, H5667, H5671, H6148, H6161, H6162, G728

रोटी

परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
- रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है। (देखें: उपलक्षण)
- “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थीं जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इसाएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थीं और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्त्र के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्माएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
- यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो धायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फसह, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर, अखमीरी रोटी, खमीर)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 02:46-47](#)
- [प्रे.का. 27:33-35](#)
- [निर्गमन 16:13-15](#)
- [लूका 09:12-14](#)
- [मरकुस 06:37-38](#)
- [मत्ती 04:1-4](#)
- [मत्ती 11:18-19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

रोम**तथ्यः**

नये नियम के युग में रोम नगर रोमी साम्राज्य की राजधानी था। आज वह इटली देश की राजधानी है।

- रोम साम्राज्य भूमध्य-सागर के संपूर्ण क्षेत्र, इस्त्राएल पर भी राज कर रहा था।
- “रोमी” शब्द उन सब क्षेत्रों के संदर्भ में है जिन पर रोमी सरकार की सत्ता थी जिनमें रोमी नागरिक और रोमी अधिकारी भी थे।
- प्रेरित पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह यीशु का शुभ सन्देश सुनाता था।
- नए नियम की पुस्तक “रोमियों की पत्री” पौलुस द्वारा रोम के मसीही विश्वासियों को लिखा पत्र है।

(यह भी देखें: शुभ सन्देश, समुद्र, पिलातुस, पौलुस)

बाइबल के सन्दर्भः

- [2 तीमुथियुस 1:15-18](#)
- [प्रे.का. 22:25](#)
- [प्रे.का. 28:14](#)
- [यूहन्ना 11:48](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 23:4 जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, रोमी सरकार ने आज्ञा दी कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने नगर को जाए।
- 32:6 तब यीशु ने उस दुष्टात्मा से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम सेना है: क्योंकि हम बहुत हैं।” (“सेना” रोमी सेना में 6000 सैनिकों का दल होता है।)
- 39:9 अगली सुबह यहूदी नेताओं ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमी राज्यपाल था, इस आशा से कि वह मार डाला जाए।
- 39:12 रोमी सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और राजसी बागा पहनाकर उसके सिर पर काँटों का मुकुट रखा। तब उन्होंने यह कहकर यीशु का मज़ाक उड़ाया, देखो! “यहूदियों का राजा”।

शब्द तथ्यः

- Strong's: G4514, G4516

रैंदे**परिभाषा:**

“कुचलना” अर्थात् पांव रखकर नष्ट कर देना। बाइबल में इस उक्ति का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है, “नष्ट करना” या “हराना” या “अपमान करना” है।

- "रैंदना" का एक और उदाहरण हो सकता है लोगों द्वारा मैदान में दौड़ने के कारण घास का कुचला जाना।
- प्राचीन युग में, अंगूर को पांवों से कुचला (रैंधा) जाता था कि उसका रस निकले।
- कभी-कभी "रैंदना" का प्रतीकात्मक अर्थ है "अपमानित करके दंडित करना" की तुलना यह खलिहान के लिए कीचड़ कुचलता है।
- "रैंदना" शब्द परमेश्वर द्वारा इसाएल को दण्ड देने के लिए प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है कि उन्हें उनके अभिमान और विद्रोही प्रकृति से गिराया जाए।
- "रैंदे" का अन्य अनुवाद हो सकता है, "पांवों तले कुचलना" या "पांवों से रैंदना" या "ठोकना और कुचलना" या "जमीन में रैंदना"।
- सन्दर्भ के अनुसार, इस शब्द का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अंगूर, निरादर करना, दण्ड, बलवा, दांवना, दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- [इब्रानियों 10:28-29](#)
- भजन संहिता 007:5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H947, H1758, H1869, H4001, H4823, H7429, H7512, G2662, G3961

लटका हुआ

परिभाषा:

"लटका हुआ" अर्थात् किसी वस्तु या मनुष्य को भूमि से ऊपर अधर में रखना।

- आधुनिक युग में, फाँसी देकर मारने में रस्सी का फँदा बनाकर मनुष्य के गले में डाला जाता है और उसे किसी ऊँची वास्तु से लटका दिया जाता है, जब तक वह मर न जाए। ये ऊँची वस्तुएँ नाना प्रकार की होती हैं जैसे वृक्ष या फाँसी का फँदा अर्थात् मनुष्य को मारने के लिए लटकाने हेतु विशेष रूप से तैयार किया गया मंच।
- बाइबल के युग में, प्राचीन संस्कृतियों में ठीक ऐसी ही विधि द्वारा लटका कर मारा नहीं जाता था। उदाहरणार्थ, यीशु की मृत्यु लकड़ी के क्रूस (कभी-कभी उसको वृक्ष कहा गया है) पर लटकाए जाने से हुई थी, परन्तु उसके गले पर कुछ नहीं था। सैनिकों ने उसके हाथ और पांवों को क्रूस की लकड़ी पर कीलों से ठोक कर उसे क्रूस पर लटकाया था।
- कुछ प्राचीन संस्कृतियों में मनुष्य को लकड़ी के खम्भे पर इस प्रकार लटका देते थे कि वह भूमि से ऊपर अधर में लटका रहे और बचकर भाग न पाए और वह मनुष्य मरने तक लटका ही रहता था।

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 17:23](#)
- [प्रे.का. 10:39](#)
- [गलातियों 03:13](#)
- [उत्पत्ति 40:22](#)
- [मत्ती 27:3-5](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2614, H3363, H8518, G519

लबानोन

तथ्य:

लबानोन एक अति सुंदर पर्वतीय प्रदेश है जो इसाएल के उत्तर में भूमध्यसागर के तट पर है। बाइबल के युग में यह स्थान सनोवर के देवदारू और सरू के वृक्षों से घिरा हुआ था।

- सुलैमान ने लबानोन में श्रमिक भेजे थे कि परमेश्वर के मन्दिर के निर्माण हेतु पेड़ काट कर लाएं।
- प्राचीन लबानोन में फिनिके वासी रहते थे जो पानी के जहाज बनाने में कुशल कारीगर थे, ये जहाज समुद्र में सफल व्यापार के लिए काम में लिए जाते थे।
- सूर और सैदा नगर लबानोन ही में थे। इन्हीं नगरों में बहुमूल्य बैजनी रंग सबसे पहले काम में लिया गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: देवदारू, सरू, सनोवर, फिनिके)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 4:32-34](#)
- [2 इतिहास 2:8-10](#)
- [व्यवस्थाविवरण 1:7-8](#)
- भजन संहिता 29:3-5
- [जकर्याह 10:8-10](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3844

लहू बहाना

परिभाषा:

“लहू बहाने” का अर्थ है हत्या, युद्ध या अन्य किसी हिंसा द्वारा मनुष्यों की हत्या।

- इस शब्द का अर्थ है, “रक्तपात” जिसका अर्थ है चोट लगने के कारण मनुष्य के शरीर से रक्त बहना।
- “लहू बहाने” को प्रायः मनुष्यों के संहार के लिए काम में लिया जाता है।
- इसका उपयोग सामान्यतः हत्या के पाप के लिए भी किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “लहू बहाने” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्यों की हत्या” या “अनेक मनुष्यों की हत्या की गई”।
- “लहू बहाने के द्वारा” का अनुवाद “मनुष्यों की हत्या के द्वारा”
- “निर्दोषों का लहू बहाना” का अनुवाद “निर्दोषों की हत्या करना” हो सकता है।
- “हत्या के बाद हत्या” का अनुवाद हो सकता है, “वे मनुष्यों को मारते रहे” या “मनुष्यों की हत्या का क्रम चलता रहता है”, या “उन्होंने अनेकों की हत्या की और कर रहे हैं”, या “मनुष्य मनुष्यों की हत्या करते रहते हैं”।
- एक और प्रतीकात्मक उपयोग है, “हत्याएं तुम्हारा पीछा नहीं छोड़ेगी” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हारे लोगों की हत्या होती रहेगी” या “तुम्हारे लोग मारे जाते रहेंगे” या “तुम्हारे लोग जाति-जाति से युद्ध करते हुए मरते रहेंगे”।

(यह भी देखें: लहू, वध करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 22:6-8](#)
- [उत्पत्ति 09:5-7](#)
- [इब्रानियों 09:21-22](#)
- [यशायाह 26:20-21](#)
- [मत्ती 23:29-31](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1818, G2210

लाजर

तथ्यः

लाजर और उसकी बहनें, मार्था और मरियम यीशु के विशेष मित्र थे। यीशु बैतनिय्याह में उनके के घर में प्रायः ठहरा करता था।

- लाजर इसलिए जाना जाता है कि यीशु ने उसे मरने के बाद फिर जीवित किया था, वह अनेक दिन कब्र में रहा था।
- यहूदी अगुवे यीशु के इस आश्वर्यकर्म से क्रोधित थे वरन् डाह करते थे, अतः वे यीशु और लाजर दोनों ही की हत्या करने का अवसर खोज रहे थे।
- यीशु ने एक दृष्टान्त भी सुनाया था जिसमें एक गरीब मनुष्य था और एक धनवान मनुष्य था, उस गरीब मनुष्य का नाम भी “लाजर” था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: विनती, यहूदी अगुवे, मार्था, मरियम, खड़ा करना)

बाइबल सन्दर्भः

- [यूहन्ना 11:11](#)
- [यूहन्ना 12:1-3](#)
- [लूका 16:21](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- 37:1 एक दिन, यीशु को संदेश मिला कि लाजर बहुत बीमार है। लाजर और उसकी दो बहिन, मार्था और मरियम, यीशु को बहुत प्रिय थे।
- 37:2 यीशु ने कहा, “हमारा मित्र लाजर सो गया है, परन्तु मैं उसे जगाने जाता हूँ।”
- 37:3 यीशु के चेलो ने उत्तर दिया, “हे प्रभु यदि वह सो गया है, तो स्वस्थ हो जाएगा।” तब यीशु ने उनसे स्पष्ट कह दिया, “लाजर मर गया है”
- 37:4_जब यीशु लाजर के गृहनगर पहुँचा, तो लाजर को कब्र में रखे चार दिन हो चुके थे।
- 37:6 यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाजर को कहाँ रखा है?”
- 37:9 यह कहकर उसने बड़े शब्द से पुकारा, “हे लाजर निकल आ।”
- 37:10 लाजर बाहर निकल आया। वह अभी भी कफन में लिपटा हुआ था।
- 37:11_परन्तु यहूदियों के धर्म गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने यीशु और लाजर को मार डालने के लिए आपस में योजना बनाना आरम्भ किया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G29760

लाठी

परिभाषा:

“लाठी” एक पतली लम्बी लकड़ी होती है जिसका उपयोग नाना प्रकार से किया जाता है। इसकी लम्बाई लगभग एक मीटर की होती थी

- चरवाहे हिंसक पशुओं से भेड़ों की रक्षा करने के लिए लाठी साथ रखते थे। लाठी फेंक कर भटकती हुई भेड़ को झुण्ड में लाया जाता था।
- भजन 23 में राजा दाऊद ने “सौठे” और “लाठी” शब्दों को काम में लिया हैं जो उसके लोगों के लिए उसके मार्गदर्शन और अनुशासन के रूपक हैं।
- चरवाहा अपनी लाठी उठाकर भेड़ों की उसके नीचे से निकाल कर उनकी गिनती करता था।
- “लोहे का दण्ड” भी परमेश्वर से विमुख काम करने वालों के लिए परमेश्वर के दण्ड का प्रतीक है।
- प्राचीन युग में मापदण्ड धातु, लकड़ी या पत्थर के बने होते थे जिनकी सहायता से किसी ईमारत या वस्तु की लम्बाई नापी जाती थी।
- बाइबल में लकड़ी की छड़ी बच्चों के अनुशासन के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: लाठी, भेड़, चरवाहे)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 कुरियियों 4:21](#)
- [1 शमूएल 14:43-44](#)
- [प्रे.का. 16:22](#)
- [निर्गमन 27:9-10](#)
- [प्रकाशितवाक्य 11:1](#)

शब्द तथ्य:

- स्टोंग्स: H2415, H4294, H4731, H7626, G25630, G44630, G44640

लाठी

परिभाषा:

लाठी एक लम्बी लकड़ी होती थी जिसका उपयोग चलने में सहारा लेने के लिए किया जाता था।

याकूब अपनी वृद्धावस्था में चलने के लिए लाठी का सहारा लेता था। परमेश्वर ने अपना सामर्थ्य प्रकट करने के लिए मूसा की लाठी को सांप बना दिया था। चरवाहे भी लाठी का उपयोग

करके भेड़ों को चलाते थे या वे गिर जाएं या भटक जाएं तो उनका बचाव करते थे। चरवाहे की लाठी के सिरे पर एक कांटा होता था परन्तु वह चरवाहे की लाठी से भिन्न होती थी क्योंकि चरवाहे की लाठी सीधी होती थी और भेड़ों पर आक्रमण करने वाले वन पशुओं को मारने के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: फिरैन, सामर्थ्य, भेड़, चरवाहा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [निर्गमन 4:1-3](#)
- [निर्गमन 7:9](#)
- [लूका 9:3](#)
- [मरकुस 6:7-9](#)
- [मत्ती. 10:8-10](#)
- [मत्ती. 27:29](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4132, H4294, H4731, H4938, H6086, H6418, H7626, G25630, G35860, G44640

लाबान

तथ्य:

पुराने नियम में लाबान याकूब का मामा और ससुर दोनों था।

- याकूब पद्मनाराम में लाबान के घर में रहा था और उसकी पुत्रियों से विवाह करने की शर्त में उसकी भेड़ बकरियों को संभालता था।
- याकूब लाबान की पुत्री राहेल से विवाह करना चाहता था।
- लाबान ने धोखे से अपनी बड़ी पुत्री राहेल की बहन लिआः से उसका विवाह कर दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब, नाहोर, लिआः, राहेल)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 24:28-30](#)
- [उत्पत्ति 24:50-51](#)
- [उत्पत्ति 27:43-45](#)
- [उत्पत्ति 28:1-2](#)
- [उत्पत्ति 29:4-6](#)
- [उत्पत्ति 29:13-14](#)
- [उत्पत्ति 30:25-26](#)
- [उत्पत्ति 46:16-18](#)

- इसका शाब्दिक अर्थ है कि किसी लाभ का न होना या लाभ उठाने में किसी के सहायक न होना।
- अलाभकारी काम को करना व्यर्थ है क्योंकि उससे किसी प्रकार का लाभ नहीं होता है।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "निकम्मा" या "अनुचित" या "अनुपयोगी" या "अयोग्य" या "अहितकर" या "कोई लाभ का नहीं"

(यह भी देखें: योग्य)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3837

लाभ**परिभाषा:**

सामान्यतः, "लाभ" और "लाभदायक" शब्दों का सन्दर्भ किसी निश्चित कार्य या व्यवहार के द्वारा किसी भलाई को पाना।

कोई वस्तु किसी के लिए लाभदायक है, यदि उससे उसकी भलाई उत्पन्न होती है या उससे उसको सहायता मिलती है कि मनुष्यों के लिए भलाई उत्पन्न करे।

- "लाभ" विशेष करके व्यापार में पैसा मुनाफ़ा प्राप्त करने के संदर्भ में होता है। व्यापार लाभदायक होता है जहां निवेष से अधिक पैसा प्राप्त हो।
- कर्म लाभकारी तब होते हैं जब उनके द्वारा मनुष्यों को लाभ होता है।
- 2 तीमु. 3:16 में लिखा है कि संपूर्ण पवित्रशास्त्र मनुष्यों के सुधार और शिक्षा के लिए "लाभदायक" है। इसका अर्थ है कि बाइबल की शिक्षाएँ मनुष्यों को परमेश्वर की इच्छा का जीवन जीने में सहायता और उपयोगी हैं।

"अलाभकारी" शब्द का अर्थ उपयोगी नहीं होना है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "लाभ" का अनुवाद "हित" या "सहायता" या "प्राप्ति" हो सकता है।
- "लाभदायक" का अनुवाद "उपयोगी" या "हितकारी" या "सहायक" हो सकता है।
- "किसी" से लाभ उठाना" का अनुवाद हो सकता है, "किसी से हित प्राप्ति" या "से पैसा प्राप्त करना" या "से सहायता प्राप्त करना"
- व्यापार के संदर्भ में "लाभ" का अनुवाद ऐसे शब्द या व्याख्यांश द्वारा किया जाए जिसका अर्थ "पैसों का लाभ" या "पैसों की अधिकता" या "अतिरिक्त पैसा" हो।

बाइबल संदर्भः

- [अयू३ 15:3](#)
- [नीति 10:16](#)
- [यिर्म्याह 2:8](#)
- [यहेजकेल 18:12-13](#)
- [यूहन्ना 6:63](#)
- [मरकुस 8:36](#)
- [मत्ती 16:26](#)
- [२ पतरस 2:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- स्टोंग्स: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

लाभ-आत्मिक**परिभाषा:**

जब आत्मिक अर्थ में "लाभ" और "लाभदायक" शब्दों का प्रयोग किया जाता है, तो उनका तात्पर्य कुछ निश्चित कार्यों या व्यवहारों को करने (या किसी और द्वारा करने) के माध्यम से आत्मिक रूप से लाभकारी कुछ प्राप्त करने से होता है।

कोई चीज़ किसी के लिए आत्मिक रूप से "लाभदायक" है अगर उससे उसे आत्मिक लाभ मिलता है।

- कार्य आत्मिक रूप से लाभदायक होते हैं यदि वे परमेश्वर को प्रसन्न करते हैं तथा उस व्यक्ति और/या अन्य लोगों को आत्मिक लाभ पहुंचाते हैं।
- 2 तीमुथियुस 3:16 कहता है कि सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र "लाभदायक" हैं लोगों को सुधारने और धार्मिकता की शिक्षा देने के लिए। इसका मतलब है कि बाइबल की शिक्षाएँ लोगों को परमेश्वर की इच्छा के मुताबिक जीना सिखाने में मददगार और उपयोगी हैं।

इस अर्थ में "लाभहीन" शब्द का अर्थ है लाभकारी या सहायक न होना।

- इसका शाब्दिक अर्थ है किसी भी चीज से लाभ न उठाना या किसी को कोई लाभकारी चीज प्राप्त करने में सहायता न करना।
- जो काम आत्मिक रूप से लाभहीन है वह करने योग्य नहीं है क्योंकि उससे परमेश्वर प्रसन्न नहीं होते और उससे कोई आत्मिक लाभ या प्रतिफल नहीं मिलता।
- इसका अनुवाद "लाभहीन" या "अलाभकारी" या "बेकार" या "उपयोगी नहीं" या "कोई लाभ न देने वाला" के रूप में किया जा सकता है।

(देखें: योग्य, लाभ-सांसारिक)

अनुवाद सुझावः

- संदर्भ के आधार पर, "लाभ" शब्द का अनुवाद "भला" या "सहायता" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "लाभदायक" शब्द का अनुवाद "उपयोगी" या "लाभकारी" या "सहायक" के रूप में किया जा सकता है।
- किसी चीज़ से "लाभ उठाना" का अनुवाद "फ़ायदा उठाना" या "सहायता प्राप्त करना" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भः**शब्द विवरणः**

लिआः

तथ्यः

लिआः याकूब की पत्रियों में से एक थी। वह याकूब के छह बेटों में से एक थी: रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, और जेबुलुन। वह दीना की माँ भी थी।

- लिआः का पिता लाबान था जो याकूब की माता रिबका का भाई था।
- याकूब लिआः से उतना प्रेम नहीं करता था जितना वह राहेल से प्रेम करता था। परन्तु परमेश्वर ने लिआः को अधिक सन्तान देकर आशिष्ट किया था।
- लिआः के पुत्रों में से एक यहूदा, राजा दाऊद और यीशु का पूर्वज था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याकूब, यहूदा, लाबान, राहेल, रिबका, इसाएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 29:15-18](#)
- [उत्पत्ति 29:28-30](#)
- [उत्पत्ति 31:4-6](#)
- [रूत 04:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3812

लिव्यातान

तथ्यः

लिव्यातान एक विशाल विलुप्त प्राणी जिसकी चर्चा पुराने नियम के अर्थात् की पुस्तक, भजन संहिता और यशायाह में है।

- लिव्यातान का वर्णन एक विशाल सर्प जैसे प्राणी के रूप में किया गया है जो अत्यधिक शक्तिशाली एवं भयानक है और अपने चारों ओर के पानी को उबाल देता है। इसका वर्णन डायनेसोर के जैसा है।
- यशायाह भविष्यद्वक्ता लिव्यातान को “रेंगनेवाला सर्प” कहता है।
- अर्थात् लिव्यातान की चर्चा देखते हुए करता है जिसका अर्थ है कि यह प्राणी उसके समय में जीवित था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: यशायाह, अर्थात्, सर्प)

बाइबल सन्दर्भः

- [अर्थात् 03:8-10](#)
- भजन संहिता 104:25-26

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3882

लुस्ता

तथ्यः

लुस्ता प्राचीन एशिया माइनर में एक नगर था जहां पौलुस ने अपने प्रचार यात्रा के दौरान दौरा किया था। वह लुकाउनिया क्षेत्र में था जो आज के तुर्किस्तान का भाग है।

- पौलुस और उसके साथी इकुनियम में यहूदियों की धमकी के कारण दिरबे और लुस्ता चले गए थे।
- लुस्ता में पौलुस की भेंट तीमुथियुस से हुई थी, तीमुथियुस पौलुस का साथी प्रचारक और कलीसिया का संस्थापक हुआ।
- लुस्ता में एक लंगड़े मनुष्य को स्वास्थ्य प्रदान करने के कारण वहां के लोगों ने पौलुस और बरनबास की पूजा करने का प्रबन्ध किया वे उन्हें देवता समझने लगे थे परन्तु पौलुस ने उन्हें झिङ्क कर ऐसा अनर्थ करने से रोका।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: सुसमाचार प्रचारक, इकुनियम, तीमुथियुस)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 तीमु. 3:10-13](#)
- [प्रे.का. 14:6](#)
- [प्रे.का. 14:8](#)
- [प्रे.का. 14:21-22](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G3082

लूका**तथ्यः**

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को बैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
- लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
- कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अन्ताकिया, पौलुस, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 तीमु. 4:11-13](#)
- [कुलुस्सियों 4:12-14](#)
- [फिलेमोन 01:24](#)

शब्द तथ्यः

स्ट्रोग्स: G3065

लूटना**तथ्यः**

शब्द "लूट का माल" और "लूटना," जब संज्ञा के रूप में उपयोग किए जाते हैं, तो उन चीजों को संदर्भित करते हैं जो किसी व्यक्ति या स्थान से बलपूर्वक छीन ली जाती है, सामान्यतः युद्ध के समय में। क्रिया "लूटना" का अर्थ है किसी व्यक्ति या स्थान से चीजें लेना, सामान्यतः बलपूर्वक और युद्ध के समय में।

- युद्ध के संदर्भ में क्रिया "लूटना" का अनुवाद करते समय आपको "चोरी" के अलावा किसी अन्य शब्द का उपयोग करना चाहिए क्योंकि "चोरी करना" सामान्यतः गलत काम करने को दर्शाता है और युद्ध में किसी चीज को "लूटना" आवश्यक रूप से पाप नहीं है।
- आप क्रिया "लूटना" का अनुवाद "छीनना" जैसे शब्द से या वर्णनात्मक वाक्यांश "माल ले जाना" से कर सकते हैं।
- आप शब्द "लूट का माल" का अनुवाद एक वर्णनात्मक वाक्यांश जैसे "लूटा हुआ माल" या "लूटी हुई चीजें" से कर सकते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, आप शब्द "लूटना" का अनुवाद एक वर्णनात्मक वाक्यांश जैसे "जब्त किया गया माल" से कर सकते हैं या किसी अन्य वर्णनात्मक वाक्यांश से या "लूट का माल" या "लूट का सामान" जैसे शब्द से कर सकते हैं।
- आपकी भाषा में उन चीजों के लिए कोई शब्द हो सकता है जो बलपूर्वक और/या युद्ध के समय ली जाती हैं।

बाइबल सन्दर्भः**शब्द विवरणः**

- स्ट्रॉन्ग्स :

लूत**तथ्यः**

लूत अब्राहम का भतीजा था।

- वह अब्राहम के भाई हारान का पुत्र था।
- लूट अब्राहम के साथ कनान आया था और सदोम नगर में बस गया।
- लूट मोआबियों और अम्मोनियों का मूल पुरुष था।
- जब बैरियों ने सदोम पर आक्रमण करके वहाँ के निवासियों में लूट को भी बन्दी बना लिया था तब अब्राहम अपने सैंकड़ों पुरुषों को लेकर गया और उन सब को तथा सम्पूर्ण लूट को छुड़ा लाया था।
- सदोम के निवासी दुष्टता की सीमा पार कर गए थे इसलिए परमेश्वर ने उस नगर को नष्ट कर दिया। परन्तु उसने लूट और उसके परिवार को पहले बाहर निकाला कि वे बच जाएं।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, अम्मोन, हारान, मोआब, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पतरस 02:7-9](#)
- [उत्पत्ति 11:27-28](#)
- [उत्पत्ति 12:4-5](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3876, G30910

लेपालक

परिभाषा:

"गोद लेना" और "लेपालक" अर्थात् माता-पिता के अतिरिक्त किसी के द्वारा किसी को कानून रूप से गोद लेने की प्रक्रिया।

- बाइबल में "लेपालक" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है जो प्रकट करता है कि परमेश्वर, मनुष्यों अपने परिवार का सदस्य बनाता है, उन्हें अपना आत्मिक पुत्र-पुत्री बना लेता है।
- लेपालक सन्तान होने के कारण विश्वासी मसीह यीशु के संगी वारिस हो गए हैं और उन्हें परमेश्वर के पुत्र-पुत्री के सब सौभाग्य प्राप्त हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद में ऐसा शब्द काम में लिया जाए जो माता-पिता और सन्तान के विशिष्ट संबन्ध को दर्शाए। सुनिश्चित करें कि इसका प्रतीकात्मक या आत्मिक अर्थ स्पष्ट हो।
- "लेपालक पुत्रों का अनुभव" इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर द्वारा पुत्र होने के लिए गोद ले लेना" या "परमेश्वर की (आत्मिक) सन्तान होना"।
- "पुत्रों की गोद लेने की प्रतीक्षा करें" इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के बच्चे बनने के लिए तत्पर हैं" या "उम्मीद में परमेश्वर के लिए प्रतीक्षा करें बच्चों के रूप में प्राप्त करने के लिए"
- वाक्यांश "उन्हें अपनाना" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "उन्हें अपने बच्चों के रूप में प्राप्त करें" या "उन्हें स्वयं (आध्यात्मिक) बच्चों को बनाते हैं।"

(यह भी देखें: वारिस, अधिकारी होना, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [इफिसियो 01:5-6](#)
- [गलातियो 04:3-5](#)
- [रोमियो 08:14-15](#)
- [रोमियो 08:23-25](#)
- [रोमियो 09:3-5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G5206

लेमेक**तथ्यः**

लेमेक नामक दो पुरुष पुराने नियम में हैं।

- पहला लेमेक केन का वंशज था। उसने अपनी पत्नियों से बड़े घमण्ड से कहा कि उसने हानि करने वाले एक पुरुष की हत्या कर दी है।
- दूसरा लेमेक शेत का वंशज था। वह नूह का पिता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कैन, नूह, शेत)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 04:18-19](#)
- [उत्पत्ति 04:23-24](#)
- [उत्पत्ति 05:25-27](#)
- [उत्पत्ति 05:28-29](#)
- [उत्पत्ति 05:30-31](#)
- [लूका 03:36-38](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H3929, G29840

लेवी**परिभाषा:**

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में तीसरा था। उसके वंशज इस्राएल का एक गोत्र हुए।

- उसके वंशजों को "लेवी का गोत्र" या "लेविय" कहा गया।
- लेवी नाम इब्रानी के उस शब्द के समरूप है जिसका अर्थ है, "से जुड़ना"।
- अन्य गोत्रों के सदृश्य लेवी गोत्र को कनान में अपना ही एक सम्पूर्ण भाग नहीं मिला था। उनको विभिन्न गोत्रों में यहाँ-वहाँ नगर दी गए थे
- लेवी मिलाप वाले तम्बू (उत्तरकाल में मंदिर) की देखभाल और धार्मिक अनुष्ठानों को करने के उत्तरदायी थे जिसमें बली चढ़ाना तथा लोगों के लिए प्रार्थना करना भी था।
- पुराने नियम में सर्वदा स्पष्ट नहीं है कि "लेवीय" शब्द सामान्य रूप से लेवी के वंशज के लिए काम में लिया गया है या विशिष्ट रूप से उस व्यक्ति के लिए जो याजकों के सहयोग में मंदिर में सेवारत था।
- पुराने नियम की व्यवस्था निर्दिष्ट था कि याजकों को लेवी के गोत्र से ही चुना जाना था। लेवीय याजक पूर्थक किए गए थे और मंदिर में परमेश्वर की विशिष्ट सेवा निमित्त उनका अभिषेक किया गया था।
- लेवी नामक दो पुरुष यीशु के पूर्वजों में थे जिनके नाम लूका रचित सुसमाचार में दी गई वंशावली में हैं।
- यीशु का शिष्य मत्ती भी लेवी था।

(यह भी देखें: इस्राएल के बारह गोत्र, याजक, बलि, मन्दिर, याकूब, लिआ, मत्ती)

बाइबल संदर्भ:

- [1 इतिहास 2:1-2](#)
- [1 राजा 8:3-5](#)
- [प्रे.का. 4:36-37](#)
- [उत्पत्ति 29:34](#)
- [यूहन्ना 1:19-21](#)
- [लूका 10:32](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3878, H3879, H3881, G3017, G3018, G3019, G3020

लोबान**परिभाषा:**

लोबान पेड़ के रस से बना एक सुगंधित द्रव्य है। इससे इन्हें और धूप बनाए जाते थे।

- बाइबल के युग में शवों को दफन के लिए तैयार करने में लोबान एक अत्यधिक महत्वपूर्ण द्रव्य था।
- यह पदार्थ चंगाई और शान्ति देने के गुणों के लिए मान्यता रखता है।
- जब ज्योतिषी बालक यीशु से भेंट करने पूर्व से चलकर बैतलहम आए थे तब जो तीन उपहार वे लाए थे उनमें लोबान भी था।

(यह भी देखें: बैतलहम, ज्योतिषी)

बाइबल संदर्भ:

- [1 इतिहास 9:28-29](#)
- [निर्गमन 30:34-36](#)
- [मत्ती 2:11-12](#)
- [गिनती 5:15](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3828, G3030

लोहा**परिभाषा:**

लोहा एक कठोर, थोड़ा चमकदार धातु है जिसका उपयोग कई चीजें बनाने में किया जाता है।

- बाइबल के समय में लोहे का इस्तेमाल सिक्के, जंजीरें, असबाब, औज़ार, हथियार, रथ, फाटक, कीलें और अन्य चीजें बनाने के लिए किया जाता था।
- लोहा एक बहुत मजबूत धातु है।
- यदि आपकी संस्कृति में लोहा नहीं है तो आप इस शब्द का अनुवाद सामान्य अभिव्यक्ति के रूप में कर सकते हैं जो इसे "कठोर धातु" या "मजबूत धातु" के रूप में वर्णित है।
- यदि आपकी संस्कृति में लोहा नहीं है तो आप "लोहे का उपकरण" वाक्यांश का अनुवाद "कठोर धातु से बना उपकरण" या "मजबूत धातु का उपकरण" के रूप में कर सकते हैं।

(यह भी देखें: अज्ञात का अनुवाद कैसे करें)

(देखें: कवच)

बाइबल संदर्भ:**शब्द विवरणः****वध करना****परिभाषा:**

"वध करना" शब्द का अर्थ है बड़ी संख्या में पशुओं या मनुष्यों की हत्या करना या "निर्दयता से हत्या करना"। इसका संदर्भ खाने के लिए पशु की हत्या करना भी होता है। * वध करने के कार्य को भी "वध करना" कहा जाता है।

- रेगिस्तान में वास करते समय जब अब्राहम के पास तीन आगन्तुक आए थे तब उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी थी कि उनके लिए बछड़ा वध करके भोजन तैयार किया जाए।
- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने भविष्यद्वाणी की थी कि परमेश्वर अपना स्वर्गदूत भेजकर उन सबका वध करेगा जो उसके वचनों पर नहीं चलते हैं।
- 1 शम्हृएल में नरसंहार की चर्चा की गई है जिसमें शत्रुओं ने 30,000 इसाएलियों की हत्या की थी क्योंकि वे परमेश्वर की आज्ञाओं पर नहीं चलते थे।
- “वध करने के हथियार” का अनुवाद हो सकता है, “हत्या करने के साधन”।
- “बड़ा संहार हुआ” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “बड़ी संख्या में लोग मारे गए” या “हत्या किए हुओं की संख्या बहुत अधिक थी” या “बहुत ही अधिक लोग मरे”।
- “वध” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “हत्या करना”, या “मार डालना” या “जान लेना”।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, गाय, अवज्ञा, यहेजकेल, सेवक, मार डाला)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 21:10-11](#)
- [इब्रानियों 07:01](#)
- [यशायाह 34:02](#)
- [यिर्मायाह 25:34](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2026, H2027, H2028, H2076, H2491, H2873, H2874, H2878, H4046, H4293, H4347, H4660, H5221, H6993, H7524, H7819, H7821, G2871, G4967, G4969

वर्ष

परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ, 354 दिनों के समय का सन्दर्भ देता था। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है जो बारह महीनों में विभाजित होता हैं, और पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा के समय पर आधारित है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 23:31](#)
- [प्रे.का. 19:8-10](#)
- [दानिय्येल 8:1](#)
- [निर्गमन 12:2](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

वशती

तथ्य:

पुराने नियम में एस्तेर की पुस्तक में वशती राजा क्षयर्ष की रानी थी।

- रानी वशती ने राजा क्षयर्ष के भोज में उपस्थित होकर राजा के मतवाले अतिथियों को अपनी सुंदरता दिखाने की उसकी आज्ञा टाल दी थी, अतः राजा ने उसे त्याग दिया था।
- अब नई रानी के लिए कन्याओं का चयन किया गया और अन्त में एस्टर रानी बनी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: क्षयर्ष, एस्टर, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- [एस्टर 01:9-11](#)
- [एस्टर 02:1-2](#)
- [एस्टर 02:17-18](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H2060

वह पवित्र

परिभाषा:

"वह पवित्र" बाइबल में यह एक उपनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- "पुराने नियम में यह नाम अधिकतर "इसाएल का पवित्र" उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी "पवित्र जन" कहा गया है।
- "पवित्र जन" बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझावः

- वास्तविक शब्दावली है, "एकमात्र पवित्र" ("एक" शब्द अभिप्रेत है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेजी) इसे अभिप्रेत संज्ञा शब्द के साथ अनुवाद करेंगे (जैसे "एक" या "परमेश्वर")।
- इस शब्द का अनुवाद "परमेश्वर, जो पवित्र है" या "पृथक किया गया एकमात्र।"
- "इसाएल का पवित्र", इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "पवित्र परमेश्वर जिसकी इसाएल आराधना करता है" या "वह पवित्र जो इसाएल पर राज करता है"
- इस शब्द का अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जाए जो "पवित्र" शब्द के लिए काम में लिया जाता है तो अति उत्तम होगा।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 यूहन्ना 2:20](#)
- [2 राजा 19:22](#)
- [प्रे.का. 2:27](#)
- [प्रे.का. 3:13-14](#)
- [यशायाह 5:15-17](#)
- [यशायाह 41:14](#)
- [लूका 4:33-34](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H2623, H376, H6918, G40, G3741

वाचा

परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत् बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। * उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्त रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा "पुराने" या "पूर्व" वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इसाएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित् करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बन्धक समझौता" या "विधिवत् समर्पण" या "अनुबन्ध" या "वचनबद्धता"।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद "प्रतिज्ञा" या "प्रण" हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 18:11-12](#)
- [2 शमूएल 23:5](#)
- [प्रे.का. 07:6-8](#)
- [निर्गमन 34:10-11](#)
- [गलातियों 03:17-18](#)
- [उत्पत्ति 09:11-13](#)
- [उत्पत्ति 17:7-8](#)
- [उत्पत्ति 31:43-44](#)
- [यहोशु 24:24-26](#)
- [लूका 01:72-75](#)
- [मरकुस 14:22-25](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इसाएलियों से कहे, “लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टि में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”

- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें **वाचा** दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह **वाचा** याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेगा।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक **नई वाचा** का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। **नई वाचा** में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा **नई वाचा** शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और **नई वाचा** शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी **नई वाचा** का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक **नई वाचा** बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस **नई वाचा** के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

वाचा का सन्दूक**परिभाषा:**

ये शब्द एक विशेष लकड़ी के सन्दूक के लिए है, जिस पर सोने की परत चढ़ाई हुई थी। उसमें दस आज्ञाओं की पत्थर

की दो पट्टियां थीं। उसमें हारून की लाठी और मन्त्रा का मर्तबान भी था।

- सन्दूक का अनुवाद “बक्सा”, “पेटी” और “तिजोरी” भी किया जा सकता है। इस सन्दूक में रखी वस्तुएं इस्राएल को परमेश्वर की वाचा का स्मरण कराती थीं।
- वाचा का सन्दूक “परमपवित्र स्थान” में रखा हुआ था।
- मिलाप वाले तम्बू में परमेश्वर की उपस्थिति परमपवित्र स्थान में वाचा के सन्दूक के ऊपर थी। वहां वह इस्राएलियों के लिए मूसा से बातें करता था।
- जिस समय वाचा का सन्दूक मन्दिर के परमपवित्र स्थान में था, उस समय केवल प्रधान पुरोहित उस सन्दूक के निकट जा सकता था और वह भी वर्ष में एक बार प्रायश्चित्त दिवस पर।
- अनेक अंग्रजी अनुवादों में “वाचा के आदेशों” का अनुवाद शब्दशः “साक्षी(टेस्टीमनी)” किया गया है। यह इस तथ्य का संदर्भ देता है कि दस आज्ञाएं प्रजा के साथ परमेश्वर की वाचा की साक्षी या गवाही हैं। इसका अनुवाद “वाचा का विधान” भी किया गया है।

(यह भी देखें: सन्दूक, वाचा, प्रायश्चित्त, पवित्र स्थान, साक्षी, गवाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 06:14-15](#)
- [निर्गमन 25:10-11](#)
- [इब्रानियों 09:3-5](#)
- [न्यायियों 20:27-28](#)
- [गिनती 07:89](#)
- [प्रकाशितवाक्य 11:19](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H727, H1285, H3068

वाचा की विश्वासयोग्यता

परिभाषा:

बाइबिल के समय में, "वाचा विश्वास" के रूप में अनुवादित शब्द का उपयोग उस विश्वासयोग्यता, निष्ठा, दया, और प्रेम का वर्णन करने के लिए किया गया था जो दोनों लोगों के बीच उम्मीद और प्रदर्शन करते थे जो एक-दूसरे से निकटता से संबंधित थे, या तो शादी या खून से। इस शब्द का उपयोग अक्सर बाइबिल में किया जाता है ताकि यह वर्णन किया जा सके कि परमेश्वर अपने लोगों से संबंधित है, विशेष रूप से उनके द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता।

- इस शब्द का अनुवाद निर्भर करेगा कि "वाचा" और "विश्वासयोग्यता" अनुवाद कैसे किया गया है।
- इस शब्द के अनुवाद की अन्य विधियां हैं, "विश्वासयोग्य प्रेम" या "निष्ठावान समर्पित प्रेम" या "प्रेमपूर्ण निर्भरता"।

(यह भी देखें: वाचा, विश्वास, अनुग्रह, इसाएल, परमेश्वर की प्रजा, प्रतिज्ञा)

बाइबल सन्दर्भः

- [एज्या 03:10-11](#)
- [गिनती 14:17-19](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2617

वादी

परिभाषा:

शब्द "वादी" एक मौसमी धारा, मौसमी नदी, या एक घाटी को संदर्भित करता है जो वर्ष के कुछ हिस्से के दौरान एक धारा का तल होता है।

- एक "वादी" में साल के कुछ हिस्से में पानी होता है और साल के कुछ हिस्से में सूखा रहता है।
- जब एक "वादी" में पानी होता है, तो इसमें कितना पानी होता है यह इस बात पर निर्भर करता है कि साल का कौन सा समय है और उस क्षेत्र में कितनी बारिश हुई है और वादी कितनी बड़ी है।

अनुवाद सुझावः

- "वादी" का अनुवाद करने के तरीके में "मौसमी धारा" या "मौसमी धारा तल" या "नदी का सागर" या "नदी तल" शामिल हो सकते हैं

बाइबल संदर्भः

शब्द सूचीः

- स्ट्रॉन्ग का:

विधि

परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द "अभिषेक" का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इसाएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- "आज्ञाओं" को "सार्वजनिक आदेश" या "नियम" या "विधान" अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आदेश, नियम, अभिषेक करना, विधि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 04:13-14](#)
- [निर्गमन 27:20-21](#)
- [लैव्यव्यवस्था 08:31-33](#)
- [मलाकी 03:6-7](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

विधि**परिभाषा:**

विधि विशेष लिखित नियम हैं जो मनुष्यों के जीवन-आचरण के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

- "विधि" शब्द अर्थ में "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "आदेश" के समान है। इन सभी शब्दों में वे निर्देश और अनिवार्यताएं हैं जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों को दिया है या शासक अपनी प्रजा को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- "विधि" का अनुवाद "विशिष्ट आज्ञाएं" या "विशेष आदेश" रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आदेश, कानून, अध्यादेश, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 राजा 11:11-13](#)
- [व्यवस्थाविवरण 6:20-23](#)
- [यहेजकेल 33:15](#)
- [गिनती 19:2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2706, H2708, H7010, G1345

विनती**परिभाषा:**

"विनती" अर्थात् किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- "भिखारी" वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "विनती करना" या "साग्रह निवेदन करना" या "पैसा मांगना" या "सदैव पैसा मांगते रहना"

(यह भी देखें: निवेदन)

बाइबल सन्दर्भः

- [लूका 16:20](#)
- [मरकुस 6:56](#)
- [मत्ती 14:36](#)
- भजन 45:12-13

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **10:4** परमेश्वर ने सारे मिस देश में मेंढकों को भेज दिया। फिरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से **विनती की**।
- **29:8** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, “हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से **विनती की**, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।”
- **32:7** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत **विनती की**, “हमें इस प्रदेश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे **विनती करके** कहा “कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे **विनती करने** लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:1** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़ु भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0034, H7592, G01540, G18710, G43190, G44340

विपत्ति**परिभाषा:**

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि एल समय ऐसा आएगा जब मसीही विश्वासियों को सताव तथा अन्य प्रकार के क्लेशों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि इस संसार में अनेक मनुष्य यीशु की शिक्षाओं के विरोधी होंगे।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीड़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, शिक्षा देना, प्रकोप)

बाइबल सन्दर्भः

- [मरकुस 4:17](#)
- [मरकुस 13:19](#)
- [मत्ती 13:20-21](#)
- [मत्ती 24:9](#)
- [मत्ती 24:29](#)
- [रोमियो 2:9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H6869, G2347, G4423

विरोधी**परिभाषा:**

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरुद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का “शत्रु” कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को “विरोधी” या “बैरी” कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

ब्राह्मण सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियुस 05:14](#)
- [यशायाह 09:11](#)
- [अय्यूब 06:23](#)
- [विलाप. 04:12](#)
- [लूका 12:59](#)
- [मत्ती 13:25](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

विलाप करना**परिभाषा:**

"विलाप करना" "विलाप" शब्द शोक, दुःख या विषाद की प्रबल भावना के सन्दर्भ देते हैं।

कभी-कभी इसमें पाप के लिए गहन पछतावा या आपदाग्रस्त मनुष्य के प्रति अनुकंपा का भाव भी होता है।

- विलाप में कराहना, रोना या छाती-पीटना हो सकता है।

अनुवाद के सुझावः

- "विलाप करना" का अनुवाद हो सकता है, "गहरा शोक" या "दुख से छाती पीटना" या "दुःखी होना"।
- "विलाप" (या "विलाप करना") का अनुवाद हो सकता है, "चिल्ला-चिल्ला कर रोना और छाती पीटना" या "गहरा दुःख" या "दुःख भरा रुदन" या "दुःख भारी आहें"।

ब्राह्मण सन्दर्भ:

- [आमोस 8:9-10](#)
- [यहेजकेल 32:1-2](#)
- [यिर्म्याह 22:18](#)
- [अय्यूब 27:15-17](#)
- [विलापगीत 2:5-6](#)
- [विलापगीत 2:8](#)
- [मीका 02:4](#)
- भजन संहिता 102:1-2
- [जकर्याह 11:2](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0056, H0421, H0578, H0592, H1058, H4553, H5091, H5092, H5594, H6088, H6969, H7015, H8567, G23540, G23550, G28700, G2875

विवाह**परिभाषा:**

शब्द "विवाह" एक पुरुष और एक महिला के बीच औपचारिक मिलन को संदर्भित करता है जिसमें वे एक सार्वजनिक रूप से मान्यता प्राप्त, और अक्सर कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त, संबंध में जुड़े जाते हैं।

- विवाह सम्बन्ध की शुरूआत परमेश्वर से हुई। परमेश्वर ने विवाह सम्बन्ध की स्थापना की और उसने आदम और हव्वा के बीच पहला विवाह आरंभ किया।
- परमेश्वर ने कई कारणों से विवाह की स्थापना की। परमेश्वर ने विवाह की स्थापना इसलिए की ताकि बच्चों को एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण मिले जिसमें उनका पालन-पोषण हो सके, ताकि लोगों को उसके वाचा के लोगों के साथ उसके रिश्ते का एक दृश्य सांसारिक प्रदर्शन मिल सके और ताकि पुरुष और महिलाएं जो एक-दूसरे से विवाहित हैं एक-दूसरे की मदद कर सकें और एक-दूसरे की ताकत और कमज़ोरियों को पूरा कर सकें।
- विवाह समारोह (जिसे "शादी" कहा जाता है) में दूल्हा वह पुरुष होता है जो दुल्हन (महिला) से विवाह करेगा।
- बाइबल सिखाती है कि विवाह पर रोक नहीं लगायी जानी चाहिए।
- परमेश्वर ने पुराने और नये दोनों नियमों में व्यभिचार को सख्ती से निषेधित किया है।
- नया नियम सिखाता है कि जो लोग यीशु में विश्वास करते हैं उन्हें अविश्वासियों से विवाह नहीं करना चाहिए।
- यीशु ने सिखाया कि स्वर्ग में कोई विवाह नहीं होगा।

अनुवाद सुझाव:

उस शब्द का उपयोग करें जो आपकी भाषा में एक पुरुष और एक महिला के बीच विवाह संबंध को संदर्भित करता है।
(यह भी देखें: दूल्हा, दुल्हन, व्यभिचार, हव्वा, आदम)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

बाइबल संदर्भ:

- [1 तीमुथियस 01:18-20](#)
- [1 तीमुथियस 03:8-10](#)
- [2 कुरिचियो 05: 11-12](#)
- [2 तीमुथियस 01:3-5](#)
- [रोमियो 09:1-2](#)
- [तीतस 01:15-16](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

विश्वास

परिभाषा:

सामान्यतः "विश्वास" का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या "विश्वास"।

- किसी में "विश्वास होना" अर्थात् स्वीकार करना कि वह जो कहता और करता है वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- "यीशु में विश्वास" का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उसकी पाप मोक्षक बलि में तथा पाप के दण्ड से उनकी मुक्ति में विश्वास करते हैं।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी "विश्वास" शब्द यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के बारे में सामान्य संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति में है, "विश्वास के सत्य"
- "विश्वास को थामे रहना" तथा "विश्वास को त्याग देना" इनके सन्दर्भ में "विश्वास" शब्द का सन्दर्भ यीशु के बारे में सब शिक्षाओं पर विश्वास करने की दशा या अवस्था से होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में "विश्वास" का अनुवाद "आस्था-श्रद्धा" या "अंगीकार" या "निश्चय" या "भरोसा" किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद "विश्वास करना" क्रिया के रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा
- यह अभिव्यक्ति, "विश्वास को थामे रहो", इसका अनुवाद हो सकता है, "यीशु में विश्वास करते रहो" या "यीशु में विश्वास बनाए रखो"
- यह वाक्य, "उनको विश्वास के गहन सत्यों को थाम कर रखना है" इसका अनुवाद हो सकता है, "उनको यीशु के बारे में उन सब सत्यों पर विश्वास करना आवश्यक है जिनकी शिक्षा उनको दी जा चुकी है"
- यह अभिव्यक्ति, "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र", इसका अनुवाद हो सकता है, "वह मेरे पुत्र के जैसा है क्योंकि मैं ने उसको यीशु में विश्वास करना सिखाया है" या "मेरा सच्चा आत्मिक पुत्र जो यीशु में विश्वास करता है"

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 तीमुथियुस 4:7](#)
- [प्रे.का. 6:7](#)
- [गलतियों 2: 20-21](#)
- [याकूब 2:20](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **5:6** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के **विश्वास** की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र पुत्र को लेकर मेरे निमित्त बलि कर दे।
- **31:7** फिर उसने (यीशु ने) पतरस से कहा, "हे अल्प- **विश्वासी** तू ने संदेह क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तेरे **विश्वास** ने तुझे चंगा किया है। शान्ति से जा।"
- **38:9** यीशु ने पतरस से कहा, "शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तेरे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा **विश्वास** कमज़ोर नहीं होगा।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0529, H0530, G16800, G36400, G41020, G60660

विश्वास**परिभाषा:**

किसी वस्तु या व्यक्ति में "विश्वास रखने का तात्पर्य है, उस वस्तु या व्यक्ति सच्चा एवं निर्भर करने योग्य है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। "विश्वासयोग्य" मनुष्य वह है जिस पर भरोसा किया जा सकता है कि वह उचित और सत्य को कहे और करे, और इसलिए वह मनुष्य जिसमें विश्वासयोग्यता का गुण है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी में विश्वास करने का अर्थ है, उस पर निर्भर रहना।
- मसीह "में विश्वास" करने का अर्थ है, विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, विश्वास करना कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए कूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- "एक "विश्वासयोग्य कथन" का सन्दर्भ उस बात से है जो कही गई है और उस पर सत्य होने का भरोसा किया जा सकता है।

अनुवाद के लिए सुझावः

- "विश्वास" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "भरोसा" या "यकीन" या "पक्की आशा" या "निर्भर रहना"
- "में विश्वास रखो" का अर्थ "भरोसा रखने" से मिलता जुलता है।
- शब्द "विश्वासयोग्य" का अनुवाद हो सकता है, "निर्भर करने योग्य" या "विश्वास के योग्य" या "सदैव भरोसा करने योग्य"

(यह भी देखें: विश्वास, आत्मविश्वास, विश्वास, विश्वासयोग्य, सत्य)

बाईबल संदर्भ:

- [1 इतिहास 9:22-24](#)
- [1 तीमुथियुस 4:9](#)
- [होशे 10:12-13](#)
- [यशा. 31:1-2](#)
- [नहेमायाह 13:13](#)
- भजन 31:5
- [तीतुस 3:8](#)

बाईबल कहानियों के उदाहरण:

- **12:12** जब इसाएलियों ने देखा कि मिस के लोग मारे गए हैं, तो उन्होंने परमेश्वर पर **विश्वास किया** और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- **_14:15_** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर **विश्वास करता था** वह उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **_17:2_** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर **विश्वास** और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:6** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर **विश्वास** रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0539, H0982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G16790, G38720, G39820, G40060, G41000, G42760

विश्वास करना

परिभाषा:

"विश्वास करना" और "में विश्वास करना" निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर तो है परन्तु बहुत कम है।

1. विश्वास करना

- किसी बात पर विश्वास करना अर्थात् स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पर विश्वास करना अर्थात् यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

2. में विश्वास करना

- किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ है, उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना। भरोसा करने का अर्थ है, कोई व्यक्ति वही है जो वह कहता है कि वह है, और कि वह सदा सत्य बोलेगा और वह किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है तो उसको पूरी करेगा।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी बात में विश्वास करता है, तो उसका व्यवहार ऐसा होगा कि उसका विश्वास प्रकट हो।
- यह वाक्यांश "में विश्वास करना" का अर्थ वही है जो "में विश्वास" का है।
- "मसीह पर विश्वास" करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए बलि होकर मारा गया। इसका अर्थ है, उस पर भरोसा रखना कि वह उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

3. विश्वासी

बाईबल में "विश्वासी" शब्द का सन्दर्भ उस मनुष्य से है जो मसीह यीशु में विश्वास रखता है और अपना उद्धारक होने के लिए उस पर भरोसा रखता है।

अनुवाद के सुझावः

- "विश्वासी" शब्द का वास्तविक अर्थ है, "विश्वास करने वाला मनुष्य।"
- "मसीही" शब्द अंततः विश्वासियों का पदनाम हो गया क्योंकि इसके द्वारा संकेत मिलता है कि वे मसीह में विश्वास करते हैं और उसकी शिक्षाओं पर चलते हैं।

4. अविश्वास

"अविश्वास शब्द का अर्थ है, किसी मनुष्य या वस्तु पर विश्वास नहीं करना।"

- बाईंबल में "अविश्वास" का अर्थ है, यीशु में उद्धारक होने का विश्वास नहीं करना, भरोसा नहीं रखना।
- मनुष्य जो यीशु में विश्वास नहीं करता है उसको "अविश्वासी" कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव

- "विश्वास करना" का नौवाद किया जा सकता है, जानना कि सच है" या "जानना कि न्यायोचित है"
- "मैं विश्वास करना" का अनुवाद हो सकता है, "पुर्णतः भरोसा रखना" या "भरोसा रखना और आज्ञा मानना" या "पूर्ण निर्भर करना और अनुसरण करना"
- कुछ अनुवादों में "यीशु के विश्वासी" या "मसीह के विश्वासी" कहना वरीयता में रखा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद एक ऐसे शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, "यीशु पर भरोसा रखने वाला मनुष्य" या "मनुष्य जो यीशु को जानता है और उसके लिए जीता है"
- "विश्वासी" शब्द का अनुवाद करने की अन्य विधियां हो सकती हैं, "यीशु का अनुयायी" या "मनुष्य जो यीशु को जानता है और उसका आशाकारी है"
- "विश्वासी" शब्द किसी भी विश्वासी के लिए एक सर्वनिष्ठ शब्द है जबकि "शिष्य" और "प्रेरित" शब्द मुख्यतः उन मनुष्यों के लिए विशिष्टता में काम में लिया गया था जिन्होंने यीशु को उसके पार्थिव जीवन में देखा था। इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग करना ही उचित होगा जिससे कि वे पृथक हों।
- "अविश्वास के अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, "विश्वास की कमी" या "विश्वास नहीं करना"
- "अविश्वासी" शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, "यीशु में विश्वास नहीं करने वाला मनुष्य" या "यीशु में उद्धारक होने का विश्वास नहीं करने वाला मनुष्य"

विश्वास करना

(यह भी देखें: विश्वास करना, प्रेरित, मसीही, शिष्य, विश्वास,
भरोसा)

विश्वास करना

बाईबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 15:6](#)
- [उत्पत्ति 45:26](#)
- [अय्यूब 9:16-18](#)
- [हुबकूक 1:5-7](#)
- [मरकुस 6:4-6](#)
- [मरकुस 1:14-15](#)
- [लूका 9:41](#)
- [यूहन्ना 1:12](#)
- [प्रे.का 6:5](#)
- [प्रे.का. 9:42](#)
- [प्रे.का. 28:23-24](#)
- [रोमियों 3:3](#)
- [1 कुरिन्थियों 6:1](#)
- [1 कुरिन्थियों 9:5](#)
- [2 कुरिन्थियों 6:15](#)
- [इब्रानियों 3:12](#)
- [1 यूहन्ना 3:23##](#)बाईबल की कहानियों के उदाहरण

बाईबल की कहानियों के उदाहरणः

- **3:4** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी, और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर **विश्वास** नहीं किया।
- **4:8** अब्राम ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर **विश्वास** किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर **विश्वास किया** है।
- **11:2** परमेश्वर ने कहा, जो मनुष्य उस पर **विश्वास करेंगा** उसके पहिलौठे पुत्र को बचाने का का मार्ग उसने तैयार कर दिया है।
- **11:6** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर **विश्वास** नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।

- 37:5 यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर **विश्वास करता** है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर **विश्वास करता** है वह कभी न मरेगा। क्या तू इस बात पर **विश्वास करती है?**”
- 43:1 यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे होते थे।
- 43:3 जब सब **विश्वासी_एक साथ** थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया। उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक **विश्वासी** पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग **_विश्वासी_बनते गये।**
- 45:6 उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए **विश्वासी** अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- 46:1 शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने **विश्वासियों** को सताया।
- 46:9 कुछ **विश्वासी** यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और उन्होंने अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया।
- 47:14 उन्होंने कलीसियाओं में **विश्वासियों** को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0539, H0540, G05430, G05440, G05690, G05700, G05710, G39820, G41000, G41020, G41030, G41350

विश्वासयोग्य**परिभाषा:**

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंधर चलते रहने से है। अर्थात् उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को “विश्वासयोग्यता” कहते हैं।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

अनुवाद के सुझाव:

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्ति” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 02:9](#)
- [1 थिसलुनीकियों 05:23-24](#)
- [3 यूह. 01:5-8](#)
- [कुलस्त्रियों 01: 7-8](#)
- [उत्पत्ति 24:49](#)
- [यशायाह 1:26](#)
- [यहोशू 02:14](#)
- [लूका 16: 10-12](#)
- [गिनती 12:6-8](#)
- [नीतिवचन 11:12-13](#)
- भजन 012:1

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति **निष्ठावान** रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर **निष्ठावान** रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति **निष्ठावान** रहेंगे व उसकी आज्ञाओं का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व **निष्ठा** के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी **अधार्मिकता** के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्लाम के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये **ईमानदारी** से काम कर रहा हूँ,

- 49:17 परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- 50:04 यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!"

शब्द तथ्यः

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

विषय-वस्तु**तथ्यः**

इस अर्थ में प्रयुक्ति, "विषय" शब्द किसी चीज़ का विषय या केंद्र होने का संकेत देता है, जैसे कि, "आप उपहास का विषय होंगे।"

- संदर्भ के आधार पर, शब्द "विषय" का अनुवाद "विषय" या "बातचीत का विषय" या "बातचीत का केंद्र" या "विषयवस्तु" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भः**शब्द सूचीः****वीणा****परिभाषा:**

वीणा, एक तारवाला वाद्य यन्त्र होता था जिसकी बड़ी चौखट में तार लागे होते थे।

- बाइबल के युग में सनौवर की लकड़ी से वीणा एवं अन्य वाद्ययंत्र बनाए जाते थे।
- वीणा हाथ में उठाकर चलते हुए बजाई जाती थी।
- बाइबल में अनेक उदाहरणों में वीणा परमेश्वर की स्तुति एवं उपासना में बजाई जाती थी।
- दाऊद के अनेक भजन लिखे जो वीणा के संगीत पर रचे गए थे।
- वह राजा शाऊल की परेशान आत्मा को शान्ति देने के लिए भी वीणा बजाता था।

(यह भी देखें: दाऊद, सनौवर, भजन, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 15:16–18](#)
- [आमोस 5:23–24](#)
- [दानियेल 3:3–5](#)
- भजन संहिता 33:1–3
- [प्रकाशितवाक्य 5:8](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3658, H5035, H5059, H7030, G2788, G2789, G2790

वीणा**परिभाषा:**

"वीणा" और "तारवाला बाजा" ये वाद्य-यंत्र परमेश्वर की आराधना में इस्तेवा द्वारा काम में लिए जाते थे।

- वाय एक छोटे वीणा की तरह दिखती है, जिसमें एक चौखटे में तार लगा होता था।
- जिसे तारवाला बाजा कहा गया है वह काफी कुछ आज के गिटार जैसा होता था एक खोखला डब्बा और लम्बी डंडी जिस पर तार कसे होते थे।
- वायों को बजाने के लिए एक हाथ से तारों को दबाया जाता था और दूसरे हाथ से उन तारों को छेड़ा जाता था।
- वीणा, तारवाला बाजा और सारंगी सबको तार छेड़ कर बजाया जाता था।
- इनके तारों की संख्या अलग-अलग थी परन्तु पुराने नियम में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि दस तार वाले बाजे।

(यह भी देखें: वीणा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 10:11-12](#)
- [1 शमूएल 10:5-6](#)
- [2 इतिहास 05:11-12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3658, H5035, H5443

वेदी

परिभाषा

वेदी एक पत्थर निर्मित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्त्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि चढ़ाते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी के गारे से एक छोटा टीला या बड़े-बड़े पत्थरों को एक के ऊपर एक रख स्थिर वेदी बनाई जाती थी।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थीं जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्त्राएल की पड़ोस जातियां भी अपने देवताओं के लिए बलि चढ़ाने हेतु वेदियां बनाती थीं।

(यह भी देखें: धूप जलाने की वेदी, झूठे देवता, अन्नबलि, बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 8:20](#)
- [उत्पत्ति 22:9](#)
- [याकूब 2:21](#)
- [लूका 11:49-51](#)
- [मत्ती 05:23](#)
- [मत्ती 23:19](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 3:14 नूह जहाज से बहार निकल आया, उसने एक वेदी बनाई, और बलि के योग्य प्रत्येक प्रजाति के कुछ पशुओं की बलि चढ़ाई।
- 5:8 जब वे बलि चढ़ाने के स्थान पर पहुंच गए, तब अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- 13:9 याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाए।
- 16:6 उसने(गिदोन ने) मूर्तियों के लिए बनाई गई _वेदी_ जहां होती थी वहाँ उसने (गिदोन ने) परमेश्वर को समर्पित एक नई वेदी बनाई और उस पर परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाई।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0741, H2025, H4056, H4196, G10410, G23790

वैभव

परिभाषा:

"वैभव" का अर्थ परम सुंदरता और चारूता है जो अक्सर धन और एक तेजस्वी रूप से जुड़ा होता है।

- “वैभव” शब्द उपयोग अधिकतर राजा के पास जो धन है या उसके बहुमूल्य सुन्दर वस्त्रों में उसके रूप का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- “वैभव” शब्द वृक्षों, पर्वतों और परमेश्वर की सृष्टि की अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए भी किया जाता है।
- कुछ नगरों को भी वैभवशाली कहा जाता है, उनके प्रकृति संसाधनों, विस्तृत ईमारतों एवं सड़कों तथा निवासियों की धन-सम्पदा जैसे वेशभूषा, सोना-चांदी आदि के लिए भी वैभवशाली कहा जाता है।
- संदर्भ के आधार पर,

इस शब्द का अनुवाद, “शानदार सौंदर्य” या “अद्भूत महिमा” या “राजसी महानता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, महामहिम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 16:27](#)
- [निर्गमन 28:1-3](#)
- [यहेजकेल 28:07](#)
- [लूका 04:07](#)
- भजन-संहिता 089:44-45
- [प्रकाशितवाक्य 21:26-27](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1925, H1926, H1927, H1935, H2091, H2122, H2892, H3314, H3519, H6643, H7613, H8597

वैश्या

परिभाषा:

“वैश्या” और “व्यभिचारिणी” इस दोनों शब्दों का सन्दर्भ ऐसे मनुष्य से है जो पैसों के लिए या धार्मिक अनुष्ठानों के लिए व्यभिचार करता है। वैश्याएं प्रायः स्त्रियां होती थीं परन्तु पुरुष भी होते थे।

- बाइबल में “वैश्या” शब्द कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में ऐसे मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो मूर्तिपूजक है या भूत सिद्धि करने वाला है।
- “व्यभिचार करना” अर्थात् वैश्या के सदृश्य अनैतिक यौनाचार करना। बाइबल में यह उक्ति मूर्तिपूजक के लिए भी काम में ली गई है।
- “व्यभिचारिणी होना” अर्थात् अनैतिक यौनाचार करना या प्रतीकात्मक रूप में देवी-देवताओं की पूजा करके परमेश्वर से विश्वासघात करना।
- प्राचीन युग में मन्दिरों में स्त्री और पुरुष दोनों ही धार्मिक अनुष्ठान के लिए व्यभिचार के पात्र होते थे।
- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द से किया जाए जिसका अर्थ वैश्या हो। कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है। (देखें: व्यंजना)

(यह भी देखें: व्यभिचार, झूठे देवता, यौन अनैतिकता, मूर्ति)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 34:31](#)
- [उत्पत्ति 38:21](#)
- [लूका 15:30](#)
- [मत्ती 21:31](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2154, H2181, H2183, H2185, H6945, H6948, H8457, G4204

व्यभिचार

परिभाषा:

“व्यभिचार” शब्द उस पाप को संदेशित करता है जब कोई विवाहित मनुष्य किसी ऐसे मनुष्य से शारीरिक सम्बन्ध बनाता है जो उसका जीवन साथी नहीं है। दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” शब्द ऐसे व्याहार या ऐसा पाप करने वाले मनुष्य का वर्णन करता है।

- "व्यभिचारी" शब्द सामान्यतः व्यभिचार करनेवाले मनुष्य के सन्दर्भ में काम में लिया जाता है।
- कभी-कभी, "व्यभिचारिणी" शब्द यह निश्चित दर्शने के लिए काम में लिया जाता है कि व्यभिचार करने वाली स्त्री है।
- व्यभिचार में पति-पत्नी उनके विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ देते हैं।
- परमेश्वर ने इसाएलियों को आज्ञा दी है कि वे व्यभिचार नहीं करें।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में ऐसा कोई शब्द न हो जिसका अर्थ, "व्यभिचार" हो तो इस शब्द का अनुवाद एक ऐसे वाक्यांश से किया जा सकता है जैसे, "किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना" या "किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तर्रंग संबन्ध बनाना"।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, "किसी और के जीवन साथी के साथ सोना" या "अपनी पत्नी से विश्वासघात करना"। (देखें: व्यंजना)

(यह भी देखें: करना, वाचा, यौन अनैतिकता, के साथ सोना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 20:14](#)
- [होशे 4:1-2](#)
- [लूका 16:18](#)
- [मत्ती 5:28](#)
- [मत्ती 12:39](#)
- [प्रकाशितवाक्य 02:22](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 13:6 "तू व्यभिचार न करना।"
- 28:2 व्यभिचार मत करना
- 34:7 "धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, 'हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।'"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H5003, H5004, G34280, G34290, G34300, G34310, G34320

व्यभिचार

परिभाषा:

"व्यभिचार" स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरुद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फौनिकेशन (परस्तीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इसाएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- “व्यभिचार” का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अनुचित यौन संबन्ध” या “विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध”।
- इसका अनुवाद “व्यभिचार” से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, झूठे देवता, वैश्या, अविश्वासी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 15:19-21](#)
- [प्रे.का. 21:25-26](#)
- [कुलसियों 03:5-8](#)
- [इफिसियों 05:3-4](#)
- [उत्पत्ति 38:24-26](#)
- [होशे 04:13-14](#)
- [मत्ती 05:31-32](#)
- [मत्ती 19:7-9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यर्थ

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "निस्सारता" शब्द ऐसी स्थिति का वर्णन करते हैं जो किसी काम की नहीं है या अत्यधिक अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को "व्यर्थ" वस्तुएं कहा गया है जो निकम्मी है और कुछ कर नहीं सकती हैं।
- यदि कोई काम "व्यर्थ" में किया गया है तो इसका अर्थ है कि उसके लिए किए गयी प्रयास या कार्य कुछ भी उपलब्ध नहीं कर पाए हैं। "व्यर्थ में", इस उक्ति का अनुवाद विभिन्न रूपों में किया जा सकता है, जैसे: "परिणाम के बिना," "कोई परिणाम नहीं?" "निरर्थक", "अकारण", या "निरुद्देश्य"
- प्रकरण के अनुसार "व्यर्थ" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "खाली" या "निकम्मा" या "निराशाजनक" या "घटिया" या "अर्थहीन" हो सकता है।

(यह भी देखें: झूठे ईश्वर, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरियियो 15:1-2](#)
- [1 शमूएल 25:21-22](#)
- [2 पतरस 2:18](#)
- [यशायाह 45:19](#)
- [यिर्माह 2:29-31](#)
- [मत्ती 15:9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यव. 4:2](#)
- [एस्तेर 3:8-9](#)
- [निर्गमन 12:12-14](#)
- [उत्पत्ति 26:5](#)
- [यूह. 18:31](#)
- [रोमियो 7:1](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था**परिभाषा:**

"व्यवस्था" वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। "सिद्धान्त" निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं जो प्रायः लिखित रूप में नहीं होते हैं और बलात लागू नहीं किए जाते हैं। तथापि, कभी-कभी "व्यवस्था" को भी "सिद्धान्त" रूप में काम में लिया जाता है।

- "व्यवस्था" एक "आदेश" के तुल्य है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का प्रायः उच्चारित की अपेक्षा लिखित का सन्दर्भ देता है।
- "व्यवस्था" और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- "व्यवस्था" का अर्थ "मूसा की व्यवस्था" के अर्थ से भिन्न है क्योंकि वे परमेश्वर द्वारा इसाएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, "सिद्धान्त" या "सार्वजनिक नियम"

(यह भी देखें: मूसा की व्यवस्था, आदेश, आज्ञा, घोषणा)

व्यवस्था**परिभाषा:**

सर्वाधिक भाषा में "व्यवस्था" शब्द का सन्दर्भ शासन या निर्देशनों से है जिनका पालन करना अनिवार्य होता है। बाईबल में, व्यवस्था का प्रायः सामान्य उपयोग उस हेर एक बात वरन् सब बातों के लिए किया गया है जिन्हें परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा पालन करे और उन पर चले। यह विशिष्ट शब्द, "मूसा की व्यवस्था" उन आज्ञाओं और निर्देशनों के सन्दर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने इसाएल द्वारा पालन करने हेतु मूसा को दीए थे।

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगा:
 - पत्थर की पट्टियों पर इस्साएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
 - मूसा को दिए गए सब नियम
 - पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
 - संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रिशास्त्र कहा गया है।)
 - परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक निर्देशनों के सन्दर्भ में हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “मूसा को इस्साएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद यह भी हो सकता है, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या “नियम जो परमेश्वर ने इस्साएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था”।
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की विधियाँ” इनका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश”।
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था” या “पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा उच्चारित नियम” या “यहोवा प्रदत्त नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें”।

(यह भी देखें: निर्देश, मूसा, दस आज्ञाएं, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भः

- [प्रे.का. 15:6](#)
- [दानियेल 9:13](#)
- [निर्गमन 28:42-43](#)
- [एज्ञा 7:25-26](#)
- [गलातियों 2:15](#)
- [लूका 24:44](#)
- [मत्ती 5:18](#)
- [नहेम्याह 10:29](#)
- [रोमियो 3:19](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **13:7** परमेश्वर ने और भी बहुत सी **विधियां** व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन **व्यवस्थाओं** का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।
- **13:9** जो कोई भी परमेश्वर के **व्यवस्था** का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।
- **15:13** तब यहोशू ने इस्साएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्साएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी आज्ञा ओ का पालन करेंगे।
- **16:1** यहोशू के मरने के बाद, इस्साएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही परमेश्वर की **व्यवस्था** का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियों को बाहर निकाला।
- **21:5** नई वाचा में परमेश्वर अपनी **व्यवस्था** उनके हृदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।

- **27:1** यीशु ने उत्तर दिया, “परमेश्वर की व्यवस्था में क्या लिखा है?”
- **28:1** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना।”

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्सः H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G23160, G35510, G35650

व्यवस्था पालन

परिभाषा:

“व्यवस्था पालन” अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम “व्यवस्था विरोधी” अर्थात् “व्यवस्था का पालन नहीं करना।”

- बाइबल में यदि किसी बात को “उचित” कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार है। जो “व्यवस्था के विरुद्ध” है, उसका अर्थ है, नियमों के अनुसार “जिसकी अनुमती नहीं दी गई है।”
- “व्यवस्था के अनुसार कुछ करने” का अर्थ है, “न्यायोचित” होना या “सही करना।”
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित मानी जाती थीं वे परमेश्वर की व्यवस्था से सुसंगत नहीं थीं जैसे, मनुष्यों से प्रेम करना।।
- प्रकरण के अनुसार “व्यवस्था पालन” का अनुवाद हो सकता है, “अनुमति प्राप्त” या “परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार” या “अपने नियमों के पालन में” या “उचित” या “सुसंगत”
- “क्या यह व्यवस्था है” इसका अनुवाद हो सकता है, “क्या हमारी परम्पराएं अनुमति देती हैं?” या “क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है”

“व्यवस्था विरोधी” और “अवैध” शब्दों का उपयोग उन कार्यों का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो व्यवस्था के किसी नियम को तोड़ते हैं।

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से सम्बंधित है परन्तु मानव निर्मित यहूदी नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता था।
- वर्षों के अंतराल में, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे कुछ बातों को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहते थे यदि वे उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं होती थीं।
- जब यीशु और उसके चेले सब्ल के दिन अनाज तोड़ रहे थे, तब फरीसियों ने उन पर "व्यवस्था के विरुद्ध" काम करने का आरोप लगाया क्योंकि वे उस दिन काम न करने की यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उस भोजन सामग्री को खा लिया तो वह परमेश्वर की व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इसाएलियों को भोजन सम्बंधित नियमावली में निर्दिष्ट की थी।

"अराजकता" शब्द एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो नियमों या अधिनियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या समुदाय "अराजकता" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता फैल जाती है।

- व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलस ने लिखा कि अंतिम दिनों में "अधर्म का मनुष्य" या "अधर्मी जन" होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यवस्था के विरुद्ध" इसका अनुवाद एक ऐसे शब्द या एक ऐसी अभिव्यक्ति के द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, "नियम विरोधी" या "कानून ताड़ने का।"
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य रूप हो सकते हैं, "अनुमति रहित" या "परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार नहीं" या "हमारे नियमानुसारनहीं।"
- "व्यवस्था विरोधी" "अवैध" का सहार्थी ही है।
- "व्यवस्था विरोधी" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।
- शब्द "अराजकता" का अनुवाद हो सकता है, "किसी भी नियम का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध)"
- "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियम का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध विद्रोह करने वाले व्यक्ति"।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्ल)

बाइबल सन्दर्भः

- [मत्ती 7:21-23](#)
- [मत्ती 12:2](#)
- [मत्ती 12:4](#)
- [मत्ती 12:10](#)
- [मरकुस 3:4](#)
- [लूका 6:2](#)
- [प्रेरि. 2:23](#)
- [प्रेरि. 10:28](#)
- [प्रेरि. 22:25](#)
- [2 थिस्स. 2:3](#)
- [तीतु. 2:14](#)
- [1 यूह. 3:4-6](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H6530, G01110, G01130, G02660, G04580, G04590, G18320, G35450

व्याकुल**तथ्यः**

व्याकुल का अर्थ है किसी हानि के प्रति सतर्क करना। “घबरा जाना” किसी खतरनाक या डरावनी बात से चिन्तित एवं भयभीत होना।

- राजा यहोशापात मोआबियों द्वारा यहूदा पर आक्रमण करने की योजना के बारे में सुनकर घबरा गया था।
- यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि जब वे अन्तिम दिनों में मुसीबतों की चर्चा सुनें तो घबराएं नहीं।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” अर्थात् सतर्क करना। प्राचीन युग में मनुष्य तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना बजाकर चेतावनी देता था।

अनुवाद के सुझाव

- “किसी को घबरा देना” अर्थात् “किसी को चिन्तित करना” या “किसी को परेशानी में डाल देना”।
- “घबराना” का अनुवाद हो सकता है, “चिन्तित होना” या “डर जाना” या “बहुत परेशान हो जाना”।
- “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” का अनुवाद “सार्वजनिक चेतावनी” या “संकट के आने की घोषणा” या “खतरे के बारे में चेतावनी देने के लिए तुरही फूँका”।

(यह भी देखें: यहोशापात, मोआब)

बाइबल सन्दर्भः

- [दानियेल 11:44-45](#)
- [यिर्मायाह 04:19-20](#)
- [गिनती 10:9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7321, H8643

शद्वाई

शद्वाई

तथ्यः

शब्द "शद्वाई" एक इब्रानी शब्द है जो देवता के लिए उपयोग किया जाता है। इसे पुराने नियम में परमेश्वर के व्यक्तिगत नाम के रूप में उपयोग किया जाता है। इस शब्द की विशिष्ट उत्पत्ति (और इसलिए अर्थ) ज्ञात नहीं है। शास्त्रियों ने इसके अर्थ के लिए विभिन्न संभावनाएं प्रस्तावित की हैं और सबसे संभावित यह है कि "शद्वाई" का अर्थ "पहाड़" या "पहाड़ श्रृंखला" है।

- इब्रानी शब्द "शद्वाई" का अक्सर अंग्रेजी में अनुवाद "सर्वशक्तिमान" के रूप में किया जाता है।
- इब्रानी वाक्यांश "एल शद्वाई" का अक्सर अंग्रेजी में अनुवाद "सर्वशक्तिमान परमेश्वर" के रूप में किया जाता है।
- यदि "शद्वाई" का अर्थ "पहाड़" या "पहाड़ श्रृंखला" है तो इब्रानी वाक्यांश "एल शद्वाई" का शाब्दिक अर्थ "परमेश्वर, उन पहाड़ों में से एक" है।
- यूएलटी और यूएसटी ग्रंथ हमेशा इस शब्द का अनुवाद "शद्वाई" के रूप में करते हैं, जो पुराने नियम के इब्रानी पाठ से मेल खाता है।

अनुवाद सुझावः

- हालांकि शब्द शद्वाई एक परमेश्वर का नाम है, इसे अक्सर एक शीर्षक या विवरण के रूप में अनुवादित किया जाता है, "सर्वशक्तिमान," बजाय एक नाम के। यदि आपके क्षेत्र में कोई बाइबल का अनुवाद मौजूद है, तो आप इसे उसी तरह अनुवादित करना चाह सकते हैं जैसा कि वह करता है। यदि कोई अनुवाद मौजूद नहीं है, तो आप शद्वाई नाम का उपयोग करना चाह सकते हैं।
- यदि आप "शद्वाई" शब्द का अनुवाद एक नाम के रूप में चुनते हैं तो आप इसे अपनी भाषा में जिस तरह से यह सुनाई देता है उस तरह से लिख सकते हैं और आप वाक्यांश "एल शद्वाई" को भी अपनी भाषा में जिस तरह से यह सुनाई देता है उस तरह से लिख सकते हैं।

(अनुवाद सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर)

बाइबल संदर्भः

बाइबल की कहानियों से उदाहरणः

शब्द सूचीः

- स्टॉना का:

शपथ

परिभाषा:

बाइबल में “शपथ” का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा जो वैधानिक या धार्मिक परिप्रेक्ष्य में होती थी। शपथ मानने वाला यदि शपथ पूरी करने से चूक जाए तो वह उसका लेखादायी होने या दंड का भागी होने के लिए बाध्य होता था।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- आज के युग में, “कसम से” एक अर्थ में ओछी या अभद्र भाषा है परन्तु बाइबल में ऐसा कदापि नहीं था।
- बाइबल में “शपथ” खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- “की शपथ खाना” अर्थात् किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, “शपथ खिलाई”।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत् प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पली लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिघाएँ करता था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शपथ” का अनुवाद “वचन देना” या “अखण्ड प्रतिज्ञा करना”
- “वचन देना” का अनुवाद हो सकता है, “विधिवत् प्रतिज्ञा करना” या “प्रण करना” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”।
- “मेरे नाम की शपथ खाना” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे नाम से प्रतिज्ञा को पक्का करना”
- “स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना” का अनुवाद “किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दढ़ करते हैं”।
- सुनिश्चित करें कि “शपथ खाना” का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, शपथ)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 21:23](#)
- [उत्पत्ति 24:3](#)
- [उत्पत्ति 31:51-53](#)
- [उत्पत्ति 47:31](#)
- [लूका 1:73](#)
- [मरकुस 6:26](#)
- [मत्ती 5:36](#)
- [मत्ती 14:6-7](#)
- [मत्ती 26:72](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शमूएल**तथ्यः**

शमूएल एक भविष्यद्वक्ता था और इसाएल का अन्तिम न्यायी था। उसने शाऊल और उसके बाद दाऊद दोनों को इसाएल का राजा होने के लिए अभिषेक किया था।

- शमूएल रामा नगर में एल्काना और हन्ना से उत्पन्न हुआ था।
- हन्ना बांझ थी, उसने परमेश्वर से रो-रोकर प्रार्थना की कि उसे पुत्र दे। उसकी प्रार्थना सुन कर परमेश्वर ने उसे शमूएल दिया।
- हन्ना ने प्रतिज्ञा की थी कि, यदि परमेश्वर उसे पुत्र देगा तो वह उसे यहोवा की सेवा में अर्पित कर देगी।
- जब शमूएल बालक ही था, तब हन्ना ने उस याजक एली के पास दे दिया और परमेश्वर से की गई अपनी प्रतिज्ञा पूरी की।
- परमेश्वर ने शमूएल को अपना एक महान भविष्यद्वक्ता बनाया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हन्ना, न्यायी, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भः

- [शमूएल 01:19-20](#)
- [शमूएल 09:23-24](#)
- [शमूएल 12:16-18](#)
- [प्रे.का. 03:24-26](#)
- [प्रे.का. 13:19-20](#)
- [इब्रानियों 11:32-34](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8050, G4545

शमौन**तथ्यः**

शमौन याकूब का दूसरा पुत्र था। वह लीआः का दूसरा पुत्र था। उसके वंशज इसाएल के गोत्रों में से एक हुए थे।

- उसके वंशजों का गोत्र "शमौन का गोत्र" कहलाया।
- शमौन नाम उस इब्रानी शब्द के सदृश्य है जिसका अनुवाद, "सुनना है।"
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था। उसका भूभाग पूर्णतः यहूदा के भूभाग से धिरा हुआ था। जब भूभाग के नाम से जाना जाता है तब "शमौन" शब्द शमौन के गोत्र को दिए गए भूभाग का सन्दर्भ देता है।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।
- शमौन नामक एक और पुरुष लूका द्वारा दी गई यीशु की वंशावली में एक था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इसाएल के बारह गोत्र, याकूब, लीआः)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 29:33](#)
- [उत्पत्ति 34:25](#)
- [उत्पत्ति 42: 35-36](#)
- [उत्पत्ति 43:21-23](#)
- [लूका 2:25](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H8095, H8099, G48260

शमौन कनानी**तथ्योः**

शमौन कनानी यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- इस शमौन का नाम यीशु के शिष्यों में तीन बार आया है परन्तु इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।
- यह शमौन भी यीशु के स्वर्गारोहण के बाद ग्यारह शिष्यों में था जब वे यरूशलेम में प्रार्थना कर रहे थे।
- जेलोतेस का अर्थ यह हो सकता है कि वह उस धार्मिक “जेलोतेस” संप्रदाय का था जो मूसा की व्यवस्था के पालन में और रोम विरोधी स्वभाव के कट्टर थे।
- या “जेलोतेस” का अर्थ मात्र “जोशीला” हो सकता है जो संभवतः उसके धार्मिक जोश के कारण हो।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 1:12-14](#)
- [लूका 6:14-16](#)
- [मरकुस 3:17-19](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G22080, G25810, G46130

शरण**परिभाषा:**

“शरण” अर्थात् सुरक्षा और रक्षा की स्थिति या स्थान “शरणस्थल” एक ऐसा स्थान जो मौसम और खतरों से सुरक्षित रखता है।

- बाइबल में प्रायः परमेश्वर को शरण-स्थान कहा गया है, जहाँ उसके लोग सुरक्षित और निगरानी में संभाले हुए रहते हैं।
- “शरण नगर” पुराने नियम में कुछ नगर ऐसे थे जिनमें यदि किसी ने गलती से हत्या कर दी तो वह बदला लेने वालों से भागकर वहाँ शरण ले सकता था।
- “शरण स्थान” एक ऐसी भौतिक संरचना होती है जैसे कोई भवन या छत जो मनुष्यों को या पशुओं को सुरक्षा प्रदान करती थी।
- कभी-कभी “आश्रय” का अर्थ “सुरक्षा” होता है, जैसा कि लूट ने कहा था कि उनके मेहमान “छत के नीचे” उसकी छत के। उसके कहने का अर्थ है कि वे उसके घर में हैं इसलिए वे सुरक्षित रहें।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “शरण स्थान” का अनुवाद “सुरक्षित स्थान” या “सुरक्षा का स्थान” हो सकता है।
- “शरणार्थी” एक खतरनाक स्थिति से बचने के लिए लोग अपने घरों को छोड़ रहे हैं, और उन्हें “विदेशी”, “बेघर लोग” या “निर्वासित” के रूप में अनुवादित किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “शरण” का अनुवाद “सुरक्षा देने वाला” या “सुरक्षा” या “सुरक्षित स्थान”।
- यदि उसका संदर्भित भौतिक संरचना है तो “शरण” का अनुवाद “सुरक्षित ईमारत” हो सकता है या
- “सुरक्षित स्थान में” का अनुवाद “सुरक्षित स्थान में” या “इस स्थान में जहाँ सुरक्षा प्राप्त होगी” के रूप में हो सकता है।
- “शरण पाना” या “शरण लेना” या “सुरक्षा का स्थान पाना” का अनुवाद “किसी के सुरक्षित स्थान में रखना” के रूप में हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 22:3-4](#)
- [व्य. 32:37-38](#)
- [यशायाह 23:13-14](#)

- [यिर्म्याह 16:19-21](#)
- [गिनती 35:24-25](#)
- भजन संहिता 046:1-3
- भजन संहिता 028:6-8

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2620, H4268, H4498, H4585, H4733, H4869

शाऊल (पुराना नियम)**तथ्यः**

शाऊल एक इस्साएली था जिसे परमेश्वर ने चुनकर इस्साएल का प्रथम राजा बनाया था।

- शाऊल लम्बा, सुन्दर और शक्तिशाली योद्धा था। वह उस प्रकार का व्यक्ति था जिसे इस्साएली अपना राजा बनाना चाहते थे।
- हालाँकि शाऊल ने पहले परमेश्वर की सेवा की, बाद में वह घामंडी हो गया और उसने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी। परिणामस्वरूप, परमेश्वर ने दाऊद को राजा के रूप में शाऊल की जगह लेने के लिए नियुक्त किया और शाऊल को युद्ध में मारे जाने की अनुमति दी।
- नए नियम में, शाऊल नाम का एक यहूदी था जिसे पौलुस के नाम से भी जाना जाता था और जो यीशु मसीह का प्रेरित बन गया।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: राजा)

बाइबल के सन्दर्भः

- [1 इतिहास 10:1-3](#)
- [1 शमूएल 9:1-2](#)
- [2 शमूएल 1:1-2](#)
- [प्रेरितों के काम 13:22](#)
- भजन-संहिता 18:1

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **17:1 शाऊल** इस्साएल का पहला राजा था। जैसा कि लोग चाहते थे, वह लम्बा और सुन्दर था। **शाऊल** इस्साएल पर शासन करने के पहले कुछ वर्षों के लिए एक अच्छा राजा था। लेकिन फिर वह एक दुष्ट व्यक्ति बन गया जिसने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा होगा।
- **17:04 शाऊल** दाऊद के प्रति लोगों के प्रेम से जलने लगा। **शाऊल** ने उसे मारने की कई बार कोशिश की, इसलिए दाऊद **शाऊल** से छिप गया।
- **17:05** अंततः **शाऊल** युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्साएल का राजा बन गया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7586, G4549

शान्ति**परिभाषा:**

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता करता है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को वैसी ही शान्ति देंगे।
- “इस्माइल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करने के लिए आएगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या”(किसी को) दुःख से उबरने में सहायता” या ”प्रोत्साहित करना” या ”सांत्वना देना।”
- “हमारी शान्ति” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारा प्रोत्साहन” या ”हमारा (किसी के) सांत्वना” या ”दुःखी होने के समय हमारी सहायता”।
- शब्द ”शान्ति देनेवाला“ का अनुवाद ”कोई व्यक्ति शान्ति देता है“ या ”कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है“ या ”कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है“।
- जब पवित्र आत्मा को ”शान्ति देनेवाला“ कहा गया तो इसका अनुवाद हो सकता है, ”प्रोत्साहनकर्ता“ या ”सहायक“ या ”मनुष्य जो सहायता करता है और मार्गदर्शन करता है।“
- वाक्यांश ”इस्माइल का शान्तिदाता“ का अनुवाद हो सकता है, ”मसीह जो इस्माइल को शान्ति प्रदान करता है।“
- यह अभिव्यक्ति, ”उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं“ इसका अनुवाद किया जा सकता है, ”उन्हें किसी ने भी शान्ति नहीं दी“ या ”उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।“

(यह भी देखें: प्रोत्साहित करना, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 थिसलुनीकियों 5:8-11](#)
- [2 कुरिच्चियों 1:4](#)
- [2 शमूएल 10:1-3](#)
- [प्रे.का. 20:11-12](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G03020, G38700, G38740, G38750, G38880, G38900, G39310

शान्ति

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- "शान्ति" उस समय को भी दर्शाती है जब जातियाँ और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के "शांतिपूर्ण संबन्ध" कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ "शान्ति स्थापित" का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- "शान्ति बनाने वाला" वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ "शान्ति बनाए रखने" का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- "अनुग्रह और शान्ति" का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- "शान्ति" शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- [1 यिस्सलुनीकियों 05:1-3](#)
- [प्रेरि. 07:26](#)
- [कुलुस्सियों 01:18-20](#)
- [कुलुस्सियों 03:15](#)
- [गलातियों 05:23](#)
- [लूका 07:50](#)
- [लूका 12:51](#)
- [मरकुर 04:39](#)
- [मत्ती 05:9](#)

- [मत्ती 10:13](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इसाएलियों को आज्ञा दी थी, कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता संधि स्थापित न करे,
- **_15:12_** तब परमेश्वर ने इसाएलियों को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की।
- **_16:03_** तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में शांति लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में शान्ति स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इसाएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और शांति के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग्स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शारोन

तथ्यः

शारोन पर्वत कर्मेल के दक्षिण में भूमध्य सागर के तट पर एक समतल उपजाऊ भू भाग था। इसे "शारोन का मैदान" भी कहते हैं

- बाइबल में वर्णित अनेक नगर यहाँ स्थित थे, याफा, लुद्दा तथा कैसरिया।
- इसका अनुवाद "शारोन का मैदान" या "शारोन नामक समतल भूभाग" किया जा सकता है।
- शारोन के निवासियों को शारोनवासी कहते थे।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कैसरिया, कर्मेल, याफा, समुद्र)

बाइबल के सन्दर्भः

- [1 इतिहास 05:16-17](#)
- [प्रे.का. 09:33-35](#)
- [यशायाह 33:9](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8289, H8290

शासन

परिभाषा:

"शासक" सामान्यतः एक व्यक्ति जो अन्य लोगों पर अधिकार रखता है, जैसे किसी देश, राज्य, या धार्मिक संप्रदाय का अग्रुआ। एक शासक एक है जो "नियम" और उसका अधिकार उसका "नियम" है।

- पुराने नियम में राजा को भी अधिपति कहा जाता था जैसे इस वाक्य में है, “इस्ताएल पर अधिपति ठहराया”
- परमेश्वर को सबसे बड़ा राजा कहा गया है जो राजाओं का राजा है।
- नये नियम में आराधनालय के अगुवे को “अधिपति” कहा गया है।
- नये नियम में एक और अधिपति था जिसे हाकिम कहा गया है।
- प्रकरण के अनुसार “अधिपति” शब्द का अनुवाद “अगुआ” या “अधिकार रखनेवाला मनुष्य” किया जा सकता है।
- “शासन करने” के कार्य का अर्थ है, “अगुआई करना” या “किसी पर अधिकार रखना”। इसका अर्थ वही है जैसे “राज करना” जब राजा के संदर्भ में होता है।

(यह भी देखें: अधिकार, हाकिम, राजा, आराधनालय)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 03:17-18](#)
- [प्रे.का. 07:35-37](#)
- [लूका 12:11-12](#)
- [लूका 23:35](#)
- [मरकुस 10:42](#)
- [मत्ती. 09:32-34](#)
- [मत्ती. 20:25](#)
- [तीतुस 03:01](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग्स: H995, H1166, H1167, H1404, H2708, H2710, H3027, H3548, H3920, H4043, H4410, H4427, H4428, H4438, H4467, H4474, H4475, H4623, H4910, H4941, H5057, H5065, H5387, H5401, H5461, H5715, H6113, H6213, H6485, H6957, H7101, H7218, H7287, H7300, H7336, H7786, H7860, H7980, H7981, H7985, H7989, H7990, H8199, H8269, H8323, H8451, G746, G752, G755, G757, G758, G932, G936, G1018, G1203, G1299, G1778, G1785, G1849, G2232, G2233, G2525, G2583, G2888, G2961, G3545, G3841, G4165, G4173, G4291

शासन करना

परिभाषा:

राज्यपाल वह मनुष्य है जो किसी देश या साम्राज्य के किसी विशाल क्षेत्र पर शासन करता है (जैसे सीमाओं में, क्षेत्र या प्रांत में)।

- पुराने नियम का यह शब्द, "अधिपति (तर्शाता)" राज्यपाल के लिए एक अधिक विशिष्ट शीर्षक था जो एक फारसी प्रांत पर शासन करता था।
- नए नियम में, राज्यपाल (प्रोकौन्सुल) शब्द रोम के किसी प्रान्त नियुक्त राज्यपाल के लिए विशिष्ट पदनाम था।
- बाइबल के युग में हाकिम राजा या सम्राट के द्वारा नियुक्त किए जाते थे, और वे उसके अधीन रहते थे।
- "प्रभुता" किसी देश या साम्राज्य के सब सत्ताधारी शासकों से संगठित होती है। ये शासक ऐसे कानून बनाते हैं जो अपने नागरिकों के व्यवहार को निर्देशित करते हैं ताकि उस देश के सभी लोगों के लिए शांति, सुरक्षा और समृद्धि हो।

अनुवाद के सुझाव:

- "राज्यपाल" का अनुवाद "प्रशासक" या "पर्यवेक्षक" या "क्षेत्रीय अगुआ" या "एक छोटे क्षेत्र का शासक" भी किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "राज करना" का अनुवाद "शासन करना" या "अगुआई करना" या "प्रबन्ध करना" या "पर्यवेक्षण करना" हो सकता है।
- शब्द "राज्यपाल" का अनुवाद "राजा" या "सम्राट" के शब्दों से अलग ढंग से किया जाना चाहिए, क्योंकि एक राज्यपाल कम शक्तिशाली शासक था जो उनके अधिकार के अधीन था।
- "हाकिम" शब्द का अनुवाद "रोमन राज्यपाल" या "रोमन प्रांतीय शासक" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकार, राजा, सामर्थ्य, प्रदेश, रोम, शासक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 07:9-10](#)
- [प्रे.का. 23:22](#)
- [प्रे.का. 26:30](#)
- [मरकुर 13:9-10](#)
- [मत्ती 10:18](#)
- [मत्ती 27:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H324, H1777, H2280, H4951, H5148, H5460, H6346, H6347, H6486, H7989, H8269, H8660, G445, G446, G746, G1481, G2232, G2233, G2230, G4232

शास्त्री

परिभाषा:

शास्त्री वे अधिकारी थे जो राजसी या धार्मिक अभिलेखों को हस्तलेख में लिखने या नकल करने के काम का दायित्व निभाते थे। यहूदी शास्त्रियों को "यहूदी व्यवस्था विशेषज्ञ" भी कहा जाता था।

- शास्त्रियों का उत्तरदायित्व था कि पुराने नियम की पुस्तकों की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखें।
- वे परमेश्वर की व्यवस्था पर धर्म के विचारों की व्याख्या और टीका की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखते थे।
- कभी-कभी शास्त्री महत्वपूर्ण शासकीय अधिकारी भी होते थे।
- बाइबल में महत्वपूर्ण शास्त्रियों में बारूक और एज्ञा भी थे।
- नये नियम में, इस शब्द शब्द, "शास्त्री" का अनुवाद "व्यवस्थापक" भी किया गया है।
- नये नियम के समय, शास्त्री प्रायः एक धार्मिक पंथ "फरीसी" के सदस्य थे और ये दोनों समूह बार-बार एक साथ चर्चा में रहे हैं।

(यह भी देखें: व्यवस्था, फरीसी)

बाइबल के सन्दर्भः

- [प्रे.का. 04:05](#)
- [लूका 07:29–30](#)
- [लूका 20:47](#)
- [मरकुस 01:22](#)
- [मरकुस 02:16](#)
- [मत्ती 05:19–20](#)
- [मत्ती 07:28](#)
- [मत्ती 12:38](#)
- [मत्ती 13:51–52](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H5608, H5613, H7083, G1122

शिनार

तथ्योः

“शिनार” अर्थात् दो नदियों का देश, यह स्थान दक्षिणी मिसोपोपामिया में था।

बाद में शिनार का नाम कसदी तदोपरान्त बेबीलोन हुआ। बाबेल में रहनेवाले प्राचीन मनुष्यों ने एक ऊँचा मीनार बनाने का प्रयास किया था कि अपने को महान बनाएं। पीढ़ियों बाद यहूदी पितर अब्राहम इसी क्षेत्र के ऊर नगर में रहता था, उस समय इस स्थान का नाम “कसदी” था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, बाबेल, बेबीलोन, कसदी, मिसोपोतामिया, पित्र, ऊर)

बाइबल के सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 10:8–10](#)
- [उत्पत्ति 14: 1–2](#)
- [उत्पत्ति 14:7–9](#)
- [यशायाह 11:10–11](#)
- [जकर्याह 05:10–11](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8152

शिमशोन

तथ्यः

शिमशोन न्यायियों में से एक था, और इसाएल का मुक्तिदाता था। वह दान के गोत्र का था।

- परमेश्वर ने उसे अलौकिक शक्ति दी थी जिससे उसने इसाएल के शत्रु पलिश्तियों से लड़ने में काम में ली।
- शिमशोन शपथ के अधीन था कि वह न तो मदिरा पान करेगा, न ही किसी प्रकार का खमीरी पेय पदार्थ पीएगा। जब तक वह अपनी शपथ का निष्ठावान रहा, परमेश्वर उसे शक्ति देता रहा।
- उसने अपनी शक्ति का भेद प्रकट करके बाल कटवा लिए और पलिश्तियों ने उसे बन्दी बना लिया।
- जब शिमशोन बन्धुआई में था, परमेश्वर ने उसे शक्ति दी और अनेक पलिश्तियों के साथ उनके दागोन देवता के मन्दिर को नष्ट करवाया।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मुक्ति दिलाना, पलिश्ती, इसाएल के बारह गोत्र)

बाइबल के सन्दर्भः

- [इब्रानियों 11:32–34](#)
- [न्यायियों 13:24–25](#)
- [न्यायियों 16:1–2](#)
- [न्यायियों 16:30–31](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8123, G4546

शिमी

परिभाषा:

पुराने नियम में शिमी नामक अनेक पुरुष हुए हैं।

- गेरा का पुत्र शिमी एक बिन्यामीनी था जिसने दाऊद को श्राप दिया और उस पर पत्थर फेंके थे जब वह अपने पुत्र अबशालोम से बच कर यरूशलेम से भाग रहा था।
- पुराने नियम में शिमी नामक अनेक लेवी याजक भी हुए हैं।

(यह भी देखें: अबशालोम, बिन्यामीन, लेवी, याजक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 06:16-18](#)
- [1 राजा 01:7-8](#)
- [2 शमूएल 16:13-14](#)
- [जकर्याह 12:12-14](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8096, H8097

शीबा

तथ्योः

प्राचीन युग में शीबा एक प्राचीन सभ्यता थी या एक स्थान था जो दक्षिणी अरब में था।

- शीबा देश या स्थान आज के यमन या इथोपिया देश के निकट था।
- वहाँ के निवासी संभवतः हाम के वंशज थे।
- शीबा की रानी सुलैमान के वैभव और बुद्धि की चर्चा सुनकर उससे भेंट करने आई थी।
- पुराने नियम की वंशावलियों में “शीबा” नामक अनेक पुरुष थे। संभव है कि उस स्थान का नाम शीबा इनमें से किसी एक पुरुष के नाम पर पड़ा था।
- बर्शब नगर का नाम छोटा करके एक बार पुराने नियम में शीबा कहा गया है।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अरब, बर्शबा, इथोपिया, सुलैमान)

बाइबल के सन्दर्भः

- [1 इतिहास 01:8-10](#)
- [1 राजा 10:1-2](#)
- [यशायाह 60:6-7](#)
- भजन-संहिता 072:8-10

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5434, H7614

शीलो

तथ्योः

शीलो शहरपनाह का एक कनानी नगर था जिसे इस्त्राएल ने यहोशू की अगुआई में जीत लिया था।

शीलो नगर यरदन नदी के पश्चिम में और बेतेल के उत्तर-पूर्व में था। इस्त्राएल में यहोशू की अगुआई के समय शीलो नगर इस्त्राएलियों के लिए समागम स्थल था। इस्त्राएल के 12 गोत्र शीलो में उपस्थित होकर यहोशू की घोषणा सुनते थे कि कनान का कौन सा भाग किस गोत्र को दिया गया है। यरूशलेम के मन्दिर निर्माण से पूर्व इस्त्राएली शीलो में परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने आते थे। बालक शमूएल को उसकी माता ने शीलो में रखा था कि याजक एली से यहोवा की सेवा करना सीखे।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बेतेल, समर्पण करना, हन्ना, यरूशलेम, यरदन नदी, याजक, बलिदान, शमूएल, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भः

- [1 राजा 02:26-27](#)
- [1 शमूएल 01:9-10](#)
- [यहोशू 18:1-2](#)
- [न्यायियों 18:30-31](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7886, H7887

शुद्ध

परिभाषा:

"शुद्ध" शब्द का सन्दर्भ सामान्यतः किसी मनुष्य/वस्तु पर से मैल या दाग हटाने से है या सबसे पहले, तो मैल या दाग होना ही नहीं है। "शोधन" शब्द का सन्दर्भ विशेष करके किसी मनुष्य/वस्तु पर से मैल या दाग हटाने की क्रिया से है।

- "शोधन" किसी वस्तु को "शुद्ध" करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद "धोना" या "शुद्ध करना" भी हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्त्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को सांस्कारिक परिप्रेक्ष्य में "शुद्ध" और कौन-कौन से पशुओं को "अशुद्ध" घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को कोई विशेष त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसकी त्वचा रोगमुक्त न हो जाए कि संक्रमण न फैला पाए। त्वचा के शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था कि उस मनुष्य को पुनः "शुद्ध" घोषित किया जा सके।
- कभी-कभी "शुद्ध" शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में किया जाता था जिसका सन्दर्भ नैतिक शुद्धता से था अर्थात्, पापिओं से "शुद्ध"

बाईबल में, "अशुद्ध" शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में उन वस्तुओं के सन्दर्भ में किया जाता था जिनको परमेश्वर ने अपनी प्रजा के लिए स्पर्श, भोजन और बलि चढ़ाने के लिए योग्य ठराया था।

- परमेश्वर ने इसाएलियों को निर्देश दीए थे कि कौन से पशु "शुद्ध" हैं और कौन से पशु "अशुद्ध" हैं। अशुद्ध पशुओं को न तो खाने के लिए और न ही बलि चढ़ाने के लिए काम में लिया जाना था।
- कुछ विशेष प्रकार के चर्म रोगियों को भी "अशुद्ध" घोषित कर दिया जाता था, जब तक कि वे रोगमुक्त न हो जाएं।
- यदि इसाएली किसी "अशुद्ध" वस्तु के संपर्क में आ जाते थे तो वे कुछ समय के लिए अशुद्ध माने जाते थे।
- अशुद्ध वस्तु का स्पर्श न करने और अशुद्ध पशु को न खाने के सम्बन्ध में परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने से इसाएली परमेश्वर की सेवा निमित्त पृथक होते थे।
- यह शारीरिक और सांस्कारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता की द्योतक भी थी।
- एक और लाक्षणिक प्रयोग में, "अशुद्ध आत्मा" दुष्टात्मा के सन्दर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "स्वच्छ" एवं "शुद्ध" के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है। (मैला न होने के भाव में)
- इसके अनुवाद की अन्य विधियों में हैं, "सांस्कारिक शुद्धता" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धोने" या "शुद्ध करने" के द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शोधन" के लिए काम में लिए गए शब्दों को लाक्षणिक भाषा में भी समझा जा सकता है।
- "अशुद्ध" का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "शुद्ध नहीं" या "परमेश्वर की वृष्टि में योग्य" या "शारीरिक रूप से अशुद्ध" या "अशुस्त्रा"
- दुष्टात्मा के सन्दर्भ में अशुद्ध आत्मा के लिए "अशुद्ध" शब्द का अनुवाद "दुष्ट" या "अशुद्ध" किया जा सकता है।

इस शब्द के अनुवाद में आत्मिक अशुद्धता का भाव होना चाहिए और इसका सन्दर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसको परमेश्वर ने स्पर्श, भोजन और बलि के लिए योग्य घोषित कर दिया है।

(यह भी देखें: अशुद्ध करना, दुष्टात्मा, पवित्र, बलि)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 7:02](#)
- [उत्पत्ति 7:08](#)
- [व्य. 12:15](#)
- भजन-संहिता 51:7
- [नीतिवचन 20:30](#)
- [यहेजकेल 24:13](#)
- [मत्ती 23:27](#)
- [लूका 5:13](#)
- [प्रे.का. 8:7](#)
- [प्रे.का. 10:27-29](#)
- [कुलुसियों 3:5](#)
- [1 पिस्लुनिकियों 4:7](#)
- [याकूब 4:8](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G01670, G01690, G25110, G25120, G25130, G28390, G28400, G33940, G36890

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को ऐसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक साव या प्रसव से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि पापों से कैसे शुद्ध या मुक्त हुआ जाए- पशुओं के बलिदान से। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापमार्जन।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में तथा उसके बलिदान में विश्वास के द्वारा परमेश्वर की क्षमा से क्षमा प्राप्त करने से होता है।

अनुवाद के सुझावः

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “निर्मल बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- “शोधन” का अनुवाद करने के अन्य रूप हो सकते हैं, “शुद्ध होना” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना”

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

शुद्ध

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात् निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिश्रित न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात् उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना।

बाइबल संदर्भ:

- [1 तीमूथियुस 1:5](#)
- [निर्गमन 31:6-9](#)
- इब्रानियों 9:13-15
- [याकूब 4:8](#)
- [लूका 2:22](#)
- [प्रका. 14:4](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध करना

परिभाषा:

शुद्ध करने का अर्थ है, पृथक करना या पवित्र करना। शोधन पवित्र करने की प्रतिक्रिया है।

- पुराने नियम में, कुछ लोग और कुछ वस्तुएं परमेश्वर की सेवा के निमित्त पृथक किए गए थे या पवित्र माने गए थे।
- नये नियम की शिक्षा के अनुसार यीशु में विश्वास करने वालों को परमेश्वर पवित्र करता है। अर्थात् वह उन्हें पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लेता है।
- यीशु में विश्वास करनेवालों को आज्ञा दी गई है कि वे परमेश्वर के निमित्त स्वयं को पवित्र करें, प्रत्येक काम में पवित्र ठहरें।

अनुवाद के सुझावः

- प्रकरण के अनुसार, "शुद्ध करना" का अनुवाद हो सकता है, "पृथक करना" या "पवित्रीकरण करना" या "परिष्कृत करना"
- जब मनुष्य अपने को शुद्ध करते हैं, तो इसका अर्थ है कि वे अपना शोधन करके परमेश्वर की सेवा में अपना समर्पण करते हैं। "पवित्र" करना शब्द बाइबल में इस अभिप्राय में प्रयोग किया जाता है।
- जब इसका अर्थ "अभिषेक" हो तब इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "किसी मनुष्य (या वस्तु) को परमेश्वर की सेवा निमित्त समर्पित करना"
- संदर्भ के आधार पर, इस वाक्यांश "तुम्हारा पवित्रीकरण" का अनुवाद हो सकता है, "तुमको पवित्र करना" या "तुमको पृथक करना (परमेश्वर के लिए)" या "तुमको क्या पवित्र बनाता है"

(यह भी देखें: पवित्र करना, पवित्र, पृथक करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 यिस्सलुनीकियों 4:3-6](#)
- [2 यिस्सलुनीकियों 2:13](#)
- [उत्पत्ति 2:1-3](#)
- [लूका 11:2](#)
- [मत्ती. 6:8-10](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H6942, G00370, G00380

शुभ सन्देश

परिभाषा:

“सुसमाचार” शब्द का अर्थ वास्तव में “शुभ सन्देश” है और ऐसे सन्देश एवं घोषणा के संदर्भ में हैं जो मनुष्यों को लाभ पहुंचाता है या हर्षित करता है।

- बाइबल में यह शब्द कूस पर यीशु के बलिदान के माध्यम से परमेश्वर के उद्धार के संदर्भ में प्रायः उपयोग किया जाता है।
- अधिकांश अंग्रेजी बाइबलों में “शुभ सन्देश” का अनुवाद “सुसमाचार” किया गया है और ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “मसीह यीशु का सुसमाचार” या “परमेश्वर का सुसमाचार” और “राज्य का सुसमाचार”

अनुवाद के लिए सुझावः

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हैं, “शुभ सन्देश”, “शुभ घोषणा” या “परमेश्वर का उद्धार का सन्देश” या “परमेश्वर यीशु के बारे में अच्छी बातें सिखाता है”।
- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति, “का सुसमाचार” का अनुवाद के बारे में शुभ समाचार/सन्देश” या “से प्राप्त शुभ समाचार” या “परमेश्वर हमें जिन अच्छी बातों का ज्ञान देता है” या “परमेश्वर मनुष्यों का उद्धार करने के बारे में क्या कहता है”।

(यह भी देखें: राज्य, बलिदान, उद्धार)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [1 धिस्सलुनीकियों 1:5](#)
- [प्रे.का. 8:25](#)
- [कुलुस्सियों 1: 23](#)
- [गलातियों 1:6](#)
- [लूका 8: 1-3](#)
- [मरकुस 1:14](#)
- [फिलिप्पियों 2:22](#)
- [रोमियो 1:3](#)

बाह्यबल की कहानियों के उदाहरणः

- **23:6** तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो; क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूँ” कि आज बैतलहम नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।”
- **26:3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए मेरा अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओं को मुक्त करूँ। यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।”
- **45:10** फिलिप्पस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **46:10** तब उन्होंने उन्हें कई अन्य स्थानों में यीशु के बारे में प्रचार करने के लिये भेज दिया।
- **47:1** एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास फिलिप्पी में यीशु का प्रचार करने को गए।
- **47:13** यीशु के सुसमाचार को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:1** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग यीशु मसीह के सुसमाचार को सुन रहे हैं।

- ५०:२ जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में **शुभ समाचार** का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"
- ५०:३ स्वर्ग में वापस जाने से पहले, यीशु ने मसीहों से कहा कि वे उन लोगों को **शुभ समाचार** सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G20970, G20980, G42830

शेकेम

तथ्योः

शेकेम कनान में एक नगर था जो यरूशलेम के उत्तर में 40 मील दूर स्थित था। शेकेम पुराने नियम में एक पुरुष का भी नाम था।

- शेकेम वह स्थान था जहाँ याकूब लौटने के बाद अपने भाई एसाव से मेल करके बस गया था।
- याकूब ने शेकेम के हिल्वी हामोर के पुत्रों से भूमि खरीदी जो उनका पारिवारिक कब्रिस्तान हो गया था, वहीं याकूब के पुत्रों ने उसे दफन किया था।
- हामोर के पुत्र शेकेम ने याकूब की पुत्री दीना के साथ बलात्कार किया था जिसके परिणाम स्वरूप याकूब के पुत्रों ने शेकेम नगर के सब पुरुषों को मार डाला था।

(अनुवाद के सुझावः हामोर)

(यह भी देखें: कनान, एसाव, हामोर, हिल्वी, याकूब)

बाइबल के सन्दर्भः

- [प्रे.का. ०७:१४-१६](#)
- [उत्पत्ति १२: ६-७](#)
- [उत्पत्ति ३३: १८-२०](#)
- [उत्पत्ति ३७: १२-१४](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7928, H7930

शेत

तथ्यः

उत्पत्ति की पुस्तक में, शेत आदम और हव्वा का तीसरा पुत्र था।

- हव्वा ने कहा कि उसके पुत्र हाबिल के स्थान में उसे शेत दिया गया, हाबिल की हत्या उसके भाई कैन ने कर दी थी।
- नूह शेत के वंशजों में से था, अतः जलप्रलय के बाद सब शेत के वंशज हैं।
- शेत और उसका परिवार सबसे पहले मनुष्य थे जिन्होंने "प्रभु का नाम पुकारा था।"

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हाबिल, कैन, पुकारना, वंशज, पूर्वज, जल-प्रलय, नूह)

बाइबल सन्दर्भः

- [१ इतिहास ०१:१-४](#)
- [लूका ०३:३६-३८](#)
- [गिनती २४:१७](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H8352, G45890

शेम

तथ्यः

शेम नूह के तीन पुत्रों में से एक था, उत्पत्ति की पुस्तक में वर्णित विश्वव्यापी जल-प्रलय के समय वह नूह के साथ उसके जहाज में था।

- शेम अब्राहम और उसके "वंशजों" का पूर्वज था।
- शेम के वंशज "सामी" कहलाए जो इब्रानी और अरबी भाषा जैसी सामी भाषाएं बोलते थे।
- बाइबल बताती है कि शेम लगभग 600 साल जीवित रहा।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, अरेबिया, बड़ा जहाज, जल प्रलय, नूह)

बाइबल के सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 5:32](#)
- [उत्पत्ति 6:10](#)
- [उत्पत्ति 7:13-14](#)
- [उत्पत्ति 10:1](#)
- [उत्पत्ति 10:31](#)
- [उत्पत्ति 11:10](#)
- [लूका 3:36-38](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H8035, G45900

शैतान

तथ्यः

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के तुल्य उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझावः

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न व्यक्त होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 3:8](#)
- [1 थिसलुनीकियों 2:17-20](#)
- [1 तीमुथियुस 5:15](#)
- [प्रे.का. 13:10](#)
- [अथूब 1:8](#)
- [मरकुस 8:33](#)
- [जकर्याह 3:1](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:1** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह **शैतान** था। प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह **शैतान** को पूरी तरह से नष्ट कर देंगा।
- **25:6** फिर **शैतान** ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।"
- **_25:8_** यीशु **शैतान** के लालच में नहीं आया, तब **शैतान** उसके पास से चला गया।
- **33:6** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" मार्ग एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और **शैतान** उस वचन उससे ले जाता है।"
- **_38:7_** रोटी खाते ही, यहूदा में **शैतान** समागया।
- **_48:4_** परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी कि हव्वा का ही एक वंशज **शैतान** का सिर कुचलेगा, और **शैतान** उसकी एड़ी को डसेगा। इसका अर्थ यह हुआ कि, **शैतान** मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा। यीशु **शैतान** की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा।
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें **शैतान** के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है।

- 50:9 "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दुष्ट से सम्बंधित हैं। जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह शैतान का प्रतिनिधित्व करता है।"
- 50:10 "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग शैतान के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकट्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ि के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे।
- 50:15 जब यीशु वापस आएगा तो वह शैतान और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा। वह शैतान को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शोक करना

तथ्यः

"विलाप" और "विलाप करना" का अर्थ है शोक करना, प्रायः किसी की मृत्यु पर।

- अनेक संस्कृतियों में विलाप के लिए विशिष्ट बाहरी व्यवहार होता है जिससे दुःख एवं शोक प्रकट होता है।
- प्राचीन युग में इसाएल और अन्य जातियां ऊंचे स्वर में रोकर और शोक प्रकट करके दुःख व्यक्त करते थे। वे टाट के बने वस्त्र पहनते थे और सिर में राख डालते थे।
- भाड़े के शोक मनाने वाले भी होते थे, प्रायः स्त्रियाँ, वे मृत्यु के समय से लेकर दफन के बहुत बाद तक रोती और विलाप करती थीं।
- शोक का समय सात दिन होता था परन्तु तीस दिन तक भी हो सकता था (जैसे मूसा और हारून के लिए था) या सत्तर दिन (जैसा याकूब के लिए किया गया था)।
- बाइबल इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है, जैसे पाप के लिए "विलाप करना"। इसका संदर्भ गहरे दुःख की भावना से है क्योंकि पाप परमेश्वर और मनुष्य को कष्ट पहुँचाता है।

(यह भी देखें: टाट, पाप)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 15:34-35](#)
- [2 शमूएल 01:11](#)
- [उत्पत्ति 23:02](#)
- [लूका 07:31-32](#)
- [मत्ती 11:17](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H56, H57, H60, H205, H578, H584, H585, H1058, H1065, H1068, H1671, H1897, H1899, H4553, H4798, H5092, H5098, H5110, H5594, H6937, H6941, H8386, G2354, G2875, G3602, G3996, G3997

श्रद्धा

परिभाषा:

“भय मानकर” शब्द का अर्थ, किसी मनुष्य या वस्तु के प्रति अगाध आदर की भावना है। किसी व्यक्ति या चीज़ के प्रति “श्रद्धा” दिखाने के लिए सम्मान।

- श्रद्धा की भावना श्रद्धा के पात्र के सम्मान के काम में देखी जा सकती है।
- परमेश्वर का भय आन्तरिक श्रद्धा है जो परमेश्वर की आज्ञाएं मानने से प्रकट होती है।
- इस शब्द का अनुवाद “भय एवं आदर” या “हार्दिक सम्मान” हो सकता है।

(यह भी देखें: भय, आदर, पालन)

बाह्यबल सन्दर्भ:

- [1 पतरस 01:15-17](#)
- [इब्रानियों 11:7](#)
- [यशायाह 44:17](#)
- भजन संहिता 005:7-8

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H3372, H3373, H3374, H4172, H6342, H7812, G127, G1788, G2125, G2412, G5399, G5401

श्राप

परिभाषा:

“श्राप” शब्द का अर्थ है, जिस मनुष्य या वास्तु को श्राप दिया जा रहा है उसके लिए अनर्थ बातों के होने का कारण उत्पन्न करना।

- श्राप एक उच्चारण है कि किसी, मनुष्य या वस्तु की हानि हो।
- किसी को श्राप देना मन में उत्पन्न विचार की अभिव्यक्ति भी हो सकता है कि उनके साथ बुरा हो।
- इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड या अशुभ होने का कारण होने से भी हो सकता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है: “किसी के लिए अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”,
- परमेश्वर द्वारा उसकी आज्ञा न मानने वाली प्रजा पर भेजे जाने वाले श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “अनर्थ बातों को होने देने के द्वारा दण्ड देना”
- “श्रापित हो” इस उक्ति द्वारा जब मनुष्यों का वर्णन किया जाता है, तो इसका अनुवाद हो सकता है, “(यह व्यक्ति) अमेक कठिनाइयों का अनुभव करेगा।”
- “श्रापित है” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “(यह व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव करे।”
- “श्रापित है वह भूमि” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “यह भूमि उपजाऊ न हो।”
- तथापि, यदि लक्षित भाषा में यह उक्ति, “श्रापित है” है और इसका अर्थ भिन्न नहीं है, तो इस उक्ति को ऐसा ही रखना उचित होगा।

(यह भी देखें: आशिष देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 14:24-26](#)
- [2 पतरस 2:12-14](#)
- [गलातियों 3:10](#)
- [गलातियों 3:14](#)
- [उत्पत्ति 3:14](#)
- [उत्पत्ति 3:17](#)
- याकूब 3:10
- [गिनती 22:6](#)
- भजन संहिता 109:28

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **2:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “**शापित है तू!**”
- **2:11** “अब भूमि **शापित है**, और तुझे उसकी उपज खाने के लिये कठोर परिश्रम करना होगा।”
- **4:4** “जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे **श्राप** दें उन्हें मैं **श्राप** दूँगा।”
- **39:7** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे **श्राप** दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे **श्राप दिया** और इसे नष्ट करने का निर्णय लिया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H0422, H0423, H0779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G03310, G03320, G06850, G19440, G25510, G26520, G26530, G26710, G26720, G60350

संत

परिभाषा:

शब्द "संत" का शाब्दिक अर्थ है "पवित्र लोग" और यीशु में विश्वासियों को संदर्भित करता है।

- कलीसियाई इतिहास में, आगे चलकर भले कामों के लिए प्रसिद्ध मनुष्य के लिए "संत" शब्द का उपयोग किया गया है लेकिन यह शब्द नये नियम के समय के दौरान ऐसा इस्तेमाल नहीं किया गया था।
- यीशु के विश्वासियों को पवित्र जन इसलिए नहीं कहा गया है कि उन्होंने अच्छे काम किए परन्तु मसीह यीशु के मोक्षक कार्यों में विश्वास करने के कारण उन्हें पवित्र जन कहा गया है। वही उन्हें पवित्र बनाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र जन" या "यीशु के पवित्र विश्वासी" या "पवित्र" या "पवित्र लोग" या "यीशु के पवित्र विश्वासी" या "पृथक किए गए लोग।"
- सावधान रहें कि इस उक्ति द्वारा किसी समूह विशेष का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 तीमूथियुस 05:9-10](#)
- [2 कुरियियों 09:12-15](#)
- [प्रका 16:4-7](#)
- [प्रका 20:9-10](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H6918, H6922, G40

संबंध-जाने

परिभाषा:

इस अर्थ में उपयोग शब्द "जानना" और "ज्ञान" और "जानते थे" का अर्थ किसी व्यक्ति के साथ संबंध में होना है।

- परमेश्वर को "जानने" का अर्थ है उनके साथ संबंध बनाना। यह लोगों को जानने पर भी लागू होता है।
- मत्ती 7:23 में यीशु ने कहा कि न्याय के दिन वह कुछ लोगों से कहेगा, "मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना"। "मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना" कहने से उनका मतलब है कि वह कभी भी उनके साथ व्यक्तिगत संबंध में नहीं था।
- "परमेश्वर का ज्ञान" कभी-कभी "यहोवा के भय" के पर्याय के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- जब एक पुरुष और एक महिला के संदर्भ में "जानना" का उपयोग किया जाता है, तो यह अक्सर यौन संबंध बनाने का एक उपमा होता है।

अनुवाद सुझाव

- संदर्भ के आधार पर, "जानना" के इस अर्थ का अनुवाद करने के तरीकों में "अवगत होना" या "परिचित होना" या "संबंध में होना" शामिल हो सकते हैं।
- कुछ भाषाओं में "जानना" के लिए दो अलग-अलग शब्द होते हैं, एक तथ्यों को जानने के लिए और एक व्यक्ति को जानने और उस व्यक्ति के साथ संबंध में होने के लिए। व्यक्ति को जानने और उस व्यक्ति के साथ संबंध में होने के लिए शब्द का उपयोग इस अर्थ में "जानना" शब्द का अनुवाद करते समय किया जाना चाहिए।

(यह भी देखें: जानकारी-जानना, प्रकट करना)

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

बाइबल संदर्भः

- [1 कुरिशियो 07:8-9](#)
- [2 पतरस 01:5-7](#)
- [2 तीमुथियुस 03:1-4](#)
- [गलातियो 05:22-24](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

संसार

परिभाषा:

"संसार" शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता है; पृथ्वी "सांसारिक" शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

संयम

परिभाषा:

"संयम" पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यतायों के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्रायः “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए।”
- “रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए” इसका अनुवाद हो सकता है: “बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए...”।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या “स्वार्थी” या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है।

- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: ख्रिस्ट, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

बाइबल संदर्भः

- [1 यूहन्ना 02:15](#)
- [1 यूहन्ना 04:5](#)
- [1 यूहन्ना 5:5](#)
- [यूहन्ना 1:29](#)
- [मत्ती 13:36-39](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

सताना/सताव

परिभाषा:

“सताना” और “सताव” अर्थात् किसी मनुष्य को या समुदाय के साथ कठोर व्यवहार करना कि जिससे उन्हें हानि पहुंचे।

- उपद्रव किसी एक मनुष्य या अनेक मनुष्यों पर हो सकता है जिसमें बार-बार, लगातार वार करना होता है।
- इस्माएलियों को विभिन्न जातियों ने सताया था। उन्होंने उन पर आक्रमण किया, उन्हें बन्दी बनाया और उनके नगरों को लूटा।
- मनुष्य प्रायः उन लोगों को सताता है जिनका धर्म अलग हो या जो दुर्बल हों।
- यहूदी धर्म के अगुवे यीशु को सताते थे क्योंकि उन्हें उसकी शिक्षाएं अच्छी नहीं लगती थीं।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद यहूदी धर्म के अगुवे और रोमी सरकार यीशु के अनुयायियों को सताने लगे थे।
- “सताना” का अनुवाद हो सकता है, “अत्याचार करते रहना” या “कठोर व्यवहार करना” या “लगातार दुर्व्यवहार करना।”
- “सताव” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “कठोर दुर्व्यवहार” या “अत्याचार” या “लगातार कष्टदायक व्यवहार”

(यह भी देखें: मसीही विश्वासी, आराधनालय, अत्याचार करना, रोम)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 7:52](#)
- [प्रे.का. 13:50](#)
- [गलातियों 1:13-14](#)
- [यूहन्ना 5:16-18](#)
- [मरकुस 10:30](#)
- [मत्ती 5:10](#)
- [मत्ती 5:43-45](#)
- [मत्ती 10:22](#)
- [मत्ती 13:20-21](#)
- [फिलिप्पियों 3:6](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 33:7 “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते हैं, ये वे हैं जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते हैं। इसके बाद जब वचन के कारण उन पर उपद्रव होता है, तो वे तुरन्त ठोकर खाते हैं।”
- 45:6 उसी दिन, कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालों पर बड़ा उपद्रव करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए।
- 46:2 शाऊल ने यह शब्द सुना, “हे शाऊल! हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?” उसने पूछा, “हे प्रभु! तू कौन है?” यीशु ने उसे उत्तर दिया कि, “मैं यीशु हूँ जिसे तू सताता है।”
- 46:4 परन्तु हनन्याह ने कहा, “हे प्रभु! मैंने इस मनुष्य के विषय में सुना है कि इसने तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी बुराइयाँ की हैं।”

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1814, H7291, H7852, G13750, G13760, G13770, G15590, G23470

सद्की**परिभाषा:**

मसीह यीशु के युग में सद्की यहूदियों के याजकों में से उभरा एक राजनीतिक दल था। जो रोमी राजा का विरोधी था और पुनरुत्थान में विश्वास नहीं करता था।

- अनेक सद्की धनवान उच्चवर्गीय यहूदी थे जिनके हाथ में प्रभावशाली अगुआई के पद थे जैसे प्रधान याजक और महायाजक।
- सद्कियों के दायित्वों में मान्दिर के देखरेख करना तथा याजकीय सेवाएँ जैसे बलि चढ़ाना था।
- सद्कियों और फरीसियों ने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए रोमी प्रशासकों को विवश किया था।
- यीशु ने इन दो पंथों के स्वार्थ और पाखण्ड की निन्दा की थी।

(यह भी देखें: प्रधान-याजकों, महासभा, महायाजक, कपटी, यहूदी अगुवों, फरीसी, याजक)

बाइबल के सन्दर्भः

- [प्रे.का. 4:3](#)
- [प्रे.का. 5:17-18](#)
- [लूका 20:27](#)
- [मत्ती. 3:7](#)
- [मत्ती 16:1](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G45230

सदोम**परिभाषा:**

सदोम कनान के दक्षिणी हिस्से में एक शहर था, जहाँ अब्राहम का भतीजा लूट अपने परिवार के साथ रहने गया था।

- सदोम का परिक्षेत्र जल प्राचुर्थ के कारण अत्यधिक उपजाऊ था, यहीं कारण था कि लूत ने वह स्थान अपने निवास के लिए चुना था।
- इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अज्ञात है, क्योंकि वह संपूर्ण क्षेत्र, सदोम, अमोरा और आसपास का क्षेत्र वहाँ के निवासियों के भ्रष्ट कर्मों के दण्ड के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने पूर्णतः नष्ट कर दिया था।
- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा पाप समलैंगिक योनाचार था।

(यह भी देखें: कनान, अमोरा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 10:19](#)
- [उत्पत्ति 13:12](#)
- [मत्ती 10:15](#)
- [मत्ती 11:24](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5467, G46700

सनातन

परिभाषा:

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियाँ हैं।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियाँ, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते हैं।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “देह का पुनरुत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियाँ, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- *स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: सदाकालीन, जीवन)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति] 17:8(rc:///*/tn/help/gen/17/08)
- [उत्पत्ति] 48:4(rc:///*/tn/help/gen/48/4)
- [निर्गमन 15:17](#)
- [2 शमूएल 03:28-30](#)
- [1 राजा 02:32-33](#)
- [अय्यूब 04:20-21](#)
- भ.स 21:04
- [यशायाह] 9:6-7(rc:///*/tn/help/isa/09/06)
- [यशायाह] 40:27-28(rc:///*/tn/help/isa/04/27)
- [दानिएल 07:18](#)
- [लूका 18:18](#)
- [प्रे.का. 13:46](#)
- [रोमियो 05:21](#)
- [इब्रानियों 06:19-20](#)
- [इब्रानियों 10:11-14](#)
- [1 युहन्ना 01:02](#)
- [1 युहन्ना 05:12](#)
- [प्रका. 01:4-6](#)
- [प्रका.] 22:3-5(rc:///*/tn/help/rev/22/03)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- 27:01 एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे **अनन्त जीवन** पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"

- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए _ अनन्त जीवन_ प्राप्त करने के लिए?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पछ रहे हो के अच्छा क्या है! ? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम _ अनन्त जीवन_ पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें। "
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और अनन्त जीवन भी प्राप्त करेगा।"

शब्द तथ्यः

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

सनौबर

परिभाषा:

"सनौबर" बाइबल के युग में बहुतायत से उगते थे विशेष करके भूमध्य-सागर के तटीय प्रदेशों में।

- साइप्रस और लबानोन दो ऐसे स्थान थे जिनकी चर्चा बाइबल में की गई है कि वहां सनौबर बहुतायत से थे।
- नूह ने अपना जहाज बनाने के लिए जिस लकड़ी को इस्तेमाल किया था वह संभवतः सनौबर ही की थी।
- क्योंकि सनौबर की लकड़ी ठोस एवं दीर्घकालीन होती है इसलिए प्राचीन युग के लोग इससे नाव एवं अन्य निर्माण कार्य करते थे।

(यह भी देखें: सन्दूक, साइप्रस, देवदार, लबानोन)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 11:19-21](#)
- [उत्पत्ति 06:13-15](#)
- [होशे 14:7-8](#)
- [यशायाह 44:14](#)
- [यशायाह 60:12-13](#)
- [जकर्याह 11:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H8645

सनौबर

परिभाषा:

- "सनौबर" एक सदाबहार वृक्ष है जिसमें शंकुओं के अन्दर बीज होते हैं।
- इन वृक्षों की सदाबहार वृक्ष भी कहते हैं।
- प्राचीन युग में सनोवर की लकड़ी संगीतवादीयों को बनाने में तथा नाव, घर एवं मन्दिर बनाने के लिए प्रयोग किया जाता था।
- बाइबल में इस प्रजाति के वृक्षों के नाम है, चीड़, देवदारु, सनौबर, और सदाबहार वृक्ष।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: देवदारु, सनौबर)

बाइबल सन्दर्भः

- [यहेजकेल 27:4-5](#)
- [यशायाह 37:24-25](#)
- [यशायाह 41:19-20](#)
- [यशायाह 44:14](#)
- [यशायाह 60:12-13](#)
- भजन संहिता 104:16-18

शब्द तथ्यः

- Strong's: H766, H1265, H1266

सन्हेरीब

तथ्यः

सन्हेरीब अश्शूरों का एक महान राज्य था जिसने नीनवे को एक समृद्ध एवं महत्वपूर्ण नगर बना दिया था।

- सन्हेरीब बेबीलोन और यहूदा राज्य से युद्ध करने के लिए जाना गया है।
- वह एक अत्यधिक अभिमानी राजा था और यहोवा का उपहासक था।
- सन्हेरीब ने राजा हिजकिय्याह के राज्यकाल में यरूशलेम पर आक्रमण किया था।
- यहोवा ने सन्हेरीब की सेना को नष्ट कर दिया था।
- पुराने नियम में राजाओं और इतिहास की पुस्तकों में सन्हेरीब के राज्य की घटनाओं के वृत्तान्त हैं।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, हिजकिय्याह, यहूदा, ठट्ठा करना, नीनवे)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 32:1](#)
- [2 इतिहास 32:16-17](#)
- [2 राजा 18:13-15](#)

शब्द तथ्यः

सप्ताह

तथ्यः

सप्ताह भविष्यद्वक्ता, कूशी का पुत्र, यरूशलेम वासी था और यहूदा के राज्य योशियाह के राज्यकाल में उसने भविष्यद्वाणी की थी। उसका सेवाकाल यिर्म्याह के समय का है।

- उसने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था। उनकी भविष्यवाणियां पुराने नियम में सप्ताह की पुस्तक में लिखा गया है।
- पुराने नियम में सप्ताह नामक अनेक पुरुष भी हुए हैं जिनमें से ज्यादातर याजक थे॥

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: यिर्म्याह, योशियाह, याजक)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 25:18-19](#)
- [यिर्म्याह 52:24-25](#)
- [जकर्या 06:9-11](#)
- [सप्ताह 01:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6846

सप्ताह

परिभाषा:

“सप्ताह” शब्द सात दिन के समय के संदर्भ में है।

- यहूदी सप्ताह का आरंभ शनिवार के सूर्यास्त से गिनते थे और सप्ताह का अन्त अगले शनिवार के सूर्यास्त तक मानते थे।
- बाइबल में “सप्ताह” का प्रतीकात्मक उपयोग समय की सात ईकाइयों के संदर्भ में होता था जैसे सात वर्षों का सप्ताह।
- “सप्ताहों का पर्व” फसल का उत्सव जो फसह के सात सप्ताहों बाद आता था। इसे पिन्तेकुस्त भी कहते थे।

(यह भी देखें: पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 20:7-8](#)
- [व्यवस्थाविवरण 16:9-10](#)
- [लैव्यव्यवस्था 23:15-16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7620, G4521

सब्ल

परिभाषा:

"सब्ल" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इसाएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन को विश्राम करने के लिए प्रिथक कर दें, उस दिन कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इसाएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्ल के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इसाएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्ल का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्ल के स्थान पर "सब्ल का दिन" कहा गया है।

अनुवाद के सुझावः

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: विश्राम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 31:2-3](#)
- [प्रे.का. 13:26-27](#)
- [निर्गमन 31:14](#)
- [यशायाह 56:6-7](#)
- [विलापगीत 2:6](#)
- [लैव्यव्यवस्था 19:3](#)
- [लूका 13:14](#)
- [मरकुस 2:27](#)
- [मत्ती 12:2](#)
- [नहेम्याह 10:32-33](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 13:5 "तू सब्ज के दिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना | छः दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है।"
- 26:2 यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | सब्ज के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया।
- 41:3 यीशु को दफनाने के दिन के बाद सब्ज का दिन था, और यहूदियों को उस दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

समझना**परिभाषा:**

"समझना" शब्द का अर्थ है सुनना या किसी जानकारी को अंतर्ग्रहण करना और समझना कि वह क्या है।

- "समझ" शब्द का संदर्भ "ज्ञान" या "बुद्धि" से भी हो सकता है या "किसी काम को करने की समझ से भी"।
- किसी को समझने का अर्थ यह भी हो सकता है कि वह व्यक्ति कैसा महसूस कर रहा है।
- इम्माऊस के मार्ग में यीशु ने उन शिष्यों को धर्मशास्त्र से मसीह का अर्थ समझने में सहायता की थी।
- प्रकरण के अनुसार "समझ" का अनुवाद "जानना" या "विश्वास करना" या "अंतर्ग्रहण करना" या "अर्थ समझना" भी हो सकता है।
- "समझ" का अनुवादक प्रायः "ज्ञान" या "बुद्धि" या "अंतर्ग्रहण" किया गया है।

(यह भी देखें: विश्वास, जानना, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भः

- [अथूब 34:16-17](#)
- [लूका 02:45-47](#)
- [लूका 08:9-10](#)
- [मत्ती 13:10-12](#)
- [मत्ती 13:13-14](#)
- [नीतिवचन 03:5-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H995, H998, H999, H1847, H2940, H3045, H3820, H3824, H4486, H7200, H7306, H7919, H7922, H7924, H8085, H8394, G50, G145, G191, G801, G1097, G1107, G1108, G1271, G1921, G1922, G1987, G1990, G2657, G3129, G3539, G3563, G3877, G4441, G4907, G4908, G4920, G5424, G5428, G5429, G6063

समय**तथ्यः**

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है

जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ "युग" या "काल" या "ऋतु" के समान है।

- दानियेल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- "समय, समयों और आधे समय" इस उक्ति में समय का अर्थ है, "वर्ष।" यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान् पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार "समय" शब्द का अनुवाद "मौसम" या "काल" या "पल" या "घटना" या "घटन" हो सकता है।
- "समयों और ऋतुओं" यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, "किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना" (देखें: प्रतिलिपि)

(यह भी देखें: युग, पीड़ा)

बाइबल संदर्भ:

- [प्रेरि. 01:07](#)
- [दानियेल 12:1-2](#)
- [मरकुस 11:11](#)
- [मत्ती 08:29](#)
- भजन संहिता 068:28-29
- [प्रकाशितवाक्य 14:15](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

समर्पण करना

परिभाषा:

समर्पण करने का अर्थ है, किसी को या किसी वस्तु की विशेष उद्देश्य या कार्य के लिए पृथक करना या प्रतिबद्ध करना।

- दाऊद ने अपना सोना-चांदी परमेश्वर को समर्पित कर दिया था।

"समर्पण" शब्द का अर्थ प्रायः होता है, किसी विशेष कार्य हेतु किसी वास्तु को पृथक करने का विधिवत् कार्य या अनुष्ठान का संदर्भ देता है कि किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त उसे पृथक कर दिया गया है।

- वेदी के समर्पण में परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाई जाती थी।
- नहेम्याह ने यरूशलेम की पुनरुद्धार की गई शहरपनाह के समर्पण में इसाएलियों की गुआई की थी और केवल यहोवा की सेवा करने की और उसके इस नगर की देखरेख की प्रतिज्ञा का नवीकरण किया था। इस घटना में संगीत वाद्यों और संगत के द्वारा परमेश्वर को धन्यवाद दिया गया था।
- “समर्पण करना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विशेष उद्देश्य की विशेष रूप से नियत करना” या “किसी विशेष उपयोग हेतु किसी वस्तु को समर्पित करना” या “किसी विशेष कार्य हेतु किसी का समर्पण करना”।

(यह भी देखें: प्रतिबद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 15:11-12](#)
- [1 कुरिन्यियों 6:9-11](#)
- [1 राजा 7:51](#)
- [1 तीमुथियुस 4:5](#)
- [2 इतिहास 2:4-5](#)
- [यूहन्ना 17:18-19](#)
- [लूका 2:22-24](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2596, H2597, H2598, H2764, H4394, H6942, H6944, G1456, G1457

समाचार

परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात् किसी घटन की सूचना देना, या अधिकतर उस घटना का विस्तृत ब्लॉग प्रस्तुत करना। “समाचार” वह होता है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना।”
- “समाचार” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” जो प्रकरण के अनुसार किए जाएंगे।

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 5:22-23](#)
- [यूहन्ना 12:38](#)
- [लूका 5:15](#)
- [लूका 8:34-35](#)
- [मत्ती 28:15](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, H8089, G01890, G01910, G03120, G05180, G09870, G12250, G13100, G18340, G20360, G21630, G30040, G30560, G31400, G33770

समुद्र

तथ्य:

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इसाएल(पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इसाएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: इसाएल, लोग समूह, समृद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 47:15-17](#)
- [यहेजकेल 47:18-20](#)
- [यहोशू 15:3-4](#)
- [गिनती 13:27-29](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H314, H1419, H3220

समृद्ध होना

परिभाषा:

“समृद्धि” शब्द का अर्थ है अच्छा जीवन और इसका संदर्भ सांसारिक एवं आत्मिक समृद्धि से भी हो सकता है। जब मनुष्य या देश “समृद्ध” होते हैं तो इसका अर्थ है वे धनाड्य हैं और सफलता के लिए उनके पास सब कुछ है। वे “समृद्धि” का अनुभव पाते हैं।

- “समृद्ध” शब्द प्रायः धन-सम्पदा का संदर्भ देता है या मनुष्यों के सुखी जीवन के लिए सब आवश्यकताओं की पूर्ति का संदर्भ देता है।

- बाइबल में “समृद्ध” शब्द का अभिप्राय है, स्वास्थ्य एवं सन्तान की आशिष।

- “समृद्ध” नगर या देश वह है जिसमें अनेक लोग हों, भोजन का अच्छा उत्पाद हो तथा बहुत पैसा लानेवाले व्यापार हों।

- बाइबल के अनुसार परमेश्वर की आज्ञाओं को मानने वाला आत्मिक समृद्धि पाता है। उसे आनन्द और शान्ति भी मिलती है। परमेश्वर मनुष्य को सदैव धन सम्पदा नहीं देता है परन्तु उसके मार्ग पर चलने से उन्हें आत्मिक समृद्धि प्रदान करता है।

- प्रकरण पर आधारित “समृद्ध” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक उन्नति” या “परमेश्वर द्वारा आशिषित” या “भली वस्तुओं का अनुभव” या “उत्तम जीवन”।

- “समृद्ध” शब्द का अनुवाद यह भी हो सकता है, “सफल” या “धनवान्” या “आत्मिकता में फलवन्त्”।

- “समृद्धि” का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है, “कल्याण” या “धन सम्पदा” या “सफलता” या “विपुल आशिषें”।

(यह भी देखें: आशिष देना, फल, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 29:22-23](#)
- [व्यवस्थाविवरण 23:5-6](#)
- [अथूब 36:10-12](#)
- [लैव्यव्यवस्था 25:26-28](#)
- भजन संहिता 001:3

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1129, H1767, H1878, H1879, H2428, H2896, H2898, H3027, H3190, H3444, H3498, H3787, H4195, H5381, H6500, H6509, H6555, H6743, H6744, H7230, H7487, H7919, H7951, H7961, H7963, H7965, G2137

सम्मति**परिभाषा:**

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान ‘युक्ति करनेवाला’ या ‘मंत्री’, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

- राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
- कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिसके अनुसार दी गई आज्ञा उसको और जनता को हानि पहुंचाती थी।
- प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनियाँ” या “समझाना” या “मार्गदर्शन”
- “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
- ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: समझाना, पवित्र आत्मा, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:**शब्द तथ्यः**

- स्ट्रोंग्स: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G10110, G10120, G11060, G48230, G48250

सरकंडों का सागर**तथ्यः**

“सरकंडों का सागर” मिस्र और अरब के बीच स्थित एक जलाशय का नाम था। इसे अब “लाल सागर” कहा जाता है।

- लाल सागर लंबा और संकरा है। यह एक झील या नदी से बड़ा है परन्तु समुद्र से बहुत छोटा है।
- इसाएलियों को मिस्र से निकलने के बाद लाल सागर पार करना पड़ा था। परमेश्वर ने लाल सागर के जल को विभाजित करके सूखी भूमि प्रकट कर दी थी कि इसाएली चलकर उसे पार कर लें।
- कनान इस सागर के उत्तर में था।
- इसका अनुवाद “सरकंडों का सागर” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अरब. कनान, मिस्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:35-37](#)
- [निर्गमन 13:17-18](#)
- [यहोशू 4:22-24](#)
- [गिनती 14:23-25](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 12:4 जब इसाएलियों ने देखा कि मिस्र की सेना आ रही है, तो उन्हें डर लगा कि वे फिरौन की सेना और **लाल सागर** के बीच फंस गए हैं
- 12:5 तब परमेश्वर ने मूसा से कहा, "लोगों को **लाल सागर** की ओर जाने के लिए कह।"
- 13:1 जब परमेश्वर ने इसाएलियों को **लाल सागर** पार करा दिया तब वह उनको मरुभूमि में लेकर चलते हुए सीने नमक एक पर्वत तक लाया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3220, H5488, G2063, G2281

सर्प

तथ्य:

ये सब शब्द एक ऐसे रेंगनेवाले जन्तु के संदर्भ में हैं जिसका शरीर पतला और लम्बा होता है। उसके दाँत बड़े और नुकीले होते हैं वह भूमि पर टेढ़ी मेढ़ी चाल से रेंगता है। “सांप” (सर्प)

शब्द एक बड़े सांप के संदर्भ में है और “नाग” विषेला सांप होता है जो अपने शिकार को मारने के लिए विष काम में लेता है।

- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में एक ऐसे मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो दुष्ट है, विशेष करके धोखा देनेवाले के लिए।
- यीशु धर्म के आगुओं को “सांप के बच्चे” कहता था क्योंकि वे धार्मिकता का स्वांग रखते थे परन्तु मनुष्यों को धोखा देते थे और उनके साथ पक्षपात का व्यवहार करते थे।
- अदन की वाटिका में, शैतान ने सर्प का रूप धारण किया और हब्बा को बहका कर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करवाया।
- जब शैतान ने सर्परूप में हब्बा को परीक्षा में गिराकर पाप करवाया, तब हब्बा और उसका पति, दोनों ने पाप किया। परमेश्वर ने सर्प को श्राप दिया कि उसका वंश भूमि पर रेंग कर चलेगा। इसका अभिप्रेत अर्थ है कि इससे पूर्व सर्प के पाँव थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: शाप, छलना, अवज्ञा, अदन, दुष्ट, शिकार, शैतान, पाप, परीक्षा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 3:3](#)
- [उत्पत्ति 3:4-6](#)
- [उत्पत्ति 3:12-13](#)
- [मरकुस 16:17-18](#)
- [मत्ती 3:7](#)
- [मत्ती 23:33](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0660, H2119, H5175, H6620, H6848, H8314, H8577, G21910, G20620, G37890

सर्वशक्तिमान

तथ्यः

“सर्वशक्तिमान” का वास्तविक अर्थ है “सबसे अधिक शक्तिशाली” बाइबल में यह शब्द परमेश्वर को सम्बोधित करता है।

- “सर्वशक्तिमान” या “सर्व-सामर्थी” शब्द परमेश्वर के संदर्भ में हैं और प्रकट करते हैं कि उसे सब पर पूर्व अधिकार एवं सामर्थ्य प्राप्त है।
- इस शब्द द्वारा परमेश्वर को पदनामों दिया गया है, “सर्वशक्तिमान परमेश्वर” या “सर्व-सामर्थी परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर”

अनुवाद के सुझावः

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है: “सर्वसामर्थी” या “सर्वशक्तिमान” या “परमेश्वर, जो सर्वशक्तिमान है”
- “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” के अनुवाद हो सकते हैं, “सामर्थी शासक परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभुता संपत्ति परमेश्वर” या “सामर्थी परमेश्वर जो एक महान स्वामी है”।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, सामर्थ्य)

बाइबिल सन्दर्भः

- [निर्गमन 06:2-5](#)
- [उत्पत्ति 17:1-2](#)
- [उत्पत्ति 35:11-13](#)
- [अय्यूब 08:1-3](#)
- [गिनती 24:15-16](#)
- [प्रकाशितवाक्य 01:7-8](#)
- [रूत 01:19-21](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H7706, G3841

सहन करना-के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना

तथ्यः

इस अर्थ में उपयोग शब्द “सहन करना” का अर्थ है किसी चीज़ के लिए “ज़िम्मेदार होना” या किसी चीज़ के लिए “ज़िम्मेदार ठहराया जाना”।

- यह कथन कि “पुत्र अपने पिता के अधर्म का भार नहीं उठाएगा” का अर्थ है कि वह अपने पिता के पापों के लिए “ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा” या “उसके लिए दण्डित नहीं किया जाएगा।”
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद “ज़िम्मेदार होना” या “ज़िम्मेदार ठहराया जाना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधर्म)

बाइबिल संदर्भः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्ग का:

सहना

तथ्यः

“सहना” का शाब्दिक अर्थ है “उठाना”, लेकर चलना। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ हैं।

- सन्तानोत्पत्ति के संदर्भ में इसका अर्थ है, शिशु को "जन्म देना"।
- "बोझ उठाना" अर्थात् "कठिनाइयों का सामना करना"। इन कठिनाइयों में शारीरिक एवं मानसिक कष्ट दोनों हैं।
- एक सामान्य अभिव्यक्ति है, "फल लाना" अर्थात् "फल उत्पन्न करना" या "फल होना।"
- "गवाही देना" अर्थात् "साक्षी देना" या "जो देखा है अनुभव किया है उसका वर्णन करना।"
- "पुत्र पिता के पाप का फल नहीं भोगेगा" अर्थात् वह पिता का "उत्तरदायी नहीं होगा" या पिता के पापों का "दण्ड नहीं पाएगा।"
- सामान्यतः इस शब्द का अनुवाद "उठाना" या "जिम्मेदार होना" या "उत्पन्न करना" या "सहन करना" या "सहना" संदर्भ के आधार पर भी हो सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बोझ, एलीशा, धीरज धरना, फल, अधर्म के काम, समाचार, भेड़, बल, साक्षी, गवाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [विलापगीत 3:27](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2232, H3201, H3205, H5375, H5445, H5449, H6030, H6509, H6779, G01420, G04300, G09410, G10800, G16270, G25920, G31400, G41600, G47220, G48280, G50410, G50880, G53420, G54090, G55760

सहभागिता

परिभाषा:

सामान्यतः "सहभागिता" का अर्थ है, किसी जन समुदाय के सदस्यों के मध्य मित्रतापूर्ण व्यवहार, जो एक सी रूचियों और अनुभवों को साझा करते हैं।

- बाइबल में "सहभागिता" शब्द मसीह के विश्वासियों की एकता के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मसीही सहभागिता एक आपसी संबन्ध है जो विश्वासी मसीह के साथ और पवित्र आत्मा के द्वारा एक दूसरे के साथ रखते हैं।
- आरंभिक विश्वासी अपनी सहभागिता को परमेश्वर के वचन की शिक्षा सुनने और प्रार्थना करने तथा अपनी सम्पदा को आपस में बाँटने और एक साथ भोजन करने के द्वारा प्रकट करते थे।
- विश्वासियों की सहभागिता यीशु में विश्वास के द्वारा और कूस पर उसकी बलिदान की मृत्यु (जिसके कारण परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य की दीवार गिराई गई थी) द्वारा परमेश्वर के साथ भी सहभागिता रखते हैं।

अनुवाद के सुझावः

- "सहभागिता के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "आपस में बाँटना" या "संबन्ध" या "संगति" या "मसीही समुदाय"

बाइबल सन्दर्भः

- [1 यूहन्ना 1:3-4](#)
- [प्रे.का. 2:40-42](#)
- [फिलिप्पियों 1:3-6](#)
- [फिलिप्पियों 2:1](#)
- [फिलिप्पियों 3:10](#)
- भजन संहिता 55:12-14

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

साइप्रस

तथ्यः

साइप्रस भूमध्य-सागर का अन्तर्देशीय भाग है जो आज के तुकिस्तान से 64 किलोमीटर दक्षिण में था।

- बरनबास साइप्रस का निवासी था, अतः संभव है कि यूहन्ना मरकुस भी वहीं रहा होगा क्योंकि दोनों रिश्ते में भाई थे।
- पौलुस और बरनबास ने अपनी प्रथम प्रचार यात्रा के आरंभ में साइप्रस में सुसमाचार सुनाया था। उस यात्रा में यूहन्ना मरकुस उनकी सेवा में था।
- बाद में बरनबास और यूहन्ना मरकुस ने साइप्रस का पुनः भ्रमण किया था।
- पुराने नियम में साइप्रस सर्व के वृक्षों की बहुतायत के लिए प्रसिद्ध था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बरनबास, यूहन्ना मरकुस, समुद्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 04:36-37](#)
- [प्रे.का. 13:4-5](#)
- [प्रे.का. 15:39-41](#)
- [प्रे.का. 27:3-6](#)
- [यहेजकेल 27:6-7](#)
- [यशायाह 23:10-12](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2953, G2954

साथी

तथ्य:

"साथी" का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। "संगी" शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभूति एक साथ करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के द्वारा भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, "मित्र" या "सहयोगी" या "सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है" या "वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।"

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 37:16](#)
- [इब्रानियों 1:9](#)
- [नीतिवचन 2:17](#)
- भजन संहिता 38:11-12

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0251, H0441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G28440, G33530, G48980, G49040

सादोक

तथ्य:

सादोक दाऊद राजा के राज्यकाल में इसाएल का एक महत्वपूर्ण महायाजक था।

- जब अबशालोम ने राजा दाऊद के खिलाफ विद्रोह किया, तब सादोक दाऊद का समर्थन करता था और उसने वाचा के सन्दूक को यरूशलेम से वापस लाने में मदद की।
- वर्षों बाद उसने दाऊद के पुत्र सुलैमान का राज्य अभिषेक करने में योगदान किया था।
- सादोक नामक दो पुरुषों ने नहेम्याह के समय यरूशलेम की शहरपनाह का पुनः निर्माण करने में सहायता की थी।
- योताम राजा के दादा का नाम भी सादोक था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, दाऊद, योताम, नहेम्याह, राज करना, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 24:1-3](#)
- [1 राजा 01:26-27](#)
- [2 शमूएल 15:24-26](#)
- [मत्ती 01:12-14](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6659, G4524

सामरिया

तथ्यः

सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल में एक नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों का नाम था। यह स्थान पश्चिम में शारोन के मैदान और पूर्व में यरदन नदी के मध्य था।

- पुराने नियम के युग में, सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल की राजधानी थी। उत्तरकाल में इसके आसपास का क्षेत्र भी सामरिया कहलाने लगा था।
- जब अश्शूरों ने उत्तरी राज्य इस्राएल को जीत लिया था और उस पर अधिकार कर लिया था तब उन्होंने अधिकाँश इस्राएलियों को वहां से बलपूर्वक ले जाकर दूर अश्शूर देश के विभिन्न नगरों में बसा दिया था।
- अश्शूर अनेक परदेशियों को वहां सामरिया में लाकर इस्राएलियों के स्थान में बसा कर चले गए थे।
- जो इस्राएली वहां रह गए थे उन्होंने उन परदेशियों से विवाह कर लिया था और इस प्रकार उनके वंशज सामरी कहलाए।
- यहूदी सामरियों से घृणा करते थे क्योंकि वे आधे यहूदी थे और क्योंकि उनके पूर्वज मूर्ति-पूजक थे।
- नये नियम के युग में सामरिया क्षेत्र उत्तर में गलील क्षेत्र ओर दक्षिण में यहूदिया की सीमाओं से घिरा हुआ था।

(यह भी देखें: अश्शूर, गलील, यहूदिया, शारोन, इस्राएल का राज्य)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 8:1-3](#)
- [प्रे.का. 8:5](#)
- [यूह. 4:4-5](#)
- [लूका 9:51-53](#)
- [लूका 10:33](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **20:4** तब अश्शूरियों ने इस्राएल राज्य की भूमि पर अन्यजातियों को लाकर बसा दिया। इन अन्यजातियों ने उस नष्टकिए हुए शहर का पुनर्निर्माण किया, और वहाँ बचे हुए इस्राएलियों से विवाह किया। इन इस्राएलियों के वंशज जिन्होंने अन्यजातियों से विवाह किया था **सामरी** कहलाए।
- **27:8** "अगला मनुष्य जो उस मार्सीग से होकर जा रहा था वह एक **सामरी** था। (**सामरी** उन यहूदियों के वंश के थे, जिन्होंने अन्यजातियों के लोगों से विवाह किया था। **सामरी** और यहूदी एक दूसरे से घृणा करते थे।)"
- **_27:9_** उस **सामरी** व्यक्ति ने उस धायल व्यक्ति को अपने गधे पर लाद लिया और उसे सड़क के पार एक सराय में ले गया जहाँ उसकी देख-भाल की।"
- **4507** वह (फिलिप्पुस) **सामरिया** नगर में गया और वहाँ लोगों को यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोग बचाए गए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8111, H8115, H8118, G4540, G4541, G4542

सामर्थ**परिभाषा:**

"सर्वशक्तिमान" और "सामर्थ" का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- "सामर्थी" प्रायः "बल" के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ "शक्ति" हो सकता है।
- "सामर्थ पुरुष" का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरुषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार "सामर्थ पुरुष" कहा गया है।
- परमेश्वर को भी "सामर्थी" कहा गया है।
- "सामर्थी कार्य" प्रायः परमेश्वर के आश्वर्यकर्मों, विशेष करके चमल्कारों को कहा गया है।
- यह शब्द "सर्व-शक्तिमान" के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "सामर्थी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "शक्तिमान" या "आश्वर्यजनक" या "अत्यधिक बलवन्त"
- "उसका सामर्थ" का अनुवाद हो सकता है, "उसकी शक्ति" या "उसका बल"।
- प्रे.का. 7 में मूसा को "वचन और कर्म दोनों में सामर्थी" कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, "मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमल्कारी काम दर्शाता था।" या "मूसा परमेश्वर के वचन सामर्थ्य के साथ उच्चारित करता था और आश्वर्य के काम करता था।"
- सन्दर्भ के अनुसार, "सामर्थी कार्य" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य" या "आश्वर्यकर्म" या "परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।"
- "सामर्थ्य" का अनुवाद "शक्ति" या "महान बल" हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, आश्वर्यकर्म, शक्ति, बल)

बाइबल संदर्भ:

- [प्रे.का. 07:22-25](#)
- [उत्पत्ति 06:4](#)
- [मरकुस 09:38-39](#)
- [मत्ती 11:23-24](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

सारा**तथ्यः**

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने अब्राहम से की गई परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र, इसहाक को जन्म दिया।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

बाइबल के सन्दर्भ

- [उत्पत्ति 11:30](#)
- [उत्पत्ति 11:31](#)
- [उत्पत्ति 17:15](#)
- [उत्पत्ति 25:9-11](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 5:01 तो अब्राहम की पत्नी सारै, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा । तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके ।
- 5:4 "तुम्हारी पत्नी, सारै को एक बेटा होगा-- वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- 5:4 "परमेश्वर ने सारै का नाम बदलकर सारा रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- 5:5 "लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और सारा नब्बे वर्ष की थी, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया। उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था।

शब्द तथ्य

- स्ट्रोग्स: H8283, H8297, G45640

सिंहासन**परिभाषा:**

सिंहासन एक विशेष रूप से बनाया गया आसन होता है जहाँ शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय लेता है और अपने लोगों की याचनाओं को सुनता है।

- सिंहासन शासक के अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- “सिंहासन” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग राजा या उसके राज या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है। (देखें: लक्षणालंकार)
- बाइबल में परमेश्वर को प्रायः राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान दरशाया गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया है।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका एक अनुवाद रूप हो सकता है, "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है।"

(यह भी देखें: अधिकार, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- [कुलस्सियों 1:15-17](#)
- [उत्पत्ति 41:40](#)
- [लूका 1:32](#)
- [लूका 22:30](#)
- [मत्ती 5:34](#)
- [मत्ती 19:28](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:4-6](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G09680, G23620

सिंहों

परिभाषा:

सिंह एक बड़ी बिल्ली जैसा वन पशु है जिसके दांत और नाखून नुकीले होते। जिससे वह अपना शिकार मारता और फाड़ता है।

- सिंह का शरीर शक्तिशाली होता है और उसकी गति अति तीव्र होती है कि शिकार को पकड़ पाए। उसके रोंगे छोटे और सुनहरे भूरे रंग के होते हैं।
- नर सिंह के गले में चारों ओर बालों का केसर होता है।
- शेर मांसाहारी होते हैं और पशुओं को मारकर खाते हैं वे मनुष्य के लिए हिंसक भी होते हैं।
- जब राजा दाऊद बालक था उसने अपनी भेड़ों पर आक्रमण करने वाले सिंहों को मारा था।
- शिमशोन ने भी निहत्ये सिंह को मारा था।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: दाऊद, चीता, शिमशोन, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 11:22-23](#)
- [1 राजा 7:29](#)
- [नीतिवचन 19:12](#)
- भजन संहिता 17:12
- [प्रकाशितवाक्य 05:5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H738, H739, H744, H3715, H3833, H3918, H7826, H7830, G3023

सिद्धिकियाह

तथ्यः

सिद्धिकियाह यहूदा का अन्तिम राजा था (597-587 ई.पू.)। पुराने नियम में सिद्धिकियाह नामक और भी पुरुष हुए हैं।

- राजा नबूकदनेस्सर ने यहूदा के राजा सिदकियाह को राजा यहोयाकीन को पकड़ कर बाबेल को ले जाने के बाद बनाया था। बाद में सिदकियाह ने विद्रोह किया और नबूकदनेस्सर ने उसे पकड़ा और पुरे यरूशलेम को नष्ट कर दिया।
- सिदकियाह, कनाना का पुत्र, इसाएल के राजा अहाब के समय एक झूठा भविष्यद्वक्ता था।
- सिदकिया नाम का एक व्यक्ति नहेम्याह के समय प्रभु के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, बाबेल, यहेजकेल, इसाएल का राज्य, यहोयाकीन, यिर्म्याह, होशियाह, यहूदा, नबूकदनेस्सर, नहेम्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 03:15-16](#)
- [यिर्म्याह 37:1-2](#)
- [यिर्म्याह 39:1-3](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6667

सिद्ध

परिभाषा:

बाइबल में “सिद्ध” शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्तता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उस काम को तब तक करना जब तक कि वह काम उक्त एवं त्रुटिरहित न हो जाए। पुराने नियक की बालियों को “सिद्ध” या “दोष रहित होना आवश्यक था अर्थात्, निष्कलंक।

- सिद्ध एवं परिपक्त का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- “सिद्ध” शब्द का अर्थ “पूर्ण” एवं “सर्वांग” भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्तता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्त होते जाते हैं क्योंकि वे अपने आचरण में अधिकाधिक मासिम के सदृश्य होते जाते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बिना त्रुटि के” या “बिना चूक के” या “निर्दोष” या “निष्कलंक” या “बिना किसी दोष के”।

बाइबल सन्दर्भ:

- [इब्रानियों 12:2](#)
- [याकूब 3:2](#)
- [मत्ती 5:46-48](#)
- [भजन संहिता 19:7-8](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3632, H3634, H4359, H8003, H8503, H8537, H8549, H8552, G199, G2675, G2676, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050

सियोन

परिभाषा:

“सियोन” या “सियोन पर्वत” एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनों शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

- सियोन पर्वत और मोरिय्याह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर “सियोन” और “सियोन पर्वत” इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं। (देखें: लक्षणालंकार)
- दाऊद ने सियोन या यरूशलेम को “दाऊद नगर” नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
- “सियोन” शब्द को अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इसाएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रखेगा।

(यह भी देखें: अब्राहम, दाऊद, यरूशलेम, बैतलहम, यबूसी)

बाइबल सन्दर्भ:

- [इतिहास 11:5](#)
- [आमोस 01:2](#)
- [यिर्माह 51:35](#)
- भजन संहिता 76:1-3
- [रोमियो 11:26](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6726

सियोन की बेटी

परिभाषा:

“सियोन की बेटी” इसाएल के लिए प्रयुक्त प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। इसका उपयोग प्रायः भविष्यद्वाणियों में किया जाता है।

- पुराने नियम में “सियोन” शब्द यरूशलेम नगर के लिए प्रयोग किया गया दूसरा नाम है।
- “सियोन” और “यरूशलेम” दोनों शब्द इसाएल को संदर्भित करने के लिए भी काम में लिए गए हैं।
- “बेटी” शब्द ममता और वात्सल्य का शब्द है। यह परमेश्वर द्वारा उसकी प्रजा के प्रति उसके धीरज और देखरेख के लिए एक रूपक है।

अनुवाद के सुझावः

- इसके अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सियोन से मेरी पुत्री इसाएल” या “सियोन के लोग जो मेरे लिए पुत्री जैसे हैं” या “सियोन मेरे प्रिय जन इसाएल”।
- इस अभिव्यक्ति में “सियोन” शब्द को इसी रूप में रखना उचित है क्योंकि बाइबल में उसका अनेक बार उपयोग किया गया है। अनुवाद में एक टिप्पणी लिखी जा सकती है कि उसका प्रतिकात्मक अर्थ और भविष्यद्वाणी का उपयोग स्पष्ट किया जाए।
- “पुत्री” शब्द को भी इस अभिव्यक्ति के अनुवाद में ज्यों का त्यों रखना उचित है जब तक कि उसका अर्थ यथार्थ रूप में समझा जाता है।

(यह भी देखें: यरूशलेम, भविष्यद्वक्ता, सियोन)

बाइबल सन्दर्भः

- [यिर्माह 06:2](#)
- [यूहन्ना 12:15](#)
- [मत्ती 21:5](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1323, H6726

सींग

तथ्य

सींग, अनेक पशुओं के सिर पर कठोर नुकीले भाग उग आते हैं, जैसे मवेशी, भेड़, बकरी, हिरण आदि।

- भेड़े(नर भेड़) की सींग से संगीत वाद्य बनाया जाता था, जिसे “नरसिंगा” या “शोफार” कहते थे जिसे अवसर विशेष पर फूंका जाता था, जैसे धार्मिक पर्वों पर।
- परमेश्वर ने इसाएलियों को आज्ञा दी थी कि धूप जलाने की और पीतल की वेदियों के चारों कोनों पर सींग जैसे उभार की रचना करें। यद्यपि इन रचनाओं को “सींग” कहते थे, वे वास्तव में पशुओं के सींग नहीं थे।
- “सींग” शब्द कभी-कभी पानी या तेल के “पात्र” के सन्दर्भ में भी काम में लिया जाता था जिसका आकार सींग जैसा होता था और उसमें जल या तेल रखा जाता था। तेल का ऐसा सींग रूपी पात्र राजा के अभिषेक में काम आता था जैसे शमूएल ने दाऊद का अभिषेक में काम में लिया था।
- इस शब्द का अनुवाद तुरही शब्द के अनुवाद से एक सर्वथा भिन्न शब्द द्वारा किया जाना चाहिए।
- सींग शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग शक्ति, सामर्थ्य, अधिकार और वैभव को दर्शनि के लिए भी काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: अधिकार, गाय, हिरण, बकरी, सामर्थ्य, राजसी, भेड़, तुरही)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 15:27-28](#)
- [1 राजा 1:39](#)
- [2 शमूएल 22:3](#)
- [यिर्मायाह 17:1](#)
- भजन संहिता 022:21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3104, H7160, H7161, H7162, H7782, G2768

सीदोन

तथ्य:

सीदोन कनान का सबसे बड़ा पुत्र था। कनानियों के एक नगर का नाम भी सीदोन था, संभवतः कनान के पुत्र के नाम पर।

- सीदोन नगर इस्पाएल के उत्तर-पश्चिम में भूमध्य सागर के तट पर बसा था जो आज के लबानोन देश का एक भाग है।
- “सीदोनी” फिनीके जाति के लोग थे जो प्राचीन सीदोन तथा उसके आसपास के क्षेत्र में निवास करते थे।
- बाइबल में सीदोन, सोर के निकट संबन्ध में दर्शाया गया है दोनों नगर अपने वैभव और अनैतिक व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, नूह, फिनीके, समुद्र, सोर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 12:20](#)
- [प्रे.का. 27:3-6](#)
- [उत्पत्ति 10: 15-18](#)
- [उत्पत्ति 10: 19](#)
- [मरकुस 3:7-8](#)
- [मत्ती 11:22](#)
- [मत्ती 15:22](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6721, H6722, G46050, G46060

सीनै

तथ्यों:

सीनै पर्वत या होरेब पर्वत एक पर्वत था जो संभवतः आज के सीनै प्रायद्वीप के दक्षिण में है परन्तु इस पर्वत का वास्तविक स्थान अज्ञात है।

- एक संभावना है कि "होरेब" उस पर्वत का वास्तविक नाम है और "सीनै पर्वत" का सरल सा अर्थ है, "सीने का पहाड़" जिसका सन्दर्भ इस तथ्य से है कि होरेब पर्वत सीनै के मरुस्थल में है।
- इस पर्वत को "परमेश्वर का पर्वत" भी कहते हैं।
- यह वही स्थान है जहाँ मूसा ने भेड़ें चराते समय जलती हुई झाड़ी देखी थी।
- यह वही स्थान है जहाँ परमेश्वर ने इसाएलियों के साथ वाचा बंधी थी और उनको पत्थर की पट्टियों पर आज्ञाएं लिख कर दी थीं।
- यह वह स्थान भी है जहाँ परमेश्वर ने मूसा को आज्ञा दी थी कि चट्टान को मार कर पानी निकाले कि मरुस्थल में चलते हुए इसाएली तृप्त हो जाएं।

(यह भी देखें: रेगिस्तान, दस आज्ञाओं)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:29-30](#)
- [निर्गमन 16:1-3](#)
- [गलातियों 4:24](#)
- [लैब्यव्यवस्था 27:34](#)
- [गिनती 1:17-19](#)
- [1 राजा 8:9-11](#)
- [2 इतिहास 5:9-10](#)
- [व्यवस्थाविवरण 1:2](#)
- [निर्गमन 3:1-3](#)
- भजन 106:19

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 13:1** इसाएलियों को लाल सागर पार कराने के बाद परमेश्वर उनको मरुस्थल से चलाता हुआ **सीनै** नाम के पहाड़ तक ले गया।
- 13:3** तीसरे दिन के बाद, जब लोगों ने अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार कर लिया, तब परमेश्वर गर्जन और बिजलियों के चमकने, और धुएं और तुरही के ऊँचे शब्द के साथ **सीनै पर्वत** पर उतर आया।
- 13:11** कई दिनों तक मूसा **सीनै पर्वत** के ऊपर परमेश्वर से बात करता रहा।
- 15:13** तब यहोशू ने इसाएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो परमेश्वर ने उनके साथ **सीनै पर्वत** पर बाँधी थी, कि वे उसका पालन करने के लिए बाद्य हैं।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2722, H5514, G3735, G4614

सीरिया

तथ्य:

सीरिया इसाएल के उत्तर पूर्व में है। नए नियम के समय, यह रोमन साम्राज्य के शासन के अधीन एक प्रांत था।

- पुराने नियम के समय मैं सीरिया इसाएलियों का एक प्रबल सैन्य क्षत्रु था।
- नामान सीरिया की सेना का सेनापति था जिसे एलीशा ने कुष्ठ रोग से मुक्त किया था।
- सीरिया के अनेक निवासी अराम के वंशज थे, जो नूह के पुत्र शेम का वंशज था।
- दमिश्क, सीरिया की राजधानी का नाम है जिसकी चर्चा अनेक बार बाइबल में की गई है।
- शाऊल दमिश्क नगर में विश्वासियों को सताने की योजनाओं से गया था परन्तु यीशु ने उसे रोक दिया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, सेनापति, दमिश्क, वंशज, एलीशा, कुष्ठ रोग, नामान, सताना, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 15:23](#)
- [प्रे.का. 15:41](#)
- [प्रे.का. 20:3](#)
- [गलातियों 1:21-24](#)
- [मत्ती. 4:23-25](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0758, H0804, G49470, G49480

सीलास

तथ्य:

सीलास यरूशलेम के मसीही विश्वासियों का अगुआ था।

- यरूशलेम की कलीसिया के प्राचीनों ने सीलास को पौलुस और बरनबास के साथ जाने के लिए नियुक्त किया कि अन्ताकिया के लिए पत्र ले जाए।
- आगे चलकर सिलास पौलुस के साथ अन्य नगरों में भी यीशु का प्रचार करने के लिए गया था।
- पौलुस और सीलास को फिलिप्पी नगर के बन्दीगृह में डाल दिया गया था। वहां वे परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे और परमेश्वर ने उन्हें बन्दीगृह से मुक्ति दिलाई। उनकी गवाही के परिणाम स्वरूप उस बन्दीगृह का अधीक्षक मसीही विश्वासी हो गया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अन्ताकिया, बरनबास, यरूशलेम, पौलुस, फिलिप्पी, बन्दीगृह, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 पत्रस 5:12](#)
- [1 थिसलुनीकियों 1:1](#)
- [2 थिसलुनीकियों 1:1](#)
- [प्रे.का. 15:22](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- 47:1 एक दिन, पौलुस और उसका मित्र _सिलास_ फिलिप्पी के शहर में यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाने के लिए गए।
- 47:2 वह (लुदिया) ने पौलुस और _सिलास_ को अपने घर में रहने के लिए आमंत्रित किया, इसलिए वे उसके और उसके साथ उसके परिवार में रहे।
- 47:3 पौलुस और _सिलास_ प्रार्थना के स्थान पर प्रायः लोगों से भेट करते रहते थे।
- 47:7 इसलिए उस दासी के स्वामियों पौलुस और _सिलास_ को रोमी अधिकारियों के पास ले गए, जिन्होंने उन्हें मारा और उन्हें बंदीगृह में डाल दिया।
- 47:8 उन्होंने पौलुस और _सिलास_ को जेल के सबसे सुरक्षित भाग में रखा और यहां तक कि उनके पैरों को भी बाँध दिया।
- 47:11 बंदीगृह का प्रभारी कांपते हुए' पौलुस और _सिलास_ के पास आया और पूछा, "मोक्ष पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?"
- 47:13 अगले दिन शहर के नेताओं ने पौलुस और _सिलास_ को बंदीगृह से रिहा कर दिया और उन्हें फिलिप्पी नगर छोड़ने के लिए कहा। पौलुस और _सिलास_ लुदिया और कुछ अन्य मित्रों से मिले और फिर शहर छोड़ दिया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G4609, G4610

सीहोन

सीहोन एक व्यक्ति का नाम है जो हेशबोन की भूमि पर शासन करने वाला एक एमोरी राजा था।

- इस्माएलियों ने सीहोन और उसके लोगों और भूमि को जीत लिया।

(अनुवाद सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एमोरी, हेशबोन)

बाइबल संदर्भः

शब्द सूचीः

- मजबूत का:

सुक्कोत

परिभाषा:

सुक्कोत पुराने नियम में दो नगरों का नाम था। सुक्कोत शब्द का अर्थ है “शरण स्थान”

- पहला सुक्कोत नगर यरदन नदी के पूर्व में था।
- याकूब अपने परिवार और पशुओं के साथ सुक्कोत में रुका जहाँ उसने अपने लिए झोपड़ियाँ बनाई थी।
- सैंकड़ों वर्ष बाद गिदोन और उसके योद्धा मिद्यानियों का पीछा करते हुए थककर सुक्कोत में रुके थे परन्तु वहाँ के निवासियों ने उन्हें भोजन देने से इन्कार कर दिया था।
- दूसरा सुक्कोत मिस्र की उत्तरी सीमा पर था जहाँ इस्माएली लाल सागर पार करने के बाद रुके थे, जब वे मिस्र से पलायन कर रहे थे।

बाइबल संदर्भः

- [1 राजा 07:46-47](#)
- [निर्गमन 12:37-40](#)
- [यहोशू 13:27-28](#)
- [न्यायियों 08:4-5](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5523, H5524

सुलैमान

तथ्यः

सुलैमान दाऊद के पुत्रों में से एक था। उसकी माता बतशेबा थी।

- जब सुलैमान राजगद्वी पर बैठा तब परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। अतः सुलैमान ने अपनी प्रजा पर उचित प्रशासन करने के लिए बुद्धि माँगी थी। परमेश्वर सुलैमान की इस विनती से प्रसन्न हुआ और उसे बुद्धि और धन दोनों दिया।
- सुलैमान यरूशलेम के वैभवशाली मन्दिर को बनाने के लिए भी प्रसिद्ध है।
- सुलैमान ने आरम्भिक वर्षों में तो बड़ी बुद्धिमानी से राज किया परन्तु उत्तरकाल में उसने अन्यजाति स्त्रियों से विवाह करके मूर्ति पूजा आरम्भ कर दी थी।
- सुलैमान के इस विश्वासघात के कारण परमेश्वर ने उसके मृत्यु के बाद इसाएल को दो राज्यों में विभाजित कर दिया, इसाएल और यहूदा। ये दोनों राज्य प्रायः लड़ते रहते थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बतशेबा, दाऊद, इसाएल, यहूदा, इसाएल राज्य, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:47-50](#)
- [लूका 12:27](#)
- [मत्ती. 1:7-8](#)
- [मत्ती. 6:29](#)
- [मत्ती 12:42](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 17:14** उसके बाद, दाऊद और बतशेबा का एक और पुत्र उत्पन्न हुआ उसका नाम उन्होंने **सुलैमान** रखा।
- 18:1** कई वर्षों बाद, जब दाऊद की मृत्यु हो गई, तब उसके पुत्र **सुलैमान** ने इसाएल पर शासन करना आरंभ किया। परमेश्वर ने **सुलैमान** से बात की और उससे कहा, “जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ वह माँग।” जब **सुलैमान** ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान मनुष्य भी बनाया।
- 18:2** यरुशेलेम में, **सुलैमान** ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए सामान एकत्र किया।
- 18:3** परन्तु **सुलैमान** अन्य देशों की महिलाओं से प्रेम करता था।...अतः जब **सुलैमान** बूढ़ा हुआ तब उसकी स्त्रियों ने उसका मन पराये देवताओं की ओर बहका दिया।
- 18:4** तब परमेश्वर ने **सुलैमान** पर क्रोध किया, और **उसकी** अनिष्टा के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि **सुलैमान** की मृत्यु के बाद वह इसाएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8010, G4672

सुसमाचार प्रचारक

परिभाषा:

“सुसमाचार प्रचारक” मनुष्यों को मसीह यीशु का सुसमाचार सुनाता है।

- “सुसमाचार प्रचारक” का मूल अर्थ है “शुभ सन्देश सुनानेवाला”।
- यीशु ने अपने चेलों को भेजा कि मनुष्यों में शुभ सन्देश प्रसारित करें कि यीशु और पाप के मोचन को उसके बलिदान द्वारा परमेश्वर के राज्य का भाग कैसे बनें।
- सब मसीही विश्वासियों से आग्रह किया जाता है कि इस शुभ सन्देश को सुनाए।
- कुछ विश्वासियों को विशेष आत्मिक वरदान प्राप्त है कि मनुष्यों में इस शुभ सन्देश का प्रभावी प्रचार करें। इन मनुष्यों के पास सुसमाचार प्रचार का वरदान है और इन्हें “सुसमाचार प्रचारक” कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- “सुसमाचार प्रचारक” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सुसमाचार सुनाने वाला” या “सुसमाचार का शिक्षक” या “सुसमाचार सुनानेवाला व्यक्ति(यीशु के बारे में)” या “शुभ समाचार घोषणा।”

(यह भी देखें: शुभ सन्देश, आत्मा, वरदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 तीमुथियुस 04:3-5](#)
- [इफिसियो 04:11-13](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: G2099

सूअर

परिभाषा:

सूअर एक चौपाया है जिसे मांसाहारी भोजन के लिए पाला जाता है। उसका मांस “पोर्क” कहलाता है। “शूकर” शब्द सामान्यतः सुअर की सम्पूर्ण प्रजाति के लिए काम लिया जाता है।

- परमेश्वर ने इसाएलियों के लिए सूअर का मांस खाना वर्जित किया था वरन् उसे अशुद्ध ठहराया था। यहूदी आज भी इसे अशुद्ध मानते हैं और उसके मांस से घृणा करते हैं।
- सूअरों को पाल कर मांस के लिए बेचा जाता है।
- एक प्रकार की सूअर प्रजाती जंगल में रहती है, उसे “जंगली सूअर” कहते हैं। जंगली सूअर के दांत बड़े होते हैं, और वह बहुत खतरनाक होता है।

बड़े सूअरों को “शूकर” कहा जाता है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पतरस 2:22](#)
- [मरकुस 5:13](#)
- [मत्ती 7:6](#)
- [मत्ती 8:32](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H2386, G55190

सूबेदार

परिभाषा:

सूबेदार रोमी सेना का अधिकारी था जिसके अधीन सौ सैनिक होते थे।

- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “सौ पुरुषों का अगुआ” या “सैनिक अगुआ” या “सौ का प्रभारी अधिकारी”।
- एक रोमी सूबेदार यीशु के पास याचना लेकर आया था कि वह उसके सेवक को चंगा करे।
- यीशु के क्रूसीकरण का कर्ताधर्ता सूबेदार यीशु की मृत्यु को देखकर आश्वर्यचकित हो गया था।
- परमेश्वर ने एक सूबेदार को पतरस के पास भेजा कि पतरस उसे यीशु का सुसमाचार सुनाए।

(यह भी देखें: रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 10:1](#)
- [प्रे.का. 27:1](#)
- [प्रे.का. 27:42-44](#)
- [लूका 7:4](#)
- [लूका 23:47](#)
- [मरकुस 15:39](#)
- [मत्ती 8:7](#)
- [मत्ती 27:54](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: G15430, G27600

सृजन करना

परिभाषा:

“सृजन” शब्द का अर्थ है, रचना करना या किसी वास्तु को अस्तित्व में लाने का कारण होना। जो कुछ सृजा गया उसे “सृष्टि” कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” शब्द का उपयोग किसी अवस्तुगत के वर्णन के लिए लाक्षणिक भाषा में किया जाता है, जैसे “शान्ति बनाना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का सन्दर्भ जगत के आदिकाल से हो सकता है जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया था। इसका उपयोग सामान्य रूप में परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए किया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात् “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने आदिकाल में जगत की रचना की थी” या “जब जगत को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों में” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात् “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात् “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृजनहार” का अनुवाद हो सकता है, “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।

- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद हो सकता है,
“परमेश्वर जिसने तुझे बनाया”

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ सन्देश, संसार)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 कुरिन्यियों 11:9-10](#)
- [1 पतरस 4:17-19](#)
- [क्रलुस्सियों 1: 15](#)
- [गलातियों 6:15](#)
- [उत्पत्ति 1:1](#)
- [उत्पत्ति 14:19-20](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

(यह भी देखें: सर्जन करना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भः

- [होशे 08:13-14](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2796, H3335, H6213, H6466, H6467, G1217

सेईर

सृजनहार

तथ्यः

सामान्यतः “सृजनहार” वस्तुओं का बनानेवाला या निर्माण करने वाला होता है।

- बाइबल में “सृजनहार” कभी-कभी यहोवा के नाम या आदि स्वरूप काम में लिया जाता है क्योंकि उसने सब कुछ बनाया है।
- यह शब्द प्रायः “उसका” या “मेरा” या “तेरा” शब्दों के साथ जुड़ा होता है।

अनुवाद के सुझावः

- “सृजनहार” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “सृष्टिकर्ता” या “रचनेवाला परमेश्वर” या “जिसने सब कुछ बनाया”।
- “उसका सृजनहार” इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसने उसे रचा” या “परमेश्वर जिसने उसे बनाया”।
- “तेरा सृजनहार” और “मेरा सृजनहार” इन उक्तियों का भी अनुवाद इसी प्रकार किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नाम कैसे अनुवादित करें)

सेर्ईर, सेर्ईर के पुत्र, सेर्ईर पर्वत, सेर्ईर के पहाड़ी, सेर्ईर की भूमि

तथ्य:

सेर्ईर एक व्यक्ति का नाम है जो एसाव का वंशज था। बाइबल सेर्ईर के वंशजों को "सेर्ईर के पुत्र" कहती है।

- बाइबल क्षेत्र में जहाँ सेर्ईर के वंशज रहते थे, उसे कभी-कभी "सेर्ईर की भूमि" और कभी-कभी "सेर्ईर" कहा जाता है।
- बाइबल एदोम में एक पर्वत श्रृंखला को "सेर्ईर के पहाड़" कहती है।
- बाइबल यहूदा की भूमि में एक पहाड़ को "पहाड़ सेर्ईर" कहती है।
- संदर्भ और/या संशोधित करने वाला वचन या शब्द यह संकेत देंगे कि "सेर्ईर" व्यक्ति, उसके वंशज, सेर्ईर की भूमि, सेर्ईर पर्वत, या उस नाम की पर्वत श्रृंखला को संदर्भित करता है।
- 2 इतिहास 25:11,14 में "सेर्ईर के पुत्र" वाक्यांश एदोमियों को संदर्भित करता है और यह वचन यहेजकेल 25:8 में भी एदोमियों को संदर्भित करता है।
- बाइबल में "सेर्ईर" शब्द का उपयोग कभी-कभी "एदोम" के समान अर्थ में किया जाता है।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एदोम)

बाइबल संदर्भ:

शब्द सूची:

सेनाओं का यहोवा

परिभाषा:

- "सेनाओं का यहोवा" और "सेनाओं का परमेश्वर" ये पदनाम हजारों स्वर्गदूतों पर परमेश्वर के अधिकार को दर्शाते हैं जो उसकी आज्ञा का पालन करते हैं।
- "सेना" या "सेनाओं" ये शब्द किसी भी बात की बड़ी संख्या को व्यक्त करते हैं जैसे सेना या सितारों की विशाल संख्या। यह बुरी आत्माओं सहित सभी कई आत्माओं के संदर्भ में भी है। संदर्भ यह स्पष्ट करता है कि क्या संदर्भित किया जा रहा है। "स्वर्ग की सेना" सितारों, ग्रहों और अन्य आकाशीय पिण्डों के लिए काम में लिए जाते हैं।
- नए नियम में, वाक्यांश, "सेनाओं का प्रभु" का अर्थ "सेनाओं का यहोवा" के समान है, लेकिन इसका इस तरह से अनुवाद नहीं किया जा सकता है क्योंकि "यहोवा" इब्रानी शब्द है नए नियम में प्रयोग नहीं किया गया है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "सेनाओं का यहोवा" के अनुवाद हो सकते हैं, "स्वर्गदूतों पर राज करने वाला परमेश्वर" या "स्वर्गदूतों की सेनाओं पर राज करने वाला परमेश्वर" या "यहोवा जो स्वर्गदूतों पर राज करता है।"
- "सेनाओं का" "सेनाओं का परमेश्वर" या "सेनाओं का प्रभु" के सन्दर्भ में इसका अनुवाद, वैसा ही किया जाए जैसा ऊपर "सेनाओं का यहोवा" किया गया है।
- कुछ कलीसियाओं में "यहोवा" शब्द को स्वीकार नहीं किया जाता है। वे "सेनाओं का प्रभु" काम में लेते हैं जिसमें प्रभु शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है। यह अनेक बाइबल संस्कारों के अनुसार है। इन कलीसियाओं के लिए "सेनाओं का यहोवा" का अनुवाद पुराने नियम में "सेनाओं का यहोवा" को काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, अधिकार, परमेश्वर, प्रभु, प्रभु, प्रभु यहोवा, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- [जकर्या 13:2](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H430, H3068, H6635

सेनापति

परिभाषा:

“सेनापति” शब्द सेना के प्रमुख को संदर्भित करता है, जो सैनिकों के दल का नेतृत्व करने और आदेश देने के लिए उत्तरदायी होता है।

- सेनापति, सैनिकों के एक छोटे दल का या एक बड़े दल का प्रमुख हो सकता है, जैसे कि एक हजार पुरुष का दल।
- यह शब्द यहोवा के संदर्भ में भी उपयोग होता है कि वह स्वर्गद्वारों की सेना का प्रमुख है।

सेनापति के अन्य अनुवाद रूप हैं “अगुआ” या “कप्तान” या “अधिकारी”

- सेना को “आदेश देना” के अनुवाद हो सकते हैं, “अगुआई करना” या “प्रभारी होना।”

(यह भी देखें: आदेश, अधिपतियों, सूबेदार)

बाइबल संदर्भ:

- [1 इतिहास 11:4-6](#)
- [2 इतिहास 11:11-12](#)
- [दानियेल 2:14](#)
- [मरकुर 6:21-22](#)
- [नीतिवचन 6:7](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2710, H2951, H1169, H4929, H5057, H6346, H7101, H7262, H7218, H7227, H7229, H7990, H8269, G55060

सेराफिम

सेराफिम, सेराफों

"सेराफिम" और "सेराफों" शब्द "सेराफ" के बहुवचन रूप हैं। "सेराफिम" शब्द का अर्थ "जलते हुए" या "अग्रिमय" होता है। बाइबल में सेराफिम को सर्वार्थ प्राणी बताया गया है जो उड़ सकता है, जिसके छँ पंख होते हैं और जो बोल भी सकता है।

- सेराफिम परमेश्वर की महिमा और शक्ति को प्रदर्शित करते हैं और उनकी प्रशंसा करते हैं।
- सेराफिम को स्वर्गदूत माना जा सकता है, लेकिन बाइबल इसे स्पष्ट रूप से नहीं कहती है।

अनुवाद सुझावः

- शब्द "सेराफिम" का अनुवाद "पंख वाले प्राणी" या "पंख वाले सर्वार्थ प्राणी" या "पवित्र, पंख वाले प्राणी" के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद "स्वर्गदूत" के अनुवाद से अलग है।
- यह भी विचार करें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद या लेखन कैसे किया गया है। (देखें: अज्ञातों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: स्वर्गदूत)

बाइबल संदर्भः

शब्द सूचीः

- स्ट्रॉन्गः

सेला

परिभाषा:

"सेला" इब्रानी भाषा का एक शब्द है जो ज्यादातर भजन संहिता में देखा जा सकता है। इसके अनेक संभावित अर्थ हैं।

- इसका अर्थ हो सकता है "ठहरो और स्तुति करो" इसके द्वारा श्रोताओं का आह्वान किया जाता है कि वे उच्चारित शब्दों पर मनन करें।
- अधिकांश भजन संहिता राग में लिखे गए थे, ऐसा माना जाता है कि "सेला शब्द संभवतः संगीत का कोई शब्द रहा होगा जिससे गायक को रूकने का संकेत दिया जाता था कि केवल वाद्य बजाए जाए या श्रोताओं को प्रोत्साहित किया जाता था कि भजन के शब्दों पर विचार करें।

(यह भी देखें: भजन)

बाइबल संदर्भः

- भजन संहिता 003:3-4
- भजन संहिता 024:5-6
- भजन संहिता 046:6-7

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5542

सेवक

परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था।

- सेवक शब्द यूनानी शब्द "डीकन" से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- "सेवक" शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, "कलीसियाई सेवक" या "कलीसियाई कर्मी" या "कलीसियाई परिचारक" या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवक, सेवक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियस 03:10](#)
- [1 तीमुथियस 03:13](#)
- [फिलिप्पियों 01:01](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G1249

सेवा करना

परिभाषा:

"सेवा करना" अर्थात् किसी से स्वामी की या राज करने वाले देश की सेवा करना। "दास बनाया जाना" या "बन्धुआई में होना" अर्थात् किसी बात को या किसी व्यक्ति के वश में होना।

- दासत्व में या बन्धुवाई में होने वाला मनुष्य बिना मजदूरी किसी की सेवा करनी होती है, वह अपनी इच्छा से कुछ नहीं कर सकता है। "बन्धुआई में होना" का अन्य शब्द "दासत्व" है।
- नए नियम में मनुष्य को पाप के "दासत्व" में कहा है जब तक कि यीशु उन्हें उसके नियंत्रण एवं सामर्थ्य से मुक्त न कराए। जब एक व्यक्ति मसीह में नया जीवन पाता है तब वह पाप का दास नहीं रहता है और वह धर्मिकता का दास हो जाता है।

अनुवाद के सुझावः

- "दास बनाना" का अनुवाद "स्वतंत्र नहीं रहने देना" या "अन्यों की सेवा करने के लिए विवश किया जाना" या "अन्य किसी के वश में कर देना"।
- "दासत्व में" या "बन्धुआई में" का अनुवाद "दास होने के लिए विवश किया जाना" या "सेवा करने के लिए मजबूर" या "किसी के वश में होना"।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, धर्मजन, सेवक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 04:3](#)
- [गलातियों 04:24-25](#)
- [उत्तरि 15:13](#)
- [पिर्माह 30:8-9](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H3533, H5647, G1398, G1402, G2615

सेवा करना

परिभाषा:

बाइबल में "सेवकाई" शब्द का संदर्भ मनुष्यों को परमेश्वर के बारे में शिक्षा देना और उनकी आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेने से था।

- पुराने नियम में याजक मन्दिर में चढ़ावे चढ़ाकर परमेश्वर की "सेवा" करते थे।
- उनकी "सेवकाई" में मन्दिर की देखरेख और मनुष्यों की ओर से परमेश्वर के लिए प्रार्थनाएं चढ़ाना भी होता था।
- मनुष्यों की "सेवा" के कार्य में परमेश्वर के बारे में शिक्षा देते उनकी उनकी आत्मिक सेवा करना भी था।
- इसका संदर्भ उनकी सांसारिक सेवा से भी हो सकता था, जैसे रोगियों की सुधि लेना और गरीबों को भोजन देना।

अनुवाद के सुझाव:

- मनुष्यों की सेवा के संदर्भ में "सेवा करना" का अनुवाद "परिचर्या" या "सुधि लेना" या "आवश्यकताएं पूरी करना" भी हो सकता है।
- जब मन्दिर में सेवा का संदर्भ हो तो "सेवक" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "मन्दिर में परमेश्वर की सेवा करना" या "मनुष्यों के लिए परमेश्वर के समक्ष बलि चढ़ाना।"
- परमेश्वर की सेवा के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "सेवा करना" या "परमेश्वर के लिए काम करना।" हो सकता है।
- "सेवा की" का अनुवाद हो सकता है, "सुधि ली" या "प्रावधान किया" या "सहायता की।"

(यह भी देखें: सेवा करना, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 20:23-26](#)
- [प्रे.का. 06:04](#)
- [प्रे.का. 21:17-19](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6399, H8120, H8334, H8335, G1247, G1248, G1249, G2023, G2038, G2418, G3008, G3009, G3010, G3011, G3930, G5256, G5257, G5524

सेवा करना

परिभाषा:

"सेवा" शब्द का अर्थ सामान्यतः काम करना, और अवधारणा को विभिन्न प्रकार के संदर्भों में लागू किया जा सकता है। यह शब्द एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए काम करता है (या पालन करता है), या तो अपनी इच्छा से या बल्पूर्वक। बाइबल में, निम्नलिखित लोगों में से किसी को "दासः" एक दास एक युवा महिला कार्यकर्ता, एक युवा पुरुष कार्यकर्ता को कहा जा सकता है, जो परमेश्वर और अन्यों का पालन करता है। बाइबल के युग में दास और सेवक में अधिक अन्तर नहीं था जैसा आज समझा जाता है। सेवक और दास दोनों ही अपने स्वामी के घराने के महत्वपूर्ण सदस्य होते थे और अधिकतर परिवार के सदस्य ही माने जाते थे। कभी-कभी सेवक अपने स्वामी के अजीवन सेवक स्वैच्छा से बनना चाहते थे।

- दास एक ऐसा सेवक होता था जो अपने स्वामी की सम्पदा होता था। जो दास को खरीदता था वह उसका "स्वामी" कहलाता था। कुछ स्वामी अपने दासों के साथ निर्दयता का व्यवहार करते थे परन्तु कुछ स्वामी अपने दासों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करते थे जैसे वे परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हों।
- प्राचीन युग में कुछ लोग किसी के ऋणी होने के कारण स्वैच्छा से उसके दास बन जाते थे कि लिया हुआ उधार चुका सकें।
- मेहमानों की सेवा करने वाले व्यक्ति के संदर्भ में, इस शब्द का अर्थ है "देखभाल करना" या "भोजन परोसना" या "भोजन प्रदान करना।" जब यीशु ने चेलों को लोगों को मछली "परोसने" के लिए कहा, तो इसका अनुवाद "वितरित" या "बांटने" या "देना" हो सकता है।
- बाइबल में व्यक्त एक उक्ति "तेरा दास" का उपयोग किसी अधिकार संपन्न व्यक्ति जैसे राजा के लिए सम्मान प्रकट करने हेतु किया जाता था। इसका अर्थ यह नहीं कि कहने वाला वास्तव में उसका दास था।
- संदर्भ के आधार पर "सेवा" शब्द का अनुवाद "सेवक को" या "के लिए कार्य करना" या "की देखभाल करना" या "पालन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता औं तथा आराधकों को प्रायः उसका "दास" कहा जाता था।
- "परमेश्वर की सेवा करने के लिए" का अनुवाद "परमेश्वर की आराधना और आज्ञा का पालन" करने के लिए किया जा सकता है या "उस कार्य को करना जिसे परमेश्वर ने आज्ञा दी हो।"
- नये नियम में मसीह में विश्वास करके परमेश्वर की आज्ञा माननेवालों को प्रायः उसके सेवक कहा जाता था।
- "मेज़ पर परोसा" का अर्थ है उन लोगों को भोजन पहुंचाना जो मेज पर बैठे हैं, या अधिक सामान्यतः पर "भोजन वितरित" करते हैं।

- जो लोग दूसरों को परमेश्वर के बारे में सिखाते हैं, उन्हें कहा जाता है कि वे परमेश्वर और जिन्हे वे शिक्षा दे रहे हैं, दोनों की सेवा करें।
- प्रेरित पौलुस ने कुरिन्युस के मसीहियों को लिखा कि वे किस तरह से पुरानी वाचा को "सेवा" करते थे। यह मूसा की व्यवस्था का पालन करने के लिए संदर्भित करता है। अब वे नई वाचा की "सेवा" करते हैं। यह यीशु के क्रूस पर बलिदान के कारण, उनके विश्वासियों को पवित्र आत्मा द्वारा परमेश्वर को प्रसन्न करने और पवित्र जीवन जीने के लिए सक्षम किया जाता है।
- पौलुस उनकी "सेवा" के संदर्भ में और कार्यों के बारे में पुरानी या नई वाचा में बात करता है। इसका अनुवाद "सेवा करना" या "पालन करना" या "भक्ति करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रतिबद्ध, दास बनाना, घराना, प्रभु, आज्ञाकारी, धर्मी, वाचा, व्यवस्था,)

बाइबल संदर्भः

- [प्रेरि. 04:29-31](#)
- [प्रेरि. 10:7-8](#)
- [कुलू. 01:7-8](#)
- [कुलू. 03:22-25](#)
- [उत्प. 21:10-11](#)
- [लूका 12:47-48](#)
- [मरकुस 09:33-35](#)
- [मत्ती 10:24-25](#)
- [मत्ती 13:27-28](#)
- [2 तीमुथियुस 02:3-5](#)
- [प्रेरि. 06:2-4](#)
- [उत्प. 25:23](#)
- [लूका 04:8](#)
- [लूका 12:37-38](#)
- [लूका 22:26-27](#)
- [मरकुस 08:7-10](#)
- [मत्ती 04:10-11](#)
- [मत्ती 06:24](#)

बाइबल कहानियों के उदाहरणः

- **06:01** जब अब्राहम बहुत वृद्ध था और उसका पुत्र, इसहाक, एक आदमी हो गया था, अब्राहम ने अपने **दासों** में से एक को कुटुम्बियों के पास भेजा की वे उसके पुत्र, इसहाक के लिए एक पत्नी ले आये।
- **08:04 दास** व्यापारियों ने यूसुफ को एक **दास** के रूप में एक धनी सरकारी अधिकारी को बेचा।
- **09:13** "मैं(परमेश्वर) तुझे(मूसा) फिरैन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्माएली प्रजा को मिस के **दासत्व** से निकाल ले आए।"
- **19:10** फिर एलियाह ने प्रार्थना की, "हे अब्राहम, इसहाक और इस्माएल के परमेश्वर यहोवा! आज यह प्रगट कर कि इस्माएल में तू ही परमेश्वर है, और मैं तेरा **दास** हूँ,

- **29:03** "जबकि चुकाने को दास के पास कुछ न था, तो उसके स्वामी ने कहा, 'यह (दास) और इसकी पत्नी और बाल-बच्चे और जो कुछ इसका है सब बेचा जाए, और क़र्ज चुका दिया जाए।'
- **35:06** "मेरे पिता के कितने ही मजदूरों को भोजन से अधिक रोटी मिलती है, और मैं यहाँ भूखा मर रहा हूँ।"
- **47:04** दासी पीछे आकर चिल्लाने लगी, "ये मनुष्य परमप्रधान परमेश्वर के दास हैं, जो हमें उद्धर के मार्ग की कथा सुनाते हैं।"
- **50:04** यीशु ने यह भी कहा, "दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता"

शब्द तथ्य:

- (दास) स्ट्रांग'स : H5288, H5647, H5649, H5650, H5657, H79198, H8198, H8334, G1249, G1401, G1012, G2324, G3407, G3411, G3610, G3816, G4916, G52525
- (सेवा) H327, H3547, H4929, H4931, H5647, H5656, H5673, H5975, H6213, H6399, H6402, H6440, H6633, H6635, H7272, H8104, H8120, H8120, H8998, H8278, H8658 G1402, G1438, G1983, G2064, G2212, G2323, G2999, G3000, G3009, G4337, G4342, G4754, G5087, G5256

सैनिक

तथ्य:

"योद्धा" और "सैनिक" दोनों शब्द सेना में युद्ध करनेवाले मनुष्य के संदर्भ में हैं। परन्तु इनमें कुछ अन्तर है।

- "योद्धा" एक सामान्य एवं व्यापक शब्द है जो युद्ध में निपुण एवं साहसी मनुष्य के सन्दर्भ में होता है।
- यहोवा को प्रतीकात्मक रूप में "योद्धा" कहा गया है।
- "सैनिक" शब्द विशेष करके उस मनुष्य के सन्दर्भ में होता है जो किसी सेना में सेवारत है या युद्ध में लड़ रहा है।
- यरूशलेम में रोमी सैनिक व्यवस्था बनाए रखने और बन्दियों को मृत्युदण्ड देने जैसे उत्तरदायित्वों के निर्वाह हेतु नियुक्त किए गए थे। वे यीशु के कूसीकरण से पूर्व उसकी चौकसी में थे और कुछ को उसकी कब्र पर चौकसी करने के लिए भी रखा गया था।
- अनुवादक को ध्यान देना है कि उसकी भाषा में "योद्धा" और "सैनिक" के लिए दो अलग-अलग शब्द हैं, जिनका अर्थ और उपयोग भी अलग अलग है।

(यह भी देखें: साहस, कूस पर चढ़ाना, रोम, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 21:5](#)
- [प्रे.का. 21:33](#)
- [लूका 3:14](#)
- [लूका 23:11](#)
- [मत्ती. 8:8-10](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: , H352, H510, H1368, H1416, H1995, H2389, H2428, H2502, H3715, H4421, H5971, H6518, H6635, H7273, H7916, G4686, G4753, G4754, G4757, G4758, G4961

सोअर

तथ्य:

परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट किया तो लूत एक छोटे नगर सोअर में जा बसा था।

- इस नगर का नाम “बेला” था परन्तु जब लूत ने परमेश्वर से उस नगर को बचाए रखने की विनती की थी तब उसका नाम सोअर पड़ा था।
- माना जाता है कि सोअर नगर यरदन नदी के मैदानी क्षेत्र में था या मृत-सागर के पश्चिमी सिरे पर था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: लूत, सदोम, अमोरा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [व्यवस्थाविवरण 34:1-3](#)
- [उत्पत्ति 13:10-11](#)
- [उत्पत्ति 14:1-2](#)
- [उत्पत्ति 19:21-22](#)
- [उत्पत्ति 19:23-25](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H6820

सोता

परिभाषा:

“सोता” और “झरना” अर्थात् भूमि से निकल कर बहुतायत से बहनेवाला पानी।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है कि परमेश्वर से निकलने वाली आशीषों का संदर्भ दे या स्वच्छ करने वाली या पवित्र करनेवाली वस्तु का संदर्भ दे।
- आज सोता मनुष्य के द्वारा निर्मित वस्तु होती है जिसमें पानी का प्रवाह होता है, जैसे पीने के पानी का सोता। सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद प्राकृतिक जल स्रोत को व्यक्त करें।
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “जल प्रलय” के अनुवाद से करें।

(यह भी देखें: जल-प्रलय)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 पतरस 2:17](#)
- [उत्पत्ति 7:11](#)
- [उत्पत्ति 8:2](#)
- [उत्पत्ति 24:13](#)
- [उत्पत्ति 24:42](#)
- [याकूब 3:11](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H953, H1530, H1543, H3222, H4002, H4161, H4456, H4599, H4726, H5033, H5869, H5927, H6524, H6779, H8444, H8666, G242, G4077

सोना

परिभाषा:

सोना पीले रंग की उत्तम धातु है जिससे आभूषण तथा धार्मिक वस्तुएं बनाई जाती थीं। प्राचीन युग में यह सबसे अधिक मूल्यवान धातु थी।

- बाइबल के युग में, ठोस सोने की विभिन्न वस्तुएं बनाई जाती थीं या वस्तुओं पर सोना चढ़ाया जाता था।
- इन वस्तुओं में थे, कुन्दन तथा अन्य आभूषण, मूर्तियां, वेदियां, तथा निवास (मण्डप) या मन्दिर की अन्य वस्तुएं जैसे वाचा का सन्दूक।
- पुराने नियम के युग में सोना क्रय-विक्रय में मुद्रा स्वरूप काम में आता था। उसे तराजू में तोल कर उसका मूल्य ज्ञात किया जाता था।
- उत्तरकाल में सोने और चाँदी के सिक्के क्रय-विक्रय में काम में आने लगे।
- जब किसी ऐसी वस्तु की चर्चा हो जो ठोस सोने की नहीं है उस पर केवल सोना चढ़ा हुआ है तो “सुनहरा” या “सोना चढ़ा” या “स्वर्णावृत्” अनुवाद किया जा सकता है।
- कभी-कभी किसी वस्तु को “सुनहरा” कहा जाता है, अर्थात् उसका रंग सोने जैसा है परन्तु यथार्थ में सोने से बनी नहीं है।

(यह भी देखें: वेदी, वाचा का सन्दूक, झूठे देवता, चांदी, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 पतरस 01:07](#)
- [1 तीमुथियुस 02:8-10](#)
- [2 इतिहास 01:15](#)
- [प्रे.का. 03:06](#)
- [दानियेल 02:32](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1220, H1722, H2091, H2742, H3800, H5458, H6884, H6885, G5552, G5553, G5554, G5557

सोर

तथ्यः

सोर नगर भूमध्यसागरके तट पर बसा एक प्राचीन कनानी नगर था जो आज लबानोन का एक भाग है। इस नगर के लोगों को "सोर के लोग" कहा जाता था।

- इस नगर का एक भाग मुख्य भूभाग से एक किलोमेटर दूर एक द्वीप पर भी बसा हुआ था।
- उसकी भौगोलिक स्थिति और मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों जैसे देवदार वृक्षों के कारण, सोर का व्यापारिक उद्योग समृद्धि पर था और वह एक धनवान नगर था।
- सोर के राजा हीराम ने राजा दाऊद के लिए महल बनाने में देवदार वृक्षों की लकड़ी और कुशल श्रमिकों को भेजा था।
- वर्षों बाद, हीराम ने मंदिर बनाने में मदद करने के लिए राजा सुलैमान के पास लकड़ी और कुशल श्रमिकों को भेजा। सुलैमान ने उन्हें बड़ी मात्रा में गेहूं और जैतून का तेल दिया।
- सोर का नाम प्रायः निकटवर्ती प्राचीन सैदा (सीदोन) नगर के साथ आता है। ये दो नगर कनान के क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण शहर थे, जिन्हें फिनीके कहा जाता था।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, देवदारू, इस्माएल, सागर, फिनीके, सैदा)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 12:20](#)
- [मरकुस 3:7-8](#)
- [मत्ती 11:22](#)
- [मत्ती 15:22](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H6865, H6876, G51830, G51840

स्तंभ

परिभाषा:

"खम्मा" एक बड़ी खड़ी रचना होती है जिस पर छत को या भवन के अन्य भाग को रोका जाता है। "खम्मा" का दूसरा शब्द स्तंभ होता है।

- बाइबल के युग में भवन को सहारा देने के लिए जो खंभे बनाए जाते थे वे सामान्यतः एक ही पथर में से काटकर निकाले जाते थे।
- पुराने नियम में शिमशोन को पलिशितयों ने बन्दी बना लिया था तब उसने उनके मन्दिर के खंभों को गिराकर मन्दिर को ध्वंस कर दिया था।
- कभी-कभी “खंभा” शब्द किसी की कब्र या किसी घटना की स्मृति में खड़ी की गई चट्ठान को भी कहा गया है।
- यह शब्द किसी देवी-देवता की मूर्ति की उपासना के संदर्भ में भी उपयोग किया गया है। किसी गढ़ी हुई मूरत के लिए भी इस शब्द का उपयोग किया गया है जिसका अनुवाद “प्रतिमा” किया जा सकता है।
- “खंभा” शब्द का उपयोग किसी भी स्तंभ रूपी रचना के लिए किया जा सकता है जैसे आग का खंभा जो रात के समय जंगल में इस्पाएलियों की अगुआई करता था या “नमक का खंभा” लूत की पत्ती नमक का खंभा बन गई थी जब उसने पलट कर सदोम को देखा था।
- किसी भवन को थामने वाली रचना के लिए “खंभा” शब्द का उपयोग किया जाता है तो इसका अनुवाद “खड़ी पथर की लाट का सहारा” या “थामने वाली पथर की रचना” किया जा सकता है।
- “खंभा” के अन्य उपयोगों का अनुवाद हो सकता है, “प्रतिमा” या “द्वेर” या “स्तूप” या “स्मारक” या “ऊंची रचना” आदि जो प्रकरण के अनुरूप उचित हो।

(यह भी देखें: आधार, मूरत, समान)

बाइबल सन्दर्भ

- [2 राजा 18:04](#)
- [निर्गमन 13:21](#)
- [निर्गमन 33:09](#)
- [उत्पत्ति 31:45](#)
- [नीतिवचन 09:1-2](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H547, H2106, H2553, H3730, H4552, H4676, H4678, H4690, H5324, H5333, H5982, H8490, G4769

स्तिफनुस

तथ्यों:

स्तिफनुस प्रथम मसीही शहीद अर्थात् मसीह में विश्वास के कारण मारा गया। उसके जीवन एवं मृत्यु के तथ्य प्रेरितों के काम की पुस्तक में हैं।

- स्तिफनुस को आरंभिक कलीसिया ने यरूशलेम में विधवाओं तथा अन्य आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों के लिए भोजन व्यवस्था की सेवा हेतु एक सेवक चुना था।
- कुछ यहूदियों ने उस पर झूठा आरोप लगाया था कि वह परमेश्वर और मूसा की व्यवस्था के विरुद्ध बोलता है।
- स्तिफनुस ने मसीह यीशु के विषय निडर होकर सच्चाई की चर्चा की और इस्पाएल के साथ आरंभ से लेकर परमेश्वर के व्यवहार का वर्णन किया था।
- उसकी बातें सुनकर यहूदी अगुवे आग बबूला हो गए और उसे शहर के बाहर ले जाकर पथराव कर के मार डाला।
- उसकी हत्या का साक्षी तर्शिश का शाऊल भी था जो बाद में प्रेरित पौलुस हुआ।
- स्तिफनुस ने मरने से पूर्व जो अन्तिम प्रार्थना की वह स्मरणीय है, “हे प्रभु उनसे इस पाप का लेखा मत लेना” इससे मनुष्यों के प्रति उसका प्रेम प्रकट होता है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: नियुक्त, डीकन, यरूशलेम, पौलुस, पत्थर, सच्ची)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 06:5-6](#)
- [प्रे.का. 06:8-9](#)
- [प्रे.का. 06:10-11](#)
- [प्रे.का. 06:12-15](#)
- [प्रे.का. 07:59-60](#)
- [प्रे.का. 11:19-21](#)
- [प्रे.का. 22:19-21](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: G4736

स्तुति

परिभाषा:

किसी की प्रशंसा करना अर्थात् उस व्यक्ति की सराहना तथा उसको सम्मानित करना।

- मनुष्य परमेश्वर की स्तुति करता है क्योंकि वह महान् है और उसने जगत् का उद्धारकर्ता एवं सृजनहार होने के कारण अद्भुत काम किए हैं।
- परमेश्वर की स्तुति में उसके कामों के लिए धन्यवाद होता है।
- परमेश्वर की स्तुति में प्रायः संगीत और भजन गान होते हैं।
- परमेश्वर की स्तुति उसकी आराधना का एक भाग है।
- “स्तुति करना” का अनुवाद हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “शब्दों द्वारा उच्च सम्मान प्रदान करना” या “किसी का गुणगान करना”।
- “स्तुति” संज्ञा शब्द का अनुवाद “सम्मानित व्यक्ति” या “सम्मान सूचक उद्दगार” या “अच्छाईयों का वर्णन”।

(यह भी देखें: आराधना)

बाह्यबल सन्दर्भः

- [२ कुरिण्यियों ०१:३-४](#)
- [प्रे.का. ०२:४६-४७](#)
- [प्रे.का. १३:४८-४९](#)
- [दानियेल ०३:२८](#)
- [इफिसियों ०१:३-४](#)
- [उत्पत्ति ४९:८](#)
- [याकूब ०३:९-१०](#)
- [यूहन्ना ०५:४१-४२](#)
- [लूका ०१:४६-४७](#)
- [लूका ०१:६४-६६](#)
- [लूका १९:३७-३८](#)
- [मत्ती ११:२५-२७](#)
- [मत्ती १५:२९-३१](#)

बाह्यबल कहानियों से उदाहरणः

- **१२:१३** इस्नाएलियों ने बहुत उत्साहित होकर आनन्द मनाया क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें मृत्यु व गुलामी से बचाया! अब वह परमेश्वर की आराधना करने की लिये स्वतंत्र थे।
- **१७:०८** जब दाऊद ने यह शब्द सुने, उसने तुरन्त ही परमेश्वर को धन्यवाद दिया और उसकी प्रशंसा की, क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद से महान गौरव और बहुत सी आशीषों की वाचा बाँधी थी।
- **२२:०७** तब जकरयाह ने कहा कि, “प्रभु परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने अपने लोगों पर दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है।
- **४३:१३** और परमेश्वर की **स्तुति** करते हुए आनन्द करते थे और वे हर वस्तुएं एक दुसरे से बाटते थे।
- **४७:०८** उन्होंने पौलुस और सीलास को बंदीगृह के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था। फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

स्मरण दिलानेवाले**परिभाषा:**

“स्मरण दिलानेवाले” अर्थात् कोई कार्य या वस्तु जो किसी का या किसी बात का स्मरण कराती है।

- यह शब्द विशेषण रूप में काम में लिया जाता है कि बात का वर्णन करे जिससे स्मरण हो जैसे “स्मरण की भेट” या “स्मरण का अंश” या “स्मरण के पत्थर”
- पुराने नियम में भेट चढ़ाई जाती थी कि इस्साएल स्मरण रखे कि परमेश्वर ने उनके लिए क्या किया।
- परमेश्वर ने इस्साएल के याजकों को विशेष वस्त्र पहनने की आज्ञा दी थी जिन पर स्मरण हेतु पत्थर लगे थे। * इन पत्थरों पर इस्साएल के बारहों गोत्रों के नाम लिखे थे। ये संभवतः उन्हें परमेश्वर की विश्वासयोग्यता का स्मरण कराने हेतु थे।
- नये नियम में, परमेश्वर ने कुरनेलियुस नामक एक व्यक्ति को सम्मानित किया था क्योंकि वह गरीबों पर तरस खाता था। उसके इन कामों को परमेश्वर के समक्ष “स्मरण के लिए” माना गया था।

अनुवाद के सुझावः

- इसका अनुवाद “सदाकालीन स्मृति” हो सकता है।
- “स्मरण के पत्थर” का अनुवाद “उन्हें स्मरण कराने के लिए पत्थर” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 10:3-6](#)
- [निर्गमन 12:12-14](#)
- [यशायाह 66:3](#)
- [यहोशू 04:6-7](#)
- [लैव्यव्यवस्था 23:23-25](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2142, H2146, G3422

स्वतंत्र**परिभाषा:**

“स्वतंत्र” और “स्वतंत्रता” का अर्थ है दासत्व या अन्य किसी बन्धन में न रहना। “स्वतंत्रता” के लिए दूसरा शब्द है “मुक्ति”

- “किसी को स्वंत्र करना” या “मुक्त करना” अर्थात् किसी को दासत्व या बन्धुआई से निकल आने का मार्ग प्रदान करना।
- बाइबल में ये शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए गए हैं कि दर्शाया जाए कि यीशु में विश्वास करनेवाला अब पाप के वश में नहीं है।
- “मुक्ति” या “स्वतंत्रता” का अर्थ यह भी हो सकता है, मसा की व्यवस्था का पालन करने की अनिवार्यता के अधीन नहीं वरन् पवित्र आत्मा की शिक्षाओं तथा अगुआई में रहने के लिए स्वतंत्र।

अनुवाद के सुझाव:

- “स्वतंत्र” शब्द ऐसे शब्द और उक्ति द्वारा अनुवाद किए जा सकते हैं जैसे “बन्धन मुक्त” या “दासत्व में नहीं” या “दासत्व मुक्त” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्रता” या “मुक्ति” का अनुवाद ऐसे शब्दों से हो जैसे “स्वतंत्र होने की अवस्था” या “दास न होने की अवस्था” या “बन्धुआ नहीं”।
- “स्वतंत्र करना” इसका अनुवाद “मुक्त होने का कारण” या “दासत्व से बचाना” या “बन्धन से मुक्ति दिलाना”
- जो मनुष्य “स्वतंत्र किया गया” वह बन्धुआई या दासत्व से “छुड़ाया गया” या “बाहर निकाला गया”।

(यह भी देखें: बाँधना, दास बनाना, सेवक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 4:26](#)
- [गलातियों 5:1](#)
- [यशायाह 61:1](#)
- [लैब्यव्यवस्था 25:10](#)
- [रोमियो 06:18](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G3089, G3955, G4506, G5483

स्वप्न

परिभाषा:

मनुष्य के सोते समय मस्तिष्क में जो देखता है या अनुभव करता है वह स्वप्न कहलाता है।

- स्वप्न प्रायः यथार्थ घटना प्रतीत होते हैं जबकि वे होती नहीं हैं।
- कभी-कभी परमेश्वर मनुष्यों को स्वप्न दिखाता है कि वे उससे कुछ सीखें। परमेश्वर स्वप्नों में मनुष्यों से सीधी बातें भी कर सकता है।
- बाइबल में परमेश्वर ने कुछ लोगों को विशेष स्वप्नों के माध्यम से सन्देश दिए जो अधिकतर भावी घटनाओं के बारे में थे।
- स्वप्न दर्शन से भिन्न होता है। स्वप्न मनुष्य को नींद में दिखाई देते हैं परन्तु दर्शन जागृत अवस्था में दिखाई देते हैं।

(यह भी देखें: दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 2:16-17](#)
- [दानियेल 1:17-18](#)
- [दानियेल 2:1](#)
- [उत्पत्ति 37:6](#)
- [उत्पत्ति 40:4-5](#)
- [मत्ती 2:13](#)
- [मत्ती 2:19-21](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **8:2** यूसुफ के भाई उससे बैर रखते थे क्योंकि जब यूसुफ के भाइयों ने देखा कि हमारा पिता हम सबसे अधिक उसी से प्रीति रखता है, और यूसुफ ने स्वप्न में देखा था कि वह अपने भाइयों पर राज्य करेगा।
- **8:6** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे मिस्री फ़िरौन कहते थे, रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे। जो स्वप्न उसने देखे उनका फल बताने वाला उसके ज्ञानियों में से कोई भी नहीं था।
- **8:7** परमेश्वर ने यूसुफ को यह योग्यता दी थी कि वह स्वप्न का अर्थ समझ सके, इसलिये फ़िरौन ने यूसुफ को बंदीगृह से बुलवा भेजा। यूसुफ ने उसके लिये स्वप्न की व्याख्या की और कहा कि “सारे मिस्र देश में सात वर्ष तो बहुतायत की उपज के होंगे, और उनके पश्चात् सात वर्ष अकाल के आयेंगे।”
- **16:11** उसी रात जब गिदोन मिद्यानियों के डेरे में आया तब एक मिद्यानी सैनिक अपने संगी से अपना स्वप्न कह रहा था। वह अपने संगी से कह रहा था, “कि इस स्वप्न का अर्थ यह हुआ कि गिदोन की सेना मिद्यानियों की सेना को पराजित कर देगी।”
- **23:1** अतः यूसुफ ने जो धर्मी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने का विचार किया। जब वह इन बातों के सोच ही में था तब प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1957, H2472, H2492, H2493, G17970, G17980, G36770

स्वर्ग

परिभाषा:

जिस शब्द का अनुवाद, “स्वर्ग” किया गया है उसका सन्दर्भ प्रायः उस स्थान से है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी हो सकता है।

- “आकाशमण्डल” का संदर्भ उन सब से है जिनको हम पृथ्वी के ऊपर देखते हैं, इनमें सूर्य, चाँद और सितारे भी हैं। उसमें ऐसे आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम पृथ्वी से अपरोक्ष देख नहीं सकते हैं।
- “आकाश” शब्द पृथ्वी के ऊपर नीली विस्तार से है जिसमें बादल हैं और हमारी श्वास वायु व्याप्त है। सूर्य और चंद्रमा के लिए भी प्रायः कहा जाता है कि वे “ऊपर आकाश में” हैं।
- बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान से भी होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” के अनुवाद में “स्वर्ग” को ही रखा जाए क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
- “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
- “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: परमेश्वर का राज्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 8:22-24](#)
- [1 थिसलुनीकियों 1:8-10](#)
- [1 थिसलुनीकियों 4:17](#)
- [व्यवस्थाविवरण 9:1](#)
- [इफिसियों 6:9](#)
- [उत्पत्ति 1:1](#)
- [उत्पत्ति 7:11](#)
- [यूहन्ना 3:12](#)
- [यूहन्ना 3:27](#)
- [मत्ती 5:18](#)
- [मत्ती 5:46-48](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **4:2** फिर उन्होंने **स्वर्ग** तक ऊंचा गुम्लांमत बनाना आरम्भ किया।
- **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें **स्वर्ग** से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
- **23:7** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
- **29:9** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो **स्वर्ग** में है, तुम से भी वैसा ही करेगा।”
- **37:9** तब यीशु ने **स्वर्ग** की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद **स्वर्ग** पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G09320, G20320, G33210, G37700, G37710, G37720

स्वर्गदूत

परिभाषा:

स्वर्गदूत परमेश्वर द्वारा बनाए गए सामर्थी आत्मिक प्राणी हैं। स्वर्गदूत परमेश्वर की सेवा के लिए है कि उसकी हर एक बात को मानें और करें। “प्रधान स्वर्गदूत” का सन्दर्भ उस स्वर्गदूत से है जो सब स्वर्गदूतों पर शासन करता है या उनकी अगुवाई करता है।

- "स्वर्गदूत" शब्द का मूल अर्थ है "सन्देशवाहक."
- "प्रधान स्वर्गदूत" का मूल अर्थ है, "परम सन्देशवाहक." बाइबल में जिस "प्रधान स्वर्गदूत" का उल्लेख किया गया है, वह मीकाईल है.
- बाइबल में स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाया था। इन सन्देशों में निर्देश थे कि परमेश्वर मनुष्यों से क्या करवाना चाहता था.
- स्वर्गदूतों ने मनुष्यों को भविष्य की घटनाओं की जानकारी भी दी थी या पूर्व समय की घटनाओं की जानकारी भी दी थी।
- स्वर्गदूतों के पास परमेश्वर का अधिकार होता है, क्योंकि वे उसके प्रतिनिधि हैं। बाइबल में कभी-कभी वे ऐसे बोलते थे जैसे परमेश्वर स्वयं ही कह रहा हो.
- स्वर्गदूतों द्वारा परमेश्वर की सेवा के अन्य रूप थे, मनुष्यों की रक्षा करना और उन्हें बल प्रदान करना।
- "यहोवा का दूत" एक विशेष अभिव्यक्ति है जिसके अर्थ एक से अधिक हैं: 1) इसका अर्थ हो सकता है, "स्वर्गदूत जो यहोवा का प्रतिनिधि है" या "यहोवा की सेवा करने वाला सन्देशवाहक।" 2) इसका संदर्भ स्वयं यहोवा से हो सकता है, जो मनुष्यों से बात करते समय स्वर्गदूत सा दिखाई देता है। इन में से किसी भी अर्थ से स्वर्गदूत द्वारा "मैं" शब्द के उपयोग की व्याख्या होती है कि जैसे यहोवा स्वयं कह रहा हो।

अनुवाद के सुझाव:

- "स्वर्गदूत" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर का सन्देशवाहक" या "परमेश्वर का स्वार्गिक सेवक" या "परमेश्वर की सन्देशवाहक आत्मा।"
- "प्रधान स्वर्गदूत" का अनुवाद "प्रमुख स्वर्गदूत" या "प्रमुख शासकीय स्वर्गदूत" या "स्वर्गदूतों का अगुआ" हो सकता है।

- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद राष्ट्रीय भाषा या अन्य स्थानीय भाषाओं में कैसे किया गया है।
- “यहोवा का दूत” का अनुवाद “यहोवा” और “स्वर्गदूत” के अनुवाद के लिए काम में लिए गए शब्दों द्वारा किया जा सक्या है। इससे उस उक्ति के भिन्न भिन्न अर्थ प्रकट होंगे। संभावित अनुवाद हो सकते हैं, “यहोवा का स्वर्गदूत” या “यहोवा द्वारा भेजा गया स्वर्गदूत” या “यहोवा, जो स्वर्गदूत सा दिखाई दिया”

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रधान, सिर, दूत, मीकाएल, शासक, सेवक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 24:16](#)
- [प्रे.का. 10:3-6](#)
- [प्रे.का. 12:23](#)
- [कुलस्तियों 2:18-19](#)
- [उत्पत्ति 48:16](#)
- [लूका 2:13](#)
- [मरकुस 8:38](#)
- [मत्ती 13:50](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:20](#)
- [जकर्याह 1:09](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरणः

- **2:12** जीवन के वृक्ष का फल खाने से किसी को भी रोकने के लिये परमेश्वर ने भीमकाय शक्तिशाली **स्वर्गदूतों** को वाटिका के द्वार पर रख दिया.
- **22:3** उस **स्वर्गदूत** ने जकरयाह से कहा, "मैं परमेश्वर द्वारा भेजा गया हूँ कि तुझे यह शुभ सन्देश सुनाऊँ."
- **23:6** अचानक, एक चमकता हुआ **स्वर्गदूत** उन्हें (चरवाहों को) दिखाई दिया, और वे बहुत डर गए. तब **स्वर्गदूत** ने उनसे कहा, "मत डरो, क्योंकि मेरे पास तुम्हारे लिए एक शुभ सन्देश है,"
- **23:7** तब एकाएक, परमेश्वर की स्तुति करते हुए **स्वर्गदूतों** से आकाश भर गया.
- **25:8** तब **स्वर्गदूत** आए और यीशु की सेवा करने लगे.
- **38:12** यीशु बहुत व्याकुल था और उसका पसीना खून की बूँदों के समान था. परमेश्वर ने उसे शक्ति देने के लिए एक **स्वर्गदूत** भेजा.
- **38:15** "मैं अपनी रक्षा के लिए पिता से कहकर **_स्वर्गदूतों_** की पलटन मंगा सकता हूँ.

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0047, H0430, H4397, H4398, H8136, G00320, G07430, G24650

स्वेच्छाबलि

परिभाषा:

स्वेच्छाबलि परमेश्वर को चढ़ायी जानेवाली बलि थी जिसकी अनिवार्यता मूसा की व्यवस्था में नहीं थी। यह मनुष्य की अपनी इच्छा का चढ़ावा था।

- यदि स्वेच्छा बलि में पशु था तो उस पशु में कुछ दोष स्वीकार्य थे क्योंकि वह मनुष्य की अपनी श्रद्धा से थी।
- इसाएली बलि पशु का माँस खाते थे जो पर्व का उत्सव था।
- स्वैच्छा बलि इसाएल के लिए आनन्द का कारण था क्योंकि इसका अर्थ था कि फसल अच्छी हुई है और उनके पास बहुत भोजन सामग्री है।
- एज्ञा की पुस्तक में एक भिन्न स्वैच्छा बलि का वर्णन है जो मन्दिर के पुनः निर्माण के लिए चढ़ाई गई थी। इस चढ़ावे में सोना-चाँदी मुद्राएं तथा सोने चाँदी के कटोरे एवं अन्य पात्र थे।

(यह भी देखें: होमबलि, एज्ञा, पर्व, अन्नबलि, दोषबलि, व्यवस्था, पाप बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 29:6](#)
- [2 इतिहास 35:7-9](#)
- [व्यवस्थाविवरण 12:17](#)
- [निर्गमन 36:2-4](#)
- [लैव्यव्यवस्था 7:15-16](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H5068, H5071

हितोत्साहित करना

तथ्यः

"निरुत्साहित करना" शब्द का तात्पर्य ऐसी बातें कहने और करने से है, जो लोगों में आशा, आत्मविश्वास और साहस को खत्म कर देती हैं, जिससे उनमें वह काम करने के लिए कड़ी मैहनत करने की इच्छा कम हो जाती है, जो वे जानते हैं कि उन्हें करना चाहिए। "निस्त्साहित" शब्द का अर्थ है किसी चीज़ के बारे में आशा, आत्मविश्वास या साहस न होने का कारण बनना (या ऐसा होने के कारण)।

- "निराशा" शब्द का अर्थ "प्रोत्साहन" के विपरीत है।

अनुवाद सुझाव

- संदर्भ के आधार पर, "निरुत्साहित करना" के अनुवाद में "निराश करना" या "निराश होना" या "आत्मविश्वास खोने का कारण बनना" या "आशा खोने का कारण बनना" या "साहस से वंचित करना" शामिल हो सकते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, आप "निस्त्साहित" का अनुवाद "निराश" के रूप में कर सकते हैं या किसी अन्य समतुल्य शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं।

(यह भी देखें: प्रोत्साहित, आत्मविश्वास, भय)

बाइबल संदर्भः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्ग :

हथियार

परिभाषा:

"हथियार" अर्थात् सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

- सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
- प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
- पाप और शैतान के विरुद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: विश्वास, पवित्र आत्मा, शान्ति, उद्धार, आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 31:9-10](#)
- [2 शमूएल 20:8](#)
- [इफिसियों 6:11](#)
- [यिर्मयाह 51:3-4](#)
- [लूका 11:22](#)
- [नहेम्याह 4:15-16](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G36960, G38330

हनन्याह

तथ्यः

पुराने नियम में अनेक पुरुषों के नाम हनन्याह थे।

- एक हनन्याह बेबीलोन में एक इसाएली बंधुआ था। जिसका नाम राजा ने शद्रक रखा था।
- उसके अति-उत्तम चरित्र और योग्यता के कारण उसे राजसी सेवक का पद दिया गया था।
- एक बार हन्नयाह (शद्रक) और अन्य दो इसाएली पुरुषों को आग की भट्टी में डाल दिया गया था क्योंकि उन्होंने बेबीलोन के राजा की उपासना नहीं की थी। परमेश्वर ने उन्हें हानि से बचाकर अपना सामर्थ्य प्रकट किया था।
- एक और हनन्याह का नाम राजा सुलैमान की वंशावली में है।
- एक और हनन्याह यिर्मयाह के समय झूठा भविष्यद्वक्ता था।
- हनन्याह नाम का एक याजक भी था जिसने नहेम्याह के समय उत्सव में अगुआई की थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अजर्याह, बाबेल, दानियेल, झूठी भविष्यद्वक्ता, यिर्मयाह, मीशाएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- [दानियेल 01:6-7](#)
- [दानियेल 02:17-18](#)
- [यिर्मयाह 28:1-2](#)
- [यिर्मयाह 28:5-7](#)
- [यिर्मयाह 28:15-17](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2608

हनोक

तथ्यः

हनोक नाम के दो पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- एक हनोक शेत का वंशज था। वह नूह का परदादा था।
- यह हनोक परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध रखता था, 365 वर्ष की आयु में वह परमेश्वर द्वारा जीवित स्वर्ग में उठा लिया गया था।
- दूसरा हनोक कैन का पुत्र था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कैन, शेत)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 1:3](#)
- [उत्पत्ति 5:18-20](#)
- [उत्पत्ति 5:24](#)
- [यहूदा 1:14](#)
- [लूका 3:36-38](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2585, G18020

हन्ता

तथ्यः

हन्ता दस वर्ष तक यरूशलेम में यहूदियों का महायाजक रहा था लगभग सन् 6-15 तक। उसके बाद रोमी सरकार ने उसे हटा दिया था परन्तु वह यहूदियों का एक प्रभावी अगुवा बना रहा।

- हन्ता यीशु के सेवाकाल में अधिकृत महायाजक कैफा का ससुर था।
- जब यीशु को बंदी बनाया गया था, तब हन्ता का दामाद, कैफा अधिकृत महायाजक था। तथापि, हन्ता को भी महायाजक कहा गया है क्योंकि वह निर्वत्मान महायाजक था और मनुष्यों पर उसका वर्चस्व और अधिकार तब भी था।
- महायाजक सेवानिवृत्त होकर भी महायाजक ही कहलाते थे, अतः कैफा और अन्यों के सेवाकाल में भी उसे महायाजक ही कहा जाता था।
- यहूदी अगुओं के समक्ष अभियोग के समय यीशु को वाद-प्रतिवाद के लिए पहले हन्ता के पास लाया गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: महा-याजक, याजक)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 4:5-7](#)
- [यूहन्ता 18:22-24](#)
- [लुका 3:2](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: G04520

हन्ता

तथ्यः

हन्ता भविष्यद्वक्ता शमूएल की माता थी। वह एल्काना की दो पत्नियों में से एक थी।

- हन्त्रा निःसन्तान थी यह उसके लिए दुःख की बात थी।
- मन्दिर में हन्त्रा ने दिल से प्रार्थना की कि उसे पुत्र मिले जिसे वह परमेश्वर को ही अर्पित कर देगी।
- परमेश्वर ने उसे पुत्र दिया और जब वह बालक बड़ा हो गया तब हन्त्रा ने उसे मन्दिर में सेवा के लाए दे दिया।
- परमेश्वर ने हन्त्रा को इसके बाद और भी सन्तान दी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गर्भवती होना, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 01:1-2](#)
- [1 शमूएल 02:1](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2584

हबकूक

तथ्यः

हबकूक पुराने नियम के समय में एक भविष्यद्वक्ता था, उसका सेवाकाल यहूदा में यहोयाकीम के राज्य काल में था। भविष्यद्वक्ता यिर्म्याह भी इस समय दृश्य में आ गया था।

- इस भविष्यद्वक्ता ने हबकूक नामक पुस्तक लिखी थी लगभग 600 ई.पू. जब बेबीलोन की सेना ने यहूदा की जनता में से अनेकों को बन्दी बनाया और ले गया।
- यहोवा ने हबकूक को भविष्यद्वाणी किया था कि कैसे कसदी (बेबीलोन) आकर यहूदा को जीत लेंगे।
- हबकूक का एक चिरपरिचित अभिकथन है, “धर्मजन विश्वास से जीवित रहेगा”

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, यहोयाकीम, यिर्म्याह)

बाइबल सन्दर्भः

- [हबकूक 01:1-2](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2265

हल/हल चलाना

परिभाषा:

“बीज बोने के लिए खेत में भूमि जोतने का यन्त्र को हल कहते हैं।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती हैं जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
- हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: तांबा, बैल)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 शमूएल 8:10-12](#)
- [व्यवस्थाविवरण 21:4](#)
- [लूका 9:62](#)
- [लूका 17:7](#)
- भजन संहिता 141:5-7

शब्द तथ्यः

- स्ट्रोग्स: H0406, H0855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5656, H5674, H6213, H6398, G07220, G07230

हव्वा

तथ्यः

यह नाम सबसे पहली स्त्री का था. उसके नाम का अर्थ है, “जीवन” या “जीवित。”

- परमेश्वर ने आदम के शरीर से एक पसली निकाल कर हव्वा को बनाया था।
- हव्वा को आदम की “सहायक” होने के लिए बनाया गया था। वह परमेश्वर प्रदत्त कार्यों में आदम के साथ काम करती थी।
- शैतान ने (सर्प का रूप धारण करके) हव्वा को ललचाया था और परमेश्वर के वर्जित फल को खाकर पाप करनेवाली वह मनुष्यों में पहली थी।

(अनुवाद के सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आदम, जीवन, शैतान)

बाइबल सन्दर्भ

- [1 तीमुथियुस 02:13](#)
- [2 कुरिच्यियों 11:03](#)
- [उत्पत्ति 03:20](#)
- [उत्पत्ति 04:02](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 01:13** तब परमेश्वर ने आदम की पसलियों में से एक को लेकर औरत को बनाया और उसे आदम के पास लाया।
- _02:02_** लेकिन वाटिका में एक चालाक साँप था। उसने औरत से पूछा, “क्या परमेश्वर ने वास्तव में यह कहा है कि वाटिका के किसी भी पेड़ से फल न खाना?”
- 02:11** मनुष्य ने अपनी पत्नी का नाम हव्वा रखा, जिसका मतलब होता है “जीवनदात्री” क्योंकि वह समस्त मानव-जाति की माँ होगी।
- 21:01** परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा की कि **हव्वा** का एक वंशज उत्पन्न होगा जो साँप के सिर को कुचल डालेगा।
- _48:02_** शैतान ने **हव्वा** को धोखा देने के लिए वाटिका में साँप के माध्यम से बात की।
- _49:08_** आदम और **हव्वा** ने पाप किया तो उससे उनका पूरा वंश प्रभावित हुआ।
- 50:16** क्योंकि आदम और **हव्वा** ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने पाप को श्राप दिया और उसे नष्ट करने का निर्णय लिया।

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2332, G2096

हागै

तथ्यः

बेबीलोन की बन्धुआई से स्वदेश लौट आने के बाद हागै यहूदा में एक भविष्यद्वक्ता था।

- हागै की भविष्यद्वाणी के सेवाकाल में उजिय्याह यहूदा का राजा था।
- भविष्यद्वक्ता जकर्याह भी इसी समय भविष्यद्वाणी करता था।
- हागै और जकर्याह ने यहूदियों को उत्साहित किया कि वे मन्दिर का पुनः निर्माण करें क्योंकि बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने मन्दिर को नष्ट कर दिया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बाबेल, यहूदा, नबूकदनेस्सर, उजिय्याह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- [एज्या 5:1-2](#)
- [एज्या 6:13-15](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2292

बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 04:24-25](#)
- [उत्पत्ति 16:1-4](#)
- [उत्पत्ति 21:8-9](#)
- [उत्पत्ति 25:12](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- 05:01 तो अब्राम की पत्नी सारै ने उससे कहा, “देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा। तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके।
- 05:02 हाजिरा को अब्राम के द्वारा एक पुत्र हुआ, अब्राम ने उसका नाम इश्माएल रखा।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1904

हाजिरा

तथ्य:

हाजिरा एक मिस्त्री स्त्री थी जो सारै की अपनी दासी थी।

- सारै सन्तानोत्पत्ति में अक्षम थी इसलिए उसने हाजिरा अब्राम को दी कि वह उससे सन्तान उत्पन्न करे।
- हाजिरा ने अब्राम के पुत्र इश्माएल को जन्म दिया।
- हाजिरा रेगिस्तान में पीड़ित थी परन्तु परमेश्वर ने उसकी सुधि ली और उसके वंशजों को आशिष देने की प्रतिज्ञा की।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, वंशज, इश्माएल, सारा, सेवक)

हानि को-पहुंचाना

परिभाषा:

- "सौंपना" या "हवाले कर देना" या "सौंप देना" शब्द का अर्थ किसी को दुश्मन या विरोधी को देना हो सकता है, जैसे कि जब यहूदा ने यीशु को यहूदी अगुवों के हाथों में सौंप दिया था या जब परमेश्वर ने इस्राएल को उनके बार-बार पाप करने के कारण उनके शत्रुओं के हाथों में सौंप दिया था।

अनुवाद सुझावः

- जब "सौंपना" का अर्थ किसी व्यक्ति या व्यक्ति द्वारा किसी को शत्रु के हवाले करना होता है तो इसका अनुवाद "विश्वासघात करना" या "सौंप देना" या "देना" के रूप में किया जा सकता है। जब "सौंपना" का तात्पर्य परमेश्वर द्वारा लोगों को शत्रु के हाथों में दे देने से है तो इसका अनुवाद "हस्तांतरित करना" या "देना" के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भः

बाइबिल कहानियों से उदाहरणः

शब्द विवरणः

- स्ट्रॉन्ग्स: H1350, H2020, H2502, H3205, H3444, H3467, H4042, H4422, H4672, H5337, H5414, H5462, H6299, H6403, H6413, H6475, H6561, H7725, H7804, H8199, G03250, G05250, G06290, G10800, G13250, G15600, G16590, G18070, G19290, G26730, G30860, G38600, G45060, G49910, G50880, G54830

हाबिल

तथ्यः

हाबिल आदम और हव्वा का दूसरा पुत्र था। वह कैन का छोटा भाई था।

- हाबिल एक चरवाहा था।
- हाबिल ने अपने पशुओं में से एक की बलि परमेश्वर को चढ़ाई थी।
- परमेश्वर हाबिल और उसकी भेंट से प्रसन्न हुआ था।
- आदम और हव्वा के पहलौठे कैन ने हाबिल की हत्या कर दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कैन, बलि, चरवाहा)

बाइबल संदर्भः

- [उत्पत्ति 4:2](#)
- [उत्पत्ति 4:9](#)
- [इब्रानियों 12:24](#)
- [लूका 11:49–51](#)
- [मत्ती 23:35](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रॉन्ग्स: H01893, G0060

हाम

तथ्यः

हाम नूह के तीन पुत्रों में से दूसरा था।

- विश्वव्यापी जलप्रलय के समय हाम और उसके भाई अपनी-अपनी पत्नी के साथ नूह की नाव में थे।
- जलप्रलय के बाद हाम एक समय अपने पिता नूह के लिए अपमान का कारण हुआ था। परिणाम-स्वरूप नूह ने हाम के पुत्र कनान और उसके वंशजों को श्राप दिया था, वे अन्ततः कनानी हुए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: जहाज, कनान, निरादर, नूह)

बाइबल सन्दर्भः

- [उत्पत्ति 05:32](#)
- [उत्पत्ति 06:9-10](#)
- [उत्पत्ति 07:13-14](#)
- [उत्पत्ति 10:1](#)
- [उत्पत्ति 10:19-20](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2526

हामात**तथ्यः**

हामात उत्तरी सीरिया में कनान के उत्तर में एक महत्वपूर्ण नगर था। हमाती नहू के पुत्र, कनान के वंशज थे।

- “लीबो हमात” संभवतः हमात नगर के निकट एक पर्वतीय दर्रे का नाम था।
- कुछ संस्करणों में लीबो हमात का अनुवाद “हामात का प्रवेश” किया गया है।
- राजा दाऊद ने हमात के राजा तू के बैरियों को हराया था जिसके परिणामस्वरूप वे अच्छे मित्र बन गए थे।
- हमात सुलैमान के भण्डारण नगरों में से एक था जहाँ उसने सामान रखा था।
- हमात नगर वह स्थान था जहाँ नबूकदनेस्सर ने राजा सिदकिय्याह की हत्या की थी और वहीं यहो आहाज मिस के फिरौन द्वारा बन्दी बनाया गया था।
- “हामात” का अनुवाद “हामातवासी” भी किया जा सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बाबेल, कनान, नबूकदनेस्सर, सीरिया, सिदकिय्याह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 18:3-4](#)
- [2 शमूएल 08:9-10](#)
- [आमोस 06:1-2](#)
- [यहेजकेल 47:15-17](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2574, H2577

हामोर**तथ्यः**

हामोर शकेम नगर के रहनेवाला एक कनानी पुरुष था, जब याकूब और उसका कुटुम्ब सुक्कोत में रहता था। वह एक हिव्वी था।

- याकूब ने हामोर के पुत्र से कब्र के लिए भूमि खरीदी थी।
- जब वे वहाँ रह रहे थे तब हामोर के पुत्र शेकेम ने याकूब की पुत्री दीना के साथ बलात्कार किया था।
- दीना के भाइयों ने हामोर के परिवार से बदला लेने के लिए शेकेम के सब पुरुषों की हत्या कर दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, हिव्वी, याकूब, शेकेम, सुक्कोत)

बाइबल सन्दर्भः

- [प्रे.का. 07:14-16](#)
- [उत्पत्ति 34:1-3](#)
- [उत्पत्ति 34:20-21](#)
- [यहोशू 24:32-33](#)
- [न्यायियों 09:28-29](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2544

हाय

परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को आगामी घोर कष्टों के अनुभव की चेतावनी भी दी जाती है।

- “हाय उन पर” इस अभिव्यक्ति में एक चेतावनी है कि वे लोग अपने पापों के कारण कष्टों का अनुभव करेंगे।
- बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
- मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
- इस अभिव्यक्ति, “हाय (“शहर का नाम) पर” का अनुवाद हो सकता है, "(शहर का नाम) के लिए कैसा भयानक होगा" या "(उस शहर) के लोगों को गंभीर दंड जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- यह अभिव्यक्ति, “हाय मुझे पर!” या “मुझ पर हाय!” का अनुवाद हो सकता है, “मैं कितना दुखी हूँ!” या “मैं बहुत उदास हूँ!” या “यह मेरे लिए कैसा भयानक है!”
- यह अभिव्यक्ति, “तुझ पर हाय” का अनुवाद हो सकता है “तू कष्टों का मारा होगा” या “तू भयानक परेशानियों का अनुभव करेगा।”

बाइबल सन्दर्भ:

- [यहेजकेल 13:17-18](#)
- [हबक्कूक 2:12](#)
- [यशायाह 31:1-2](#)
- [यिर्मयाह 45:1-3](#)
- [यहूदा 1:9-11](#)
- [लूका 06:24](#)
- [लूका 17:1-2](#)
- [मत्ती 23:23](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0188, H0190, H0337, H0480, H1929, H1945, H1958, G37590

हारान

तथ्यः

हारान अब्राहम का छोटा भाई और लूत का पिता था।

- हारान एक नगर का भी नाम है जहाँ अब्राहम ऊर से कूच करने के बाद कनान जाते समय ठहरा था।
- कालेब के पुत्र का नाम भी हारान था।
- बाइबल में हारान नामक तीसरा पुरुष लेवी वंशी था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, कालेब, कनान, लेवी, लूत, तेरह, ऊर)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 19:12-13](#)
- [प्रे.का. 07:1-3](#)
- [उत्पत्ति 11:31-32](#)
- [उत्पत्ति 27:43-45](#)
- [उत्पत्ति 28:10-11](#)
- [उत्पत्ति 29:4-6](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2039

हारून

तथ्यः

हारून मूसा का बड़ा भाई था। परमेश्वर ने हारून को इसाएल का प्रथम महायाजक होने के लिए चुना था।

- फिरौन से इसाएलियों के प्रस्थान का आग्रह करते समय फिरौन से बात करने में हारून ने मूसा की सहायता की थी।
- इसैलियों की जंगल यात्रा के समय हारून से पाप हो गया था क्योंकि उसने इसाएलियों की उपासना हेतु एक मूर्ति बना दी थी।
- परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक इसाएल के याजक होने के लिए नियुक्त कर दिया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: याजक, मूसा, इसाएल)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 इतिहास 23:14](#)
- [प्रे.का. 7:38-40](#)
- [निर्गमन 28:1-3](#)
- [लूका 1:5](#)
- [गिनती 16:45](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- 9:15 परमेश्वर ने मूसा और हारून को चेतावनी दी कि फिरौन कठोर मनुष्य है।
- 10:5 फिरौन ने मूसा और हारून को बुलाकर कहा कि यदि वह इस विपत्ति को रोक दे, तो इसाएली मिस्र से जा सकते हैं।
- 13:9 परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को अपने याजक होने के लिये चुना।
- 13:11 अतः वे (इसाएली) हारून के पास सोना ले आए और बोले कि हमारे लिये एक देवता बना!
- 14:7 वे (इसाएली) मूसा और हारून से क्रोधित होकर कहने लगे, “कि तुम हमें इतनी भीषण जगह क्यों लेकर आए?”

शब्द तथ्यः

- Strong's: H175, G0002

हिजकिय्याह

परिभाषा:

हिजकिय्याह यहूदा राज्य का तेरहवां राजा था। वह परमेश्वर को माननेवाला और परमेश्वर का आज्ञाकारी था।

- अपने पिता दुष्ट राजा आहाज के विपरीत हिजकिय्याह भला राजा था, उसने यहूदा राज्य में से मूर्तियों को धंस कर दिया था।
- हिजकिय्याह बहुत रोगग्रस्त हो गया था और मरने पर था, उसने परमेश्वर से विनती की कि उसे जीवनदान दे। परमेश्वर ने उसे जीवन दान दिया और उसकी आयु को पन्द्रह वर्ष बढ़ा दिया।
- हिजकिय्याह के लिए अपने वचन को सत्य सिद्ध करने हेतु परमेश्वर ने यह आश्वर्यकर्म किया और समय को पीछे कर दिया।
- अपनी प्रजा को अश्शूरी राजा सन्हेरीब से बचाने के लिए हिजकिय्याह ने परमेश्वर से प्रार्थना की थी और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुनी।

(यह भी देखें: आहाज, अश्शूर, मूरत, यहूदा, सन्हेरीब)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 03:13-14](#)
- [2 राजा 16:19-20](#)
- [होशे 01:1-2](#)
- [मत्ती 01:9-11](#)
- [नीतिवचन 25:1-3](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2396, H3169, G1478

हित्ती

परिभाषा:

हित्ती कनान से उत्पन्न हाम के वंशज थे। वे एक विशाल साम्राज्य बने जो आज के तुर्किस्तान और उत्तरी फिलिस्तीन क्षेत्र में था।

- अब्राहम ने हित्ती एप्रोन से भूमि खरीदी थी कि अपनी पत्नी सारा को वहां दफन करे। अब्राहम और उसके अनेक वंशज भी उस कब्र में दफन किए गए थे।
- एसाव ने दो हित्ती स्त्रियों से विवाह किया था जिसके कारण उसके माता-पिता दुःखी थे।
- दाऊद का भी एक योद्धा हित्ती था जिसका नाम ऊरिय्याह था।
- सुलैमान की परदेशी रानियों में भी हित्ती स्त्रियां थीं। इन स्त्रियों ने सुलैमान को अपनी मूर्ति-पूजा में आकर्षित करके उसके मन को परमेश्वर से दूर कर दिया था।
- हित्ती अधिकतर इसाएल के लिए शारीरिक एवं आत्मिक खतरा बने हुए थे।

(यह भी देखें: वंशज, एसाव, परदेशी, हाम, सामर्थी, सुलैमान, ऊरिय्याह)

बाइबल सन्दर्भः

- [1 राजा 9:20-21](#)
- [निर्गमन 3:7-8](#)
- [उत्पत्ति 23:11](#)
- [उत्पत्ति 25:10](#)
- [यहोशू 1: 4-5](#)
- [नहेम्याह 9:8](#)
- [गिनती 13:27-29](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2850

हिम

तथ्यः

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

- इसाएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंडल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है।
- बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
- बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छ सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे "पाप हिम की नाई श्वेत" हो जाएंगे अर्थात् "परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।"
- कुछ भाषाओं में हिम को "जमी हुई बारिश" या "बर्फ के टुकड़े" या "जमे बरफ का टुकड़ा" कहा जाता है।
- "बर्फ का पानी" अर्थात् पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: लबानोन, शुद्ध)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [निर्गमन 04:6-7](#)
- [अयूब 37:4-6](#)
- [मत्ती. 28:3-4](#)
- [भजन संहिता 147:15-16](#)
- [प्रकाशितवाक्य 01:14-16](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

हियाव

तथ्य:

"हियाव" का अर्थ है निडर होकर सामना करना या कठिन, भयानक और संकट का काम करना।

- "साहसी" (निर्भीक) साहस दिखानेवाला मनुष्य चाहे वह भयभीत हो या उस पर त्याग करने का दबाव हो।
- मनुष्य पर जब मानसिक या शारीरिक कष्ट आता है तब वह शक्ति का उपयोग करके यत्न के साथ साहस का प्रदर्शन करता है।
- "हिमत बांधो" अर्थात् "उरो मत" या "विश्वास रखो कि सब अच्छा होगा"
- जब यहोशू कनान जैसे खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश करने की तैयारी कर रहा था तब मूसा ने उसे प्रोत्साहित किया कि वह "हियाव बांधकर और दृढ़ होकर" रहे।
- "हियाव" शब्द का अनुवाद "बहादुर" या "निडर" या "साहस" हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, "हियाव बांधने" का अनुवाद "मानसिक रूप से दृढ़" या "विश्वास करना" या "अटल रहना" हो सकता है।
- "निडर होकर बोलना" का अनुवाद "निर्भीक होकर कहना" या "बिना किसी डर के कहना" या "विश्वास के साथ कहना" हो सकता है।

"प्रोत्साहन देना" और "प्रोत्साहन" ऐसे शब्द हैं जिनके द्वारा मनुष्यों में ढांढ़स, आशा, विश्वास तथा साहस उत्पन्न किया जाता है।

- ऐसा ही एक शब्द है, "समझाना" (उपदेश देना) जिसका अर्थ है किसी से गलत काम का त्याग का और उचित एवं भले काम करने का आग्रह करना।
- प्रेरित पौलुस तथा नये नियम के अन्य लेखकों ने विश्वासियों को समझाया कि वे आपस में प्रेम रखें और सेवा करें।

"उदास" शब्द का सन्दर्भ ऐसा कुछ कहना या करना जिससे लोगों की आशा, आत्मविश्वास और साहस खो जाए और जिस कार्य में वे जानते हैं उन्हें अधिक परिश्रम करना चाहिए उन्हें उसे करने की इच्छा घट जाती है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “प्रोत्साहन” शब्द के अनुवाद “आग्रह करना” या “शान्ति देना” या “दयालु शब्दों का उपयोग करना” या “सहायता करना एवं सहयोग देना” हो सकते हैं।
- “प्रोत्साहन की बातें” अर्थात् “ऐसी बातें जिनसे मनुष्य को प्रेम, स्वीकरण तथा शक्ति पाने का बोध” हो।

(यह भी देखें: आत्मविश्वास, समझाया, भय, बल)

बाइबल सन्दर्भः

- [व्यवस्थाविवरण 01:37-38](#)
- [2 राजा 18:19-21](#)
- [1 इतिहास 17:25-27](#)
- [मत्ती 09:20-22](#)
- [1 कुरिन्यियों 14:1-4](#)
- [2 कुरिन्यियों 07:13](#)
- [प्रेरि. 05:40-42](#)
- [प्रेरि. 16:40](#)
- [इब्रानियों 03:12-13](#)
- [इब्रानियों 13:5-6](#)

शब्द तथ्यः

- स्ट्रांग'स: H533, H553, H1368, H2388, H2388, H2428, H3820, H3824, H7307, G2114, G2115, G2174, G2292, G2293, G2294, G3870, G3874, G3954, G4389, G4837, G5111

हिरन

परिभाषा:

हिरन एक बड़ा चौपाया है जो सुन्दर होता है और जंगलों तथा पहाड़ों में रहता है। नर पशु के बड़े-बड़े सींग होते हैं।

- शब्द “हिरनी” मादा हिरन के सन्दर्भ में इस्तेमाल किया गया है, और हिरन के बच्चे “मृगनी” कहलाते हैं।
- शब्द “हिरन” का सन्दर्भ नर हिरन से है।
- हिरन की एक और प्रजाति है, छोटी हिरन।
- हिरन के पांव पतले और बलवन्त होते हैं जिनके द्वारा वह कूदता है और तीव्र गति से भागता है।
- उनके खुर चिरे होते हैं जिनकी सहायता से वे ऊँची जगहों पर चढ़ जाते हैं।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 शमूएल 22:34-35](#)
- [उत्पत्ति 49:19-21](#)
- [अय्यूब 39:1-2](#)
- [भजन संहिता 018:33-34](#)
- [श्रेष्ठगीत 02:7](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H354, H355, H365, H3180, H3280, H6643, H6646

हिल्कियाह

तथ्यः

राजा योशियाह के राज्यकाल में हिल्कियाह महायाजक था।

- मन्दिर के पुनः निर्माण के समय हिल्कियाह महायाजक को वहां व्यवस्था की पुस्तक मिली थी, उसने आदेश दिया था कि वह पुस्तक राजा योशियाह के पास ले जाया जाए।
- अतः उसने यहूदा राजा की प्रजा को यहोवा की उपासना और उसकी व्यवस्था के पालन हेतु प्रेरित किया।
- हिल्कियाह नामक एक और पुरुष था, वह एलयाकीम का पुत्र था जो हिजकियाह राजा के महल में सेवा करता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एलयाकीम, हिजकियाह, महा-याजक, योशियाह, यहूदा, व्यवस्था, आराधना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 18:16-18](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2518

हिक्की

तथ्यः

हिक्की कनान में वास करनेवाली सात प्रमुख जातियों में से एक थी।

- इन सब जातियों में हिक्की भी कनान के वंशज थे, जो नूह का पोता था।
- हिक्की शेकेम ने याकूब की पुत्री दीना का शील भंग किया था परिणामस्वरूप उसके भाइयों ने लगभग सब हिक्कियों को मार डाला था।
- कनान के विजय अभियान में जब यहोशू इस्माएलियों की अगुआई कर रहा था तब इन लोगों ने छल से इस्माएल के साथ वाचा बांध ली थी कि उनका सर्वनाश न हो।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: कनान, हाम, नूह, शेकेम)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 इतिहास 08:7-8](#)
- [निर्गमन 03:7-8](#)
- [उत्पत्ति 34:1-3](#)
- [यहोशू 09:1-2](#)
- [न्यायियों 01:8-10](#)
- [गिनती 13:21-22](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2340

हेब्रोन

तथ्यः

हेब्रोन यरूशलेम के दक्षिण में लगभग 20 मील दूर ऊंचे चट्टानी पहाड़ों में बसा था।

- यह नगर अब्राहम के युग में 2000 ई.पू. में बनाया था। पुराने नियम के ऐतिहासिक वृत्तान्त में इस नगर का नाम अनेक बार आता है।
- हेब्रोन ने राजा दाऊद के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उसके कई पुत्र, अबशालोम का भी जन्म वहां हुआ था।
- लगभग सन् 70 में रोमी सेना ने इस नगर को नष्ट कर दिया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अबशालोम)

बाइबल सन्दर्भः

- [2 शमूएल 02:10-11](#)
- [उत्पत्ति 13:16-18](#)
- [उत्पत्ति 23:1-2](#)
- [उत्पत्ति 35:26-27](#)
- [उत्पत्ति 37:12-14](#)
- [न्यायियों 01:8-10](#)
- [गिनती 13:21-22](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H2275, H2276, H5683

हेरोदियास

तथ्यः

हेरोदियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समय में यहूदिया के हेरोदेस अन्तिपास की पत्नी थी।

- हेरोदियास वास्तव में अन्तिपास के भाई फिलिप की पत्नी थी परन्तु अवैध विवाह करके वह हेरोदेस अन्तिपास के साथ आ गई थी।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला हेरोदेस और हेरोदियास को उनके अवैध विवाह के लिए द्विङ्क्रिता था। इस कारण हेरोदेस ने यूहन्ना को बन्दी बना लिया था और बाद में हेरोदियास के कारण उसका सिर कटवा दिया गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)
(यह भी देखें: हेरोदेस अन्तिपास, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 3:19](#)
- [मरकुस 6:17](#)
- [मरकुस 6:22](#)
- [मत्ती 14:4](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G22660

हेरोदेस अन्तिपास

तथ्य:

यीशु के जीवनकाल के अधिकाँश समय, हेरोदेस अन्तिपास जो रोमन साम्राज्य के उस भाग पर राज करता था जिसमें गलील प्रांत भी था।

उसके पिता, हेरोदेस महान के समान अन्तिपास को भी कभी-कभी "राजा हेरोदेस" कह कर संबोधित किया जाता था जबकि वह वास्तव में राजा नहीं था।

- हेरोदेस अन्तिपास इस्साएल के एक चौथाई भाग पर शासन करता था इसलिए उसको "चौथाई देश का राजा हेरोदेस" भी कहा जाता था। चौथाई देश का राजा (तेतराख) देश के चौथाई भाग पर शासन करने वाले को कहते थे।
- अन्तिपास वह "हेरोदेस" था जिसने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का सिर काटने की आज्ञा दी थी।
- इसी हेरोदेस अन्तिपास ने कूसीकरण से पूर्व यीशु से प्रश्न किए थे।
- अन्य हेरोदेस नए नियम के युग में अन्य हेरोदेस थे, एन्तिपास के पुत्र (अग्रिप्पा) और पोता (अग्रिप्पा 2) थे जिन्होंने प्रेरितों के समय में शासन किया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कूस पर चढ़ाना, हेरोदेस महान, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), राजा, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [लूका 3:1-2](#)
- [लूका 3:20](#)
- [लूका 9:9](#)
- [लूका 13:32](#)
- [लूका 23:9](#)
- [मरकुस 6:20](#)
- [मत्ती 14:2](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G22640, G22650, G22670

हेरोदेस महान

तथ्य:

हेरोदेस महान यहूदिया का प्रशासक था जब यीशु का जन्म हुआ। वह कई ईदोमी शासकों में पहला हेरोदेस था, जो रोमन साम्राज्य के कुछ हिस्सों पर शासन किया था।

- उसके पूर्वजों ने यहूदी धर्म अपना लिया था, अतः वह यहूदी रीति रिवाजों और परम्पराओं में पला-बड़ा हुआ था। कैसर औगुस्तुस ने ही तो उसको यह पदनाम दिया था, "राजा हेरोदेस" यद्यपि वह वास्तव में राजा नहीं था। उसने 33 वर्ष यहूदिया में यहूदियों पर राज किया था।
- औगुस्तुस कैसर ने उसे राजा हेरोदेस नाम दिया था जबकि वह राजा नहीं था। * उसने यहूदिया में यहूदियों पर 33 वर्ष राज किया।
- हेरोदेस महान भव्य ईमारतों के निर्माण के लिए जाना जाता था जिसमें यरूशलेम के यहूदियों के मन्दिर का नव-निर्माण भी था।
- यह हेरोदेस एक निर्दयी मनुष्य था और उसने अनेक हत्याएं की थी। जब उसने सुना कि यहूदियों के राजा का जन्म हुआ है तब उसके बैतलहम के सब बालकों को मरवा दिया था।
- उसके पुत्र हेरोदेस अन्तिपास और हेरोदेस फिलिप और उसका परपोता हेरोदेश अग्रिष्ठा आगे चलकर यहूदिया का शासक बना। उसका परपोता हेरोदेश अग्रिष्ठा द्वितीय ("राजा अग्रिष्ठा" कहलाया) ने भी संपूर्ण यहूदिया पर राज किया।

(देखें: नाम कैसे अनुवादित करें)

(यह भी देखें: हेरोदेस अन्तिपास, यहूदिया, राजा, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- [मत्ती 2:3](#)
- [मत्ती 2:12](#)
- [मत्ती 2:16](#)
- [मत्ती 2:20](#)
- [मत्ती 2:22](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G22640

हेर्मोन पर्वत

तथ्य:

हेर्मोन पर्वत इस्राएल के सबसे ऊचे पर्वत का नाम है जो लबानोन की पर्वत शृंखला के दक्षिणी छोर पर है।

- यह पर्वत गलील सागर के उत्तर में, इस्राएल और सीरिया के मध्य उत्तरी सीमा पर है।
- अन्य जातियों द्वारा हेर्मोन पर्वत को "पर्वत सिर्योन" और "पर्वत सनीर" भी कहा गया है।
- हेर्मोन पर्वत की तीन प्रमुख चोटियाँ हैं। सबसे ऊची चोटी 2,800 मीटर ऊची है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल, गलील सागर, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 26:31-32](#)
- [यहेजकेल 27:4-5](#)
- [यहोशू 11:16-17](#)
- भजन संहिता 042:5-6
- [श्रेष्ठगीत 04:8](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2022, H2768, H2769, H8149

हेशबोन

तथ्य:

बाइबल के ज्ञाने में, हेशबोन मोआब का एक प्रमुख शहर था। इसाएलियों को इसके ऊपर विजय प्राप्त करने और इसमें रहना शुरू करने से पहले यह राजा सीहोन की राजधानी थी।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद करें)

(यह भी देखें: मोआब, सीहोन)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ना :

होमबलि

परिभाषा:

“होमबलि” परमेश्वर के समक्ष वेदी पर जलाई जाने वाली बलि। यह बलि मनुष्यों के पाप के प्रायश्चित के लिए थी। इसे “अग्निदान” भी कहते थे।

- इस बलि के पशु प्रायः भेड़ या बकरी थे परन्तु बैल और पक्षी भी चढ़ाए जाते थे।
- त्वचा को छोड़कर संपूर्ण पशु जला दिया जाता था। खाल या त्वचा पुरोहित को दे दी जाती थी।
- परमेश्वर के आदेश के अनुसार यह दियों को प्रतिदिन दो होमबलि चढ़ानी होती थी।

(यह भी देखें: वेदी, प्रायश्चित, बैल, याजक, बलि)

बाइबल सन्दर्भः

- [निर्गमन 40:5-7](#)
- [उत्पत्ति 8:20](#)
- [उत्पत्ति 22:1-3](#)
- [लैव्यव्यवस्था 3:5](#)
- [मरकुस 12:33](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H801, H5930, H7133, H8548, G3646

होशे

तथ्यः

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इसाएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

- उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जिय्याह, और हिजकिय्याह।
- होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
- यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
- होशे ने इसाएलियों के पाप के विरुद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाज, हिजकिय्याह, होशे, यारोबाम, योताम, उज्जिय्याह, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भः

- [होशे 01:1-2](#)
- [होशे 01:3-5](#)
- [होशे 01:6-7](#)

शब्द तथ्यः

- Strong's: H1954, G5617

होशे

तथ्यः

होशे इसाएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

- एला का पुत्र होशे ने इस्साएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकियाह का राज था।
- नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्साएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
- एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाज, कनान, एप्रैम, हिजकियाह, यहोशू, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 27:19-22](#)
- [2 राजा 15:29-31](#)
- [2 राजा 17:1-3](#)
- [2 राजा 18:1-3](#)
- [2 राजा 18:9-10](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1954